

## POINTS TO BE NOTED

### IN CONNECTION WITH THE USE OF THE ŚLOKA-PADA-SŪCĪ OF HARIVAMSA

(1) In this Suci, we have taken into account the padas or verse-quarters occurring in the Constituted Text of Harivamśa. We have altogether ignored the star passages and Appendix passages.

(2) These verse-quarters are reproduced in Devanāgarī script in the alphabetical order as set forth below.

**Vowels** अ ( अ, अ ), आ इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, ए, ऐ, ओ and औ—the scheme represented by अ, अ (shown within brackets after अ) being made applicable *mutatis mutandis* to each of the vowels.

**Consonants** क ( क, क, का, का, का, कि, कि, कि etc ) ख, ग, घ, द, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, म, म, य, र, ( ऌ ), ॡ, व, श, ष, स, ह—the scheme represented by क, क, क, का, का, का, कि, कि, कि etc, (shown within brackets after क) being made applicable *mutatis mutandis* to each of the consonants.

(3) Each verse-quarter is followed by the reference or references to the place or places where the verse-quarter occurs. These references are given in the serial order.

(4) The figure in black or Clarendon Type indicates the *adhyaya* in the constituted text of Harivamśa. The next figure in running type represents the number of the *śloka* in that *adhyaya*. Letters <sup>1</sup>, <sup>2</sup>, <sup>3</sup>, <sup>4</sup>, <sup>5</sup>, and <sup>6</sup> attached to the number of the *śloka* denote respectively the first, the second, the third, the fourth, the fifth, and the sixth padas of that *śloka*.

# श्लोकपादसूची

[अ]कल्प्यमान इवाचल ]

[ अशौहिण्यो हि तस्यासन्

अ

[अ]कल्प्यमान इवाचल 39 31<sup>d</sup>  
 अकल्प्य पुरुषोत्तम 90 4<sup>d</sup>  
 अकरोर्विप्रयुक्तार्था 41 6<sup>d</sup>  
 अकरोरुप्रक्रामस्तु 9 3<sup>d</sup>  
 अकरोरुप्रियवीनिमाम् 9 17<sup>d</sup>  
 अकरोस्तमेरे शत्रुत् 110 54<sup>d</sup>  
 अकरोदयित्तम 21 34<sup>d</sup>  
 अकरोहानवोत्तम 58 17<sup>d</sup>  
 अकरोधम्महाबाहु 91 1<sup>d</sup>  
 अकरोऽय मयानव 21 32<sup>d</sup>  
 अकरोऽय यदि कृत 66 19<sup>d</sup>  
 अकर्मण्येषु वृक्षेषु 52 13<sup>d</sup>  
 अकस्मादेव चाहसत् 19 4<sup>d</sup>  
 अकस्माद्वैपिणी घोरा 40 26<sup>d</sup>  
 अकरणज देवाना 43 36<sup>d</sup>  
 [अ]कारयम्मणिपर्वतम् 91 14<sup>d</sup>  
 अकिंचिदुक्त्वा व विप्र 102 18<sup>d</sup>  
 अकुरसना च पतिते 116 10<sup>d</sup>  
 अकूपार इति श्रुति 65 42<sup>d</sup>  
 अकृतामणि भोदयन्ति 116 38<sup>d</sup>  
 अकृते श्राद्धकर्मेणि 9 43<sup>d</sup>  
 अकृत्वा पावयो शौच 3 106<sup>d</sup>  
 अकृताश्व हृताश्वश्च 9 80<sup>d</sup>  
 अकृष्टपण्या प्रियवी 5 31<sup>d</sup>  
 अकिपाविति सर्वथा 72 20<sup>d</sup>  
 अक्रुद्ध एव भगवान् 56 35<sup>d</sup>  
 अक्रुद्ध बुध मे प्रीतिम् 65 96<sup>d</sup>  
 अक्रुद्ध गच्छ भीष्म त्वं 65 92<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टयदा इति ते 29 27<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टयवने श्रुत्वा 69 27<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टस्तु तदा रत्नम् 29 4<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टस्तु महातेजा 65 100<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टसन्धके साधेम् 29 30<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टस्य कपाभित्तु 69 31<sup>d</sup>

अक्रुष्टस्य च प्रत्यक्ष 96 36<sup>d</sup>  
 अक्रुष्ट कुटुरान्वका 29 32<sup>d</sup>  
 अक्रुष्ट प्रददौ धीमान् 29 34<sup>d</sup>  
 अक्रुष्ट प्रदाशत ह 68 18<sup>d</sup>  
 अक्रुष्ट सुपुत्रे तस्मात् 24 8<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टात्कानि कन्याया 25 5<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टेणाकंतेजसा 71 2<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टेणौप्रसेन्या तु 24 11<sup>d</sup> 28 42<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टे विप्रयो चापि 87 45<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टोऽय महाभाग 28 38<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टो दन्तवज्र तु 87 53<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टोऽन्तरमन्विच्छन् 29 2<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टोऽपि यथाज्ञ 67 1<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टे मरण श्रेय 78 8<sup>d</sup>  
 अक्रुष्टेन महामति 29 38<sup>d</sup>  
 अक्षकैर्बातकैश्च 93 19<sup>d</sup>  
 अक्षगो मधुसूदन 95 7<sup>d</sup>  
 अक्षत्रियाश्च राक्षान 116 6<sup>d</sup>  
 अक्षयुते पराजित 89 31<sup>d</sup>  
 अक्षयप्रपत्ने चैव 97 10<sup>d</sup>  
 अक्षयश्चाक्षयश्चैव 113 34<sup>d</sup>  
 अक्षय चापि व्रतेभ्य 78 46<sup>d</sup>  
 अक्षय तय गाय च 112 123<sup>d</sup>  
 अक्षय या क्षरन्त्यश्च 45 25<sup>d</sup>  
 अक्षय वतामिद्वको 10 51<sup>d</sup>  
 अक्षयगते करीपस्य 72 8<sup>d</sup>  
 अक्षय श्रुतर्वा चाणूर 89 17<sup>d</sup>  
 अक्षयान्त्वमी ततो हृष्ट 89 37<sup>d</sup>  
 अक्षिणी विवृते चक्रे 67 35<sup>d</sup>  
 अक्षुद्रा सत्यवन्तश्च 109 50<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्यनिपुणोऽपि च 89 20<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्यो प्रकृष्यन्त 100 9<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्यश्च शूराणा 62 76<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्या तु सैन्यस्य 25 14<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्यो हि तस्यासन् 82 28<sup>d</sup>

अखिल धारविप्यसि 45 18<sup>६</sup>  
 अगच्छद्भवा भूरा 8 16<sup>६</sup>  
 अगच्छ प्रक्षण सनाम् 46 12<sup>६</sup>  
 अगति पापकर्मणाम् 30 30<sup>६</sup>  
 अगम खगमोऽभवत् 61 32<sup>६</sup>  
 अगस्त्रगुप्तमाता य 87 12<sup>६</sup>  
 अगाधपरिक्षाद्युताम् 93 24<sup>६</sup>  
 अगाध दुर्दिन महत् 61 13<sup>६</sup>  
 अगाध योत्तमान च 55 47<sup>६</sup>  
 अगाधेयाम्भसा द्युः 55 42<sup>६</sup>  
 अगाधो भ्राज एव च 110 25<sup>६</sup>  
 अगाधोऽसि जनादेन 103 6<sup>६</sup>  
 अगावह महाभाने 25 7<sup>६</sup>  
 अगावह सुमित्रश्च 98 16<sup>६</sup>  
 अगृभु सुपुत्रे वृष 24 20<sup>६</sup>  
 अगृहीता वराहोया 92 57<sup>६</sup>  
 अगात्रमिवाहितम् 12 6<sup>६</sup>  
 अग्निजिह्वो दुर्भलोमा 31 22<sup>६</sup>  
 अग्निनामिसमो भूय 2 43<sup>६</sup>  
 अग्निपुत्र कुमारस्तु 3 36<sup>६</sup>  
 अग्निमूतोऽग्निवर्चसाम् 30 35<sup>६</sup>  
 अग्निमावृत्योक्तस्मिन् 36 46<sup>६</sup>  
 अग्निमाहवनीय च 30 21<sup>६</sup>  
 अग्निराहवनीयस्तु 110 17<sup>६</sup>  
 अग्निष्टुदग्निरात्रश्च 2 17<sup>६</sup>  
 अग्निहोमादयो यज्ञा 100 77<sup>६</sup>  
 अग्निभगात् इति न्याता 13 24<sup>६</sup>  
 अग्निस्पर्तमौ बुधि 97 9<sup>६</sup>  
 अग्निहोत्रकुर्वन्नेन 23 105<sup>६</sup>  
 अग्निहोत्राकुले काले 68 11<sup>६</sup>  
 अग्निं सुवणस्य गुरु 42 37<sup>६</sup>  
 अग्नीनसिन्धवाहितान् 13 29<sup>६</sup>  
 अग्नीना वासुदेवेन 110 23<sup>६</sup>  
 अग्नीपोममय तगत् 30 45<sup>६</sup>  
 अग्नीपोममय लोक 39 11<sup>६</sup>  
 अग्नीपोमात्मके सधौ 68 11<sup>६</sup>  
 अग्नेरहवनीयस्य 110 13<sup>६</sup>  
 अग्नेर्गन्ध यथा छुत्वा 13 57<sup>६</sup>  
 अग्नयमावेष्णु वा पुन 13 67<sup>६</sup>  
 अग्नेमुत्र सोममुच 31 9<sup>६</sup>  
 अग्नेन मयूरणाम् 47 44<sup>६</sup>  
 अग्नेन च भास्वता 47 44<sup>६</sup>  
 अग्नेपुत्री महानासीत् 23 33<sup>६</sup>

अद्भरानश्च बलवान् 80 12<sup>६</sup>  
 अद्भुतकलिङ्गानाम् 87 27<sup>६</sup>  
 अद्भुतकलिङ्गैश्च 87 50<sup>६</sup>  
 अद्भुत सुमनस स्वाधि 2 18<sup>६</sup>  
 अद्भुत प्रथमतो अग्रे 23 29<sup>६</sup>  
 अद्भुतपुत्रीयापत्यं वै 2 19<sup>६</sup>  
 अद्भुता हृत्पथनम् 23 40<sup>६</sup>  
 अद्भुतपद्मपद्मिनीश्च 117 29<sup>६</sup>  
 अद्भुतसेतुमन्त्रपुत्र 23 130<sup>६</sup>  
 अद्भुतस्य तु दायाद 23 132<sup>६</sup>  
 अद्भुता हृत्पथ 7 7<sup>६</sup>  
 अद्भुतमात्र पुरम् 12 6<sup>६</sup>  
 अद्भुतपद्मपुत्रो जय 2 51<sup>६</sup>  
 अद्भुतपद्मपद्म भूमि 114 16<sup>६</sup>  
 अद्भुतस्य चरात्रेव 2 46<sup>६</sup>  
 अद्भुत चैव पुरम् 2 11<sup>६</sup>  
 अद्भुता प्रागिनां योनि 58 44<sup>६</sup>  
 अद्भुता द्वादशावताम् 93 27<sup>६</sup>  
 अद्भुतस्य च तत्पथ 106 53<sup>६</sup>  
 अद्भुततयिरवा देवेन्द्र 97 14<sup>६</sup>  
 अद्भुतस्य कर्म तद्भुतत्वा 65 5<sup>६</sup>  
 अद्भुतस्य रूपमात्म्या 65 36<sup>६</sup>  
 अद्भुतस्य शूलपाणिनम् 85 10<sup>६</sup>  
 अद्भुताभ्युदयता प्राप्ता 79 22<sup>६</sup>  
 अद्भुतरेण कालेन 79 6<sup>६</sup> 82 21<sup>६</sup> 86 41<sup>६</sup>  
 अद्भुतोद नाम तद्विन्द 13 25<sup>६</sup>  
 अद्भुतोदा नाम निम्नगा 13 25<sup>६</sup>  
 अद्भुत भोतभीतवत् 109 38<sup>६</sup>  
 अद्भुतस्य तु दायाद 23 81<sup>६</sup>  
 अद्भुतो नाम दीर्घान् 23 81<sup>६</sup>  
 अद्भुताभ्युदयता 114 13<sup>६</sup>  
 अद्भुतमीडस्य केसिन्या 23 75<sup>६</sup>  
 अद्भुतमीडस्य दायाद 15 31<sup>६</sup>  
 अद्भुतमीडस्य पत्न्यस्तु 23 74<sup>६</sup>  
 अद्भुतमीड समेधियान् 23 106<sup>६</sup>  
 अद्भुतमीडानु मील्या वै 23 95<sup>६</sup>  
 अद्भुतमीडो द्विमीडश्च 23 75<sup>६</sup>  
 अद्भुतभ्रामरवैव 112 118<sup>६</sup>  
 अद्भुतदामौ च पार्थी तौ 114 12<sup>६</sup>  
 अद्भुतस्तु रघुतो जय 10 74<sup>६</sup>  
 अद्भुतपुत्राय सुताम् 28 8<sup>६</sup>  
 अद्भुतपुत्राय सुताम् 24 33<sup>६</sup>  
 अद्भुतते दशन नासि 48 48<sup>६</sup>

अज्ञानकादयपक्षस्मात् 8 4°  
 अज्ञाध्वोपयोदयन्ते 116 29°  
 अजितेन्द्रियमस्थिरम् 118 17°  
 अजीजनस्युत्करिण्या 2 15°  
 अजेयश्चेति मत्वा त 108 60°  
 अजेयस्तरि त्रिभिलौके 112 108°  
 अजेय द्वाश्वतो नित्य 113 34°  
 अजेयो धलदेवोऽयम् 89 31°  
 अत्रैकपादहिर्बुध्न्य 3 42°  
 अत्रैकं परोष्ठं च 117 34°  
 अश्लिष्टिकण्डकन 52 22°  
 अटम्बं पृथिवीं कृत्वा 46 25°  
 अट्टयुला जनपदा 116 12°  
 अणुधर्मैरतिनित्यम् 18 4°  
 अणुहस्तं नृपश्रेष्ठ 18 21°  
 अणुद कस्य वै पुत्र 15 5°  
 अणुद्वारापार्थिवश्रेष्ठात् 15 4°  
 अणुहोऽप्यगन्तव्यम् 18 4°  
 अणुहो नाम तस्यासीत् 18 4°  
 अणुहो नाम पार्थिव 15 23°  
 अत ऊर्ध्वं व्युते धर्मे 117 3°  
 अतर्पयत तच्छ्रोत्र 118 2°  
 अतश्च बलयाङ्काल 115 26°  
 अतस्ते वर्तयिष्येऽहम् 15 65°  
 अतस्त्वं क्षमयायदम् 112 110°  
 अत परतरं कृष्य 70 38°  
 अतिशान्तस्य कालस्य 38 14°  
 अतिचन्द्रार्कमाखरैः 93 34°  
 अतिधिसु कुवाज्जे 10 75°  
 अतिधिस्य हि मग्नोऽह 39 26°  
 अतिद्वान्ते बृहदुर्मै 87 47°  
 अतिदैवैरमातुष्यै 65 25°  
 अतिदैव्यं कृतं कर्म 62 11°  
 अतिदैव्यं तु कृष्णस्य 61 60°  
 अतिनामा सहिष्णुश्च 7 27°  
 अतिप्रभूदो मत्तश्च 67 9°  
 अतिप्रसक्तौ सौ द्रष्टु 51 12°  
 अतिमातृपुरुषेणाम् 62 87°  
 अति वायोरेव गतिम् 110 10°  
 अतिवृष्टिः कृता कृष्य 63 14°  
 अतिवृष्टेन लोकस्य 61 15°  
 अतिवृष्टसमाकाङ्क्षी 33 8°  
 अतिवृष्टिः कविणीकिन 27 23°

अति सूर्यं च चन्द्रं च 31 140°  
 अतीक्ष्णदण्डाश्चतुर 41 7°  
 अतीतानागतजज्ञश्च 115 22°  
 अतीतानागतं वाक्यम् 118 1°  
 अतीतानागताना वै 7 46°  
 अतीता वर्तमानाश्च 7 6°, 37°  
 अतीत्य च यदुन्स्वर्गम् 107 71°  
 अतीत्य त्रिषु लोकेषु 21 3°  
 अतीत्य त्वं हि लोकेऽस्मिन् 73 28°  
 अतीत्य देवा रक्षन्ति 78 13°  
 अतीत्य चलन्तं हि 90 2°  
 अतीत्यं शुश्रुमे रूप 110 3°  
 अतीत्य सौम्य सोऽप्यासीत् 93 49°  
 अतीत्य हि पुरी रम्या 91 23°  
 अतीतानामुर्वी मेधा 79 7°  
 अत्यद्भुतमचिन्त्यं च 92 41°  
 अत्यद्भुतमिदं चास्मिन् 96 33°  
 अत्यद्भुतानि कर्माणि 1 3° 96 29°  
 अत्यन्तं शिरसो रुद्धीर्मा 77 9°  
 अत्यर्थं श्राम्यते वीर 99 20°  
 अत्र ते वर्तयिष्यामि 7 55° 11 16°  
 अत्र मे नादं प्राह 65 58°  
 अत्र मे भगवन्किं तु 43 31°  
 अत्र मे शङ्कते बुद्धि 65 46°  
 अत्र मे सप्तपञ्चोत्र 11 34°  
 अत्र वै निग्रहं कार्यं 75 21°  
 अत्र वीज्या विमयन्ता 43 53°  
 अत्रिर्वैशिष्ट्ये भगवान् 7 30°  
 अत्रिर्वसस्युत्पत्त 5 1°  
 अत्रिरेष्टानि गोत्राणि 23 12°  
 अथ कार्यनिरोधं स्थात् 113 10°  
 अथ केतुमतं पुत्र 23 57°  
 अथ चित्रयथापि 23 36°  
 अथ तान्वाग्मिरुप्राप्ति 108 34°  
 अथ ते सुरव दत्ता 118 29°  
 अथ तौ जातहर्षौ तु 58 1°  
 अथ दामोदरं श्रीमान् 52 8°  
 अथ दिव्येन मयुर 82 10°  
 अथ दीर्घस्य कालस्य 42 23°, 27°  
 अथ दुर्गोचनो राजा 29 28°  
 अथ पर्यंतमूवं तन् 103 21°  
 अथ पुत्रसहस्राणि 3 6°  
 अथ पुत्रानिमासस्य 7 24°

अथ प्रविश्यधुदेवा 36 60<sup>a</sup>  
 अथ भीमरथस्यासीत् 26 33<sup>a</sup>  
 अथ भूत्वा कुमारी सा 27 10<sup>a</sup>  
 अथ मा प्रत्यभापत 100 51<sup>a</sup>  
 अथ रात्रौ शिरःकात 19 15<sup>a</sup>  
 अथ रामोऽन्वीक्षाया 110 11<sup>a</sup>  
 अथर्वणि च यन्मतम् 100 66<sup>a</sup>  
 अथवांश्चिरसैरपि 20 12<sup>a</sup>  
 अथ चा कस्य पुत्रस्य 45 45<sup>a</sup>  
 अथ वा प्रायिनस्तात 83 9<sup>a</sup>  
 अथ वा रजतान्वितम् 13 86<sup>a</sup>  
 अथ विज्ञाय योगेन 29 33<sup>a</sup>  
 अथ सा दशमे मासि 27 11<sup>a</sup>  
 अथ सिंह प्रयावन्तम् 28 16<sup>a</sup>  
 अथ सिंह प्रसेनस्य 28 21<sup>a</sup>  
 अथ सौभषति श्रीमान् 73 18<sup>a</sup>  
 अथ सौमित्रिणा वाणि 44 49<sup>a</sup>  
 अथाकाशे पुनर्वाचम् 102 10<sup>a</sup>  
 अथाक्षतमहावृष्ट्या 96 18<sup>a</sup>  
 अथामय महारौद्रम् 112 19<sup>a</sup>  
 अथाक्षिराक्षिशूलेन 110 29<sup>a</sup>  
 अथान्तस्तु वाणेन 110 22<sup>a</sup>  
 अथाधिभित्तपर्यङ्गे 60 17<sup>a</sup>  
 अथान्तरेक्षे रा-पर्वदे 91 42<sup>a</sup>  
 अथान्तरेक्षे ज्वनद् 108 37<sup>a</sup>  
 अथान्यद्बनुरादाय 88 21<sup>a</sup>  
 अथान्तराच्छत्रोविन्द 85 39<sup>a</sup>  
 अथापरे महाभागा 110 25<sup>a</sup>  
 अथाप्रवीतसमुद्रस्त 103 4<sup>a</sup>  
 अथाप्रवीतसमुद्रस्तु 103 8<sup>a</sup>  
 अथाभ्यवाचकृद् 81 51<sup>a</sup>  
 अथाभ्युत्थाय विमना 109 65<sup>a</sup>  
 अथामज्जुनस्तत्र 70 31<sup>a</sup>  
 अथाप्यगृहमासाय 92 2<sup>a</sup>  
 अथादमकानामधिप 89 17<sup>a</sup>  
 अथाश्रुपरिपूर्णाक्षम् 95 10<sup>a</sup>  
 अथाष्टबाहु कृष्णस्तु 110 4<sup>a</sup>  
 अथास्त गच्छति तदा 68 1<sup>a</sup>  
 अथाह कृष्णमद्वृत् 70 8<sup>a</sup>  
 अथाहान्ताईसो विप्र 67 53<sup>a</sup>  
 अथैतान्मुमनामवीन् 17 7<sup>a</sup>  
 अथैन सनातधीरा 19 24<sup>a</sup>  
 अथैन्द्रसन्निरान्त 97 12<sup>a</sup>

अथोमचञ्चल्येण 91 56<sup>a</sup>  
 अथोवाच महातेजा 91 33<sup>a</sup>  
 अदम्भवृत्तय सवे 65 14<sup>a</sup>  
 अदशदाहुविमरं 67 30<sup>a</sup>  
 अदासद्वायद्वय 29 1<sup>a</sup>  
 अदितिर्दितिर्दुश्चैव 3 45<sup>a</sup>  
 अदितिर्देवतारणि 38 20<sup>a</sup>  
 अदितिर्देवमातेव 96 10<sup>a</sup>  
 अदितिस्तौ सुतौ प्रीत्या 92 56<sup>a</sup>  
 अदिति धर्पयामास 91 16<sup>a</sup>  
 अदिति सप्रविश्य वै 3 48<sup>a</sup>  
 अदिति सुरभि तथा 45 23<sup>a</sup>  
 अदिति सुरभिक्षोभे 45 21<sup>a</sup>  
 अदिति सुरभिलया 45 36<sup>a</sup>  
 अदितेरपि पुत्राय 32 5<sup>a</sup>  
 अदितेर्गर्भपदायै 62 35<sup>a</sup>  
 अदित्या भवन पुण्य 92 53<sup>a</sup>  
 अदित्या पुत्रजन्म तत् 32 6<sup>a</sup>  
 अदित्या उष्टले मोहान् 91 34<sup>a</sup>  
 अदुष्टस्तु खियो राजन् 118 36<sup>a</sup>  
 अदयप्रह्वारकम् 61 16<sup>a</sup>  
 अदयश्चाधुतश्चैव 107 49<sup>a</sup>  
 अद्विर्देवो सुत वीर 24 28<sup>a</sup>  
 अद्विश्चापि श्रमो नित्य 75 11<sup>a</sup>  
 अद्वि प्रक्षाल्यनानाभि 63 23<sup>a</sup>  
 अद्भुत चाकरोन्मद्वत् 90 9<sup>a</sup>  
 अद्भुतानि महाधुते 105 2<sup>a</sup>  
 अद्य त्व जननीं भीष्म 15 39<sup>a</sup>  
 अद्य त्वा नाशयिष्यामि 38 27<sup>a</sup>  
 अद्य द्रक्षसि माघव 112 53<sup>a</sup>  
 अद्य नानवसि क्षिप्र 107 78<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति गोपाता 56 43<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति गोविन्द 86 40<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति तानीह 91 10<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति देवेन्द्रम् 118 17<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति नो राजा 62 41<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति मृतानाम् 46 24<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति मासौ द्वौ 62 46<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति यान्योऽह 60 24<sup>a</sup>  
 अद्यप्रभृति सैन्यैर्मै 81 36<sup>a</sup>  
 अद्य बाहुसदृश मे 112 56<sup>a</sup>  
 अद्य बाहुसदृशेण 112 54<sup>a</sup>  
 अद्य महाणनिषिष्ट 38 15<sup>a</sup>

अथ सो निर्दृष्टास्त 83 7°  
 अथ हि त्वं मया युद्धे 112 55°  
 अद्यापि च द्वितार्थय 31 108°  
 अद्यापि न निवतन्ते 3 17°, 21°  
 अद्यापि शुचि गात्रेय 43 48°  
 अद्यापि स परस्वुत 8 44°  
 अद्याहमिममुखाय 61 27°  
 अथैव किं चिरेण स 53 3°  
 अथैव तु नारायणा 81 50°  
 अथैव द्विस पुण्य 84 14°  
 अथैव निश्चयप्राप्ति 53 9°  
 अद्रिकाया भविष्यति 13 39°  
 अद्वितीय प्रदारेषु 38 41°  
 अथमस्तव मम मत 38 25°  
 अधर्मे एष पुष्पाक 18 27°  
 अधर्मेनिरतस्य वै 15 56°  
 अधर्मेमायपुरुष 43 60°  
 अधर्मेरुचयन्ताव 5 19°  
 अधर्मेकानुना तो 9 91°  
 अधर्मे कुरु मा येन 5 9°  
 अधर्मे धीयमानस्य 23 141°  
 अधर्मे पादमिमेहे 36 43°  
 अथ प्रकाशयने 15 4°  
 अधिकं शुभ्रमे तदा 8 35°  
 अधिपक्ष महायुद्ध 89 18°  
 अधिरुद्र गिरि मेरु 12 4°  
 अधिरुद्रा दगोत्तमम् 110 49°  
 अधिश्रयणवेलायां 68 5°  
 अधिष्ठानवरोत्तमम् 85 3°  
 अधीत्य युद्धि लभते च मैथिलीम् 118 49°  
 अष्टय सर्वभूतानाम् 92 59°  
 अष्टप्या सर्वभूताना 8 36°  
 अष्टपाप्य वेदशास्त्राणि 10 36°  
 अभ्यन शतयोजने 29 16°  
 अभ्यर्चुर्ज्ञानसपन्न 118 15°  
 अभ्यर्चुर्भगवान्मृग्यु 20 23°  
 अभ्यर्चुं सामग विप्र 31 6°  
 अनन्तरदिग्मयुक्ते 32 27°  
 अनन्तस्याग्रमेयस्य 90 18°  
 अनन्त नीलवामसम् 70 11°  
 अनन्तं यं विदुर्नागम् 90 3°  
 अनन्त शाश्वतो द्य 65 40°  
 अनन्तो भागिनामप्यु 38 9°

अनन्या प्रमदा लोके 87 38°  
 अनपत्या तु तस्यास्तीत् 99 6°  
 अनपत्योऽभवद्वाजा 23 125°  
 अनपाङ्क्य ता राजन् 22 23°  
 अनमतवस्य शून्यस्य 65 22°  
 अनमित्रममित्राणा 28 10°  
 अनमित्रसुतो निम्न 28 11°  
 अनमित्रस्तु धर्मात्मा 10 73°  
 अनमित्र महाबलम् 24 1°  
 अनमित्राच्छिनि वै 24 24° 98 25°  
 अनमित्रो रघुश्च 10 73°  
 अनयार धर्मदृष्ट्या 116 2°  
 अनया सद् भाद्रप्या 43 41°  
 अनरप्यसुतो निम्न 10 73°  
 अनरप्यस्तु पुत्रोभूत् 10 71°  
 अनशब्देदमुत्सृज्य 22 42°  
 अनष्टद्वयता यस्य 23 154°  
 अनागतश्च सत्तैवे 7 41°  
 अनागताश्च सत्तैवे 7 42°  
 अनायवत्ता रुद्रता 107 31°  
 अनाया इव सज्जता 109 2°  
 अनाया जगतो नाथ 42 36°  
 अनाया ह्यपराप्यन्ते 115 23°  
 अनादय च यद्वान् 80 40°  
 अनादृष्टिश्च युधिमान् 27 28°  
 अनादृष्टि महायुद्धम् 109 46°  
 अनादृष्टि यत्तस्मिन् 24 26°  
 अनादृष्टि कनक 24 18°  
 अनानीय च रुक्मिणीम् 88 2°  
 अनानीय स्वसार तु 88 31°  
 अनासी च त्रयाहो च 29 13°  
 अनारोप्यमसमेध 71 40°  
 अनार्यस्वाह्वरास्तथा 16 16°  
 अनारुष्टिभये तस्मिन् 10 20°  
 अनारुष्टि चकार ह 65 39°  
 अनारुष्ट्या तदा राष्ट्र 29 32°  
 अनादृता दुर्दुभय 48 16°  
 अनीत्या हि नृणा गति 77 16°  
 अनिमित्तागम क्रोध 66 32°  
 अनिरुद्धमिति स्थानं 89 9°  
 अनिरुद्धवीरगा 113 1°  
 अनिरुद्धस्य वैकस्य 109 71°  
 अनिरुद्धस्य मार्गणे 109 32°, 60°

अनिरुद्धस्य वदनं 107. 82<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धं गुणैर्दातुं 89 11<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धं योधयित्वा 108 98<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धेन ससुरो 108 48<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धे हते वीरे 109 27<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो नदग्दृष्ट 108 26<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो भयात्तेन 109 74<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो रणे योद्धा 98 19<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो वयोम्वितः 89 10<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो हतो मरुद् 109 69<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धोऽन्तमविज्ञातं 117. 47<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धोऽन्तमविज्ञातं 87. 55<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो मया भिक्षा 22 23<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धस्य भिक्षा भार्या 3 35<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धोऽन्तमविज्ञातं च 90 10<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धोऽन्तमविज्ञातं 112 109<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो भविष्यति 77. 45<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो चाप्यविच्छिन्ना 108 46<sup>०</sup>.  
 [अ]निरुद्धो दिवमुत्पत्तः 48 28<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो भीमविक्रमः 110 55<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो सुमहदाज्ञा 108 35<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धाणि कर्पणतः 84 20<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धार्थमेव च 9 99<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धं तु ते देव 8 33<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धा वचनं किञ्चित् 89 36<sup>०</sup>, 41<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धाणि विज्ञेयं 113 45<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धस्य मा भद्रं 9 6<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धमानः कृष्णश्च 85 48<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धाय लोकानां 12 23<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धोऽसि मे सदा 112 119<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धोऽसि मे सदा 79 37<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो गोपाला 60 31<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धोऽन्तमविज्ञातः सर्वे 118 6<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धो दुर्गमार्गो 78 41<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो मुरा सर्वे 42 5<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धो गृहं प्रति 95 1<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धो नरेन्द्रेण 44 44<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो मगवता 12 18<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो नरेन्द्रेण 72. 25<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धाय वतो ज्ञातीन् 94. 24<sup>०</sup>  
 अनिरुद्धं नाम तपः 20 3<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धो नवगु 9. 3<sup>०</sup>.  
 अनिरुद्धात्पु र यथी 18. 3<sup>०</sup>.

अनुध्यान्ति स्वकर्म तत् 16 18<sup>०</sup>.  
 अनुनीयमानो दुर्बुद्धिः 15 55<sup>०</sup>.  
 अनुनीयशंराज्ञानं 28 29<sup>०</sup>.  
 अनुनेतुं तदा चेनं 5 14<sup>०</sup>.  
 अनुनेतुं न शक्यते 15 55<sup>०</sup>.  
 अनुप्रविश्य यवनः 85 48<sup>०</sup>.  
 अनुप्रविश्य योगेन 45 13<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्ते महीपतौ 81 7<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य सहोमया 107. 17<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य तु सर्वशः 115 14<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य सहायैः 86 67<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य महापातुः 92 67<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य पौण्ड्रं 87 27<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य सहस्रशः 34 5<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य महापातुः 81. 14<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य 5 29<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य स्वर्गः 41 16<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य पुराणज्ञाः 27 12<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य च वी वीरी 71. 6<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य दिवो लोकान् 46 8<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य हादश्च 3 59<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य हरिहरौ 31 72<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य भरतर्षभ 22 29<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य सृताय 5 39<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य तिरुपुराणस्य 84 22<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य कान्तैः 86 49<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य 106 49<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य 3 85<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य भर्तृपुत्र 9 10<sup>०</sup>  
 अनुप्राप्य यदुत्पत्त्येन 105 18<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य शम्भर हत्वा 99 44<sup>०</sup>  
 अनुप्राप्य शिशुना यानम् 50 18<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य स्त्रीकल्पेण 77 10<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य कलुषस्य 9 44<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य पुत्रो धर्मोऽस्य 23 113<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य तस्मिन् 43 58<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य 6 21<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्य सुयज्ञस्तु 26 6<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य ये च 43 9<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य 89 42<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य 3 16<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य 62 7<sup>०</sup>.  
 अनुप्राप्यस्तत्रास्य 75 35<sup>०</sup>.

सन्तर्धानमुपागम्य 112 98<sup>a</sup>  
 सन्तर्धानं गतो विष्णु 47 9<sup>a</sup>  
 सन्तर्धानं जगामाशु 60 34<sup>a</sup>  
 सन्तर्धानाद्विज्ञायत 2 27<sup>a</sup>  
 सन्तर्भूमिगतस्तत्र 9 53<sup>a</sup>  
 सन्तद्वान्मविता धाप 17 8<sup>a</sup>  
 सन्तं भरतसत्तम 22 34<sup>a</sup>  
 सन्तपुरागतानां च 74 6<sup>a</sup>  
 सन्तपुरद्वारगतं 108 21<sup>a</sup>  
 सन्तपुरं च कृष्णस्य 86 43<sup>a</sup>  
 सन्तपुरमशोभत 79 29<sup>a</sup>  
 सन्तो हि कर्मपातस्य 97 39<sup>a</sup>  
 सन्त्या मध्ये निवसन्ति 116 17<sup>a</sup>  
 सन्धकस्य वचं श्रुत्वा 66 39<sup>a</sup>  
 सन्धकं च महाबाहु 27 2<sup>a</sup>  
 सन्धकं च शुभाक्ष 113 63<sup>a</sup>  
 सन्धकारकाश्यदुहिता 27 16<sup>a</sup>  
 सन्धकारमिवाणंदम् 35 17<sup>a</sup>  
 सन्धकारीकृते लोके 112 28<sup>a</sup>  
 सन्धसवनाविज्ञमना 66 2  
 सन्धतोस्तहको हत्वा 76 8<sup>a</sup>  
 सन्धमहत् महामहत् 76 5<sup>a</sup>  
 सन्धे तदा महामहत् 76 9<sup>a</sup>  
 सन्नजां सुधिं सन्तर्धानं 40 29<sup>a</sup>  
 सन्नमृतां सन्ति यामि 5 51<sup>a</sup>  
 सन्धप्र यधुसूदनात् 97 35<sup>a</sup>  
 सन्धप्रैवान्यतो देवि 48 38<sup>a</sup>  
 सन्धस्तथाविक्षितो राजा 23 124<sup>a</sup>  
 सन्धस्तथा धर्पयिष्यति 103 7<sup>a</sup>  
 सन्धं वरं वृणीष्वत् 112 119<sup>a</sup>  
 सन्धश्च धृष्टान्वृष्णीनां 95 6<sup>a</sup>  
 सन्धे च मन्त्रा बहव 74 12<sup>a</sup>  
 सन्धेऽप्येव गमिष्यति 103 6<sup>a</sup>  
 सन्धे वृषानाहरद्भु 60 33<sup>a</sup>  
 सन्धेयं सुमहान्तसीत् 82 6<sup>a</sup>  
 सन्धे स परिगायन्ति 55 25<sup>a</sup>  
 सन्धे ह्यगता भान्ति 33 24<sup>a</sup>  
 सन्धैश्च वृष्णिभिः सार्धं 89 13<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यकिरणप्रस्तौ 51 6<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यवितरो द्यूय 12 31<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यवितरो ह्यते 12 41<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यवाणवर्षं तत् 37 36<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यमनुवर्तिनाम् 41 17<sup>a</sup>

सन्धोन्यमन्ये समरे 37 33<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यमभिगन्त 81 93<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यमभिगमत् 44 48<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यमभिषावताम् 82 9<sup>a</sup>, 12<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यमभ्युपान्त 109 61<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यमिधुनैश्च 55 30<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यसूनुस्ते सर्वे 3 20<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यराष्ट्राभिमुत्ता 59 51<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यवेगाभिदवा 32 14<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यवतिपत्ताभिः 51 6<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यसदस्याम्बरी 58 5<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यस्य हि ते सर्वे 109 17<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यं जगत् क्रोधात् 112 17<sup>a</sup>  
 सन्धोन्यं सुमहान्तमनो 110 72<sup>a</sup>  
 सन्धोऽप्येव गमिष्यति 103 4<sup>a</sup>  
 सन्धगच्छत त पूर्वं 114 7<sup>a</sup>  
 सन्धयुर्मागध सन्धे 90 6<sup>a</sup>  
 सन्धवर्तत भार्यं द्वे 45 23<sup>a</sup>  
 सन्धवायस्तु सुमहान् 9 34<sup>a</sup>  
 सन्धवासच मुद्रित 118 10<sup>a</sup>  
 सन्धास्ते च शिवरा सार्धौ 118 22<sup>a</sup>  
 सन्धादायैषणं कर्मणा 30 21<sup>a</sup>  
 सन्धितं पुरुषोत्तमम् 108 94<sup>a</sup>  
 सन्धित्वा दीरवातिभिः 83 40<sup>a</sup>  
 सन्धीयमानं कृष्णेन 85 61<sup>a</sup>  
 सन्धेयपन्परिधाम् 28 20<sup>a</sup>  
 सन्धेयितव्यविश्राम 52 13<sup>a</sup>  
 सन्धेय्यमाणां वसुधा 55 17<sup>a</sup>  
 सप पृथ ससर्जदौ 1 23<sup>a</sup>  
 सपशान्तस्ततो रथात् 111 12<sup>a</sup>  
 सपक्रामन्त ते सर्वे 112 10<sup>a</sup>  
 सपगच्छापगच्छ ह्य 112 49<sup>a</sup>  
 सपचारोणं वेनस्य 2 15<sup>a</sup>  
 सपतन्वसुधातले 108 49<sup>a</sup>  
 सपतित्वं खिया श्रेय 77 24<sup>a</sup>  
 सपत्यं वृत्तिकानां स 3 36<sup>a</sup>  
 सपत्यानीदं पोदन्त 3 54<sup>a</sup>  
 सपत्यार्थं ददाम्यहम् 43 44<sup>a</sup>  
 सपत्यार्थो नु कप्तस्या 69 13<sup>a</sup>  
 सपध्यानाच्च पापात्मा 96 1<sup>a</sup>  
 सपध्याना विमृशश्च 35 16<sup>a</sup>  
 सपध्वसेति बहुधा 9 91<sup>a</sup>  
 सपध्वसामनुमासा 14 2<sup>a</sup>



अपयाते तदाहरे 29 31<sup>o</sup>  
 अपयाने ततो बुद्धि 29 14<sup>o</sup>  
 अपयानेऽभवन्मति 84 11<sup>o</sup>  
 अपयाने मति कृत्या 85 29<sup>o</sup>  
 अपर केदावस्याय 31 143<sup>o</sup>  
 अपरावृत्तिवर्तिनाम् 45 10<sup>o</sup>  
 अपराश्राभववृत्त 93 64<sup>o</sup>  
 अपरे ये तु वैत्या पै 38 51<sup>o</sup>  
 अपरे विविधै शक्ते 81 49<sup>o</sup>  
 अपरे हा हा स्मेति 56 20<sup>o</sup>  
 अपर्णमेकपणी च 13 15<sup>o</sup>  
 अपर्षणि विना पते 106 45<sup>o</sup>  
 अपश्यत्स्वगृह कृष्ण 94 1<sup>o</sup>  
 अपश्यन्ती च त गर्भ 48 4<sup>o</sup>  
 अपश्यन्वृष्ण्य सर्वे 81 1<sup>o</sup>  
 अपश्यमश्मदृढाभ 100 83<sup>o</sup>  
 अपश्य तत्र चैवाह 12 6<sup>o</sup>  
 अपश्य वदतां वर 103 24<sup>o</sup>  
 अपश्य शकट भुवि 50 17<sup>o</sup>  
 अपश्य सपित्तमहान् 46 13<sup>o</sup>  
 अपश्य सप्त वै द्विजान् 16 3<sup>o</sup>  
 अपश्य समतिक्रम्य 103 1<sup>o</sup>  
 अपश्याम तथास्तिकात् 27 13<sup>o</sup>  
 अपात्रामत हर्षेण 107 16<sup>o</sup>  
 अपातयद्देवगणान् 37 43<sup>o</sup>  
 अपान पश्चिम कायम् 30 48<sup>o</sup>  
 अपापास्तवज्यमाना वै 118 36<sup>o</sup>  
 अपापा विगतज्वर 118 35<sup>o</sup>  
 अपापे पापहृदय 65 65<sup>o</sup>  
 अपामम मुरेशस्य 86 17<sup>o</sup>  
 अपामधलाङ्गुली वै 62 24<sup>o</sup>  
 अपायाद्भरवर्षम 29 30<sup>o</sup>  
 अपारतेना दुर्धर्ष 91 50<sup>o</sup>  
 अपाहृते चन्द्रपये 36 40<sup>o</sup>  
 अपाहृते महाहारे 36 44<sup>o</sup>  
 अपालधूर्विमन्नाक्ष 50 13<sup>o</sup>  
 अपा च जनमेजय 20 19<sup>o</sup>  
 अपा तु वरुण राज्ये 4 3<sup>o</sup>  
 अपा पतिरभिबुद्ध 113 19<sup>o</sup>  
 अपां पूर्णो यथा घनः 75 8<sup>o</sup>  
 अपि देवसमूहेषु 67 51<sup>o</sup>  
 अपि प्राप्स्याद्दंष्ट्रं बुद्ध 106 34<sup>o</sup>  
 अपि भेदेन वा तत् 15 52<sup>o</sup>

अपि मे स्वस्ति पुत्राय 50 14<sup>o</sup>  
 अपीडयद्विरष्टस्य 64 19<sup>o</sup>  
 अपीदानी भवेन्मिथ्या 106 55<sup>o</sup>  
 अपुत्रस्य स राज्ञस्तु 25 12<sup>o</sup>  
 अपुत्रस्याथ राज्ञस्तु 85 15<sup>o</sup>  
 अपुत्र पुत्रकामुन् 85 12<sup>o</sup>  
 अपुत्र स तु धर्मात्मा 114 5<sup>o</sup>  
 अपुत्राणा विधीयते 69 14<sup>o</sup>  
 अपुत्रोऽपि च राज्ञा स 26 15<sup>o</sup>  
 अपुनरावर्तिनी गतिम् 13 48<sup>o</sup>  
 अपुनरसिद्धि भूयते 85 8<sup>o</sup>  
 अपूर्वं भयमागतम् 109 13<sup>o</sup>  
 अपृच्छडर्मराज्ञो हि 11 6<sup>o</sup>  
 अपृच्छ चैव दुर्धर्ष 12 8<sup>o</sup>  
 अपृच्छ तद्यथावृत्त 104 3<sup>o</sup>  
 अपृच्छ तमह तात 11 31<sup>o</sup>  
 अपृथागधर्मचरणा 2 33<sup>o</sup>  
 अपेय च जलार्थिनाम् 55, 43<sup>o</sup>  
 अपौरवा न तु मही 114 18<sup>o</sup>  
 [अ]प्यवदन्तान्वयाक्रमम् 113 58<sup>o</sup>  
 अप्रकाश तदाकाश 86 47<sup>o</sup>  
 अप्रष्टव्य सुरासुरै 40 6<sup>o</sup>  
 अप्रमत्ता प्रमत्ता स्म 77 32<sup>o</sup>  
 अप्रमत्तैर्मम हितै 47 5<sup>o</sup>  
 अप्रमाण करिष्यन्ति 117 7<sup>o</sup>  
 अप्रमेय तथाक्षयम् 110 38<sup>o</sup>  
 अप्रमेय महाधनै 93 37<sup>o</sup>  
 अप्रमेया महोरसेधाम् 93 24<sup>o</sup>  
 अप्रमेयोऽनियोज्यश्च 97 37<sup>o</sup>  
 अप्रमुत्ता प्रवत्स्यन्ते 116 28<sup>o</sup>  
 अप्राप्त एव नगर 107 26<sup>o</sup>  
 अप्राप्य योग ते सर्वे 14 3<sup>o</sup>  
 अप्रोक्षितोपयोगाश्च 10 17<sup>o</sup>  
 अप्सराभिश्च नादितम् 46 11<sup>o</sup>  
 अप्सरोभिश्च माधव 91 42<sup>o</sup>  
 अप्सरोभि समन्तत 92 54<sup>o</sup>  
 अप्सु पारिप्लवा पृष्ठी 1 27<sup>o</sup>  
 अपालो बाल्यमास्याय 65 31<sup>o</sup>  
 अन्नयोमिरनुष्णमाश्व 36 8<sup>o</sup>  
 अन्द्दृक्कालयोगारमा 36 7<sup>o</sup>  
 अन्द् द्रुतमुखं सूर्य 38 69<sup>o</sup>  
 अन्मशा वायुभक्षाश्च 35 35<sup>o</sup>  
 अथवीचित्रलेखां ताम् 107 72<sup>o</sup>

अथर्वोपनिषद् तिष्ठेति 108 55°.  
 अथर्वोपनिषदासनः 96 71°.  
 अथर्वोपनिषदसंज्ञा 108 33°.  
 अथर्वोपनिषदभध्वजः 106 12°.  
 अथर्वं कृतदृश्योऽयं 11 28°.  
 अथर्वं तदा सख्ये 110 55°.  
 अथर्वं मे प्रयच्छतु 42 52°.  
 अथर्वं रुक्मिणे दत्ता 88 28°.  
 अथर्वं वो वदाम्यहम् 31 62°.  
 अथर्वजनमेजयः 15 27°.  
 अथर्वचारकामयम् 115 16°.  
 अथर्वपर्यताकारः 112 105°.  
 अथर्वराक्षसासनः 3 105°.  
 अथर्वस वदा राजन् 89 10°.  
 अथर्वस सख्ये 8 46°.  
 अथर्वैत्यसैन्यस्य 33 21°.  
 अथर्वैर्यारमहायां 36 27°.  
 अथर्वद्विधा वृक्षम् 29 32°.  
 अथर्वद्विधागिर्यासः 76 14°.  
 अथर्वद्विधापैत्र 91 46°.  
 अथर्वद्विधागिर्यासम् 59 42°.  
 अथर्वद्विधागिर्यास 3 65°.  
 अथर्वद्विधागिर्यास 107 44°.  
 अथर्वन्मे जगद्विदे 104 23°.  
 अथर्वन्मिच्छाम्यहम् 99 33°.  
 अथर्वान्ते भविष्यति 117 19°.  
 अथर्वे पापकर्मणाम् 36 42°.  
 अथर्वाम्य जगद्विदे 104 3°.  
 अथर्वाम्य द्विजोत्तम 101 8°.  
 अथर्वाम्यामुपवस्ये 89 19°.  
 अथर्वान्ते समन्ततः 53 22°.  
 अथर्वान्ते पुनर्वसोः 27 17°.  
 अथर्वो रीहिणेयस्य 58 34°.  
 अथर्वतदा दत्ताग्नि 54 9°.  
 अथर्वतस्मद्विदुः 62, 86° 67, 63°  
 अथर्वतो मणिपर्वतम् 92 19°.  
 अथर्वद्विधा कृष्णं च 112 33°.  
 अथर्वद्विधा रामं तु 82 16°.  
 अथर्वसवन्धने मृत्यो 36 41°.  
 अथर्वसख्ये 117 12°.  
 अथर्वसख्ये वृक्षम् 93 6°.  
 अथर्वसख्ये वृक्षम् 86 52°.

अथर्वमृतश्च कृष्णेन 97 23°.  
 अथर्वमृत सुसज्जः 108 66°.  
 अथर्वमृत दिवाकरम् 92 20°.  
 अथर्वमृतवादे स्थित 113 23°.  
 अथर्वमृतुराज्यत 25 6°.  
 अथर्वमृत्युश्च दत्ताग्निः 2 17°.  
 अथर्वमृत्योः परीक्षितु 23 121°.  
 अथर्वान्ते सुदार्ढ्यम् 113 13°.  
 अथर्वान्ते न गुप्ताः 81 5°.  
 अथर्वान्ते चाधर्मं 31 95°.  
 अथर्वान्ते वृक्षाणि 11 28°.  
 अथर्वान्ते भविष्यान्मृतम् 39 21°.  
 अथर्वान्ते तैमैवैः 61 44°.  
 अथर्वान्ते तु स भर्ता 9 82°.  
 अथर्वान्ते ते देवाः 12 26°.  
 अथर्वान्ते भवद्भिः 103 8°.  
 अथर्वान्ते तु वं गोभिः 62 67°.  
 अथर्वान्ते च राज्ञे च 10 20°.  
 अथर्वान्ते तदा राज्ये 18 21°.  
 अथर्वान्ते मृत्युम् 62 60°.  
 अथर्वान्ते स्वराज्ये तु 19 23°.  
 अथर्वान्ते भविष्यान्मृतम् तु 4 1°.  
 अथर्वान्ते वृक्षाणि 44 29°.  
 अथर्वान्ते गोविन्दं 62 58°.  
 अथर्वान्ते गोविन्दं 78 39°.  
 अथर्वान्ते दिव्येन 47 46°.  
 अथर्वान्ते इत्यहं पुनम् 10 12°.  
 अथर्वान्ते पितर 11 12°.  
 अथर्वान्ते भविष्यान्मृतम् 73 13°.  
 अथर्वान्ते नि श्वसन्तीषु 55 18°.  
 अथर्वान्ते पर्यताकार 108 85°.  
 अथर्वान्ते निमृतोऽयं 59 42°.  
 अथर्वान्ते वृक्षाणां हि 55 43°.  
 अथर्वान्ते सुसज्जः 81 85°.  
 अथर्वान्ते गोविन्दं 64 12°.  
 अथर्वान्ते निमृतेष्वपि 67 46°.  
 अथर्वान्ते च मागधं 109 34°.  
 अथर्वान्ते सुसज्जम् 88 1°.  
 अथर्वान्ते वृक्षाणां 21 17°.  
 अथर्वान्ते सुदार्ढ्य 75 8°.  
 अथर्वान्ते देवी 96 9°.  
 अथर्वान्ते नाहुः 22 17°.  
 अथर्वान्ते वृक्षाधिपम् 5 27°.

अभ्यागासमेरे मद्द्व 110 37<sup>१</sup>  
 अभ्याशासमागतं ता तु 112 46<sup>१</sup>  
 अभ्यादो वर्तते फाल 67 61<sup>१</sup>  
 अभ्योक्ता यथाहुति 66 14<sup>१</sup>  
 अभ्यप्रतिमा युद्धे 47 12<sup>१</sup>  
 अभ्यैरपि हु सहम् 10 36<sup>१</sup>  
 अभ्यैरादृत पुण्य 30 4<sup>१</sup>  
 अभ्यैरजितो युद्धे 77 27<sup>१</sup>  
 अभ्यर्पादेवभाववित् 26 8<sup>१</sup>  
 अभ्यर्पाद्वेदास्य 118 20<sup>१</sup>  
 अभ्यर्पा वैरशीलश्च 65 69<sup>१</sup>  
 अभ्यानुष धेनि चैन 68 37<sup>१</sup>  
 अभ्यानुषाणि कर्माणि 63 4<sup>१</sup>  
 अभिप्राणा म्रियकै 44 32<sup>१</sup>  
 अभिप्रासमेरेन्द्राणा 45 13<sup>१</sup>  
 अभिप्रासुपथस्थाना 55 56<sup>१</sup>  
 अभ्युक्त्वा विग्रह तस्य 111 2<sup>१</sup>  
 अभ्युक्तं पितृगणा 13 7<sup>१</sup>  
 अभ्युक्तिमन्त पितर 13 49<sup>१</sup>  
 अभ्युक्तयेव चास्वाद 118 3<sup>१</sup>  
 अभ्युक्तारम्भनिर्मुक्त 34 40<sup>१</sup>  
 अभ्युक्तार्थं पुरा चापि 65 42<sup>१</sup>  
 अभ्युक्ते निर्मिते पूर्व 65 41<sup>१</sup>  
 अभ्युक्तीपस्तु नाभाणि 10 68<sup>१</sup>  
 अभ्युक्तीपोभवापुत्र 11 21<sup>१</sup>  
 अभ्युक्ता सलिलेश्वर 100 44<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जते फलार्थिन 12 21<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जीवाश्च देवता 31 57<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत तस्य ता पूर्व 1 24<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जते चचार ह 41 16<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जते स्थितो युद्ध 112 90<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जता वसुधा 68 31<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जन्तमयस्पतिम् 2 9<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत स वै सखि 107 72<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत तनयो मम 62<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत योगो बलत 75 27<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जते देवि सप्राप्त 99 43<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जते कथयनायस्य 107 75<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत गरुडस्तत्र 91 36<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतसमुद्रस्य 107 26<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत सुमहात् 96 3<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत मया दौल 61 28<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत महानन्ध 75 17<sup>१</sup>

अभ्युज्जते दृष्टो वै 68 28<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतमनुजो धाता 44 43<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जता कस्य 108 90<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत कुलपासन 108 88<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत कालो दैत्यानां 38 14<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत किल युद्धेषु 38 13<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत नापो देवानाम् 38 10<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत निघने हेतु 38 12<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत निर्वृणो युद्धे 38 8<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत पुण्डरीकाक्ष 68 19<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत रिपुरस्माक 38 6<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत विग्रहोऽस्माकम् 38 7<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत विष्णुर्देवानां 38 9<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत दुर्लभोत्कर्ष 108 93<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत दाहुरूपैव 31 70<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत शिरा अक्षशिरा 31 70<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जते तत्त्वानि 71 7<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतपद्मराज 23 51<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतपद्मराजियप्यन्ति 116 34<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतो यदि भवान् 66 4<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतो गर्हितं सज्जि 66 3<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतानि दायान् 10 68<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतानि सहास्रानि 27 5<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतानि तस्यवासीद् 10 69<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतान्येव भोक्ष्य 60 25<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जति एत सितम् 94 3<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतेव दायार्ह 85 3<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत जनादन 110 63<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत महावीर्य 108 39<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतो वृषा ह्येषो 106 10<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतस्तेऽपि चाप्य 110 25<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतो केशधरणम् 35 41<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत तु दायान् 9 44<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतधिपतिर्भूत्वा 31 138<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतामयोध्याया 44 25<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जता येव राक्ष 10 4<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतासुत्रतु 20 38<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जता योनिताश्च 43 70<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जताश्चापि तन् 43 10<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत शम्बरश्च 3 66<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतसो हर्षार 116 5<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जतमाणाभावानु 2 34<sup>१</sup>  
 अभ्युज्जत सारथा 5 20<sup>१</sup>

अरण्यमिदमल्लोदम् 52 1<sup>३</sup>  
 अरण्यश्च प्रकाशश्च 7 25<sup>३</sup>  
 अरण्यं रुडशाङ्गलम् 55 51<sup>६</sup>  
 अरण्यानि च घत्स्यन्ति 117 30<sup>६</sup>  
 अरविन्दकृतशीडो 52 5<sup>६</sup>  
 अरविन्दभानयन 64 23<sup>६</sup>  
 अराज्या ते प्रजा मूढ 22 28<sup>६</sup>  
 अराक्षीणि च यश्चक्रे 30 23<sup>६</sup>  
 अरिहोपस्तयोपेक्ष 24 9<sup>६</sup>  
 अरिहमसुरालीके 34 35<sup>६</sup>  
 अरिष्टनेमिरश्च 24 13<sup>६</sup>  
 अरिष्टनेमेस्तु सुता 28 44<sup>६</sup>  
 अरिष्टनेमे परवीणाम् 3 54<sup>६</sup>  
 अरिष्टश्च महाविष्ट 62 69<sup>६</sup>  
 अरिष्टं चैव जानामि 45 5<sup>६</sup>  
 अरिष्टं घृणभ वेति 31 144<sup>६</sup>  
 अरिष्टं प्रलद्वयत 64 1<sup>६</sup>  
 अरिष्टा तु महासरावात् 3 93<sup>६</sup>  
 अरिष्टा सुरसा तथा 3 45<sup>६</sup>  
 अरिष्टो दाक्षणाहृति 64 7<sup>६</sup>  
 अरिष्टो नाम हि गावा 64 7<sup>६</sup>  
 अरिष्टो बलिपुत्रश्च 37 7<sup>६</sup>  
 अरिष्टो बलिपुत्रस्तु 33 20<sup>६</sup> 44 69<sup>६</sup>  
 अरिष्टो विनिपातित 69 20<sup>६</sup>  
 अरिष्टो घृणभश्चैव 46 28<sup>६</sup>  
 अरुणावरत धीमान् 34 46<sup>६</sup>  
 अरुणो गरुडस्तथा 3 84<sup>६</sup>  
 [अ]रुणवीर्यमुखा क्षिय 73 32<sup>६</sup>  
 अरुण्यती वसुजांसी 28<sup>६</sup>  
 अरुण्यस्या व्यतायत 3 29<sup>६</sup>  
 अरुणश्च तप विभो 69 12<sup>६</sup>  
 अरुण्यवर्ति रूपाणि 92 17<sup>६</sup>  
 अरोगवीरपुरुषा 44 57<sup>६</sup>  
 अरोगा प्राणिनश्चासन् 31 134<sup>६</sup>  
 अरुणेश्चाप्रठाडिते 37 11<sup>६</sup>  
 अरुण्ययासन द्रवा 115 8<sup>६</sup>  
 अरुण्यदिसमुदाचार 91 31<sup>६</sup>  
 अरुण्यघटमुजा सर्वे 39 24<sup>६</sup>  
 अरुण्ययम गिरि देव 59 57<sup>६</sup>  
 अरुण्यित्वा विभावसुम् 8 30<sup>६</sup>  
 अरुण्यं तस्यैकन्याभि 106 49<sup>६</sup>  
 अरुण्यं ते दस्युभिर्घोरै 65 52<sup>६</sup>  
 अरुण्यमर्चितमन्यग्रम् 94 23<sup>६</sup>

अरुणस्य च नित्यम् 62 79<sup>६</sup>  
 अरुणं विदि मा कृष्ण 62 81<sup>६</sup>  
 अरुणाभ्यां चक्रे द 51 17<sup>६</sup>  
 अरुणाभ्यां चरन्वने 51 16<sup>६</sup>  
 अरुणायोपपादितम् 105 17<sup>६</sup>  
 अरुणाय च तान्सर्वान् 62 97<sup>६</sup>  
 अरुणो नाम कारुण्यः 23 152<sup>६</sup>  
 अरुणवासासिनश्चैव 38 6<sup>६</sup>  
 अरुण्यतपविदारदा 107 47<sup>६</sup>  
 अरुण्यत्वयविशारद 109 51<sup>६</sup>  
 अरुण्यवापरो धर्मे 117 47<sup>६</sup>  
 अरुण्यन्तलानि चाग्वाणि 29 26<sup>६</sup>  
 अरुण्ययनतेयस्या 112 2<sup>६</sup>  
 अरुण्यचन्द्रप्रतीक्षदा 44 57<sup>६</sup>  
 अरुण्यचन्द्रस्तथा तीक्ष्ण 110 30<sup>६</sup>  
 अरुण्योजनमायतम् 93 54<sup>६</sup>  
 अरुण्यरात्रे करिष्यामि 47 35<sup>६</sup>  
 अरुण्यं त्वकाना सिरस 10 42<sup>६</sup>  
 अरुण्यं नारी सत्या 1 37<sup>६</sup>  
 अरुण्यं पुरुषोऽभवत् 1 37<sup>६</sup>  
 अरुण्यया चैव धाता च 3 50<sup>६</sup>  
 अरुण्ये ते दैत्यसप्तम 108 92<sup>६</sup>  
 अरुण्यपासदीनात्मा 91 14<sup>६</sup>  
 अरुण्यकाया विरूपाक्ष 91 51<sup>६</sup>  
 अरुण्यकाया विनालया 21 6<sup>६</sup>  
 अरुण्यमन्वी तु सा त्राण 5 46<sup>६</sup>  
 अरुण्यस्य तु दयाद 23 69<sup>६</sup>  
 अरुण्यं काशिराजस्तु 23 66<sup>६</sup>  
 अरुण्यं रात्रपुत्रश्च 23 63<sup>६</sup>  
 अरुण्यकृता गात्ररुहै 62 65<sup>६</sup>  
 अरुण्यतैर्विराजन्ति 74 8<sup>६</sup>  
 अरुण्यं खेदेन साधव 82 20<sup>६</sup>  
 अरुण्यकं समन्ताद् 93 7<sup>६</sup>  
 अरुण्यं दर्पणं दैत्य 38 24<sup>६</sup>  
 अरुण्यं दूरप्रवासेन 77 34<sup>६</sup>  
 अरुण्यं सरक्षणे तेपा 23 98<sup>६</sup>  
 अरुण्यतचक्रवर्ण 112 103<sup>६</sup>  
 अरुण्यपुत्रमादाय 6 22<sup>६</sup>  
 अरुण्यमाद्वैवीहीनि 117 41<sup>६</sup>  
 अरुण्यकक्ष निराश्रयम् 52 13<sup>६</sup>  
 अरुण्यत्वादभिष्टुतास्तु 82 29<sup>६</sup>  
 अरुण्यवीर्यपराक्रमे 85 63<sup>६</sup>  
 अरुण्यवीर्यमदाक्षिव 62 47<sup>६</sup>

अल्पा गम्या परस्य न 84 5<sup>१</sup>  
 अल्पानां चतुर्भिः सार्धं 81 52<sup>२</sup>  
 अरपोत्साहैरक्षयैः 85 62<sup>३</sup>  
 अरकाणां विभज्यन्ते 67 62<sup>४</sup>  
 अवकाशो त्वया दत्ते 86 37<sup>५</sup>  
 अवकीर्णं च छात्रेणा 96 19<sup>६</sup>  
 अवगच्छात्मनात्मानं 58 36<sup>७</sup>  
 अवगीतमिदं सर्वम् 52 0<sup>८</sup>  
 अवघुष्टे समाजे तु 75 9<sup>९</sup>  
 अवधारयामास महीं 23 39<sup>१०</sup>  
 अवतार्य महीतलम् 45 38<sup>११</sup>  
 अवतीर्णेषु मेदिनीम् 44 6<sup>१२</sup>  
 अवतीर्णो मयापेह 68 27<sup>१३</sup>  
 अवतीर्णो महीतलम् 43 76<sup>१४</sup>  
 अवतीर्णोऽर्णयाकार 74 39<sup>१५</sup>  
 अवतीर्य गृहद्वारे 94 17<sup>१६</sup>  
 अवतीर्य स तादृशान् 92 50<sup>१७</sup>  
 अवदन्वाद्वा कृष्ण 113 49<sup>१८</sup>  
 अवध्यममरेभ्यः 31 63<sup>१९</sup>  
 अवध्यममरैः सदा 3 104<sup>२०</sup>  
 अवध्यक्ष भविष्यसि 92 59<sup>२१</sup>  
 अवध्यक्ष्यापि न शत्रु 85 25<sup>२२</sup>  
 अवध्य सर्वभूतानां 91 37<sup>२३</sup>  
 अवध्य सर्वलवानां 67 21<sup>२४</sup>  
 अवध्या देवतानां हि 3 74<sup>२५</sup>  
 अवध्याश्च स्त्रियः प्राहुः 52<sup>२६</sup>  
 अवध्यां स्वाम भगवन् 47 16<sup>२७</sup>  
 अवध्यो यो मया सत्ये 85 60<sup>२८</sup>  
 अवध्योऽसौ वृत्तोऽस्माक 84 10<sup>२९</sup>  
 अवधनामितपाद्व्याम् 55 29<sup>३०</sup>  
 अवधितपुरवासिनाम् 79 3<sup>३१</sup>  
 अवधन्त महातेजा 39 19<sup>३२</sup>  
 अवमत्याङ्गिर सुतान् 20 29<sup>३३</sup>  
 अवमन्यत दुर्मति 96 27<sup>३४</sup>  
 अवमृष्टं दुराधर्षो 96 62<sup>३५</sup>  
 अवसरं प्राययसे 17 3<sup>३६</sup>  
 अवस्थां ततो यानात् 68 15<sup>३७</sup>  
 अवलेपाश्च पार्थिव 5 14<sup>३८</sup>  
 अवश्यं मया वाच्य 105 6<sup>३९</sup>  
 अवश्यं त्रिदशास्त्रेन 31 53<sup>४०</sup>  
 अवश्यं रिद्धं कृतव्य 86 27<sup>४१</sup>  
 अवश्यभाविनः ज्ञात्वा 13 35<sup>४२</sup>  
 अवसक्तैश्च मुद्गैः 33 12<sup>४३</sup>

अवस्थाप्य ॥ तत्तत्तन्य 88 7<sup>४४</sup>  
 अवस्थां कृपणां प्राप्त 112 116<sup>४५</sup>  
 अवहन्वाजिनो रणे 25 11<sup>४६</sup>  
 अवातातयत प्रभु 10 66<sup>४७</sup>  
 अवाप श्रियमुत्तमाम् 26 10<sup>४८</sup>  
 अवाप्य तपसो वीर्यं 97 21<sup>४९</sup>  
 अविज्ञातगतिश्चैव 3 35<sup>५०</sup>  
 अविज्ञाता तु सा तदा 108 11<sup>५१</sup>  
 अविज्ञानागमया कृष्ण 56 33<sup>५२</sup>  
 अविद्यमाने मासे तु 10 13<sup>५३</sup>  
 अविद्यो दुर्बलं श्रीमान् 89 31<sup>५४</sup>  
 अविद्वेक्ष पक्षिभिः 65 54<sup>५५</sup>  
 अविश्वासमनायुज्य 73 23<sup>५६</sup>  
 अविश्वास्य कृतं कर्म 65 81<sup>५७</sup>  
 अविपद्वा ततो मत्वा 58 17<sup>५८</sup>  
 अवीजयेता तं देव 70 23<sup>५९</sup>  
 अयुद्धार्हेण दुष्टेन 76 21<sup>६०</sup>  
 अवैक्षत तमप्रत 85 51<sup>६१</sup>  
 अवैक्षस्त्वयतोदितम् 29 12<sup>६२</sup>  
 अवैष्णवस्य यशस्य 39 27<sup>६३</sup>  
 अव्यक्तयौवनं कृष्णम् 68 18<sup>६४</sup>  
 अव्यक्तं कारणं यत्तत् 1 17<sup>६५</sup>  
 अव्यक्तं प्रकृतिर्भुव 31 50<sup>६६</sup>  
 अव्यक्तं शाश्वतो देव 7 54<sup>६७</sup>  
 अव्यक्तां व्यक्तलक्षणाम् 113 28<sup>६८</sup>  
 अव्यक्तो व्यक्तलिङ्गस्य 32 3<sup>६९</sup>  
 अव्यवच्छिन्नधारीधे 54 32<sup>७०</sup>  
 अव्युच्छिन्नोऽभवद्वाह्रे 31 139<sup>७१</sup>  
 अशक्तानामिव रणे 112 101<sup>७२</sup>  
 अशक्तानिव सन्त्ये 109 27<sup>७३</sup>  
 अशनीनानामिव स्वन 110 71<sup>७४</sup>  
 अशपोऽसदसैर्वावैर्य 43 29<sup>७५</sup>  
 अशरीरा ततो वाणी 111 6<sup>७६</sup>  
 अशस्त्रं निर्मितं पुरा 75 10<sup>७७</sup>  
 अशस्त्रं बाहुतेजसा 75 33<sup>७८</sup>  
 अशाम्य वैरमुत्पन्नं 65 82<sup>७९</sup>  
 अशाम्य विलं कथ्यते 38 7<sup>८०</sup>  
 अशस्त्रविहिता प्रज्ञा 116 30<sup>८१</sup>  
 अश्वि परमाज्ञना 109 9<sup>८२</sup>  
 अक्षिप्याम्यमरो यथा 70 12<sup>८३</sup>  
 अक्षीतिचर्मणा युक्त 27 20<sup>८४</sup>  
 अशोभयत्तनं धनेन भूरिणा 85 67<sup>८५</sup>  
 अश्वीचे वर्तमानेन 15 51<sup>८६</sup>

अष्टयन्ति त्रिधा हुतम् 38 11<sup>६</sup>  
 अश्मकुट्टा दरातपा 35 35<sup>०</sup>  
 अश्मवयलभतापत्यम् 24 26<sup>०</sup>  
 अश्मवया जनयामास 24 14<sup>०</sup>  
 अश्मभिश्चाट्टमरौ 37 10<sup>०</sup>  
 अश्मभिश्चापसघने 36 26<sup>०</sup>  
 अश्मभि स्तेपणीयैश्च 58 10<sup>०</sup>  
 अश्मवघ्राणि युग्यन्ता 81 34<sup>०</sup>  
 अश्मवघ्रायुधापेता 31 78<sup>०</sup>  
 अश्मसारमय चूत 56 22<sup>०</sup>  
 अश्रुतश्च सुतो जज्ञे 98 15<sup>०</sup>  
 अश्रुत श्रुतसेनायै 98 13<sup>०</sup>  
 अश्रौष वालकस्य वै 102 10<sup>०</sup>  
 अश्लाघ्या घृण्याय पुत्र 66 5<sup>०</sup>  
 अश्लाघ्यो मे मत पुत्र 66 3<sup>०</sup>  
 अश्वग्रीवांश्चयाहुश्च 24 12<sup>०</sup>  
 अश्वत्थामा महाद्युति 7 43<sup>०</sup>  
 अश्वमेध कटियुगे 115 40<sup>०</sup>  
 अश्वमेध क्रतु भग्न 115 28<sup>०</sup>  
 अश्वमेधन यक्षयन्ति 116 33<sup>०</sup>  
 अश्वमेधन राजान 22 1<sup>०</sup>  
 अश्वसेनोऽश्वबाहुश्च 28 43<sup>०</sup>  
 अश्व विचारयामास 10 46<sup>०</sup>  
 अश्वानुह्रागर्द्धमाश्च 3 83<sup>०</sup>  
 अश्विनाद्भवमिपत्रो 44 2<sup>०</sup>  
 अश्विनोश्च परतप 92 48<sup>०</sup>  
 अश्विनौ च महायज्ञौ 34 2<sup>०</sup> 113 46<sup>०</sup>  
 अश्विनौ च महौजसौ 107 52<sup>०</sup>  
 अश्विनौ भिपना वरौ 8 38<sup>०</sup>  
 अश्विनौ मरुतस्तथा 113 17<sup>०</sup>  
 अश्विन्या वा सुराभ्याम्या 43 5<sup>०</sup>  
 अश्विन्या साधु तानामि 62 93<sup>०</sup>  
 अश्वामृशकृतो रादो 85 23<sup>०</sup>  
 अष्टकस्य सुतो रौहि 23 94<sup>०</sup>  
 अष्टवाहु सद्ग्रेण 112 66<sup>०</sup>  
 अष्टभि प्रत्यविष्यन्त 87 54<sup>०</sup>  
 अष्टमस्य तु भासस्य 47 36<sup>०</sup>  
 अष्टमस्य प्रज्ञापते 8 39<sup>०</sup>  
 अष्टमागमहाकव्या 93 25<sup>०</sup>  
 अष्टमे च मया गर्भे 47 10<sup>०</sup>  
 अष्टमे मयि गर्भस्थे 47 32<sup>०</sup>  
 अष्टमे मासि ते स्त्रियौ 48 11<sup>०</sup>  
 अष्टम्या निहतो युद्ध 99 27<sup>०</sup>

अष्टयोजनविस्तारणाम् 93 27<sup>०</sup>  
 अष्टादशाथ वर्षांश्च 14 13<sup>०</sup>  
 अष्टापदो अष्टयन् 89 49<sup>०</sup>  
 अष्टारयो नाम त्रुप 23 65<sup>०</sup>  
 अष्टाविंशे भविष्या त्व 13 39<sup>०</sup>  
 अष्टौ ताञ्जाद्वीगर्भान् 43 44<sup>०</sup>  
 अष्टौ भार्या प्रकीर्तिताः 98 1<sup>०</sup>  
 अष्टौ महिष्य पुत्रिण्य 98 2<sup>०</sup>  
 अष्टौ रथसहस्राणि 93 26<sup>०</sup>  
 अष्टौ शासहस्राणि 91 52<sup>०</sup> 92 12<sup>०</sup>  
 अस्तट्प्रीयमानस्तु 89 29<sup>०</sup>  
 अस्तट्पृक्षसहित 107 26<sup>०</sup>  
 अस्तट्पृक्षद्वयेन 90 7<sup>०</sup>  
 अस्तट्पृक्षाहरतीषु 68 6<sup>०</sup>  
 अस्तट्पृक्षिता देवा 106 5<sup>०</sup>  
 अस्तक च रथो याति 103 19<sup>०</sup>  
 अस्तना विचचार ह 3 38<sup>०</sup>  
 अस्तनगतिसि वचिर् 81 15<sup>०</sup>  
 अस्तनं काष्ठन द्विष्य 22 8<sup>०</sup>  
 अस्तनो युयुधानस्य 98 27<sup>०</sup>  
 अस्तन्यायुना क्षित 76 26<sup>०</sup>  
 अमर्तो वपुष्टमामेता 118 20<sup>०</sup>  
 अमत्यह नन्दामण्ये 83 43<sup>०</sup>  
 अमदेवस्त्रया कृत 44 39<sup>०</sup>  
 अमद्विरिद मे मतम् 35 45<sup>०</sup>  
 अमना स्तसर्पणाश्च 59 53<sup>०</sup>  
 अममौजान्ताया वीर 28 7<sup>०</sup>  
 अमहन्ती तु स्वां छायां 8 8<sup>०</sup>  
 अमहन्ती स्म स्तसद्वा 31<sup>०</sup>  
 अमकल्पे व्रतक्षिया 35 41<sup>०</sup>  
 अमकल्पेयानि दिपाणि 105 2<sup>०</sup>  
 अमप्रामेण यो वीर 24 30<sup>०</sup>  
 अमप्रामे हत कस 76 40<sup>०</sup>  
 अमज्ञतोऽयमथस्ते 118 14<sup>०</sup>  
 अमप्रदापात्रोऽस्मानि 108 16<sup>०</sup>  
 अमप्राप्तोऽर्धदिवसे 103 30<sup>०</sup>  
 अमत्राय पुत्र महत् 8 25<sup>०</sup>  
 अमित्रीमात्रहस्तर्णौ 3 5<sup>०</sup>  
 अमित्रीयामय वैरण्या 3 9<sup>०</sup>  
 अमित्रीया जनयामास 3 6<sup>०</sup>  
 अमिचर्नगदाबाणा 110 5<sup>०</sup>  
 अमिचत्स्य बागदुर्घया 18 22<sup>०</sup>  
 अमिचत्स्यैकपणा तु 13 22<sup>०</sup>

असिताम्बरसवीत 70 18<sup>a</sup>  
 असिभिर्मुलै शूलै 108 67<sup>a</sup>  
 असिभि शक्तिभिः शूलै 108 22<sup>a</sup>  
 असिलोमा पुलोमा च 31 76<sup>a</sup> 109 40<sup>a</sup>  
 अस्तीना पाल्यमानाना 87 76<sup>a</sup>  
 असुराणां च सर्वेश 112 112<sup>a</sup>  
 असुराणा विनाशाय 36 3<sup>a</sup>  
 असुरानथ राक्षसाश्च 3 3<sup>a</sup>  
 असुरे धृत्यते चापि 6 25<sup>a</sup>  
 असृजत्स पुन प्रजा 42 32<sup>a</sup>  
 असृजत्क्षयिता षोडश 59 50<sup>a</sup>  
 असेभ्य दुरतिक्रमम् 57 11<sup>a</sup>  
 अस्त याते दिनकरे 82 24<sup>a</sup>  
 अस्ति प्राप्तिश्च नाशाय 80 9<sup>a</sup>  
 अस्तुवक्ष्यस्वरोणा 107 6<sup>a</sup>  
 अस्त्रमस्त्रविदा घर 112 19<sup>a</sup>, 87<sup>a</sup>  
 अस्त्रमस्त्रविदा श्रेष्ठ 110 43<sup>a</sup>  
 अस्त्र प्रहसिस्तेन 112 41<sup>a</sup>  
 अस्त्र प्रहसिरो नाम 112 37<sup>a</sup>  
 अस्त्र धारणतेजसा 112 25<sup>a</sup>  
 अस्त्राणा वारणार्थात् 112 25<sup>a</sup>  
 अस्त्राणि न प्रयोज्यानि 15 51<sup>a</sup>  
 अस्त्रे विमुक्त बाणेन 112 71<sup>a</sup>  
 अस्त्रेभ्ये विलिभिन्ना 37 34<sup>a</sup>  
 अस्त्रास्त्राणि सवार्य 88 22<sup>a</sup>  
 अस्त्रैश्चतुर्भिश्चरारि 112 26<sup>a</sup>  
 अस्त्रैर्गो मज्जा समभवद् 30 40<sup>a</sup>  
 अस्त्रद्वयं सुविहितं 86 14<sup>a</sup>  
 अस्त्राकमपि महौ द्वौ 65 87<sup>a</sup>  
 अस्त्राकमिन्द्र प्रह्लाद 21 21<sup>a</sup>  
 अस्त्राक गौ परा वृत्ति 59 21<sup>a</sup>  
 अस्त्राक चापि वरकार्य 109 52<sup>a</sup>  
 अस्त्राक शान्तसंयोग 17 10<sup>a</sup>  
 अस्त्राक तु वन वृत्ति 35 34<sup>a</sup>  
 अस्त्राक पार्थिव पदम् 106 31<sup>a</sup>  
 अस्त्राक बान्धवा सर्वे 83 17<sup>a</sup>  
 अस्त्राक बान्धवो जात 63 8<sup>a</sup>  
 अस्त्रादि मे भय कसात् 49 6<sup>a</sup>  
 अस्त्रानाप्यायमिष्यन्ति 11 39<sup>a</sup>  
 अस्त्रानिच्छन्ति याधितुम् 85 28<sup>a</sup>  
 अस्त्राभिर्विपङ्गुप्यताम् 38 10<sup>a</sup>  
 अस्त्राभिश्चापि दवता 109 53<sup>a</sup>  
 अस्त्राभि सप्ततन्त्रिषु 50 18<sup>a</sup>

अस्त्रिन्धारे महासृष्टे 110 49<sup>a</sup>  
 अस्त्रिन्ध सप्तमे सर्वे 38 66<sup>a</sup>  
 अस्त्रिन्ध सृष्टे विष्णो 38 63<sup>a</sup>  
 अस्त्रिन्धवति सप्तमे 38 67<sup>a</sup>  
 अस्त्रिन्धवसि सुख्यक्त 99 37<sup>a</sup>  
 अस्त्रिन्ध कारियो नाम 55 48<sup>a</sup>  
 अस्त्रिन्धाने त्रिचोदय 51 33<sup>a</sup>  
 अस्त्रिस्तु समये राजन् 21 22<sup>a</sup>  
 अस्त्र कुर्मो महाराज 77 49<sup>a</sup>  
 अस्त्र हृष्या नरेन्द्रस्य 78 26<sup>a</sup>  
 अस्त्र क्रोध समासात् 38 10<sup>a</sup>  
 अस्त्र गङ्गेऽवलेपस्य 23 78<sup>a</sup>  
 अस्त्र चाक्र प्रवृष्टानि 38 12<sup>a</sup>  
 अस्त्र च्छाया समाश्रित्य 38 11<sup>a</sup>  
 अस्त्र रत्नकोदण्डस्य 78 25<sup>a</sup>  
 अस्त्र देवान्धकारस्य 39 17<sup>a</sup>  
 अस्त्र पार न पश्यन्ति 39 16<sup>a</sup>  
 अस्त्र प्रभस्य महत् 100 31<sup>a</sup>  
 अस्त्र प्राप्त कृतेन वै 17 9<sup>a</sup>  
 अस्त्र बुद्धिविशेषेण 65 46<sup>a</sup>  
 अस्त्रा गयोऽष्टम क्ल 46 15<sup>a</sup>  
 अस्त्राभि पश्चिम दृष्टा 78 28<sup>a</sup>  
 अस्त्रापत्यस्य ते विप्र 35 54<sup>a</sup>  
 अस्त्रासुप्तस्थाने निद्रात् 2 42<sup>a</sup>  
 अस्त्राश्च देव गङ्गाया 43 35<sup>a</sup>  
 अस्त्रास्तनुल्लभोद्गारा 40 27<sup>a</sup>  
 अस्त्रा हि पीडने दोष 41 25<sup>a</sup>  
 अस्त्रेभ्येव मतिर्मुने 10 12<sup>a</sup>  
 अस्त्रेद् दासते सर्वे 68 30<sup>a</sup>  
 अस्त्रावा युधि गोविन्दम् 88 2<sup>a</sup>  
 अस्त्रमादी पुराणेव 42 14<sup>a</sup>  
 अस्त्रमोज्ज्वल यथा च 5 7<sup>a</sup>  
 अस्त्रमेव च पाठक 10+ 13<sup>a</sup>  
 अस्त्र कदाचिद्गङ्गाया 100 32<sup>a</sup>  
 अस्त्र कसस्य चासासि 71 9<sup>a</sup>  
 अस्त्रकारस्तु महत् 1 19<sup>a</sup>  
 अस्त्रकार च सत्यत्र 113 29<sup>a</sup>  
 अस्त्र किलेन्द्रो देवानां 62 43<sup>a</sup>  
 अस्त्र क्रोधश्च कामश्च 31 45<sup>a</sup>  
 अस्त्र गता नदीमार्थ 50 17<sup>a</sup>  
 अस्त्र च काले भूतानां 10+ 14<sup>a</sup>  
 अस्त्र च दरद्वयेव 81 47<sup>a</sup>  
 अस्त्र च परममीत 103 28<sup>a</sup>

अहं तमो धनीभूतम् 104 13°.  
 अहं तव विधेयाम्ना 43 29°  
 अहं तु तव पुत्रस्य 35 66°  
 अहं ते जननी पुत्र 77 55°.  
 अहं ते पर्यता सप्त 104 13°.  
 अहं स्वनेन गोविन्द 67 55°.  
 अहं स्वभिजितो योगे 47 35°.  
 अहं रश्मिषा यसति 69 36°.  
 अहं त्वां दत्त पदयामि 38 26°.  
 अहं निमित्तमिति चेत् 115 36°.  
 अहं प्रहृष्टपुरोगमात् 46 8°  
 अहं मृतपतिः कृष्ण 62 35°  
 अहं यन्मृषि सामानि 104 19°  
 अहं यमोदां यास्यामि 47 37°  
 अहं य स अवातेव 58 48°  
 अहं यास्यामि भद्रं ते 8 10°  
 अहं युद्धोत्सुकन्तात् 67 54°  
 अहं व प्रपन्नो देव 60 25°  
 अहं वाच्यो भविष्यामि 49 5°  
 अहं वा स्वजन श्लाघ्य 65 66°  
 अहं वै हुमिलो नाम 73 24°  
 अहं वै रत्नभगमुपि 15 40°  
 अहं स पृथ गोमये 78 35°.  
 अहं स भरतप्रेष्ठ 104 0°  
 अहं क्षमयिष्यामि जन्म 104 12°  
 अहं हि पद्मजघने 65 47°  
 अहिच्छत्र सकामिष्य 15 63°  
 अहिर्नखस्य वसस्य 66 34°  
 अहिंस्य सर्वमृतेषु 20 2°  
 अहिंनगोस्तु दायाद् 10 77°  
 अह्वय्यत मुदा पुन 48 26°  
 अहो कालो महावीर्य 77 12°  
 अहो क्षिप्रमदयेन 77 25°  
 अहो जगद्देवस्यास्य 99 40°  
 अहो वात वृत्त कर्म 67 47°  
 अहो वायुपते पते 57 7°  
 अहो दुष्टस्वभावाति 99 12°  
 अहो घाटं च दुर्मते 108 17°  
 अहो धिक्किमिदं लोके 109 2°.  
 अहो धिगिति देवाना 112 69°  
 अहो न शोभन रात्रि 106 38°  
 अहो नास्ति भय नून 109 5°  
 अहो निष्कृष्टा यात्रा 77 23°

अहो नीचेन वपुषा 65 35°.  
 अहो ज्वरयोद्धा 81 5°.  
 अहो यत न शोभेतां 51 30°  
 अहो यत विपश्चा 77 17°.  
 अहो मयातिवात्येन 78 4°.  
 अहो मे सुमिष कृष्ण 62 16°.  
 अहोर्ज्य मानुषो भार 58 35°.  
 अहोरात्रेभ्यो दिव्य 31 23°.  
 अहोरात्रेभ्यो पृथ्या 79 5°.  
 अहो वा जीवितं रयत् 71 11°  
 अहो वीर कथं दोषे 77 35°.  
 अहो वीरास्वभावाया 77 56°.  
 अहो वीर्यमहो धैर्यम् 108 17°.  
 अहो वै महदाश्रयं 113 59°  
 अहो धुनमहो वदम् 2 13°.  
 अहोऽप्य रूपतो वीर्यं 2 13°  
 अहो हर नानुपुंसते 44 17°.  
 अशारतरण मया 43 69°  
 अशारतरण विष्णो 44 13°  
 अशारतरण सर्वे 43 69°  
 अशारतरणे वृत्त 44 1°  
 अंशुमन्स तथा कार्यं 87 6°  
 अंशुमाशान् वीर्यवान् 10 64°  
 अंशोऽस्मि सुनयोर्माता 9 8°  
 अशोत्सर्गो महारमभि 45 14°  
 अशो भगव्रतितेजा 3 51°

आ

आ कचप्रहृष्टाहेहि 8 13°  
 आकम्पितसरो रौद्र 67 9°  
 आकाशमभयो वायु 30 38°  
 आकाशमकरोरपसु 1 27°  
 आकाशमपि वाणौषे 81 36°  
 आकाशलोपरि रवि 62 25°  
 आकाश छादयामासु 111 8°  
 आकाश दर्शयामास 103 22°.  
 आकाशास्तु पवने 48 16°  
 आकाशादप्यसचार्यं 55 44°  
 आकाशादिव गोविन्द 76 28°  
 आकाशे तु स्थितो विष्णु 32 31°  
 आकाशे दर्शिते नदौ 103 23°  
 आकाशे वायसकाशे 62 51°  
 आश्वय्य चैन तरसा 112 80°  
 आश्वय्य एतद्वाग्नेय 110 51°.



आक्रीडं पद्मगेन्द्रस्य 56 18<sup>०</sup>.  
 आक्रीडे चासवस्य ह 92 63<sup>०</sup>.  
 आगुदुर्दुरवक्त्राश्च 31. 82<sup>०</sup>.  
 आख्यास्यामि मतं तुभ्यं 12<sup>०</sup>.  
 आगच्छत द्रुतं देवा. 3. 48<sup>०</sup>.  
 आगतं शक्ररचनात् 96 24<sup>०</sup>.  
 आगता च विपर्ययम् 50 17<sup>०</sup>.  
 आगतो नारमद्य तम् 90 9<sup>०</sup>.  
 आगतो भरणे कृते 10 10<sup>०</sup>.  
 आगावहः पृथुः कङ्कः 81. 99<sup>०</sup>.  
 आग्नीध्रश्चाग्निबाहुश्च 7. 9<sup>०</sup>.  
 आग्नेयमर्द्धं हृत्त्रा च 10 26<sup>०</sup>.  
 आग्नेयं चैव सौम्य च 113 33<sup>०</sup>.  
 आग्नेयं तं महाभागम् 10 36<sup>०</sup>.  
 आग्नेयं प्रदामं यातम् 112 23<sup>०</sup>.  
 आग्नेयान्तर्हिते हरौ 112 21<sup>०</sup>.  
 आचक्ष्व मम देशव 104. 7<sup>०</sup>.  
 आचक्ष्व विषत्वन. 8 29<sup>०</sup>.  
 आचारात्तया रजे 21 27<sup>०</sup>.  
 आचारेणभ्यर्त्तुनी 79 4<sup>०</sup>.  
 आचार्यैर्ष्व चकार ह 18 18<sup>०</sup>.  
 आचार्येषु शैलास्ते 43 74<sup>०</sup>.  
 [भा]च्छाय रूपमनिन्दित्वा 8 15<sup>०</sup>.  
 आशिष्ठय मम मन्वाया 77 56<sup>०</sup>.  
 आजगाम गृहद्वार 48 22<sup>०</sup>.  
 आजगाम पुरीं रम्भा 99 29<sup>०</sup>.  
 आजगाम मङ्गपोषी 85 37<sup>०</sup>.  
 आजगाम महीतलम् 62 2<sup>०</sup>.  
 आजगाम सुमुखं 76 4<sup>०</sup>.  
 आजगाम युवैवाथ 9 26<sup>०</sup>.  
 आजगाम वनेचर 50 12<sup>०</sup>.  
 आजगाम पञ्चजन 80 2<sup>०</sup>.  
 आजगाम समीप ये 86 56<sup>०</sup>.  
 आजगाम हरि समात् 31 64<sup>०</sup>.  
 आजगाम हलायुध 90 9<sup>०</sup>.  
 आजगमत्तुमुदेन 42 23<sup>०</sup>.  
 आजगमुद्योदयपुरीं 100 9<sup>०</sup>.  
 आजगम् कृष्णमन्दिदम् 100 7<sup>०</sup>.  
 आजगान ध्वजं चारु 88 19<sup>०</sup>.  
 आजगमीदोऽपरो बन्ध 23 94<sup>०</sup>.  
 आजगार च लेकेषु 10 37<sup>०</sup>.  
 आजगार निरर्गलान् 29 24<sup>०</sup> 31. 128<sup>०</sup>.  
 आजगार रजिः प्रभुः 21 23<sup>०</sup>.

आजगाराश्वमेधानां 10 53<sup>०</sup>.  
 आजगे पितृदायार्थं 23 64<sup>०</sup>.  
 आजगानुबाहु सुमुख. 31 137<sup>०</sup>.  
 आजगानुबाहु सिंहास्य. 109 84<sup>०</sup>.  
 आजीगे य परस्तेषां 61 4<sup>०</sup>.  
 आजीको नरकश्चैव 3 78<sup>०</sup>.  
 आज्ञातचान्वै समामे 15 43<sup>०</sup>.  
 आज्ञा च देवा महानां 72 11<sup>०</sup>.  
 आज्ञापयत बुद्धिमान् 72 6<sup>०</sup>.  
 आज्ञापयत वीर्यवान् 109 76<sup>०</sup>.  
 आज्ञापय प्रियं किं ते 111 10<sup>०</sup>.  
 आज्ञाप्यतां हव वेत्ति 46 25<sup>०</sup>.  
 आज्ञाप्यम समाम्राप 39 23<sup>०</sup>.  
 आज्ञपनास क्षुब्धस्तुष्ट 31 23<sup>०</sup>.  
 आज्ञमगाया प्रवर्त्ततां 38 70<sup>०</sup>.  
 आज्ञं महर्षिभिर्दत्तम् 38 11<sup>०</sup>.  
 आरमजं ते वपुर्व्योम्नि 58 42<sup>०</sup>.  
 आरमजं मां किमारमना 43 29<sup>०</sup>.  
 आरमजानां हयेश्वरा 23 165<sup>०</sup>.  
 आरमनश्च परस्य च 45 11<sup>०</sup>.  
 आरमनः प्रणिवाभहम् 115 10<sup>०</sup>.  
 आरमनः स्वकुलस्य च 106 17<sup>०</sup>.  
 आरमनो वा परस्य वा 1 1<sup>०</sup>.  
 आरमनो विपुल वंशं 27 31<sup>०</sup>.  
 आरमगायामयं रूपं 99 47<sup>०</sup>.  
 आरमवृत्तप्रवृत्तानि 58 37<sup>०</sup>.  
 आरमा च विवृत कृत. 66 10<sup>०</sup>.  
 आरमा तेऽह यथा शश्वत् 62 81<sup>०</sup>.  
 आरमानमारमना वाक्वम् 61 26<sup>०</sup> 81 9<sup>०</sup>.  
 आरमानमारमना हि त्यम् 45 38<sup>०</sup>.  
 आरमान प्रथयित्वाह 1 4<sup>०</sup>.  
 आरमानं मा वपुष्टमात् 118 33<sup>०</sup>.  
 आरमान मा च रक्षस्व 107 81<sup>०</sup> 103 77<sup>०</sup>.  
 आरमानं योजयामास 45 49<sup>०</sup>.  
 आरमा विशोचित. पापान् 28 31<sup>०</sup>.  
 आददान इय क्रोधान् 110 29<sup>०</sup>.  
 आददानममां प्रवम् 5 8<sup>०</sup>.  
 आदधरस्तोर्जित तेज 35 30<sup>०</sup>.  
 आदर्शं विमुषितम् 65 56<sup>०</sup>.  
 आदाने कृतस्त्रणा 81 55<sup>०</sup>.  
 आदाय विलमाविशम् 28 16<sup>०</sup>.  
 आदाय भरतर्षम् 29 4<sup>०</sup>.  
 आदाय मणिपर्वतम् 94 18<sup>०</sup>.

आनुत विमुक्तं पुनम् 108 43<sup>6</sup>  
 आनुगोऽय गिरिः पक्षे 61 36<sup>6</sup>  
 आनुत्य सहसा भुय 108 68<sup>6</sup>  
 आयप्य गांदिनीपुत्र 29 40<sup>6</sup>  
 आयभौ सपैतलत्र 61 17<sup>6</sup>  
 आयप्य शृणुतेति च 65 11<sup>6</sup>  
 आ भूमिपालान्भोजनस्याम् 27 23<sup>6</sup>  
 आभोगधवणावताम् 55 35<sup>6</sup>  
 आन्यन्तराक्ष पाद्याश्च 109 33<sup>6</sup>  
 आमन्त्र पितरं तात 18 27<sup>6</sup>  
 आमन्त्र पौत्राग्र्यीततामा 18 8<sup>6</sup>  
 आमपायै महाराज 6 28<sup>6</sup>  
 आयत्तां च तदात्ये च 72 21<sup>6</sup>  
 आयस पात्रमादाय 6 25<sup>6</sup>  
 आयस पाह्यन्त्यम् 33 9<sup>6</sup>  
 आयसैर्निगडाकारै 70 20<sup>6</sup>  
 आयसैश्च महाचक्रै 93 25<sup>6</sup>  
 आयसं परिधै पूर्णै 33 11<sup>6</sup>  
 आवागमूत वसत्य 71 39<sup>6</sup>  
 आवातिर्यातिरद्वय 22 1<sup>6</sup>  
 आवातो मधुरा भूय 79 25<sup>6</sup>  
 आवात्तममणीर्हर 112 16<sup>6</sup>  
 आवात्तमथ त दृष्ट्वा 112 51<sup>6</sup>  
 आवात्तमनुगच्छन्ति 113 46<sup>6</sup>  
 आवान्त पुरोत्तमम् 113 51<sup>6</sup>  
 आयुधागारिक तदा 71 38<sup>6</sup>  
 आयुधाना पुराणाना 81 55<sup>6</sup>  
 आयुधानि व्यसर्जयत् 40 3<sup>6</sup>  
 आयुर्धरुषोभितम् 32 23<sup>6</sup>  
 आयुर्धर्मानमावसु 21 10<sup>6</sup>  
 आयुर्हान्या वरगहानि 117 4<sup>6</sup>  
 आयुष्माकीर्तिमान्धर्म्य 1 40<sup>6</sup>  
 आयुर्धनं च मर्त्याना 117 38<sup>6</sup>  
 आयु कीर्ति धन पुत्रान् 23 166<sup>6</sup>  
 आयु दोषापुपचय 30 27<sup>6</sup>  
 आयु प्रक्षयसरोधान् 117 39<sup>6</sup>  
 आयो पुत्र यशस्विनम् 13 26<sup>6</sup>  
 आयो पुत्रास्तथा पञ्च 21 11<sup>6</sup>  
 आराधयन्महादेवम् 85 10<sup>6</sup>  
 आरुन्धन्यैताप्राणि 92 45<sup>6</sup>  
 आरुक्षुर्मेहाबाहु 76 25<sup>6</sup>  
 आरुरोह तत कस 96 57<sup>6</sup>  
 आरुरोह दिव राजा 85 64<sup>6</sup>

आरुरोह मुदा युग 49 13<sup>6</sup>  
 आरुरोह रणे हरि 34 46<sup>6</sup>  
 आरुरोह रथं क्षिप्र 87 58<sup>6</sup>  
 आरुरोह विहगमम् 92 18<sup>6</sup>  
 आरुरोह सुरदिपम् 34 3<sup>6</sup>  
 आरुद्र गदह सर्वे 113 6<sup>6</sup>  
 आरुद्र जनानां 87 59<sup>6</sup>  
 आरुद्र हरिता सर्वे 109 37<sup>6</sup>  
 आरुद्रैराश्रितं नागम् 62 2<sup>6</sup>  
 आरुद्र ॥ तपोयुक्ता 112 86<sup>6</sup>  
 आरुपयामास तदा 92 42<sup>6</sup>  
 आरुपयामास वही 71 42<sup>6</sup>  
 आरुपयित्वा वेगेन 71 51<sup>6</sup>  
 आरुप्य प्राज्ञेन हृत् 102 22<sup>6</sup>  
 आरुप्यमानमारामि 12 15<sup>6</sup>  
 आरुद्र गच्छ सर्वे 113 8<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपल कृष्ण 56 1<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं पुण्यास्ते 81 37<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं विमर्शितं 81 45<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं न वसत तं 16 13<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 77 22<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 10 70<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 30 42<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 56 17<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 61 41<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 71 30<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 9 45<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 81 7<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 52 8<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 85 3<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 35 32<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 71 6<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 93 34<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 107 64<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 94 13<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 26 21<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 23 157<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 30 22<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 47 37<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 71 27<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 58 47<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 21 14<sup>6</sup>  
 आरुद्रोऽपलं रद्वन्वीपु 81 6<sup>6</sup>

भावयोरत्वं महाभागे ॥ 11<sup>a</sup>  
 भावयित्तमिवत्ताति 90 14<sup>a</sup>  
 भावयित्तमुत्तरसन्ध 57 19<sup>a</sup>  
 भावयित्ताभिगम्भीरा 55 33<sup>a</sup>  
 भावयित्त्यति लोकात्ता 40 12<sup>a</sup>  
 भावाभ्यां मुक्तभोजनम् 52 9<sup>a</sup>  
 भावाभ्यां रोपयुक्तभ्या 72 24<sup>a</sup>  
 भावाहप्रतिवाहौ च 24 10<sup>a</sup> 28 40<sup>a</sup>  
 भावाहयस्तदा शीघ्र 110 33<sup>a</sup>  
 भावा खलु न दत्तौ स्व 70 16<sup>a</sup>  
 भावा जहि न पत्रोर्षी 42 36<sup>a</sup>  
 भावा ते सचिवौ स्वाय 17 1<sup>a</sup>  
 भावा देवावृषीक्षेव 5 35<sup>a</sup>  
 भाविकामि च घृहमाणि 92 14<sup>a</sup>  
 भाविद्वयुच्छेदो हविष 57 16<sup>a</sup>  
 भाविष्य पतिव घोरे 108 24<sup>a</sup>  
 भाविषेव सभा शुभात् 91 31<sup>a</sup>  
 भावृष्वन्नभ्यवाहीर 82 8<sup>a</sup>  
 भावृता हस्तकैरै 85 62<sup>a</sup>  
 भावृत्प दिवि लीक्या 34 44<sup>a</sup>  
 भा वृष्णिषदाहृदयामि 1 23<sup>a</sup>  
 भा वापाक्षेव कर्हिचिन् 8 12<sup>a</sup>  
 भावां च विचरिष्यति 62 48<sup>a</sup>  
 भाविष्यथ शुभा पुण्या 117 50<sup>a</sup>  
 भाशीमिरनुक्याभि 92 56<sup>a</sup>  
 भाशीर्वादा प्रयुज्यन्ते ॥ 38<sup>a</sup>  
 भाशीस्तु पुष्टय दृष्टा 117 49<sup>a</sup>  
 भाक्षयं हृत्पभित्त 100 26<sup>a</sup>  
 भाक्षयंपर्यमरिल 113 82<sup>a</sup>  
 भाक्षयंमिति ते सर्वे 50 19<sup>a</sup>  
 भाक्षयंसेतहोत्रेषु 100 78<sup>a</sup>  
 भाक्षयंसान्द्रो नास्मात् 100 78<sup>a</sup>  
 भाक्षयंशेव धन्याश्च 100 23<sup>a</sup>  
 भाक्षयंश्रय नान्योऽस्त 113 78<sup>a</sup>  
 भाक्षयं खलु देवानाम् 100 22<sup>a</sup>  
 भाक्षयं च्छदानसि 104 9<sup>a</sup>  
 भाक्षयं धनुषो गृहे 71 47<sup>a</sup>  
 भाक्षयं परम विष्णु 30 56<sup>a</sup> 100 78<sup>a</sup>  
 भाक्षयं परम वेदा 100 65<sup>a</sup>  
 भाक्षयं भवता विना 70 36<sup>a</sup>  
 भाक्षयं खलु लोकानां 100 44<sup>a</sup>  
 भाक्षयं चासि भूतेषु 100 49<sup>a</sup>  
 भाक्षयंश्रय धन्याश्च 100 71<sup>a</sup>

भाक्षयंश्रय रूपाणि 70 38<sup>a</sup>  
 भाक्षयं भगवतोक्त 100 60<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यनस्युत्तरम् 55 38<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्य नित्यमज्ञा 65 18<sup>a</sup>  
 भाक्षयेषु महाभागात् 31 55<sup>a</sup>  
 भाक्षित्य सर्वपादवा 109 20<sup>a</sup>  
 भाक्षयन्नुभानीन्दिवाणि 32 37<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्य यदुच्छेद्यम् 100 21<sup>a</sup>  
 भाक्षय चाप्रिवर्णम् 46 5<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्याणि विविशु 95 12<sup>a</sup>  
 भाक्षय विप्रकृष्ट वा 116 1<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 14 1<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 3 52<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 16 24<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 31 134<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 7 8<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 9 73<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 81 89<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 85 48<sup>a</sup>  
 भाक्षय विलपमानाना 77 19<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 23 67<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 62 66<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 26 4<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 32 10<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 23 100<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 87 18<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात ॥ 6<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 15 33<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 10 77<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात ॥ 39<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 5 1<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 43 49<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 6 21<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 70 47<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 44 66<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 10 48<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 43 15<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 96 47<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 27 3<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 70 14<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 118 9<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 110 10<sup>a</sup>  
 भाक्षयस्यैषुमे तात 108 82<sup>a</sup>

आस्थाय तिमिर महत् ३० १८<sup>६</sup>  
 आस्थाय भुक्त्यो नरा १०९ ६२<sup>६</sup>  
 आस्थाय स रथ वीर ८८ ३<sup>६</sup>  
 आस्थिता गरुड ह्येते ११० २०<sup>६</sup>  
 आस्थितो गरुड देव १०९ ८८<sup>६</sup> ११३ ८<sup>६</sup>  
 आस्थितो गरुड राम ११० ७<sup>६</sup>  
 आस्थितो यदुनन्दन १०९ ६३<sup>६</sup>  
 आस्थै सधियोद्गारे ५६ ३२<sup>६</sup>  
 आदित्य दुष्टुभीमस्तथै ८४ १७<sup>६</sup>  
 आह रवा भगवान्प्रज्ञा ६२ ३८<sup>६</sup>  
 आह मा सत्यभामा च ११३ ९<sup>६</sup>  
 आहिरप्यति राजेश्वर ११५ ४१<sup>६</sup>  
 आहिरप्ये मणिसिति २९ १८<sup>६</sup>  
 आहर्ता चाग्निहोत्रस्य २१ २<sup>६</sup>  
 आहर्ता राजसूयस्य १० २३<sup>६</sup>  
 आहवस्य क्षायानो वा ४६ २२<sup>६</sup>  
 आहवेषु महत्सु च ६२ ८०<sup>६</sup>  
 आहारमेकपणैः १३ १७<sup>६</sup>  
 आहार फलमूलानि ॥ १३<sup>६</sup>  
 आहिच्छत स्वः राग्य १५ ६३<sup>६</sup>  
 आहुः कश्चाहुको चैव २७ १८<sup>६</sup>  
 आहुकश्चैव नो राजा १०९ २८<sup>६</sup>  
 आहुकस्य च वा क्षिय ९४ १६<sup>६</sup> ९६ ७<sup>६</sup>  
 आहुकस्य तु काश्वाया २७ २५<sup>६</sup>  
 आहुक प्राह हृष्यस्तु १०९ ३५<sup>६</sup>  
 आहुक वसुदेव च ११३ ६९<sup>६</sup>  
 आहुक विनागिवत् ९५ ९<sup>६</sup>  
 आहुकी चाप्यभिमय २७ २४<sup>६</sup>  
 आहुर्वैदिविदो विप्रा ३१ ९<sup>६</sup>  
 आहुता रुक्मिणा तेषु ८९ १४<sup>६</sup>  
 आहुतो बलवैवस्तु ८९ २४<sup>६</sup>  
 आहुवेदमुवाच ह ११६ ६<sup>६</sup>  
 आहुतो वरपेनापि ११५ १७<sup>६</sup>  
 आहस्य मणिमुण्डले ९७ २९<sup>६</sup>  
 आहस्य यदुसिहार्य ९३ ६१<sup>६</sup>  
 आहस्य यदुसिहेन ९३ ६४<sup>६</sup>  
 आहवक्ष्यति युद्धे स ११३ १५<sup>६</sup>  
 आह्वान तत्र सचक्रे ७२ १३<sup>६</sup>  
 आह्वति कैचिकश्चैव ८० १०<sup>६</sup>  
 इ  
 इक्षुमरसु च देशेषु ६२ ५४<sup>६</sup>  
 इक्ष्वाकुं कुलनन्दन ३१ १४३<sup>६</sup>  
 इक्ष्वाकुया परित्यक्त ९ ४३<sup>६</sup>

इति मे वतेते मति 12 8<sup>d</sup>  
 इति रोरुषते भृशम् 77 38<sup>d</sup>  
 इति वदा समाप्यते 98 27<sup>d</sup>  
 इति वाचश्चरन्ति हि 113 53<sup>d</sup>  
 इति विद्याधरोरगा 61 36<sup>d</sup>  
 इतिवृत्तेश्च बहुभि 43 16<sup>d</sup>  
 इति वेदविद् प्राहु 11 3<sup>d</sup>  
 इति व्योमि व्यवस्थिता 13 30<sup>d</sup>  
 इति श्रुत्वा वचस्तथ्यम् 89 42<sup>d</sup>  
 इति सप्तयं सर्वे 75 39<sup>d</sup>  
 इति सर्गं सनातन 1 19<sup>d</sup>  
 इति सचोदित कृष्ण 110 43<sup>d</sup>  
 इति सयोधयन्कृष्णम् 96 71<sup>d</sup>  
 इति सस्त्य गोविन्द 97 42<sup>d</sup>  
 इति जेहावभावत 4<sup>d</sup>  
 इतिहाससमन्वितम् 115 2<sup>d</sup>  
 इतिहास तमृषिणा 118 4<sup>d</sup>  
 इतिहासं पुरातनम् 15 66<sup>d</sup>  
 इतो वयं शमिष्याम 19 26<sup>d</sup>  
 इत्यम्बुपतिना प्रोक्त 45 31<sup>d</sup>  
 इत्यर्थं चाहमागत 46 19<sup>d</sup>  
 [इत्यमरकृद्भव वदन 50 14<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वन्त तमहम् 11 28<sup>d</sup> 12 18<sup>d</sup>  
 इत्युक्त बाणयुद्धं ते 113 79<sup>d</sup>  
 इत्युक्त पुण्डरीकाक्ष 91 38<sup>d</sup>  
 [इत्युक्त मङ्गलतत्परम् 110 22<sup>d</sup>  
 इत्युक्त ॥ तु कृष्णेन 85 61<sup>d</sup>  
 इत्युक्त ॥ मित्राक्रामन् 9 93<sup>d</sup>  
 इत्युक्त ॥ क्षित्त कृत्वा 101 15<sup>d</sup>  
 इत्युक्त सोऽग्निहवस्तु 113 5<sup>d</sup>  
 इत्युक्ता पितृभि मा तु 13 34<sup>d</sup>  
 इत्युक्तास्तस्युज्विमा 118 19<sup>d</sup>  
 इत्युक्तो रोचयामास 89 21<sup>d</sup>  
 इत्युक्तो मितुना राजा 23 31<sup>d</sup>  
 इत्युक्तोऽहं भगवत्वा 13 1<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वा गरुड गते 95 4<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वा स्वरमाणा सा 108 11<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वा नारद याते 46 20<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वान्तरधीयत 11 41<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वा भगवान्देव 14 11<sup>d</sup> 19 12<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वा भरतर्षभ 85 32<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वा ससरात्रेण 107 66<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वा तता दृष्टा 107 42<sup>d</sup>

इत्युक्त्वा पुरा व्यास 97 41<sup>d</sup>  
 इत्येतदाख्यायामुदाहृत य 118 50<sup>d</sup>  
 इत्येतद्भद्रमस्तु ते 115 34<sup>d</sup>  
 इत्येतान्पुरं सर्वान् 30 53<sup>d</sup>  
 इत्येवमनुशुभम् 6 13<sup>d</sup>  
 इत्येवमनुशुभम् 1 35<sup>d</sup>  
 इत्येवमाधातयत 118 1<sup>d</sup>  
 [इत्येवमाह पितामह 31 10<sup>d</sup>  
 इत्येवमाह्वयामास 89 36<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्त कुम्भाण्ड 106 38<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्त कृष्णस्तु 109 24<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्त महसः 106 14<sup>d</sup>, 21<sup>d</sup> 113 41<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्ता वचन 107 44<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्ता रुद्रो 107 39<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्त कृष्णेन 109 33<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्ते यज्जने 107 47<sup>d</sup>, 57<sup>d</sup> 108 89<sup>d</sup>  
 109 46<sup>d</sup>, 57<sup>d</sup>, 70<sup>d</sup>, 76<sup>d</sup> 110 68<sup>d</sup> 111 7<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्त्वा प्रदत्तम् 110 59<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्त्वा वचन 112 62<sup>d</sup>  
 इत्येषमुक्त्वा सत्य 108 80<sup>d</sup>  
 इत्येवमनुस्तेऽप्योम्य 109 15<sup>d</sup>  
 इत्येव ता रुद्रस्यश्च 109 9<sup>d</sup>  
 इत्येव बाष्पपूर्णोक्षी 107 30<sup>d</sup>  
 इत्येव याचिवो वर 3 63<sup>d</sup>  
 इदमत्यद्भुतं कर्म 90 15<sup>d</sup>  
 इदमन्तरमित्येव 19 17<sup>d</sup>  
 इदमक्ष महाघोर 113 24<sup>d</sup>  
 इदमाह भियवद 61 26<sup>d</sup>  
 इदमेवविधि कृत्वा 109 7<sup>d</sup>  
 इदं कर्म त्वया कृष्ण 109 41<sup>d</sup>  
 इदं कलियुगं विद्धि 85 59<sup>d</sup>  
 इदं किं विवित सप्रला 50 25<sup>d</sup>  
 इदं यत् सद्युजयत् 112 109<sup>d</sup>  
 इदं च वाक्यसदम् 17 11<sup>d</sup>  
 इदं जातं हलायुध 110 13<sup>d</sup>  
 इदं तु ते कार्यतम 107 56<sup>d</sup>  
 इदं तु सुमहत्कष्ट 109 30<sup>d</sup>  
 इदं त्वीयं वक्ष्यामि 7 14<sup>d</sup>  
 इदं ते सततं सौम्य 77 7<sup>d</sup>  
 इदं नरहय युद्धं 67 54<sup>d</sup>  
 इदं भगवते त्वया 8 11<sup>d</sup>  
 इदं महाकाव्यश्लेषेर्महात्मन 118 43<sup>d</sup>  
 इदं यज्ञियमातिथ्य 39 25<sup>d</sup>

इदं रूपं न शोभते 8 31<sup>६</sup>  
 इदं वचनमग्रवीत् 29 9<sup>६</sup> 102 7<sup>६</sup>, 20<sup>६</sup> 109 38<sup>६</sup>  
 इदं वचनमनुवृत् 75 9<sup>६</sup> 92 31<sup>६</sup> 109 58<sup>६</sup>  
 इदं वचनमुत्तमम् 85 53<sup>६</sup>  
 इदं शृण्वन्नराधिप 22 46<sup>६</sup>  
 इदं समुत्थित घोर 85 25<sup>६</sup>  
 इन्द्रकूटश्च नामत 103 15<sup>६</sup>  
 इन्द्रकेतुप्रतीकाश ७३ 15<sup>६</sup>  
 इन्द्रजित्सर्वयजिषेव ३ 68<sup>६</sup>  
 इन्द्रतापनवातापी 31 76<sup>६</sup>  
 इन्द्रपुल्लसर प्रति 93 54<sup>६</sup>  
 इन्द्रपुल्लो हत कोपात् 97 6<sup>६</sup>  
 इन्द्रसेना यतो गर्भे 23 99<sup>६</sup>  
 इन्द्र पुत्रो निहन्ता ते 3 100<sup>६</sup>  
 इन्द्र समुपवृत्त्यन्ति 34 8<sup>६</sup>  
 इन्द्र स्थान तपोत्तमम् 21 36<sup>६</sup>  
 इन्द्राचैव धनजय 24 23<sup>६</sup>  
 इन्द्राणीमर्चयिष्यन्ती 87 32<sup>६</sup>  
 इन्द्रावरजोऽभवत् 32 5<sup>६</sup>  
 इन्द्रेण सह समाम 77 27<sup>६</sup>  
 इन्द्रोऽहं नैनक राजा 22 11<sup>६</sup>  
 इन्द्रो भवामि धर्मेण 21 20<sup>६</sup>  
 इन्द्रोऽस्ति तात भूताना 21 25<sup>६</sup>  
 इममर्थमनर्थवत् 5 11<sup>६</sup>  
 इम ते पितर बृह 77 54<sup>६</sup>  
 इम नारायण ह्रवा 38 16<sup>६</sup>  
 इम मे मियदंशे 83 46<sup>६</sup>  
 इम श्लोक महार्थं स्व 18 30<sup>६</sup>  
 इम सखिलसङ्केद 43 41<sup>६</sup>  
 इमानि भणिरत्नानि 92 10<sup>६</sup>  
 इमान्भ्राणेश्वरान्गृह्य 47 27<sup>६</sup>  
 इमान्यासन्नराधिप 16 19<sup>६</sup>  
 इमामवस्था नीता स्व 107 36<sup>६</sup>  
 इमामवस्था नीतासि 107 38<sup>६</sup>  
 इमामवस्था नीतोऽपि 108 96<sup>६</sup>  
 इमामवस्थां पश्यन्त्य 77 4<sup>६</sup>  
 इमाश्चोदाहरन्त्यत्र 27 19<sup>६</sup>  
 इमास्ते किं करिष्यन्ति 77 53<sup>६</sup>  
 इमा च माया गृह्णीष्व 35 69<sup>६</sup>  
 इमा मिथ्याभिगच्छति य 28. 45<sup>६</sup>  
 इमा विस्मृतिं विज्ञाय 26 28<sup>६</sup>  
 इमा हि सृष्टिं दक्षस्य 2 56<sup>६</sup>  
 इमाः समभिगच्छन्ति 100 45<sup>६</sup>

इमे ते कुण्डले देव 91 59<sup>६</sup>  
 इमे ते पृथिवीपाला 81 10<sup>६</sup>  
 इमे ते व्रद्धणा सार्धे 40 37<sup>६</sup>  
 इमे स्वा त्वरयन्तीह 49 12<sup>६</sup>  
 इमे स्वा व्रद्धाविदुष 40 38<sup>६</sup>  
 इमे स्वा सप्त मुनय 40 40<sup>६</sup>  
 इमे नो बान्धवास्तात 56 28<sup>६</sup>  
 इमौ च बालकौ मया 8 11<sup>६</sup>  
 इमौ ते ध्रुवणौ शूर्या 77 8<sup>६</sup>  
 इमौ निपतितौ भूमौ 51 30<sup>६</sup>  
 इयमप्यायतपात्री 43 27<sup>६</sup>  
 इय च स्वा सरिच्छ्रेष्ठा 43 40<sup>६</sup>  
 इय च माधुरी भूमि 84 5<sup>६</sup>  
 इय द्वारवती नाम 86 6<sup>६</sup>  
 इय हि प्रकृतिर्द्वैवि 118 39<sup>६</sup>  
 इयेष बलवान्द्वय 67 32<sup>६</sup>  
 इरावत्यां महाभोजी 97 9<sup>६</sup>  
 इरा धृक्कलतावही 3 92<sup>६</sup>  
 इरिण तद्वन सर्वे 67 10<sup>६</sup>  
 इरिण समपद्यत 53 19<sup>६</sup>  
 इरा नाम तु यस्यासीत् 23 45<sup>६</sup>  
 इत्येव खसमस्तथा 3 77<sup>६</sup>  
 इष ऊर्ध्वस्त्रपश्च 7 17<sup>६</sup>  
 इपीकास्तम्बमासाय 20 38<sup>६</sup>  
 इषुसाद्धा निकुम्भाश्च 59 54<sup>६</sup>  
 इष्टधर्मेणु लोकेषु 78 12<sup>६</sup>  
 इष्टश्चास्मिन्महारमन 23 117<sup>६</sup>  
 इष्ट दातुं तपो नाम 117 48<sup>६</sup>  
 इष्टे देशे न्यवेशयत् 94 23<sup>६</sup>  
 इष्टया भरतसत्तम 9 4<sup>६</sup>  
 इह त्व जातिसमृद्ध 65 77<sup>६</sup>  
 इह स्वास्ते त्रिनयन 106 56<sup>६</sup>  
 इह स्वा नामिज्ञानाति 99 21<sup>६</sup>  
 इह धर्माधिकामाना 117 50<sup>६</sup>  
 इह सपतितो भुवि 100 80<sup>६</sup>  
 इह सोहृदता यातु 62 84<sup>६</sup>  
 इहापि यशसा युक् 78 10<sup>६</sup>  
 इहास्मन्मन्त्रयमवधीत् 92 33<sup>६</sup>  
 इहैव मामभिगच्छस्व 83 28<sup>६</sup>  
 ई  
 ईजे क्रतुसते पुण्यै 31 141<sup>६</sup>  
 ईश्वरो यज्ञरसोऽव्यय 36 7<sup>६</sup>  
 ईतय प्रथम जम्मु 62 63<sup>६</sup>

इति वृकाणां दृष्टा तु 53. 1<sup>a</sup>.  
 ईदृशो भयमागतम् 77. 31<sup>d</sup>.  
 ईदृशः कामसंकाशः 99. 35<sup>a</sup>.  
 ईदृशो जनितः सुतः 66. 7<sup>d</sup>.  
 ईरपन्मुखिनःशसैः 36. 51<sup>a</sup>.  
 ईरा भवन्तस्तस्येति 96. 3<sup>a</sup>.  
 ईरो न स्म स्यकम्पत 36. 30<sup>b</sup>.  
 ईश्वरस्य हि तस्येमां 32. 2<sup>a</sup>.  
 ईश्वरः पक्षिवाहनः 93. 8<sup>b</sup>.  
 ईश्वरः स महाबलः 87. 27<sup>d</sup>.  
 ईश्वरानुचरो हरिः 94. 16<sup>d</sup>.  
 ईषत्तमःसंवृतासु 68. 2<sup>a</sup>.  
 ईषद्विगाहमानायां 68. 9<sup>a</sup>.  
 ईहस्य काष्ठशङ्खभिः 117. 34<sup>b</sup>.  
 ईहया सुखिनो लोकाः 116. 25<sup>a</sup>.  
 ईहामृगगणाकीर्ण 33. 4<sup>a</sup>.  
 ईहामृगगणाकीर्ण 36. 28<sup>a</sup>.

उ

उक्तस्तस्मादधोक्षजः 96. 32<sup>d</sup>.  
 उक्तः संरक्षया बाधा 43. 21<sup>a</sup>.  
 उक्ताश्च यस्माद्युष्माभिः 12. 34<sup>a</sup>.  
 उक्तास्ते विस्ताराः सर्वे 113. 75<sup>a</sup>.  
 उक्तोऽद्य वचनं प्रियम् 106. 35<sup>a</sup>.  
 उक्तोऽयं हरिवंशस्ते 118. 1<sup>a</sup>.  
 उक्त्वा चारुहिंसा क्षिप्रं 107. 85<sup>a</sup>.  
 उक्त्वा स्यपतयस्तदा 86. 16<sup>b</sup>.  
 उक्त्वा वृहद्गंधं चैव 104. 17<sup>a</sup>.  
 उग्रसेन इति यथातः 44. 60<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनपुरोगमाः 79. 26<sup>a</sup>, 86. 8<sup>d</sup>.  
 उग्रसेनसुतस्य वै 48. 2<sup>d</sup>.  
 उग्रसेनसुतं भुवि 45. 4<sup>b</sup>.  
 उग्रसेनसुतः कंसः 96. 26<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनमुत्तापाय 49. 21<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनमुते दाम्गते 67. 63<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनमुतो राजा 65. 11<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनस्तु कृष्णस्य 78. 1<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनस्तवपं द्योचयः 66. 7<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनस्य रक्षार्थं 96. 28<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनस्य रूपेण 73. 18<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनस्य हस्तिप 73. 36<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनहिते स्थितः 80. 5<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनं च राजानं 95. 5<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनं नरपतिं 86. 76<sup>a</sup>.

उग्रसेनं न संदायः 68. 33<sup>d</sup>.  
 उग्रसेनं पुरस्कृत्य 95. 17<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनं विचेतसम् 77. 47<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनः सहायस्यः 27. 30<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनात्मजे कपे 87. 46<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनानुगौ मृत्वा 79. 40<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनोऽभवद्वाजा 80. 6<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनोऽभिपिक्तश्च 83. 11<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनो महीपतिः 78. 40<sup>b</sup>.  
 उग्रसेनो यद्वृणुष्व 78. 16<sup>a</sup>.  
 उग्रसेनो यथो राजा 94. 14<sup>a</sup>.  
 उग्रयुषस्य राजेन्द्र 15. 38<sup>a</sup>.  
 उग्रयुषः कस्य सुतः 15. 30<sup>a</sup>.  
 उग्रयुषः स चोत्तकः 15. 29<sup>a</sup>.  
 उग्रयुषेन यत्सार्यं 15. 28<sup>a</sup>.  
 उग्रो हिंसाविद्वाराश्च 16. 15<sup>a</sup>.  
 उग्रेण तपसा तस्याः 26. 18<sup>a</sup>.  
 उग्रेण वृथिवीं जित्वा 23. 141<sup>a</sup>.  
 उग्रेण विधिना जित्वा 23. 144<sup>a</sup>.  
 उग्रे परमनुर्ध्वं 112. 38<sup>a</sup>.  
 उच्चादचानि भूतानि 1. 36<sup>a</sup>.  
 उच्चैःप्रवसमथानां 4. 8<sup>a</sup>.  
 उच्छिष्टं काञ्चनं महत् 93. 39<sup>d</sup>.  
 उच्छिष्टेन समीपतः 47. 44<sup>a</sup>.  
 उच्छिष्टेनाग्रइस्तेन 36. 65<sup>a</sup>.  
 उच्छिष्टैः श्यामपर्यैभिः 57. 6<sup>b</sup>.  
 उच्छ्वसन्तीय पर्यताः 54. 9<sup>a</sup>.  
 उज्जहारारिमुदनः 30. 11<sup>a</sup>.  
 उज्जहारणेश्वरमहीम् 65. 40<sup>a</sup>.  
 उज्जानक इति स्मृतः 9. 52<sup>d</sup>.  
 उत्कर्णो मष्टसेवास्तु 67. 36<sup>a</sup>.  
 उत्कलश्च गयश्चैव 9. 15<sup>a</sup>.  
 उत्कलस्योचरा राजन् 9. 16<sup>a</sup>.  
 उत्तङ्गस्तु वरं प्रादान् 9. 76<sup>a</sup>.  
 उत्तङ्गस्य नियोगाद्वै 9. 60<sup>a</sup>.  
 उत्तङ्गं दर्शयामास 9. 75<sup>a</sup>.  
 उत्तङ्गेन महात्मना 9. 61<sup>a</sup>.  
 उत्तमश्च हयेन्द्राणां 67. 20<sup>a</sup>.  
 उत्तमस्य च मत्स्येषु 60. 6<sup>a</sup>, 7<sup>a</sup>.  
 उत्तमं वपुरास्थितः 32. 31<sup>a</sup>.  
 उत्तमागारिकाश्चान्ये 74. 13<sup>a</sup>.  
 उत्तमाङ्गयत्तान्तस्य 61. 49<sup>a</sup>.  
 उत्तमा च पृथिव्यां वै 86. 29<sup>a</sup>.

उत्तमौजाश्च शल्यश्च 81 45<sup>a</sup>  
 उत्तरस्या तथा दिशि 27 13<sup>b</sup>  
 उत्तरस्यां दिशि तथा 7 8<sup>a</sup>  
 उत्तर नगरद्वारम् 81 43<sup>a</sup>  
 उत्तर नरपादन 34 18<sup>d</sup>  
 उत्तर नृपते सुत 78 44<sup>d</sup>  
 उत्तरा-ते समुद्रस्य 30 18<sup>a</sup>  
 उत्तरात्स कुरुप्रस्थ 21 7<sup>a</sup>  
 उत्तरापथदेशस्य 9 40<sup>a</sup>  
 उत्तरा च धनाधिप 38 68<sup>a</sup>  
 उत्तरा दिशमस्तथै 93 16<sup>a</sup>  
 उत्तरेण गिरेस्तदा 12 5<sup>d</sup>  
 उत्तस्थुरपरिश्रान्ता 37 2<sup>a</sup>  
 उत्तस्थु शीतमनस 60 19<sup>a</sup>  
 उत्तानपाद जग्राह 3 7<sup>a</sup>  
 उत्तानपादाघातुर 2 7<sup>a</sup>  
 उत्तानपादाऽऽज्ञनयत् 2 9<sup>a</sup>  
 उत्तानशायिन दृष्ट्वा 88 18<sup>a</sup>  
 उत्तारयितुमर्हसि 69 17<sup>d</sup>  
 उत्तिष्ठ गच्छ कुम्भे 51 24<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठत इति धुवत् 36 55<sup>d</sup>  
 उत्तिष्ठति मजे तस्मिन् 53 13<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठतु भवाऽक्षीम 109 75<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठदुर्दकासर्प 56 4<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठ नरशार्दूल 77 58<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठमान शुश्रुमे 53 14<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठ शतपत्राक्ष 40 41<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठोत्तिष्ठ बाहुनाम् 106 17<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठोत्तिष्ठ भद्र ते 107 25<sup>a</sup>  
 उत्तिष्ठोत्तिष्ठ वत्सेति 48 44<sup>a</sup>  
 उरिधता वृषिदीतराम् 87 34<sup>d</sup>  
 उरुपतत्रिभोरगै 81 18<sup>d</sup>  
 उरुपतद्भिश्च गगन 35 4<sup>a</sup>  
 उरुपतेयुरध्याका 43 74<sup>a</sup>  
 उरुपत्तिश्च निरोधश्च 2 53<sup>a</sup>  
 उरुपत्तिं विस्तरणैव 3 1<sup>a</sup>  
 उरुपत्य चासकृत्पादै 67 37<sup>a</sup>  
 उरुपत्योत्पत्य गगनात् 61 41<sup>a</sup>  
 उरुपत्यसि पुसाजीच 73 34<sup>a</sup>  
 उरुपन्नदोपप्रभव 108 57<sup>a</sup>  
 उरुपन्नमात्रश्चोवाच 35 51<sup>a</sup>  
 उरुपन्नं कुमुद चैव 98 15<sup>a</sup>  
 उरुपन्नसप्त मानसात् 3 96<sup>b</sup>

उत्पन्ना ये कृतयुगे 117 20<sup>a</sup>  
 उत्पन्ना ये स्वधाया तु 13 61<sup>a</sup>  
 उत्पन्ना चाचि धर्मेण 2 8<sup>a</sup>  
 उत्पन्नास्त्रिदिवौकस 43 47<sup>d</sup>  
 उत्पपात गृहीत्वा सा 108 6<sup>a</sup>  
 उत्पपात रत्नश्चापि 81 92<sup>a</sup>  
 उत्पपात रयादीर 88 23<sup>a</sup>  
 उत्पपातास्तु क्षधनात् 42 24<sup>a</sup>  
 उत्पन्नानि च नीलानि 50 41<sup>a</sup>  
 उत्पन्न्य पर्वतानि 107 76<sup>a</sup>  
 उत्पन्न्य बलिना वर 89 45<sup>d</sup>  
 उत्पन्न्य धमदण्डवत् 64 20<sup>b</sup>  
 उत्पन्न्यारोपयामास 92 65<sup>a</sup>  
 उत्पत्ता ह्यत्र इत्यन्ते 51 33<sup>a</sup>  
 उत्पादयामास तदा 20 44<sup>a</sup>  
 उत्पाद्य रथ वसुन्तीम् 43 45<sup>a</sup>  
 उत्प्रेत सहसा स्वेभ्य 109 13<sup>a</sup>  
 उत्पुष्ताम्बुजपत्राक्ष 31 61<sup>a</sup>  
 उत्सर्गे पुनर्गृहिणी 77 41<sup>d</sup>  
 उत्सन्नसत्यसयोग 43 60<sup>a</sup>  
 उत्सन्नसचयगुण 52 15<sup>a</sup>  
 उत्सतजै महाणैव 86 35<sup>d</sup>  
 उत्सहन्ते नराधिपा 41 12<sup>a</sup>  
 उत्साहनासात्सर्वे वै 109 67<sup>a</sup>  
 उत्सृजस्व महाभुज 86 25<sup>b</sup>  
 उत्सृज्य मधुरामास्तु 85 35<sup>a</sup>  
 उत्सृज्य सागरे बाल 55 49<sup>a</sup>  
 उत्सृज्योत्सृज्य गच्छन्ति 112 8<sup>a</sup>  
 उत्सृष्टुमिदं तोषाद् 86 34<sup>b</sup>  
 उद्वक्त्रव्यसस्त्रिष्ठ 72 4<sup>a</sup>  
 उद्वगच्छद्दिवाकर 70 3<sup>d</sup>  
 उद्वगधनमभ्यगौ 13 67<sup>a</sup>  
 उद्वग्रासतनूक 68 21<sup>d</sup>  
 उद्विहित्युनलोपात् 70 29<sup>a</sup>  
 उद्विष्टदुर्पणैश्च 40 42<sup>a</sup>  
 उद्विष्टद्वज सर्व 53 12<sup>a</sup>  
 उद्वानपु शोभना 60 11<sup>d</sup>  
 उद्वाममहा सर्वे 72 9<sup>a</sup>  
 उद्वालगच्छेण 34 21<sup>a</sup>  
 उद्वालमयाविद् 3 57<sup>b</sup>  
 उद्वरेषु नृगान्नाम् 54 16<sup>a</sup>  
 उदानोऽर्धे शरीरेण 30 48<sup>a</sup>  
 उदानो व्यान पृथक् च 30 47<sup>d</sup>



उद्देशमाणावन्धोन्म 70 30°  
 उद्देश्य नियतेन्द्रिया 92 31°  
 उद्दीर्घा कौरवपेभ 102 33°  
 उद्दीर्घा दिशि दुर्धरे 4 14°  
 उद्दीर्घैश्च महावीर्यै 81 98°  
 उद्देशत ततोऽहसन् 108 56°  
 उद्गाता प्रथमं धिनाम् 44 11°  
 उद्गात्राघ्नो होमलिङ्ग 31 25°  
 उद्दिश्य देवानुरसदं 20 33°  
 उद्देशतो धर्मशीला 117 6°  
 उद्देशेन नरश्च 117 25°  
 उद्भूत इवेन तेजसा 34 30°  
 उद्भूतो देवभागस्य 24 25°  
 उद्भूतानीह सर्वेषां 68 23°  
 उद्भूतैश्च महाबाहै 43 32°  
 उद्भूता पृथिवी देवी 31 30°  
 उद्यच्छ्रेय सहसा 48 28°  
 उद्यतस्यैव सूर्यस्य 76 17°  
 उद्यत धोरदर्शनम् 6 6°  
 उद्यत द्विपता हेलो 33 13°  
 उद्यत किल पापहृत् 67 50°  
 उद्यतायुधनिश्चिना 38 30°  
 उद्यते वारणाश्च तु 112 23°  
 उद्यत्तास्करवर्णान् 93 4°  
 उद्यक्षिन् निराकर 110 7°  
 उद्यम्य च परश्वधात् 108 58°  
 उद्यम्योत्तमतोऽसम् 34 36°  
 उद्यानवनसंपन्ना 44 55°  
 उद्यानवनसंधाया 93 4°  
 उद्यानानि शिला रीला 109 59°  
 उद्यानेषु समन्तत 109 36°  
 उद्यानैरपन्नोभिता 88 46°  
 उद्योग विपुल चतु 33 1°  
 उद्गङ्गुप्रकारिणान् 114 16°  
 उद्गासयति दर्पित 44 24°  
 उद्गमगमरक्तस्य 65 1°  
 उद्गनाद च सिद्धयत् 89 44°  
 उद्गम्य सहसा कृत्वा 87 41°  
 उद्गम्योत्तमतोऽसम् 83 39°  
 उद्गुप्तो निलवित्रस्त 16 23°  
 उद्गुप्तानय दृक्षोस्तान् 2 37°  
 उद्गम्य जनार्दन 95 9°  
 उद्गम्याग्ररीदितान् 2 38°

उपजहुस्ततस्तस्मै 88 21°  
 उपतस्सुमैदाबल्म् 31 58°  
 उपतरक्षुमुनिगणा 35 24°  
 उपतरक्षु कुर्याद्व्या 86 2°  
 उपतरक्षु सद्गाप्सरा 48 17°  
 उपतरक्षु सुरगणान् 34 33°  
 उपतरक्षे यत्र दिव्या 62 8°  
 उपतरक्षे यदाग्रजम् 86 64°  
 उपतरक्षे महात्मान 40 8°  
 उपदानवी सुतांतेभे 23 47°  
 उपदानवी हयसिंहा 3 71°  
 उपनिन्दुमैदाभागा 23 79°  
 उपनिन्दुस्तत्त्वानि 92 8°  
 उपनिन्द्ये जनार्दने 103 2°  
 उपनीतोत्तरच्छदा 72 7°  
 उपनीय पयो धूम्र 69 29°  
 उपप्रेक्षत तत्रस्वी 85 17°  
 उपपुत्रक्षणा निर्य 69 10°  
 उपवाद्यकचक्रव्या 27 6°  
 उपभोगेन क्षाम्यति 22 37°  
 उपभोगैः परित्यक्त 55 44°  
 उपमहृन्ववा मद्गु 24 9°  
 उपयुज्य च गा सर्वे 16 13°  
 उपयुज्यन्त मातु 16 12°  
 उपयेमे महाबाहु 88 40°  
 उपयेमे हरीरेक्ष 88 43°  
 उपयुंषि तत्रापि 62 29°  
 उपलभ्य यथाविधि 86 15°  
 उपविष्ट ततो राम 83 55°  
 उपविष्टानुवाच 96 24°  
 उपविष्टेषु सर्वेषु 89 5°  
 उपसर्व्यो भवन्त्याह 67 19°  
 उपस्थानगृह यत्र 93 52°  
 उपस्थाय च गोविन्द 103 16°  
 उपस्थितश्च आहूय 11 41°  
 उपस्थितोऽतिपात 47°  
 उपस्थित च तीर्थेषु 46 10°  
 उपस्थानगृह्ये च 28 33°  
 उपस्थानगृह्ये च 31 27°  
 उपस्थान्य यथादृष्टान् 102 7°  
 उपातिष्ठ गोविन्द 91 58°  
 उपातिष्ठो देवेभ्य 115 39°  
 उपादाय तु वैदमी 89 8°

उपाध्यायस्तु देवाना 23 117<sup>d</sup>  
 उपानीयत वारुणी 83 19<sup>d</sup>  
 उपायत समारब्धा 5 50<sup>d</sup>  
 उपाय पश्य येन त्व 5 50<sup>d</sup>  
 उपाय शृणु मे विभो 45 17<sup>b</sup>  
 उपायादुपपादिता 91 22<sup>d</sup>  
 उपायाद्धारकां विष्णु 92 70<sup>d</sup>  
 उपायान्मथुरां तत 80 7<sup>d</sup>  
 उपायेन महामना 85 65<sup>b</sup>  
 उपायै शास्त्रचिन्तकै 15 55<sup>b</sup>  
 उपायो लोकविश्रुत 43 65<sup>d</sup>  
 उपावर्तन्त सर्वदा 31 87<sup>d</sup>  
 उपावृत्तमहापथा 86 51<sup>d</sup>  
 उपावृत्तास्तु वै गोपु 68 6<sup>d</sup>  
 उपासङ्गत्तथा मद्गु 28 39<sup>d</sup>  
 उपासहस्य तु सुवौ 98 17<sup>d</sup>  
 उपासतश्च वैशेषा 14 12<sup>d</sup>  
 उपासाचकिरे दैत्या 47 13<sup>d</sup>  
 उपासाचकिरे विष्णु 40 10<sup>d</sup>  
 उपासाचकिरे हृष्टा 64 24<sup>d</sup>  
 उपाशुपतमास्थाय 10 3<sup>d</sup>  
 उपेक्षते दानवेन्द्र 108 75<sup>d</sup>  
 उपेक्षित इव व्याधि 85 23<sup>d</sup>  
 उपेतानि घृहर्षणै 93 30<sup>d</sup>  
 उपेन्द्र इति हृण्ण सर्वा 62 44<sup>d</sup>  
 उपेन्द्रप्रमुखास्तदा 95 12<sup>d</sup>  
 उपोपविशु मीता 86 20<sup>d</sup>  
 उभय जयता वर 15 64<sup>b</sup>  
 उभयोरपि तप्रासीत् 109 73<sup>d</sup>  
 उभयोरैव दूतयो 44 47<sup>d</sup>  
 उभयोर्देवदैत्ययो 112 76<sup>b</sup>  
 उभयो तेनयो राजन् 81 91<sup>d</sup> 82 6<sup>d</sup>  
 उभाम्यामपि सयोगे 62 73<sup>d</sup>  
 उभाम्यामभवद्दोर 78 29<sup>d</sup>  
 उभाम्यामभिवर्धित 114 14<sup>b</sup>  
 उभाम्या चापि विद्विष्ट 73 37<sup>d</sup>  
 उभावपि सम द्वेष्टा 49 8<sup>d</sup>  
 उभावपि समाहिता 114 13<sup>d</sup>  
 उभावभ्ययदत्तदा 92 56<sup>d</sup>  
 उभायेकदारीरी स्य 58 46<sup>d</sup>  
 उभे कंसस्य ते भाग्ये 80 3<sup>d</sup>  
 उभे सध्ये पुरी घोरा 66 26<sup>d</sup>  
 उभौ पद्मदिवाकरौ 79 7<sup>d</sup>

उभौ तापि कृष्णेन 97 10<sup>d</sup>  
 उभौ तावपि पर्वसु 79 8<sup>b</sup>  
 उभौ तावभिन्मत्तु 79 3<sup>d</sup>  
 उभौ तौ परमाचार्यौ 82 12<sup>d</sup>  
 उभौ पुरुषसत्तमौ 98 20<sup>d</sup>  
 उभौ रामन्ननादैर्नौ 79 4<sup>d</sup>  
 उभौ विविशतुर्वीरौ 96 61<sup>d</sup>  
 उ मा इति निषेधन्ती 13 18<sup>d</sup>  
 उमा तासा वरिष्ठा च 13 21<sup>d</sup>  
 उमेत्येगमवत्कथाया 13 19<sup>d</sup>  
 उरगाधिपति साक्षात् 55 48<sup>d</sup>  
 उरग्राह्योरसा हन्तुम् 67 32<sup>d</sup>  
 उरसा पातयामास 38 48<sup>d</sup>  
 उरोभि समपीडयन् 63 23<sup>b</sup>  
 उर्वशी वरयामास 21 4<sup>d</sup>  
 उर्वश्या सहितो राजा 21 8<sup>d</sup>  
 उर्वश्या नक्षिरे यस्य 20 44<sup>d</sup>  
 उल्लङ्घ कैतवेयश्च 81 44<sup>d</sup>  
 उल्लङ्घी प्रयुल्लङ्घकान् 3 82<sup>b</sup>  
 उल्लङ्घा निर्यातनादेन 66 27<sup>d</sup>  
 उल्लिङ्गन्ल्ले गमसिद्धि 66 25<sup>d</sup>  
 उवाच कसो नृपति 72 18<sup>d</sup>  
 उवाच किं मया कार्यं 8 9<sup>d</sup>  
 उवाच कुम्भाण्डमुवा 107 57<sup>d</sup>  
 उवाच चैन कुपिता 19 7<sup>d</sup>  
 उवाच चैन भगवान् 19 12<sup>d</sup>  
 उवाच चैनाश्वतुर 100 68<sup>d</sup>  
 उवाच चोपसेनस्य 46 6<sup>d</sup>  
 उवाच त्रिदशौ सह 85 43<sup>b</sup>  
 उवाच देवता सर्वा 32 31<sup>d</sup>  
 उवाच परममीता 19 24<sup>d</sup>  
 उवाच परम वाच्य 41 1<sup>d</sup>  
 उवाच परमाद्भुतम् 107 23<sup>d</sup>  
 उवाच भगवन्गार 45 22<sup>d</sup>  
 उवाच भरतप्रेष्ठ 11 20<sup>d</sup>  
 उवाच मधुसूदन 95 18<sup>d</sup>  
 उवाच मुनिरप्यय 100 21<sup>d</sup>  
 उवाच पदुन्मदनम् 86 40<sup>b</sup>  
 उवाच यदुमसदि 78 17<sup>d</sup>  
 उवाच राजा गोविन्द 85 56<sup>d</sup>  
 उवाच ददुती वाच्य 77 47<sup>d</sup>  
 उवाच वचनं धीमान् 109 46<sup>d</sup>  
 उवाच यदुतां वर 57 7<sup>d</sup> 86 35<sup>d</sup>

उवाच वदता श्रेष्ठ 22 26<sup>a</sup>  
 उवाच धैर्य नाथमे 5 47<sup>a</sup>  
 उवाच व्यथिता देवी 73 30<sup>a</sup>  
 उवाच शुभया गिरा 38 64<sup>a</sup>  
 उवाच हृदि मध्वित् 81 9<sup>a</sup>  
 उवाचेद वचोऽर्धवत् 109 66<sup>a</sup>  
 उवाह मधुसूदन 92 36<sup>a</sup>  
 उवाह महिर्षी भोजा 97 4<sup>a</sup>  
 उवाह लोभया पक्षी 92 43<sup>a</sup>  
 उवाच शत्रुतापन 26 7<sup>a</sup>  
 उवाचो यज्ञमखिल 26 5<sup>a</sup>  
 उवाचो महाबाहु 23 26<sup>a</sup>  
 उवाचा तस्य जघ्राह 20 31<sup>a</sup>  
 उवाचा वाक्यममवीत् 34 51<sup>a</sup>  
 उवाचोनास्य पत्न्यस्तु 23 21<sup>a</sup>  
 उवाचोनास्य पुत्रास्तु 23 28<sup>a</sup>  
 उवाचो च धर्मज्ञ 23 20<sup>a</sup>  
 उवाच सह सयुक्त 108 12<sup>a</sup>  
 उवाच कथञ्छोचना 107 30<sup>a</sup>  
 उवाच नाम सुता तस्य 109 72<sup>a</sup>  
 उवाच भाव हृदा चक्रे 107 13<sup>a</sup>  
 उवाच मनोरथ चक्रे 107 10<sup>a</sup>  
 उवाचा दुर्धवामात 107 67<sup>a</sup>  
 उवाचा वचन क्षुरवा 107 79<sup>a</sup>  
 उवाचा धर्मिताया हि 108 16<sup>a</sup>  
 उवाचा पर्यतात्मजा 107 11<sup>a</sup>  
 उवाच तर्हि हस्तवी शनै 107 61<sup>a</sup>  
 उवाच सर्वा समागता 107 31<sup>a</sup>  
 उवाच हर्षयती शनै 107 11<sup>a</sup>  
 उवाचा परिवारसरम् 1 28<sup>a</sup>  
 उवाच ना धै क्रिमेद ह्य 107 23<sup>a</sup>  
 उवाच यदुक्तं देव्यासि 107 40<sup>a</sup>  
 उवाच शीघ्र हवमप्येव 107 12<sup>a</sup>  
 उवाच शृणुष्व कल्याणि 107 14<sup>a</sup>  
 उवाच पात्यामि शोणितम् 48 35<sup>a</sup>  
 उवाचोपिणो मुकुटिन 31 86<sup>a</sup>  
 उवाचान् हर्षवेन 58 30<sup>a</sup>  
 उवाचाना समन्तत 108 46<sup>a</sup>  
 ऊ  
 ऊचतुर्गन्धिवोद्य तत् 5 9<sup>a</sup>  
 ऊचतुर्गन्धसमन्ता 72 22<sup>a</sup>  
 ऊचतु प्रीतिमनसौ 42 27<sup>a</sup>  
 ऊचतु सद्धारिणी 17 1<sup>a</sup>

ऊचतुर्गन्धिवोद्य 107 31<sup>a</sup>  
 ऊचतुस्मान्नायाव ह्य 21 19<sup>a</sup>  
 ऊचतुर्गन्धिव सवे 5 8<sup>a</sup>  
 ऊचतुर्मां सान्त्वयुतानि 100 56<sup>a</sup>  
 ऊचतुर्वैरस्त्रतेज्ज्वले 3 46<sup>a</sup>  
 ऊचतुश्चैन नृवीरास्ते 96 5<sup>a</sup>  
 ऊचतुश्चैन नभोगता 75 39<sup>a</sup>  
 ऊचतुस्ते पित्रर कन्या 13 31<sup>a</sup>  
 ऊचतु सर्वे सुखप्रीता 56 43<sup>a</sup>  
 ऊचतुर्पोढतवर्पाश्च 116 11<sup>a</sup>  
 ऊचते वर्षन्तते वात्या 3 106<sup>a</sup>  
 ऊचतुर्प्रभृतयो रानन् 7 29<sup>a</sup>  
 ऊचतुर्गन्धमसिद्धिः 37 43<sup>a</sup>  
 ऊचतु पृथ शत्रुघ्न 2 17<sup>a</sup>  
 ऊचतुर्जननवायुगाम् 2 18<sup>a</sup>  
 ऊचां जाता सुतेजस 7 15<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वबाहुर्महायुधि 20 2<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वबाहुश्च सोमज 7 22<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वमाचक्रमे तस्य 20 5<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वमाचक्रमे पक्षी 95 2<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वमाचक्रमे बली 91 40<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वरेवसमस्ययम् 85 8<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वरोमा सुदुर्लभ 109 83<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वं चरानि बाह्यान्त 81 34<sup>a</sup>  
 ऊर्ध्वस्तु तत्रसावित्र 35 48<sup>a</sup>  
 ऊचत्योह विनिर्मेय 35 50<sup>a</sup>  
 ऊचराबहुला भूमि 116 19<sup>a</sup>  
 ऊचतु सकृद्य मयुरा 80 17<sup>a</sup>  
 ऊ  
 ऊक्ष पृथ महालय 23 112<sup>a</sup>  
 ऊक्षचर्मविजहत् 108 57<sup>a</sup>  
 ऊक्षराजस्य समताम् 28 28<sup>a</sup>  
 ऊक्षराजो महावल् 26 16<sup>a</sup>  
 ऊक्षरान्त गिरिवर 28 19<sup>a</sup>  
 ऊक्षरान्त गिरि पृथ 109 35<sup>a</sup>  
 ऊक्षरान्त गिरि जिव्रा 26 14<sup>a</sup>  
 ऊक्षस्य तु द्वितीयस्य 23 114<sup>a</sup>  
 ऊक्ष सा जनयामास 23 106<sup>a</sup>  
 ऊक्षसत्सत्त्वो जने 23 107<sup>a</sup>  
 ऊक्षेण निहतो ह्य 26 21<sup>a</sup>  
 ऊक्षे सह यथायोग 38 69<sup>a</sup>  
 ऊक्षसामयजुषा घोष 31 139<sup>a</sup>  
 ऊक्षसामयजुषा सत्यम् 100 56<sup>a</sup>

अभिभयंजुभिः सामभिः 20 12<sup>a</sup>  
 अचक्षायपर्वणानि च 104 19<sup>b</sup>  
 अचीकल्प महारमन 7 31<sup>b</sup>  
 अगीकान्तमदभित्तु 23 85<sup>a</sup>  
 अचेयुतनयो रात्रि 23 43<sup>a</sup>  
 अचेयुश्च जलेयुश्च 23 7<sup>a</sup>  
 अचेयोस्तु महाराज 23 42<sup>a</sup>  
 अचो ब्रह्मर्षिस्तृता 54<sup>a</sup>  
 अचो यजूषि सामानि 1 35<sup>a</sup>  
 अक्षुण्णदिल्लता यथा 71 32<sup>a</sup>  
 अज्वालीनो यथाग्राय 109 66<sup>a</sup>  
 अणो च विनयधरा 116 28<sup>a</sup>  
 अणवे प्रतिकर्तव्य 69 24<sup>a</sup>  
 अक्षुण्णस्तुतस्वालीय 10 70<sup>a</sup>  
 अक्षुण्णो महायथा 10 69<sup>b</sup>  
 अक्षयश्च भविष्यति 116 14<sup>a</sup>  
 अक्षय कालयोगाश्च 30 27<sup>a</sup>  
 अक्षय सप्रवर्तता 38 78<sup>a</sup>  
 अक्षुषक प्रभवति 9 81<sup>a</sup>  
 अक्षुष्यापशिषिर्ले 59 43<sup>a</sup>  
 अक्षते तु पृथिवीं लोके 100 47<sup>a</sup>  
 अक्षते देवप्रसादाद् 19 8<sup>a</sup>  
 अक्षते राम महाबाहु 101 17<sup>a</sup>  
 अक्षिपत्पुरोहिताचार्यान् 115 6<sup>a</sup>  
 अक्षिपद्भिर्द्यूषां दैत्यानां 26<sup>a</sup>  
 अक्षिपद्भिर्देवकापेक्ष 15 46<sup>a</sup>  
 अक्षिपत्प्राप्तवीर्युद्ध 118 18<sup>a</sup>  
 अक्षिपत् पाप्मिषांश्च 116 7<sup>a</sup>  
 अक्षिपत् सप्तदिग् विपुलाश्च भोगान् 31 153<sup>a</sup>  
 अक्षयश्च प्रमादेन 23 37<sup>a</sup>  
 अक्षयश्च निरीक्ष्य तम् 92 30<sup>b</sup>  
 अक्षय सह गार्ध्व्यै 38 37<sup>a</sup>  
 अक्षय सप्रवर्तते 40 19<sup>a</sup>  
 अक्षय सगितमता 40 38<sup>a</sup>  
 अक्षय साप्रवर्तते 7 31<sup>a</sup>  
 अक्षयोऽयं न मुह्यति 2 53<sup>a</sup>  
 अक्षयोऽयं मया प्राक्ता 7 16<sup>a</sup>  
 अक्षयो देवता यथा 104 19<sup>a</sup>  
 अक्षयो वा न मा दापै 31 42<sup>a</sup>  
 अक्षयो वेदपारगा 23 14<sup>a</sup>  
 अक्षिपत्तगिरिदाणी 117 29<sup>a</sup>  
 अक्षिपत्तान् महापात्रा 97 32<sup>a</sup>  
 अक्षिपत्तमहत्तवीर्यकर्मणाम् 118 51<sup>b</sup>

अभिभिद्वगन्धर्वै 113 17<sup>a</sup>, 50<sup>a</sup>  
 अभिभिश्च महामातै 109 86<sup>a</sup>  
 अभिभिस्तौ नियुक्तां तु 5 37<sup>a</sup>  
 अभिभिः पूजितस्तौ 40 1<sup>a</sup>  
 अभिभिः श्रूयते चापि 16<sup>a</sup>  
 अभिभिः समुदाहृता 117 49<sup>a</sup>  
 अभिमध्ये सुरेषु च 62 74<sup>a</sup>  
 अभिर्भावोऽत्रिवशे च 23 9<sup>a</sup>  
 अभिविशेषे भगवन् 35 26<sup>a</sup>  
 अभि नाम्नाय देवत्वं 3 37<sup>a</sup>  
 अभि विशासयामास 35 25<sup>a</sup>  
 अभिर्वाचिपतिस्तथा 89 18<sup>a</sup>  
 अभिर्वाचिच वो वृत्त 65 18<sup>a</sup>  
 अभिर्वाच कश्च हरिश्च 38 59<sup>a</sup>  
 अभिर्वाच च त वर्तते 91 35<sup>a</sup>  
 अभिर्वाच महावर्चसाम् 39 21<sup>a</sup>  
 अभिर्वाच मानुषाणां च 91 6<sup>a</sup>  
 अभिर्वाचान्सगन्धर्वान् 3 3<sup>a</sup>  
 अभिर्वाचैषां प्रवक्ष्यामि 7 6<sup>a</sup>  
 अभिर्वाचैः पुत्रा 7 29<sup>a</sup>  
 अभि परिपदा श्रुत्वा 118 1<sup>a</sup>  
 अभिर्वाचैः विवाहाश्च 23 90<sup>a</sup>  
 ए  
 एक एव उवरो लोके 111 9<sup>a</sup>  
 एक एव तु कार्यं स 117 45<sup>a</sup>  
 एककार्पांस्तरगाय 51 4<sup>a</sup>  
 एकचक्रो महाबाहु 3 68<sup>a</sup>  
 एकचक्रो महावीर्यो 51 4<sup>a</sup>  
 एकदुष्टकृत्कारिण्य 77 17<sup>a</sup>  
 एकदेहानि तिष्ठन्ति 35 28<sup>a</sup>  
 एकदेहो द्विधा हत 56 26<sup>a</sup>  
 एकदेहो द्विधा हतो 51 4<sup>a</sup>  
 एकदेहो महाबली 58 45<sup>a</sup>  
 एकनिष्ठाणनिर्युक्ता 51 3<sup>a</sup>  
 एकपद्मामदिपवन्ति 116 7<sup>a</sup>  
 एकपत्नीव्रतमिदं 73 21<sup>a</sup>  
 एकपादा द्विपादाश्च 33 26<sup>a</sup>  
 एकप्रमाणे लोकाणां 51 5<sup>a</sup>  
 एकमायवर्तितः 56 26<sup>a</sup>  
 एकमद्यधरा कान्तौ 51 2<sup>a</sup>  
 एकमार्गानिर्दिष्टां 93 28<sup>a</sup>  
 एकमार्गानिर्दिष्टां 86 64<sup>a</sup>  
 एकलव्यस्य पुत्र च 87 5<sup>a</sup>

एकलव्यो मुद्राक्षय 81 44°  
 एकलव्यो महाराज 24 27°  
 एकदणो वसुधरा 54 13°  
 एकविंशच्छतानि च 91 13°  
 एकवेणीधरा सर्ग 91 13°  
 एकवेणीधरा स्त्रिय 92 26°  
 एकवेपथरायेक 51 3°  
 एकवज्राक्षया सार्य 116 35°  
 एकवज्राक्षयाशनौ 51 3°  
 एकशूरा इति खयाता 13 53°  
 एकश्रवण श्रीमान् 42 52°  
 एकश्च मे मतो राक्षि 1 11°  
 एकलक्षैश्च भूयितम् 72 3°  
 एकस्त्वमनपत्यश्च 35 27°  
 एकस्त्वमसि लोकाना 62 19°  
 एकस्य पुरपोत्तम 100 22°  
 एकस्यानघर हूत 52 36°  
 एकस्य शिशुना गतौ 51 4°  
 एकस्यार्याय यो ह्ययात् 6 1°  
 एक गोम्राक्षण स्मृतम् 45 29°  
 एक मृदुतर मेने 42 17°  
 एक वहाधर त्वेका 10 56°, 57°  
 एक सहस्रपालत्र 108 44°  
 एक पञ्चजनो नाम 10 53°  
 एक दानुनिर्घण 107 51° 108 42°  
 एक शोको हि नारीणाम् 69 14°  
 एकलक्षश्चन्द्रहा राहु 31 77°  
 एकाम प्रपत्यैव 4 23°  
 एका तत्र निराङ्गारा 13 18°  
 एका एव भोक्ष्यते जगत् 47 56°  
 एकावृत्त सहस्राणि 109 79°  
 एकाद्रीते कथिता 3 44°  
 एकान्तोति मानवा 96 14°  
 एकान्तोति यामाहु 96 11°  
 एकार्णवगति प्रभु 31 28°  
 एकार्णवगते लोके 30 16°  
 एकार्णवगते अष्टाम् 31 28°  
 एकार्णवविमुक्त च 62 62°  
 एकार्णवाम्बुनिचये 42 20°  
 एकार्णवे तदा लोके 42 25°  
 एकाहमिति मे मति 14 12°  
 एकाहो महानाहु 101 7°  
 एवेन वै तदुभय 118 30°

एवेन स मुहुर्वेन 109 80°  
 एवेनामल्पमेव 55 10°  
 एकैरुलोपरि तदा 108 47°  
 एकैरु तत्र चोद्यान 109 36°  
 एकैरु द्रवतो राजन् 109 59°  
 एकैरु सप्तधा चक्रे 3 108°  
 एको वैवस्वतस्तेषां 7 39°  
 एतच्च निवर्तितम् 112 111°  
 एतथानुमत मम 45 14°  
 एतच्छत च दृष्ट च 104 24°  
 एतच्छ्रुत्वा श्रुश्रेष्ठ 104 25°  
 एतच्छ्रुत्वा तदा वाक्य 110 16°  
 एतच्छ्रुत्वाव्ययीदेन 26 17°  
 एतच्छ्रुत्वा वचलस्य 78 30°  
 एतच्छ्रुत्वा सुरा सर्वे 31 53°  
 एतस्माद्यै विचिन्तयन् 109 25°  
 एतस्यै कथित मया 90 16°  
 एतस्यै प्रथम राजन् 7 10°  
 एतत्त सर्वमाख्यात 89 52°  
 एतत्प्रैविष्यमुपपत्ते 59 21°  
 एतत्तपादेन पातितम् 50 18°  
 एतत्सर्वै यथावृत्तम् 104 7°  
 एतत्सर्वै वदिष्यति 11 40°  
 एतत्सोमस्य ते जम्भ 20 47°  
 एतद्वयं च वासोऽय 55 56°  
 एतदाख्यातमिच्छामि 11 8°  
 एतदाश्रयंस्तस्य 32 9°  
 एतदाश्रयंभूत हि 51 37°  
 एतदाश्रयंमभवत् 38 80°  
 एतदाश्रयंमाख्याने 30 57°  
 एतदिच्छामि वेदितुम् 11 2°  
 एतदिच्छाम्यहं योऽह 11 14° 15 8°  
 एतदुत्तरमानस्य 31 151°  
 एतद्वैरसभाय्य 61 53°  
 एतद्वाहुदय यत्ते 31 28°  
 एतद्यत्तनुल व 84 8°  
 एतद्यत्तनुले अत्रम् 75 20°  
 एतद्यत्तनुलन 42 51°  
 एतद्दे श्रोतुमिच्छामि 11 4°  
 एतदीलोत्तरपदयाम 54 24°  
 एतन्मे कृष्ण कस्तूर्येन 62 88°  
 एतन्मे कृष्ण विज्ञाय 78 29°  
 एतन्मे सर्वमाचक्ष्व 10 29°

एतयोश्च हि को युद्ध 106 61<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे कृष्ण 99 41<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे क्रुद्ध 37 37<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे गोपा 83 19<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे गोभि 50 12<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे तात 15 61<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे दीना 77 38<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे प्राप्ता 50 7<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे ब्रह्मा 35 58<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे भीता 56 14<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे मेघा 32 13<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे राजा 84 12<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे बाधु 73 14<sup>a</sup> 100 17<sup>a</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे काले तु 5 32<sup>a</sup> 23 58<sup>a</sup> 29 24<sup>a</sup> 64 10<sup>a</sup>  
 83 1<sup>a</sup> 87 1<sup>a</sup>  
 एत कदम्बमारुह्य 55 57<sup>a</sup>  
 एत क्रुद्धमवासवान् 115 18<sup>a</sup>  
 एत मे सशय विप्र 2 52<sup>a</sup>  
 एत सपरिगृहीण्य 89 35<sup>a</sup>  
 एतानपि हनिष्यामि 73 37<sup>a</sup>  
 एतानि हारवा कर्माणि 31 128<sup>a</sup>  
 एतानि शशिकल्पानि 81 4<sup>a</sup>  
 एतानुत्पाद्य धर्मात्मा 13 48<sup>a</sup>  
 एतानुत्पाद्य पुत्रास्तव 13 38<sup>a</sup>  
 एताम्परिचक्ष्य रुदा 113 63<sup>a</sup>  
 एताम्पृच्छीतनिर्देशान् 36 12<sup>a</sup>  
 एताम्पृच्छप्रहृष्टानि 54 27<sup>a</sup>  
 एताम्पृच्छानि कौरव्य 7 38<sup>a</sup>  
 एताम्पृच्छाद्यवाम्बर्वा 65 11<sup>a</sup>  
 एताम्पृच्छतकोऽन्वेय 78 36<sup>a</sup>  
 एताम्पृच्छात्ता से सर्वे 18 32<sup>a</sup>  
 एताम्पृच्छता भगवान् 112 129<sup>a</sup>  
 एताम्पृच्छादि वासश्च 85 26<sup>a</sup>  
 एतास्तु योगेश्वरयोगभावा 31 153<sup>a</sup>  
 एतां परमदुर्लभाम् 65 96<sup>a</sup>  
 एते कश्यपरायादा 3 93<sup>a</sup>  
 एतेऽद्भुतवाजा सर्व 23 41<sup>a</sup>  
 एते धान्ये च बहव 31 149<sup>a</sup>  
 एते धान्ये च राजान 80 16<sup>a</sup>  
 एते चापि महाभागो 13 23<sup>a</sup>  
 एते तपसि तिष्ठत 35 36<sup>a</sup>  
 एते त्वद्विरस युवा 23 72<sup>a</sup>  
 एते दिव्या वराप्ताव 31 46<sup>a</sup>

एते दुर्गसदा नृपा 81 43<sup>a</sup>  
 एते देवेषु ये मुखा 107 68<sup>a</sup>  
 एते दैत्या विनिहता 44 75<sup>a</sup>  
 एते धन्या द्विजश्रेष्ठ 100 53<sup>a</sup>  
 एतेन बहवो मर्या 75 23<sup>a</sup>  
 एतेन सुरमाक्रम्य 96 66<sup>a</sup>  
 एतेनैव प्रयत्नेन 69 21<sup>a</sup>  
 एते पुत्रा महात्मान 13 43<sup>a</sup>  
 एते याज्ञकसूत्रव्या 27 4<sup>a</sup>  
 एते महर्षयस्ताव 7 11<sup>a</sup>  
 एतेऽमृतत्व सप्राप्ता 27 14<sup>a</sup>  
 एते यथाविपुत्राणा 23 164<sup>a</sup>  
 एते युगसहस्रांते 3 58<sup>a</sup>  
 एते रुद्रास्तथादित्या 113 58<sup>a</sup>  
 एते लोकस्य सैतव 100 53<sup>a</sup>  
 एते लोकहितार्थं 31 148<sup>a</sup>  
 एते वत्सविदेशपाश्च 6 49<sup>a</sup>  
 एते निवस्वदो वशे 10 79<sup>a</sup>  
 एते बुद्धिबलवता 61 3<sup>a</sup>  
 एते वै दानवा श्रेष्ठा 3 79<sup>a</sup>  
 एते वै योगविभ्रष्टा 13 9<sup>a</sup>  
 एतेषामात्मभूताना 40 39<sup>a</sup>  
 एतेषां काव्यमुत्पाद्य 7 46<sup>a</sup>  
 एतेषां कीर्तिताना तु 7 34<sup>a</sup>  
 एतेषां मानसी कन्या 13 13<sup>a</sup>, 25<sup>a</sup>, 44<sup>a</sup>, 55<sup>a</sup>  
 एतेषु वनमुद्ययेषु 21 8<sup>a</sup>  
 एतेष्वायत्तमस्तु च 81 46<sup>a</sup>  
 एते सप्त महात्मान 7 44<sup>a</sup>  
 एते सप्तर्षयोऽपरे 7 23<sup>a</sup>  
 एते समक्ष्य राजान 89 19<sup>a</sup>  
 एतेऽस्त्रविदुष सर्वे 37 8<sup>a</sup>  
 एते स वितरस्ताव 13 11<sup>a</sup>  
 एते ऋषि गणा पञ्च 10 31<sup>a</sup>  
 एतैश्च कारणे क्षीमात् 113 72<sup>a</sup>  
 एते सह रणे योद्धु 110 46<sup>a</sup>  
 एतौ पक्षौ भविष्यन्ति 43 64<sup>a</sup>  
 एतौ युद्धविदौ राज 65 86<sup>a</sup>  
 एतौ रक्तगतौ युद्धे 72 19<sup>a</sup>  
 एतौ हरया गजेन्द्रेण 73 7<sup>a</sup>  
 एतौ हि वसुदेवस्य 96 44<sup>a</sup>  
 एतय यादवचन्द्रन् 32 5<sup>a</sup>  
 एतमेव गादाधरम् 42 36<sup>a</sup>  
 एत पृच्छ महाभागम् 11 41<sup>a</sup>

पुनिसवममिपिचस्य 62 42<sup>a</sup>  
 पुनि सह समागन्तु 110 47<sup>a</sup>  
 पलापत्रश्च शङ्खश्च 3 88<sup>a</sup>  
 पवमभूरवचनै 109 54<sup>a</sup>  
 पवमक्षतचारित्र्ये 65 17<sup>a</sup>  
 पवमभ्यर्चित कृष्ण 92 61<sup>a</sup>  
 पवमस्तिवति तान्त्रिमात्र 39 29<sup>a</sup>  
 पवमस्तिवति ता गृह्य 35 71<sup>a</sup>  
 पवमस्तिवति शकलम् 85 43<sup>a</sup>  
 पवमस्तिवति सहृष्ट 36 1<sup>a</sup>  
 पवमस्तिवति सोऽप्यसि 35 62<sup>a</sup>  
 पवमाहु इयमावस्तु 65 97<sup>a</sup>  
 पवमाज्ञापयान्तु तु 78 23<sup>a</sup>  
 पवमाज्ञापयामास 61 7<sup>a</sup>  
 पवमाज्ञाप्य राज्ञः स 72 12<sup>a</sup>  
 पवमात्मानमात्मान मे 35 47<sup>a</sup>  
 पवमादिश्य तान्त्रिका 43 75<sup>a</sup>  
 पवमातेकलप्रस्य 77 20<sup>a</sup>  
 पवमाते हृदयगो 78 5<sup>a</sup>  
 पवमालोकाभास 94 1<sup>a</sup>  
 पवमास्तीन्द्रमक्षय 2 37<sup>a</sup>  
 पवमाह पुन पुन 85 42<sup>a</sup>  
 पवमाह भजापति 100 69<sup>a</sup>  
 पवमाहु परे लोके 35 37<sup>a</sup>  
 पवमुक्तस्त कृष्ण 86 35<sup>a</sup>  
 पवमुक्तस्त प्राह 86 31<sup>a</sup>  
 पवमुक्तस्तो वाण 106 18<sup>a</sup>  
 पवमुक्तस्तु हृणोन् 111 12<sup>a</sup>  
 पवमुक्तस्तु मा हुन् 43 28<sup>a</sup>  
 पवमुक्त स वृत्तस्तु 44 44<sup>a</sup>  
 पवमुक्त क्षित इत्या 100 23<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता ततो गन्ता 100 41<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता तु दासेयी 13 40<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता तु सा मीह 99 16<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता दैत्यमुक्ता 107 16<sup>a</sup>  
 पवमुक्तास्तु हृणोन् 86 11<sup>a</sup>  
 पवमुक्तास्तु ते गावा 63 14<sup>a</sup>  
 पवमुक्ते तद्वा देव्या 107 13<sup>a</sup>  
 पवमुक्ते तु वचने 109 68<sup>a</sup>  
 पवमुक्तो ज्वरस्तदा 110 68<sup>a</sup>  
 पवमुक्तो भगवता 38 64<sup>a</sup>  
 पवमुक्तो मुनिश्रेष्ठ 100 24<sup>a</sup>  
 पवमुक्तोऽसि कृष्णेन 104 23<sup>a</sup>

पवमुक्ता तत कृष्ण 81 8<sup>a</sup> 112 102<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता तु ते सर्वे 3 49<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता तु भगवान् 31 47<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता वति भोज 77 52<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता परिष्वज्य 113 70<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता महादेव 112 113<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता यदु ताव 22 28<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता वचो घोर 48 36<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता स देवेन 13 74<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता स भगवान् 31 64<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता स राजर्षि 22 41<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता सुरगणान् 38 79<sup>a</sup>  
 पवमुक्तावा वाच 112 10<sup>a</sup>  
 पवमुक्ते प्रमान्त 118 23<sup>a</sup>  
 पवमुक्तमरुतानि 91 11<sup>a</sup>  
 पवमुक्तमूर्ध्व 77 45<sup>a</sup>  
 पवमेतत्पयो दृष्ट 59 17<sup>a</sup>  
 पवमेतत्पुरा गीत 19 34<sup>a</sup>  
 पवमेतत्पुरा दृष्ट 19 30<sup>a</sup>  
 पवमेतन्मया पूर्वं 43 46<sup>a</sup>  
 पवमेतानि कर्माणि 97 40<sup>a</sup>  
 पवमेव पुरा प्रभ 11 6<sup>a</sup>  
 पवमेव भविष्यति 116 30<sup>a</sup>  
 पवमेरात्रवीक्षा 22 30<sup>a</sup>  
 पवमेव दशार्हाण्य 97 36<sup>a</sup>  
 पवमेव निहृया वै 65 44<sup>a</sup>  
 पवमेव महाबाहु 31 142<sup>a</sup> 97 28<sup>a</sup>  
 पवमेवा च शीर्षमे 16 11<sup>a</sup>  
 पवमेवा पुरी क्षिप 81 48<sup>a</sup>  
 पवमेवा हितापार्थाय 40 33<sup>a</sup>  
 पवमेवोऽजतीर्णो वै 113 71<sup>a</sup>  
 पव कथयवत्सल 52 29<sup>a</sup>  
 पव कथयवामेव 113 56<sup>a</sup>  
 पव कथयवतोरेव 106 38<sup>a</sup>  
 पव क्षातमना कृष्ण 62 37<sup>a</sup>  
 पव गत्या परा काष्ठा 117 5<sup>a</sup>  
 पव चतुर्विधै सैन्यै 81 19<sup>a</sup>  
 पूर्व च श्रुतमस्माभि 11 2<sup>a</sup>  
 पूर्व जगति वर्तन्ते 41 30<sup>a</sup>  
 पूर्व तद्भानव सैन्य 33 31<sup>a</sup>  
 पव तापेकनिर्माणौ 79 40<sup>a</sup>  
 पूर्व तु ता समादिश्य 47 57<sup>a</sup>  
 पव ते कुर्वन्त कृष्ण 69 25<sup>a</sup>

एवं ते विखिता सर्वे 56 49<sup>a</sup>एवं ते समय चक्र 17 2<sup>a</sup>एवं तौ बाल्यमुत्तौ 52 1<sup>a</sup>एवं त्रीण्यस्य शत्रूनि 10 18<sup>a</sup>एवं त्वत्तसि देवानां 62 20<sup>a</sup>एवं दत्तास्मि मनये 42 48<sup>a</sup>एवं देवतिकायस्ते 3 51<sup>a</sup>एवं द्वारवर्ती चैव 84 34<sup>a</sup>एवं धर्मं च ते वृद्धि 14 9<sup>a</sup>एवं निश्चित्य गोविन्द 103 6<sup>a</sup>एवं प्रभावो वैभवं स 6 42<sup>a</sup>एवं प्रवर्तिते गर्भे 30 46<sup>a</sup>एवं प्राया नृणां योनि 48 42<sup>a</sup>एवं मातृशुण्यस्त्वर्त्तु 54 41<sup>a</sup>एवं बहुविध कृष्ण 68 39<sup>a</sup>एवं बहुविध वाक्च 5 53<sup>a</sup>एवं ह्रुवति गोविन्दे 78 16<sup>a</sup>एवं ह्रुवति तत्त्व वै 83 18<sup>a</sup>एवं ह्रुवति वाक्च तु 38 28<sup>a</sup>एवं ह्रुवतस्तेऽन्येभ्य 110 49<sup>a</sup>एवं भवतु भद्रं ते 112 123<sup>a</sup>एवं भवतु पुत्रेभ्य 85 20<sup>a</sup>एवं भवित्यन्ते बाण 112 128<sup>a</sup>एवं भवित्यन्ति तदा 117 37<sup>a</sup>एवं मम परा प्रीति 60 28<sup>a</sup>एवं मयि निराश्रये 43 34<sup>a</sup>एवं मिथ्याभिशास्तेन 28 31<sup>a</sup>एवं यज्ञवराहेण 31 30<sup>a</sup>एवं यद्यपराद्धोऽह 43 83<sup>a</sup>एवं ययाते शापेन 23 127<sup>a</sup>एवं राज्यं च ते स्वीत 15 40<sup>a</sup>एवं धत्ताम्पालयत्तौ 52 7<sup>a</sup>एवं धातिवपुस्तुल्यं 72 25<sup>a</sup>एवं विभज्य वृथिवी 22 21<sup>a</sup>एवं विभज्य राज्यानि 4 10<sup>a</sup>एवं विलुङ्गिते शोरे 117 1<sup>a</sup>एवं विविधरूपाणि 106 50<sup>a</sup>एवं वृक्षैरद्विष्टं 52 36<sup>a</sup>एवं शाखा सुवर्त्तव्यं 22 31<sup>a</sup>एवं शुश्रूषणे दाने 117 42<sup>a</sup>

एवं शीतल सक्षेपात् 113 84

एवं शुद्धा प्रयत्ने वै 47 9<sup>a</sup>एवं स कृष्णो गोपीनां 63 35<sup>a</sup>एवं स चिन्तयाविष्ट 106 62<sup>a</sup>एवं स चिन्तयित्वा तु 61 29<sup>a</sup>एवं स दिव्यैर्मैत्रि 86 74<sup>a</sup>एवं स देवदेवानां 97 30<sup>a</sup>एवं स मणिमाहृत्य 28 30<sup>a</sup>एवं सम्पन्नप्रवृत्तेषु 41 16<sup>a</sup>एवं स यत्नवान्कस 47 8<sup>a</sup>एवं स विलपन्नेव 46 31<sup>a</sup>एवं स विश्वासुनानुगित 118 39<sup>a</sup>एवं सज्जपतामेव 75 29<sup>a</sup>एवं सद्रूपणकरी 107 28<sup>a</sup>एवं सद्रूपिता साध्वी 107 27<sup>a</sup>एवं हि विहिते योगे 78 24<sup>a</sup>एवं ह्यपरमेतस्मात् 97 38<sup>a</sup>एवं कस्य सहज 67 20<sup>a</sup>एवं कृत्वा मनोमयम् 35 46<sup>a</sup>एवं कृष्ण इति ख्यात 65 21<sup>a</sup>एवं घोरो ग्रह स्मार्त्तौ 66 25<sup>a</sup>एवं चाह च सुव्रत 35 60<sup>a</sup>एवं चक्रवर्त हत्वा 97 16<sup>a</sup>एवं ते कथित सौम्य 99 25<sup>a</sup>एवं ते कृष्णते पुत्र 56 18<sup>a</sup>एवं ते त्रिषु लोकेषु 23 78<sup>a</sup>एवं ते हृष्यदस्वादौ 15 68<sup>a</sup>एवं ते पौरवो वश 23 122<sup>a</sup>एवं ते चामनो नाम 31 92<sup>a</sup>एवं ते वैष्णव धीमान् 31 100<sup>a</sup>एवं ते सुभु सदेश 83 49<sup>a</sup>एवं दहोऽसि भयता 12 17<sup>a</sup>एवं देवमयधैव 39 9<sup>a</sup>एवं दवानुवर्तिनाम् 46 24<sup>a</sup>एवं दानपरिभवम् 38 59<sup>a</sup>एवं धाता विधाता च 113 78<sup>a</sup>एवं नारायणो मूर्त्ता 32 4<sup>a</sup>एवं पार पर चैव 39 16<sup>a</sup>एवं पौष्करिणी नाम 31 20<sup>a</sup>एवं बाण रणे जित्वा 113 65<sup>a</sup>एवं बाण स्थितो युदे 112 13<sup>a</sup>एवं ब्रह्मविदा मध्ये 40 47<sup>a</sup>एवं मायन्तरे वात 3 94<sup>a</sup>एवं आनुषकी वरन 47 6<sup>a</sup>एवं मे कृष्ण संदेश 67 66<sup>a</sup>एवं मे प्रथमः कृष्ण 62 68<sup>a</sup>



एप मे प्रथमो देव 112 118°  
 एप मे विसयो महान् 30 54°  
 एप मे समय कृत 113 43°  
 एप मे सतयो प्रहान् 30 54°  
 एप मोह रात कृष्ण 56 15°  
 एप लोकमयो देव 39 9°  
 एप वर्षानि शिशिर 36 11°  
 एप वासुभवोरस्तु 98 14°  
 एप विष्णुर्गिरि त्पात 32 5°  
 एप विष्णो सुरेशस्य 31 109°  
 एप वीतमले कपोल 59 47°  
 एप वै पितृभक्तश्च 11 40°  
 एप वै प्रथम कल्प 13 12°  
 एप वै मुदिता भजा 2 21°  
 एप वो यदुनन्दन 113 64°  
 एप वो विदधे भयम् 110 28°  
 एप श्रीमन्नृपसुत 9 65°  
 एप सप्तैक कर्तु 67 50°  
 एपा गच्छाम्यह भीरु 107 84°  
 एपा ते वैष्णवी चर्या 113 81°  
 एपा ते स्वस्य यज्ञस्य 38 70°  
 एपास्यीदं वसता 84 6°  
 एपास्यै प्रयच्छामि 62 45°  
 एपा सुभ्राभिगच्छामि 83 46°  
 एपा मे स्वव्रता प्रीति 46 19°  
 एपा भूधरणाङ्गाना 53 4°  
 एपा वृषतिमुष्याना 81 12°  
 एपा प्रीत प्रयच्छामि 60 27°  
 एपां स्वसार पञ्चासन् 27 29°  
 एपा द्विपन्था गावश्च 76 22°  
 एपोऽभिरन्तकालस्य 35 61°  
 एपोऽन्तक दुरा मूर्ता 38 18°  
 एपोऽसि परिच्छार्प 86 25°  
 एपोऽस्य मृगयन्ताय 67 57°  
 एपोऽहमस्य विदधे 108 79°  
 एपोऽहं सगण दैत्य 31 63°  
 एपो ब्रह्मवस्थित 112 9°  
 एवाश्रयाणि दृश्यन्ते 100 53°  
 एहि वेशव तातेति 68 17°  
 एहागच्छ यशोदेति 51 21°  
 एहाहि जप सा बाण 112 61°  
 एहाहि ज्वर मुच्यस्य 110 67°  
 एहाहि युष्यस्य रणे 112 59°

एहाहि रात्रधर्मात्मन् 77 48°

पे

पेद्वाक्री चाभवद्गार्पा 26 27°  
 पेन्द्रैश्च वयसा सिक् 54 12°  
 पेन्द्र विनिहित पदे 62 26°  
 पेरावतगतश्चाह 61 5°  
 पेरावतगत सख्ये 37 47°  
 पेरावतमथादिनात् 4 8°  
 पेरावतशिरागत 109 43°  
 पेरावतो महापन्न 3 87°  
 पेथर्वविधिमास्थित 113 40°  
 पेथर्व भूय एप च 23 106°  
 पेथर्व मुनिसत्कृतम् 20 28°  
 पेथर्वेणाश्रमादिभ्य 118 31°

ओ

ओषा इव महार्णवम् 68 29°  
 ओषा इव समुद्रस्य 84 15°  
 ओषैश्च चारिराजस्य 86 48°  
 ओषे पवनशिक्षि 53 18°  
 ओषधीना परित्राण 34 25°  
 ओषधीर्बै मूर्तिमयी 6 35°  
 ओषधीस्त किवायोनि 36 8°  
 ओषध्यह्ना समुद्रता 20 15°

औ

औग्रसेति स दुष्टात्मा 96 63°  
 औग्रसेति समालोक्य 75 4°  
 औत्तमस्तमसधैय 7 4°  
 औत्तमेयान्महाराज 7 16°  
 औत्पातिकमिद् घोषे 51 33°  
 औत्तिदो भयिता कश्चित् 115 40°  
 और्वस्तम्भा पर प्रादात् 10 55°  
 और्वेस्ता भार्गवास्त 10 34°  
 और्वेस्तु चातुर्मासि 10 36°  
 और्वेस्तप्रे प्रभायता 35 63°  
 और्वेस्तान्नममासाव 10 25°  
 और्वे प्रणवसर्वाद् 35 64°  
 और्वे पूर्वं स तेजस्वी 35 23°  
 और्वे सवर्तेको विभु 30 14°  
 और्वेण निर्मिता पूर्वं 35 72°  
 औवा नामान्तकोऽन्त्य 35 50°  
 औवा वसिष्ठपुत्र 7 11°  
 औपयैश्च सुयोजितैः 47 1°

क

क भाश्रमस्तवान्योऽस्ति 22 27<sup>१</sup>  
 क एते पितर स्मृता 11 1<sup>१</sup>  
 ककुत्स्थऋण्यां गा नाम 22 2<sup>१</sup>  
 ककुत्स्थो नाम वीर्यवान् 44<sup>१</sup>  
 ककुदोद्गमिण 64 4<sup>१</sup>  
 ककुभिन्स्तु व लोक 9 32<sup>१</sup>  
 ककुभिनि हतेऽरिष्टे 65 4<sup>१</sup>  
 ककुभी नाम धार्मिक 9 24<sup>१</sup>  
 ककुभी घृणरूपश्च 44 69<sup>१</sup>  
 कक्षात्का सखीमिव 44 8<sup>१</sup>  
 कक्षेमिरिव सद्बुद्ध 112 4<sup>१</sup>  
 कक्षे महति सद्बुद्ध 36 49<sup>१</sup>  
 कक्षेयुतनयाररवासन् 23 15<sup>१</sup>  
 कक्षेयुः स्वर्णिङ्गलेयुश्च 23 6<sup>१</sup>  
 कक्षोपरि विरम्भिते 75 43<sup>१</sup>  
 कक्षा चैव वराङ्गना 27 29<sup>१</sup>  
 कक्षुवाङ्मुभूमय 27 28<sup>१</sup>  
 कक्षिष्ठाङ्गावापाणे 106 24<sup>१</sup>  
 कक्षित्व वलाश्रयात् 106 26<sup>१</sup>  
 कक्षिभिनि कनै पूर्व 106 28<sup>१</sup>  
 कक्षिभैलोक्यराज्य ते 106 22<sup>१</sup>  
 कक्षिदागमन भवेत् 106 11<sup>१</sup>  
 कक्षिदिङ्गलव भयात् 106 33<sup>१</sup>  
 कक्षिदीशरतोपेण 106 31<sup>१</sup>  
 कक्षिद्वष्टेपरामभवम् 106 56<sup>१</sup>  
 कक्षिद्वष्ट मनस्ताव 107 32<sup>१</sup>  
 कक्षिद्वष्टमन्त्रावस्थिति 106 26<sup>१</sup>  
 कक्षिद्विष्णुपरिग्रास 106 23<sup>१</sup>  
 कक्षिद्विष्णुपञ्चनस्ताव 106 30<sup>१</sup>  
 कक्षिद्वैराचनि ताव 106 27<sup>१</sup>  
 कक्षिद्वारापण वृ 106 29<sup>१</sup>  
 कक्षे जलनिधेस्तदा 29 33<sup>१</sup>  
 कक्षेष्ठकुटीमठम् 49 23<sup>१</sup>  
 कक्ष्याम्यमित्तुसाध 74 35<sup>१</sup>  
 कक्ष्यां विदलीकृत 67 35<sup>१</sup>  
 कक्षेष्टगृहेस्तथा 53 25<sup>१</sup>  
 कक्षित्व गताति वै 39 40<sup>१</sup>  
 कक्षित्व धन धन 64 3<sup>१</sup>  
 कक्षि वेद् धारम् 42 17<sup>१</sup>  
 कक्षि वैटभोऽभवत् 42 18<sup>१</sup>  
 कक्षेरनृणमाभाति 59 32<sup>१</sup>  
 कक्षेकीभि प्रवृद्धाभि 53 22<sup>१</sup>

कण्टकीवाटसकुलम् 49 22<sup>१</sup>  
 कण्ठ्याहाचिरस्तासु 76 40<sup>१</sup>  
 कण्ठसूत्राख्यमिना 55 10<sup>१</sup>  
 कण्ठ क्षिप्रमिवाम्बरम् 64 19<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकश्च भारत 19 19<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकश्च योगात्मा 15 12<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकलयापर 18 17<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकल चैव ह 15 68<sup>१</sup>  
 कण्ठरीको द्विजयम् 19 16<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकोऽपि योगात्मा 19 28<sup>१</sup>  
 कण्ठ्यमान सतत 46 30<sup>१</sup>  
 कतरत्तद्वु सीम्ब 71 39<sup>१</sup>  
 कर्तितानि क ते दान 112 90<sup>१</sup>  
 कथमन्यैरनाचीर्ण 118 31<sup>१</sup>  
 कथमष्टभुजो रणे 112 54<sup>१</sup>  
 कथमस्य मया कार्यं 58 33<sup>१</sup>  
 कथमश प्रबुध्यताम् 43 8<sup>१</sup>  
 कथमशावतरण 43 9<sup>१</sup>  
 कथमेव कृता नाम 107 29<sup>१</sup>  
 कथयन्ति महात्मान 90 2<sup>१</sup>  
 कथयन्तो नशोमनम् 51 33<sup>१</sup>  
 कथयन्नेव वल्लभा 54 41<sup>१</sup>  
 कथयस्व कुल तेषां 1 12<sup>१</sup>  
 कथयस्व गुचिसिते 8 9<sup>१</sup>  
 कथयस्व सुखावहम् 30 57<sup>१</sup>  
 कथयामास ता कथाम् 1 14<sup>१</sup>  
 कथयामास भारत 104 2<sup>१</sup>  
 कथयामास राज्ञे 118 18<sup>१</sup>  
 कथयिष्यामि तच्छृणु 7 18<sup>१</sup>  
 कथयेद्दिह नित्यश 23 163<sup>१</sup>  
 कथ कार्यमिद् कार्यं 108 4<sup>१</sup>  
 कथ गच्छत्यथो पिद्व 11 13<sup>१</sup>  
 कथ गतिर्गतिमतम् 30 54<sup>१</sup>  
 कथ च दत्तमस्माभि 11 33<sup>१</sup>  
 कथ च महारोक्थ 39 5<sup>१</sup>  
 कथ च भगवाणिष्णु 30 3<sup>१</sup>  
 कथं च शक्तास्ते दातुं 11 13<sup>१</sup>  
 कथं च सप्तमस्तेषां 15 6<sup>१</sup>  
 कथं च समयं कृत्वा 113 42<sup>१</sup>  
 कथं चालयेन कालेन 104 7<sup>१</sup>  
 कथं जाता महाबलाः 10 54<sup>१</sup>  
 कथ जीवन्निमुयेत 109 7<sup>१</sup>  
 कथ जीवितुमुत्तरे 107 27<sup>१</sup>

कथ शास्त्रामहे सखि 107 57<sup>d</sup>  
 कथ शेषो भवेद्भौ 107 49<sup>a</sup>  
 कथ तत्रासतस्तस्य 39 4<sup>a</sup>  
 कथं त्व चिन्तयान्विव 109 21<sup>a</sup>  
 कथ ख दोषदुष्टा वै 107 35<sup>a</sup>  
 कथ दीनेन कतेष्य 77 10<sup>a</sup>  
 कथ द्रक्ष्यामि शुष्यन्त 77 54<sup>a</sup>  
 कथ धारयिता चासि 5 47<sup>a</sup>  
 कथं पापं करिष्यन्ति 109 49<sup>a</sup>  
 कथ पुष्टिरवाप्यते 11 8<sup>b</sup>  
 कथ प्रणशिता पुत्रा 3 14<sup>a</sup>  
 कथ प्राचेतस्वर स 2 51<sup>a</sup>  
 कथ प्राणान्तिक घोरम् 77 31<sup>a</sup>  
 कथ बहुयुगे काले 9 29<sup>a</sup>  
 कथ मानुषमात्रेण 77 26<sup>a</sup>  
 कथ धास्यामि विक्रियाम् 83 16<sup>d</sup>  
 कथ धास्यामि विधया 77 13<sup>a</sup>  
 कथ वै गन्तुमर्ह्य 18 28<sup>d</sup>  
 कथ वै भ्रातृदेवरवम् 11 1<sup>a</sup>  
 कथ शान्तिर्भवेन्मम 110 65<sup>f</sup>  
 कथ श्वशुरता गत 2 52<sup>d</sup>  
 कथ समुद्र स्तब्धोद 104 4<sup>a</sup>  
 कथ स सगरो जात 10 28<sup>a</sup>  
 कथ त्रक्षथ वै प्रजा 3 16<sup>d</sup>  
 कथ स्वपिति धर्मान्ते 39 5<sup>a</sup>  
 कथ स्वस्ति भवेन्मम 108 4<sup>d</sup>  
 कथ ह्यकीर्णा सयुक्त 115 37<sup>a</sup>  
 कथान्ते बहुवार्तिके 12 20<sup>b</sup>  
 कथा बहुविधाश्चिन्ता 115 9<sup>a</sup>  
 कथाभिलाषप्रदिष्टाभि 40 19<sup>a</sup>  
 कथानि पूर्ववृत्ताभि 43 16<sup>a</sup>  
 कथामितल्लुब्धाम् 11 18<sup>b</sup>  
 कथा यत्र समुत्पन्ना 11 49<sup>a</sup>  
 कथायोगेन तान्सर्वान् 117 20<sup>a</sup>  
 कथितमिदं हि समासविकारो 118 51<sup>a</sup>  
 कथितं कस्यच विधि 99 13<sup>d</sup>  
 कथित तत्रमिच्छामि 99 15<sup>a</sup>  
 कथित तस्य गौरवात् 44 39<sup>b</sup>  
 कथितं भवता पुण्य 1 4<sup>a</sup>  
 कथितं भवता विप्र 1 8<sup>a</sup>  
 कथित सागरगमे 83 48<sup>b</sup>  
 कथितानि मया साधो 105 5<sup>a</sup>  
 कथितो नातृदेन मे 85 26<sup>f</sup>, 54<sup>b</sup>

कथ्यते वैष्णवा यदा 31 92<sup>d</sup>  
 कथ्यमान द्विजातिभि 11 2<sup>b</sup>  
 कथ्यमान पुरातनम् 7 56<sup>b</sup>  
 कथ्यमानार्ना मया चित्रा 1 15<sup>a</sup>  
 कथ्यपादप्राय 52 22<sup>a</sup>  
 कथ्यवशिष्टर युवा 56 1<sup>d</sup>  
 कथ्यवा वायुपदिता 73 15<sup>b</sup>  
 कथ्यवैवासित वनम् 54 8<sup>b</sup>  
 कथाचिचारयज्ञेव 65 27<sup>a</sup>  
 कथाचिक्ताशिराजस 24 5<sup>a</sup>  
 कथाचिन्तु तदा कृष्ण 55 1<sup>a</sup>  
 कथाचिपुत्रपृदिनी 50 4<sup>b</sup>  
 कथाचिदभवनवद्भव 107 1<sup>a</sup>  
 कथाचिद्वह्मदत्तस्य 19 2<sup>a</sup>  
 कथाचिद्वरतर्पण 91 26<sup>b</sup>  
 कथाचिन्मृगया यात 28 15<sup>a</sup>  
 कथाचिन्मृगते श्वमम् 19 35<sup>a</sup>  
 कथं कुर्विष्य लोनेषा 3 46<sup>a</sup>  
 कनिष्ठाङ्गुलिगन्धवात् 24 24<sup>b</sup> 98 28<sup>d</sup>  
 कनीयान्भरतर्पण 23 30<sup>d</sup>  
 कनीयास्तव श्राप्यवम् 49 8<sup>b</sup>  
 कन्याकीर्णकनयाम् 36 22<sup>d</sup>  
 कन्येरेषु नदीषु च 73 11<sup>d</sup>  
 कन्यामरुद्वीषु 55 14<sup>a</sup>  
 कन्यागणसमायुता 107 16<sup>b</sup>  
 कन्या चारुमती तथा 98 6<sup>f</sup>  
 कन्या चास्य वसुधरा 28 41<sup>d</sup>  
 कन्या चेष सुमन्वता 8 11<sup>b</sup>  
 कन्या जीवितुमुत्तरे 107 29<sup>b</sup>  
 कन्या त्रिगवैराजस्य 25 8<sup>a</sup>  
 कन्यापुरवर महत् 96 2<sup>a</sup>  
 कन्या भद्रवती तथा 98 9<sup>d</sup>  
 कन्याभावाच्च सुपुत्रा 9 18<sup>a</sup>  
 कन्याप्राकृत्यतिक्रमम् 108 13<sup>d</sup>  
 कन्याया नारदो महा 8 12<sup>a</sup>  
 कन्यायां भरतश्रेष्ठ 2 16<sup>a</sup>  
 कन्याया सा न्यत्रायत 26 18<sup>a</sup>  
 कन्या वै जमसेज्य 23 45<sup>b</sup>  
 कन्या वृत्तौ तथैव च 13 47<sup>b</sup>  
 कन्या च वासुदेवाय 29 34<sup>a</sup>  
 कन्यां ता शरदेवाय 9 27<sup>a</sup>  
 कन्या ता वरवर्णिनीम् 48 21<sup>a</sup>  
 कन्यां द्वौ च प्रजापती 8 6<sup>a</sup>

कन्या पुत्रांश्च धनुरः 13 46°  
 कन्या प्रदद्याद्योगात्मा 15 7°  
 कन्यैव चाभवश्चित्तं 48 29°  
 कन्यैव भूत्वा लोकास्तान् 13 35°  
 कपर्दी रैवतस्तथा ॥ 43°  
 कपालद्वयदेहिनम् 100 33°  
 कपालाभ्यां समानृत 100 36°  
 कपिलश्च घन ययौ 98 22°  
 कपिल ॥ महारमान 23 54°  
 कपिलो घामनस्तथा 3 66°, 89°  
 कपीयानकपीयाश्च 7 18°  
 कपोतदेवता तस्याश्च 27 17°  
 कफवर्गे भवेच्छुक्र 30 43°  
 कफस्य हृदय स्थान 30 43°  
 कफ सोमो विभाप्यते 30 45°  
 कषण्णाणि समुत्पद्यु 82 7°  
 कषण्णादस्थित सप्तये 38 47°  
 कम्पमानार्णवप्रभे 74 16°  
 कम्पमानरिषाणुदे 81 19°  
 कम्पयन्तौ भुव धीरो 82 10°  
 कम्पिताना तु नाखिनाम् 61 39°  
 कम्बलाश्वत्तराणुमौ 3 87°  
 कम्बलाश्वत्तरा नागौ 70 23°  
 कम्बुग्रीवा सुवर्चस 31 86°  
 कर्दाम्मम शासनात् 65 83°  
 कर्दूरविगर्हिता 41 6°  
 कर्भारप्रपीडिता 117 23°  
 कर्मादाय वार्षिकम् 65 84° 69 3°  
 कर्षीरकरम्भि च 93 19°  
 कर च धीधरस्तस्य 74 27°  
 कर चानङ्गुह सर्पि 69 29°  
 कर चोपायनानि च 69 30°  
 करधमस्तु वैदानो 23 124°  
 कराज्वलन्तसनिभः 5 21°  
 कराल केसिरेव ॥ 31 77°  
 करिष्यति मनोमयम् 99 48°  
 करिष्यति महातेज 2 21°  
 करिष्यन्ति च सकोच 117 41°  
 करिष्यसि जगद्धितम् 6 3°  
 करिष्यसि मनोहराम् 93 3°  
 करिष्यामो विधान ते 18 29°  
 करिष्याम्यदसुतरम् 110 15°  
 करिष्ये कसयातनम् 47 56°

करिष्ये साह्यमुत्तमम् 35 54°  
 करीपवासुदिग्धाह्व 63 30°  
 करीपमोक्षितौ वधिष् 51 8°  
 करीपकर्णवसुधं 49 23°  
 करीषेण च मल्लस्य 75 11°  
 करीषेण प्रकृत्यु 68 8°  
 वरुण धीरहर्षणम् 118 3°  
 करुणश्च वृषभश्च ॥ 2°  
 करुणस्य तु कारुष्या 9 36°  
 करुणाधिपतिमया 81 38°  
 करुणाधिपतेर्वीर 24 22°  
 करुणेषु प्रसूतोऽय 75 22°  
 करेण कार्त्तं घणुषा 34 37°  
 करे मरुद्वय गोविन्द 96 23°  
 करोति कन्द महत् 67 5°  
 करोति निनन्द महत् 59 13°  
 करोति रणमूर्धनि 112 92°  
 करोत्यन्यस्य सशिर्याम् 59 23°  
 करोति कन्द महत् 46 24°  
 कर्कशा यान्ति मास्ता 54 38°  
 कनाटकधनययौ 3 88°  
 कर्कोटकपुर सरी 70 24°  
 कर्णधारो रणे रणे 41 2°  
 कर्णप्रमनोरमौ 58 6°  
 कर्णछोतोऽज्ञवौ लो हि 42 15°  
 कर्तव्यमागौ आजेते 55 63°  
 कर्तव्य मात्र सशय 109 44°  
 कर्तव्य पारलौकिकम् 78 12°  
 कर्तव्य मे महत्कर्म 72 17°  
 कर्तव्याना च कर्तार 65 13°  
 कर्तव्ये भगवान्प्रभु 45 28°  
 कर्तव्यो न परिग्रह 77 33°  
 कर्तव्यो निग्रहो मया 55 54°  
 कर्तव्यो भगवान्मुखी 35 74°  
 कर्तव्यो यत्न एव हि 72 20°  
 कर्तार सुल्भा लोके 78 13°  
 कर्ता शिष्यवर्ता वर 3 40°  
 कर्ता शिष्यसहस्राणां 3 40°  
 कर्तासि तद्वत्त्रित 96 70°  
 कर्तुमर्हति क पुमान् 96 64°  
 कर्तुमर्हसि भाषितम् 62 88°  
 कर्तुं मातृवन्तव 8 26°  
 कर्तुं लोकस्य चानप 11 22°

कर्तुं व्यवसितो नृप 10 38<sup>d</sup>  
 कर्तुंगा दास्यते फलम् 115 43<sup>d</sup>  
 कर्मस्य प्रजापते 2 6<sup>d</sup> 4 12<sup>d</sup> 13 58<sup>d</sup>  
 कर्म कृष्णस्य वै तदा 92 61<sup>d</sup>  
 कर्म चाग्नेरगामिनाम् 100 50<sup>d</sup>  
 कर्म धारत्त्वमुत्तमम् 15 84<sup>d</sup>  
 कर्म धैव शशास तद् 92 55<sup>d</sup>  
 कर्मज निहते दैत्ये 58 59<sup>d</sup>  
 कर्मज फलमुपयते 11 11<sup>d</sup>  
 कर्मणा विरोधत 107 34<sup>d</sup>  
 कर्मणा शोषपादितम् 107 31<sup>d</sup>  
 कर्मणा तेन तस्य ह 10 52<sup>d</sup>  
 कर्मणा तेन ते तात 16 27<sup>d</sup>  
 कर्मणा तेन दैत्यस्य 38 33<sup>d</sup>  
 कर्मणा परितोषित 67 55<sup>d</sup>  
 कर्मणाप्रतिम भुवि 89 0<sup>d</sup>  
 कर्मणा मनसा वाचा 20 1<sup>d</sup> 22 39<sup>d</sup>  
 कर्मणामनुसधानं 101 2<sup>d</sup>  
 कर्मणामनुपूर्वा च 30 2<sup>d</sup>  
 कर्मणाश्वर्यभूतस्य 30 57<sup>d</sup>  
 कर्मणा गदना गतिम् 32 2<sup>d</sup>  
 कर्म तत्प्रेक्षायादभ्य 96 64<sup>d</sup>  
 कर्म तद्विपक्षीकृतम् 65 48<sup>d</sup>  
 कर्मोक्तो कर्ममत्तोऽपि वा 40 16<sup>d</sup>  
 कर्मनिश्चालुचित्यताम् 75 22<sup>d</sup>  
 कर्मनिष्क्रोषिता दिव्ये 62 38<sup>d</sup>  
 कर्मभि सोऽनुमीयते 65 25<sup>d</sup>  
 कर्मभि श्वैर्जितं शुभै 85 64<sup>d</sup>  
 कर्मभूमिरिहस्थाना 41 24<sup>d</sup>  
 कर्माणि तव हृदयान् 67 55<sup>d</sup>  
 कर्माणि विपुधातिन 30 1<sup>d</sup>  
 कर्माण्यपरिमेषानि 105 1<sup>d</sup> 106 1<sup>d</sup>  
 कर्माण्युक्तानि वै राजन् 105 4<sup>d</sup>  
 कर्मतदनु रूप वा 5 34<sup>d</sup>  
 कर्मकाणा कृपिर्वृत्ति 59 21<sup>d</sup>  
 कर्मकाण्युगवैचर्यं 62 40<sup>d</sup>  
 कर्मणाधोमुख बली 83 30<sup>d</sup>  
 कर्मणाधुचष्टासि 83 45<sup>d</sup>  
 कर्मणेन च वृक्षाभ्या 65 5<sup>d</sup>  
 कर्मणेन मदायाद्दो 83 43<sup>d</sup>  
 कर्मणेनास्य गर्भस्य 48 6<sup>d</sup>  
 कर्ममङ्गलमत 89 45<sup>d</sup>  
 कर्मनाथ उद्वृत्त 51 15<sup>d</sup>, 16<sup>d</sup>

कर्ममाणसुदूरलम् 51 26<sup>d</sup>  
 कल्मापवषाण्डुपु 59 39<sup>d</sup>  
 कल्मापवसस्येषु 59 45<sup>d</sup>  
 कल्माग्नताम्रासु 62 52<sup>d</sup>  
 कल्हायास्यद् धोर 89 26<sup>d</sup>  
 कल्हास्त्यमेव च 30 26<sup>d</sup>  
 कलिङ्गराजस्तच्छ्रुत्वा 89 32<sup>d</sup>  
 कलिङ्गस्य तयानीकं 87 68<sup>d</sup>  
 कलिङ्ग च ननादंन 97 15<sup>d</sup>  
 कलिङ्गाधिपतिश्चैव 80 10<sup>d</sup>  
 कलिङ्गाधिपतिं तथा 87 5<sup>d</sup>  
 कलिङ्गाधिपनेरपि 89 44<sup>d</sup>  
 कलिङ्गा पुण्ड्रकाश्चैव 23 32<sup>d</sup>  
 कलिस्तव हि मिनाशाय 65 69<sup>d</sup>  
 कलेर्भागे तथैव च 44 4<sup>d</sup>  
 कल्को विष्णुपुत्रा नाम 31 148<sup>d</sup>  
 कल्पयित्वा च भागत 67 44<sup>d</sup>  
 कल्पयेय मवा स्थान 61 27<sup>d</sup>  
 कल्पस्य परिमाणत 23 30<sup>d</sup>  
 कल्पान्तेषु पुन पुन 7 64<sup>d</sup>  
 कल्पितेय मवा भूमि 86 5<sup>d</sup>  
 कल्पितै रणकोविदे 81 16<sup>d</sup>  
 कल्पो नि शेष उच्यते 7 52<sup>d</sup>  
 कल्प्यन्ता त्रिकचरवरा 86 9<sup>d</sup>  
 कल्प्यन्ता राशयोऽभ्यया 72 8<sup>d</sup>  
 कल्प्यन्ता स्पष्टकल्पिता 72 11<sup>d</sup>  
 कल्मापपादस्य सुत 10 71<sup>d</sup>  
 कल्माप स्वसमन्वया 110 24<sup>d</sup>  
 कल्पाण्यन्ताराधरपते 27 8<sup>d</sup>  
 कल्पाय समवाप्स्यति 19 12<sup>d</sup>  
 कवच च महाप्रभम् 5 25<sup>d</sup>  
 कवचासिग्दामासात् 112 8<sup>d</sup>  
 कवचेषु महास्त्रम् 87 76<sup>d</sup>  
 कव्यादाश्च पिप्पली 30 23<sup>d</sup>  
 कक्षापाण्यिप्रचोदितै 84 18<sup>d</sup>  
 कक्षीरमगमत्तदा 91 7<sup>d</sup>  
 कश्च कालं प्रसुप्तस्य 85 56<sup>d</sup>  
 कश्च त्वं विकृताकार 73 20<sup>d</sup>  
 कश्चिच्छत्रो जिनीविषु 67 51<sup>d</sup>  
 कश्चिच्छत्रो महासुष्ठे 109 89<sup>d</sup>  
 कश्चिच्छत्राति तत्त्वेन 107 48<sup>d</sup>  
 कश्मीरराजो गोनर्द 81 35<sup>d</sup>  
 कश्यपश्च महापुत्रि 7 30<sup>d</sup>

कश्यप लोकभावनम् 42 43<sup>b</sup>  
 कश्यप समुपस्थिता 42 41<sup>c</sup>.  
 कश्यपादभिजजिरे 3 70<sup>b</sup>  
 कश्यपादिति न धृतम् 3 58<sup>b</sup>  
 कश्यपाय त्रयोदश 2 47<sup>d</sup> 3 24<sup>b</sup>  
 कश्यपाय निवेदिता 42 40<sup>c</sup>  
 कश्यपाय वसुधराम् 31 106<sup>d</sup>  
 कश्यपेन महागमना 43 15<sup>d</sup> 45 32<sup>b</sup>  
 कश्यपे शापमुत्सृजत् 45 31<sup>d</sup>  
 कपायस्य च ससर्ग 75 19<sup>a</sup>  
 कपायाश्चैव कुम्भश 72 10<sup>b</sup>  
 कपायीकृतलोचन 75 8<sup>b</sup>  
 कपाये हानिरुच्यते 117 45<sup>b</sup>  
 कपायोपप्लवे काले 117 13<sup>a</sup>  
 कस्तवृन्नेष्टुमर्हति 58 40<sup>d</sup>  
 कस्तहृदयितुं शक्तः 60 9<sup>a</sup>  
 कस्तस्या जायितेनार्थ 107 54<sup>a</sup>  
 कस्ता धर्पयितु शक्त 45 25<sup>a</sup>  
 कस्तव भगसि हृद्राणा 63 5<sup>a</sup>  
 कस्तव धृष्टिगुह्य सर्व 99 40<sup>a</sup>  
 कस्त्यादेयोऽनिकद्वस्य 109 14<sup>a</sup>  
 कस्त्याधोद्विजते मन 77 35<sup>d</sup>  
 कस्मिन्काले बभूव ह 15 5<sup>b</sup>  
 कस्मिन्देशे नृपो जज्ञे 87 8<sup>a</sup>  
 कस्मिन्प्रतिष्ठितो वश 114 1<sup>a</sup>  
 कस्मिन्वरोऽथ जज्ञिषाम् 15 30<sup>b</sup>  
 कस्मिन्लोकैः च ते गणा 13 3<sup>b</sup>  
 कस्तचित्त्वध कालस्य 79 3<sup>a</sup> 80 1<sup>a</sup> 84 1<sup>a</sup> 96 53<sup>a</sup>  
 100 5<sup>a</sup> 118 11<sup>a</sup>  
 कस्तचित्पुरवासिन 9 90<sup>d</sup>  
 कस्त चैव क्षुपेति वै 26 17<sup>b</sup>  
 कस्त त्वमिति यथाह 73 29<sup>a</sup>  
 कस्त वा केन वा कार्य 40 45<sup>a</sup>  
 कस्त वा वदयता यामि 56 34<sup>a</sup>  
 कस्त्यान्ववाये क्षुत्तिमान् 87 8<sup>a</sup>  
 कस्त्येदमनुलेपनम् 71 23<sup>b</sup>  
 कस्त्येद कर्म चेति च 50 25<sup>b</sup>  
 कस्त्येद सुमहद् हृदम् 55 47<sup>d</sup>  
 कस्त्याह्वय यादवम् 65 8<sup>b</sup>  
 कस्त्यावरजमेव च 65 8<sup>d</sup>  
 क काम करवाणि ते 12 12<sup>d</sup>, 17<sup>d</sup>  
 कचिराल सुमोदय 79 40<sup>d</sup>  
 क चा दधार नियम 39 3<sup>a</sup>

क चा योगमुपास्त स 39 3<sup>b</sup>  
 कस कंस विनाशाय 48 34<sup>a</sup>  
 कस गर्भकृते महान् 65 48<sup>b</sup>  
 कसगोपस्य समता 48 12<sup>a</sup>  
 कसदेहमदूरत 76 37<sup>d</sup>  
 कसदेह ययाक्रमम् 78 43<sup>b</sup>  
 कसद्विष्टेन चेतसा 74 32<sup>d</sup>  
 कसनारीप्रलापाश्च 78 3<sup>a</sup>  
 कसनाशार्थमप्युत 76 25<sup>d</sup>  
 कसपत्न्यो हर्ष कस 77 1<sup>a</sup>  
 कंसभ्रातरमूर्धितम् 76 45<sup>b</sup>  
 कसमाता प्रवेपती 77 38<sup>b</sup>  
 कसराजपुरीं प्रभो 70 39<sup>b</sup>  
 कसवक्त्रस्य गोपेण 76 16<sup>a</sup>  
 कसवैकृतशस्त्रिन 66 40<sup>d</sup>  
 कसश्चके नराधिप 96 53<sup>d</sup>  
 कसश्च विनिपातित 83 11<sup>b</sup>  
 कससस्कारकारणात् 77 50<sup>d</sup>  
 कसस्त्रिगन्धते बुधि 87 24<sup>b</sup>  
 कसस्तु पितर बध्वा 96 52<sup>a</sup>  
 कसस्त्रीणा सविस्तरम् 77 59<sup>b</sup>  
 कसस्य करदायक 45 35<sup>d</sup>  
 कसस्य च भयाग्रस्त 69 7<sup>a</sup>  
 कसस्य चरितानुग 67 9<sup>d</sup>  
 कसस्य निधनक्रियाम् 78 40<sup>d</sup>  
 कसस्य निधनाविरम् 78 2<sup>a</sup>  
 कसस्य पुरतो न्यस्ता 48 27<sup>a</sup>  
 कसस्य बलमभयम् 78 23<sup>d</sup>  
 कसस्य भयमाहृतम् 96 41<sup>d</sup>  
 कसस्य मत्सर चैव 74 24<sup>a</sup>  
 कसस्य विकले यत्ने 47 28<sup>a</sup>  
 कसस्य सदृतेऽवशा 69 23<sup>d</sup>  
 कसस्य हि वध श्रेयान् 78 7<sup>a</sup>  
 कसस्याज्ञा पुरस्तर्य 72 14<sup>a</sup>  
 कसस्यानुषंगमाप्नुयाम् 78 28<sup>d</sup>  
 कसस्यापचिति चरन् 80 2<sup>a</sup>  
 कसस्यापि मुखे रवेद 76 14<sup>a</sup>  
 कंसस्याभावदशिवाम् 75 40<sup>d</sup>  
 कसस्तारिष्टसञ्चितम् 47 9<sup>b</sup>  
 कसस्त्यागुभकर्मेण 78 25<sup>d</sup>  
 कसस्त्यास्य कृते कृतम् 78 4<sup>d</sup>  
 कस ह्यसार्द्धा गतम् 76 35<sup>d</sup>  
 कस च हपिताम्रवीर 48 33<sup>d</sup>

कंसं तूयाच देवकी 48. 21<sup>d</sup>.  
 कंसं परुषभाषिणम् 76. 23<sup>d</sup>.  
 कंसं मातेव जल्पती 48. 44<sup>d</sup>.  
 कंसः कृष्णस्य वै तदा 76. 39<sup>d</sup>.  
 कंसः कृष्णेन तेजसा 76. 34<sup>d</sup>.  
 कंसः पापरतिश्चैव 78. 9<sup>d</sup>.  
 कंसः प्रेतगतोऽपि सन् 78. 32<sup>d</sup>.  
 कंसः स विनशिष्यति 44. 82<sup>d</sup>.  
 कंसः सत्येन पाणिना 75. 35<sup>d</sup>.  
 कंसः संरक्तलोचनः 66. 39<sup>d</sup>.  
 कंसा कंसवती तया 27. 29<sup>d</sup>.  
 कंसाश्वा समुच्चित् 69. 3<sup>d</sup>.  
 कंसादींश्चापि तावत्सर्वान् 45. 12<sup>d</sup>.  
 कंसाङ्गं चकारोमं 50. 29<sup>d</sup>.  
 कंसामार्यं जनादैनः 97. 24<sup>d</sup>.  
 कंसामारयो निपातितः 96. 43<sup>d</sup>.  
 कंसापातकर्तुं दुर्मिः 48. 21<sup>d</sup>.  
 कंसारिरतुलं वचा 86. 26<sup>d</sup>.  
 कंसेन विनिपातिताः 48. 8<sup>d</sup>.  
 कंसेन स निरस्यते 71. 4<sup>d</sup>.  
 कंसेनादीर्घदर्शिना 85. 98<sup>d</sup>. 69. 16<sup>d</sup>.  
 कंसेनापि समासतः 75. 7<sup>d</sup>.  
 कंसेनाशुभशुद्धिना 68. 6<sup>d</sup>.  
 कंसे भूयः समेष्ट्यामि 67. 67<sup>d</sup>.  
 कंसे विविहते कृष्ण 62. 86<sup>d</sup>.  
 कंसो गच्छतु मृदुलात् 47. 37<sup>d</sup>.  
 कंसो न मन्त्रे च उम् 80. 5<sup>d</sup>.  
 कंसो नाम रिपुर्ध्वंसी 73. 29<sup>d</sup>.  
 कंसो नाम विशालाक्षः 44. 63<sup>d</sup>.  
 कंसो निर्धनतां गतः 76. 31<sup>d</sup>.  
 कंसोऽप्युद्विगमानसः 71. 54<sup>d</sup>.  
 कंसो शरं करिष्यति 47. 32<sup>d</sup>.  
 कंसो वासि यथातथा 66. 6<sup>d</sup>.  
 कंसो वै रत्नसंसदि 76. 29<sup>d</sup>.  
 कः श्वसन्श्च नेत्रे 40. 17<sup>d</sup>.  
 काकपक्षपरः श्रीमान् 55. 2<sup>d</sup>.  
 काकपक्षधरातुभौ 52. 2<sup>d</sup>.  
 काकपक्षधरैर्द्यातैः 49. 26<sup>d</sup>.  
 काकी ॥ जनयामास 3. 82<sup>d</sup>.  
 काकी श्येनी च भारती च 3. 81<sup>d</sup>.  
 काकोद्ग्रासोऽप्यभापत 71. 46<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षन्तः कृष्णदंशनम् 92. 27<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षमाणास्तथागमम् 83. 10<sup>d</sup>.

काङ्क्षन्त्यस्य रूपे तथम् 108. 61<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षित्ये समगमे 35. 56<sup>d</sup>.  
 का च धारयितुं क्षमा 45. 45<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षन्तस्मभ्यश्चरणौ 42. 7<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षन्त्यामरत्नस्य 100. 55<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षनं पापमादाय 6. 18<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षनं महदासनम् 95. 17<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षनाप्राणि भास्वन्ति 93. 32<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षनाञ्जनराजनीः 61. 37<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षने निपसाद् ह 100. 13<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षनेर्भेषिभोपतिः 93. 30<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षनी चक्षुःपितः 76. 30<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षपृष्ठाः श्रोत्रियाश्च 116. 7<sup>d</sup>.  
 कातरं पाप्यममवीत् 56. 32<sup>d</sup>.  
 काङ्क्षेयास्तु बलिनः 3. 86<sup>d</sup>.  
 काननानि वनानि च 52. 10<sup>d</sup>.  
 काननेषु मदाग्निताः 54. 26<sup>d</sup>.  
 काननैर्नन्दनप्रसूयैः 93. 13<sup>d</sup>.  
 कानिचिच्छविवासीव 61. 38<sup>d</sup>.  
 कानीनं चापि जानामि 62. 94<sup>d</sup>.  
 कान्तं सिष्टं गृहाण माम् 71. 33<sup>d</sup>.  
 कान्तनारीनरगणा 86. 45<sup>d</sup>.  
 कान्तपुत्रास्ततोऽभवत् 23. 135<sup>d</sup>.  
 कान्तया सह संगतम् 99. 32<sup>d</sup>.  
 कान्तवचनो निरासुखे 64. 23<sup>d</sup>.  
 कान्तं दृष्टिं कुमारस्सर्व 99. 22<sup>d</sup>.  
 कान्तं वक्ष्यत्यशोक 107. 80<sup>d</sup>.  
 कान्ता गोपक्षिणो निशि 63. 19<sup>d</sup>.  
 कान्ता जन्मनोरता 86. 49<sup>d</sup>.  
 कान्तारकम्बवरं दृष्टुं 8. 35<sup>d</sup>.  
 कान्तारिष्यवसन्तानां 47. 53<sup>d</sup>.  
 कान्तारिः सर्वतो वृत्तम् 65. 55<sup>d</sup>.  
 कान्तां शैवलनृपंजयम् 55. 35<sup>d</sup>.  
 कान्तिद्युतिसमन्विता 89. 4<sup>d</sup>.  
 कान्तिश्चन्द्रमसो यथा 24. 17<sup>d</sup>.  
 कान्तेन सह संवृत्ता 108. 11<sup>d</sup>.  
 कान्त्या लक्ष्म्या प्रसादेन 60. 7<sup>d</sup>.  
 कान्त्यजामो चरं पुनः 11. 13<sup>d</sup>. 32<sup>d</sup>.  
 कापाली गरुडश्चैव 93. 18<sup>d</sup>.  
 कामक्रमा रतिः शुभा 99. 46<sup>d</sup>.  
 कामक्रोधपरायणात् 21. 35<sup>d</sup>.  
 कामां कामरूपिणम् 38. 41<sup>d</sup>.  
 कामगा कामरूपिणी 86. 63<sup>d</sup>.

कामगा रत्नभूषिताम् 42 8<sup>d</sup>  
 कामगेषु विहंगमा 13 59<sup>b</sup>  
 कामचारी यथा गज 78 35<sup>d</sup>  
 कामपत्नी हि कन्यैषा 99 46<sup>d</sup>  
 कामयासास कामिनी 99 10<sup>b</sup>  
 कामरागाणि शतश 71 9<sup>d</sup>  
 कामरूपी महासुर 44 60<sup>d</sup>  
 कामरूपी वरानन 55 1<sup>d</sup>  
 कामवीर्योऽवितेजस्वी 91 36<sup>d</sup>  
 कामव्याहारिणश्चैव 92 14<sup>d</sup>  
 कामस्तत्र जनार्दन 92 13<sup>d</sup>  
 कामस्त यक्षवतिन 18 20<sup>b</sup>  
 काम क्रोधमथो रतिम् 1 28<sup>b</sup>  
 काम तस्य गति सूक्ष्मा 99 8<sup>d</sup>  
 कामात्तमपि बाधयन् 55 12<sup>d</sup>  
 कामात्मानो दुरात्मान 117 18<sup>d</sup>  
 कामाहोकेष्ववर्तते 3<sup>d</sup>  
 कामिनी कामिनस्तस्य 19 3<sup>d</sup>  
 कामेन व्यथितेन्द्रिया 99 16<sup>b</sup>  
 कामै सचै समेधिता 88 43<sup>d</sup>  
 कामिष्य ह्रुपदायैष 15 64<sup>d</sup>  
 कामिष्यात्पृथुतोऽभ्यधात् 15 61<sup>d</sup>  
 कामिष्ये नगरे ते तु 18 14<sup>d</sup>  
 कामिष्ये नगरोत्तमे 15 4<sup>d</sup> 17 4<sup>b</sup>  
 कामिष्ये समरो नाम 15 20<sup>d</sup>  
 कामिष्ये सहचारिण 18 24<sup>d</sup>  
 काम्योजानां तथैव च 10 42<sup>d</sup>  
 काम्योज्ञान्पारदास्तथा 10 38<sup>b</sup>  
 काम्योज्ञा पङ्कजा खसा 10 31<sup>d</sup>  
 काम्य सङ्गतमैधुन 21 3<sup>b</sup>  
 काम्या नाम महाबाहो 2 6<sup>d</sup>  
 काम्यापुत्राश्च चत्वार 2 6<sup>d</sup>  
 कारण किञ्चिदुत्पन्न 40 41<sup>d</sup>  
 कारण तच्च कीतय 4 22<sup>d</sup>  
 कारण ख न वै पुत्र 48 45<sup>d</sup>  
 कारण श्रावितश्चास्मि 15 47<sup>d</sup>  
 कारणानन्दगोपस्य 65 22<sup>d</sup>  
 कारणैरुत्तमीमहे 66 24<sup>d</sup>  
 कारणैस्वस्ववर्तिते 43 33<sup>d</sup>  
 कारण्डवाकुण्डलिनी 55 36<sup>d</sup>  
 कारणस्तम्बुदधर 40 25<sup>b</sup>  
 कारयिष्यति वै सुखी 65 39<sup>d</sup>  
 कारयिष्यामि गोयज्ञ 59 60<sup>d</sup>

कारण्य तुरु देवेश 43 34<sup>d</sup>  
 कारण्य खलु नारीषु 78 5<sup>d</sup>  
 कारण्यात्समचारयत् 10 34<sup>d</sup>  
 कारुण्यो दन्तवक्त्रश्च 80 10<sup>d</sup>  
 कार्तेवीर्यस्य तनया 23 157<sup>d</sup>  
 कार्तेवीर्यस्य धीमत 31 97<sup>b</sup>  
 कार्तेवीर्यस्य यो जन्म 23 163<sup>d</sup>  
 कार्तेवीर्याङ्गुनो नाम 112 91<sup>d</sup>  
 कार्तेवीर्योऽत्रिसप्तमम् 23 139<sup>d</sup>  
 कार्त्तौ नाम महाबल 15 35<sup>d</sup>  
 कार्त्तिकेय इति स्मृत 3 36<sup>d</sup>  
 कार्त्तिकेयमतेन च 106 31<sup>b</sup>  
 कार्त्तिकेयश्च वीर्यवान् 106 56<sup>b</sup>  
 कार्यमय विधीयताम् 113 11<sup>d</sup>  
 कार्यमाधानमात्मन 47 10<sup>d</sup>  
 कार्य कार्यविशारदे 108 10<sup>b</sup>  
 कार्य पार्यवधिमहे 43 8<sup>d</sup>  
 कार्य साहाय्यमथ वै 108 33<sup>b</sup>  
 कार्यात्कार्यान्तर गता 44 18<sup>d</sup>  
 कार्या भूमिस्तमा सर्वा 81 50<sup>d</sup>  
 कार्यार्थे प्रतिभाति सै 44 14<sup>d</sup>  
 कार्येणामिन्नरञ्जन 91 33<sup>d</sup>  
 कार्ष्णि कमललोचनम् 99 8<sup>b</sup>  
 काल इत्यभिविश्रुत 105 19<sup>d</sup>  
 काल एव गुणा वातु 48 41<sup>d</sup>  
 कालकल्प दुरासदश्च 112 37<sup>d</sup>  
 कालरूपैश्च मुसकै 37 9<sup>d</sup>  
 कालश्च कालवेयश्च 31 75<sup>d</sup>  
 कालश्च कालमेयाभ 36 31<sup>d</sup>  
 कालमुच्य सप्तस्नानां 77 12<sup>d</sup>  
 कालनाभस्तथैव च 3 64<sup>d</sup>, 78<sup>b</sup>  
 कालनिर्माणबोधिनी 65 86<sup>b</sup>  
 कालनिर्घो हि ता गतिम् 115 25<sup>d</sup>  
 कालनेमिन्मुत्तमश्च 37 8<sup>d</sup>  
 कालनेमिमुखा हवा 38 66<sup>b</sup>  
 कालनेमिरिति रथाय 36 47<sup>d</sup>  
 कालनेमिर्निपातित 30 17<sup>d</sup> 38 60<sup>d</sup>  
 कालनेमिर्वैभौ दैव 36 59<sup>d</sup>  
 कालनेमिमहादैव 44 61<sup>d</sup>  
 कालनेमिमहासुर 38 32<sup>d</sup>, 58<sup>b</sup>  
 कालनेमिहता युधि 37 44<sup>d</sup>  
 कालनेमि पुरस्त्व 37 14<sup>d</sup>  
 कालनेमि मयावदम् 36 60<sup>d</sup>



कालेनेमि स दानव 37 1<sup>4</sup>, 37<sup>5</sup>  
 काल्पाशान्समाविध्य 34 13<sup>4</sup>  
 कालभूते मयि स्थिते 38 14<sup>4</sup>  
 कालमेघावगुण्डिता 32 19<sup>4</sup>  
 कालमेघेन चन्द्रमा 58 30<sup>4</sup>  
 कालयन्त्रो धनानि च 60 31<sup>4</sup>  
 कालयुक् च मुद्राम् 34 11<sup>4</sup>  
 कालरात्रिर्मेदीक्षिताम् 40 26<sup>4</sup>  
 कालरात्रिर्लघेय च 47 54<sup>4</sup>  
 कालघोहादचरण 33 10<sup>4</sup>  
 कालघोषं च परैश्च 28 13<sup>4</sup>  
 कालश्च परिणामक 48 41<sup>4</sup>  
 कालस्पर्शम कृष्ण 85 32<sup>4</sup>  
 कालसप्तकविज्ञान 66 37<sup>4</sup>  
 कालस्य परिणामेन 14 11<sup>4</sup>  
 कालस्य वशावर्तिनो 76 2<sup>4</sup>  
 कालस्य वशावर्तिनै 118 31<sup>4</sup>  
 कालस्यैव द्विषस्त 110 50<sup>4</sup>  
 काल चरतु चन्द्रमा 38 69<sup>4</sup>  
 काल जगति योऽयम् 36 4<sup>4</sup>  
 काल महातप्तवसन् 96 51<sup>4</sup>  
 काल काल इवापर 64 2<sup>4</sup>  
 काल सप्रतिपाद्यताम् 63 12<sup>4</sup>  
 काल संविदितो अम 14 13<sup>4</sup>  
 कालाञ्जनचर्पोपम 55 48<sup>4</sup>  
 कालानलस्य धर्मज्ञ 23 16<sup>4</sup>  
 कालान्तक्यनोपम 110 57<sup>4</sup>  
 कालिन्ध्या च नद्या रम्या 52 27<sup>4</sup>  
 कालिन्ध्या मित्रविन्ध्या च 88 41<sup>4</sup>  
 कालिन्ध्या क्षुत्तप्तम् 98 13<sup>4</sup>  
 कालियश्च महानाग 96 35<sup>4</sup>  
 कालिय च महीतप्तम् 97 26<sup>4</sup>  
 कालिय चापि जानामि 45 7<sup>4</sup>  
 कालिय समरस्थित 56 5<sup>4</sup>  
 कालिये च पराजिते 65 2<sup>4</sup>  
 कालियो दमितस्तथा 65 27<sup>4</sup>  
 काली नयनशालिनी 40 8<sup>4</sup>  
 काली विचित्रनीचं तु 23 119<sup>4</sup>  
 काल क्रीडानुवर्तिनी 58 9<sup>4</sup>  
 काले क्षणे भविष्यति 116 40<sup>4</sup>  
 काले खलु नृप प्राप्ति 81 6<sup>4</sup>  
 काले गच्छति सौम्यो वै 51 1<sup>4</sup>  
 काले देवश्च वर्पति 44 58<sup>4</sup>

कालेन कलिनापि वा 43 5<sup>4</sup>  
 कालेन महता चापि 22 41<sup>4</sup>  
 कालेन महता तव 85 55<sup>4</sup>  
 कालेन महता रात्रि 23 31<sup>4</sup>  
 कालेन समयुज्यन्त 16 14<sup>4</sup>  
 कालेनाथ परीतास्ते 115 24<sup>4</sup>  
 काले रक्षदिवान् 71 1<sup>4</sup>  
 कालोज्ज परमेश्वर 115 30<sup>4</sup>  
 कालो नयति सर्वं वै 48 41<sup>4</sup>  
 कालोऽय समनुप्राप्त 102 8<sup>4</sup>  
 कालो वासत्यविरत 113 68<sup>4</sup>  
 कालो लोकप्रकाश 3 33<sup>4</sup> 6 31<sup>4</sup>  
 कालो हि दुरात्मक 107 35<sup>4</sup>  
 काल्यमाने च मोक्षये 68 7<sup>4</sup>  
 कालिं चन्द्रारम्भ 23 80<sup>4</sup>  
 काल्य प्रयुक्तपैवादि 7 18<sup>4</sup>  
 काल्यादम् कवे सुता 13 50<sup>4</sup>  
 कालशैलमोक्षिणी 83 37<sup>4</sup>  
 कालचामीकर दास 55 36<sup>4</sup>  
 कालपुष्पलतादृक् 59 44<sup>4</sup>  
 कालिश्च महासत्त्व 23 54<sup>4</sup>  
 कालिरानसुता मता 118 25<sup>4</sup>  
 कालीनामपिषो हव 97 11<sup>4</sup>  
 कालिश्चरणत्रयु आन्ता 61 32<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्ता पारता 61 22<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्ता याने 107 18<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 107 18<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 61 23<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 117 29<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 23 53<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 86 76<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 95 5<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 79 24<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 87 7<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 98 24<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 50 12<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 20 2<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 42 15<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 68 8<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 74 12<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 52 12<sup>4</sup>  
 कालिश्चरस्तास्थिता 53 39<sup>4</sup>  
 का सा भाग्यविभूषिता 99 36<sup>4</sup>

कासारसलिल यथा 77 54<sup>d</sup>  
 कां च काष्ठा समासाच्च 117 2<sup>a</sup>  
 काश्चित्कण्ठे न्यपीडयत् 38 52<sup>b</sup>  
 काश्चिद्वेदेषु जग्राह 38 53<sup>c</sup>  
 कितयैरक्षकोविदै 69 24<sup>b</sup>  
 किमत कार्यमुत्तरम् 109 61<sup>d</sup>  
 किमत परम तप 35 40<sup>d</sup>  
 किमन्यस्करवाणि ते 85 59<sup>d</sup>  
 किमपरमिच्छसि किं प्रवीणं ते 118 51<sup>d</sup>  
 किमर्थमिह संप्राप्ता 110 20<sup>e</sup>  
 किमर्थमुपसेनेन 66 19<sup>e</sup>  
 किमर्थं गोपधेयेण 63 7<sup>e</sup>  
 किमर्थं च परित्यज्य 85 2<sup>e</sup>  
 किमर्थं च नाकादीना 10 28<sup>e</sup>  
 किमर्थं चादिदेवेन 39 2<sup>e</sup>  
 किमर्थं चान्द्रद्वयम् 99 36<sup>e</sup>  
 किमर्थं चैव भवता 15 30<sup>e</sup>  
 किमर्थं तनयेषु वै 8 28<sup>e</sup>  
 किमर्थं तेन ते बाला 104 6<sup>e</sup>  
 किमर्थं दिव्यमारमान 30 5<sup>e</sup>  
 किमर्थं न निघारित 118 20<sup>e</sup>  
 किमर्थं नाभिभापसे 77 55<sup>b</sup>  
 किमर्थं भगवान्निघणु 31 11<sup>e</sup>  
 किमर्थं युद्धमुत्सृज्य 112 13<sup>e</sup>  
 किमर्थं शासयानसि 43 28<sup>e</sup>  
 किमाश्चर्यमत परम् 100 38<sup>e</sup>, 47<sup>f</sup>  
 किमाश्चर्यं मयि मुने 100 37<sup>e</sup>  
 किमाहारविहारिण 117 1<sup>d</sup>  
 किमिदं ते चिकीर्षितम् 99 15<sup>d</sup>  
 किमिदं एवरितं तात 77 43<sup>e</sup>  
 किमिदं त्वं बिहृण्यसे 107 48<sup>d</sup>  
 किमिदं ब्रूहि नस्तस्य 110 12<sup>e</sup>  
 किमिदं लोकविख्यात 108 31<sup>e</sup>  
 किमुर्वि त्वमग्राह्युखी 42 42<sup>b</sup>  
 किमु वृष्णिमहारया 93 28<sup>f</sup>  
 किमेतदिति चान्योन्य 109 17<sup>e</sup>  
 किमेतन्नाभिजानीम 100 27<sup>e</sup>  
 किमेव चिन्तयाविष्ट 109 20<sup>e</sup>, 23<sup>e</sup>  
 किमेव चिन्तयाविष्टा 109 67<sup>e</sup>  
 किमेव बलमचोऽस्ति 110 58<sup>e</sup>  
 किमेव भयविक्रया 112 7<sup>b</sup>  
 किमेव वतसेऽन्यथा 99 11<sup>d</sup>  
 किमेव दातुमुद्यतम् 108 75<sup>d</sup>

किय-तो वै विगृहणा 13 3<sup>e</sup>  
 किरदेवगणानुरणे 36 26<sup>e</sup>  
 क्रान्ति पौरा सर्वोत्तान् 113 60<sup>e</sup>  
 किरीटच्छन्नमूर्धजम् 32 23<sup>b</sup>  
 किरीटलान्धनेनापि 68 22<sup>e</sup>  
 किरीटिनो रम्बशिक्षा 31 86<sup>e</sup>  
 किरीटनार्कवर्णेन 62 10<sup>e</sup>  
 किल्बिषैकराते हत 105 11<sup>d</sup>  
 किञ्चोर इव चोदित 33 21<sup>b</sup>  
 किञ्चोरप्रतिमो महात् 27 20<sup>b</sup>  
 किञ्चोरस्त्वतिसहस्रात् 33 21<sup>e</sup>  
 किञ्चोराविव चञ्चली 52 7<sup>d</sup>  
 किञ्चोरीष्ट्रा तथैव च 37 7<sup>b</sup>  
 किङ्कर समनुप्राप्त 86 23<sup>e</sup>  
 किङ्कराणां सदृशाणां 92 37<sup>e</sup>  
 किं करिष्यामहे सर्वे 65 79<sup>e</sup>  
 किङ्करादृतो मया 96 3<sup>b</sup>  
 किङ्करैर्यत्समाहृतम् 95 13<sup>b</sup>  
 किं करोमि प्रशाधि माम् 86 25<sup>d</sup>  
 किं करोमीति चाग्रवीत् 103 2<sup>d</sup>  
 किङ्कर्मणं किमीदृश्य 117 2<sup>e</sup>  
 किङ्किणीजालनिघोषं 33 3<sup>e</sup>  
 किङ्किणीसतनिघोषं 108 57<sup>e</sup>  
 किं दुर्मैत्यनुवृत्तदा 103 16<sup>b</sup>  
 किं कुर्वणो न शोचति 11 8<sup>d</sup>  
 किं श्रीद्धसि महादेव 113 36<sup>e</sup>  
 किं चकार महाबाहु 85 5<sup>e</sup>  
 किं च त्वं साधु जानीये 65 73<sup>e</sup>  
 किं च मे गमने नदीम् 50 11<sup>b</sup>  
 किं चाहं त्वं दास्यामि 38 62<sup>e</sup>  
 किञ्चिच्छलितवर्मेणा 36 54<sup>d</sup>  
 किञ्चिच्छिष्टेषु शालिषु 2 38<sup>d</sup>  
 किञ्चिच्चारणकुले 68 12<sup>d</sup>  
 किञ्चित्स्त्वप्यपटुचन 70 20<sup>e</sup>  
 किञ्चिदप्युपविशन्त्यन् 100 36<sup>d</sup>  
 किञ्चिदभ्युत्थिते सोमे 68 9<sup>e</sup>  
 किञ्चिद्वृण्वमौलिना 83 23<sup>b</sup>  
 किञ्चितुत्पाद्य कारणम् 52 28<sup>d</sup>  
 किं जातमिति चामयीत् 48 23<sup>b</sup>  
 किं वृहत् समुत्पद्य 65 25<sup>e</sup>  
 किं तु लोकहितार्थं 78 34<sup>e</sup>  
 किं तु शक्यमिदं कार्यं 107 62<sup>e</sup>

किं स्वमिधनवर्जिता 23 14<sup>d</sup>  
 किं स्व सर्वाग्रो विभु 44 17<sup>d</sup>  
 किंनरोद्गीतमधुरा 73 12<sup>a</sup>  
 किंनरोगयक्षाणा 107 68<sup>a</sup>  
 किंनर्यं हव सघरा 109 1<sup>d</sup>  
 किं निमित्त भविष्यति 115 33<sup>d</sup>  
 किं नु ते करण वीर 77 22<sup>a</sup>  
 किं नु वक्ष्यति ते पुत्र 50 10<sup>a</sup>  
 किं नु श्राद्धस्य वै फलम् 11 33<sup>d</sup>  
 किं पुत्र दायन विना 77 43<sup>b</sup>  
 किं पुन प्रविधीतले 67 51<sup>d</sup>  
 किं प्रमाणा किमायुष 117 2<sup>b</sup>  
 किं भयन्तोऽन्तरिक्षगा 112 8<sup>d</sup>  
 किं भविष्यति छोरेषु 70 36<sup>a</sup>  
 किं भूय कथयामि ते 118 84<sup>d</sup>  
 किं भूयो वर्णयामि ते 6 49<sup>d</sup>  
 किं मया देव कर्तव्य 86 65<sup>a</sup>  
 किं मा क्षिप्तसि दोषेण 73 25<sup>a</sup>  
 किं मा दग्धुमिद्वेष्टसि 113 30<sup>d</sup>  
 किं मा नारद् भाषसे 100 64<sup>d</sup>  
 किं मा वक्ष्यन्ति रुषिता 73 22<sup>a</sup>  
 किं मिष्यपागर्जितेन ते 112 59<sup>a</sup>  
 किं मेरो पाशंगा वयम् 110 12<sup>d</sup>  
 किं मे क्षातेन दुःखान् 50 11<sup>a</sup>  
 किं मोहयसि न सर्वात् 113 40<sup>a</sup>  
 किं वय सति गर्तये 77 37<sup>a</sup>  
 किं वा ते प्रार्थित भूय 11 27<sup>a</sup>  
 किं वा मयि न वतसे 40 45<sup>d</sup>  
 किंवीर्यं यमूय ह 15 6<sup>b</sup>  
 किंवीर्यं काष्ठयवन 85 6<sup>a</sup>  
 किं दोषे याहि योजय 53 13<sup>d</sup>  
 कीटमूयकसर्पश्च 117 24<sup>a</sup>  
 कीटश नागलोकस्य 70 34<sup>a</sup>  
 कीनासो क्षामदम्भकौ 28 6<sup>d</sup>  
 कीर्णं नागरनै कान्तै 84 21<sup>a</sup>  
 कीर्णं नानाहताद्गुम् 55 51<sup>d</sup>  
 कीर्णं वायसमण्डले 53 19<sup>d</sup>  
 कीर्णां क्षत्रियकोटीभि 31 104<sup>a</sup>  
 कीर्णां भूतगणैर्धैरै 47 45<sup>a</sup>  
 कीतन स्थिरकीर्तीना 1 21<sup>a</sup>  
 कीर्तिना सुखमेधते 7 46<sup>b</sup>  
 कीतनीय सुरैरपि 83 13<sup>b</sup>  
 कीतयन्तो महात्मन 27 12<sup>d</sup>

कीर्तयेन्नुह किरियपम् 106 51<sup>d</sup>  
 कीर्तयित्वा पृथुं नृपम् 48<sup>b</sup>  
 कीर्तयिष्यामि तच्छृणु 13 5<sup>b</sup>, 6<sup>d</sup> 15 14<sup>b</sup>  
 कीर्तयिष्यामि तान्शृणु 24 34<sup>d</sup>  
 कीर्तयेयमद् राजन् 4 24<sup>a</sup>  
 कीर्तित कीर्तनीयस्य 31 151<sup>a</sup> 32 9<sup>a</sup>  
 कीर्तित कार्तिवर्धनम् 20 47<sup>b</sup>  
 कीर्तिता मनवस्तात 7 6<sup>a</sup>  
 कीर्तिता लोचवीराणा 23 164<sup>a</sup>  
 कीर्तिता ह्यनयो मया 23 133<sup>d</sup>  
 कीर्तिता कीर्तिवर्धना 7 49<sup>b</sup>  
 कीर्तिता प्रविधीपाल 7 13<sup>a</sup>  
 कीर्तिता स्याज्जन्मा 3 93<sup>d</sup>  
 कीर्तिमात्र मयेक्षर 22 45<sup>b</sup>  
 कीर्तिर्धृतिश्च रश्मीश्च 20 26<sup>a</sup>  
 कीर्तिर्भयति शाश्वती 75 25<sup>b</sup>  
 कीर्तिश्च हरिवाहने 118 32<sup>d</sup>  
 कीर्तिं कीर्तिमता वर 10 37<sup>d</sup>  
 कीर्तिं पाप्मनिवर्तिनीम् 10 51<sup>d</sup>  
 कीर्त्यमानमत शृणु 20 47<sup>d</sup>  
 कीर्त्यमान नियोध मे 32 9<sup>a</sup>  
 कीर्त्यमान शृणु मया 1 20<sup>a</sup>  
 कीर्त्यमानास्त्रियोध मे 7 16<sup>d</sup>  
 कीर्त्यमां पुरावने 1 11<sup>b</sup>  
 कीर्त्यैर्धैर्यं च सुतस्ताव 78 34<sup>b</sup>  
 कीर्त्यमाणो जनाङ्गेन 109 77<sup>d</sup>  
 कीर्तिरारोप्यमायैश्च 53 24<sup>a</sup>  
 कीर्त्यैर्धैर्यनिपातैश्च 75 31<sup>a</sup>  
 कुतुरस्य सुतो धण्डु 27 17<sup>a</sup>  
 कुतुर भङ्गमान च 27 16<sup>a</sup>  
 कुतुराणामिम वश 27 31<sup>a</sup>  
 कुक्षिरित्येवमादय 3 62<sup>b</sup>  
 कुचापे गोपयोगिणाम् 83 34<sup>d</sup>  
 कुञ्जरस्यार्तचेतस 74 35<sup>b</sup>  
 कुञ्जरास्त्रैर्लक्षिणान् 81 69<sup>a</sup>  
 कुञ्जरो युद्धकाङ्क्षिणौ 71 6<sup>a</sup>  
 कुटीभिश्च प्रवृद्धाभि 72 3<sup>a</sup>  
 कुटुम्बस्येधरी स्वासीत 94 27<sup>a</sup>  
 कुटुम्बस्यस्तथापरा 63 27<sup>b</sup>  
 कुण्डलाय महासुर 91 16<sup>d</sup>  
 कुण्डले चाहते शुभे 96 67<sup>b</sup>  
 कुण्डलेन विराजता 83 23<sup>d</sup>  
 कुण्डलैकपर मत्त 70 18<sup>a</sup>

पुण्डलोत्तमयोग्याभ्यां 68 22°  
 पुण्डा घृषा नैवृत्तिः 116 33°  
 पुण्डिनस्योऽन्यदास्य 87 12°  
 पुण्डिन न प्रवेद्यामि 88 2°  
 कुलश्यागम्यते सौम्य 71 20°  
 कुतस्ते शान्तिरासन् 66 33°  
 कुतस्त्वत्तरं नृमे 107 73°  
 कुतो नो भयमागाम् 109 14°  
 कुतो वायमिहागत 103 90°  
 कुतो वो भयमागाम् 40 45°  
 कुतो यो विप्रहो देवा 40 45°  
 कुत्र वात्य निर्याम स्यात् 35 57°  
 कुषास्वास्तरणेषु च 42 11°  
 कुनेतारश्च मानवा 115 23°  
 कुन्तिस्तस्यारमजोऽभ्यन् 26 20°  
 कुन्तेर्षु सुतो जज्ञे 26 20°  
 कुन्त्यस्य ध्रुवदेवाया 24 20°  
 कुन्त्या निर्यातविष्णुमि 62 97°  
 कुन्त्याश्च प्रमुल प्रोक्ता 105 18°  
 कुन्त्या प्रमुलतो विश्व 97 17°  
 कुपन कोपन मथ 31 72°  
 कुन्जाया ध्रुवचिन्तरी 71 34°  
 कुन्जा दृष्टातुर्भूय 71 22°  
 कुनार इति विद्धि माम् 12 16°  
 कुमारकोटयो याक्षिमा 84 6°  
 कुमारभययोतिह 106 61°  
 कुमारसहिचोऽमवीत् 112 106°  
 कुमार जनयामाम 10 31°  
 कुमार दस्तुद्वतमम् 20 36°, 40°  
 कुमार धर्मैर्मितम् 62 92°  
 कुमार स्कन्धगहाया 49 14°  
 कुमाराग्रदुता भवान् 116 28°  
 कुमाराविद पाचकी 51 8°  
 कुमारास्ते यथाकाळ 10 61°  
 कुमारेरपरैर्वृत् 89 3°  
 कुमारी दस्तुद्वतम 20 40°  
 कुमारीऽभूमद्वावल 9 88°  
 कुमारी वृक्षोऽसिध 98 11°  
 कुमारी तु कनीयसी 8 78°  
 कुमार्यश्चापि तिस्रो वै 28 33°  
 कुमार्य सप्त चाप्यासन् 27 26°  
 कुमुदोऽकुलमुदक 59 38°  
 कुम्भनाभा गर्दभाक्ष 3 63°

कुम्भाण्डदुहिता पुन 107 47°  
 कुम्भाण्डदुहिता चास्य 107 39°  
 कुम्भाण्डमिदमवरीन् 106 20°  
 कुम्भाण्डवचनैरेव 108 78°  
 कुम्भाण्ड वर्यतां वीधम् 108 88°  
 कुम्भाण्डश्चिन्तायाविष्ट 106 53°  
 कुम्भाण्डसगृहीत 11 108 62°  
 कुम्भाण्डसगृहीताधि 112 33°  
 कुम्भाण्डस्तोऽदृशियान् 106 51°, 62°  
 कुम्भाण्डस्य वच भुरग 108 98°  
 कुम्भाण्डो नाम चाणस्य 112 12°  
 कुम्भाण्डो वाक्यमवरीत् 108 75°, 89°  
 कुम्भाण्डयामुपनोभिता 65 53°  
 कुम्भाश्च विनियेदयन्ताम् 60 11°  
 कुररीणामिव प्रभो 77 19°  
 कुररीणामिग्राह्ये 109 12°  
 कुरक्षेत्र चकार ह 23 107°  
 कुरक्षेत्रे नार्यम् 14 4°  
 कुरक्षेत्र पितृव्रतात् 16 3°  
 कुरु वामधरस्य वै 36 2°  
 कुरुक्षेत्रे च देवास्ते 43 72°  
 कुरुक्षेत्र विपुचध्रु 93 4°  
 कुरुक्षेत्रे नैतये रव 110 15°  
 कुरु सागर मद्भूच 103 7°  
 कुरु सवर्णात्पथा 23 107°  
 कुरुनधोत्तरांगत्वा 8 15°  
 कुरुनधुत्तरांगवयम् 103 13°  
 कुरोश्च पुषाश्चवार 23 109°  
 कुरो वीरस्य राव्ये तु 22 8°  
 कुर्ये इत्या सुख स्थान 59 28°  
 कुर्ये सर्वे पितामह 43 9°  
 कुर्ये विफलमव्यथा 113 42°  
 कुर्येवस्तु कथास्त्रास्ता 43 17°  
 कुर्येवैर्निर्गमन घनै 59 16°  
 कुर्येव्योर महास्वनम् 110 19°  
 कुर्येव्योपु नदीषु च 62 53°  
 कुर्येव्योऽस्य सहस्र 34 13°  
 कुर्याणस्य वपुषोर 67 56°  
 कुर्याण शुभकर्मणा 55 21°  
 कुर्यात्ता रूपसपत्न्या 107 38°  
 कुरस्य निष्कृष्टिज्ञात 10 11°  
 कुल नो धर्मित महत् 108 16°  
 कुलज्ञात निराग्रया 107 29°

कृत्वाणि कुलपुत्रप 77 57<sup>d</sup>  
 कुलान्यस्माकमादये 38 12<sup>d</sup>  
 कुलापदेशिनः सर्वे 108 32<sup>d</sup>  
 कुले गर्भो भविष्यति 47 31<sup>d</sup>  
 कुले पुत्र्ये यशस्काम 43 77<sup>d</sup>  
 कुले महति विद्यया 65 78<sup>d</sup>  
 कुलोपश्रोतनकरी 107 29<sup>d</sup>  
 कुलपार्थे च स भ्रातृणा 29 8<sup>d</sup>  
 कुलधामस्तु दुःखाणा 11 64<sup>d</sup>  
 कुबलाश्च न्यदोजयत् 9 49<sup>d</sup>  
 कुबलाश्च सुत प्रादात् 9 61<sup>d</sup>  
 कुबलाश्च सुतस्तस्य 9 47<sup>d</sup>  
 कुत्र ह्यनिविशुत 10 75<sup>d</sup>  
 कुत्राहा नृत्तसामसु 96 54<sup>d</sup>  
 कुत्रादै कारधामास 96 55<sup>d</sup>  
 कुत्रास्थलीं द्वारवतीं 25 16<sup>d</sup>  
 कुत्राप्रकुसुमाना च 58 6<sup>d</sup>  
 कुशिकस्तस्य चारमज 23 82<sup>d</sup>  
 कुशिनस्तु तपस्तेषु 23 83<sup>d</sup>  
 कुशिकस्तु तु गौत्र्य 47 47<sup>d</sup>  
 कुशीलानां न्यूयिष्ठ 116 23<sup>d</sup>  
 कुशोपेव तदा विष्ट 11 19<sup>d</sup>  
 कुसुमैर्भूषितागिराम् 89 29<sup>d</sup>  
 कुसुमै पारिजातस्य 107 3<sup>d</sup>  
 कुहर दुष्पदद्वय 3 89<sup>d</sup>  
 कूर्मकुट्टयवत्राश्च 31 81<sup>d</sup>  
 कूर्म धयश्च से मत 100 35<sup>d</sup>  
 कूर्मैर्लक्ष्मणसोमिनीम् 55 38<sup>d</sup>  
 कूर्मैर्णाभिहित पूर्व 100 84<sup>d</sup>  
 कूर्मो मायुपवरस्वयम् 100 37<sup>d</sup>  
 कूर्त 11 छवणाग्मत 117 30<sup>d</sup>  
 कृकणेदुस्तथैव च 23 6<sup>d</sup>  
 कृच्छ्रमानकटुदुभि 96 51<sup>d</sup>  
 कृच्छ्रेण निहतो बली 23 131<sup>d</sup>  
 कृच्छ्रेण महता युक्तः 11 13<sup>d</sup>  
 कृतकर्मणि पायके 36 37<sup>d</sup>  
 कृतकर्मा गदाधर 38 54<sup>d</sup>  
 कृतकर्मा नराधिप 9 76<sup>d</sup>  
 कृतकर्मा महाबल 85 40<sup>d</sup>  
 कृतकार्ये गते काले 44 1<sup>d</sup>  
 कृतकार्येण धीमता 85 63<sup>d</sup>  
 कृतकार्योऽप्रवीदीमान् 85 53<sup>d</sup>  
 कृतकार्यां हि गच्छास्तु 45 23<sup>d</sup>

कृतकृत्य हवामग्न 19 13<sup>d</sup>  
 कृतकृत्योऽभवच्छदा 104 1<sup>d</sup>  
 कृतकृत्योऽन्यमापत् 79 9<sup>d</sup>  
 कृतकौतुकमद्भला 87 32<sup>d</sup>  
 कृतमस्याहितस्य वा 4 24<sup>d</sup>  
 कृतजप्यो हृषीकेश 86 1<sup>d</sup>  
 कृतत्रेतादियुक्तानि 7 48<sup>d</sup>  
 कृतदारोऽभवत्प्रभु 2 31<sup>d</sup>  
 कृतधन्या तथैव च 23 137<sup>d</sup>  
 कृतपूर्वं तदा घोरं 91 17<sup>d</sup>  
 कृतपूर्वं करिष्ये वा 65 76<sup>d</sup>  
 कृतप्रतिवृत्तिश्चैत्र 75 30<sup>d</sup>  
 कृतबुद्धिर्नृपभवा 89 11<sup>d</sup>  
 कृतमन्यो हरिष्यति 23 162<sup>d</sup>  
 कृतमेव बचस्तथ्य 11 27<sup>d</sup>  
 कृतपरमाग्रनस्तेषा 28 5<sup>d</sup>  
 कृतवर्माणमेव च 65 10<sup>d</sup>  
 कृतवर्मा विमेदाग्नौ 87 64<sup>d</sup>  
 कृतवानसि गोविन्द 109 41<sup>d</sup>  
 कृतवान्पुण्डरीकाक्ष 97 40<sup>d</sup>  
 कृतवान्मयुचूदन 96 29<sup>d</sup>  
 कृतवासो हि न पुरे 106 59<sup>d</sup>  
 कृतवीर्यं कृतौबाध 23 137<sup>d</sup>  
 कृतवीर्यात्तयाज्ञेन 23 137<sup>d</sup>  
 कृतवीर्यं शराबाधौ 15 58<sup>d</sup>  
 कृतस्ते कमलक्षेण 104 4<sup>d</sup>  
 कृतस्त्वस्त्यपनो विष्टे 15 50<sup>d</sup>, 58<sup>d</sup>  
 कृत कर्मणि चाप्रवीत् 92 67<sup>d</sup>  
 कृत कृष्णेन धीमता 96 69<sup>d</sup>  
 कृत से कथमस्युत 104 4<sup>d</sup>  
 कृतं केशिजिघासवा 67 53<sup>d</sup>  
 कृत गिरिगृह गोपा 61 53<sup>d</sup>  
 कृत तुरगदैर्येन 87 10<sup>d</sup>  
 कृत तेन महात्मना 31 96<sup>d</sup>  
 कृत वृतेन यत्कार्य 44 42<sup>d</sup>  
 कृत देव महत्कर्म 38 57<sup>d</sup>  
 कृत नखद्रुतागतम् 104 7<sup>d</sup>  
 कृत सवधता स्वयम् 109 45<sup>d</sup>  
 कृत ये सुमहत्कार्ये 85 54<sup>d</sup>  
 कृत वृन्दावन लेम 67 48<sup>d</sup>  
 कृत क्षेम पुन वन्या 97 1<sup>d</sup>  
 कृत सैन्यक्षयश्चापि 84 11<sup>d</sup>  
 कृताना न स शोच्यस्तु 109 8<sup>d</sup>

कृष्णानामिदं वच 78 2<sup>1</sup>  
 कृषया च प्रतिज्ञया 10 1<sup>1</sup>  
 कृमयो मासमादाय 8 26<sup>1</sup>  
 कृमिलाश्वश्च पञ्चम 23 97<sup>1</sup>  
 कृमेस्तु कृमिला पुरी 23 25<sup>1</sup>  
 कृम्या कृमिरजायत 23 23<sup>1</sup>  
 कृत्वां मलिनमेव वा 86 60<sup>1</sup>  
 कृतो वा मलिनो वापि 86 62<sup>1</sup>  
 कृष्ण हरयुष्यते सुत 65 58<sup>1</sup>  
 कृष्ण कस्यादूर्ध्वयत् 110 11<sup>1</sup>  
 कृष्ण कृष्ण महादेव 112 107<sup>1</sup>  
 कृष्ण कृष्ण महाबाहो 58 27<sup>1</sup> 62 11<sup>1</sup> 110 41<sup>1</sup>, 46<sup>1</sup>,  
 65<sup>1</sup> 111 7<sup>1</sup>  
 कृष्ण कृष्णेति चासकुर 67 52<sup>1</sup>  
 कृष्णकेश भ्रमरय 109 82<sup>1</sup>  
 कृष्णमीदृक्कश्चिरुति 108 47<sup>1</sup>  
 कृष्णमन्त्रैरिनाङ्गस्य 74 35<sup>1</sup>  
 कृष्णश्वरमुजम्राणे 110 72<sup>1</sup>  
 कृष्ण तात न पदत्रेय 87 19<sup>1</sup>  
 कृष्ण त्व षट्सुहसि 109 78<sup>1</sup>  
 कृष्णर मातुषेपु च 32 1<sup>1</sup>  
 कृष्णदर्शनयुगेन 76 12<sup>1</sup>  
 कृष्णदर्शनबालस 67 1<sup>1</sup>  
 कृष्ण दिव्या च ते चेष्टा 63 6<sup>1</sup>  
 कृष्णदेह विषेय 111 2<sup>1</sup>  
 कृष्णद्वैपायनत्रेच 23 120<sup>1</sup>  
 कृष्ण धर्ममयाप्यसि 09 18<sup>1</sup>  
 कृष्णपक्षस्य पै तिर्था 47 34<sup>1</sup>  
 कृष्ण पर्याप्तवाच्योऽसि 100 24<sup>1</sup>  
 कृष्णप्रणिहितेक्षण 75 35<sup>1</sup>  
 कृष्णप्रणिहितेक्षणा 63 25<sup>1</sup>  
 कृष्णप्राणात्मदास्य 110 29<sup>1</sup>  
 कृष्णप्रियाय भूयसाय 93 3<sup>1</sup>  
 कृष्णबाणागिराद्वा 112 4<sup>1</sup>  
 कृष्णबाहुबलाभया 96 68<sup>1</sup>  
 कृष्णबाहुस्तोभत 67 38<sup>1</sup>  
 कृष्णमङ्कितमार्ग 62 3<sup>1</sup> 80 31<sup>1</sup> 109 38<sup>1</sup>  
 कृष्णमष्टिभारिणम् 66 35<sup>1</sup>  
 कृष्णमनुतविश्वम् 58 17<sup>1</sup>  
 कृष्णमम्रतमं रणे 110 11<sup>1</sup>  
 कृष्णमप्रतिमो नसम् 112 51<sup>1</sup>  
 कृष्णमानन्दनि सृते 76 43<sup>1</sup>  
 कृष्णमाह विद्येन 110 65<sup>1</sup>

कृष्णमित्यन्धका सृता 28 8<sup>1</sup>  
 कृष्णमुत्तीर्य विधितम् 56 41<sup>1</sup>  
 कृष्णमूचुरिधातवम् 61 24<sup>1</sup>  
 कृष्णमूचुरिर्द्वैतेपिण 67 18<sup>1</sup>  
 कृष्ण रक्षितुमर्हसि 101 11<sup>1</sup>  
 कृष्णलीलातुकारिण्य 63 26<sup>1</sup>  
 कृष्णवर्मार्थ युगान्वाभ 34 34<sup>1</sup>  
 कृष्णवाचय निवेद्य च 86 71<sup>1</sup>  
 कृष्णश्चापि बभूव ह 5 16<sup>1</sup>  
 कृष्णश्चाश्वर्यसन्निधि 113 75<sup>1</sup>  
 कृष्णसकरंणुभौ 52 1<sup>1</sup> 54 42<sup>1</sup> 71 2<sup>1</sup> 76 8<sup>1</sup>  
 कृष्णसकरंणी चैव 65 85<sup>1</sup>  
 कृष्णसकरंणी चोभौ 51 1<sup>1</sup>  
 कृष्णसदृशैरित 76 14<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु कुञ्ज कामाती 71 35<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु तेन मागेन 74 32<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु परवीरहा 84 24<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु यदुनन्दन 94 17<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु योवन इष्टा 63 15<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु रथमुत्तमम् 81 79<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु विदितार्थो वै 69 26<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु गदस्मता 112 113<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तु सलक पुन 76 1<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तोसलमुद्रस्य 76 3<sup>1</sup>  
 कृष्णस्तुरितविक्रम 71 44<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य कृष्णवदना 52 33<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य गतिगामिन्य 63 26<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य च बलस्य च 59 1<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य च महात्मन 110 71<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य जगदीपते 101 1<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य जयकाङ्क्षिण 75 38<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य दर्शन शोक 62 1<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य निषनाकाङ्क्षी 64 15<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य पतितो मूर्खा 71 20<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य प्रमुख स्थित 86 22<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य भरतश्रेष्ठ 51 37<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य सुखपद्मम् 76 13<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य वेदभ्यरक्षस्त 93 58<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य रणितो हय 67 30<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य वचन शुचा 109 51<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य वचकाङ्क्षिणी 112 44<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य वामपतिनम् 77 54<sup>1</sup>  
 कृष्णस्य विदितारामन 86 54<sup>1</sup>

कृष्णस्य व्रजयोषित 63 27<sup>d</sup>  
 कृष्णस्य शुभदर्शनाम् 87 39<sup>b</sup>  
 कृष्णस्य शुशुभे युज 67 43<sup>d</sup>  
 कृष्णस्य समुदाहृतम् 28 45<sup>b</sup>  
 कृष्णस्य साक्षाज्जिव 62 99<sup>a</sup>  
 कृष्णस्याक्रियतालये 109 63<sup>d</sup>  
 कृष्णस्याङ्घ्रिकर्मण 86 70<sup>b</sup>  
 कृष्णस्यानुमते तदा 86 80<sup>d</sup>  
 कृष्णस्यानुमते स्वयम् 83 1<sup>d</sup>  
 कृष्णस्यापि निमित्तानि 67 2<sup>a</sup>  
 कृष्णस्याप्रतिमोजस 111 2<sup>d</sup>  
 कृष्णस्यामिततेजस 106 4<sup>b</sup>  
 कृष्णस्यास्य पराक्रमम् 96 25<sup>b</sup>  
 कृष्णस्योरगुगुगव 56 40<sup>a</sup>  
 कृष्ण कमललोचनम् 51 13<sup>b</sup> 64 24<sup>b</sup> 75 1<sup>d</sup>  
 113 70<sup>b</sup>  
 कृष्ण कृष्णमिवाचलम् 32 21<sup>d</sup>  
 कृष्ण कृष्णमृगोक्षणा 83 31<sup>d</sup>  
 कृष्ण गूढ -पथेशपत्र 49 30<sup>d</sup>  
 कृष्ण गोपाङ्गना राजौ 63 24<sup>a</sup>  
 कृष्ण गौर प्रभु बाधु 13 47<sup>a</sup>  
 कृष्ण च षड्देवनम् 65 49<sup>d</sup>  
 कृष्ण चेदमुनाच ह 58 31<sup>d</sup>  
 कृष्ण चैराववीरमीत 69 2<sup>a</sup>  
 कृष्ण जग्मु प्रधानत 60 21<sup>d</sup>  
 कृष्ण जलद्वगम्भीर 71 24<sup>a</sup>  
 कृष्ण नाथमुपाधिता 67 14<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्रहरता श्रेष्ठ 109 19<sup>a</sup>  
 कृष्ण चलनिपुद्न 62 8<sup>d</sup>  
 कृष्ण भाण्डीरवासिनम् 55 24<sup>b</sup>  
 कृष्ण अञ्जावस्तमुप 75 4<sup>a</sup>  
 कृष्ण यदृष्टयानहम् 104 3<sup>d</sup>  
 कृष्णे वक्ष्यताडयत् 67 29<sup>d</sup>  
 कृष्णे वचनमप्रवीन् 54 21<sup>d</sup>  
 कृष्ण निज्ञापयामास 86 57<sup>a</sup> 101 8<sup>a</sup>  
 कृष्ण वि-याधतु शरै 81 81<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्रगलत श्रुता 65 1<sup>a</sup>  
 कृष्ण वदप्रशिप्परात् 56 2<sup>a</sup>  
 कृष्ण कमागना-नि-रम् 76 26<sup>b</sup>  
 कृष्ण वा-ततरो भयम् 63 20<sup>d</sup>  
 कृष्ण उरुनाम-स्थिताम् 71 27<sup>b</sup>  
 कृष्ण कृष्णाजनिम 64 16<sup>a</sup>  
 कृष्ण पद्मनिभक्षण 63 10<sup>b</sup>

कृष्ण पद्मपलाशाक्ष 67 44<sup>a</sup>  
 कृष्ण परमदार्पित 78 30<sup>b</sup>  
 कृष्ण पुर्वामनि-द्वित 86 79<sup>b</sup>  
 कृष्ण प्रहरता वर 112 100<sup>b</sup>  
 कृष्ण प्रहरता श्रेष्ठ 110 69<sup>a</sup>  
 कृष्ण प्राप्तेपयच्छदा 85 30<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्राप्तेयोतिर्ष ययौ 91 43<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्रोवाच वज्र वै 59 3<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्रोवाच वचन 110 27<sup>a</sup>  
 कृष्ण श्रीदामस्तहित 58 19<sup>a</sup>  
 कृष्ण सत्यपराक्रम 76 23<sup>d</sup>  
 कृष्ण समितिदुर्गम् 109 65<sup>b</sup>  
 कृष्ण सत्कर्षणश्चैन 110 18<sup>a</sup>  
 कृष्ण सरस्जितो यया 96 15<sup>d</sup>  
 कृष्ण स्त्रजलञ्जिव मुहु 111 3<sup>a</sup>  
 कृष्णाक्षार्लोहितार्क्ष 89 35<sup>a</sup>  
 कृष्णाभिनोत्तरासक्त 44 9<sup>a</sup>  
 कृष्णारकृष्णतरक्ष क 40 17<sup>d</sup>  
 कृष्णायससममख्य 25 9<sup>a</sup>  
 कृष्णायाङ्घ्रिकारिणे 86 72<sup>b</sup>  
 कृष्णार्थं वैरमभवन् 87 24<sup>a</sup>  
 कृष्णे किं प्रत्यपद्यत 85 4<sup>b</sup>  
 कृष्णे च भवतो द्वेषात् 66 33<sup>a</sup>  
 कृष्णेन च महारमता 29 29<sup>d</sup>  
 कृष्णेन रवौ प्रथपितम् 29 5<sup>b</sup>  
 कृष्णेन परमश्रेष्ठात् 110 66<sup>a</sup>  
 कृष्णेन मनसा दृष्टा 87 35<sup>a</sup>  
 कृष्णेन यमुनादद 57 1<sup>b</sup>  
 कृष्णेन वरुणो जित 97 13<sup>d</sup>  
 कृष्णेन विहित वास 53 35<sup>a</sup>  
 कृष्णेन सह सगत 67 31<sup>b</sup>  
 कृष्णेन सह ससदम् 69 30<sup>d</sup>  
 कृष्णेन द्वियमार्णां तु 88 1<sup>a</sup>  
 कृष्णेनाद्भुतदर्शना 97 13<sup>d</sup>  
 कृष्णेनतमिततेजसा 112 49<sup>b</sup>  
 कृष्णेनामितमुदिता 102 15<sup>b</sup>  
 कृष्णेनामिश्रपातिना 28 31<sup>a</sup>  
 कृष्णे रनिपरायणे 64 1<sup>b</sup>  
 कृष्णेनद्विभिर्भवेन 54 9<sup>b</sup>  
 कृष्णो गिरिरिवाणल 64 14<sup>d</sup>  
 कृष्णो गिरिरिवापर 61 29<sup>a</sup>  
 कृष्णो ग्राधिग्दनां गत 62 8<sup>b</sup>  
 कृष्णो जित्पुत्र प्रजापति 3 111<sup>a</sup>

कृष्णो ज्ञातीन्समानाख्य 66 36<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽथ रीद्विगेयश्च 70 7<sup>a</sup>  
 कृष्णो द्दशो पितर 95 4<sup>a</sup>  
 कृष्णो द्विपममोदयत् 74 29<sup>a</sup>  
 कृष्णो नाग इव श्वसत् 109 46<sup>a</sup>  
 कृष्णोपस्थानिकोऽभरत् 94 3<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽपि कालयवन 84 35<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽपि गोपसहित 60 35<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽपि त गिरिश्रेष्ठ 61 64<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽपि मूले बौलस्य 61 58<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽन्यमितविक्रम 67 33<sup>a</sup>  
 कृष्णो बभ्रुगत मणिम् 29 36<sup>a</sup>  
 कृष्णो मुनयलाभ्यां त 111 1<sup>a</sup>  
 कृष्णो भोगनर्ती रम्याम् 97 32<sup>a</sup>  
 कृष्णो महात्मा सङ्घातनाम 115 7<sup>a</sup>  
 कृष्णो राममयामवीत् 29 17<sup>a</sup>  
 कृष्णो राम महाद्युतिम् 89 48<sup>a</sup>  
 कृष्णो रीशविधानवित् 71 31<sup>a</sup>  
 कृष्णो बभ्रुममवीत् 113 41<sup>a</sup>  
 कृष्णो विसर्जयामास 76 37<sup>a</sup>  
 कृष्णो विस्मापयन्मजम् 51 15<sup>a</sup>  
 कृष्णो वै कामकथनात् 51 36<sup>a</sup>  
 कृष्णो वै विपुल हृदम् 55 47<sup>a</sup>  
 कृष्णो इत्वा तु कुञ्जरम् 74 37<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽह्म ब्राह्मण स च 102 23<sup>a</sup>  
 कृष्णो हि सुरकायेषु 93 6<sup>a</sup>  
 कृष्णते सा ख वेगेन 83 38<sup>a</sup>  
 कृष्णस्या प्रथिता सीमा 59 23<sup>a</sup>  
 कृष्णमाणस्य शत्रुणा 48 35<sup>a</sup>  
 कृष्णमाण ॥ तत्तन 71 52<sup>a</sup>  
 कृष्णमाण यथा मुग्धम् 58 21<sup>a</sup>  
 कृष्णमाण स कृष्णेन 76 36<sup>a</sup>  
 कृष्णस्वसमाजीर्ण 42 9<sup>a</sup>  
 कृष्ण पटुरा वृता 54 6<sup>a</sup>  
 कृष्णचक्राग्निनिर्दग्धा 91 49<sup>a</sup>  
 कृष्णचाचि-तय-शूरा 109 62<sup>a</sup>  
 कृष्णकसवधाचापि 85 28<sup>a</sup>  
 कृष्णकायारम्भिभि 53 1<sup>a</sup>  
 कृष्णिकृतिरुषा प्राकोशम् 108 37<sup>a</sup>  
 कृष्णस्त्रोद्वयातार 33 26<sup>a</sup>  
 कृष्णितु कृष्ण इदिति 56 20<sup>a</sup>  
 कृष्णितोयद्राहना 33 25<sup>a</sup>  
 कृष्णिरयनवाहना 33 25<sup>a</sup>

केचित्समृद्धिता रथै 37 32<sup>a</sup>  
 केचिदधुनि मुमुषु 118 4<sup>a</sup>  
 केचिदोषयलान्विता 43 71<sup>a</sup>  
 केचिदमैलिलेपना 117 8<sup>a</sup>  
 केचिदि विद्वहोवृताः 37 45<sup>a</sup>  
 केचिदाप्याविलेक्षणा 109 62<sup>a</sup>  
 केचिद्वमन्तो रथिरम् 108 49<sup>a</sup>  
 केचिन्मनरवर्चस 61 10<sup>a</sup>  
 केचिन्मन्यस्यता गता 117 6<sup>a</sup>  
 केचिकीपण्डमण्डितम् 84 21<sup>a</sup>  
 केचिदथश्च सन्नतत 59 54<sup>a</sup>  
 केतुना वधाराजा 34 9<sup>a</sup>  
 केतुमन्त महात्मान 4 13<sup>a</sup>  
 केतुमानिति विद्युत 23 66<sup>a</sup> 93 50<sup>a</sup>  
 केतुमा-वल्-द्विर्वित 31 76<sup>a</sup>  
 केतुवीर्यशतहृदी 3 67<sup>a</sup>  
 केतुवेपप्रतिच्छद 34 48<sup>a</sup>  
 केदारा सरितश्चैव 59 40<sup>a</sup>  
 केदारिपु वनेषु च 59 46<sup>a</sup>  
 केनचिदादि कार्येण 63 9<sup>a</sup>  
 केन जानश्च पीर्यवान् 85 6<sup>a</sup>  
 केन वायमिहानीत 108 90<sup>a</sup>  
 केन सुतप्रहाराऽथ 77 36<sup>a</sup>  
 केनापि निशि युद्धत 109 69<sup>a</sup>  
 केनेमौ पातितौ दुर्मौ 51 29<sup>a</sup>  
 केनेमौ पातितौ धृषी 51 28<sup>a</sup>  
 केयूरभरितेन च 11 18<sup>a</sup>  
 केवल कस्यार्थस्थ 76 27<sup>a</sup>  
 केवल स्व तु गर्भेण 66 14<sup>a</sup>  
 केश चयसा मृद 65 72<sup>a</sup>  
 क का ते पितरो -ये ख 11 13<sup>a</sup>  
 के क्षापीये जनाख्य 110 20<sup>a</sup>  
 केशव-चेना जामिता 47 43<sup>a</sup>  
 केशवचै सुयोजिते 60 32<sup>a</sup>  
 केशवश्चापि त पथ्या 88 20<sup>a</sup>  
 केशवस्य च मादास्य 113 80<sup>a</sup>  
 केशवस्य भिदैरिति 93 22<sup>a</sup>  
 केशवस्य गतिस्तत 84 30<sup>a</sup>  
 केशवस्य महामन 93 52<sup>a</sup> 104 4<sup>a</sup> 110 16<sup>a</sup>  
 केशवस्यात्मजोऽभवत् 89 6<sup>a</sup>  
 केशवस्योपशृण्वत् 100 16<sup>a</sup>  
 केशव गच्छे स्त्रियम् 112 74<sup>a</sup>  
 केशव वाचस्पत्यदीप् 110 41<sup>a</sup>



देशाव समुपस्थिता 103 14<sup>१</sup>  
 देशाव केसिमथन 112 39<sup>२</sup>  
 देशाव परवीरदा 94 24<sup>३</sup>  
 देशाव पुनरेवाह 84 14<sup>४</sup>  
 देशाव शत्रुघ्न 112 75<sup>५</sup>  
 देशाव सह यादवै 84 32<sup>६</sup>  
 देशाव सह रविमण्या 89 13<sup>७</sup>  
 देशाव सुमहायल 87 40<sup>८</sup>  
 देशाव पुनरेवाह 99 30<sup>९</sup>  
 देशाव महाहोणि 92 0<sup>१०</sup>  
 देशावासाधसेन 76 13<sup>११</sup>  
 देशाव निवेशित 88 73<sup>१२</sup> 93 44<sup>१३</sup>  
 देशाव बलेन च 96 63<sup>१४</sup>  
 देशाव महद्य 96 67<sup>१५</sup>  
 देशाव महात्मना 97 11<sup>१६</sup> 109 70<sup>१७</sup>  
 देशाव नाभिपूजिता 82 26<sup>१८</sup>  
 देशाव नाहूत स्वयम् 93 57<sup>१९</sup>  
 देशाव नाम नाज्ञा 67 58<sup>२०</sup>  
 देशाव विश्वकर्मेण 86 28<sup>२१</sup>  
 देशाव धृष्टिपुत्र 97 3<sup>२२</sup>  
 देशाव नाहूत दुःखिता 77 52<sup>२३</sup>  
 देशाव केदन्त एव च 99 39<sup>२४</sup>  
 देशाव दन्तक्षत्राणि 67 43<sup>२५</sup>  
 देशाव दन्तक्षत्राणि 67 16<sup>२६</sup>  
 देशाव दन्तक्षत्राणि 67 42<sup>२७</sup>  
 देशाव चापि जानामि 45 4<sup>२८</sup>  
 देशाव सोमिदुह्ये 67 15<sup>२९</sup>  
 देशाव हयदानवम् 67 17<sup>३०</sup>  
 देशाव हयमाह्वे 67 48<sup>३१</sup>  
 देशाव परादक्षिण 49 10<sup>३२</sup>  
 देशाव प्रेक्षितो दूत 67 3<sup>३३</sup>  
 देशाव सह दुदाय 67 22<sup>३४</sup>  
 देशाव दक्षना सुखात् 67 40<sup>३५</sup>  
 देशाव दुष्टचेतस 67 56<sup>३६</sup>  
 देशाव सम च ध्रुवम् 65 32<sup>३७</sup>  
 देशाव रूपमावभौ 67 41<sup>३८</sup>  
 देशाव वक्त्रविलम्बित 67 38<sup>३९</sup>  
 देशाव कृष्णमुपादिवत् 67 28<sup>४०</sup>  
 देशाव ह्येककरी मृणाम् 67 4<sup>४१</sup>  
 देशाव च इत्यसक्त 67 39<sup>४२</sup>  
 देशाव च तुरगाधम 62 69<sup>४३</sup>  
 देशाव चामुद्यतधीय 67 16<sup>४४</sup>  
 देशाव तुरगादानव 67 7<sup>४५</sup>

देशाव तुरगासत्तम 67 29<sup>४६</sup>  
 देशाव नाम ह्यो जात 44 67<sup>४७</sup>  
 देशाव बलान्मृदा 76 35<sup>४८</sup>  
 देशाव चिह्नरके पुन 11 11<sup>४९</sup>  
 देशाव नरैर्गन्धै 55 15<sup>५०</sup>  
 देशाव पुष्पवर्णैश्च 73 16<sup>५१</sup>  
 देशाव जातविक्रम 76 23<sup>५२</sup>  
 देशाव निरवग्रह 44 68<sup>५३</sup> 67 6<sup>५४</sup>  
 देशाव प्राप्स्यते सुप्तम् 35 56<sup>५५</sup>  
 देशाव ह्य द्वाद्धान् 110 7<sup>५६</sup>  
 देशाव शिखराकरि 107 87<sup>५७</sup>  
 देशाव शिखरोपम 93 42<sup>५८</sup>  
 देशाव सेनेव मन्दर 83 24<sup>५९</sup>  
 देशाव कस्य च बहुणा 82 2<sup>६०</sup>  
 देशाव कस्य तु भीष्मक 87 11<sup>६१</sup>  
 देशाव पञ्चभिश्चापि 81 83<sup>६२</sup>  
 देशाव कस्य मानवान 63 18<sup>६३</sup>  
 देशाव कस्य सदाभ्यै 93 65<sup>६४</sup> 94 5<sup>६५</sup>  
 देशाव कोटिभूत निशामय 112 56<sup>६६</sup>  
 देशाव कोटिश्रापि बहुधा 110 37<sup>६७</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>६८</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>६९</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७०</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७१</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७२</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७३</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७४</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७५</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७६</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७७</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७८</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>७९</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८०</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८१</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८२</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८३</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८४</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८५</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८६</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८७</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८८</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>८९</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९०</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९१</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९२</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९३</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९४</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९५</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९६</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९७</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९८</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>९९</sup>  
 देशाव कोटिस्तयैर्बैर्युत 41 21<sup>१००</sup>

कोशसचयरक्षण 92 9 <sup>4</sup>	क्रमेणान्तरधीयत 91 42 <sup>4</sup>
कोऽस्ति यो मानुषे लोके 46 23 <sup>4</sup>	क्रमेणेन भारत 7 37 <sup>4</sup>
कोदहलमतीव च 11 34 <sup>4</sup>	क्रम्यादानखनेऽपि 110 43 <sup>4</sup>
कोदहलसमाविष्ट 100 48 <sup>4</sup>	क्रयादानि च भूतानि 38 43 <sup>4</sup>
कोदहलादिद् वान्य 59 3 <sup>4</sup>	क्रम्यादा द्वायरूपेण 117 16 <sup>4</sup>
कोन्त्यस्ता पाण्डुरावहत 24 22 <sup>4</sup>	क्रम्यादेरनुयातानि 81 57 <sup>4</sup>
कोमार घतमास्थाय 35 27 <sup>4</sup> 47 45 <sup>4</sup>	क्रम्यादो वाचते लोकान् 44 66 <sup>4</sup>
कोरवाणा धुरधर 23 118 <sup>4</sup>	क्रायश्चवायुमानपि 80 12 <sup>4</sup> 89 17 <sup>4</sup>
कोरवा ऐक्यास्तथा 81 45 <sup>4</sup>	क्रायस्य वसुदेवेन 82 2 <sup>4</sup>
कोशाभ्यो मालाश्चैव 81 43 <sup>4</sup>	क्रायोऽप्युमाश्चुतरा 88 4 <sup>4</sup>
कोशिकस्य सुतास्त 16 8 <sup>4</sup>	क्रान्तविश्रान्तगामिना 55 3 <sup>4</sup>
कोशिकाना महात्मनाम् 23 88 <sup>4</sup>	क्रान्तुकाम इवौजसा 38 36 <sup>4</sup>
कोशिका दद्व स्रुता 23 80 <sup>4</sup>	क्रियतामत्र मन्दिरम् 86 14 <sup>4</sup>
कोशिकी त्व भविष्यति 47 47 <sup>4</sup>	क्रियतामविचारितम् 59 61 <sup>4</sup>
कोशिकी सश्रयिष्यति 117 28 <sup>4</sup>	क्रियता किं विचार्यते 59 29 <sup>4</sup>
कोशिको गालवश्चैव 7 44 <sup>4</sup>	क्रियतेऽति पुन पुन 8 28 <sup>4</sup>
कोशिकया सुतसोमाया 98 16 <sup>4</sup>	क्रियते न च से सुभु 107 32 <sup>4</sup>
कोशेयेन च भास्वता 63 20 <sup>4</sup>	क्रियन्ता मन्त्राद्याश्च 72 7 <sup>4</sup>
कोसल्य काशिराजश्च 80 13 <sup>4</sup>	क्रियमाणिरितस्त 53 26 <sup>4</sup>
कोसल्या सुपुत्रे सुतान् 27 1 <sup>4</sup>	क्रियातश्च विनि सूत 75 27 <sup>4</sup>
क्रान्तश्चित्तोऽसुर 31 22 <sup>4</sup>	क्रियावत्समस्तसुरम् 75 10 <sup>4</sup>
क्रान्तमस्त्रिंशत् शिवम् 2 18 <sup>4</sup>	क्रियालोपश्च लोकाना 41 25 <sup>4</sup>
क्रान्तिरेण ते विभो 118 27 <sup>4</sup>	क्रियावत् प्रज्ञावन्त 1 33 <sup>4</sup>
क्रान्तिसिद्धिं पुन 12 14 <sup>4</sup>	क्रियां च पुण्या लभते गुणान्वित 118 46 <sup>4</sup>
क्रयकैशिकमर्वा तान् 87 30 <sup>4</sup>	क्रिया काश्चित्करिष्यति 12 35 <sup>4</sup>
क्रयकैशिकमुत्पाद्य 88 5 <sup>4</sup>	क्रियता हीलया पुरा 31 116 <sup>4</sup>
क्रयकैशिकमुत्पाद्य 87 10 <sup>4</sup>	क्रियता वासुदेवेन 96 35 <sup>4</sup>
क्रयकैशिकमुत्पास्ते 88 15 <sup>4</sup>	क्रियतो सह गोपाते 54 2 <sup>4</sup>
क्रयस्य त्वष्टुमान्वरो 87 11 <sup>4</sup>	क्रियश्च सह वाग्ध्वै 79 31 <sup>4</sup>
क्रान्तिं स्त गृहे गृहे 53 5 <sup>4</sup>	क्रियन्त बहुधा युद्धे 108 44 <sup>4</sup>
क्रान्दस्यो विस्मयन्त्यश्च 51 20 <sup>4</sup>	क्रियन्त मधुसूदन 97 17 <sup>4</sup>
क्रान्दमाना जगन्नाथ 67 14 <sup>4</sup>	क्रियन्त शिशुलीया 56 9 <sup>4</sup>
क्रान्दमाना व्रजं जग्मु 56 14 <sup>4</sup>	क्रियन्तावनिलानली 36 36 <sup>4</sup>
क्रमन्त कालनेमिनाम् 36 87 <sup>4</sup>	क्रियन्ति व्रजयोपित 63 28 <sup>4</sup>
क्रममाणश्चिन्ति क्रमै 38 20 <sup>4</sup>	क्रियन्तौ वत्सराजसु 51 9 <sup>4</sup>
क्रममाण हृषीकेशम् 31 87 <sup>4</sup>	क्रियश्च 88 युद्धे 108 91 <sup>4</sup>
क्रमविक्रमसकृत 31 24 <sup>4</sup>	क्रियमानो प्यलोडयत् 96 33 <sup>4</sup>
क्रमरास्त्रानि राज्यानि 3 110 <sup>4</sup>	क्रियमानो हचिक्वचित् 52 6 <sup>4</sup>
क्रम प्रणीय पाञ्चाल 19 29 <sup>4</sup>	क्रियामयन्या मणिना 28 23 <sup>4</sup>
क्रमेण विपरीतेन 76 38 <sup>4</sup>	क्रियाभिरपराजितौ 58 7 <sup>4</sup>
क्रमेण स पितामह 4 10 <sup>4</sup>	क्रियाभिरभिजोभिर्नौ 51 6 <sup>4</sup>
क्रमेण सह स्वन्ध्याम् 91 40 <sup>4</sup>	क्रियाभिश्चरतुर्बनम् 58 8 <sup>4</sup>

क्रीडाविहारे नारीभिः 108 3<sup>a</sup>  
 क्रीडाविहारोपगत 107 1<sup>a</sup>  
 क्रीडामु विविधामु वा 96 48<sup>a</sup>  
 क्रीडितव्यं व्रजे मम 65 34<sup>a</sup>  
 क्रीडित्वा देवकीसुत 75 40<sup>a</sup>  
 क्रीडित्वा सिमुना यथा 74 3<sup>a</sup>  
 कुन्दस्वधारमभ्यगात् B 29<sup>a</sup>  
 कुब्ज पारित्तित रूपम् 118 23<sup>a</sup>  
 कुन्दा नाद्रवतो पीरान् 88 17<sup>a</sup>  
 कुन्दा भिन्नुर्महीतलम् 43 74<sup>a</sup>  
 कुन्दा लोकपितामह 31 43<sup>a</sup>  
 कुन्दा सूक्ष्मां पिपीत्तिकां 19 4<sup>a</sup>  
 कुन्दैर्महर्षिभित्तात् 4 22<sup>a</sup>  
 कुन्दो वृष्टपराक्रम 67 5<sup>a</sup>  
 कुन्दो भरतसत्तम 23 77<sup>a</sup>  
 कुन्दो रुद्र पद्मनिव 10 37<sup>a</sup>  
 कुन्दो विन्याध मार्गणे 88 20<sup>a</sup>  
 कूरा बुद्धि समभवत् 16 7<sup>a</sup>  
 कूरा लक्षणवर्णिता 117 36<sup>a</sup>  
 क्रीधदीप्तो गदाधर 38 44<sup>a</sup>  
 क्रीधरकान्मुखात्तस्य 76 17<sup>a</sup>  
 क्रीधवर्धन पृथ च 31 74<sup>a</sup>  
 क्रीधश्च सकलो वृणाम् 116 29<sup>a</sup>  
 क्रीधसरक्तनयना 76 8<sup>a</sup>  
 क्रीधसरत्तलोचन 108 55<sup>a</sup>  
 क्रीधसरत्तलोचना 109 18<sup>a</sup>  
 क्रीधासरत्तनयन 38 34<sup>a</sup>  
 क्रीधादभिययौ यद्वत् 80 7<sup>a</sup>  
 क्रीधादध्वर्यववतयन् 89 48<sup>a</sup>  
 क्रीधाङ्गुलिगुणविक्रम 67 30<sup>a</sup>  
 क्रीधाङ्गुधिरक्ताक्ष 38 29<sup>a</sup>  
 क्रीधाक्षि श्वसतस्तस्य 37 39<sup>a</sup>  
 क्रीधेन तज्जल तस्य 56 8<sup>a</sup>  
 क्रीधेनाभिप्रज्जवाल 108 65<sup>a</sup>  
 क्रीधेनाहजते हुमान् 67 73<sup>a</sup>  
 क्रीधो हि तेषां प्रदहेत् 66 12<sup>a</sup>  
 क्रीशमण्डलविमार 100 33<sup>a</sup>  
 क्रीशमाय निरामये 55 46<sup>a</sup>  
 क्रीशमान च मेघवत् 31 102<sup>a</sup>  
 क्रीष्टा नीलोऽजिकलाया 23 134<sup>a</sup>  
 क्रीष्टुवज्राश्च दानवा 31 80<sup>a</sup>  
 क्रीष्टारिवाभवत्पुत्र 26 1<sup>a</sup>  
 क्रीष्टार्मायै बभूवुव 24 1<sup>a</sup> 28 9<sup>a</sup>

क्रीष्टोर्हि वदत धृत्वेम 23 168<sup>a</sup>  
 क्रीष्टोस्तु शृणु राजेन्द्र 23 167<sup>a</sup>  
 क्रीष्टान्प्रग्रास्तथापरे 31 84<sup>a</sup>  
 क्रीष्टेन दिवि कामगाम् 36 21<sup>a</sup>  
 क्रीष्टो नाम महागिरि 13 14<sup>a</sup>  
 क्रीष्टपत्रोत्तरच्छदा 54 16<sup>a</sup>  
 क्रीष्टं शैवलपङ्क्तिम् 100 34<sup>a</sup>  
 क्रीष्टयते कृष्ण देवकी 69 13<sup>a</sup>  
 क्रीष्टा इव विचेतस 108 31<sup>a</sup> 109 67<sup>a</sup>  
 क्रीष्टयामास चपलं 43 20<sup>a</sup>  
 क्रीष्टिते धरणीतले 70 2<sup>a</sup>  
 क्रीष्टामेवानुवर्तते 35 27<sup>a</sup>  
 क गच्छामि स्तवया विना 77 16<sup>a</sup>  
 क गच्छामि महाभुज 83 46<sup>a</sup>  
 क गच्छामीति वै मुहुः 8 92<sup>a</sup>  
 क च गोपावमभुज 65 34<sup>a</sup>  
 क च देवप्रभावेन 65 34<sup>a</sup>  
 क च भावविपर्यय 35 42<sup>a</sup>  
 कचिच्छिन्नाभ्रसंस्थिते 59 16<sup>a</sup>  
 कचिच्छिन्नमुक्ताभ 59 16<sup>a</sup>  
 कचिज्जानुभिरुद्धै 51 9<sup>a</sup>  
 कचित्कदम्बहासादय 54 11<sup>a</sup>  
 कचित्केसरवर्धनम् 33 7<sup>a</sup>  
 कचित्कचिनुदग्रायै 86 51<sup>a</sup>  
 कचिदत्सीनमासने 40 16<sup>a</sup>  
 कचिद्वायव्यचिः क्रीडन् 55 11<sup>a</sup>  
 कचिद्दुर्दिनसकाशे 59 16<sup>a</sup>  
 कचिद्वसन्तावन्पोग्य 52 6<sup>a</sup>  
 कचिद्वसन्प्रदिग्धाङ्गौ 51 8<sup>a</sup>  
 कचिद्वनगतो युवा 55 12<sup>a</sup>  
 कचिद्विद्वान्तरिपिणौ 52 6<sup>a</sup>  
 क ते स मुकुटो वीर 77 9<sup>a</sup>  
 क दारा क च सयोग 35 42<sup>a</sup>  
 क मे घस क मे पुत्र 77 35<sup>a</sup>  
 क यास्तसि मया रुद्र 71 33<sup>a</sup>  
 क्षणदाक्षयसद्गते 70 1<sup>a</sup>  
 क्षणं वात प्रतीक्षताम् 70 9<sup>a</sup>  
 क्षणं न सतिष्ठति जीवलोक 117 51<sup>a</sup>  
 क्षणा निमेषा काष्ठश्च 30 26<sup>a</sup>  
 क्षणा सवत्सरास्तथा 104 90<sup>a</sup>  
 क्षणेन काल्यवन 85 52<sup>a</sup>  
 क्षणेन च विहीना स्य 77 16<sup>a</sup>  
 क्षणेन तद्वज्रस्थानम् 53 19<sup>a</sup>

क्षणेन नृपसत्तम 103 30<sup>1</sup>  
 क्षणेन भस्मसाक्षीता 56 10<sup>0</sup>  
 क्षणेन समतिक्रान्ता 103 13<sup>0</sup>  
 क्षणेन समनुयाता 107 86<sup>0</sup>  
 क्षणेनादर्शन इदात् 65 27<sup>4</sup>  
 क्षणेनैव प्रमाण स 12 10<sup>0</sup>  
 क्षत च वपुरात्मन 38 34<sup>1</sup>  
 क्षत्रधर्मैर सदा 9 79<sup>4</sup>  
 क्षत्रधर्मा जयद्रथ 81 44<sup>4</sup>  
 क्षत्रधर्मे व्यवस्थित 81 71<sup>1</sup>  
 क्षत्रमिन्द्रभयापहम् 21 12<sup>4</sup>  
 क्षत्र भुवि परिश्रुतम् 114 3<sup>0</sup>  
 क्षत्रियाणां कुलश्रेष्ठ 10 21<sup>0</sup>  
 क्षत्रियाणां परिश्रुत 115 28<sup>0</sup>  
 क्षत्रियाणां बलवता 42 50<sup>0</sup>  
 क्षत्रियाणां सहायमानां 81 68<sup>0</sup>  
 क्षत्रियाणां महाजनसाम् 10 28<sup>0</sup>  
 क्षत्रियाणां वपुर्भिश्च 41 20<sup>0</sup>  
 क्षत्रिया ग्राहयिष्यन्ति 115 35<sup>0</sup>  
 क्षत्रिया भरतश्रेष्ठ 9 35<sup>0</sup>  
 क्षत्रिया युद्धदुर्मदा 9 36<sup>0</sup>  
 क्षत्रिया बाजिमैथन 118 17<sup>0</sup>  
 क्षत्रियेण विधिरसता 23 65<sup>1</sup>  
 क्षत्रियैर्विप्रयोजिता 42 39<sup>0</sup>  
 क्षत्रियैश्चक्षुर्भूतिभि 42 44<sup>0</sup>  
 क्षत्रमुनर्हसि मे प्रहन् 43 33<sup>0</sup>  
 क्षत्रमुनर्हसि मे विभो 62 36<sup>0</sup>  
 क्षमया परया युत 31 93<sup>0</sup>  
 क्षमा एव च प्रयुता च 100 50<sup>0</sup>  
 क्षमापराक्रममय 37 21<sup>0</sup>  
 क्षमायत्नेन समता 38 23<sup>0</sup>  
 क्षमा भूवर्द्धनो मुखम् 58 38<sup>0</sup>  
 क्षमावन्तो मनीषिणौ 3 37<sup>0</sup>  
 क्षमा मनसि सहाय 65 08<sup>0</sup>  
 क्षमा योजीत्य भापसे 38 24<sup>0</sup>  
 क्षयमक्षयवर्चस 52 11<sup>4</sup>  
 क्षयवृद्धिस्तत्र व्यक्ता 36 4<sup>0</sup>  
 क्षय यासन्ति दाक्षिण 43 56<sup>0</sup>  
 क्षय सृष्टि च भारत 104 22<sup>0</sup>  
 क्षयाय दितिवशास्य 31 61<sup>0</sup>  
 क्षयाय पृथिवीन्द्राणां 44 13<sup>0</sup>  
 क्षयोदयाम्या परिपेतमान 117 51<sup>0</sup>  
 क्षयो भुवि मया दष्ट 45 10<sup>0</sup>

क्षयोऽय भविता महान् 106 67<sup>0</sup>  
 क्षरज्जलानां सैलानां 54 28<sup>0</sup>  
 क्षरज्जलानां मदस्ता 37 34<sup>0</sup>  
 क्षरन्तीषु पयो बहु 62 50<sup>0</sup>  
 क्षरन्तु विघ्नान्दर्पात् 33 17<sup>0</sup>  
 क्षरेय येन वत्सला 6 7<sup>0</sup>  
 क्षान्तमेव तद्दानेन 66 37<sup>0</sup>  
 क्षामकुक्षिपयोधरा 61 21<sup>1</sup>  
 क्षितिनाथ गतायुषम् 77 2<sup>1</sup>  
 क्षितिं क्षितितले स्थित 100 48<sup>0</sup>  
 क्षितिं सर्वेभ्यश्चावन्त 113 2<sup>0</sup>  
 क्षिति दौघिल्यमेव्यति 43 55<sup>0</sup>  
 क्षितौ ताडहि दानयान् 44 83<sup>0</sup>  
 क्षितौ समभिवर्तते 111 3<sup>0</sup>  
 क्षिप्रक्षारायण रणे 38 23<sup>0</sup>  
 क्षिप्रपद्भ्यां महीधराय 36 61<sup>1</sup>  
 क्षितचित्त इव श्वसन् 110 64<sup>0</sup>  
 प्लित वदुष्युष दृष्टा 66 1<sup>0</sup>  
 क्षित क्रोधेन दानव 73 24<sup>1</sup>  
 क्षितानि पवनेवाद्भि 43 31<sup>0</sup>  
 क्षिते पितरि चुक्रोध 76 24<sup>0</sup>  
 क्षितोऽक्षसगदाविरम् 37 35<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमाणमनेकश 65 99<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमाणैश्च सुसलै 35 5<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमाणेऽसुरेन्द्रेण 38 23<sup>0</sup>  
 क्षिप्रकारी महाबल 112 31<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमघैव कथ्यताम् 76 21<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमारवातुमर्हसि 71 23<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमाणन्तुमर्हसि 91 37<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमाहापय विभो 43 8<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमानय मे कान्त 107 83<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमातयितु व्रजान् 65 83<sup>1</sup>  
 क्षिप्रमारोहयन्तिवति 81 39<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमावेदये चेद 96 69<sup>0</sup>  
 क्षिप्रमुक्तेश्च पर्वते 35 7<sup>1</sup>  
 क्षिप्रमेव वधिष्यामि 38 17<sup>0</sup>  
 क्षिप्र वध्य स मे भवेत् 56 37<sup>0</sup>  
 क्षिप्र विजान्तु यूयानि 61 54<sup>0</sup>  
 क्षिप्र समभिवर्तन्व 81 73<sup>0</sup>  
 क्षिप्र सचाह्वानं व्रज 52 30<sup>0</sup>  
 क्षिप्र सत्ताप्यतां कस 62 69<sup>0</sup>  
 क्षीणपुण्यसिन् प्रहम् 77 1<sup>1</sup>  
 क्षीणप्रहरणा रणे 32 12<sup>0</sup>

क्षीण विस्तारयिष्यति 68 28<sup>a</sup>  
 क्षीणाकारासु तारासु 70 3<sup>a</sup>  
 क्षीणा जयेन हृदयाम् 29 16<sup>a</sup>  
 क्षीरमासीदनुपम 6 17<sup>a</sup>  
 क्षीरमूर्जंस्कर च 6 19<sup>a</sup>  
 क्षीरवत्य इमा गाव 59 10<sup>a</sup>  
 क्षीर रधिरमेव च 8 31<sup>a</sup>  
 क्षीर सयत्र भावयेत् 8 8<sup>a</sup>  
 क्षीरायथा दधि भवेत् 39 12<sup>a</sup>  
 क्षीरिकाट्टक्षसपाता 43 70<sup>a</sup>  
 क्षीरिण्यो द्विगुण गाव 59 48<sup>a</sup>  
 क्षीरोदस्यामृतोदध 30 18<sup>a</sup>  
 क्षीरोदस्योत्तरा दिशम् 45 47<sup>a</sup>  
 क्षुद्रकाणा समन्तत 108 61<sup>a</sup>  
 क्षुद्रा क्षुद्रपरिच्छदा 117 17<sup>a</sup>  
 क्षुधा मे बाधते सात 35 51<sup>a</sup>  
 क्षुब्ध नदवरानीक 81 53<sup>a</sup>  
 क्षुब्धाविच महार्णवौ 36 15<sup>a</sup>  
 क्षुभिता सागरगमा 83 38<sup>a</sup>  
 क्षुरतीक्ष्णाप्रचरण 64 2<sup>a</sup>  
 क्षुरपदं तमण्डलम् 38 41<sup>a</sup>  
 क्षुराण्णामौरवाग्पाशान् 91 44<sup>a</sup>  
 क्षुवस्तनु मनोस्तात 9 38<sup>a</sup>  
 क्षेत्रजोऽह मुनस्तथैव 73 36<sup>a</sup>  
 क्षेत्र सर्वस्य कर्मण 62 30<sup>a</sup>  
 क्षेत्राणि रत्नयन्त्रला 44 58<sup>a</sup>  
 क्षेत्रे वैचित्रवीर्यक 23 120<sup>a</sup>  
 क्षेत्रेण क क्षुभ मन्येत् 66 11<sup>a</sup>  
 क्षेत्रेणाधस्य मुह्यन्ति 38 43<sup>a</sup>  
 क्षेत्रेणीयाश्च सुद्ररा 81 34<sup>a</sup>  
 क्षेत्रेणापैश्च सुद्ररे 33 11<sup>a</sup> 37 9<sup>a</sup> 81 78<sup>a</sup>  
 क्षेत्रेणैर्मुष्टिभिश्चिव 75 31<sup>a</sup>  
 क्षेत्रार क्रूरमापिणम् 89 43<sup>a</sup>  
 क्षेत्रुकामखिलोचन 112 30<sup>a</sup>  
 क्षेत्रको नाम राक्षस 23 58<sup>a</sup>  
 क्षेत्रमध्वंसुतस्त्वासीत् 10 77<sup>a</sup>  
 क्षेत्रमध्वा तत स्मृत 10 76<sup>a</sup>  
 क्षेत्रप्रचारवदुत् 49 24<sup>a</sup>  
 क्षेत्रस्य चेतुमान्पुत्र 23 69<sup>a</sup>  
 क्षेत्रं सुभिक्षमारोग्य 117 25<sup>a</sup>  
 क्षेत्री तरति कीटिमात्र 6 46<sup>a</sup>  
 क्षेत्रो नाम महायणा 23 69<sup>a</sup>  
 क्षेत्रो मुदितगोकुल 60 4<sup>a</sup>

क्षोभयन्धरणीतलम् 38 49<sup>a</sup>  
 क्षोभयेयुर्महोदधिम् 43 74<sup>a</sup>  
 क्षोभयेद्भ चरामिमाम् 46 23<sup>a</sup>  
 क्षोभित स महाद्व 56 3<sup>a</sup>  
 क्षोभितानि महीक्षिताम् 105 7<sup>a</sup>  
 क्षोभितास्ते महासुरा 31 69<sup>a</sup>  
 क्ष्वेदमानैश्च पत्तिभि 81 20<sup>a</sup>  
 क्ष्वेदयन्तौ प्रगायन्तौ 58 3<sup>a</sup>  
 क्ष्वेदितास्कोटितरव 74 27<sup>a</sup> 81 22<sup>a</sup>  
 क्ष्वेदितास्कोटितेन च 74 21<sup>a</sup>  
 क्ष्वेदितास्कोटितोरुष्टै 81 92<sup>a</sup>

ख

खगाना गतिरुच्यते 62 25<sup>a</sup>  
 खगाना च विवृजितम् 73 13<sup>a</sup>  
 खर्गराकाशगोचरी 55 44<sup>a</sup>  
 खट्वाङ्ग इति विभुत 10 64<sup>a</sup>  
 खड्गचर्मपर तदा 108 58<sup>a</sup>  
 खड्गचर्मपर व तु 108 59<sup>a</sup>  
 खड्गचर्मपरोद्ग्रे 81 18<sup>a</sup>  
 खड्गचर्मपरसधान् 112 8<sup>a</sup>  
 खड्गपाणिश्च वादव 108 60<sup>a</sup>  
 खड्गमादाय चर्म च 88 23<sup>a</sup>  
 खड्गमुद्यम्य ताड्यापि 89 44<sup>a</sup>  
 खड्ग च कनकस्तम्भ 47 40<sup>a</sup>  
 खड्गी चर्मौ शरासर्पौ 23 150<sup>a</sup>  
 खनित्रैश्च पुरी हुतम् 81 35<sup>a</sup>  
 खन्यमाने महाणवे 10 48<sup>a</sup>  
 खमस्थिराणा विषय 62 31<sup>a</sup>  
 खमारुहं नृचक्षुष 61 13<sup>a</sup>  
 खमृत्वेतुरय प्राणा 29 17<sup>a</sup>  
 खर हस्युच्यते दैत्य 44 72<sup>a</sup>  
 खरयूथेन महता 57 12<sup>a</sup>  
 खरलम्बावुभावपि 37 6<sup>a</sup>  
 खरस्तालकले सार्ध 57 20<sup>a</sup>  
 खरोद्भवदनाब्धेन 31 81<sup>a</sup>  
 खला कला च राजेन्द्र 23 8<sup>a</sup>  
 खसा ॥ यक्षरक्षासि 3 92<sup>a</sup>  
 खसुम कालवन्द 31 77<sup>a</sup>  
 खसुम पितृवर्गं च 16 4<sup>a</sup>  
 ख च गा चैव पूरयन् 38 36<sup>a</sup>  
 ख यमूचातनिप्रभम् 61 15<sup>a</sup>  
 ख सपात इव द्वित्र 115 37<sup>a</sup>  
 ख सा देवालय देवी 48 36<sup>a</sup>

खादितुं भोक्तुमेव वा 67 34<sup>६</sup>  
 खानयानास पार्थिव 10 47<sup>६</sup>  
 खिन्नो ह्यस्त्रयुपवासेन 16 37<sup>६</sup>  
 क्षुरनेमिसमुद्रतम् 81 92<sup>६</sup>  
 क्षुरेदारयते भूमिं 67 8<sup>६</sup>  
 क्षुरेर्मिदारयन्महीम् 57 15<sup>६</sup>  
 क्षुरोद्गणमुत्तेन 67 27<sup>६</sup>  
 खेचराणां सदाश्रमवाय् 3 85<sup>६</sup>  
 खेचरा खे समन्तत 61 40<sup>६</sup>  
 खेचरीव ॥ गां गता 86 45<sup>६</sup>  
 खेचरैश्च महाप्रदं 31 37<sup>६</sup>  
 खेदात्कृष्णनापिणी 42 13<sup>६</sup>  
 खे नदस्तु समन्तत 61 14<sup>६</sup>  
 खेलेन हथिरक्षये 114 12<sup>६</sup>  
 खे सगतान्पवाद्यन्त 75 36<sup>६</sup>  
 ख्यात कल्पापपादो वै 10 70<sup>६</sup>  
 ख्यातास्तस्य महाराम 29 47<sup>६</sup>  
 ख्यातिमन्तस्तपस्तेषां 28 32<sup>६</sup>  
 ख्यातिं कन्येति यात्यसि 9 11<sup>६</sup>  
 ख्यातिं गच्छेयमीश्वर 112 125<sup>६</sup>  
 ख्यातिं बहुपयात्यति 86 5<sup>६</sup>  
 ख्यातिं यात्यासि कर्मभि 21 25<sup>६</sup>  
 ख्यातो लोके भविष्यति 67 58<sup>६</sup>  
 ख्यातो ख्यातिमत्ता वरी 27 18<sup>६</sup>  
 ख्यायते यस्य नास्ति वै 23 132<sup>६</sup>  
 ग  
 गगनक्षोभेण दण्डम् 34 39<sup>६</sup>  
 गगन भूर्दिशर्ध्व 113 77<sup>६</sup>  
 गगनं सागरस्य वै 54 37<sup>६</sup>  
 गगनादिव पथं तम् 112 80<sup>६</sup>  
 गगनाद्गृहसर्वाङ्गा 38 53<sup>६</sup>  
 गगनाद्योच्छ्रिताकार 55 18<sup>६</sup>  
 गगने तव गात्राणां 54 22<sup>६</sup>  
 गङ्गा सदा सागर 43 43<sup>६</sup>  
 गङ्गा परिचरिष्यति 43 40<sup>६</sup>  
 गङ्गातमिमुत्तं घृत् 90 14<sup>६</sup>  
 गङ्गाभुजाभिर्दिव्याभि 43 7<sup>६</sup>  
 गङ्गाभुजागमचूर्ण 110 16<sup>६</sup>  
 गङ्गासायेन देवार्थ 23 80<sup>६</sup>  
 गङ्गा सर्वाङ्गयोभना 43 27<sup>६</sup>  
 गङ्गासिन्धुप्रकाशानि 93 11<sup>६</sup>  
 गङ्गां दृष्ट्वा महर्षेय 23 79<sup>६</sup>  
 गङ्गेय शिखगा धन्या 100 38<sup>६</sup>

गच्छ कृष्णस्य नित्य 66 38<sup>६</sup>  
 गच्छ तात यथासुप्तम् 18 31<sup>६</sup>  
 गच्छतो भरतर्षभ 103 18<sup>६</sup>  
 गच्छत्यय दानपति 65 83<sup>६</sup>  
 गच्छ त्व दूत माधिरम् 44 42<sup>६</sup>  
 गच्छतिव्य वसुमती 43 65<sup>६</sup>  
 गच्छ देवि यथासुप्तम् 8 12<sup>६</sup>  
 गच्छ दोषेण कालो हि 118 33<sup>६</sup>  
 गच्छ धर्मिष्ठ माधिरम् 70 15<sup>६</sup>  
 गच्छत्य सहिता सर्वे 108 15<sup>६</sup>  
 गच्छ निवे मयोत्सृष्टा 47 26<sup>६</sup>  
 गच्छन्वी पितृशक्तिम् 9 13<sup>६</sup>  
 गच्छन्तु धनिनो यज्ञा 50 17<sup>६</sup>  
 गच्छ मारुत देयेताम् 86 67<sup>६</sup>  
 गच्छ विज्ञापयता इष्ण 77 50<sup>६</sup>  
 गच्छ सोम सहायत्व 36 2<sup>६</sup>  
 गच्छानया सह त्व ॥ 49 2<sup>६</sup>  
 गच्छाम दिवमुत्तमम् 38 61<sup>६</sup>  
 गच्छाम द्वारका पुरीम् 113 5<sup>६</sup>  
 गच्छामो मधुसूदन 45 46<sup>६</sup>  
 गच्छाणवज्जल सर्व 56 36<sup>६</sup>  
 गच्छाणव महीपाल 43 24<sup>६</sup>  
 गच्छाव वृषिबीरवत् 44 80<sup>६</sup>  
 गच्छेरन्यत्र कश्यपत् 45 45<sup>६</sup>  
 गजकुम्भोपमलवी 48 30<sup>६</sup>  
 गजवर्षेययोपमम् 100 34<sup>६</sup>  
 गजदन्तद्वयोद्देश 75 2<sup>६</sup>  
 गजदन्तेन वेदाव 75 5<sup>६</sup>  
 गजमङ्गस्य धीर्षवान् 87 67<sup>६</sup>  
 गजमेक बया वने 108 63<sup>६</sup>  
 गजकृपेण च्छाह 91 7<sup>६</sup>  
 गजवाक्त्रिरौघाणी 85 21<sup>६</sup>  
 गजवाक्त्रिर्योर्वस्ते 108 46<sup>६</sup>  
 गज स्वेष्टेय गात्रु 74 30<sup>६</sup>  
 गजा हव समन्तत 108 37<sup>६</sup>  
 गजा हवन्ते सलत्ता 61 10<sup>६</sup>  
 गजानीकैरिवाहीर्ष 54 37<sup>६</sup>  
 गजारोहमथोत्थणम् 74 37<sup>६</sup>  
 गजाश्चातिवलात्तर 81 91<sup>६</sup>  
 यजेनापाय वङ्गस्तु 87 67<sup>६</sup>  
 यजेन्द्र हव त मम्म 89 48<sup>६</sup>  
 यजेन्द्रचर्मवचना 31 85<sup>६</sup>  
 यजेन्द्रदशनाङ्कित 67 43<sup>६</sup>

गजेन्द्राम्भोदवपुषः 33 7<sup>०</sup>  
 गजेन्द्रांश्च महामतिः 31 107<sup>६</sup>  
 गजेन्द्रस्यास्तथा रथे 107 18<sup>०</sup>  
 गजेन्द्रं वा हयैरथा 82 4<sup>०</sup>  
 गजेन्द्रं वा हि समुद्रा 87 74<sup>०</sup>  
 गजेन्द्रं जलदोषमे 81 23<sup>०</sup>  
 गजेन्द्रं मदशक्तिं 81 20<sup>०</sup>  
 गणयन्तु मम स्त्रिय 47 4<sup>०</sup>  
 गण क्रोधवत् विद्धि 3 30<sup>०</sup>  
 गणाश्चैव पदातिनाम् 84 6<sup>०</sup>  
 गणिकानां वृषड्मञ्चा 74 9<sup>०</sup>  
 गण्डरीराद्वहसिनीम् 36 22<sup>०</sup>  
 गण्डरीकेश्वरं दक्षिणं 37 10<sup>०</sup>  
 गण्डरीकेश्वरं दक्षिणं 33 30<sup>०</sup>  
 गण्डूपाय स्वपुत्राय 24 28<sup>०</sup>  
 गतमेघजलाशया 59 31<sup>०</sup>  
 गतसरवा गतासव 38 53<sup>०</sup>  
 गतस्य वससाधनम् 77 49<sup>०</sup>  
 गतं मुकुतिना ढोक 11 31<sup>०</sup>  
 गतं किल भवाभ्यहम् 78 27<sup>०</sup>  
 गतं क्षुण्णस्य ततः 46 8<sup>०</sup>  
 गतागताभ्यां यो नेता 30 29<sup>०</sup>  
 गताभे विमले श्योक्ति 61 62<sup>०</sup>  
 गता वनकुतूहलात् 73 10<sup>०</sup>  
 गतासुप्रतिमोऽभवत् 65 6<sup>०</sup>  
 गतासुविकृतानना 91 49<sup>०</sup>  
 गतासु स जगाम ह 58 52<sup>०</sup>  
 गतासु स पयसोऽर्थो 71 13<sup>०</sup>  
 गतिमिश्रमनुत्तमाम् 11 26<sup>०</sup>  
 गतिमेतामममच 13 72<sup>०</sup>  
 गतिर्गतिमतामपि 30 37<sup>०</sup> 44 16<sup>०</sup>  
 गतिर्भवति मेदिनी +4 78<sup>०</sup>  
 गतिस्त्वथ तपोमयी 62 29<sup>०</sup>  
 गतिं तत्वेन चिन्तयन् 116 4<sup>०</sup>  
 गतिं प्राप सुदुर्लभाम् 19 37<sup>०</sup>  
 गतिं यात्यन्ति पार्थिवा 23 149<sup>०</sup>  
 गतिं येमतरिणीम् 43 18<sup>०</sup>  
 गतिं शमदमाख्याना 62 31<sup>०</sup>  
 गते कृणे ततो नन्दी 112 114<sup>०</sup>  
 गते चानङ्गता पुरा 99 46<sup>०</sup>  
 गते स्वेव मम वच 46 7<sup>०</sup>  
 गते देवकिनन्दने 93 2<sup>०</sup>  
 गते द्वादशवार्षिके 10 20<sup>०</sup>

गते यात्यन्ति यादवा 65 8<sup>०</sup>  
 गतेऽर्थे दुरतिक्रमे 78 31<sup>०</sup>  
 गतेऽर्धरात्रसमये 102 7<sup>०</sup>  
 गते शक्ते ततः कृष्ण 63 1<sup>०</sup>  
 गतेषु तेषु गोपेषु 50 26<sup>०</sup>  
 गतेऽह्नि पुनः सर्वा 107 17<sup>०</sup>  
 गतोऽन्तर्धानमीश्वर 47 57<sup>०</sup>  
 गतो वैवस्वतवश 105 21<sup>०</sup>  
 गत्वा गोपस्त्वमेव्यति 45 32<sup>०</sup>  
 गत्वा च शोणितपुर 105 12<sup>०</sup>  
 गत्वाग्निकं चरारोहा 9 8<sup>०</sup>  
 गत्वा वैष्णवमयात्तदा 5 44<sup>०</sup>  
 गत्वा स मिपिठां प्रभु 29 28<sup>०</sup>  
 गत्वा समुद्रं तेजस्वी 79 12<sup>०</sup>  
 गत्वा च जयानाश्वत् 81 37<sup>०</sup>  
 गदश्चास्मा सुवातुमी 25 7<sup>०</sup>  
 गदा कौमोदकी च 81 59<sup>०</sup>  
 गदा गदाभृता श्व 82 18<sup>०</sup>  
 गदा गुरोश्च दानवा 37 27<sup>०</sup>  
 गदा तस्यापरे करे 81 64<sup>०</sup>  
 गदानिपातेर्भग्नहा 37 28<sup>०</sup>  
 गदानिपातो रामस्य 82 17<sup>०</sup>  
 गदापरिघतोर्मर 112 94<sup>०</sup>  
 गदापरिघपुटेषु 79 22<sup>०</sup>  
 गदापरिघशक्तिना 43 71<sup>०</sup>  
 गदापरिघसप्त 33 5<sup>०</sup>  
 गदापाणिर्दृश्यत 34 16<sup>०</sup>  
 गदापाणिर्वस्थित 23 14<sup>०</sup>  
 गदामिश्रैव गुर्वीभि 81 78<sup>०</sup>  
 गदाभिस्तोमरैस्तथा 108 23<sup>०</sup>  
 गदामादाय चीरैवात् 81 86<sup>०</sup>  
 गदासुखस्य बाहुभि 38 32<sup>०</sup>  
 गदासुखलकाङ्क्षै 110 50<sup>०</sup>  
 गदायुद्धविभारदौ 82 16<sup>०</sup>  
 गदायुद्धं कुरुष्वति 90 13<sup>०</sup>  
 गदायुद्धं विधुतो 82 11<sup>०</sup>  
 गदाशिक्षा ततो दिव्या 29 28<sup>०</sup>  
 गदाशुलासिपोणय 108 49<sup>०</sup>  
 गदास्योगमिच्छति 68 26<sup>०</sup>  
 गदितो ये गदाभिस्ते 81 49<sup>०</sup>  
 गदे गृहीत्वा विक्रान्तौ 82 9<sup>०</sup>  
 गदे च कृतवर्मणि 87 45<sup>०</sup>  
 गदेन चेदिराजस्य 82 2<sup>०</sup>

गन्तव्यस्तेन दारुणः 65. 65<sup>१</sup>.  
 गन्तव्यं चापि नि सङ्गम् 109 36<sup>२</sup>.  
 गन्तव्या नात्र संतापः 3 20<sup>३</sup>.  
 गन्तुं भरतवार्द्ध 105. 5<sup>४</sup>.  
 गन्तुं घृन्दावनं प्रति 53 7<sup>५</sup>.  
 गन्तुं वैवस्वतक्षयम् 74 28<sup>६</sup>.  
 गन्तुं शक्यं महाभुज 109 78<sup>७</sup>.  
 गन्धकालीं यदास्त्रिनीम् 15. 39<sup>८</sup>.  
 गन्धमाद्भनपदेषु 21. 7<sup>९</sup>.  
 गन्धमाद्भनमेव च 103 15<sup>१०</sup>.  
 गन्धर्वरूपयश्चैव 61. 36<sup>११</sup>.  
 गन्धर्वनगराकारः 108 80<sup>१२</sup>.  
 गन्धर्वपतयस्तथा 107. 2<sup>१३</sup>.  
 गन्धर्वराजः प्रोवाच 118 23<sup>१४</sup>.  
 गन्धर्वराजोऽतिबलः 6 34<sup>१५</sup>.  
 गन्धर्वाणामधिपति 4. 7<sup>१६</sup>.  
 गन्धर्वाणां च याः कन्याः 91. 12<sup>१७</sup>.  
 गन्धर्वानमितौजसः 3. 93<sup>१८</sup>.  
 गन्धर्वाप्सरश्चैव 2 48<sup>१९</sup>. 43. 68<sup>२०</sup>.  
 गन्धर्वां मुनयस्तथा 31. 48<sup>२१</sup>.  
 गन्धर्वांसुरमुष्यानां 92. 23<sup>२२</sup>.  
 गन्धर्वैरप्सरोगणैः 31. 38<sup>२३</sup>.  
 गन्धर्वैरप्सरोभिश्च 23. 147<sup>२४</sup>.  
 गन्धर्वैः साप्सरोगणैः 2. 95<sup>२५</sup>. 6 33<sup>२६</sup>. 38 56<sup>२७</sup>.  
 गन्धर्वो नादृक्षता 23 148<sup>२८</sup>.  
 गन्धर्वैरगयक्षणां 44. 5<sup>२९</sup>.  
 गन्धर्वैरगरक्षसाम् 1. 2<sup>३०</sup>. 2 50<sup>३१</sup>. 3. 1<sup>३२</sup>. 107. 63<sup>३३</sup>.  
 गन्धर्वो चापविश्वतो 31 119<sup>३४</sup>.  
 गन्धाम्रावी द्विपविह 71 15<sup>३५</sup>.  
 गन्धांश्च हृदयंगमान् 83 22<sup>३६</sup>.  
 गन्धेन कमलस्य 55. 6<sup>३७</sup>.  
 गन्धैः कोटाहला वान्ति 54. 33<sup>३८</sup>.  
 गन्धोद्गममिवाकार्तं 107. 3<sup>३९</sup>.  
 गमनं ते महाराज 77. 20<sup>४०</sup>.  
 गमनाय च ते सञ्जा 69 28<sup>४१</sup>.  
 गमनाय सति चक्रे 109 87<sup>४२</sup>.  
 गमनायोपतस्थिरे 69 30<sup>४३</sup>.  
 गमिष्यति युगक्षये 115 32<sup>४४</sup>.  
 गमिष्यन्ति युगक्षये 116 17<sup>४५</sup>.  
 गमिष्यन्ति स्त्रियोऽन्यतः 116 39<sup>४६</sup>.  
 गमिष्यामः शिवाय वै 69 2<sup>४७</sup>.  
 गमिष्यामि यथागतम् 100 24<sup>४८</sup>.  
 गम्भीरमक्षोभ्यञ्जः 55. 41<sup>४९</sup>.

गम्यतां कीरवध्रेष्ठ 101. 16<sup>५०</sup>.  
 गम्यतां च यथासुखम् 83 49<sup>५१</sup>.  
 गम्यतां पुत्रकाक्षेति 12 27<sup>५२</sup>.  
 गम्यस्य तु यथा स्मृता 9 16<sup>५३</sup>.  
 गम्यं कृष्णं प्रजाजिनौ 2. 28<sup>५४</sup>.  
 गम्यं गां तथैव च 23 53<sup>५५</sup>.  
 गरिष्ठश्च गरिष्ठश्च 31. 75<sup>५६</sup>.  
 गरुडस्थेन चोरितक्तः 30. 17<sup>५७</sup>.  
 गरुडस्थो जगद्भनः 91. 41<sup>५८</sup>.  
 गरुडस्थो महाबाहुः 91. 47<sup>५९</sup>.  
 गरुडस्य च दर्शनात् 94 10<sup>६०</sup>.  
 गरुडस्य च सप्राप्ते 112 76<sup>६१</sup>.  
 गरुडस्योपरिस्थितम् 94 11<sup>६२</sup>.  
 गरुडं चैव पक्षिणाम् 4. 8<sup>६३</sup>.  
 गरुडं पततां श्रेष्ठ 92 19<sup>६४</sup>.  
 गरुडः कालनेमिनम् 38 48<sup>६५</sup>.  
 गरुडः पततां वरः 92. 43<sup>६६</sup>.  
 गरुडः यक्षगरिषुः 56 39<sup>६७</sup>.  
 गरुडानना खड्गमुखाः 31. 84<sup>६८</sup>.  
 गरुडेनाथ पक्षिण्य 112 81<sup>६९</sup>.  
 गरुडे पक्षिणां वरे 92 42<sup>७०</sup>.  
 गरुडमानिब यक्षगम् 108 79<sup>७१</sup>.  
 गरुडमानिब वीर्यवान् 88. 23<sup>७२</sup>.  
 गरुडामपक्षिणां श्रेष्ठ 62. 23<sup>७३</sup>.  
 गरुणैव सहाय्युतम् 10. 35<sup>७४</sup>.  
 गरुणैव सहाय्युतः 10. 28<sup>७५</sup>.  
 गरुरा ह्य मध्यन्तः 61. 42<sup>७६</sup>.  
 गर्गरीभिस्तत्ततः 53 23<sup>७७</sup>.  
 गर्गरीलम्भमूषेषु 53 25<sup>७८</sup>.  
 गर्गरेषु नदसु च 70 4<sup>७९</sup>.  
 गर्गरोद्गारमिखन् 49. 24<sup>८०</sup>.  
 गर्गरोद्गारहासिषु 59 55<sup>८१</sup>.  
 गर्गस्य हि सुतं बालं 22. 9<sup>८२</sup>.  
 गर्जतस्तस्य वाक्प्रौढाः 112. 67<sup>८३</sup>.  
 गर्जतीति जना विदुः 59. 13<sup>८४</sup>.  
 गर्जन्तमिव रोषदम् 33. 10<sup>८५</sup>.  
 गर्जमाने यथा घने 75. 3<sup>८६</sup>.  
 गर्जमाने यथा घने 74. 26<sup>८७</sup>.  
 गर्जितेन च मेघानां 61. 19<sup>८८</sup>.  
 गर्दभः परिरक्षति 57. 13<sup>८९</sup>.  
 गर्भकाले स्वसर्पेण 48. 11<sup>९०</sup>.  
 गर्भहृन्ननमेतन्मे 48. 46<sup>९१</sup>.  
 गर्भमाधत्त देवकी 48. 8<sup>९२</sup>.



गर्भमाधाय कश्यप ३ १०३<sup>१</sup>  
 गर्भमोक्षे यथामुग्धम् ४७ ३५<sup>६</sup>  
 गर्भस्यानामपि गति ४० २७<sup>०</sup>  
 गर्भस्यान्त्रो यथिष्यति ४७ २२<sup>६</sup>  
 गर्भस्ये यदि शक्यते ४६ १६<sup>६</sup>  
 गर्भे तद्दहरेषु तु ४८ १०<sup>६</sup>  
 गर्भे दुर्धरमप्युत्तम् २३ १०<sup>६</sup> ८५ १४<sup>६</sup>  
 गर्भे निवृत्तमात्रा ४८ ४<sup>६</sup>  
 गर्भान्मां परितोषय ४५ ३८<sup>६</sup>  
 गर्भान्मां भयविक्रुप ४८ २०<sup>६</sup>  
 गर्भान्मुद्रितमूर्धजा ४८ २१<sup>६</sup>  
 गर्भापक्वतनादीनि ०९ २३<sup>०</sup>  
 गर्भापसाने नट्टो चकार ३० १९<sup>६</sup>  
 गर्भास्ते तिर्यकमिता १० ५९<sup>६</sup>  
 गर्भास्ते सर्वे एष हि ४७ २<sup>६</sup>  
 गर्भे चेष्वर्था वातम् ३ १००<sup>६</sup>  
 गर्भेऽपि नियतो मृत्यु ४८ ४७<sup>६</sup>  
 गर्भो धापे कथयन् २० ३७<sup>६</sup>  
 गर्भोऽन्मसभरो ज्ञेय ३० ४१<sup>६</sup>  
 गर्भो तव वधाय वै ६५ ५०<sup>६</sup>  
 गर्भितापिद्वलाङ्गुल ६४ ३<sup>०</sup>  
 गर्भिता सुदृष्य दृष्टा ७८ १९<sup>६</sup>  
 गर्भिता यदुदेयं च ६६ १८<sup>०</sup>  
 गर्भवन्धात्महावया ॥ १००<sup>६</sup>  
 गर्वाभरित्वमापन्न ४४ ६९<sup>०</sup>  
 गर्वामिह हि शान्तये ६१ ५४<sup>६</sup>  
 गर्वास्तुद्वेज्जो मृदाम् ६४ ४<sup>६</sup>  
 गर्वामेव हि गोलाक ६२ ३२<sup>०</sup>  
 गर्वारोहेषु चपल ६४ ६<sup>०</sup>  
 गर्वा कारणतत्त्वज्ञ ४५ ३१<sup>०</sup>  
 गर्वा योपस्थ कामय ५६ ४३<sup>०</sup>  
 गर्वा धाप कदाचन ४९ १०<sup>६</sup>  
 गर्वा च गजविक्रम ६२ ३७<sup>६</sup>  
 गर्वा चैव परिक्षय ११६ १६<sup>०</sup>  
 गर्वा चैव सुखाय च ५३ ७<sup>६</sup>  
 गर्वा चैव सुखानन्दम् ५३ २<sup>६</sup>  
 गर्वा तत्कदन दृष्टा ६१ २६<sup>०</sup>  
 गर्वा त्राणाय दुर्मति ९६ ३९<sup>६</sup>  
 गर्वा त्राणायमिच्छता ९६ ३७<sup>६</sup>  
 गर्वा नीराज्जोस्तस्यै ६० ३४<sup>६</sup>  
 गर्वा पिशितभोजन ६७ ६<sup>०</sup>  
 गर्वा वाक्येन चोदित ६२ ३४<sup>६</sup>  
 गर्वा वै सप्तारतिकी ६२ १४<sup>६</sup>

गर्वा मरुतारकादिना ५३ ३२<sup>६</sup>  
 गर्वा मूर्धो गुरु मृत्यु ४२ ३७<sup>६</sup>  
 गर्वा हम्भारयाधित ६१ ५६<sup>६</sup>  
 गर्वा हम्भारयेण च ५३ ६<sup>०</sup>  
 गर्वा देवो प्रघातात् ६० १०<sup>६</sup>  
 गर्वेषुक्रुपिनद्वया ११० ३५<sup>६</sup>  
 गर्वेषुपण्य द्रुतम् ८७ ५९<sup>६</sup>  
 गर्वेषुपण्य मृत च ८७ ५७<sup>०</sup>  
 गर्वेषुपण्येपि वेष ११ ८७ ६५<sup>०</sup>  
 गर्वनानीद यान्वासन् ५२ १०<sup>६</sup>  
 गायत्र्या तपाश्रयम् १०० ६<sup>६</sup>  
 गायत्रीवचन्या वीभ्रसु १०१ ४<sup>६</sup>  
 गायत्री चामिना दत्तम् १०५ १७<sup>०</sup>  
 गाता चतुर्णां वेदानां ४४ ११<sup>६</sup>  
 गात्रया गात्रयुतश्च ०८ १२<sup>०</sup>  
 गात्रविन्दुश्च वीर्ययान् ०८ १२<sup>६</sup>  
 गात्राद्यागदिर प्रकृता ३७ ३८<sup>०</sup>  
 गात्रेभ्यस्तस्य जसिरे १ ३६<sup>६</sup>  
 गात्रेऽपि परिदग्ध वै ३ ३<sup>०</sup>  
 गात्रैर्विस्तृतभूषणे ७६ ३३<sup>६</sup>  
 गाथा जल्पन् गायन्ति ३१ १३६<sup>०</sup>  
 गाथा प्रति तमाहुकम् २७ १९<sup>६</sup>  
 गाथा प्रीतेर्महर्षिभि १३ ५६<sup>०</sup>  
 गान्धर्वै ब्रह्मणेऽस्तिके ९ २३<sup>०</sup>  
 गान्धारतनया हता १०५ १६<sup>०</sup>  
 गान्धारदेशगन्धिब २३ १३२<sup>०</sup>  
 गान्धारराज सुचक्र ८० १६<sup>०</sup>  
 गान्धारविषयो महान् २३ १३२<sup>६</sup>  
 गान्धारपिपति तथा ८७ ७<sup>६</sup>  
 गान्धारी चैव माद्री च २४ १<sup>०</sup> २८ ९<sup>०</sup>  
 गान्धारी जनयामास २४ १<sup>०</sup> २८ ९<sup>०</sup>  
 गान्धारी भरतभद्र ९३ ४४<sup>६</sup>  
 गान्धारी भुवि विख्याता ४३ ५२<sup>०</sup>  
 गान्धारीमायवहदीमान् ९७ १६<sup>०</sup>  
 गान्धारो नाम पार्थिव २३ १३२<sup>६</sup>  
 गान्धार्या विनियुज्यताम् ४३ ६३<sup>६</sup>  
 गायन्ति स रत्निप्रिया ५५ ३५<sup>६</sup>  
 गायन्तीत परिभुतम् २७ १२<sup>६</sup>  
 गायन्त्यला वराहना ६३ २९<sup>०</sup>  
 गायन्त्य कृष्णचरित ६३ २५<sup>०</sup>  
 गायन्त्य परमर्षिणा ९६ ४५<sup>०</sup>  
 गार्हपत्येन विधिना ३० २१<sup>०</sup>  
 गायत्र्य परिरक्षिता ८३ १७<sup>०</sup>

गावश्वाकाशगा दिवि 62 38<sup>१</sup>  
 गावस्ता सह यूयै 62 69<sup>३</sup>  
 गावस्तेनैव मां गेण 61 63<sup>२</sup>  
 गाव कृष्णसमीपगा 64 10<sup>१</sup>  
 गाव दीक्रवेमिता 61 22<sup>२</sup>  
 गावो गिरिवर सरा 59 30<sup>०</sup>  
 गावो गोवृषभेक्षण 55 27<sup>१</sup>  
 गावो वत्ससमाकुल्य 60 28<sup>१</sup>  
 गावो वासाश्च वत्सला 67 49<sup>३</sup>  
 गावो वर्धयराजिता 61 24<sup>१</sup>  
 गावो वर्धभयात्तीर्णा 63 3<sup>२</sup>  
 गावो वै वृषभेक्षण 113 43<sup>३</sup>  
 गावोऽसहृवत विद्धि 59 20<sup>०</sup>  
 गावो हि पूज्या सतत 59 61<sup>२</sup>  
 गावश्च ते रक्षतो विष्णो 45 41<sup>२</sup>  
 गावश्च सूर्यो रसात्मसो 38 74<sup>२</sup>  
 गावैव सविशेषत 59 57<sup>२</sup>  
 गावधैवाह्वयस्तु च 68 7<sup>१</sup>  
 गावस्तु वै जनयामास 3 91<sup>०</sup>  
 गावस्तु किं परिरक्षसि 63 7<sup>२</sup>  
 गावस्तु दिवि देववा 62 44<sup>२</sup>  
 गा गाव दासिन यथा 63 18<sup>२</sup>  
 गां गावा इव तोषदा 54 20<sup>२</sup>  
 गा गतायास्तवाज्ञया 43 33<sup>३</sup>  
 गादिर्नां नाम सा गां तु 24 7<sup>०</sup>  
 गादीपुत्रो महायवा 29 28<sup>२</sup>  
 गादीं तस्मास्तु गादीश्व 28 37<sup>१</sup>  
 गां क्षीर्मां समकाल्यद् 16 6<sup>३</sup>  
 गां प्रोक्षयिषा धर्मेण 17 10<sup>२</sup>  
 गा समयच्छ मे देव 113 41<sup>२</sup>  
 गिरयश्च वनानि च 59 20<sup>०</sup>  
 गिरिकुञ्जो द्रोद ह 114 10<sup>२</sup>  
 गिरिकृत्तमिवोष्णतम् 32 24<sup>३</sup>  
 गिरिक्षिपन्त्योपेक्ष 28 39<sup>०</sup>  
 गिरिणा कल्पमानेन 61 39<sup>२</sup>  
 गिरिणा पादपेन वा 31 43<sup>३</sup>  
 गिरिमध्ये महात्मना 105 13<sup>३</sup>  
 गिरिर्मुनिं स्थित दृष्ट्वा 60 21<sup>२</sup>  
 गिरियज्ञप्रयत्नेन 60 33<sup>०</sup>  
 गिरियज्ञं प्रति प्रभो 60 ४<sup>०</sup>  
 गिरियज्ञं वयं यने 59 28<sup>३</sup>  
 गिरियज्ञं प्रवर्तताम् 59 59<sup>३</sup>  
 गिरियज्ञा वयं गोपा 59 27<sup>२</sup>

गिरिरत्नाभिरिज्यताम् 59 59<sup>२</sup>  
 गिरिरत्नाभिरिज्यताम् 61 35<sup>२</sup>  
 गिरिरत्नाभिरिज्यताम् 45 35<sup>२</sup>  
 गिरिभूत्वा समयुते 60 18<sup>२</sup>  
 गिरिशृङ्गमिषेयुद् 110 50<sup>२</sup>  
 गिरिशृङ्गप्रदतार 43 71<sup>०</sup>  
 गिरिशृङ्गं व्यवारयत् 110 62<sup>२</sup>  
 गिरिशृङ्गोपम वही 76 3<sup>३</sup>  
 गिरिं गोवर्धन रम्ब 57 2<sup>०</sup>  
 गिरिं च परिवार्य ह 61 51<sup>३</sup>  
 गिरि सन्धेन पाणिना 61 30<sup>२</sup>  
 गिरि स क्षिप्रैरुत्त 61 47<sup>२</sup>  
 गिरि सुप्रमया गिरा 60 24<sup>३</sup>  
 गिरिणा क्षिप्रराणि च 68 27<sup>२</sup>  
 गिरिणा क्षिप्रपाणिनाम् 4 6<sup>३</sup>  
 गिरि सन्धिराशुभि 82 10<sup>२</sup>  
 गिरिगोभि समाकुल 60 16<sup>२</sup>  
 गिरिमेव प्रविष्टानि 61 38<sup>०</sup>  
 गिरि शृङ्गं द्विधा कुरु 91 57<sup>२</sup>  
 गिरि काष्ठजरेऽप्युत्त 16 26<sup>२</sup>  
 गिरिमन्सरसा तदा 107 4<sup>२</sup>  
 गिरि सनत्कुमारेण 11 7<sup>०</sup> 15 66<sup>०</sup>  
 गिरिमेव ब्रह्मवादिभि 31 149<sup>२</sup>  
 गिरिमेव ब्रह्मवादिभि 48 17<sup>२</sup>  
 गिरिमेव परममन्त्राभि 34 47<sup>२</sup>  
 गुणकाय वर ददौ 71 19<sup>३</sup>  
 गुणको नाम वरासीत् 71 16<sup>२</sup>  
 गुणदुःखा तु भयवान् 10 9<sup>०</sup>  
 गुणशीलाभिजित 107 74<sup>०</sup>  
 गुणहीना प्रमास्त 117 3<sup>३</sup>  
 गुणादेवावृधस्ताप 27 12<sup>०</sup>  
 गुणास्तप्येन कर्मणा 117 48<sup>२</sup>  
 गुणेषु दुष्टतृत्ताना 78 12<sup>२</sup>  
 गुणेषु परिवर्तताम् 117 43<sup>३</sup>  
 गुणे वर्माभिनिर्गति 117 48<sup>२</sup>  
 गुणोपेता कुलोद्भवा 88 40<sup>२</sup>  
 गुप्तदीर्घवराजिवत् 81 100<sup>२</sup>  
 गुप्त राक्षसकोटीभि 31 123<sup>०</sup>  
 गुप्तो बलाहकगणै 34 6<sup>०</sup>  
 गुप्तं वासगानु 79 21<sup>२</sup>  
 गुरुकर्मसु घोषता 65 14<sup>३</sup>  
 गुरुणा मे हता इति 45 22<sup>२</sup>  
 गुरुपुत्र तदाप्युत्त 79 15<sup>२</sup>

गोपा गोधनजीविन 59 20<sup>4</sup>  
 गोपा गोपस्त्रियश्च ता 67 45<sup>5</sup>  
 गोपानामपि मे राज्ये 76 19<sup>4</sup>  
 गोपाना क्रन्दिनेन च 67 15<sup>4</sup>  
 गोपाना तद्वच धुरग 67 23<sup>4</sup>  
 गोपाना तुमुलो जये 61 56<sup>4</sup>  
 गोपाना नन्दिबधेन 56 27<sup>5</sup>  
 गोपाना भयवर्धना 52 33<sup>4</sup>  
 गोपाना वचन श्रुता 68 10<sup>4</sup>  
 गोपाना विपुल धनम् 60 27<sup>4</sup>  
 गोपाना हर्षवधेन 60 15<sup>4</sup>  
 गोपाना हर्षवर्धनी 60 2<sup>5</sup>  
 गोपान्कृष्ण सनाताय 67 68<sup>4</sup>  
 गोपान्बुद्धान्समानीय 69 1<sup>4</sup>  
 गोपाभ्या रक्तसन्निधौ 72 21<sup>5</sup>  
 गोपा मार्गगता भानि 53 17<sup>4</sup>  
 गोपा मुदितमानसा 55 25<sup>4</sup>  
 गोपायन य कुर्वते 30 7<sup>4</sup>  
 गोपायसि यथा सात 49 7<sup>4</sup>  
 गोपालहृत्तक्षण 45 39<sup>5</sup>  
 गोपालरूपं गोपा 58 15<sup>4</sup>  
 गोपालवसति गते 45 42<sup>5</sup>  
 गोपालयेपमास्याय 58 13<sup>4</sup>  
 गोपालास्त्वपरे गात्र 60 33<sup>4</sup>  
 गोपालास्त्वपरे तिता 58 21<sup>4</sup>  
 गोपालास्त्वपरे ब्रह्म 58 20<sup>4</sup>  
 गोपालांश्च यतोदयान् 63 17<sup>4</sup>  
 गोपाला कृष्णमेवान्ये 55 25<sup>4</sup>  
 गोपाला सर्व एव ते 56 14<sup>4</sup>  
 गोपाली रज्ज्वरास्त्र 25 10<sup>4</sup> 85 14<sup>4</sup>  
 गोपालिरपरे सह 58 20<sup>4</sup>  
 गोपालैर्दशकालैश्च 83 19<sup>4</sup>  
 गोपालै कृष्णपक्षीये 58 21<sup>4</sup>  
 गोपालै श्रीद्विनालयम् 49 26<sup>4</sup>  
 गोपालै सह क्रीडितुम् 52 8<sup>4</sup>  
 गोपालै सहितायुजौ 58 11<sup>4</sup>  
 गोपालो यादव वरा 68 28<sup>4</sup>  
 गोपा यमनिवासिन 57 25<sup>4</sup>  
 गोपा यमविचारिण 51 28<sup>4</sup>  
 गोपायेतो समानांघात 76 18<sup>4</sup>  
 गोपास्त पर्यगारयन् 50 25<sup>4</sup>  
 गोपांश्चायस्यवद्वान् 61 25<sup>4</sup>  
 गोपांश्चोत्सवलायाम् 59 2<sup>4</sup>

गोपास्तेनैव विधिना 83 4<sup>4</sup>  
 गोपीना गर्गरीमिश्र 53 15<sup>4</sup>  
 गोपीना जनितास्वयम् 49 25<sup>4</sup>  
 गोपीना मार्गगामिनी 53 16<sup>4</sup>  
 गोपीना सुखसचार 52 23<sup>4</sup>  
 गोपीमिश्र समन्तत 53 28<sup>4</sup>  
 गोपीमि परिगीयते 51 36<sup>4</sup>  
 गोपीषु च यथाकाम 52 31<sup>4</sup>  
 गोपेषु महदद्भुतम् 51 27<sup>4</sup>  
 गोपेषु मुदितेषु च 65 4<sup>4</sup>  
 गोपैरभ्यागतैस्तथा 68 8<sup>4</sup>  
 गोपैरायुष्यमाणसु 70 5<sup>4</sup>  
 गोपैर्मथितपादपम् 52 9<sup>4</sup>  
 गोपैर्धूमप्रकल्पित 61 57<sup>4</sup>  
 गोपैर्धूमप्रकरवृक्षम् 53 29<sup>4</sup>  
 गोपै सर्वै समन्वित 65 84<sup>4</sup>  
 गोपै सह घनेचर 78 35<sup>4</sup>  
 गोपो वाक्यमुवाच ह 59 4<sup>4</sup>  
 गोप्तारश्चाप्यगोप्तार 117 31<sup>4</sup>  
 गोप्यस्त दृष्टुं विप्रसु 51 20<sup>4</sup>  
 गोप्ताद्यजपरिग्राणात् 45 30<sup>4</sup>  
 गोभानोस्तु सुतो राजा 23 123<sup>4</sup>  
 गोभिल्लोकश्च रक्षित 62 39<sup>4</sup>  
 गोभिरतृणनिमग्नानि 49 17<sup>4</sup>  
 गोभि समवकीर्णसु 70 4<sup>4</sup>  
 गोभि सह पतिव्रतम् 55 17<sup>4</sup>  
 गोभि सूर्यस्य वारिद 59 17<sup>4</sup>  
 गोमत्या सम्बन्धेनयत् 23 60<sup>4</sup>  
 गोवध क्षीयधोऽपि वा 65 63<sup>4</sup>  
 गोवर्धनधर श्रीमान् 63 1<sup>4</sup>  
 गोवर्धनमनोपयो 49 16<sup>4</sup>  
 गोवर्धनदिष्ठातले 62 3<sup>4</sup>  
 गोवर्धनस्यानुसरी 58 7<sup>4</sup>  
 गोवर्धनस्योत्तरत 57 3<sup>4</sup>  
 गोवर्धनो यथा रम्य 54 25<sup>4</sup>  
 गोवर्धनेऽपि ये वृक्षा 52 11<sup>4</sup>  
 गोविन्द इति लोकास्त्वा 62 43<sup>4</sup>  
 गोविन्दसुखपालितम् 100 9<sup>4</sup>  
 गोविन्दमरविन्दान् 67 26<sup>4</sup>  
 गोविन्दरामौ सप्रसौ 79 31<sup>4</sup>  
 गोविन्दस्य महाराज 101 3<sup>4</sup>  
 गोविन्द ददतु बुद्धा 88 6<sup>4</sup>  
 गोविन्द विनितै ररै 88 8<sup>4</sup>

गोविन्द पुरुषोत्तमम् 104 25<sup>d</sup>  
 गोविन्दगमनेऽस्यर्थ 79 29<sup>o</sup>  
 गोविन्दमिमुखो ययो 67 16<sup>d</sup>  
 गोविन्दे चैव समाने 86 39<sup>o</sup>  
 गोविन्देन हत दृष्ट्वा 64 32<sup>o</sup>  
 गोविन्देनाभिपूजित 86 53<sup>d</sup>  
 गोविन्देनोपलक्षित 102 19<sup>d</sup>  
 गोविन्द समुपस्थिते 79 39<sup>d</sup>  
 गोविन्दो न च तं लेभे 28 14<sup>o</sup>  
 गोवृष ॥ गवामपि 4 9<sup>o</sup>  
 गोमज्ज गोपनादितम् 49 29<sup>o</sup>  
 गोमज्ज गोहृतश्चि 49 21<sup>o</sup>  
 गोमजे नन्दगोपस्य 50 1<sup>o</sup>  
 गोपु चापि कृतो यावत् 92 13<sup>o</sup>  
 गोपु चैव जनाङ्गन 82 55<sup>d</sup>  
 गोपु चैव प्रहृष्टासु 62 50<sup>o</sup>  
 गोपु तिष्ठति भूतले 45 34<sup>d</sup>  
 गोपु प्रावाप्तु च तथा 65 3<sup>o</sup>  
 गोपु नागेन्द्रविग्रमी 57 26<sup>o</sup>  
 गोपु यद्यस्ति यो वृषा 60 24<sup>d</sup>  
 गोपु वरसेष्वयो नृपु 52 31<sup>o</sup>  
 गोष्ठान्धपरिधावति 64 7<sup>d</sup>  
 गोष्ठश्च परिधावत 45 43<sup>d</sup>  
 गोष्ठेषु गोम्यो वरसेभ्य 49 11<sup>o</sup>  
 गोष्ठेषु न रतिं लेभे 64 9<sup>o</sup>  
 गोष्ठेष्वदति रूपिणी 59 55<sup>d</sup>  
 गौतमोऽथ भरद्वाज 7 30<sup>o</sup>  
 गौरवात्तव पागत 62 34<sup>d</sup>  
 गौरीं नाम पतिप्रताम् 8 82<sup>o</sup>  
 गौर्नाम दिवि विश्रुता 13 52<sup>o</sup>  
 गौर्मेवा प्राद्वयमही 5 43<sup>o</sup>  
 प्रसन्नित स्म महारमन 112 36<sup>d</sup>  
 प्रसितुं किं पुनर्नैजम् 61 55<sup>o</sup>  
 प्रसन्नानिति माधव 79 14<sup>d</sup>  
 प्रस्य स्वर्मांनुना सूर्य 66 29<sup>o</sup>  
 प्रहृत्वं स तु हृदयत्रात् 8 44<sup>d</sup>  
 प्रहनक्षप्रवचुरे 32 27<sup>o</sup>  
 प्रहनक्षप्रदासिनी 37 17<sup>d</sup>  
 प्रहीतुमहसुरमहे 22 24<sup>d</sup>  
 प्रहीतु वररुतारो 96 50<sup>o</sup>  
 प्रहातु यागधर्मिणम् 85 39<sup>d</sup>  
 प्रहीतुं समुपागतम् 96 40<sup>d</sup>  
 प्रहीर्यति ॥ वासव 47 47<sup>o</sup>

आमणी सर्वदेवानाम् 34 3<sup>o</sup>  
 आमाणा वा तद्भाभवत् 10<sup>d</sup>  
 आमाम्भोगाश्च पुष्कलान् 18 31<sup>o</sup>  
 आमालुतद्वै राष्ट्रैश्च 41 22<sup>o</sup>  
 आमा शतसहस्रश 41 21<sup>d</sup>  
 आम्यान्धधर्मान्वेषता 44 36<sup>d</sup>  
 आम्याश्च विपयाश्चैव 30 52<sup>o</sup>  
 प्राह्या एतमित्याश्च 118 38<sup>d</sup>  
 गृह्य एको ममापर 89 35<sup>o</sup>  
 गृह्य तस्य महारमन 89 29<sup>d</sup>

घ

घटयानो नरेन्द्राणां 46 30<sup>o</sup>  
 घटान्दिव्यपयोधरान् 62 68<sup>d</sup>  
 घट्टवामास पार्थिवम् 85 49<sup>o</sup>  
 घण्टाभिश्च प्रलम्बाभि 59 58<sup>o</sup>  
 घण्टामालाकुला रणे 108 71<sup>d</sup>  
 घण्टामालाकुला शक्ति 112 43<sup>o</sup>  
 घननीलाशुदागमे 37 15<sup>d</sup>  
 घन चक्रेण पादितम् 104 5<sup>o</sup>  
 घर्मदोषपरित्यक्त 54 40<sup>o</sup>  
 घर्ममाप्ति निरामये 53 33<sup>o</sup>  
 घर्मांस्ते तोयदो व्योम्नि 108 26<sup>o</sup>  
 घर्मांस्तेष्विव तोयदा 109 37<sup>d</sup>  
 घर्मांस्ते सागरगत 81 34<sup>o</sup>  
 घर्मांपाये यथा घन 74 31<sup>d</sup>  
 घातनीभिश्च गुर्वाभि 37 11<sup>d</sup>  
 घातयित्वारमन शत्रु 85 65<sup>o</sup>  
 घृणया वा विसर्जित 23 61<sup>o</sup>  
 घृतपर्णेपु कुम्भेषु 10 60<sup>o</sup>  
 घृतस्तेस्वार्मभोजोऽभवत् 23 133<sup>d</sup>  
 घृतानु दुदुहो जहे 23 133<sup>o</sup>  
 घोरादा भयावहा 61 8<sup>o</sup>  
 घोराभावीविपे हृष्य 85 30<sup>o</sup>  
 घोरेणा महावेगा 112 70<sup>o</sup>  
 घोरेणा भयावहाम् 108 71<sup>d</sup>  
 घोरें घालयन दैत्य 44 72<sup>o</sup>  
 घोरें मधुवनं नाम 44 23<sup>o</sup>  
 घोरे वनमुपाश्रित 44 26<sup>o</sup>  
 घोरा नरवरक्षया 105 22<sup>o</sup>  
 घोरा निर्द्वन्द्वकाणि 32 14<sup>o</sup>  
 घोरा वृक्षमुपाश्रया 31 82<sup>d</sup>  
 घोराश्रित्यनघस्य 52 30<sup>o</sup>

घोरिण तमसाविष्टा 35 14<sup>a</sup>  
 घोरिण तमसा वृता 32 19<sup>a</sup>  
 घोषमेव जगाम ह 51 35<sup>a</sup>  
 घोषयन्त्यपरे जना 75 34<sup>a</sup>  
 घोषरथ्यास्तु सर्वदा 70 8<sup>a</sup>  
 घोषवृद्धा समागता 53 6<sup>a</sup>  
 घोषस्यास्य न विद्यते 51 33<sup>a</sup>  
 घोषस्यैवाग्रावर्षी 51 28<sup>a</sup>  
 घोष सागरघोषवान् 53 4<sup>a</sup>  
 घोषाणां भूषण वनम् 50 16<sup>a</sup>  
 घोषावासेषु धुमेषु 68 3<sup>a</sup>  
 घोषे तम्राकृतैर्धरै 53 10<sup>a</sup>  
 घोषे दामोदर इति 51 36<sup>a</sup>  
 घोषे निवसतस्तदा 51 37<sup>a</sup>  
 घोषोऽय नगरायते 52 15<sup>a</sup>  
 मृता पापमिम वात 67 48<sup>a</sup>  
 मृत्वि तन्निव कुर्वन्तान् 59 20<sup>a</sup>  
 मृत्वि देवान्सगन्धर्वान् 32 11<sup>a</sup>  
 च  
 चक्रमे बासवकदा 118 13<sup>a</sup>  
 चक्रमे पातुर्दयका 87 14<sup>a</sup>  
 चक्रप च महारत्ने 76 35<sup>a</sup>  
 चक्रप यमुना राम 83 32<sup>a</sup>  
 चक्रार च शरोद च 50 6<sup>a</sup>  
 चक्रार च हल इस्ते 83 30<sup>a</sup>  
 चक्रार चोदितो यत्न 74 23<sup>a</sup>  
 चक्रार नगर्भी धुन 31 29<sup>a</sup>  
 चक्रार तप उत्तमम् 31 32<sup>a</sup>  
 चक्रार तस्या प्रर्षा वै 86 43<sup>a</sup>  
 चक्रार वैद्याः सलिशायस्त्वान् 30 20<sup>a</sup>  
 चक्रार निर्वृपं घोषं 64 11<sup>a</sup>  
 चक्रार त्रिपमापगा 27 7<sup>a</sup>  
 चक्रार चन्द्रवर्चनम् 81 8<sup>a</sup>  
 चक्रार मधुरां वीर 79 2<sup>a</sup>  
 चक्रार मिथ्या पविशद्वितरामा 118 39<sup>a</sup>  
 चक्रार रोप सखल 81 68<sup>a</sup>  
 चक्रार बायोराद्वान 86 63<sup>a</sup>  
 चक्रार स महामुर 108 62<sup>a</sup>  
 चक्रार सद कृष्णेन 78 40<sup>a</sup>  
 चक्राराममुखेशायम् 37 54<sup>a</sup>  
 चक्रारामवशानुगम् 37 64<sup>a</sup>  
 चक्रारामवशो दीपान् 37 55<sup>a</sup>  
 चक्राराशिमैदायता 20 46<sup>a</sup>

चक्रारानिर्दिष्टं वाय 108 69<sup>a</sup>  
 चक्रारामिप्रदक्षिणम् 20 14<sup>a</sup>  
 चक्राराम्यधिक खेद 18<sup>a</sup>  
 चक्रारारण्यध्वजम् 67 27<sup>a</sup>  
 चक्रारार्तो रास ह 74 34<sup>a</sup>  
 चक्रारारोगमोन 62 7<sup>a</sup>  
 चक्रारो काननावृतम् 53 30<sup>a</sup>  
 चक्रारदेवे सुनक्षत्रे 87 45<sup>a</sup>  
 चक्रारदेवो दन्तवक्त्र 87 61<sup>a</sup>  
 चक्रारद्विधावृत वल 91 57<sup>a</sup>  
 चक्रारपटनजा घोरा 112 122<sup>a</sup>  
 चक्रारदन्धमकारयन् 50 19<sup>a</sup>  
 चक्रमपतिचक्रस्य 112 40<sup>a</sup>  
 चक्रमुद्यम्य समरे 38 44<sup>a</sup>  
 चक्रारङ्गलपातैश्च 112 3<sup>a</sup>  
 चक्रारवर्ती सुतो जज्ञे 23 49<sup>a</sup>  
 चक्रारवाक्त्रवमागमा 18 27<sup>a</sup>  
 चक्रारवाक्त्रवतया 55 33<sup>a</sup>  
 चक्रारवाक्त्रवतया 59 37<sup>a</sup>  
 चक्रारवाक्त्रा सतिहृदि 19 18<sup>a</sup>  
 चक्रारवाक्त्रो मुखस्य 83 36<sup>a</sup>  
 चक्रारवारिररुह 63 35<sup>a</sup>  
 चक्रारक्षिपति शत्रुषु 38 13<sup>a</sup>  
 चक्रारचक्रगदाधर 34 36<sup>a</sup>  
 चक्रारजग्राद् धीर्वेवान् 112 39<sup>a</sup>  
 चक्रारते दर्पवामन 112 92<sup>a</sup>  
 चक्रारभूय सेतुकाम 112 106<sup>a</sup>  
 चक्रारते तस्य नाम ह 114 13<sup>a</sup>  
 चक्रारते वेदसहिता 115 9<sup>a</sup>  
 चक्रारनुयाते सहितान् 97 18<sup>a</sup>  
 चक्रारमुष करोम्यहम् 111 10<sup>a</sup>  
 चक्रारानुधामन क्रुद्ध 99 26<sup>a</sup>  
 चक्रारस्य हवापाति 61 50<sup>a</sup>  
 चक्रारि विमिशोपव 89 23<sup>a</sup>  
 चक्रारर्क प्रदक्षिणम् 32 35<sup>a</sup>  
 चक्रारानिर्दिष्ट वरम् 33 30<sup>a</sup>  
 चक्रारगोपा द्वित्रै सह 60 17<sup>a</sup>  
 चक्रार्यादवसत्तमा 86 19<sup>a</sup>  
 चक्रारवाक्त्रपरिमदान् 86 11<sup>a</sup>  
 चक्रारवै प्रदक्षिणम् 50 41<sup>a</sup>  
 चक्रारस्ते जलदास्त्वामा 61 9<sup>a</sup>  
 चक्रारस्ते तस्य सत्क्रियाम् 78 43<sup>a</sup>  
 चक्रारस्ते यदुत्तमम् 78 42<sup>a</sup>

चक्रु सर्वे तथा च ते 86 61'  
 चक्रे चक्रगदाधर 113 47'  
 चक्रे चक्रवृता वर 30 6'  
 चक्रे चित्ररथ प्रभु 4 7'  
 चक्रेण पुरुषोत्तम 97 7'  
 चक्रे तालस्वन प्रभु 74 26'  
 चक्रे निवेश सौमित्रि 44 45'  
 चक्रे सुरेश पुरुहूतमेव 30 30'  
 चक्रेश्च दैत्यप्रवरा 33 30'  
 चक्रेश्च सपरश्वधै 37 9'  
 चक्रोचित हृवेद्यते 68 26'  
 चक्रोद्यतकर दृष्ट्वा 112 97'  
 चक्रुर्दत्ता सविज्ञान 13 74'  
 चक्रुर्दिश्य सविज्ञान 13 72' 15 1'  
 चक्रुषा कोधवीर्य 85 42'  
 चक्रुष्मन्तो हि तथैव 12 26'  
 चक्षार च यथोद्देशम् 94 16'  
 चक्षार सङ्गनवर 55 1'  
 चक्षार सुविमानप्रभु 55 12'  
 चक्षार नगदृष्टेयु 73 11'  
 चक्षार परम धर्मम् 28 8'  
 चक्षार मन्ये देवाना 34 22'  
 चक्षार खचर कृष्ण 55 39'  
 चक्षार विपुल तप 9 96' 22 41' 27 6'  
 चक्षार समर वीर 81 67'  
 चक्षारान्त पुरद्वत 18 2'  
 चक्षाल धरणीधर 61 33'  
 चक्षालान्त पुर दर्भ 71 45'  
 चक्षद्विभुस्रणाविदा 32 14'  
 चक्षुर्धन्ते स ते सुखम् 57 25'  
 चक्षुर्धन्तौ रमन्तौ स 52 7'  
 चक्षुर्धुश्च ज्ञातृत्वचित् 55 11'  
 चण्ड करकचि सदा 44 65'  
 चतस्रश्च दिश सर्वा 104 15'  
 चतस्रो जशिरे तेषां 98 7'  
 चतस्रोऽरिष्टनेमये 3 24'  
 चतस्रो विद्युत स्मृता 3 54'  
 चतुरङ्गबल न्यूह 81 51'  
 चतुरङ्गवैयुक्ता 41 8'  
 चतुरङ्गस्य पुत्रस्तु 23 38'  
 चतुरङ्गो महायशा 23 37'  
 चतुरस्तान्पुरीषत 23 47'  
 चतुर परस्वनात् 22 31'

चतुरो नियतान्वर्णान् 23 30'  
 चतुरोऽन्याद्विबोध मे 13 50'  
 चतुरो बालकान्गृह्य 103 26'  
 चतुरो भूरितेजस 23 140'  
 चतुरोऽलभतात्मजात् 27 16'  
 चतुर्णामपि सयुगे 110 40'  
 चतुर्णां तु पिता योऽसौ 19 13'  
 चतुर्थं चैतदन्तरम् 7 21'  
 चतुर्थं तु निबोध मे 13 61'  
 चतुर्थं ते वर दत्ति 112 124'  
 चतुर्थ्या हि धर्मस्य 101 9'  
 चतुर्दश वने तस्या 31 118'  
 चतुर्दश धमेजसत् 31 116'  
 चतुर्दश सदृशाणि 91 13'  
 चतुर्दशैते मन्त्र 7 49'  
 चतुर्दशशतबाहु 109 82'  
 चतुर्दशानि चत्वारि 86 17'  
 चतुर्द्विगुणपागास 32 23'  
 चतुर्धा तेजसो मार्ग 65 43'  
 चतुर्धा प्रभुरीश्वर 31 111'  
 चतुर्धा विदुषे तदा 37 51'  
 चतुर्धा विमज्जिष्यति 13 36'  
 चतुर्धा स्वा गति जगु 40 14'  
 चतुर्भिर्विद्युषो वारै 87 56'  
 चतुर्भिश्चतुर वारै 88 13'  
 चतुर्भिः सागरेगुप्त 34 12'  
 चतुर्भुगास्तपयामि 32 17'  
 चतुर्भुगेनो लोकान् 58 45'  
 चतुर्भुजा रथभेन् 87 31'  
 चतुर्भुवनमापतम् 93 37'  
 चतुर्विधे युगे चापि 31 110'  
 चतुर्वेदपट्टवित् 109 82'  
 चतुर्भु युक्ताश्चत्वार 34 19'  
 चतुश्च सुवपुष 33 2'  
 चतुश्चरणसंस्थित 100 34'  
 चतुष्पादप्रवृत्त च 117 42'  
 चतुष्पाद धनुर्वेदे 79 6'  
 चतुःसाधरभोगस्तस्य 58 45'  
 चत्वराराजमागोश्च 86 7'  
 चत्वरोद्धारदासिनी 44 56'  
 चत्वारश्चत्वरण्डजा 17 5'  
 चत्वारश्च प्रजापते 7 39'  
 चत्वारस्तस्य चामराज 23 118'

चत्वारिंशदशोपमा 27 28<sup>5</sup>  
 चत्वारस्ववरोपिता 10 49<sup>5</sup>  
 चत्वार प्रथितौजस 3 59<sup>5</sup>  
 चत्वार सप्तका गणा 7 36<sup>5</sup>  
 चत्वार सागरा ह्यस्या 86 33<sup>5</sup>  
 चत्वारिंशदधाष्टौ च ■ 41<sup>5</sup>  
 चत्वारोऽपि तद्वर्तिन 18 25<sup>5</sup>  
 चत्वारोऽप्ये यदीयस 85 57<sup>5</sup>  
 चत्वारोऽपि सप्तमन्त 112 20<sup>5</sup>  
 चत्वारो ब्रह्मण सुता 110 33<sup>5</sup>  
 चत्वारो मनव स्मृता 7 5<sup>5</sup>  
 चत्वारो मूर्तिमन्तो वै 13 4<sup>5</sup>  
 चत्वारो योगधर्मिण 18 13<sup>5</sup>  
 चत्वारो लोकसमता 15 17<sup>5</sup>  
 चत्वारो विहिता मन 62 45<sup>5</sup>  
 चत्वार्येकानि तेजासि 81 60<sup>5</sup>  
 चन्द्रनागरुकाद्यानि 92 16<sup>5</sup>  
 चन्द्रनागरुगीतेन 83 24<sup>5</sup>  
 चन्द्रमाभिर्विमल 34 49<sup>5</sup>  
 चन्द्रभास्करतेजसा 37 16<sup>5</sup>  
 चन्द्रमाश्च सनस्रज 41 14<sup>5</sup>  
 चन्द्रमाश्चेन्द्रतापन 3 61<sup>5</sup>  
 चन्द्रवक्त्रा चतुर्भुजा 48 30<sup>5</sup>  
 चन्द्रसापस्यभूतेन 47 42<sup>5</sup>  
 चन्द्रसूर्यप्रहासशान् 37 58<sup>5</sup>  
 चन्द्रसूर्यद्वय उद्योति 30 32<sup>5</sup>  
 चन्द्रसूर्यादिराम्बरे 31 6<sup>5</sup>  
 चन्द्रसूर्याभिरहित 61 16<sup>5</sup>  
 चन्द्रहन्ता क्रोधहन्ता 31 74<sup>5</sup>  
 चन्द्रं चतु प्रदक्षिणम् 32 35<sup>5</sup>  
 चन्द्राम्नात्त इवाग्नुद 58 24<sup>5</sup>  
 चन्द्राकाशितराननम् 49 1<sup>5</sup>  
 चन्द्रादित्यावहोरात्रे 104 20<sup>5</sup>  
 चन्द्रादित्याधियाचलम् 79 38<sup>5</sup>  
 चन्द्रादिर्यौ खानन्तरे 31 89<sup>5</sup>  
 चन्द्रापीडश्च नृपति 114 2<sup>5</sup>  
 चन्द्रापीडश्च पुत्रार्णो 114 3<sup>5</sup>  
 चन्द्रार्ककिरणोपेत 32 24<sup>5</sup>  
 चन्द्रार्कचक्रचिते 32 26<sup>5</sup>  
 चन्द्रार्धकिरणैर्वन 67 38<sup>5</sup>  
 चन्द्रार्धविम्बसयुक्त 75 8<sup>5</sup>  
 चन्द्रार्धोकारसंस्थितम् 53 21<sup>5</sup>  
 चन्द्रांशुश्ले वसते 44 8<sup>5</sup>

चन्द्रो वसति धार्मिकीम् 54 23<sup>5</sup>  
 चपल क्रोधनो नृपु 73 2<sup>5</sup>  
 चपल श्वेतवाहन 36 8<sup>5</sup>  
 चपला क्षिप्रकारिणी 86 19<sup>5</sup>  
 चमरव्यजन चापि 19 16<sup>5</sup>  
 चमसोल्लुखलानि च 31 7<sup>5</sup>  
 चम्पल तु पुरी चम्पा 23 38<sup>5</sup>  
 चम्पो नाम मद्वायक्षा 23 38<sup>5</sup>  
 चयमूर्ति निविष्टेन 93 12<sup>5</sup>  
 चयाहलकृत्पूरा 44 56<sup>5</sup> 86 42<sup>5</sup>  
 चरण पततामिप 8 20<sup>5</sup>  
 चरणाग्रनखैरुत्था 112 77<sup>5</sup>  
 चरणाभ्यामरिंदम 68 25<sup>5</sup>  
 चरणौ ते हस्तपुच 83 46<sup>5</sup>  
 चरतकस्य सग्रामे 110 60<sup>5</sup>  
 चरता मादनेन च 61 6<sup>5</sup>  
 चरता सहचारिणाश्च 16 34<sup>5</sup>  
 चरते वायुदीरिता 112 69<sup>5</sup>  
 चरत्त्वचिबळो युद्धे 110 51<sup>5</sup>  
 चारुयुत्तारयन्त्रज्ञा 44 72<sup>5</sup>  
 चरन्ति बहुधा तदा 113 52<sup>5</sup>  
 चरन्ति सागरास्त्वर्त्तार 45 24<sup>5</sup>  
 चरन्ति सा सुख गाव 57 24<sup>5</sup>  
 चरन्त्ययुतस्रो जले 100 38<sup>5</sup>  
 चरमागतयो दीप्त 31 108<sup>5</sup>  
 चराचरगुरु श्रीमान् 31 39<sup>5</sup>  
 चाचरस्य सर्वस्य 6 38<sup>5</sup>  
 चराम सदिवा योमि 52 20<sup>5</sup>  
 चराम्येक क्षपापाये 100 32<sup>5</sup>  
 चरा कृष्ण प्रयुज्यन्ताम् 109 32<sup>5</sup>  
 चरित च महापुते 31 12<sup>5</sup>  
 चरित तस्य विप्रन्द्र 39 6<sup>5</sup>  
 चरित चासुधेवस्य 85 1<sup>5</sup>  
 चरित स्वप्रभावजम् 40 21<sup>5</sup>  
 चरिष्णुरादरो ण्णुश्च 7 45<sup>5</sup>  
 चरिष्यामि शृणु सद् 78 26<sup>5</sup>  
 चरेव पृथिवीमिमाम् 22 22<sup>5</sup>, 32<sup>5</sup>  
 चरेषु स्थावरेषु च 70 36<sup>5</sup>  
 चतुर्कामो यथासुखम् 67 50<sup>5</sup>  
 चर्मणा व्यवपूय त 108 62<sup>5</sup>  
 चर्मचुच्चारिवर्मो च 28 40<sup>5</sup>  
 चर्मचुच्चारिवर्मो च 24 10<sup>5</sup>  
 चर्म शाङ्ग तथा चाप 110 5<sup>5</sup>





चित्रकल्पलघु च 93. 17<sup>६</sup>.  
 चित्ररुक्म शकलक 87. 68<sup>६</sup>.  
 चित्रकस्याभवनपुत्राः 24. 19<sup>६</sup>. 28. 43<sup>६</sup>.  
 चित्रकाञ्चनपेदिकैः 94. 2<sup>६</sup>.  
 चित्रनिर्योगदोषितः 74. 14<sup>६</sup>.  
 चित्रपट्टताम्बुलया 107. 66<sup>६</sup>.  
 चित्रया वनमालया 63. 21<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखाश्वीद्वयः 107. 79<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखाश्वीद्वयकम् 107. 61<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा मनस्विनी 108. 4<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा मनोजवा 107. 85<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखामप्सरसं 107. 58<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा यशस्विनी 108. 5<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा वचः शिष्यम् 107. 32<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा वराप्सराः 107. 6<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा स्वयंकृतम् 107. 67<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा भयातुरा 108. 9<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखे वदस्वैनं 107. 74<sup>६</sup>.  
 चित्रवर्षा च परमन्यः 116. 18<sup>६</sup>.  
 चित्रसेनवधैषिणः 81. 37<sup>६</sup>.  
 चित्रसेनस्य वीर्यवान् 81. 85<sup>६</sup>.  
 चित्रसेनः सुते पात्य 98. 16<sup>६</sup>.  
 चित्रसेनो महाराधः 81. 81<sup>६</sup>.  
 चित्रा चित्रवती तया 98. 16<sup>६</sup>.  
 चित्रा सुमद्रेति पुनः 25. 3<sup>६</sup>.  
 चित्रासु वनराजिषु 55. 13<sup>६</sup>. 59. 52<sup>६</sup>.  
 चित्रां नाम कुमारीं च 25. 3<sup>६</sup>.  
 चित्रितां विश्वकर्मणा 93. 10<sup>६</sup>.  
 चित्रेश्विप्ररथहास 26. 3<sup>६</sup>.  
 चिन्तयन्मग्नमानसः 112. 82<sup>६</sup>.  
 चिन्तयन्कार्यमात्मनः 112. 81<sup>६</sup>.  
 चिन्तयाभिवरिता सा 27. 8<sup>६</sup>.  
 चिन्तयामास माधवः 86. 13<sup>६</sup>.  
 चिन्तयामास वीर्यवान् 47. 9<sup>६</sup>.  
 चिन्तयाविष्टचेतसः 109. 69<sup>६</sup>.  
 चिन्तयाविष्टदेहा सा 108. 4<sup>६</sup>.  
 चिन्तां कर्तुं वृषा देव 109. 23<sup>६</sup>.  
 चिरलटं यमक्षयात् 79. 17<sup>६</sup>.  
 चिरनटेन पुत्रेण 79. 24<sup>६</sup>.  
 चिरप्रनटं च सुतं 99. 49<sup>६</sup>.  
 चिरमृत्तानि विधिसमावात् 117. 61<sup>६</sup>.  
 चिरश्रुतमहिदमम् 92. 34<sup>६</sup>.  
 चिरसुतं नराधिपम् 85. 53<sup>६</sup>.

चिरं तु भवता कालं 70. 35<sup>६</sup>.  
 चिरं युगमैरपि 9. 60<sup>६</sup>.  
 चिरं विप्रोपिठौ ब्रजे 76. 46<sup>६</sup>.  
 चिरात्प्रभृति कुम्भाण्ड 106. 33<sup>६</sup>.  
 चिरात्प्रभृति मे वक्तुं 109. 39<sup>६</sup>.  
 चिरात् प्रतिगृह्यताम् 78. 38<sup>६</sup>.  
 चिरायावाह्यलो दीनः 112. 61<sup>६</sup>.  
 चिह्नान्यायतनानि च 86. 7<sup>६</sup>.  
 चिह्नस्तीरानुहासिभिः 83. 35<sup>६</sup>.  
 चौरसंयुतगात्राश्च 31. 85<sup>६</sup>.  
 चौरं वर्णं च विविधं 117. 33<sup>६</sup>.  
 चुकोप निद्राच्छेदेन 85. 50<sup>६</sup>.  
 चेदिनाम. सबाह्विः 81. 38<sup>६</sup>.  
 चेदिरात्रप्रियेस्सया 87. 1<sup>६</sup>.  
 चेदिराजश्च वीर्यवान् 80. 10<sup>६</sup>.  
 चेदिराजश्च संगताः 81. 47<sup>६</sup>.  
 चेदिराजस्य हि वसतोः 87. 18<sup>६</sup>.  
 चेरतुर्दानवावीके 36. 35<sup>६</sup>.  
 चेरतुर्वलद्विती 42. 19<sup>६</sup>.  
 चेरतुर्लोकसिद्धाभिः 58. 7<sup>६</sup>.  
 चेरतुर्वलसूयानि 54. 1<sup>६</sup>.  
 चेरतुस्तत्र यादवी 81. 54<sup>६</sup>.  
 चेरतुस्तन्महद्भनम् 54. 42<sup>६</sup>.  
 चेरतुः परमश्रीतो 57. 4<sup>६</sup>.  
 चेरुर्लङ्घुंगवा. 61. 10<sup>६</sup>.  
 चेरमां सन्द इत्येवं 81. 30<sup>६</sup>.  
 चेरुर्विवाधरैः सार्धं 75. 38<sup>६</sup>.  
 चेरुर्वै चरितं तस्य 63. 37<sup>६</sup>.  
 चेरुर्वाचमुपा दिवि 34. 32<sup>६</sup>.  
 चेरुस्तै देवदानवाः 37. 23<sup>६</sup>.  
 चेलुश्च धरणीधराः 48. 14<sup>६</sup>.  
 चैल्ययुवशवाङ्किता 97. 33<sup>६</sup>.  
 चैल्ययुवसेषु सहसा 106. 44<sup>६</sup>.  
 चैत्रा परिणवा सती 26. 18<sup>६</sup>, 18<sup>६</sup>.  
 चैत्रार्थं सुनीधस्य 87. 17<sup>६</sup>.  
 चैत्रक्षालनार्थिनी 50. 17<sup>६</sup>.  
 चोदयामास तं मुनिम् 115. 10<sup>६</sup>.  
 चोदितः कालधर्मण 67. 13<sup>६</sup>.  
 चोदितः क्रोधमुद्दिश्य 19. 25<sup>६</sup>.  
 चोदितः पुरुषैर्ममः 106. 32<sup>६</sup>.  
 चोदितः पुरोत्तमः 109. 54<sup>६</sup>.  
 चोदितैर्विश्वकर्मणा 93. 23<sup>६</sup>.  
 चोदितो देवराजेन 35. 22<sup>६</sup>.

चोदितोऽहं स्वयमुवा 100 67<sup>१</sup>.  
चोदितौ विष्णुपाष्येन 36 32<sup>१</sup>.  
च्यवनस्य पुत्रः कृत्कः 23 117<sup>१</sup>.  
चोदमानेन वै मुदाम् 74 32<sup>१</sup>.  
चोरप्रायाश्च शत्रानः 116 13<sup>१</sup>.  
चोरवद्वाद्यन्धनम् 96 51<sup>१</sup>.  
चोराक्षोरक्षये चापि 117 32<sup>१</sup>.  
चोराक्षोरस्य हतारः 117 22<sup>१</sup>.  
च्युतः पुनर्विन्दति धामनः स्थितिम् 118 46<sup>१</sup>.  
च्युता धर्माश्च शाश्वताम् 117. 17<sup>१</sup>.

छ

छत्राण्यार्य विराजते 81 4<sup>१</sup>.  
छत्रेण धियमाजेन 113 18<sup>१</sup>.  
छन्दोगोऽप्ययुरेव च 18 18<sup>१</sup>.  
छन्दमानो वरेणाय 10 19<sup>१</sup>.  
छद्ममग्निमिव प्रजे 56 45<sup>१</sup>.  
छत्रं तद्देविकाभिश्च 72 5<sup>१</sup>.  
छत्रो मायाधरो यडी 108 82<sup>१</sup>.  
छत्रो हि तमसा सोम 117 46<sup>१</sup>.  
छागपूषेक्ष सपूर्ण 65 54<sup>१</sup>.  
छागलिः पुरमिप्रश्च 81 41<sup>१</sup>.  
छादनार्थं प्रकीर्णैश्च 113 25<sup>१</sup>.  
छादयन्तं दिशो दश 36 53<sup>१</sup>.  
छादयन्तो नभस्तस्मै 32 13<sup>१</sup> 61. 11<sup>१</sup>.  
छादयामास वेशवम् 112 65<sup>१</sup>.  
छादयित्वास्मन्नारमान 45 40<sup>१</sup>.  
छादयित्वास्मन्नो बभूवुः 65 35<sup>१</sup>.  
छादितान्धोतरदिग्मभि 36 31<sup>१</sup>.  
छादितौ बभूवुर्देवेन 66 17<sup>१</sup>.  
छायापत्नीसहायो वै 31 27<sup>१</sup>.  
छाया सहा नरेश्वर 8 9<sup>१</sup>.  
छित्वा बाहुसदृश ते 23 153<sup>१</sup>.  
छित्वा वनं स सौमित्रि 44 52<sup>१</sup>.  
छिद्रदर्शी सुतेप्रश्च 18 16<sup>१</sup>.  
छिद्राण्याकाशयोनीनि 30 51<sup>१</sup>.  
छिद्रान्धेपी तयोस्तदा 58 12<sup>१</sup>.  
छिद्रेषु प्रहरन्त्येते 38 78<sup>१</sup>.  
छिन्तन्ति मम मूलानि 65 62<sup>१</sup>.  
छिन्दन्तश्चोत्तमाद्भानि 87 78<sup>१</sup>.  
छिन्दन्वज्रेण ताव्यारान् 35 12<sup>१</sup>.  
छिन्नदग्धप्ररोहणम् 31<sup>१</sup>.  
छिन्नबाहुर्महासुर 112 105<sup>१</sup>.  
छिन्नपक्षा इवाचरा 35 16<sup>१</sup>.

छिन्नमिच्छादिरोरसः 37 44<sup>१</sup>.  
छिन्नमूलमिदं कुलम् 35. 26<sup>१</sup>.  
छिन्नमूलाः सा संतृप्ताः 77. 6<sup>१</sup>.  
छिन्नमूलो निरात्म्यः 73 5<sup>१</sup>.  
छिन्नमूलो ह्ययं वनः 66 36<sup>१</sup>.  
छिन्नमनी सा सहसा 50 22<sup>१</sup>.  
छिन्नहारेण वक्षसा 76 33<sup>१</sup>.  
छिन्न बाहुसदृशं च 31 146<sup>१</sup>.  
छिन्नानासवं वृषा वृद्धः 65 74<sup>१</sup>.  
छत्ताभिः सशच तात 11 30<sup>१</sup>.

ज

जगच्च सर्वं देवेनाः 113 78<sup>१</sup>.  
जगतश्च जगरपते 67 66<sup>१</sup>.  
जगतश्चासन्ननं 35 6<sup>१</sup>.  
जगतः प्रथमं मार्गं 34 26<sup>१</sup>.  
जगतः प्रभवो ह्यसि 113 31<sup>१</sup>.  
जगतः सन्नमोपमम् 71 47<sup>१</sup>.  
जगतः सार्वभौमिकम् 30 71<sup>१</sup>.  
जगतोऽयस्य भाजनम् 68 21<sup>१</sup>.  
जगतो जगतीपते 20 16<sup>१</sup>.  
जगतो दहनाकाङ्क्षी 35 49<sup>१</sup>.  
जगरप्रहरणं त्विदम् 62 21<sup>१</sup>.  
जगदिप्रयो धमेरीलः 9 12<sup>१</sup>.  
जगत्यर्थे कृतो योऽयं 45 14<sup>१</sup>.  
जगत्यां च यथानयम् 44 1<sup>१</sup>.  
जगत्यां विनिकीर्णस्य 58 53<sup>१</sup>.  
जगत्यां सततिपयसि 44 18<sup>१</sup>.  
जगत्येषा हि शाश्वती 41 24<sup>१</sup>.  
जगत्सद्देशगन्धर्वैः 11 37<sup>१</sup>.  
जगत्सवतेकाम्भोदे 36 16<sup>१</sup>.  
जगत्स्थावरजगमम् 42 38<sup>१</sup>. 100 61<sup>१</sup>.  
जगत्स्थायस्यति शाश्वतम् 68 30<sup>१</sup>.  
जगदर्थं द्विधा कृतौ 58 46<sup>१</sup>.  
जगदर्थं समागतान् 40 43<sup>१</sup>.  
जगदिच्छादिव खे 112 58<sup>१</sup>.  
जगदहये त्यजस माम् 35 51<sup>१</sup>.  
जगद्वितार्थं कुलम् 42 51<sup>१</sup>.  
जगद्वै तानृषिगणान् 35 31<sup>१</sup>.  
जगद्वै स दुरात्मनः 74 24<sup>१</sup>.  
जगाम गतिसिद्धा वै 13 74<sup>१</sup>.  
जगाम घोषसवाम् 67 13<sup>१</sup>.  
जगाम च पुरीं दीना 73 35<sup>१</sup>.  
जगाम च महासुनि 118 9<sup>१</sup>.

जगाम तत्र प्रमुञ्च 89 3<sup>०</sup>  
 जगाम तत्र यन्त्रारते 112 113<sup>०</sup>  
 जगाम तद्विधा इत्वा 71 63<sup>०</sup>  
 जगाम त्रिदशेश्वर 82 93<sup>०</sup>  
 जगाम त्रिदिव देव 86 53<sup>०</sup>  
 जगाम त्रिदिव हृष्ट 35 71<sup>०</sup>  
 जगाम त्रिदिवालयम् 86 70<sup>०</sup>  
 जगाम पर्वतायैव 9 104<sup>०</sup> 9 63<sup>०</sup>  
 जगाम ब्रह्मणा सार्धं 38 79<sup>०</sup>  
 जगाम ब्रह्मदेवोऽथ 19 23<sup>०</sup>  
 जगाम भवगान्धि 118 8<sup>०</sup>  
 जगाम मार्गं बलवान् 110 9<sup>०</sup>  
 जगाम यमुनावीर 85 27<sup>०</sup>  
 जगाम यमुना नदी 56 8<sup>०</sup>  
 जगाम यमुना नदीम् 50 4<sup>०</sup>  
 जगाम रथमास्थाय 26 13<sup>०</sup>  
 जगाम रथमुख्येन 67 1<sup>०</sup>  
 जगाम रोपमुत्सृज्य 118 8<sup>०</sup>  
 जगाम यमुनातलम् 108 74<sup>०</sup>  
 जगाम विमना शृङ्गम् 48 51<sup>०</sup>  
 जगाम विष्णु रज देश 45 47<sup>०</sup>  
 जगाम शरणायाय 20 46<sup>०</sup>  
 जगाम शिरिरं राम 89 47<sup>०</sup>  
 जगाम स रथा नाश 22 8<sup>०</sup>  
 जगाम सगुप्तो मेघ 61 61<sup>०</sup>  
 जगामाकाशमाविश्य 48 29<sup>०</sup>  
 जगामाकाशमेव तु 73 35<sup>०</sup>  
 जगामाकाशमेव ह 31 47<sup>०</sup>  
 जगामाप ततो विष्णु 47 23<sup>०</sup>  
 जगामादर्शनं हृद्वात् 56 40<sup>०</sup>  
 जगामामितवृक्षिण 70 33<sup>०</sup>  
 जगामाशु दुर्गं प्रति 87 44<sup>०</sup>  
 जगामास्त दिनकर 77 59<sup>०</sup>  
 जगामैकविनिश्रयम् 27 8<sup>०</sup>  
 जगामैको भव राम 83 1<sup>०</sup>  
 जगृहुर्नि स्त्र्यां चार्णो 63 33<sup>०</sup>  
 जगृहुर्गगामिन 60 33<sup>०</sup>  
 जगृहुस्ते प्रचेतस 2 44<sup>०</sup>  
 जग्मजुनिधन चापि 42 30<sup>०</sup>  
 जग्मजुर्मदियकारणात् 71 15<sup>०</sup>  
 जग्मजुहृष्टमानसो 76 46<sup>०</sup>  
 जग्मजुक्तो तु सरसौ 57 2<sup>०</sup>  
 जग्मुरावि महामृध 35 8<sup>०</sup>

जग्मुरावमणा घोष 56 46<sup>०</sup>  
 जग्मुरिर्वरतां नृपा 62 63<sup>०</sup>  
 जग्मुर्येयसमाहुता 108 50<sup>०</sup>  
 जग्मुरिगवतसकल्पा 66 40<sup>०</sup>  
 जग्मुस्ते वै मुदा युता 31 63<sup>०</sup>  
 जग्मु कस्तनियेननम् 71 14<sup>०</sup>  
 जग्मु वृत्त्युर्गं चैव 40 35<sup>०</sup>  
 जग्मु सत्त्ववाहना 100 86<sup>०</sup>  
 जग्मु स्वप्नवाहना 70 6<sup>०</sup>  
 जग्माद् ब्राह्मबहिभु 63 17<sup>०</sup>  
 जग्माद् च चतुर्मुख 112 29<sup>०</sup>  
 जग्माद् ज्वलित्वा दोषा 108 71<sup>०</sup>  
 जग्माद् तद्धनुरल 71 50<sup>०</sup>  
 जग्माद् पुरुषव्याघ्र 112 94<sup>०</sup>  
 जग्माद् पुरुषोत्तम 108 73<sup>०</sup> 110 42<sup>०</sup> 112 31<sup>०</sup>  
 जग्माद् प्रथम राम 81 61<sup>०</sup>  
 जग्माद् मधुसूदन 112 72<sup>०</sup>  
 जग्माद् मुष्टिकं रत्ने 76 1<sup>०</sup>  
 जग्माद् सुललोत्तमम् 81 61<sup>०</sup>  
 जग्माद् रणमूर्धनि 108 42<sup>०</sup>  
 जग्माद् वारुण सोऽञ्ज 112 22<sup>०</sup>  
 जग्माद् विषिबरप्रभु 88 34<sup>०</sup>  
 जग्माद् वैष्णव सोऽञ्ज 112 26<sup>०</sup>  
 जग्माद् शिरसि कुब्ज 112 78<sup>०</sup>  
 जग्माद् स गुहस्तदा 112 37<sup>०</sup>  
 जग्माद् सस ताम्गाभान् 48 1<sup>०</sup>  
 जग्मादात्मविमुद्धये 28 29<sup>०</sup>  
 जघने तद्धन इत्वा 44 46<sup>०</sup>  
 जघान कृष्ण श्रीवायस 110 70<sup>०</sup>  
 जघान चाश्वाधनुर 87 56<sup>०</sup>  
 जघान वैद्या सहस्रं 88 16<sup>०</sup>  
 जघान जनमेजय 10 14<sup>०</sup>  
 जघान तुरगांश्चाजो 81 80<sup>०</sup>  
 जघान दानवान्सर्वान् 21 22<sup>०</sup>  
 जघान निहितं शरी 88 17<sup>०</sup>  
 जघान नृपतिं प्रभु 31 101<sup>०</sup>  
 जघान परमाखिन् 29 19<sup>०</sup>  
 जघान पुरुषव्याघ्र 97 25<sup>०</sup>  
 जघान पुरययार्गो 31 119<sup>०</sup>  
 जघान पुरयोत्तम 79 15<sup>०</sup> 96 12<sup>०</sup>, 42<sup>०</sup>  
 जघान यो नरन्यास 97 8<sup>०</sup>  
 जघान राम सक्त्र 87 69<sup>०</sup>  
 जगाव सचिवे सार्ध 31 1-5<sup>०</sup>

जयान सहितान्सर्वान् 97 16°  
 जयानापतत परान् 87 42°  
 जयानाधोश्च रत्नेन 108 68°  
 जयानाष्टपदेनैव 89 43°  
 जयानैकप्रहरिण 74 37°  
 जयानैकार्णवे घोरे 38 18°  
 जयानोरसि दैत्य 57 18°  
 जयानुर्हिमपातेश्च 36 14°  
 जयानुत्थासिचर्मिण 37 33°  
 जङ्गमानि च सर्वश 5 26°  
 जङ्गलवृत्ते यथाकाम 51 28°  
 जज्ञाते गुणसंपन्नै 28 35°  
 जज्ञाते धिययोधिनौ 98 18°  
 जज्ञाते तनयौ धृमे 28 36°  
 जज्ञाते तनयौ दृष्टे 24 3°  
 जज्ञाते देयवचसौ 24 11° 28 42°  
 जज्ञाते निगडोष्मुकौ 98 20°  
 जज्ञातेऽन्तर्धिपाणिनौ 37°  
 जज्ञाते पुनरेव हि 3 50°  
 जज्ञिरे गात्रयग्येने 98 12°  
 जज्ञिरे तस्य पुत्राश्च 88 44°  
 जज्ञिरेऽनेकमस्तका 3 86°  
 जज्ञिरेऽम्बाश्च जातय 2 48°  
 जज्ञिरे पञ्च पुत्रास्तु 26 11°  
 जज्ञिरे बहव सुता 27 3°  
 जज्ञिरे धीर्यवत्तरा 28 2°  
 जज्ञिरे सत्यभामार्पा 98 7°  
 जज्ञिरे सोमवत्तातु 23 116°  
 जज्ञे कुरुविवर्धन 23 37°  
 जज्ञे च रश्मिकवचात् 26 11°  
 जज्ञे जङ्ग प्रतापयान् 23 75°  
 जज्ञे तत्र महायशा 31 112°  
 जज्ञे तस्य विनाशन 24 33°  
 जज्ञेऽत्रिभंगवानृषि 20 1°  
 जज्ञे दशरथस्याय 31 110°  
 जज्ञे नारायण प्रभु 43 77°  
 जज्ञे परमकोपन 35 50°  
 जज्ञे पुनर्वसुस्तसात् 27 17°  
 जज्ञे प्राज्ञोऽय मागध 33°  
 जज्ञे यस्य प्रसूतस्य 24 16°  
 जज्ञे राजा महाबल 25 11°  
 जज्ञे वीर सुरगणै 23 19°  
 जज्ञे वृष्णिकुले प्रभु 48 12°

जज्ञे द्यौः महाबल 85 16°  
 जज्ञे द्यौर्महायसा 25 4°  
 जज्ञे धावस्तको राजा 9 46°  
 जज्ञे सत्यरतेः पुत्र 16 32°  
 जज्ञे स मृगरेतन 98 19°  
 जज्ञे सर्वगुणोपेत 15 22°  
 जज्ञे सह गेरेण वै 10 25°  
 जज्ञे सकल्प पृथ च 3 29°  
 जज्ञे सनतिमान् राजा 15 34°  
 जज्ञे सुतपस सुत 23 27°  
 जज्ञेऽलुब्धातप धान्वा 48 14°  
 जज्ञामार समुद्रहन् 40 7°  
 जज्ञामण्डरपाणि 47 13°  
 जज्ञामण्डरमुद्रहन् 44 7°  
 जज्ञी मुण्डोऽपि ता भव 66 6°  
 जनकस्य महारमन 31 115°  
 जननी च भविष्यति 45 17°  
 जननी पृथिवीपते 23 103°  
 जनन्या तपसा वर 8 24°  
 जनमेजय इत्येव 114 3°  
 जनमेजय पुत्रेषु 105 27°  
 जनमेजयस्तु नृपति 115 3°, 4°  
 जनमेजयस्य के पुत्रा 114 1°  
 जनमेजयस्य पुत्रौ तु 23 111°  
 जनमेजयस्य राजर्षे 23 18°  
 जनमेजयेन यत्कृतं 1 6°  
 जनमेजयो महाप्राज्ञ 1 7°  
 जनमेजयो महाराज 23 17°  
 जनयति च सुधागुणैरुपेयान् 118 47°  
 जनयन्ति नवाग्नयि 59 6°  
 जनयामास पक्षिराट् 92 44°  
 जनयामास पञ्च वै 21 12° 23 53°  
 जनयामास पार्थिवश्च 15 4°  
 जनयामास मारुत 23 20°, 119°  
 जनयामास शैलराट् 13 16°  
 जनयित्वा तत् खा तं 9 14°  
 जनस्त समुपायमत् 56 18°  
 जनस्थाने वसन्त्यर्थे 31 118°  
 जनसामाजितस्यार्थे 65 90°  
 जनस्यास्य भवत्य च 84 3°  
 जनसोऽस्तु कचेतस 102 6°  
 जनं च विप्रज्वाणौ 51 10°  
 जन क्षयमुपैष्यति 116 24°

जन सर्वोऽभ्यसूयक 116 40 <sup>b</sup>	जरासधमग्निप्रेषु 81 8 <sup>a</sup>
जनानिमान्धनैधैस्तु 86 54 <sup>a</sup>	जरासधमुपाद्रवत् 81 88 <sup>b</sup>
जना येऽस्मिन्कृपाधना 86 59 <sup>a</sup>	जरासधश्च नो राजा 85 27 <sup>a</sup>
जनार्दनमयाधैव 100 4 <sup>a</sup>	जरासधश्च सप्तमि 81 83 <sup>a</sup>
जनार्दनमिद वच 92 58 <sup>a</sup>	जरासधस्तत कुब्ज 81 14 <sup>a</sup>
जनार्दनवदो स्थित 92 46 <sup>a</sup>	जरासधस्तु तच्छ्रुत्वा 82 23 <sup>a</sup>
जनार्दन पुरस्कृत्य 82 55 <sup>a</sup>	जरासधस्तु भूमिष 87 17 <sup>a</sup>
जनार्दनो द्वारवर्ती च ता दुरीम् 85 67 <sup>a</sup>	जरासधस्य कल्याण्यौ 80 3 <sup>a</sup>
जनार्दनोऽपि सहित 100 87 <sup>a</sup>	जरासधस्य चरणे 82 17 <sup>a</sup>
जना शेषपुरस्कृता 117 10 <sup>b</sup>	जरासधस्य दाह्य 81 95 <sup>a</sup>
जनौघप्रतिनादित्वा 86 48 <sup>a</sup>	जरासधस्य निधने 105 15 <sup>a</sup>
जनौघप्रतिनादिते 74 16 <sup>b</sup>	जरासधस्य नृपते 82 38 <sup>a</sup>
जनौघप्रतिनादेन 75 6 <sup>a</sup>	जरासधस्य पार्थिव 80 8 <sup>b</sup>
जनौघे परिवार्यताम् 81 33 <sup>a</sup>	जरासधस्य यादवा 82 27 <sup>b</sup>
जन्म आश्रमनुत्तमम् 1 3 <sup>a</sup>	जरासधस्य राज्ञस्तु 82 5 <sup>a</sup>
जन्म आश्रमासु गार्हितम् 63 6 <sup>b</sup>	जरासधस्य वृष्णिभि 87 24 <sup>a</sup>
जन्मतस्तुपपाते 48 50 <sup>a</sup>	जरासध मदायुदे 90 5 <sup>a</sup>
जन्मप्रभृति आप्येतौ 90 45 <sup>a</sup>	जरासध रतोऽभ्ययात् 87 71 <sup>a</sup>
जन्मप्रभृति दिव्यैस्ते 60 5 <sup>a</sup>	जरासध तु ते गिरिवा 82 26 <sup>a</sup>
जन्मप्राप्त्यसि कुरितम् 13 38 <sup>a</sup>	जरासधं पुरस्कृत्य 87 23 <sup>a</sup>
जन्ममैरायत चापि 97 25 <sup>a</sup>	जरासध महायत्नम् 87 62 <sup>b</sup>
जयतो वा कुतो रति 75 27 <sup>a</sup>	जरासध महीपतिम् 82 30 <sup>b</sup>
जयत्सेन कलिङ्गानां 89 18 <sup>a</sup>	जरासध समाश्रित्य 96 52 <sup>a</sup>
जयध्वजश्च माङ्गलीत् 23 157 <sup>a</sup>	जरासध प्रवरावान् 80 1 <sup>a</sup> 87 1 <sup>a</sup>
जयध्वजस्य पुत्रस्तु 23 159 <sup>a</sup>	जरासध स्वसुतवत् 87 22 <sup>a</sup>
जयन्तो येनयन्तश्च 103 14 <sup>a</sup>	जरासधान्तिक वीरा 81 70 <sup>a</sup>
जयन्त्यन्धकमृज्जय 95 7 <sup>a</sup>	जरासधे च विग्रह 84 3 <sup>a</sup>
जय बाण महागर्हो 109 89 <sup>a</sup>	जरासधेन चाभिभो 81 97 <sup>a</sup>
जयबाण् पुरस्कृत्य 82 29 <sup>a</sup>	जरासधेन चोदित 81 74 <sup>a</sup>
जयस्य कृष्ण चाणूर 75 39 <sup>a</sup>	जरासधे महीपतौ 82 24 <sup>a</sup>
जयार्थे च दिवैक्याम् 36 2 <sup>a</sup>	जरासधो दृढवत् 81 19 <sup>a</sup>
जयाशीर्भिर्महायत्नम् 58 56 <sup>a</sup>	जरासधो गराधिप 81 3 <sup>a</sup> 87 26 <sup>a</sup>
जयाशीर्वचनैस्सयेते 45 37 <sup>a</sup>	जरासधो वृद्धाक्ष्य 81 32 <sup>a</sup>
जये दत्तात्रायाश्च 36 39 <sup>a</sup>	जरासधोऽभिसृष्ट 81 89 <sup>b</sup>
जरा नाम निपादाना 98 23 <sup>a</sup>	जरासधा महायत्न 81 87 <sup>a</sup> 82 15 <sup>a</sup> 87 15 <sup>a</sup>
जराया बहुवो दोषा 22 24 <sup>a</sup>	जरासधो महीपति 81 6 <sup>a</sup>
जरासक्रमणे तदा 23 127 <sup>b</sup>	जरासधो व्यवस्थित 81 51 <sup>b</sup>
जरासक्रमणे पूर्वं 114 17 <sup>a</sup>	जरा त्वपि समाधाव 22 22 <sup>a</sup> , 32 <sup>a</sup>
जरासधकरधुता 82 18 <sup>b</sup>	जरा न शालति वधू 92 60 <sup>a</sup>
जरासधपुरोगमा 81 25 <sup>a</sup>	जरा मे प्रतिगृहीत्वा 22 21 <sup>a</sup>
जरासधप्रियैरिण 80 9 <sup>a</sup>	जलकालविचारिण 62 47 <sup>a</sup>
जरासधनयाद्यापि 84 35 <sup>a</sup>	जलयर्भेगुद्देशया 47 23 <sup>a</sup>
जरासधमयेन 25 15 <sup>a</sup>	जलजैर्भूषिता गुणै 55 31 <sup>a</sup>

जलजैहिरितोदकाय् 55 31<sup>४</sup>  
 जलजैधाम्यपो हरि 86 74<sup>४</sup>  
 जलजै धुमुमेश्रिया 55 31<sup>४</sup>  
 जलजै प्राणिभि कीर्णो 55 31<sup>४</sup>  
 जलदाना समागमे 37 34<sup>४</sup>  
 जलप्रक्षरणान्तिरे 61 35<sup>४</sup>  
 जलस्पष्टितगामिनी 83 37<sup>४</sup>  
 जलस्यार प्रयतेते 30 51<sup>४</sup>  
 जलहारीभिरावृतम् 49 28<sup>४</sup>  
 जल हृये वृषिन् 65 100<sup>४</sup>  
 जल म्भय साधो र्व 103 11<sup>४</sup>  
 जलालविघातत्रयम् 31 131<sup>४</sup>  
 जलानि जलक्षये 59 36<sup>४</sup>  
 जलेन जलदागमे 59 46<sup>४</sup>  
 जलेन समभिमुता 42 28<sup>४</sup>  
 जलैर्यहाहकोर्यष्टै 54 9<sup>४</sup>  
 जलोत्पत्तिहाङ्गुला र्वयेद् 41 19<sup>४</sup>  
 जलोपवासमन्त्रासीत् 31 33<sup>४</sup>  
 जलेन प्रययौ कुन्द् 88 3<sup>४</sup>  
 जयेताम्यर्द्धवापि 81 82<sup>४</sup>  
 जयेनावर्जित चैव 59 13<sup>४</sup>  
 जहार कम्पां कामास 9 90<sup>४</sup>  
 जहार इष्णस्य सुत 99 3<sup>४</sup>  
 जहार च शिर कापान् 58 9<sup>४</sup>  
 जहार तरसा सर्वान् 20 29<sup>४</sup>  
 जहार दितिनन्दन 91 34<sup>४</sup>  
 जहार दिनकर्म च 37 53<sup>४</sup>  
 जहार नरको कडी 91 12<sup>४</sup>  
 जहार धुषिबीमिनाम् 65 36<sup>४</sup>  
 जहार यज्ञिया गाय 45 20<sup>४</sup>  
 जहार लक्ष्मीं सोमस्य 37 52<sup>४</sup>  
 जहारारुह्य समप्सरा 109 72<sup>४</sup>  
 जहारानु स मेदिनीम् 31 88<sup>४</sup>  
 जहास च महाहास 48 33<sup>४</sup>  
 जहास दानव क्रोधात् 38 28<sup>४</sup>  
 जहास मध्ये वृक्षाम्भ 51 23<sup>४</sup>  
 जहारोर्ध्वस्त कृत 46 20<sup>४</sup>  
 जहासोर्ध्व जनवदा 71 32<sup>४</sup>  
 जहि त पापपूरणम् 91 36<sup>४</sup>  
 जहीदि निद्रा सद्वा 40 37<sup>४</sup>  
 जहृषुहृष्टलोमान 96 1<sup>४</sup>  
 जहृष्यता च भारत 7 18<sup>४</sup>  
 जह्नुस्तु दयित पुत्र 23 81<sup>४</sup>

जंगमाजगमैर्नृत्तम् 12 37<sup>४</sup>  
 जागति कोत्र क रते 40 17<sup>४</sup>  
 जागति च यथा देव 44 41<sup>४</sup>  
 जागति जन्मक्षये 40 23<sup>४</sup>  
 जागति मधुसूदन 40 22<sup>४</sup>, 34<sup>४</sup>  
 जातकर्मदिभिर्गुणै 49 3<sup>४</sup>  
 जातकामा च रं प्रति 89 7<sup>४</sup>  
 जातकोरुहृक्षदा 11 31<sup>४</sup>  
 जातपथेषु सोनेषु 62 83<sup>४</sup>  
 जातमात्र स भगवान् 20 33<sup>४</sup>  
 जातमात्रे एत कृष्ण 100 3<sup>४</sup>  
 जातमात्रोऽपवाहित 99 18<sup>४</sup>  
 जातसागमिदं दृष्टा 71 10<sup>४</sup>  
 जातसागा धुषिन्पथे 43 64<sup>४</sup>  
 जातरूपमयै पदे 70 20<sup>४</sup>  
 जातरूपस्य शुभस्य 82 6<sup>४</sup>  
 जातवरेण चेतसा 66 21<sup>४</sup>  
 जातस्यावृतकर्मण 65 24<sup>४</sup>  
 जात शाररसायनम् 62 19<sup>४</sup>  
 जात किञ्च सुताभिना 73 9<sup>४</sup>  
 जात कुम्भ्या कुर्वद्वा 62 74<sup>४</sup>  
 जात कुञ्जरो भुवि 45 18<sup>४</sup>  
 जाता जातिस्त्रिधा घृणा 16 21<sup>४</sup>  
 जाताभि धुषिरीपदे 10 62<sup>४</sup>  
 जात्या वनोन्म भागीरे 23 72<sup>४</sup>  
 जात्यागवा वत समम् 47 36<sup>४</sup>  
 जात्या वृद्धस्य चारभ च 23 22<sup>४</sup>  
 जात्या व्याघ्रा द्वागर्णेषु 16 17<sup>४</sup>  
 जात्या शिवज्ञाया सर्वा 56 44<sup>४</sup>  
 जात्या सत्यवती तदा 13 40<sup>४</sup>  
 जात्याहीनपराक्रमा 3 76<sup>४</sup>  
 जात्यामि वदता वर 9 7<sup>४</sup>  
 जात्या कौशिकदास्यादा 14 4<sup>४</sup>  
 जात्या खल महातमा 18 14<sup>४</sup>  
 जातिस्मरणसमयम् 16 24<sup>४</sup>  
 जाति स्मरति पैर्विकीम् 92 94<sup>४</sup>  
 जातेत्युक्त्वा वृष्णमति 48 26<sup>४</sup>  
 जातेन निवृत्तेन च 69 24<sup>४</sup>  
 जातेत्येतेषु गार्धेषु 47 28<sup>४</sup>  
 जातो जातो महाबाहो 101 11<sup>४</sup>  
 जातोऽप्यजाततां याति 48 48<sup>४</sup>  
 जातो मृदुयुनाथा वै 5 3<sup>४</sup>  
 जातो वृष्णिषु देवक्या 91 21<sup>४</sup> 113 72<sup>४</sup>

जाती चाणूरमुष्टिकी 44 73<sup>d</sup>.  
 जाती श्रोत्रियदायादौ 18 16<sup>d</sup>  
 जात्यन्तरगतो ह्यपः 38 17<sup>d</sup>.  
 जात्यन्तरेषु सर्वेषु 15 13<sup>d</sup>.  
 जात्या हि यादव कृष्णः 66 31<sup>d</sup>.  
 जानतो भरतर्षभ 3 112<sup>d</sup>.  
 जानन्त्या त्वं महाराज 19 25<sup>d</sup>.  
 जानन्दिद्येन चक्षुषा 65 100<sup>b</sup>  
 जानन्धर्मं घसिष्ठस्तु 10 8<sup>d</sup>.  
 जानामि कंस सभूतं 45 4<sup>d</sup>.  
 जानामि भवतो भावं 62 91<sup>d</sup>.  
 जानामि स तद्दानघ 14 13<sup>d</sup>.  
 जानाम्यपहृतं स्वयम् 48 43<sup>d</sup>.  
 जानाम्यर्जुनसभयम् 62 91<sup>d</sup>.  
 जानीष्वं मां नरर्षभाः 96 24<sup>d</sup>  
 जानुभिश्चाश्मनिर्घोषै 75 32<sup>d</sup>  
 जानुर्ग्रां जगदीं चैव 58 52<sup>d</sup>.  
 जानुर्ग्रां तौ श्यबस्थितौ 31 90<sup>b</sup>.  
 जाने त्वां पुरुषोत्तमम् 112 107<sup>b</sup>.  
 जाने विमृष्यता दत्ता 62 91<sup>d</sup>.  
 चामद्रुप इति दयात् 31. 109<sup>d</sup>  
 चामद्रुप पुन पुनः 31 108<sup>d</sup>.  
 चामद्रुपाचया रामान् 87 18<sup>d</sup>.  
 चामद्रुपेन रामेण 42 39<sup>d</sup>.  
 चामाता ह्यभयचक्ष 87 24<sup>d</sup>.  
 चाम्बयस्य पौरवी 98 4<sup>b</sup>.  
 चाम्बयस्यामज्ञायत् 100 1<sup>d</sup>.  
 चाम्बयस्या निभृषितः 93 41<sup>d</sup>  
 चाम्बयस्या सुतो जज्ञे 98 8<sup>d</sup>.  
 चाश्मन्तं ददर्श ह 28 25<sup>d</sup>.  
 चाश्मघन्तं महायज्ञम् 28 28<sup>d</sup>.  
 चाश्मघनाश्च पराजितः 105 20<sup>d</sup>.  
 चामृतं इवादीष्टः 93 43<sup>d</sup>.  
 चामृतदमयं दिव्यं 93 56<sup>d</sup>  
 चामृतदमयान्ध्र 92 4<sup>d</sup>.  
 चायतेन्द्रियगोचरा 30 49<sup>d</sup>  
 चायन्ते पुनरेव ह 55<sup>d</sup>.  
 चायन्ते महाकायिनः 13 9<sup>d</sup>.  
 चायमाने जगद्देने 48 14<sup>d</sup>, 15<sup>d</sup>.  
 चायेत्तस्मात्स्वयं हन्त 27 9<sup>d</sup>  
 चारुष्यामाहुतिं क्राय 97. 5<sup>d</sup>  
 चिगाय पुनरात्तम 97. 18<sup>d</sup>, 20<sup>d</sup>.  
 चिगाय पृथिवीमेक 23 138<sup>d</sup>.

चिगाय पृथिवीं हत्वा 10 26<sup>d</sup>.  
 चिगाय भरतधेष्ट 97. 17<sup>d</sup>.  
 चिघांसन्तो जगद्भवम् 87. 49<sup>d</sup>.  
 चिघांसुसुल्लापुधम् 81 86<sup>d</sup>.  
 चिघांसुर्हि धदन्कुब्धः 80 2<sup>d</sup>.  
 चिघृष्टयुवनेश्वरः 85 39<sup>d</sup>.  
 चिजीविषुनं स ह्यस्ति 65. 74<sup>d</sup>  
 चिज्जालां पारये चक्रे 25 8<sup>d</sup>  
 चितकाशी महामुन 106 54<sup>d</sup>.  
 चितपूर्वो विभिः दमैः 68 33<sup>d</sup>.  
 चितमित्येव हृष्टोऽय 89 30<sup>d</sup>.  
 चितरोपोऽपि धर्मवित् 89 33<sup>d</sup>.  
 चितराम्यो न चावधीत् 90 5<sup>d</sup>.  
 चिता मे दानवाः सर्वे 32 32<sup>d</sup>  
 चितो वा वसुधातले 112 61<sup>d</sup>.  
 चित्वा जीवन्वितर्जित 105 12<sup>d</sup> 108 5<sup>d</sup>.  
 चित्वा तु भार्गवं सख्ये 82 30<sup>d</sup>  
 चित्वा पाशधर इत्यथ 77 28<sup>d</sup>.  
 चित्वा पृष्टर्गं ससागरात् 22 15<sup>d</sup>.  
 चित्वा याण महासुतम् 113 6<sup>d</sup>.  
 चित्वा यक्षाश्च सपुत्रे 77 26<sup>d</sup>.  
 चित्वा शक्रपुरोयमात् 21 20<sup>d</sup>.  
 चित्वा सर्गान्द्वौकस 106 28<sup>d</sup>  
 चित्वा कृष्णश्च वर्णत 109 82<sup>d</sup>  
 चिह्नं वाक्यं बराधिपात् 89 39<sup>d</sup>.  
 चिह्नयौष्टौ पुन पुनः 64 3<sup>d</sup>  
 चीमूत इव वेगवान् 31 68<sup>d</sup>.  
 चीमूतघनदीप्तोमा 31 66<sup>d</sup>.  
 चीमूतघनविस्वन 31 66<sup>d</sup>  
 चीमूतघनसयास 31 66<sup>d</sup>  
 चीमूतपुत्रो घृकति 26 22<sup>d</sup>.  
 चीमता देव बाणोऽयम् 112 111<sup>d</sup>.  
 चीमन्था परिदेवनम् 77 37<sup>d</sup>.  
 चीमन्नादं प्रदास्यामि 113 43<sup>d</sup>.  
 चीमन्प्रतिगमिष्यसि 112 53<sup>d</sup>.  
 चीवन्मुग्ध कथं च स 106 34<sup>d</sup>.  
 चीमपुत्रा रक्षया पुत्र 99 36<sup>d</sup>  
 चीवेचीयकर्मचैश्च 92 41<sup>d</sup>.  
 चीवित नाव कामये 106 10<sup>d</sup>.  
 चीवित मे प्रदीयताम् 56 34<sup>d</sup>.  
 चीवितं वसुदेवस्य 45 44<sup>d</sup>.  
 चीवितान्तरां तदा 108 73<sup>d</sup>.  
 चीवितान्ते महीतले 75. 44<sup>d</sup>.

जीवितार्थी ततो बाणः 112 116<sup>०</sup>.  
 जीवितार्थहरी घोरा 40 27<sup>०</sup>  
 जीवितुं स्पृहयेवारी 107 29<sup>०</sup>  
 जीविते वास्य का दया 78 9<sup>०</sup>  
 जीवितौ तस्य तेजसा 105 21<sup>०</sup>.  
 ज्युप्सिता ॥ वस्त्यामि 73 22<sup>०</sup>.  
 जुहूहो ह्येष 87. 77<sup>०</sup>.  
 जुह्वानस्य यज्ञो वै 3 95<sup>०</sup>.  
 जुम्भयं नाम सोऽप्यस्त्रं 112 31<sup>०</sup>.  
 जुम्भते च तदा दृष्य 111 4<sup>०</sup>.  
 जुम्भमाणेव गगने 112 44<sup>०</sup>  
 जुम्भमाणो दिशो दश 35 52<sup>०</sup>.  
 जुम्भमाणो मुहुर्मुहुः 40 26<sup>०</sup>.  
 जेतव्यानीन्द्रियाण्यबाधौ 44 29<sup>०</sup>.  
 जेतव्या रिपवः सर्वे 44 28<sup>०</sup>.  
 जेता त्वमसि कस्तव 113. 4<sup>०</sup>.  
 जेतां च महामलम् 28 10<sup>०</sup>  
 जेतुमिच्छाम त धर्मम् 89 21<sup>०</sup>  
 जेष्याम समिच्छिजयम् 106 29<sup>०</sup>  
 जैगोप्यस्य तु तथा 13 23<sup>०</sup>  
 ज्ञातव्यश्च सहोपिता. 63 2<sup>०</sup>.  
 ज्ञातिकायं चिकीर्षन्तु 96 28<sup>०</sup>  
 ज्ञातिकायां सति स्वार्थे 80 16<sup>०</sup>.  
 ज्ञातिभिः सहितस्य वै 31 103<sup>०</sup>  
 ज्ञातिभेदमयादृष्ट्या 29 31<sup>०</sup>  
 ज्ञातिभ्यो भयमुत्पद्यते 77 46<sup>०</sup>  
 ज्ञातीनां च व्यथां दृष्ट्वा 76 24<sup>०</sup>.  
 ज्ञातीनां मन्त्रिष्वर्चनं 82 11<sup>०</sup> 77 12<sup>०</sup>.  
 ज्ञातीनिद्रुयाप ह 85 24<sup>०</sup>  
 ज्ञातीन्सर्गस्ममागताम् 63 10<sup>०</sup>  
 ज्ञातीन्समापराजितस्य 57 21<sup>०</sup>  
 ज्ञातुमर्हसि भारत 104 12<sup>०</sup>  
 ज्ञाते समानवन्दास्य 87 22<sup>०</sup>  
 ज्ञात्वा चेतिनिद्रुदम् 84 36<sup>०</sup>.  
 ज्ञात्वा गुह्यवत्तद् स्वयम् 80 66<sup>०</sup>  
 ज्ञात्वा साष्टांगनिष्पन्नम् 53 6<sup>०</sup>  
 ज्ञात्वा तु परदानं वत् 85 17<sup>०</sup>  
 ज्ञात्वा रम्येष लोकाणां 62 79<sup>०</sup>.  
 ज्ञात्वा प्रमादं प्रपञ्चम् 3 30<sup>०</sup>  
 ज्ञात्वा विष्णुं क्षितिगणं 48 1<sup>०</sup>  
 ज्ञात्वा विद्यामनात्मे 117. 13<sup>०</sup>  
 ज्ञात्वापि मम मानसा 62 46<sup>०</sup>  
 ज्ञेयं कर्तव्यमपि वै 75 15<sup>०</sup>.

ज्ञेयो धीर्यबलान्वित. 108 97<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयावतलनिर्योप 37 23<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयायोपश्च महात्मन 31 139<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयायोपश्च महात्मनाम् 87. 77<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयामघस्य महात्मन 26 28<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयामघस्याभवद्भार्या 26 18<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयामघ पालितो हरिः. 26 11<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयामघोऽवसदाश्रमे 26 19<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयप्रभावेन मान्यस्ते 113 30<sup>०</sup>  
 ज्ञेयं ब्राह्मणव्रीत् 101 5<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयं वनस्पते श्रिय 8 62<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयं पुत्रवत्तस्यासीत् 9 24<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयं सकर्षणो नाम 50 2<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयं च धरणीनि 13 31<sup>०</sup>  
 ज्ञेयं पत्नी महाराज 25 1<sup>०</sup>.  
 ज्ञेयं कानिष्ठमप्येषां 8 65<sup>०</sup>.  
 ज्योतिर्मांसिषु भार्यव 13 81<sup>०</sup>.  
 ज्योतिर्मिमग्नं यथा 96 56<sup>०</sup>.  
 ज्योतिर्भुवि तेजश्च 30 52<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषामपि चारी 36 7<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषामीरणं ज्योति 34 25<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषां च महारामनाम् 62 27<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषां चेष्टरेष्टर 36 3<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषां चोपरि स्थितः 36 6<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषे परिकीर्तिता 3 30<sup>०</sup>  
 ज्योतिष्टोमदक्षिमांगी 110 26<sup>०</sup>.  
 ज्योतिष्मत् वतगम्य 112 95<sup>०</sup>.  
 ज्योतिष्मन्पुत्रिदाहृत्य 7 9<sup>०</sup>.  
 ज्योतींषि घनमुष्णानि 59 49<sup>०</sup>.  
 ज्योतींषि च प्रजातान्ते 48 15<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषादग्निजिताः 110 56<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषं च महाभारतम् 110 71<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषं च धनुर्विद्वत् 111 1<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषं समित्तिज्ञानम् 111 8<sup>०</sup>  
 ज्योतिषः साधनमहात्मना 111 12<sup>०</sup>  
 ज्योतिषमिष्टमहात्मने 111 5<sup>०</sup>  
 ज्योतिषमिष्टमहात्मने 110 61<sup>०</sup> 111 3<sup>०</sup>.  
 ज्योतिषमिष्टमहात्मने 111 6<sup>०</sup>  
 ज्योतिषमिष्टमहात्मने 112 63<sup>०</sup>  
 ज्योतिषमिष्टमहात्मने 5 45<sup>०</sup>  
 ज्योतिषमिष्टमहात्मने 109 22<sup>०</sup>  
 ज्योतिषमिष्टमहात्मने 12 6<sup>०</sup>  
 ज्योतिषमिष्टमहात्मने 83 45<sup>०</sup>



ज्वलन्तमिव पावकम् 20 38<sup>d</sup>.  
 ज्वलन्ति च तेजसा 56 7<sup>d</sup>.  
 ज्वलिताग्निप्रतीकाश्च 44 7<sup>d</sup>.  
 ज्वालागर्भं महागद्ग 110 68<sup>d</sup>.  
 ज्वालाप्रज्वलितं द्वदम् 55 46<sup>d</sup>.  
 ज्वालामाली निरिन्धन 35. 49<sup>d</sup>.  
 ज्वालावलीदवर्द्धनः 108 85<sup>d</sup>.

॥

हस्तरं शकुनिश्चैव 3 64<sup>d</sup>.  
 हसनकातुलिसाहो 55 38<sup>d</sup>.

त

त एते पितरो देवाः 12 41<sup>d</sup>.  
 त एनमन्वयुः सर्वे 80 9<sup>d</sup>.  
 तन्निष्ठापयद्बुद्धं 49 25<sup>d</sup>.  
 तन्माणां धरां धुरीं 67. 28<sup>d</sup>.  
 तच्च कार्यं शचीपतेः 109 52<sup>d</sup>.  
 तच्चकं परमाश्रितम् 112 102<sup>d</sup>.  
 तच्चकं रणसूर्यनि 112 104<sup>d</sup>.  
 तच्चक्रेण निहत्याद्यं 112 89<sup>d</sup>.  
 तच्चक्रे पर्यवस्यितम् 112 95<sup>d</sup>.  
 तच्च नाथिचचार ॥ 91 11<sup>d</sup>.  
 तच्च मांसं स्वयं चैव 10 15<sup>d</sup>.  
 तच्च मे शोचपं मुखम् 35 38<sup>d</sup>.  
 तच्च यत्रशतं धीरं 38 46<sup>d</sup>.  
 तच्च सर्वं यथाभवत् 89 47<sup>d</sup>.  
 तच्च सर्वं विज्ञानानि 45 9<sup>d</sup>.  
 तच्चापि भवता क्षुत्तम् 41 27<sup>d</sup>.  
 तच्चायुषावतरण 83 12<sup>d</sup>.  
 तथिग्रमभवत्तदा 94 9<sup>d</sup>.  
 तपधुरवा स्वरितं कैसा 48 22<sup>d</sup>.  
 तपधुरवा नन्दगोपस्य 53 12<sup>d</sup>.  
 तपधुरवा मोहमगमत् 19 19<sup>d</sup>.  
 तपधुरवा रोहिणेयस्य 56 29<sup>d</sup>.  
 तपधुरवा चासुदेवस्य 96 4<sup>d</sup>.  
 तपधुरवा विष्णुगदित 41 1<sup>d</sup>.  
 तज्जये हि श्रुयो जयः 44 29<sup>d</sup>.  
 तज्जलं वज्रनिर्घेपै 59 15<sup>d</sup>.  
 तज्जातिगुणयुक्तानि 58 8<sup>d</sup>.  
 तज्जामरणोपेता 55 31<sup>d</sup>.  
 तत्त उरसारयामास 6 9<sup>d</sup>.  
 तत्त एतन्मम यच्च 59 61<sup>d</sup>.  
 तत्त एनमहं शरम् 6 6<sup>d</sup>.  
 तत्त एनं नृपा म्लेच्छा 85 18<sup>d</sup>.

तत्त एव हि धर्मस्य 16 2<sup>d</sup>.  
 तत्तश्चक्रेण वसुधा 106. 41<sup>d</sup>.  
 तत्तश्चक्रेण सहस्रारं 112 94<sup>d</sup>.  
 तत्तश्चक्रेण गोविन्द 103 21<sup>d</sup>.  
 तत्तश्चक्रेण वसुधा 75 41<sup>d</sup>.  
 तत्तश्चक्रेण वसुधा 109 77<sup>d</sup>. 113 60<sup>d</sup>.  
 तत्तश्च योनां प्राप्स्यन्ति 14 8<sup>d</sup>.  
 तत्तश्चरास्तु प्यादिद्या 109 34<sup>d</sup>.  
 तत्तश्चक्रोद्य बलवान् 83 30<sup>d</sup>. 90 9<sup>d</sup>.  
 तत्तश्चक्रमुपादाय 87 26<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वसुमहद्बुद्धं 108 38<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वदनमक्षय 95 13<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वदनो ज्ञातव्य 9 27<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वदनो देवः 113 25<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धो गोविन्द 97 43<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धो ह्यत्र 92 18<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 112 22<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 32 34<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 29 39<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 83 57<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 9 95<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 20 19<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 29 17<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 99 32<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 17 1<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 94 8<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 85 31<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 108 87<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 12 23<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 12 29<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 20 8<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 92 35<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 107 6<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 103 14<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 113 13<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 74 21<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 109 63<sup>d</sup>. 110 1<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 94 12<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 112 50<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 92 55<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 81 74<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 61 8<sup>d</sup>.  
 तत्तस्त्वद्बुद्धिरवाजी 103 24<sup>d</sup>.

ततस्ते तत्सर स्मृत्या ॥ २२°  
 ततस्ते तन्महद्भुत ४६ १७°  
 ततस्ते दीनमनस १०९ ६१°  
 ततस्ते दीर्घमप्वान ११३ ६°  
 ततस्तेनाभिसतसा १०८ ४५°  
 ततस्ते पुनरागम्य १२ ३२°  
 ततस्ते पुनराजाति १४ ५°  
 ततस्ते थाप्यपूर्णक्षि १०९ १८°  
 ततस्ते थाप्या सर्वे ९६ २०°  
 ततस्ते युद्धमार्गजा ११२ ३५°  
 ततस्ते योगविभ्रटा १४ ४°  
 ततस्तेपा खन धृत्या १०८ १९°  
 ततस्ते सहिता सर्वे ११२ १°  
 ततस्तेभुजगाकारे ११० २०°  
 ततस्तेभ्यश्चरुपै १०८ १९°  
 ततस्ते स क्रम सर्वे १५ ५४°  
 ततस्ते हुज्या सुक्तौ ७१ ३५°  
 ततस्ते पतितौ हृष्टा ७३ ५°  
 ततस्ते यदुन्मदौ ७८ ३८°  
 ततस्तेदिवमागम्य २९ ९°  
 ततस्ते प्रसिद्धौ वीर ७७ २१°  
 ततस्ते गृहा चरणे ४७ ३८°  
 तत कथान्ते तत्राहम् १०४ ३°  
 तत कथान्ते नृपति ११५ १०°  
 तत कदाचित्पश्चामि १२ ५°  
 तत कदाचिद् ध्वेन १०३ २०°  
 तत कदाचिद्मात्मा १०१ ७°  
 तत कमललोचने १०७ ६०°  
 तत कर्म चकारात् २१ ३४°  
 तत कसौ महातेजा ९८ ५५°  
 तत काष्ठालयो महात् २९ ३७°  
 तत काले ग्यतीते तु ८९ १°  
 तत काले शिषे पुण्ये ७९ ३६°  
 तत किलफिलाशब्द ६१ ५६° ७५ १६° ९१ २७°  
 १०७ ८°  
 तत किंकरसैन्य तम् ११० ३७°  
 तत किंकरसैन्य तु १०८ १४°  
 तत कुन्ते महासर्पे ८५ ३०°  
 तत कृष्णस्य वचन ८६ ३८°  
 तत कृष्णस्य वचनात् २९ ३८°  
 तत कृष्ण सुपर्णेन ९४ १६°  
 तत कृष्णो भोजयित्वा १०४ १°  
 तत क्रमेण घाय ॥ ५३ २०°

तत क्रमेण राज्यानि ४ १°  
 तत क्रमेण सर्वोक्ता १०७ ७१°  
 तत श्रीलाविहार तम् १०७ १७°  
 तत कुन्दा महर्षय ५ १४°  
 तत कुन्दा महाबाहु ११२ १००°  
 तत खाद्विपत्ति-त ८१ ६६°  
 तत पञ्चपञ्चाक्ष ८६ ४°  
 तत पञ्चन्यघातेण ९७ ४°  
 तत पञ्चवज्राख्यानि १०३ १°  
 तत पिता मे सुप्रीत ११ २०°  
 तत पिपीलिकर १९ ३°  
 तत पीता महात्मान २३ ७९°  
 तत पुनर्दिवगणे ६ १८°  
 तत पुनर्महात्मान ५ २०°  
 तत पुरर्पसिद्धे सा ९५ १६°  
 तत पूजामवाप्स्यति ६२ ४६°  
 तत पूरे समसादौ २२ ३५°  
 तत प्रभुमितस्त्वेव ८१ ९०°  
 तत प्रजायन्ति पुनश्च पादपा ११८ ४५°  
 तत प्रायुधसु सर्वे ७९ २६°  
 तत प्रदीप्तस्तु विभु ११० ६९°  
 तत प्रध्माप्य त शङ्ख ११० ३५°  
 तत प्रध्माप्य जलत्र ११३ २१°  
 तत प्रभञ्जनो वायु ४२ १२°  
 तत प्रभाते विमले ७० १° ८६ १° १०९ ६४°  
 तत प्रभृति शानेन्द्र २ ४९° ९० १४°  
 तत प्रहस्य हुर्दुत ५९ ५१°  
 तत प्रवृत्त्येते पुण्या ६२ ५५°  
 तत प्रवृत्ते युद्ध २९ १२°  
 तत प्रविशितुर्मेला ७४ २०°  
 तत प्रविश्य सहसा १०८ २°  
 तत प्रवेदो सख्दी ९६ ६३°  
 तत प्रव्याहता सर्वे ७७ २५°  
 तत प्रशान्ते दहने ११० १९°  
 तत प्रसादयामाम १३ ३०°  
 तत प्रसादयामासु २९ ३३°  
 तत प्रसिद्धवदन ७५ ३५°  
 तत प्रसिद्धः कृष्ण ७४ २४°  
 तत प्रहस्य भगवान् १०६ १२°  
 तत प्राग्व्योतिर्ष नाम ९१ ५३°  
 तत प्राप्ते नराध्या तु ९६ ११°  
 तत प्रायश्चित्तरवौ ९२ ६६°  
 तत प्रायश्चित् ८९ २६°

ततः प्राच्यद्विप्रासा 54. 3<sup>०</sup>.  
 ततः प्राचीये पट्टे सा 107. 67<sup>०</sup>.  
 ततः शक्रस्ययवनान् 10. 38<sup>०</sup>.  
 ततः शकुनयो दीप्ताः 102. 3<sup>०</sup>.  
 ततः शक्रस्तु तान्गृह्य 62. 58<sup>०</sup>.  
 ततः शक्रप्रणयेन 110. 36<sup>०</sup>.  
 ततः शङ्खं यमानीय 110. 34<sup>०</sup>.  
 ततः शतसहस्राणि 112. 18<sup>०</sup>.  
 ततः शमदमाध्यां 31. 34<sup>०</sup>.  
 ततः शरदि युक्तानां 62. 49<sup>०</sup>.  
 ततः शराधैर्यद्वया 113. 22<sup>०</sup>.  
 ततः शान्तिद्विप्रासात् 110. 11<sup>०</sup>.  
 ततः शान्तिनिर्मुक्तैः 91. 47<sup>०</sup>.  
 ततः शान्तिरत्नाष्टष्टिः 81. 96<sup>०</sup>.  
 ततः शुभ्राद च राजा 85. 12<sup>०</sup>.  
 ततः दीपानभिप्रत्य 95. 11<sup>०</sup>.  
 ततः धीमान्कृपिकेताः 100. 11<sup>०</sup>.  
 ततः स तप आख्याय 83. 64<sup>०</sup>.  
 ततः स दुःखसंस्तः 22. 11<sup>०</sup>.  
 ततः स ब्राह्मणस्यदा 19. 17<sup>०</sup>.  
 ततः स मानयामास 95. 14<sup>०</sup>.  
 ततः समार्याय रथं 102. 23<sup>०</sup>.  
 ततः स राजा कौरव्य 9. 73<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वदशाहण्याम् 96. 7<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वं यथायुक्तं 8. 29<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वाणि दिग्गानि 95. 12<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वाण्यनीकानि 112. 2<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वे दुराहर्षाश्च 94. 18<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वे दक्षिणं च 67. 23<sup>०</sup>.  
 ततः स शूलरहितः 44. 49<sup>०</sup>.  
 ततः सस्यं प्रयत्ने 59. 9<sup>०</sup>.  
 ततः सह तया रेमे 88. 35<sup>०</sup>.  
 ततः सह भया भुक्त्वा 104. 2<sup>०</sup>.  
 ततः सहैव शत्रेण 91. 39<sup>०</sup>.  
 ततः संचिन्त्य तु पुनः 3. 4<sup>०</sup>.  
 ततः संचिन्त्य मनसा 83. 51<sup>०</sup>.  
 ततः सपुत्र्य गरुडं 95. 1<sup>०</sup>.  
 ततः संमध्रयामासुः 84. 10<sup>०</sup>.  
 ततः संशयमापन्नाः 20. 39<sup>०</sup>.  
 ततः संसर्गमागम्य 15. 59<sup>०</sup>.  
 ततः संस्मारितो मया 19. 26<sup>०</sup>.  
 ततः सा चिन्तयापिष्टा 107. 58<sup>०</sup>.  
 ततः सा निर्मिता कान्वा 86. 44<sup>०</sup>.

ततः सा संनतिदीना 19. 5<sup>०</sup>.  
 ततः सांदीपनि पूर्वम् 95. 9<sup>०</sup>.  
 ततः सांदीपनेः पुत्रं 79. 23<sup>०</sup>.  
 ततः सांदीपनेः पुत्रः 79. 18<sup>०</sup>.  
 ततः सुखं प्रकीर्णसु 57. 26<sup>०</sup>.  
 ततः सुम्भनिमुग्धौ च 47. 49<sup>०</sup>.  
 ततः सूर्ये चित्तेक्षिते 78. 42<sup>०</sup>.  
 ततः सैन्येन महया 81. 89<sup>०</sup>.  
 ततः सोमस्य वचनात् 2. 44<sup>०</sup>.  
 ततः सोमिप्रदा सूत्रा 83. 41<sup>०</sup>.  
 ततः स्थानसहस्रैस्त्वं 47. 48<sup>०</sup>.  
 ततः स्य द्वाकां शस्तः 103. 30<sup>०</sup>.  
 ततः स्वपिति धर्मान्ते 40. 23<sup>०</sup>.  
 ततः स्वायतलक्षणा 86. 34<sup>०</sup>.  
 ततोऽङ्कुराय दत्तगान् 29. 3<sup>०</sup>.  
 ततो गन्वांसि सागरम् 45. 28<sup>०</sup>.  
 ततो गम्भीरनिर्घोषा 89. 40<sup>०</sup>.  
 ततो ग्रामस्य मध्येऽहं 102. 2<sup>०</sup>.  
 ततोऽज्जायं इति तौ 114. 13<sup>०</sup>.  
 ततो ज्यमुदीरयेत् 1. 0<sup>०</sup>.  
 ततो जरासंधयकं 84. 13<sup>०</sup>.  
 ततो ज्ञातीन्समानाध्य 65. 7<sup>०</sup>.  
 ततो ज्ञानमवाप्स्यथ 12. 24<sup>०</sup>.  
 ततो ज्वरं कनकनिचित्रभूषणं 110. 73<sup>०</sup>.  
 ततोऽथ वितयो नाम 23. 52<sup>०</sup>.  
 ततो दक्षः सुतां प्रादात् 3. 13<sup>०</sup>.  
 ततो ददसे पृथिवीम् 85. 62<sup>०</sup>.  
 ततो दशसु मासिषु 10. 61<sup>०</sup>.  
 ततो द्वाहाग्रमुच्यते 110. 66<sup>०</sup>.  
 ततो दीक्षितमासीनम् 101. 8<sup>०</sup>.  
 ततो दूतस्य वचनात् 44. 46<sup>०</sup>.  
 ततो दृष्ट्वैव गरुडम् 113. 1<sup>०</sup>.  
 ततो देवकिमन्दितः 93. 30<sup>०</sup>.  
 ततो देवगणाः सर्वे 112. 73<sup>०</sup>.  
 ततो देवधवाः पुनः 24. 18<sup>०</sup>.  
 ततो देवाश्च नागाश्च 31. 48<sup>०</sup>.  
 ततो देवाः सगन्धर्वाः 82. 13<sup>०</sup>.  
 ततो देवेषु नदेषु 112. 48<sup>०</sup>.  
 ततो देव्यास्तु रूपेण 107. 7<sup>०</sup>.  
 ततो द्वाद्रचा वर्षाणि 85. 10<sup>०</sup>.  
 ततो द्वारवतीमध्ये 108. 1<sup>०</sup>.  
 ततो द्वारवतीं गत्वा 102. 19<sup>०</sup>.  
 ततो न निगृहीतः सः 99. 4<sup>०</sup>.

ततोऽन्तरमार्गेण 115 19<sup>०</sup>  
 ततो नन्दि महादेव 112 83<sup>०</sup>  
 ततो नादो महानभूत् 76 7<sup>०</sup>  
 ततोऽनिरुद्धस्य गृध्रे 109 1<sup>०</sup>  
 ततो निर्भासितं रपं ३ 35<sup>०</sup>  
 ततो निवार्योशनसं 20 36<sup>०</sup>  
 ततो निष्प्रभतां याते 112 41<sup>०</sup>  
 ततो नीरागनाथे वै 60 29<sup>०</sup>  
 ततोऽन्तरिक्षे बागावीप् 82 20<sup>०</sup>  
 ततोऽन्तर पुरमध्ये तत् 94 23<sup>०</sup>  
 ततोऽभ्या मधुसूदन 88 40<sup>०</sup>  
 ततोऽन्ये तपसा युक्ता 7 37<sup>०</sup>  
 ततोऽपरे महावीर्या 3 75<sup>०</sup>  
 ततोऽपसृज्य सकुब्ध 89 44<sup>०</sup>  
 ततो यक्षी यक्षदेव्यं 87 62<sup>०</sup>  
 ततो यतुतिथे काले 21 29<sup>०</sup>  
 ततो बाणसमीपस्था 108 29<sup>०</sup>  
 ततो बाणसदृशौघे 108 64<sup>०</sup>  
 ततो सुमुधिर जना 50 23<sup>०</sup>  
 ततोऽमबी महादेव 112 128<sup>०</sup>  
 ततो भगवतादिष्टौ 36 32<sup>०</sup>  
 ततो भय विष्णुमय 33 1<sup>०</sup>  
 ततो भयन्त ओप्यन्ति 63 12<sup>०</sup>  
 ततोऽभिसन्धि चक्रे वै 3 12<sup>०</sup>  
 ततो भूमी प्रतिष्ठित 91 27<sup>०</sup>  
 ततो भूय स्वकर्मणा 14 7<sup>०</sup>  
 ततो भूः स्तुतिवाक्येन 100 51<sup>०</sup>  
 ततोऽभ्ययात्रिरिश्रद्धम् 92 19<sup>०</sup>  
 ततोऽभ्युपगमास्वष्टा ४ 34<sup>०</sup>  
 ततोऽभ्युपगमाहिल्या 3 103<sup>०</sup>  
 ततोऽभ्युपगमाद्राज्ञ 6 40<sup>०</sup>  
 ततो मनान्ति गोपीना 96 47<sup>०</sup>  
 ततो मनोगतिं याति 19 33<sup>०</sup>  
 ततो मन्वन्तरेऽतीते 4 17<sup>०</sup>  
 ततो मामग्रयीद्वच 100 46<sup>०</sup>  
 ततो मामाह गोविन्द 101 13<sup>०</sup>  
 ततो मामाह भगवान् 100 64<sup>०</sup>  
 ततो माहेश्वर युगम् 43 69<sup>०</sup>  
 ततो मा मानयेन्द्राय 42 46<sup>०</sup>  
 ततो मा वरुणोऽभ्येत्य 45 22<sup>०</sup>  
 ततो मा व्रीडितं श्रावका 101 16<sup>०</sup>  
 ततो मुख्यतमा सर्वे 84 20<sup>०</sup>  
 ततो सुमुधिर जना 94 20<sup>०</sup>

ततो मूर्धाभिमूर्तं च 108 75<sup>०</sup>  
 ततो मोहं प्रपठते 113 39<sup>०</sup>  
 ततोऽम्बरतलभ्यास्ते 113 7<sup>०</sup>  
 ततो यदमाभिमतस्तु 20 45<sup>०</sup>  
 ततो यज्ञोदा सगुदा ५१ 13<sup>०</sup>  
 ततो यज्ञोदा गहैर्न्ये 51 35<sup>०</sup>  
 ततो यान्तु वनं पुन 59 30<sup>०</sup>  
 ततो यास्याम्यहं रथी 103 11<sup>०</sup>  
 ततो युगाते मृणानाम् 35 60<sup>०</sup>  
 ततो युद्धानि वृष्णीना 82 1<sup>०</sup>  
 ततो योगमवाप्स्यथ 17 11<sup>०</sup>  
 ततो योरस्यामि सगुणे 21 20<sup>०</sup>  
 ततो रक्तान्तनयन 56 5<sup>०</sup>  
 ततो रजि महावीर्ये 21 24<sup>०</sup>  
 ततो रथे प्रवर्तिते 35 4<sup>०</sup>  
 ततो रथे सगुरौ 37 29<sup>०</sup>  
 ततो रामो महाबाहु 110 41<sup>०</sup>  
 ततो रामो रपाश्वित 29 21<sup>०</sup>  
 ततोऽर्धमुदधि साक्षान् 103 2<sup>०</sup>  
 ततोऽर्जुनेन तरसा 15 63<sup>०</sup>  
 ततोऽर्जय समुत्तीर्य 103 13<sup>०</sup>  
 ततोऽर्धरात्रसमये 50 20<sup>०</sup>  
 ततोऽम्बरतलस्रज 20 4<sup>०</sup>  
 ततो रथे सुरैश्चर्यम् 21 36<sup>०</sup>  
 ततो श्लोकहित वाक्य 31 51<sup>०</sup>  
 ततो लोकोऽयमुद्यत 12 22<sup>०</sup>  
 ततोऽव्युप्यत तदा 53 10<sup>०</sup>  
 ततो वचनममवीप् 89 34<sup>०</sup> 113 63<sup>०</sup>  
 ततो वनान्तरगत 82 18<sup>०</sup>  
 ततोऽवज्ञस्य सहसा 108 70<sup>०</sup>  
 ततो वयं पुन सर्वे 103 29<sup>०</sup>  
 ततो विज्ञाय पदस्थ 107 65<sup>०</sup>  
 ततो विमार्ष्टकस्रज 23 39<sup>०</sup>  
 ततो विभ्राजितं तेन 18 12<sup>०</sup>  
 ततो विरोधे देवानां ३ 97<sup>०</sup>  
 ततो विशीणदेहास्ते 112 20<sup>०</sup>  
 ततो वृष्ण्यन्वका कृष्णं 25 15<sup>०</sup> 28 17<sup>०</sup>  
 ततो वै देवमीदृशम् 24 1<sup>०</sup> 28 10<sup>०</sup>  
 ततो वैद्यभयत्रस्ता ३ 43<sup>०</sup>  
 ततो वैन्य महाराज 5 41<sup>०</sup>  
 ततो वैचखत देव 79 17<sup>०</sup>  
 ततोऽन्वोच नरोत्तम 101 14<sup>०</sup>  
 ततो मज्जस भाण्डानि 61 59<sup>०</sup>

ततोऽधराकृदित्येव ८८ २३<sup>१</sup>  
 ततोऽसृजत्पुनर्गद्गा १ ३१<sup>१</sup>  
 ततोऽसृजत्वेगेन ११२ ७०<sup>१</sup>  
 ततोऽसृ प्रत्यवाद्यत् १० ३६<sup>१</sup>  
 ततोऽसृ यैष्णव घोरम् ११३ २३<sup>१</sup>  
 ततोऽसृ सुमहावेग ११२ ७२<sup>१</sup>  
 ततोऽसृ ज्वलिते पुन ११३ २७<sup>१</sup>  
 ततोऽस्माभिलदा तात १०२ ११<sup>१</sup>  
 ततोऽस्य विज्ञाप चिकीर्षित तदा ११५ ७<sup>१</sup>  
 ततोऽस्य सभ्यमूर्त्ते ५ १५<sup>१</sup>  
 ततो हस्या अरासध २२ १४<sup>१</sup>  
 ततोऽहमक्षय यश्चात् १०० ७३<sup>१</sup>  
 ततोऽहमर्थमेत वै १२ १९<sup>१</sup>  
 ततो हर्म्ये शयाना तु १०७ १९<sup>१</sup>  
 ततो हृष्टधरो मत्त ११० ६५<sup>१</sup>  
 ततोऽह कामयामि श्वा ९९ २३<sup>१</sup>  
 ततोऽह तस्य दुर्गुदे १५ ४३<sup>१</sup>  
 ततोऽह तस्य वचनात् १२ १<sup>१</sup>  
 ततोऽह तानपश्य वै १५ २<sup>१</sup>  
 ततोऽह देवदेवेन १०६ ८५<sup>१</sup>  
 ततोऽह नातिभूमिष्ठात् १६ ३<sup>१</sup>  
 ततोऽह परमप्रीत १०६ ८७<sup>१</sup>  
 ततोऽह प्रस्थितस्तदा १०२ १८<sup>१</sup>  
 ततोऽह धूमिर्न्येन १०१ १८<sup>१</sup>  
 ततो हाहाकृता सर्वा ४८ २४<sup>१</sup>  
 ततो हिमकरोत्सृष्टा ३६ १३<sup>१</sup>  
 ततो विरभ्यकक्षिपु ४७ १९<sup>१</sup>  
 ततो हृष्टमना हृष्ण ८१ २<sup>१</sup>  
 ततो हैमवती बाधय १०७ १४<sup>१</sup>  
 ततोऽज्ञानवर्णि देवा ४३ ६९<sup>१</sup>  
 ततोऽनुमन्त गोविन्द ८८ १२<sup>१</sup>  
 तत्कथ्यमानममृतम् ११५ २<sup>१</sup>  
 तत्कर्मास्त्रामितुष्टु ६४ २२<sup>१</sup>  
 तत्कपायास्य लक्षणम् ११७ ११<sup>१</sup>, १२<sup>१</sup>, १४<sup>१</sup>  
 तत्कालययनो युष्मा ८५ ३२<sup>१</sup>  
 तत्कार्त्तरमणीयाद्गी ४३ ४०<sup>१</sup>  
 तत्कालं ज्ञातिमिष्ट ८३ २०<sup>१</sup>  
 तत्कालं ज्ञातिभि साधै ५४ ४२<sup>१</sup>  
 तत्कृष्ण परिचिन्त्यताम् ६९ २१<sup>१</sup>  
 तत्तथा ॥ तदयया १२ २९<sup>१</sup>, ३३<sup>१</sup>  
 तत्तदुपमुपागत ६५ ४१<sup>१</sup>  
 तत्तस्य कर्त्तव्यं यद् ५१ १७<sup>१</sup>  
 तत्तस्या यचनं युत्वा १९ १०<sup>१</sup>

तत्तालवनमुत्तमम् ५७ २४<sup>१</sup>  
 तत्तालवनमुत्सृज्य ५८ १<sup>१</sup>  
 तत्तावत्कृतुमर्हसि ५१<sup>१</sup>  
 तनु तालवनं दृष्ट्वा ५७ ११<sup>१</sup>  
 तत्तनुपूर्व्या वक्ष्यामि ११ ७<sup>१</sup>  
 तत्ते प्रतिकरिष्यामि ६५ ७६<sup>१</sup>  
 तत्ते मम कृते नृप ३१ ९८<sup>१</sup>  
 तत्तेऽह सप्रवक्ष्यामि १ ६<sup>१</sup> ३१ १२<sup>१</sup>  
 तत्तवतो मम शोभने १०७ ७४<sup>१</sup>  
 तत्तदर्थी च नामत १८ २६<sup>१</sup>  
 तत्तदर्थी निरस्तुक्त ७ २४<sup>१</sup>  
 तत्तदर्थीया वाचा ४० ४४<sup>१</sup>  
 तत्तदर्थीया देहि ९९ १३<sup>१</sup>  
 तत्तया समुदाहृतम् ५८ ४१<sup>१</sup>  
 तत्त किमिदमत्यर्थ १०७ ४३<sup>१</sup>  
 तत्तवान्वेषी तथा कुत ४९ ७<sup>१</sup>  
 तत्तपद्भजमपङ्कजम् ३० १६<sup>१</sup>  
 तत्तपद् परमं ब्रह्म १०४ ११<sup>१</sup>  
 तत्तयो दधि चोत्तमम् ६० १८<sup>१</sup>  
 तत्तपरलम्भनाश्वाभि १०९ ४९<sup>१</sup>  
 तत्तपरं प्रयत्नं श्राद्धी ११ ९<sup>१</sup> १४ ११<sup>१</sup>  
 तत्तपरा व्रतमास्थिता ३ १०१<sup>१</sup>  
 तत्तपदधत्ति दिवौकस ५८ ४०<sup>१</sup>  
 तत्तुष्टुरस्ते प्रादृत ९ २०<sup>१</sup>  
 तत्तप्रणये नियोधस्व ११५ ३१<sup>१</sup>  
 तत्तप्रमायेऽकरोहुदि ८७ ४०<sup>१</sup>  
 तत्तप्रयच्छस्व मानार्ह २९ ३६<sup>१</sup>  
 तत्तप्रवर्तस्व वशाय ३५ ३०<sup>१</sup>  
 तत्तप्रसीदस्व भगवन् ३१ ४९<sup>१</sup>  
 तत्त कार्यं विधीयताम् १०७ ४६<sup>१</sup>  
 तत्त कालं मनो वाच १ २६<sup>१</sup>  
 तत्त गाथा महापरा २२ ३६<sup>१</sup>  
 तत्त गोवर्धनं चैव ५२ २७<sup>१</sup>  
 तत्त चामरदोत्र ७४ ८<sup>१</sup>  
 तत्त 'हो स्वयं ब्रह्मा १ २५<sup>१</sup>  
 तत्त 'मम कुम्भ्या वै १ ६<sup>१</sup>  
 तत्त तत्र निवेदिता ९३ ५३<sup>१</sup>  
 तत्त तत्र प्रजा सर्वा ० १२<sup>१</sup>  
 तत्त तत्र प्रभासदि ९४ २<sup>१</sup>  
 तत्त तत्र विद्या पते ९ ३४<sup>१</sup>  
 तत्त तत्र समासेन १ १०<sup>१</sup>  
 तत्त वयुदमभवत् २० ३४<sup>१</sup>

तत्र तस्यासतः कालः 50. 1<sup>०</sup>.  
 तत्र तं बालसूर्याभे 49. 30<sup>०</sup>.  
 तत्र ता वरहेमाभाः 92. 23<sup>०</sup>.  
 तत्र तेषां नृवीराणाम् 62. 87<sup>०</sup>.  
 तत्र त्वं शिशुरेषादौ 45. 39<sup>०</sup>.  
 तत्र त्वामुपयासति 43. 27<sup>०</sup>.  
 तत्र त्वां शतदण्डाक्रः 47. 46<sup>०</sup>.  
 तत्र दामोदरो वाक्यं 57. 7<sup>०</sup>.  
 तत्र दिव्यामयरधरा 9. 5<sup>०</sup>.  
 तत्र देवाः समरुतः 113. 45<sup>०</sup>.  
 तत्र देवो हुतावानः 30. 44<sup>०</sup>.  
 तत्र न स्याद्विचारणा 75. 15<sup>०</sup>.  
 तत्र निक्षिप्य दारकम् 48. 19<sup>०</sup>.  
 तत्र याजोः भ्रिया जुष्टे 43. 51<sup>०</sup>.  
 तत्र पुण्या वयुर्वाताः 92. 30<sup>०</sup>.  
 तत्र प्रासादमुण्यो वै 93. 51<sup>०</sup>.  
 तत्र भूतानि सर्वाणि 7. 53<sup>०</sup>.  
 तत्र मञ्जवद्भूतानि 96. 56<sup>०</sup>.  
 तत्र मन्त्रयतामेवं 46. 14<sup>०</sup>.  
 तत्र मह्यः समापेनुः 96. 54<sup>०</sup>.  
 तत्र मिथ्यामलार्थं ते 86. 18<sup>०</sup>.  
 तत्र यत्नपरो भव 49. 4<sup>०</sup>.  
 तत्र यादवपुंगवाः 84. 31<sup>०</sup>.  
 तत्र युद्धमभून्महत् 91. 58<sup>०</sup>.  
 तत्र रक्षा विधीयताम् 101. 12<sup>०</sup>.  
 तत्र राजभ्रिया दूतः 43. 39<sup>०</sup>.  
 तत्र रैवतकी नाम 84. 27<sup>०</sup>.  
 तत्र कासि मु भेतस्वं 49. 10<sup>०</sup>.  
 तत्र विहं चरति स्म 91. 4<sup>०</sup>.  
 तत्र विष्णुश्च वाक् 3. 50<sup>०</sup>.  
 तत्र बुद्धसमस्त्रवेका 59. 4<sup>०</sup>.  
 तत्र बृहस्पत्यकाः सर्वे 91. 25<sup>०</sup>.  
 तत्र वैदूर्यवर्णानि 92. 21<sup>०</sup>.  
 तत्र वै विद्विषाः साक्षात् 93. 29<sup>०</sup>.  
 तत्र धाकस्त्वया कृष्ण 109. 43<sup>०</sup>.  
 तत्र क्षिप्रास्तु ये देवाः 20. 36<sup>०</sup>.  
 तत्र शूराः समाख्याताः 1. 9<sup>०</sup>.  
 तत्र पश्चिद्भूतानि 10. 59<sup>०</sup>.  
 तत्र सप्तर्षयो नृप 7. 18<sup>०</sup>.  
 तत्र सर्वे च दक्षिणः 3. 90<sup>०</sup>.  
 तत्र सुमज्जे निदि 50. 22<sup>०</sup>.  
 तत्र सोमगतिश्चैव 62. 27<sup>०</sup>.  
 तत्रस्थ एव भगवान् 86. 63<sup>०</sup>.

तत्रस्थैरुपधार्यते 78. 10<sup>०</sup>.  
 तत्र स्पन्दोलिकाभिश्च 58. 10<sup>०</sup>.  
 तत्र स्म दानवा घोराः 32. 11<sup>०</sup>.  
 तत्र हत्वा पश्यन्मेध्यान् 59. 29<sup>०</sup>.  
 तत्राकुच्यद्वलमुधः 89. 32<sup>०</sup>.  
 तत्राजमुर्नराधिपाः 89. 14<sup>०</sup>.  
 तत्रात्रिः सर्वलोकानां 20. 1<sup>०</sup>.  
 तत्रादितिमुपासन्तीम् 92. 54<sup>०</sup>.  
 तत्रानिन्युः सदस्रः 89. 25<sup>०</sup>.  
 तत्रानिद्वद्वरणं 109. 45<sup>०</sup>.  
 तत्रानिद्वं दृष्ट्वा सा 107. 72<sup>०</sup>.  
 तत्रानुबन्धश्च महान् 109. 44<sup>०</sup>.  
 तत्रान्तरिक्षं बहुधा 108. 36<sup>०</sup>.  
 तत्रान्तर्हितमेव च 11. 31<sup>०</sup>.  
 तत्रार्थां प्रयसो भागः 30. 41<sup>०</sup>.  
 तत्रापि सहजां ह्रीर्वा 43. 25<sup>०</sup>.  
 तत्राप्यावीचकमभूत् 115. 18<sup>०</sup>.  
 तत्राप्यं वसतां पापः 52. 38<sup>०</sup>.  
 तत्रावतर लोकानां 45. 37<sup>०</sup>.  
 तत्रावशिष्टास्मनुजान् 43. 57<sup>०</sup>.  
 तत्राश्चयं नया दृष्टे 70. 37<sup>०</sup>.  
 तत्रासन्नमल्लेष्टव 91. 31<sup>०</sup>.  
 तत्रासन्नानि मुष्यानि 74. 10<sup>०</sup>.  
 तत्रासीनेषु सर्वेषु 91. 26<sup>०</sup>.  
 तत्रासीनरकेणास्य 91. 54<sup>०</sup>.  
 तत्रासी गोपु निरतः 45. 35<sup>०</sup>.  
 तत्राहमास्ते निरतः 35. 59<sup>०</sup>.  
 तत्राहूताश्च राजानः 89. 2<sup>०</sup>.  
 तत्रेमी दारकौ गत्वा 49. 3<sup>०</sup>.  
 तत्रेह च विधीयतः 30. 29<sup>०</sup>.  
 तत्रैकलव्यसंवात्सः 84. 28<sup>०</sup>.  
 तत्रैका जगृहे पुत्रान् 10. 57<sup>०</sup>.  
 तत्रैव गजयूथानि 93. 66<sup>०</sup>.  
 तत्रैव गुरुकं भाण्डं 70. 8<sup>०</sup>.  
 तत्रैव त्वां भगिन्यर्थे 47. 47<sup>०</sup>.  
 तत्रैव पार्वती नाम 45. 48<sup>०</sup>.  
 तत्रैव मलकेनावौ 70. 30<sup>०</sup>.  
 तत्रैव बहुरष्टमः 43. 48<sup>०</sup>.  
 तत्रैवान्तर्धीयत 14. 11<sup>०</sup>, 19. 19<sup>०</sup>, 4.  
 108. 80<sup>०</sup>, 112. 129<sup>०</sup>.  
 तत्रैवान्तर्हिगस्ते च 103. 19<sup>०</sup>.  
 तत्रैवा देवकी या ते 46. 15<sup>०</sup>.  
 तत्रोपनिषः प्रहसने 106. 20<sup>०</sup>.

तत्रोपविष्टांस्त्रावीरात्रं 95. 18<sup>०</sup>.  
 तत्रोवाच महामतिः 86. 13<sup>६</sup>.  
 तत्रोवा काममोहिता 107. 57<sup>६</sup>.  
 तत्रोवा नाम भामिनी 107. 9<sup>६</sup>.  
 तत्रोवा विमिता दद्या 108. 8<sup>०</sup>.  
 तत्रोवा महातेजाः 88 33<sup>०</sup>.  
 तस्य बालो बृहद्वयं 71. 51<sup>०</sup>.  
 तत्सर्वभवनं महत् 56. 4<sup>६</sup>.  
 तत्सर्वमुपनीयताम् 60. 12<sup>६</sup>.  
 तत्सर्वं पुण्डरीकाक्षः 100. 79<sup>०</sup>.  
 तत्सर्वं बाधुदेवस्य 85. 46<sup>०</sup>.  
 तत्सुरासुरसंयुक्तं 35. 8<sup>०</sup>.  
 तत्सृष्टं पद्मयोनिता 112. 88<sup>६</sup>.  
 तत्संन्यं तिहृतेश्वरम् 85. 66<sup>६</sup>.  
 तत्संन्यं प्रत्यपद्यत 85. 66<sup>६</sup>.  
 तत्संन्यं महद्वापाद् 85. 24<sup>६</sup>.  
 तत्संनिभतमियाभाति 35. 11<sup>०</sup>.  
 तत्संन्यद्विषयवगम्यताम् 89. 41<sup>६</sup>.  
 तथा कष्टकिर्तुर्ममैः 53. 22<sup>६</sup>.  
 तथा कर्म महत्कृता 92. 70<sup>०</sup>.  
 तथा कारीयः स्मृताः 23. 90<sup>०</sup>.  
 तथा काडीयकात्रयि 92. 16<sup>६</sup>.  
 तथा कुण्डलिनीऽसुराः 31. 86<sup>६</sup>.  
 तथा कुह जनादृत 101. 12<sup>६</sup>.  
 तथा कृष्णाजिनाम्बराः 31. 85<sup>६</sup>.  
 तथा क्षणमुद्गृह्णीयां 96. 12<sup>०</sup>.  
 तथा शाण्डीयधन्यान् 97. 17<sup>०</sup>.  
 तथा शूरसमतिः प्रभुः 23. 54<sup>६</sup>.  
 तथा शूरसमतेः पुत्राः 23 55<sup>६</sup>.  
 तथा शोषवला च स्त्री 23. 8<sup>०</sup>.  
 तथा घोरमदवत 91. 46<sup>०</sup>.  
 तथा खिराद्गद्गद् प्रभुम् 13. 37<sup>६</sup>.  
 तथा चैत्ररयोपमः 93. 13<sup>६</sup>.  
 तथा चैलापद्मपरिणः 117. 21<sup>६</sup>.  
 तथा तच्छृणु दानव 106. 12<sup>६</sup>.  
 तथा तवापि दुर्षोऽयं 112 93<sup>०</sup>.  
 तथा तात करिष्यामि 21. 23<sup>०</sup>.  
 तथा तृप्ति न गच्छामि 115. 13<sup>०</sup>.  
 तथा ते शान्ति संक्षयम् 106 63<sup>६</sup>.  
 तथा तं देव मान्त्रोक्ति 86. 24<sup>०</sup>.  
 तथा द्वापरयोऽप्यत्रा 10. 74<sup>६</sup>.  
 तथा देवविभिः सह 20. 30<sup>६</sup>.  
 तथा दानववैश्रवाः 107. 68<sup>६</sup>.

तथा देवान्सवासवान् 22. 6<sup>६</sup>.  
 तथा द्विहायना दम्भाः 116. 18<sup>६</sup>.  
 तथा नागपति गोये 97. 26<sup>०</sup>.  
 तथान्यानि सितानि च 59. 41<sup>६</sup>.  
 तथान्ये चापि राक्षसाः 31. 127<sup>६</sup>.  
 तथान्ये पृथिवीपालाः 85. 27<sup>६</sup>.  
 तथान्ये सैन्धवायनाः 23. 90<sup>६</sup>.  
 तथान्यैर्वृष्णिवीराणां 82. 3<sup>०</sup>.  
 तथा पद्मावती चैव 28. 34<sup>०</sup>.  
 तथा परिषपाणयः 31. 78<sup>६</sup>.  
 तथा पश्वलकर्षकाः 116. 18<sup>६</sup>.  
 तथा पुत्रसहस्रिणः 31 134<sup>६</sup>.  
 तथा पुत्रं महाययलम् 87. 4<sup>६</sup>.  
 तथा प्रकृतयः स्मृताः 7. 23<sup>६</sup>.  
 तथा प्रलापयस्य माम् 19. 9<sup>६</sup>.  
 तथा प्राणेश्वरावाप्तिः 39. 14<sup>०</sup>.  
 तथा ब्राह्मण्यदत्तस्योः 18. 16<sup>०</sup>.  
 तथा बाह्विद्वयो नृपः 10 50<sup>६</sup>.  
 तथामन्त्रवत् मक्षिणः 116. 34<sup>६</sup>.  
 तथा भुजामास्त्रिडेन 83 26<sup>०</sup>.  
 तथा मन्त्रः प्रवर्तताम् 41. 30<sup>६</sup>.  
 तथा मन्दाकिनीतटे 21. 6<sup>६</sup>.  
 तथा मन्दाकिनी नदी 93. 21<sup>६</sup>.  
 तथा महर्षिप्रभव इत्या गिरः 118. 45<sup>६</sup>.  
 तथा मे वक्षिणे भवान् 110. 46<sup>०</sup>.  
 तथा वज्रफलाणां च 115. 33<sup>०</sup>.  
 तथा रैवतके गिरिम् 109. 35<sup>६</sup>.  
 तथा शङ्खुद्वाराण्यः 31. 79<sup>६</sup>.  
 तथा कोको जनाद्वान् 39. 12<sup>६</sup>.  
 तथा वज्रस्य संचयान् 92. 3<sup>०</sup>.  
 तथा वनगतः शौरिः 96. 42<sup>०</sup>.  
 तथा बल्कलवाससः 31. 85<sup>६</sup>.  
 तथा वृद्धिः इन्द्रागता 117. 44<sup>६</sup>.  
 तथा वेदेभ्य देवेभ्य 39. 13<sup>०</sup>.  
 तथा सङ्घवित्रा विभुः 3. 66<sup>६</sup>.  
 तथा शतसहस्रजाः 97. 39<sup>६</sup>.  
 तथा शूरः सपरान्वित् 98. 10<sup>६</sup>.  
 तथा शृणु महीपते 3. 2<sup>६</sup>.  
 तथा सत्यवती नृप 23. 85<sup>६</sup>.  
 तथा सिंहासनानि च 92. 4<sup>०</sup>.  
 तथा सुदुष्टोऽप्रतिबलः 96. 38<sup>०</sup>.  
 तथास्त्विति विनिर्गता 47. 87<sup>६</sup>.  
 तथाहं तच्च मे मतम् 58. 46<sup>०</sup>.

तथाई महचेतन 102 13<sup>d</sup>  
 तथाई नायगन्तव्य 63 11<sup>d</sup>  
 तथाई भवताप्युक्त 109 25<sup>d</sup>  
 तथा हिरण्यलोमान 4 14<sup>d</sup>  
 तथा हि योमानं तं 85 8<sup>d</sup>  
 तथा इत्योत्थिता बुद्धि 68 35<sup>d</sup>  
 तथेत्यभिहितो भर्ता 3 102<sup>d</sup>  
 तथेत्याह ततो मुनि 10 57<sup>d</sup>  
 तथेत्युक्ता तथा च सा 8 13<sup>d</sup>  
 तथेत्युक्ता ॥ तस्यासीत् 17 2<sup>d</sup>  
 तथेत्युक्ता ॥ ते तर्ज 16 12<sup>d</sup>  
 तथेत्युक्ता तु गरुड 113 12<sup>d</sup>  
 तथेत्युक्ता पुनर्नन्दी 112 85<sup>d</sup>  
 तथेत्युक्ता स तद्युद्ध 110 23<sup>d</sup>  
 तथेत्येषामवीरहृण 79 12<sup>d</sup>  
 तथेत्येषामवीरज्ञा 21 26<sup>d</sup>  
 तथेय हि त्वया कार्य 86 29<sup>d</sup>  
 तथेय कामान्विधा समस्तुते 118 44<sup>d</sup>  
 तथेय च मनो नित्यम् 104 23<sup>d</sup>  
 तथेय च विसमूह 76 31<sup>d</sup>  
 तथेय च श्रुतवांग 88 14<sup>d</sup>  
 तथेय च समारुद्धी 114 13<sup>d</sup>  
 तथेय ज्ञातिलुब्धस्य 77 46<sup>d</sup>  
 तथेय तस्मिन् प्रज्ञ 16 32<sup>d</sup>  
 तथेय तव दुर्धर्ष 118 32<sup>d</sup>  
 तथेय तव सोऽर्जुन 62 81<sup>d</sup>  
 तथेय त्रिदिव देवा 31 62<sup>d</sup>  
 तथेय परिदुर्धयन् 83 5<sup>d</sup>  
 तथेय पुत्रो भगवान् 7 31<sup>d</sup>  
 तथेय प्राह तांस्सर्वा 83 5<sup>d</sup>  
 तथेय बलहा शक 109 21<sup>d</sup>  
 तथेय भरतर्षभ 103 29<sup>d</sup>  
 तथेय भ्रातर आस्य 78 45<sup>d</sup>  
 तथेय मरुतोऽभवत् 3 109<sup>d</sup>  
 तथेय मेदस्तावर्णा 7 5<sup>d</sup>  
 तथेय यवनाधिप 85 34<sup>d</sup>  
 तथेय रामोऽतिबल 96 17<sup>d</sup>  
 तथेय जनवेपेण 88 53<sup>d</sup>  
 तथेय वसुधा जित्वा 68 33<sup>d</sup>  
 तथेय धृति शुचिभि 6 48<sup>d</sup>  
 तथेय सद् गोपीभि 83 5<sup>d</sup>  
 तथेनाङ्गिरसस्तत्र 20 12<sup>d</sup>  
 तथेयाद्यापि द्दयन्ते 16 26<sup>d</sup>

तथेयानामास्य ये 7 6<sup>d</sup>  
 तथैवान्व पुं सुनि 10 4<sup>d</sup>  
 तथैवाप्सरसां गण 113 17<sup>d</sup>  
 तथैवामयद्व्यासीत् 23 5<sup>d</sup>  
 तथैवायुर्वृगे युगे 117 50<sup>d</sup>  
 तथैवासीनमुत्तङ्गे 70 32<sup>d</sup>  
 तथैवाग्नि सवान 86 65<sup>d</sup>  
 तथैवाकृतिभीष्मकौ 96 52<sup>d</sup>  
 तथ्यमेतन्मम वच 35 54<sup>d</sup>  
 तद्वण्डमकरोद्भू 1 26<sup>d</sup>  
 तद्वण्डमुदकेशयम् 1 25<sup>d</sup>  
 तद्वृत्तमपुत्रपत् 35 64<sup>d</sup>  
 तद्वृत्तमिवाभवत् 112 10<sup>d</sup>  
 तद्वृत्त दैत्यसदृशगर्भ 33 32<sup>d</sup>  
 तद्वनीकपुर सरम् 112 11<sup>d</sup>  
 तदनुविचिन्त्य यन्मूय गीतमन्यु 118 42<sup>d</sup>  
 तदनुष्ठीयता वच 78 32<sup>d</sup>  
 तदनेन तवोग्रेण 38 60<sup>d</sup>  
 तदप्यतिबले विष्णु 92 42<sup>d</sup>  
 तदप्यमिषतेजसा 93 53<sup>d</sup>  
 तदप्ययसित हृत्स्व 113 67<sup>d</sup>  
 तदप्युत्पाद्य कृष्णार्थम् 93 56<sup>d</sup>  
 तदप्रतिहत युद्ध 8 45<sup>d</sup> 112 67<sup>d</sup>  
 तदभूजुमुल युद्ध 42 26<sup>d</sup>  
 तद्वरण्य इमशानाम 67 7<sup>d</sup>  
 तद्वैरिण दिवौकस 58 42<sup>d</sup>  
 तद्वधहरेय सचिन्त्य 43 1<sup>d</sup>  
 तदर्थ या समागता 82 26<sup>d</sup>  
 तदशक्यमचिन्त्य च 79 19<sup>d</sup>  
 तदसक्यमचिन्त्य 110 38<sup>d</sup>  
 तदसत्त्वधनुष 36 29<sup>d</sup>  
 तदसत्त्वधमयित 37 35<sup>d</sup>  
 तदस्माक गुरुस्त्व हि 62 41<sup>d</sup>  
 तदस्माक परा यज्ञा 100 72<sup>d</sup>  
 तदस्माक विनिश्चितम् 109 52<sup>d</sup>  
 तदस्य कश्यपस्यास 45 34<sup>d</sup>  
 तदस्य सर्पराजस्य 55 54<sup>d</sup>  
 तदस्या श्रुतवन्त अ 41 27<sup>d</sup>  
 तदह स्वराया विष्णो 44 19<sup>d</sup>  
 तदह श्रोतुमिच्छामि 106 2<sup>d</sup>  
 तदह समनुप्रास 62 34<sup>d</sup>  
 तदा कुन्दो बजे सुत 108 82<sup>d</sup>  
 तदाहूर उच्छ्रितात् 70 31<sup>d</sup>





तपसा निर्मित महत् 112 67<sup>5</sup>तपसा निष्कलेन च 16 37<sup>2</sup>तपसानेन सुवत् 31 40<sup>5</sup>तपसा व्रधार्चयेण 7 52<sup>2</sup>तपसा भावितात्मन 3 80<sup>2</sup>तपसे प्लुतमानस 85 63<sup>2</sup>तपसे सशितवत् 104<sup>2</sup> 9 63<sup>2</sup>तपसोऽन्तेऽस्य महायसा 22 42<sup>2</sup>तपसोऽन्तेऽस्य भगवान् 31 52<sup>2</sup>तपस्तेने महाभाग 20 17<sup>2</sup>तपस्तेने महाराज 2 10<sup>2</sup>तपस्तेने सुदाह्यम् 35 23<sup>2</sup> 85 9<sup>2</sup>तपस्युपे रत्नान्सदा 23 13<sup>2</sup>तपसिनो महावीर्या 3 65<sup>2</sup>तपस्वी ब्राह्मणश्च रत्ना 23 153<sup>2</sup>तपस्वी सत्यविरक्ति 2 17<sup>2</sup>तप परमदुश्चरम् 2 3<sup>2</sup> 23 139<sup>2</sup>तप प्रकर्षादिति पुराणम् 50 19<sup>2</sup>तप कलेन या राजन् 19 8<sup>2</sup>तप शरीरा सर्पाका 13 20<sup>2</sup>तप सत्य च भारत 104 17<sup>2</sup>तपान्ते जलदो यथा 37 1<sup>2</sup>तपोऽतप्य सुदुश्चरम् 12 4<sup>2</sup>तपोदीर्घेण वसुधा 97 41<sup>2</sup>तपोबलसमाधिभि 86 1<sup>2</sup>तपो ब्रह्म च शाश्वतम् 6 17<sup>2</sup>तपोमूलस्तपस्विनाम् 30 36<sup>2</sup>तपोमूलस्तपोधन 7 20<sup>2</sup>तपोयज्ञार्थेयेदानी 116 14<sup>2</sup>तपोरतिरकल्पाय 7 20<sup>2</sup>तपो वर्षशत तेषे 23 104<sup>2</sup>तपो वर्षाणि राघव 31 118<sup>2</sup>तपो वा नियमोऽपि 116 37<sup>2</sup>तपो वा रक्षत प्रजा 118 16<sup>2</sup>तपोवीर्यासमुपपन्न 12 11<sup>2</sup>तप्तकाशान्मुपपन्नम् 32 22<sup>2</sup>तप्तकुण्डलमुपपन्नम् 34 42<sup>2</sup>तप्यमानासपत्नीभि 47 13<sup>2</sup>तपमूर जनार्दन 29 35<sup>2</sup>तपमिमभिपेक्षयत् 110 17<sup>2</sup>तपमगो द्विज हृत्वा 101 18<sup>2</sup>तपतिप्रान्तमर्षादम् 5 8<sup>2</sup>तपमिर्दिष्टं रघु 5 17<sup>2</sup>तमप्यासन्त निर्वृता 53 35<sup>2</sup>तमन्या भावविकचै 63 31<sup>2</sup>तमन्वयुर्जरासघ 80 16<sup>2</sup>तमन्वयुर्दुराणा 34 47<sup>2</sup>तमन्वयुर्नुपाश्रय 88 4<sup>2</sup>तमपास्य च तर्जव 114 9<sup>2</sup>तमपृच्छ सनातनम् 12 19<sup>2</sup>तमप्याहुर्मनुष्येन्द्र 31 112<sup>2</sup>तमप्रतिमकर्माण 38 44<sup>2</sup>तमसा जिघ्रस्य सर्व 32 18<sup>2</sup>तमसा नीलरवेस 35 16<sup>2</sup>तमसा युज्यते सदा 113 39<sup>2</sup>तमस्तथा कथ बोध 104 5<sup>2</sup>तमह शृङ्गया वाचा 43 36<sup>2</sup>तमशुभाम्महाबाहु 88 11<sup>2</sup>तम श्रोतसार्थं वसुधा 36 6<sup>2</sup>तमागस्कारिण वृत् 31 126<sup>2</sup>तमादिदुरप देव 10 48<sup>2</sup>तमापतन्तमुवृत्त 64 14<sup>2</sup>तमापतन्त रघुयै 108 20<sup>2</sup>तमापतन्त प्रभुले 64 16<sup>2</sup>तमापतन्त त्रिभुवाय 87 72<sup>2</sup>तमापतन्त सप्रेक्ष्य 67 17<sup>2</sup>तमाविशत्तदा विष्णु 9 65<sup>2</sup>तमाह हृण कालो भो 79 13<sup>2</sup>तमाह हृण सहृद 70 16<sup>2</sup>तमाह केशवो हृद 70 34<sup>2</sup>तमाह सस्मित हृण 58 34<sup>2</sup>तमाहामितदग्निम् 69 26<sup>2</sup>तमाहृतिरभापत 89 30<sup>2</sup>तमिडा प्रत्युवाच 8 6<sup>2</sup>तमिन्द्रो रूपित पुन 3 108<sup>2</sup>तमुक्त्वा कर्म साकरोत् 51 14<sup>2</sup>तमुच्यंदात्पथ 35 26<sup>2</sup>तमुत्तङ्गोऽय विप्राय 9 50<sup>2</sup>तमुत्तम्य तदात्मन 12 21<sup>2</sup>तमुपश्रुत्य सङ्गद 90 9<sup>2</sup>तमुपानायय स गृप 85 13<sup>2</sup>तमुपाश्रममुच्यत 10 9<sup>2</sup>तमुपेक्षितवानय 29 31<sup>2</sup>तमुपेत्य महादव 112 106<sup>2</sup>तमुपेन्द्रमरिदम् 79 37<sup>2</sup>तमुवाच जनार्दन 103 3<sup>2</sup>

तस्मिन्नन्वर्हिते देवे 15. 1<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नपरितोयो यः 10 10<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नदनि निवृत्ते 74 1<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नानाजनाकीर्णे 74 16<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नारायणाधमे 40 34<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्क्षिपति ते देवाः 20 11<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्क्षिपति ते दैत्ये 38 50<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्पुरातलक्षणे 32 17<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्पुरते राजन् 85 26<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नेव क्षणे प्राप्ते 108 12<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नेव ततः काले 86 23<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नेव महापदे 5 33<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नेव मुहूर्ते तु 65 101<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्नेव भजस्थाने 52 1<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्पर्यायनिर्गते 60. 34<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्पुरवरक्षेपे 83 29<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्पुरपरे नद्य 93 63<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्प्रयाते दुर्धर्मे 9 66<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्महाशिरस्थे 112 42<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्भूमौ निपतिते 100 20<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्भुवनस्थाने 44 53<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्मुक्ते दिशः सर्वाः 112 68<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्मये महादाने 31 106<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्मयादवससदि 78 3<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्मुद्रे बुद्धारणे 112 63<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्वनगते नृपे 10 3<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्निष्कले ऋषिर्ते 119 14<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्निदिहै स्वया 9 68<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्निमर्गे निवृत्ते 38 55<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्निमर्गे योधाना 82 7<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्दिमाने पर्यङ्के 12 6<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्सत्रे सम्राट् तु 115 5<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्समरमूर्धनि 112 5<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्सुते न वर्तन्ते 40 24<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्सुपिहिता सर्वे 93 63<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्स्थातु स्व आश्रमे 57<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्हते नास्ति भद्रे 5 2<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्हते महामात्रे 80 50<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्होके वरस्त्रियः 77 21<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्ध पुरुषोत्तमे 62 73<sup>a</sup>.  
 तस्मिन्प्रावपतिते 99 31<sup>a</sup>.  
 तस्मिस्तु देवतद्वे 21 27<sup>a</sup>.  
 तस्मिस्तु मध्यमाने वै 16<sup>a</sup>.

तस्मिस्तु द्युरियते दैत्ये 35 73<sup>a</sup>.  
 तस्मै चुक्रोध वै कृष्णः 71 12<sup>a</sup>.  
 तस्मै दत्तानि चास्त्राणि 31 113<sup>a</sup>.  
 तस्मै दत्तो वराहप्रादात् 23 140<sup>a</sup>.  
 तस्मै पुन्युनिवर्हणे 9 61<sup>a</sup>.  
 तस्मै प्रह्लादो ददौ प्रीतः 2 11<sup>a</sup>.  
 तस्मै रात्रे महात्मने 7 76<sup>a</sup>.  
 तस्य कर्मण्यहं विप्रः 90 3<sup>a</sup>.  
 तस्य का परिदेवता 44 40<sup>a</sup>.  
 तस्य हृत्वा महात्मनः 10 36<sup>a</sup>.  
 तस्य कृष्णभुजोद्धताः 67. 40<sup>a</sup>.  
 तस्य कृष्णाभिपद्येत 76 4<sup>a</sup>.  
 तस्य कृष्णो महाबलः 88 22<sup>a</sup>.  
 तस्य क्रोधाग्निर्पूर्णः 56 8<sup>a</sup>.  
 तस्य गङ्गा च तस्यद्व 23 76<sup>a</sup>.  
 तस्य गर्भस्य वा विशः 20 8<sup>a</sup>.  
 तस्य गर्भस्य मार्गेण 48 8<sup>a</sup>.  
 तस्य गोवर्धनो नाम 52 24<sup>a</sup>.  
 तस्य गोमज्जवासिनः 65 32<sup>a</sup>.  
 तस्य गौरवदर्शनात् 73 19<sup>a</sup>.  
 तस्य चक्षुःसमुरयेन 40 49<sup>a</sup>.  
 तस्य चन्द्रोपमः यवत्रम् 92. 31<sup>a</sup>.  
 तस्य चातु हस्त्युधः 109 89<sup>a</sup>.  
 तस्य चास्त्रमुपतिष्ठतः 110 3<sup>a</sup>.  
 तस्य चायं क्रतुः कृष्णः 59 8<sup>a</sup>.  
 तस्य चारयतः सोऽथः 10 47<sup>a</sup>.  
 तस्य चास्त्रिदशरूपः 28 23<sup>a</sup>.  
 तस्य चित्ररथः सुतः 23 34<sup>a</sup>.  
 तस्य चित्तयतस्सर्वे 47 11<sup>a</sup>.  
 तस्य चैत्ररथी भार्या 9 84<sup>a</sup>.  
 तस्य चैवोद्यमानस्य 59 14<sup>a</sup>.  
 तस्य तरपापशमनः 20 46<sup>a</sup>.  
 तस्य तस्मात्पुत्रं दुष्प्राप्यम् 20 28<sup>a</sup>.  
 तस्य तद्वचनं श्रुत्वा 109 81<sup>a</sup>.  
 तस्य तद्वदनं श्यावं 76 39<sup>a</sup>.  
 तस्य वा तरसा सर्गे 112 75<sup>a</sup>.  
 तस्य ते युष्यतः कृष्णः 62 85<sup>a</sup>.  
 तस्य दर्पबलं हत्वा 64 19<sup>a</sup>.  
 तस्य दाशरथिर्वीरः 23 37<sup>a</sup>.  
 तस्य दीप्तसारौघस्य 112 36<sup>a</sup>.  
 तस्य दूतस्य तच्छूरा 44 38<sup>a</sup>.  
 तस्य देवबलस्य ह 34 19<sup>a</sup>.  
 तस्य देशस्य शाखिनाम् 55 21<sup>a</sup>.

तस्य देह सुलोचित 76 38<sup>४</sup>  
 तस्य देहे प्रकाशान्ते 76 41<sup>५</sup>  
 तस्य दैत्यस्य चनेण 38 46<sup>१</sup>  
 तस्य दैत्यस्य दुर्बुदे 44 43<sup>२</sup>  
 तस्य दैवी स्थिता बुद्धि 86 19<sup>३</sup>  
 तस्य द्वायतीपते 86 56<sup>४</sup>  
 तस्य नाह गतिं जाने 65 24<sup>५</sup>  
 तस्य नि श्वासरातेन 9 56<sup>६</sup>  
 तस्य नि स्य भोगिन 113 2<sup>७</sup>  
 तस्य नेत्रे सयग्धने 75 43<sup>८</sup>  
 तस्य पत्नी गले बद्धा 9 97<sup>९</sup>  
 तस्य पद्मयामयाक्रम्य 56 30<sup>१०</sup>  
 तस्य पश्यतमुपल 92 38<sup>११</sup>  
 तस्य पुनर्यमापन्न 44 61<sup>१२</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 23 156<sup>१३</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 9 38<sup>१४</sup> 23 40<sup>१५</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 72<sup>१६</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 20 43<sup>१७</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 28 5<sup>१८</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 21 10<sup>१९</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 56 11<sup>२०</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 9 78<sup>२१</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 23 168<sup>२२</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 9 70<sup>२३</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 5 2<sup>२४</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 23 161<sup>२५</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 44 23<sup>२६</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 85 51<sup>२७</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 29 10<sup>२८</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 76 16<sup>२९</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 23 26<sup>३०</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 112 104<sup>३१</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 23 143<sup>३२</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 58 54<sup>३३</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 110 61<sup>३४</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 45 36<sup>३५</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 8 1<sup>३६</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 26 17<sup>३७</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 23 46<sup>३८</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 26 22<sup>३९</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 9 33<sup>४०</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 70 17<sup>४१</sup>  
 तस्य पुनरावस्थान् 72 13<sup>४२</sup>

तस्य मूढ हि युद्धस्य 115 20<sup>४३</sup>  
 तस्य यन्त्रावित सेत्र 20 15<sup>४४</sup>  
 तस्य यन्त्रे पुरा गीता 12 56<sup>४५</sup>  
 तस्य योगो विघातस्य 62 78<sup>४६</sup>  
 तस्य यस्मीनागृह्णाथ 19 16<sup>४७</sup>  
 तस्य राज्ञो सुनिर्मिता 84 29<sup>४८</sup>  
 तस्य राज्ञो वसो कन्या 13 35<sup>४९</sup>  
 तस्य रूपमयुक्तदा 58 53<sup>५०</sup>  
 तस्य रूपमयुक्तदा 61 44<sup>५१</sup>  
 तस्य रूपमयुक्तदा 81 31<sup>५२</sup>  
 तस्य लोके सुदुर्मते 109 5<sup>५३</sup>  
 तस्य वपंसहस्राणि 40 35<sup>५४</sup>  
 तस्य वशकरा नृप 10 50<sup>५५</sup>  
 तस्य वशकरा भुवि 23 29<sup>५६</sup>  
 तस्य वशकरा राज्ञ 15 14<sup>५७</sup>  
 तस्य वश निरोध मे 19 36<sup>५८</sup>  
 तस्य वशो महाराज 22 43<sup>५९</sup>  
 तस्य वाक्पयस्य पर्याय 100 58<sup>६०</sup>  
 तस्य वाक्पय विचिन्तयन् 46 20<sup>६१</sup>  
 तस्य वाक्पयस्य तु 108 58<sup>६२</sup>  
 तस्य वारिमय वेग 9 74<sup>६३</sup>  
 तस्य विक्रमलो भूमि 31 89<sup>६४</sup>  
 तस्य विद्युच्छापीना 37 36<sup>६५</sup>  
 तस्य विप्रस्य भवने 102 9<sup>६६</sup>  
 तस्य विष्णो सुरेशस्य 31 10<sup>६७</sup>  
 तस्य विस्तरमाख्यास्ये 4 18<sup>६८</sup>  
 तस्य वै पुनर्मिथुन 27 18<sup>६९</sup>  
 तस्य वै सनत पुन 15 35<sup>७०</sup>  
 तस्य शङ्खस्य शब्देन 94 9<sup>७१</sup>  
 तस्य शाखो विशाखश्च 3 36<sup>७२</sup>  
 तस्य शापान्महासुने 23 156<sup>७३</sup>  
 तस्य शुको वदो प्रीत 22 5<sup>७४</sup>  
 तस्य शृङ्गाणि चामयन् 61 38<sup>७५</sup>  
 तस्य शैलस्य विपुल 61 57<sup>७६</sup>  
 तस्य शैलस्य सानुपु 61 31<sup>७७</sup>  
 तस्य सत्यरति सुत 15 31<sup>७८</sup>  
 तस्य सत्यरथा नाम 10 21<sup>७९</sup>  
 तस्य सत्यरथो नाम 88<sup>८०</sup>  
 तस्य सत्यरथवृत्तस्य 45 2<sup>८१</sup>  
 तस्य सत्यमिदं जगत् 3 111<sup>८२</sup> 7 54<sup>८३</sup>  
 तस्य सकल्प आसीत् 18 10<sup>८४</sup>  
 तस्य सविद्धमृतदा 18 19<sup>८५</sup>  
 तस्य सप्तभयामास 70 28<sup>८६</sup>

त च दिव्य दुमश्रेष्ठ 94 23<sup>६</sup>  
 त च देवा द्यवसित 43 21<sup>६</sup>  
 त च पञ्चजन घोर 91 52<sup>६</sup>  
 त च राजानमाहुकम् 91 30<sup>६</sup>  
 त च राजा स मागध 82 8<sup>६</sup>  
 त च वृद्ध प्रियसुत 69 18<sup>६</sup>  
 तं च शक्रस्य दयित 94 19<sup>६</sup>  
 त चाधमेधिक सोऽथ 10 53<sup>६</sup>  
 त चास्त्र विपर्य महेत् 37 52<sup>६</sup>  
 त चित्रसेन सरथ 81 83<sup>६</sup>  
 तं जगात् हृदोत्तमम् 56 17<sup>६</sup>  
 तं जघान महाघोर 91 50<sup>६</sup>  
 त जयाय सुरेन्द्राणां 38 37<sup>६</sup>  
 त जिगाय ततो कमी 89 28<sup>६</sup>  
 त तपा पतित दृष्टा 106 40<sup>६</sup>  
 त तपन्तमिवादिष्ये 35 24<sup>६</sup>  
 तं तु कृणीष्व भद्र ते 112 126<sup>६</sup>  
 तं तु कृष्याश्च गोपाश्च 58 56<sup>६</sup>  
 त तु गर्भे प्रयत्नेन 48 9<sup>६</sup>  
 त तु यद् गते दृष्टा 9 98<sup>६</sup>  
 तं तु द्रुपुर्वैल्यगणा 37 59<sup>६</sup>  
 त त्वजामोऽथ वै वयम् 66 34<sup>६</sup>  
 त त्रैलोक्यान्तरगतं 37 2<sup>६</sup>  
 त स्व प्रत्यभिज्ञानीहि 107 70<sup>६</sup>  
 त दूद्वेयमहं सुरा 85 42<sup>६</sup>  
 त दिव्य विष्टर विना 70 27<sup>६</sup>  
 त दीनमतस ज्ञात्वा 112 82<sup>६</sup>  
 तं ददय वालं महता 62 4<sup>६</sup>  
 त दृष्टा चित्तपामास 55 47<sup>६</sup>  
 तं दृष्ट्वा दुद्रुपुर्गोपा 67 14<sup>६</sup>  
 तं दृष्ट्वा निर्दयी दृष्ट 85 38<sup>६</sup>  
 तं दृष्ट्वा परममीता 5 40<sup>६</sup>  
 त दृष्ट्वा प्रमुपे तस्य 112 49<sup>६</sup>  
 तं दृष्ट्वा मुनय माहु 2 21<sup>६</sup>  
 तं दृष्ट्वा सर्वनिर्मुक्त 72 2<sup>६</sup>  
 तं देशमगमयथ 51 25<sup>६</sup>  
 त देशमाजगामासु 38 55<sup>६</sup>  
 तं द्रक्ष्यप ससृद्ध च 69 4<sup>६</sup>  
 त नमस्तुह नारत 113 78<sup>६</sup>  
 तं निवार्य ततो धृष्टा 20 41<sup>६</sup>  
 त नृपं जाम्बव्य 118 19<sup>६</sup>  
 त पिता मन हस्तन 11 17<sup>६</sup>  
 त पुन शरवर्षण 108 69<sup>६</sup>

त प्रक्षालयता जले 114 11<sup>६</sup>  
 त प्रत्यविध्यत्कार्य 87 53<sup>६</sup>  
 त प्रत्यविध्यत्सप्तत्या 88 8<sup>६</sup>  
 त प्रदाय हृषीकेश 98 14<sup>६</sup>  
 त प्रविष्टो हृषीकेश 103 25<sup>६</sup>  
 त प्रवेक्ष्यन्ति वै सर्वे 62 75<sup>६</sup>  
 त प्रस्थितमभिप्रक्ष्य 100 26<sup>६</sup>  
 त विमोदादिभि क्रुद्ध 87 72<sup>६</sup>  
 त ब्रह्मवाग्निं क्षात् 21 4<sup>६</sup>  
 त भागवतमव्ययम् 70 29<sup>६</sup>  
 त भूयो जनयामास 3 3<sup>६</sup>  
 त मणिं यन्नये पुन 29 39<sup>६</sup>  
 त मन्त्र मनसा बहन् 70 33<sup>६</sup>  
 त महोत्थायै सुत 77 2<sup>६</sup>  
 त मा पश्य समापन्न 35 67<sup>६</sup>  
 त मुद्रयिस्वाय घट 85 34<sup>६</sup>  
 त मुमोच हरि स्वयम् 111 7<sup>६</sup>  
 त मूर्ध्निपात्राय तदा 20 43<sup>६</sup>  
 त मे त्व पुनरानय 79 11<sup>६</sup>  
 त यद् प्रत्युवाच ह 22 24<sup>६</sup>  
 त यत्र कृष्णपूर्वज 83 3<sup>६</sup>  
 त वारय महाकाय 9 58<sup>६</sup>  
 त वासुदेव श्रीमन्त 85 53<sup>६</sup>  
 त वित्त्य महापक्षौ 38 48<sup>६</sup>  
 त विविके नगगव 62 8<sup>६</sup>  
 तं वै रुद्र च शकरम् 20 36<sup>६</sup>  
 त वै विदि महाराज 1 18<sup>६</sup>  
 त वै स्वयभूर्भगवान् 31 35<sup>६</sup>  
 तं ज्ञान्त सुपर्जन 42 5<sup>६</sup>  
 त शीहितमुख दृष्ट्वा 89 33<sup>६</sup>  
 त शायन महारमान 40 10<sup>६</sup>  
 तं शररुद्रसुमार्पीडा 89 30<sup>६</sup>  
 त शमाप तत शोधात् 8 20<sup>६</sup>  
 त श्रुत्वा निन्द घोरम् 109 13<sup>६</sup>  
 तं सञ्जयित्वा कसस्य 69 30<sup>६</sup>  
 त ससराये सपूर्णे 99 3<sup>६</sup>  
 त समाचार मार्गेन 14 10<sup>६</sup>  
 त सम्राजमुत्तमम् 96 61<sup>६</sup>  
 त समुद्राश्च नद्याश्च 5 25<sup>६</sup>  
 त सर्पमिव सर्पन्त 81 61<sup>६</sup>  
 त सर्वे यादवा मुख्या 78 41<sup>६</sup>  
 तसुरोद्योगप्रविरय 23 44<sup>६</sup>  
 तमुस्तामध्यगच्छत 23 45<sup>६</sup>

त सोममग्नि लोक च 39 11<sup>०</sup>  
 तसो सुरौघो रात्रि 23 46<sup>०</sup>  
 त स्म कीक्षन्ति भूतानि 36 57<sup>०</sup>  
 त स्म वृताभिनन्दन्ति 63 2<sup>०</sup>  
 त स्यन्दनमधिष्ठाय 112 87<sup>०</sup>  
 त इत्त वेशिन् दृष्ट्वा 67 45<sup>०</sup>  
 त इत्त परिदेवन्त्य 71 14<sup>०</sup>  
 त हस्ता वशिन् युदे 67 44<sup>०</sup>  
 त हवा पुण्डरीकाक्ष 74 39<sup>०</sup> 76 42<sup>०</sup>  
 त हवा रथमारुह्य 87 70<sup>०</sup>  
 त हनिष्यसि विक्रम्य 15 53<sup>०</sup>  
 ता गाव प्रभुता वासै 60 30<sup>०</sup>  
 ता गाव ससराग्रण 61 4<sup>०</sup>  
 ताजघान महाबाहु 91 4<sup>०</sup>  
 ताजघान शिलातले 48 2<sup>०</sup>  
 तात नैवविधा भूमौ 77 43<sup>०</sup>  
 तादृशो विग्रहो दृत्त 109 41<sup>०</sup>  
 तानभिरद्दहद्वोर 2 37<sup>०</sup>  
 तानधर्मैविदो मग्दान् 113 38<sup>०</sup>  
 तानन्दाभ्यास्करो यथा 93 41<sup>०</sup>  
 तानयाचत चतुर 17 6<sup>०</sup>  
 तानरीम्भारवृष्टिभि 81 82<sup>०</sup>  
 तानई समरे इन्धा 45 16<sup>०</sup>  
 तानामव्य सदोगतात् 40 2<sup>०</sup>  
 ता नायो जम्बुरहुता 107 17<sup>०</sup>  
 तानि कि न विकथसे 112 90<sup>०</sup>  
 तानि तेषा विमलानि 113 56<sup>०</sup>  
 तानि दूरचक्रपवि 52 12<sup>०</sup>  
 तानि दृष्ट्वा महातपा 10 18<sup>०</sup>  
 तानि पुत्रसत्ताम्यस्य 21 28<sup>०</sup>  
 तानि बाणसहस्राणि 108 62<sup>०</sup>  
 तानि मे यजुर्महसि 105 3<sup>०</sup>  
 तानि रत्नौघकृत्सनि 74 7<sup>०</sup>  
 तानि शष्पाण्यवाल्यानि 59 46<sup>०</sup>  
 तानि धाद्वानि दत्तानि 11 13<sup>०</sup>  
 तानि सन्तीह सर्वाणि 92 16<sup>०</sup>  
 तानि सर्वाणि परधाम 66 31<sup>०</sup>  
 तानि सर्वोण्यद्वयन्त 79 35<sup>०</sup>  
 तानुक्त्वा विरराम ह 96 3<sup>०</sup>  
 तानुवाच जरासप 81 71<sup>०</sup>  
 तानुवाच तत कृष्ण 100 28<sup>०</sup>  
 तानुवाच ततो ब्रह्मा 47 18<sup>०</sup>  
 तानुवाच हरिद्वान् 40 44<sup>०</sup>

तानुवाच हषावेश 103 17<sup>०</sup>  
 तानुपिन्सुतमागधौ 5 35<sup>०</sup>  
 तान्कवि सप्तमश्वैव 16 8<sup>०</sup>  
 तान्क्षत्रियगणास्तात 13 51<sup>०</sup>  
 तान्गर्भाच्चिदुत्तत 10 60<sup>०</sup>  
 तान्धनौघान्सतिमिरान् 32 20<sup>०</sup>  
 तान्दानवगणा सर्वे 13 42<sup>०</sup>  
 तान्दृष्ट्वा कृष्णमन्त्रवीन् 110 46<sup>०</sup>  
 तान्दृष्ट्वाचिन्त्यस्तत्र 110 20<sup>०</sup>  
 तान्धनेनाभिवृत्तय 86 59<sup>०</sup>  
 तान्नमस्तस्व भार्गव 13 70<sup>०</sup>  
 तान्पादाहस्तप्रथितान् 36 21<sup>०</sup>  
 तान्प्रत्ययुह्यन्सरन्धा 87 51<sup>०</sup>  
 तान्प्रभेद जनार्दन 81 84<sup>०</sup>  
 तान्मज्जयानानेकसव 109 22<sup>०</sup>  
 तान्यन्ति स्म लोक वै 11 36<sup>०</sup>  
 तान्यजस्र महाभागान् 11 38<sup>०</sup>  
 तान्पादातनिकाशानि 52 10<sup>०</sup>  
 तान्येवासा कारयित्ये 86 7<sup>०</sup>  
 तान्समीद्वय महोत्थातान् 102 5<sup>०</sup>  
 तापनीये यथा वपटे 75 43<sup>०</sup>  
 तापयन्त्येन तेजसा 62 48<sup>०</sup>  
 तानिधौघौ ह्यव लोक 20 16<sup>०</sup>  
 तानिहंतो न सदेह 109 56<sup>०</sup>  
 ताभ्यामन्तर्दधे तदा 42 33<sup>०</sup>  
 ताभ्यामायमने प्रीति 65 93<sup>०</sup>  
 ताभ्यामाज्ञावित सैन्य 36 16<sup>०</sup>  
 ताभ्यामुक्तामेवाभ्या 38 33<sup>०</sup>  
 ताभ्यामेकस्तु पचाक्ष 71 50<sup>०</sup>  
 ताभ्यामेव त जग्राह 57 19<sup>०</sup>  
 ताभ्यां जपद्वस्तृषा 36 46<sup>०</sup>  
 ताभ्या ते सखि चक्रु 78 46<sup>०</sup>  
 ताभ्यां प्रधाजितो रात्र्यात् 26 12<sup>०</sup>  
 ताभ्या प्रीतो ददौ मास्य 71 18<sup>०</sup>  
 ताभ्या बलाभ्यां सज्जे 35 1<sup>०</sup>  
 ताभ्या बलाभ्या सहष्टा 37 23<sup>०</sup>  
 ताभ्यां मीमा सुरावुरा 36 23<sup>०</sup>  
 ताभ्या सृष्टे प्रयुक्ताभ्या 81 55<sup>०</sup>  
 ताभ्या युद्ध युदात्म्यम् 75 39<sup>०</sup>  
 ताभ्या युधि निरन्ताभ्यां 72 21<sup>०</sup>  
 ताभ्यां समवतीर्णानि 81 60<sup>०</sup>  
 ताभ्यां स विदो दक्षिणि 87 62<sup>०</sup>  
 ताभ्या सह नियोत्सेते 65 87<sup>०</sup>

तामन्त प्रसवां दृष्ट्वा 20 37<sup>a</sup>  
 ता समानय भद्र ते 113 10<sup>a</sup>  
 तामसस्य मनोरेते 7 21<sup>a</sup>  
 तामसस्यान्तरे मनो 7 19<sup>a</sup>  
 तामसेनास्त्रागटेन 35 13<sup>a</sup>  
 तामस्या छाद्यामास 108 8<sup>a</sup>  
 तामापतन्ती सप्रक्ष्य 108 73<sup>a</sup>  
 तामावसत्पुरा कृष्ण 86 52<sup>a</sup>  
 तामासनवतीं रम्या 95 15<sup>a</sup>  
 तामाह कृष्ण कुञ्जैति 71 23<sup>a</sup>  
 तामाह निद्रा सविम्रा 48 5<sup>a</sup>  
 तामाहुरसवीं नाम 107 37<sup>a</sup>  
 तामिधरेयेव होषाच 9 6<sup>a</sup>  
 तामिन्द्रवचनाद्रवा 93 7<sup>a</sup>  
 तामियेष च स प्रभु 27 10<sup>a</sup>  
 तामुत्पाप्य परिष्वज्य 88 28<sup>a</sup>  
 तामुवाच हसन्ती तु 71 27<sup>a</sup>  
 तामेकभारसयुता 18 23<sup>a</sup>  
 तामेकामाहुस्त्वपन्नाम् 96 14<sup>a</sup>  
 तामेव रजनीं कन्या 48 12<sup>a</sup>  
 तामेव भुवतीं दृष्ट्वा 82 47<sup>a</sup>  
 ताम्रशाक्षो जलान्तक 98 7<sup>a</sup>  
 ताम्रगुह्यनी सुभू 87 37<sup>a</sup>  
 ताम्रा कोचवशा इरा 3 45<sup>a</sup>  
 ताम्राया परिकीर्तिता 3 81<sup>a</sup>  
 ताम्रावशा प्रकीर्तिता 85<sup>a</sup>  
 ताम्रौघनयनापाङ्गी 87 36<sup>a</sup>  
 ताम्रकश्च महाबल 3 65<sup>a</sup>  
 ताम्रकाचित्रकुसुमे 32 27<sup>a</sup>  
 ताम्रणयेह करपते 11 55<sup>a</sup>  
 ताम्रस्तु क्रोशयित्वा 33 9<sup>a</sup>  
 ताम्रागणपताङ्गिनी 37 17<sup>a</sup>  
 ताम्रापङ्क्तिरिवाम्बरात् 53 15<sup>a</sup>  
 ताम्रापतिमिवोदितम् 108 2<sup>a</sup>  
 ताम्रानिश्चित्रमम्बरम् 59 38<sup>a</sup>  
 ताम्रामकथयन्सुरा 20 39<sup>a</sup>  
 ताम्रा नाम यशस्विनीम् 20 29<sup>a</sup>  
 ताम्रा पञ्च सशयम् 20 41<sup>a</sup>  
 ताम्रे कस्य सुतो ह्ययम् 20 41<sup>a</sup>  
 तालजङ्घा इति श्रुता 23 158<sup>a</sup>  
 तालजङ्घाम्बुदेद्यान् 10 26<sup>a</sup>  
 तालजङ्घामयैव च 23 160<sup>a</sup>  
 तालजङ्घो महाबल 23 158<sup>a</sup>

तालपत्रानि सहिवी 57 8<sup>a</sup>  
 तालपत्रंश्च पातितै 57 21<sup>a</sup>  
 तालशब्द स च श्रुत्वा 57 14<sup>a</sup>  
 तालशब्देन वं कृष्ण 64 72<sup>a</sup>  
 तालस्तम्भवनदयाम् 62 5<sup>a</sup>  
 तालस्तनमिव द्विष 57 14<sup>a</sup>  
 तालनां तमघो दृष्ट्वा 57 17<sup>a</sup>  
 तालैस्त्वैर्विपुलस्कन्धे 57 6<sup>a</sup>  
 तावती पोषणे नृप 10 60<sup>a</sup>  
 तावती प्रापयिष्याम 92 13<sup>a</sup>  
 तावास्थास्थिति मे यश 83 49<sup>a</sup>  
 तावदेव च विस्तीर्णम् 93 37<sup>a</sup>  
 तावदेवापर भूय 89 28<sup>a</sup>  
 तावद्भिर्गुणमायतम् 53 21<sup>a</sup>  
 तावद्भुक्त समन्तत 100 33<sup>a</sup>  
 तावन्त्येव सहस्राणि 27 23<sup>a</sup>  
 ताव मात्र प्रदुर्वन्ति 16 18<sup>a</sup>  
 तावन्त्योभ्यगती बाली 51 3<sup>a</sup>  
 तावन्त्योभ्यगतायुधौ 81 66<sup>a</sup>  
 तावन्त्यो-यावत्तदाहौ 64 18<sup>a</sup>  
 तावत्पुत्री सुवसनी 71 15<sup>a</sup>  
 तावरिष्टपरिशुद्धौ 72 24<sup>a</sup>  
 तावर्जुनौ कृष्यमायौ 51 18<sup>a</sup>  
 तावागवौ समाजोन्व 42 20<sup>a</sup>  
 तावानय ममाज्ञया 65 92<sup>a</sup>  
 तावपतन्तो स्वरितौ 74 32<sup>a</sup>  
 तावायुधानि विन्ध्य 79 39<sup>a</sup>  
 ता धार्यमाणा पितृभि 63 24<sup>a</sup>  
 तावाह वरवर्णाङ्गौ 71 3<sup>a</sup>  
 तालुदिश्य वनोक्तौ 73 3<sup>a</sup>  
 तालुचवमहागदौ 82 10<sup>a</sup>  
 तालुचवाशुषातौ तु 36 17<sup>a</sup>  
 तालुभावनुरित्ताङ्गौ 71 30<sup>a</sup>  
 तालुभावाद्भुतौ कोपे 42 31<sup>a</sup>  
 तालुभौ जलार्मस्थौ 42 22<sup>a</sup>  
 तालुभौ दाववोत्तमौ 44 73<sup>a</sup>  
 तालुभौ मयुकुटभौ 38 18<sup>a</sup> 42 23<sup>a</sup>, 30<sup>a</sup>  
 तालुभौ महपुगनौ 72 25<sup>a</sup>  
 तालुभौ वज्रसूदौ 71 36<sup>a</sup>  
 तालुचतुल्लाह सार्वत्र 35<sup>a</sup>  
 तालुचतुल्लह सर्व 5 34<sup>a</sup>  
 ताम्रेव मानुषीं दीप्ता 58 8<sup>a</sup>  
 तात्र प्राग्गोतिपपति 91 15<sup>a</sup>

ताशैवाप्सरसस्तदा 107 7<sup>०</sup>  
 तासामपत्यान्यभवत् ३ 53<sup>०</sup>  
 तासामपत्यान्यष्टाना 98 1<sup>०</sup>  
 तासामरात्यपद्मानि 109 11<sup>०</sup>  
 तासा प्रथितसीमन्ता 63 34<sup>०</sup>  
 तासा नामानि मे शृणु 3 25<sup>०</sup>  
 तासा परमकूलानि 93 60<sup>०</sup>  
 तासा परमनारीणाम् 92 30<sup>०</sup>  
 तासा पुरवर भौम 91 14<sup>०</sup>  
 तासा शय्याभिर्युगंति 109 10<sup>०</sup>  
 तासा भर्ता प्रभाकर 23 9<sup>०</sup>  
 तासा यथाहं हन्यामि 94 26<sup>०</sup>  
 तासा हरितसन्धेन 53 6<sup>०</sup> 67 16<sup>०</sup>  
 तासा विरूपित ध्रुत्वा 56 26<sup>०</sup>  
 तासा हन्यतलस्थाना 109 12<sup>०</sup>  
 तासु कृष्णो मुद लेभे 55 16<sup>०</sup>  
 तासु यन्त्रे मनस्तदा 113 8<sup>०</sup>  
 तासु वेदा खगा गाव 2 48<sup>०</sup>  
 तासु वीणा सहस्रश 68 44<sup>०</sup>  
 तासु वीर्यनयाच्छ्रुत् 1 23<sup>०</sup>  
 तासु सहास्रव्या देवा 44 81<sup>०</sup>  
 तास्तस्य सूर्य गीत च 63 28<sup>०</sup>  
 तास्तस्य बद्धन कान्त 63 19<sup>०</sup>  
 तास्त पयोधरोक्तानि 63 23<sup>०</sup>  
 तास्ता हि गतयो मम 45 13<sup>०</sup>  
 तास्तिलक श्याणुजगमात् 13 16<sup>०</sup>  
 तास्तु कामदुखा गाव 53 31<sup>०</sup>  
 तास्तु गाव स धोयश्च 53 35<sup>०</sup>  
 तास्तु पद्मीकृता सर्वा 93 25<sup>०</sup>  
 तास्तु सन्नातयदना 51 21<sup>०</sup>  
 तास्तपस्यानि मे शृणु 3 26<sup>०</sup>, 45<sup>०</sup> 98 2<sup>०</sup>  
 ता कक्ष्य च मलमारा 3 98<sup>०</sup>  
 तां गो वै हिसिनु तदा 16 7<sup>०</sup>  
 ता गुहा मुचुकुन्दस्य 85 46<sup>०</sup>  
 तां च वज्रोपसगम्य 96 16<sup>०</sup>  
 तां च द्रव्यसि गोविन्द 69 8<sup>०</sup>  
 तां च पद्मोत्पलवती 55 28<sup>०</sup>  
 तां चान्त मदीं धेष्टां 55 40<sup>०</sup>  
 तां च श्याक्यानुमर्हसि 30 2<sup>०</sup>  
 तां चोपाय तदा निद्रां 47 26<sup>०</sup>  
 तां तथा यदानीं दृष्ट्वा 107 22<sup>०</sup>  
 ता तथावादिना सायनीम् 9 9<sup>०</sup>  
 तां तां जतिं शुण्डिसिताम् 14 6<sup>०</sup>

ता तु कुन्ती तत्र कृष्ण 71 31<sup>०</sup>  
 ता ३ रूपेण कान्तेन 8 40<sup>०</sup>  
 ता ३ सर्वानिवधारि 118 13<sup>०</sup>  
 ता ददर्श तदा कृष्ण 87 33<sup>०</sup>  
 ता ददर्श दशार्हणाम् 93 8<sup>०</sup>  
 ता ददौ न तु कृष्णाय 87 16<sup>०</sup>  
 ता ददौ भीष्मकश्चापि 87 25<sup>०</sup>  
 ता ददौयस्य समरे 110 67<sup>०</sup>  
 ता वीर्यमाणा महती 112 6<sup>०</sup>  
 ता दृष्ट्वा वृद्धे काम 87 39<sup>०</sup>  
 ता परिध्वज्य भाविनीम् 96 17<sup>०</sup>  
 तां पुरीं हारका दृष्ट्वा 93 9<sup>०</sup>  
 तां प्रपुष्पदुरादाय 5 43<sup>०</sup>  
 ता प्रविश्य तत सर्वे 89 23<sup>०</sup>  
 ता प्रविश्य भवन्तीह 104 10<sup>०</sup>  
 ता भार्या मुदितोऽप्रवीत् 98 14<sup>०</sup>  
 ता माता प्रत्यवेधयत् 13 18<sup>०</sup>  
 ता माया क्षमयामास्ता 36 17<sup>०</sup>  
 ता मुखे समभावयत् 8 37<sup>०</sup>  
 ता मेने मृत्युमात्रमन 48 37<sup>०</sup>  
 ता यशोदासुता विदि 65 49<sup>०</sup>  
 ता विस्मय महावेगां 83 51<sup>०</sup>  
 ता वै कोपाद्य मोहाच्च 10 14<sup>०</sup>  
 ता वै रोपाद्य वात्स्याच्च 8 19<sup>०</sup>  
 ता वै सर्वे गुमन्त 96 15<sup>०</sup>  
 ता क्षुत्कामो भगवान् 8 29<sup>०</sup>  
 ता शोकलठिले ममाम् 69 17<sup>०</sup>  
 तांश्च भोजाम्पर्कस्तथा 95 6<sup>०</sup>  
 ताश्च राज्य शरै सर्वा 88 26<sup>०</sup>  
 तांश्च सर्वान्ग्रीवस्त 83 51<sup>०</sup>  
 ताश्चापि नष्टाश्चिज्ञाय 3 23<sup>०</sup>  
 तांश्चापि जतिमहाह 103 16<sup>०</sup>  
 ताश्चासुरान्समुत्ताप 45-19<sup>०</sup>  
 तां श्रुत्वा माधवीं हर्षां 100 6<sup>०</sup>  
 तां समुदस्य महिषीं 55 39<sup>०</sup>  
 तां सूर्यसदनप्रस्थां 97 34<sup>०</sup>  
 तास्तथा मुक्ताः सर्वा 5 11<sup>०</sup>  
 तांस्तानिच्छामि चेदितुषु 1 13<sup>०</sup>  
 तांस्तु दृष्ट्वा महामागन् ३ 7<sup>०</sup>  
 तांस्तु प्रगल्भतो दृष्ट्वा 113 28<sup>०</sup>  
 तांस्तु वैश्यगवास्तात 19 39<sup>०</sup>  
 तांतीनभीष्मलो राजर्ष 17 5<sup>०</sup>  
 तां हृद्यनस सर्वे 42. 10<sup>०</sup>





गुह्य संपन्नभोजना 60 19<sup>१</sup>  
 गुह्यनिहते वैषे 58 58<sup>१</sup>  
 गुह्यवैषण्य पुत्रा 20 11<sup>१</sup>  
 गुह्यमैत्र्युत्तमम् 38 37<sup>१</sup>  
 गुह्युश्च गदाधरम् 34 47<sup>१</sup>  
 गुह्युश्च जनादेनम् 79 28<sup>१</sup>  
 दूषमस्तुतपात ह 64 15<sup>१</sup>  
 दूषमासीन्महास्त्र 109 12<sup>१</sup>  
 दूषं चापि ययौ बिलम् 28 25<sup>१</sup>  
 दूषं योपाश्च सर्वश 75 37<sup>१</sup>  
 दूषं प्रणादधोपैश्च 60 14<sup>१</sup>  
 दूषांश्च ते पु सर्वेषु 109 19<sup>१</sup>  
 दूषजालीश्च सर्वेश 3 93<sup>१</sup>  
 दूष तत्र पवर्धत 53 33<sup>१</sup>  
 दूषानि तदभि सह 61 19<sup>१</sup>  
 दूषानि दातव्यास्त 54 27<sup>१</sup>  
 दूषाभ्येव चचार सा 11 15<sup>१</sup>  
 दूषावपि पतस्त्रग्री 55 45<sup>१</sup>  
 दूषे गुह्य सपुत्रा 59 10<sup>१</sup>  
 दूषीय द्वापर युगम् 43 58<sup>१</sup>  
 दूषीय चतसे रित्रह 51 32<sup>१</sup>  
 दूषीया तव पूर्वेषां 23 103<sup>१</sup>  
 दूषीयामेकपाद्व्याम् 13 15<sup>१</sup>  
 दूषीये तु मुह्ये सा 107 86<sup>१</sup>  
 दूषाभ्येवानि ते गुणै 77 57<sup>१</sup>  
 दूषि यान्ति महाभूष 38 43<sup>१</sup>  
 दूषि यान्ति पपासुखम् 38 71<sup>१</sup>  
 दूषोऽष्टवसुवर्षित 62 66<sup>१</sup>  
 दूषिता गोपकन्यका 63 32<sup>१</sup>  
 दूषिता-न्याहये भोक्तु 81 57<sup>१</sup>  
 ते कथ भगवन्मन्त्रा 115 23<sup>१</sup>  
 ते कालपवन चैव 84 13<sup>१</sup>  
 ते कृताञ्जलय सर्वे 32 29<sup>१</sup>  
 ते कृष्णस्य वष क्षुत्वा 103 16<sup>१</sup>  
 ते कृष्ण सर्पपतय 56 13<sup>१</sup>  
 ते कुडा दारवर्षेण 87 60<sup>१</sup>  
 ते गता रत्नपर्वतम् 42 6<sup>१</sup>  
 ते गरदा दूरमाधान 88 6<sup>१</sup>  
 ते गदाचक्रनिर्गम्या 38 53<sup>१</sup>  
 ते गदापरिधिरुद्धे 33 28<sup>१</sup>  
 ते गदामिश्र शुर्वीभि 37 9<sup>१</sup>  
 ते गिरिवज्रवह्नेय 110 21<sup>१</sup>  
 ते ग्राम्यधर्मनिरता 18 20<sup>१</sup>

ते च गोपा समागम्य 69 27<sup>१</sup>  
 ते चरा सर्वे सर्वे 109 58<sup>१</sup>  
 ते च विंशतिसाहस्रा 92 12<sup>१</sup>  
 ते च सर्वे महपय 35 63<sup>१</sup>  
 ते च सर्वे यथावेत्तम 66 40<sup>१</sup>  
 ते चापि विजिता रणे 90 6<sup>१</sup>  
 ते चाप्यभ्यवदत्प्रेम्णा 92 58<sup>१</sup>  
 ते चासा रक्षिणो वृद्धा 92 29<sup>१</sup>  
 ते चैवेति निबोधत 12 31<sup>१</sup>  
 तेज आप्यायविध्यति 9 59<sup>१</sup>  
 तेजसा कश्यपोपम 45 34<sup>१</sup>  
 तेजसा च बलेन च 41 20<sup>१</sup>  
 तेजसा चाल यावत् 68 29<sup>१</sup>  
 तेजसा ज्वरनाकार 46 4<sup>१</sup>  
 तेजसा तेन सयुक्त 112 96<sup>१</sup>  
 तेजसारमसमाभुवि 43 12<sup>१</sup>  
 तेजसा दक्षिणाययम् 62 4<sup>१</sup>  
 तेजसा नियमेन च 8 36<sup>१</sup>  
 तेजसा निर्दहन्निव 2 22<sup>१</sup>  
 तेजसाप्यायितस्तदा 9 69<sup>१</sup>  
 तेजसाप्यायित सदा 21 30<sup>१</sup>  
 तेजसा प्रज्वलस्त्युत 20 16<sup>१</sup>  
 तेजसा प्रतियुध्यत 10 49<sup>१</sup>  
 तेजसा भास्करोपम 31 111<sup>१</sup>  
 तेजसाभ्याहृत तेज 115 39<sup>१</sup>  
 तेजसा भ्रष्टतेजस 35 21<sup>१</sup>  
 तेजसात्पेन शक्यते 9 60<sup>१</sup>  
 तेजसा चपुषा चैव 32 21<sup>१</sup>  
 तेजसा सहतेन वै 8 35<sup>१</sup>  
 तेजसा रथेन ते विष्णु 9 59<sup>१</sup>  
 तेजसो वर्धन तदा 21 34<sup>१</sup>  
 तेजस्तस्य न भूपते 85 45<sup>१</sup>  
 तेजस्तेजस्विनश्चैव 62 36<sup>१</sup>  
 तेजस्तेजस्विनामपि 30 36<sup>१</sup>  
 तेजस्त्वभ्यधिक हात 8 5<sup>१</sup>  
 तेजस्त्वेषावतिष्ठते 115 39<sup>१</sup>  
 तेजस्वी दानशीलश्च 21 1<sup>१</sup>  
 तेज सक्षिप्य तिष्ठत 1 32<sup>१</sup>  
 तेज सशूल दुर्धर्ष 2 104<sup>१</sup>  
 तेज सोमस्य भास्वर 20 15<sup>१</sup>  
 ते जातपेदस सर्वे 110 24<sup>१</sup>  
 ते जाता भोजियकुले 18 24<sup>१</sup>  
 तेजोभिरवरोह 43 13<sup>१</sup>

तेजोयुक्ताष्टपत्तिनः 13. 43<sup>१</sup>.  
 तेजोराशिमनिर्जितम् 90. 2<sup>१</sup>.  
 तेजोवीर्यमलोपेतः 87. 16<sup>१</sup>.  
 ते तत्र रमणीयेषु 84. 23<sup>१</sup>.  
 ते तपेति मद्रायाहुम् 86. 15<sup>१</sup>.  
 ते तदा स सुसंयुताः 21. 35<sup>१</sup>.  
 ते तन्वानास्तनूस्तप 32. 8<sup>१</sup>.  
 तेऽतप्यन्त मद्रुतपः 2. 33<sup>१</sup>.  
 ते समुत्तुर्दिनाः सर्वे 18. 29<sup>१</sup>.  
 ते सख्य सत्यसंधस्य 32. 33<sup>१</sup>.  
 ते शामपश्यन्पतितां 50. 24<sup>१</sup>.  
 ते तु गोघकरा राजन् 23. 14<sup>१</sup>.  
 ते तु ज्ञानप्रदातारः 12. 30<sup>१</sup>.  
 ते तु तद्वचनं श्रुत्वा 17<sup>१</sup>.  
 ते तु प्रक्षर्ययः सर्वे 40. 16<sup>१</sup>.  
 ते तु युक्त्वा रथवारं 71. 1<sup>१</sup>.  
 ते तु सर्वे समानार्थाः 47. 15<sup>१</sup>.  
 ते ते श्रेयो विधास्तु 11. 38<sup>१</sup>.  
 ते दृष्टमाना भौर्वेण 35. 21<sup>१</sup>.  
 तेऽद्वित्या दक्षकन्यया 3. 49<sup>१</sup>.  
 ते देवदानवाः प्रीताः 21. 17<sup>१</sup>.  
 ते देवाः दृष्टिबीतले 43. 70<sup>१</sup>.  
 ते धर्मेचारिणो निर्य 14. 7<sup>१</sup>.  
 तेन कार्यसर्वया सह 109. 44<sup>१</sup>.  
 तेन क्षीरिण रक्षोसि 6. 32<sup>१</sup>.  
 तेन खड्गप्रयन्तुसि 100. 76<sup>१</sup>.  
 तेन खड्गसि देवानां 100. 63<sup>१</sup>.  
 तेन खड्गसि योनिस्तवम् 100. 44<sup>१</sup>.  
 तेन खड्गसि लोकानां 100. 50<sup>१</sup>.  
 तेन तद्विषयाश्रयः 67. 12<sup>१</sup>.  
 तेन तस्मै वरं प्रादात् 10. 19<sup>१</sup>.  
 तेन सात न शक्नोमि 9. 57<sup>१</sup>.  
 तेन ते च महारैलाः 93. 68<sup>१</sup>.  
 तेन तेन विधानेन 45. 12<sup>१</sup>.  
 तेन ते वरं यस्तीद 11. 29<sup>१</sup>.  
 तेन ते समरे सर्वे 108. 28<sup>१</sup>.  
 तेन विपदानां बहुता 10. 11<sup>१</sup>.  
 तेन दक्षस्य पुत्रा वै 3. 10<sup>१</sup>.  
 तेन दुष्टप्रचारिण 67. 11<sup>१</sup>.  
 तेन देहेन सो गिरिः 60. 34<sup>१</sup>.  
 तेन द्वादश वर्षाणि 10. 10<sup>१</sup>.  
 तेन धर्मेरयेनाय 23. 35<sup>१</sup>.  
 तेन नष्टेयु पेदेयु 31. 94<sup>१</sup>.

तेन नरात्मणः स्मृतः 1. 24<sup>१</sup>.  
 तेन निःक्षत्रिया कृत्वा 31. 104<sup>१</sup>.  
 तेन नो वर्णवैरूप्यम् 110. 13<sup>१</sup>.  
 तेन पुत्रेषु बालेषु 23. 65<sup>१</sup>.  
 तेन प्राणानधारयन् 2. 36<sup>१</sup>.  
 तेन बालेन रंहसा 51. 18<sup>१</sup>.  
 तेन ब्रह्मशिरो नाम 20. 33<sup>१</sup>.  
 तेन भावेन ते यत्नं 115. 28<sup>१</sup>.  
 तेन मत्तन नागेन 74. 22<sup>१</sup>.  
 तेन म्लेच्छेन शत्रुणा 85. 46<sup>१</sup>.  
 तेन रत्नाकराः सर्वे 100. 53<sup>१</sup>.  
 तेन विद्यास्तिता देवाः 37. 46<sup>१</sup>.  
 तेन धीरिण मोक्षितः 9. 100<sup>१</sup>.  
 तेन वैरं रथया सार्य 109. 44<sup>१</sup>.  
 तेन शक्रः सहस्राक्षः 37. 47<sup>१</sup>.  
 तेन शब्देन विप्रमताः 50. 23<sup>१</sup>.  
 तेन शब्देन संक्षुब्ध 56. 4<sup>१</sup>.  
 तेन शैला विवर्धिताः 6. 9<sup>१</sup>.  
 तेन शैलाः प्रतिष्ठिताः 6. 36<sup>१</sup>.  
 तेन सप्तसु द्वीपेषु 23. 145<sup>१</sup>.  
 तेन संपादिता भेदाः 59. 6<sup>१</sup>.  
 तेन संपादितं सर्वं 59. 8<sup>१</sup>.  
 तेन संयुग्मत्वां दिग् 93. 5<sup>१</sup>.  
 तेन सवर्धिता गावः 59. 10<sup>१</sup>.  
 तेन सौदासकर्मणा 67. 10<sup>१</sup>.  
 तेन खड्गेन भगवान् 20. 32<sup>१</sup>.  
 तेन स परिपुष्टाश्च 83. 14<sup>१</sup>.  
 तेन देहयरावस्य 31. 97<sup>१</sup>.  
 तेनाधर्मेण वै वदा 9. 95<sup>१</sup>.  
 तेनागन्त इति स्मृतः 58. 43<sup>१</sup>.  
 तेनाग्नेन प्रज्ञासात 6. 15<sup>१</sup>.  
 तेनाश्वयेन विविधः 60. 35<sup>१</sup>.  
 तेनार्त्ता मोक्षमाख्याय 22. 2<sup>१</sup>.  
 तेनासि परितोषिताः 62. 12<sup>१</sup>.  
 ते निपेदुर्गोक्तेषु 42. 11<sup>१</sup>.  
 तेनेमाः श्रुतवो व्यासाः 40. 21<sup>१</sup>.  
 तेनेयं गीर्मेदासाश्च 2. 24<sup>१</sup>.  
 तेनेयं दृष्टिता सर्वा 55. 50<sup>१</sup>.  
 तेनेयं दृष्टिबी कृत्वा 23. 144<sup>१</sup>.  
 तेनैव गजवृत्तेन 74. 37<sup>१</sup>.  
 तेनैव प्राहरचदा 74. 33<sup>१</sup>.  
 तेनैव प्राहरदक्षत्रे 64. 20<sup>१</sup>.  
 तेनैव वर्तयन्त्युग्राः 6. 24<sup>१</sup>.

तेनोत्पन्नोऽपि दोषो न 106 56°  
 तेऽन्योन्यमभिसपेदु 37 26°  
 तेऽन्योन्यवपुषा यदा 61 11°  
 तेऽन्योन्य दन्तुर्भौमा 94 20°  
 तेऽन्योन्य नाचबुधन्त 35 14°  
 तेऽन्योन्य भयपीडिता 108 47°  
 तेऽन्योन्य लघुविक्रमा 58 20°  
 ते पराजयसन्ता 106 9°  
 ते परावरदृष्टार्था 41 12°  
 ते पर्वत रैवतक 100 10°  
 तेऽपि गोदृष्टय सर्वे 64 24°  
 तेऽपि तेनैव मार्गेण 8 21°  
 तेऽपि सर्वे भय लवरवा 37 5°  
 तेऽपि स्वर्गजितो मरा 13 57°  
 तेऽप्युत्ते तस्य वै भार्ये 45 33°  
 ते प्रजानां शुभकरा 41 6°  
 ते प्रदीप्तप्रहरणा 110 39°  
 ते प्राप्य तां स्मृतिं भूय 18 10°  
 ते बाणमुत्तुङ्ग्य रणे 108 50°  
 ते ब्रह्मचारिण सर्वे 16 38°  
 ते भद्रा सहसा याप्ति 113 14°  
 ते भक्षन्त पुरस्कृत्य 89 21°  
 ते भूय प्रणता सर्वे 12 28°  
 तेभ्यस्ते प्रयत्नात्मान 12 25°  
 तेभ्य पुष्टि प्रजाश्रिव 12 38°  
 तेभ्यो ब्रह्मर्षिमुत्प्रेष्य 20 25°  
 तेभ्योऽभवन्महारमभ्य 82 8°  
 तेऽमृतप्राप्तनोपमा 47 12°  
 ते बुद्धरागा रयिन् 81 78°  
 तेऽमुष्यदृष्ट्वास्तगाता 110 39°  
 ते योगधर्मनिरता 18 1°  
 ते योगनिरता सिद्धा 18 26°  
 ते रक्तसूयै दिवसे 84 31°  
 ते रघैर्विविधाकारे 87 43°  
 तेऽभैर्मुसुस्तवश्च ताम् 13 35°  
 ते वध्यमाना बलिभि 35 8°  
 ते वध्यमाना विमुक्ता 32 12°  
 ते वध्यमाना वीरिण 10 39°  
 ते वनालयगीविन 59 26°  
 ते वय सामपूर्वे वै 15 49°  
 ते वाय पितरोऽप्ये वा 11 32°  
 ते वाहयन्तस्यन्योन्य 58 23°  
 ते विध्यमाना रामेण 81 70°

ते वीतभयसन्ता 37 3°  
 ते वृका पञ्चवद्धाश्च 52 32°  
 ते वै पुत्रा प्रजापते 13 7°  
 ते वै सदीप्तमनस 37 14°  
 ते वै हिंस्रतया भूरा 16 15°  
 ते दासा ब्रह्मणा मूढा 12 23°  
 ते शुभा काञ्चनसर्गा 89 22°  
 ते शूरसेनानाविश्य 80 17°  
 ते श्रुत्वा पृथिवीवाक्य 43 1°  
 तेषामयाम्युपगमात् 13 64°  
 तेषामन्यतरस्य वै 18 10°  
 तेषामपि च ता प्रिया 77 24°  
 तेषामपि च राजेन्द्र 3 56°  
 तेषामरतिनाशनम् 89 26°  
 तेषामापन्नता सख्ये 113 14°  
 तेषामासीत्कुर्वद् 8 31°  
 तेषामुत्पादनार्थाय 43 43°  
 तेषामेव च प्रमाद 108 40°  
 तेषामेव प्रभावेन 41 13°  
 तेषामेव महारमनाम् 82 23°  
 तेषामेव प्रवृद्धानां 3 110°  
 तेषामेव भविष्यति 112 121°  
 तेषामेषासि यत्सह्य 100 63°  
 तेषामेरावलो दोग्धा 6 23°  
 तेषा कर्मावदावति 1 10°  
 तेषा कसस्तु पूर्वज 27 28°  
 तेषा कुले महाराज 23 159°  
 तेषा क्यातानि गोत्राणि 23 88°  
 तेषा च बलिना घले 41 22°  
 तेषा च बुद्धिसमाह्व 21 34°  
 तेषा चरितमुत्तमम् 19 31°  
 तेषा च ब्रह्मवासिनाम् 56 26°  
 तेषा च मुरुचिस्तवासीत् 6 34°  
 तेषा चित्रा कयास्त 100 16°  
 तेषा अनपदा पञ्च 23 32°  
 तेषा जनपदा स्फलिता 23 129°  
 तेषा जाल्यन्तरेऽभवत् 16 16°  
 तेषा ज्येष्ठस्तु राचासीत् 114 4°  
 तेषा स्वस्तिकीर्वीनाम् 41 17°  
 तेषा यत्र विद्वगानां 16 34°  
 तेषा तु तपसा तेन 16 31°  
 तेषा तु दिवि दैत्यान् 36 20°  
 तेषा दत्त्वाभय तदा 10 40°

तेषा देवा भविष्य 12 30<sup>5</sup>  
 तेषा देवाहुरोपमम् 81 52<sup>5</sup> 87 73<sup>5</sup>  
 तेषा धर्माभिमानाना 117 43<sup>5</sup>  
 तेषा मानानि मे शृणु 23 86<sup>5</sup>  
 तेषा नामानि श्लोकाश्च 13 6<sup>5</sup>  
 तेषा नारायण तेज 10 63<sup>5</sup>  
 तेषा नास्त्वनवागम 62 57<sup>5</sup>  
 तेषा पथि क्षुधावर्तना 16 7<sup>5</sup>  
 तेषा पात्रविशेषाश्च 4 21<sup>5</sup>  
 तेषा पितृप्रसादेन 14 6<sup>5</sup>  
 तेषा पुत्राश्च पौत्राश्च 3 79<sup>5</sup>, 94<sup>5</sup> 114 16<sup>5</sup>  
 तेषा पुण्यदेवानाम् 45 10<sup>5</sup>  
 तेषा पूर्वविरुद्धि च 1 13<sup>5</sup> 7 1<sup>5</sup>  
 तेषा प्रत्यक्षदर्शितान् 1 12<sup>5</sup>  
 तेषा प्रधाना सप्त 3 87<sup>5</sup>  
 तेषा प्रसाद चक्रेते 17 7<sup>5</sup>  
 तेषा प्रियार्थं च रणे 109 48<sup>5</sup>  
 तेषा प्रीतोऽभवद्भक्षा 47 14<sup>5</sup>  
 तेषा मत्तमयाज्ञाय 53 7<sup>5</sup>  
 तेषा मध्यममात्रेषु 58 14<sup>5</sup>  
 तेषा मध्ये व्यवस्थित 108 24<sup>5</sup>  
 तेषा मरु साधयता 16 26<sup>5</sup>  
 तेषा मनु मन स्मृतम् 30 52<sup>5</sup>  
 तेषा यथाति पञ्चाना 22 3<sup>5</sup>  
 तेषा यवीयान्पृथक् 23 102<sup>5</sup>  
 तेषा युद्ध समयवद् 81 101<sup>5</sup>  
 तेषा युधि जनार्दन 88 16<sup>5</sup>  
 तेषा ये ते महाराज 9 34<sup>5</sup>  
 तेषा रथाना द्युमुल 37 31<sup>5</sup>  
 तेषा लोक विसर्गं च 13 5<sup>5</sup>  
 तेषा वक्ष्यामि विस्तारम् 3 31<sup>5</sup>  
 तेषा वधार्थमाश्रये 110 42<sup>5</sup>  
 तेषा वशकरो राजा 15 20<sup>5</sup>  
 तेषा वशक्षिपा मूल 24 2<sup>5</sup>  
 तेषा विकुक्षिर्ज्यैष्ठ्यस्तु 9 39<sup>5</sup>  
 तेषा विसर्द दायये 43 54<sup>5</sup>  
 तेषा विसर्गाश्चत्वार 27 2<sup>5</sup>  
 तेषा वै मानसी कन्या 13 52<sup>5</sup>, 60<sup>5</sup>, 63<sup>5</sup>  
 तेषा शृणु गर्भि विष्णो 44 20<sup>5</sup>  
 तेषा सकञ्चकोष्णीया 81 30<sup>5</sup>  
 तेषा स गायतामेव 55 26<sup>5</sup>  
 तेषा सप्त महावशा 1 33<sup>5</sup>  
 तेषा सविद्योत्पत्ता 18 26<sup>5</sup>

तेषा सुतमुल शब्द 81 29<sup>5</sup>  
 तेषु क्षान्तस्येषु 93 62<sup>5</sup>  
 तेषु तं नाति कारणम् 35 29<sup>5</sup>  
 तेषु तेषु च पात्रेषु 2 26<sup>5</sup>  
 तेषु तेष्ववकाशेषु 81 37<sup>5</sup>  
 तेषु प्रभवमानेषु 117 19<sup>5</sup>  
 तेषु वेदमसु युक्तषु 86 18<sup>5</sup>  
 तेषु सर्वेषु दैत्येषु 38 54<sup>5</sup>  
 ते सर्वे गोपपतय 69 30<sup>5</sup>  
 ते सद्य च्छुरश्रूणि 69 22<sup>5</sup>  
 ते सर्वे वाणवर्षश्च 108 22<sup>5</sup>  
 ते सर्वे बाहुभिर्वासा 38 51<sup>5</sup>  
 ते सर्वे शुभकर्माण 16 26<sup>5</sup>  
 ते सर्वे सहसा वेदाम् 113 2<sup>5</sup>  
 ते सर्वे साधुलोचना 56 19<sup>5</sup>  
 तेऽसृज्ज्ञातमन्यव 2 36<sup>5</sup>  
 ते सृष्टा प्राणिनामोद्या 40 14<sup>5</sup>  
 तेऽञ्जनाले प्रमथिता 35 9<sup>5</sup>  
 ते स्य कालवशा प्राप्य 42 49<sup>5</sup>  
 ते स्य नावात्ताचित्र 84 21<sup>5</sup>  
 ते हन्यमाना रौद्रेण 108 35<sup>5</sup>  
 ते ह्ये काञ्चनारीदै 81 75<sup>5</sup>  
 ते हृष्टमनस सर्वे 21 19<sup>5</sup>  
 तेतिरिक्तनयोऽभवत् 27 17<sup>5</sup>  
 तेरासकारिभिर्निरय 55 52<sup>5</sup>  
 तेरिय वृथिवी व्याव 7 47<sup>5</sup>  
 तेरिय वृथिवी सर्वा 4 15<sup>5</sup> 22 18<sup>5</sup>  
 तेरुक्ता सा तु मा भैषी 13 30<sup>5</sup>  
 तेरेव च महायुदे 108 40<sup>5</sup>  
 तेरेव तत्कर्मकल 13 32<sup>5</sup>  
 तेरेव मुखिनैस्त्रात 16 20<sup>5</sup>  
 तेदात्रार्दसंहारभाय 93 35<sup>5</sup>  
 तेदन्यमान दैत्यानाम् 110 53<sup>5</sup>  
 तेस्त्रैरुपातदर्शने 106 53<sup>5</sup>  
 तेस्त्रिभि सह यावत् 110 21<sup>5</sup>  
 ते स्वयमानो गोविन्द 94 21<sup>5</sup>  
 तोत्रार्दित ह्य दिप 108 19<sup>5</sup>  
 तोमराङ्कुशपटिते 33 29<sup>5</sup>  
 तोमरेण विभेदाङ्ग 87 67<sup>5</sup>  
 तोमरेणासदेवो त 87 66<sup>5</sup>  
 तोमरे पट्टिसंस्था 108 69<sup>5</sup>  
 तोमरे स परश्चै 33 12<sup>5</sup>  
 तोयगम्भीरहन्वेयु 54 16<sup>5</sup>

शोषदानामयाग्रवीत् 61. 1<sup>d</sup>.  
 शोषदाम्यामिवाम्बरम् 34. 44<sup>d</sup>.  
 शोषदाविद्वयसना 37. 17<sup>d</sup>.  
 शोषदाः शशिने यथा 67 17<sup>d</sup>.  
 शोषधर्मेश्च रङ्गजः 75 19<sup>d</sup>.  
 शोषपैः श्वपदस्त्यक्तं 55 41<sup>d</sup>.  
 शोषप्रदानमात्रेण 78 36<sup>d</sup>.  
 शोषमभ्यासमुद्धता 42. 34<sup>d</sup>.  
 शोषमुत्तारयन्तीभिः 53 28<sup>d</sup>.  
 शोषयोनिनिशाकरः 35 74<sup>d</sup>.  
 शोषलम्घ इषाम्बुदः 68 28<sup>d</sup>.  
 शोषवातोद्धर्तव्यैः 55. 29<sup>d</sup>.  
 शोषव्यादुच्छगामिनीम् 83 44<sup>d</sup>.  
 शोषं च मम जायते 83 42<sup>d</sup>.  
 शोषं सुसुपुरक्षयम् 61. 49<sup>d</sup>.  
 शोषानि चाभिपेक्षायै 5 25<sup>d</sup>.  
 शोषायै कूलमाश्रिताः 117. 35<sup>d</sup>.  
 शोषे चरसि निःशङ्कः 100 36<sup>d</sup>.  
 शोषणैर्बलनप्रक्षेपैः 94 5<sup>d</sup>.  
 शोषयामास वीर्यवान् 71 41<sup>d</sup>.  
 शोषयित्वा यथाकामं 71 42<sup>d</sup>.  
 शोषयामास कश्यपम् 3 97<sup>d</sup>.  
 शोषयिव्याम्यहं जगत् 75 21<sup>d</sup>.  
 शोषिता वसुधा जलैः 54 8<sup>d</sup>.  
 शो क्षीणशक्तौ विरधी 82 9<sup>d</sup>.  
 शो च कृत्वा मनसि मां 47 49<sup>d</sup>.  
 शो च श्रुतिधरो वीरौ 79 5<sup>d</sup>.  
 शो चामरधरायुभौ 70 38<sup>d</sup>.  
 शो शोषविष्टावभितः 115 9<sup>d</sup>.  
 शो जातहासावभ्योम्यै 71 34<sup>d</sup>.  
 शो जितारी जितक्रोधौ 78 46<sup>d</sup>.  
 शोषिहरेरा इति पयावाः 23 160<sup>d</sup>.  
 शो ततः शरनिश्चितैः 112. 64<sup>d</sup>.  
 शो तत्र परिचायेतां 81. 8<sup>d</sup>.  
 शो तालपर्णप्रतते 57. 4<sup>d</sup>.  
 शो तु पूर्वमतिक्रम्य 96 9<sup>d</sup>.  
 शो ॥ भाण्डोरमुचिते 58 9<sup>d</sup>.  
 शो तु महौ महावीर्यौ 72 14<sup>d</sup>.  
 शो तु सागंगवं दृष्ट्वा 71 7<sup>d</sup>.  
 शो तु घृन्दावने प्राप्तौ 54 1<sup>d</sup>.  
 शो तु स्वभवनं वीरौ 71 2<sup>d</sup>.  
 शो दिवं छात्रयन्तौ तौ 42 16<sup>d</sup>.  
 शो दैत्यौ कृतनामानौ 42. 19<sup>d</sup>.

शो दैवौ युद्धदुर्मदौ 42. 27<sup>d</sup>.  
 शो पाशशृङ्खलाधरो 36. 14<sup>d</sup>.  
 शो पाशहिमयोधिना 36 15<sup>d</sup>.  
 शो प्रजदुर्गुरन्योन्वं 82 16<sup>d</sup>.  
 शो बालकौ ललितकौ 51. 11<sup>d</sup>.  
 शो मायामपकर्षताम् 36 32<sup>d</sup>.  
 शो यथाहं निषीदतुः 57. 26<sup>d</sup>.  
 शो युद्धकुसलायुभौ 65. 87<sup>d</sup>.  
 शो रामयन्तावन्योन्यं 54 42<sup>d</sup>.  
 शो विवेश स्वयं वायुः 42. 16<sup>d</sup>.  
 शो म्यापामप्रदुर्षताम् 58. 10<sup>d</sup>.  
 शो इषुपारमतां पैव 82. 22<sup>d</sup>.  
 शो शरैः साधुनिश्चितैः 44. 48<sup>d</sup>.  
 शो समप्रहरणौ वीरौ 81. 68<sup>d</sup>.  
 शो समीपगतौ महौ 72 18<sup>d</sup>.  
 त्यक्तवाग्द्विजसत्तम 85. 3<sup>d</sup>.  
 त्यक्तव्या तात गमने 71. 3<sup>d</sup>.  
 त्यक्त्वा कर्मास्तपस्तेषु 18 9<sup>d</sup>.  
 त्यक्त्वा प्राणानर्दिदम् 15. 60<sup>d</sup>.  
 त्यक्त्वा प्राणानवर्तत 81. 95<sup>d</sup>.  
 त्यक्त्य मेवमयं चासः 59. 47<sup>d</sup>.  
 त्यक्त्वा सहचरीधर्मं 18 28<sup>d</sup>.  
 त्यक्त्वा सां वाससी पुनः 112 98<sup>d</sup>.  
 त्यक्त्वेमां सागरां तनुम् 43 38<sup>d</sup>.  
 त्यद्यपि भुवि जीवितम् 61. 6<sup>d</sup>.  
 त्यद्यप्यहं त्रिषाम्प्राणान् 107. 60<sup>d</sup>.  
 त्यज कोपं युधौ चर 113 31<sup>d</sup>.  
 त्यज सम्यक्तां चिन्तां 48. 40<sup>d</sup>.  
 त्यजन्ति विद्वद्ग गगान् 66. 30<sup>d</sup>.  
 त्यज्यतां निर्गुणं वनम् 52. 28<sup>d</sup>.  
 त्याजितो धनदक्षिणाम् 37. 49<sup>d</sup>.  
 अथ एते गणाः प्रोक्ताः 13 61<sup>d</sup>.  
 अथ एते मया प्रोक्ताः 18. 50<sup>d</sup>.  
 अथ एव सहारवाः 28 16<sup>d</sup>, 114<sup>d</sup>.  
 अथ एषाममृतैवः 13 4<sup>d</sup>.  
 अथस्तु परितोक्षितः 18. 14<sup>d</sup>.  
 अथस्ते सहचारिणः 17 6<sup>d</sup>.  
 अथस्त्वैव इवाग्रयः 112. 1<sup>d</sup>, 34<sup>d</sup>.  
 अथस्त्वयणां लोकानां 110. 18<sup>d</sup>.  
 अथस्त्विभिरनुत्तमैः 112 35<sup>d</sup>.  
 अथस्त्विसाधु कामजाः 3. 56<sup>d</sup>.  
 अथं स्वाहमस्तजितम् 35. 41<sup>d</sup>.  
 अथः परमार्थिकाः 9 15<sup>d</sup>, 23. 43<sup>d</sup>, 135<sup>d</sup>, 116 21<sup>d</sup>.







तज्जता पुण्डरीकाक्ष 45 43<sup>a</sup>  
 तद्गरो वर्तमान स 62 71<sup>a</sup>  
 तद्विधेनापि सिद्धेन 13 73<sup>a</sup>  
 त्वनिरुद्धेन भारत 89 16<sup>a</sup>  
 त्वन्मय सर्वलोकाना 36 3<sup>a</sup>  
 त्वन्मयान्नन्ति मागान् 44 76<sup>a</sup>  
 त्वन्मयास्त्वत्प्रचोदिता 44 18<sup>a</sup>  
 त्वमपत्यं भविष्यसि 13 35<sup>a</sup>  
 त्वमप्रतिमवीर्यश 36 3<sup>a</sup>  
 त्वमस्य यज्ञपूतस्य 39 26<sup>a</sup>  
 त्वमादित्यपथावृत्ते 36 6<sup>a</sup>  
 त्वमाक्षयंशरीरोजसि 100 35<sup>a</sup>  
 त्वमाक्षयं जनादन 100 81<sup>a</sup>  
 त्वमिन्द्रो वै भविष्यसि 62 41<sup>a</sup>  
 त्वमिमा शौरकारिकां 48 40<sup>a</sup>  
 त्वमिवाज्ञातव्यसति 54 23<sup>a</sup>  
 त्वमैकोऽस्य मृधे हुन्ता 38 58<sup>a</sup>  
 त्वमेव च भविष्यसि 9 11<sup>a</sup>  
 त्वमोवैर्दक्षितेऽसौ 112 52<sup>a</sup>  
 त्वया गोविन्द मत्कृते 62 78<sup>a</sup>  
 त्वया च भरतश्रेष्ठ 11 24<sup>a</sup>  
 त्वया चैव गजेन्द्रग 73 4<sup>a</sup>  
 त्वया लक्ष्म्यैर्दर्शिता 44 15<sup>a</sup>  
 त्वया त्रिभिहितं प्रह्वन् 115 12<sup>a</sup>  
 त्वया रिवद्रमहं पृष्ट 115 26<sup>a</sup>  
 त्वया दायाद्वानक्षि 11 21<sup>a</sup>  
 त्वयाद्यं कुलपासन 11 12<sup>a</sup>  
 त्वया दत्तं व्रतुक्षेय 115 35<sup>a</sup>  
 त्वयानय नमोऽस्तु ते 113 35<sup>a</sup>  
 त्वया नाम्नेन श्रीधर 44 78<sup>a</sup>  
 त्वया निषम्या सर्वे वै 45 26<sup>a</sup>  
 त्वया पौरजनस्वार्थे 77 29<sup>a</sup>  
 त्वया प्रार्थिते गाधे 103 5<sup>a</sup>  
 त्वया प्रीतिमता गवाम् 62 11<sup>a</sup>  
 त्वया धान्यवक्राम्यया 85 68<sup>a</sup>  
 त्वया यत्पुत्रे विद्योत्तिताम् 69 12<sup>a</sup>  
 त्वया माध्वयैर्दर्शिता 62 86<sup>a</sup>  
 त्वया मान्यश्च नित्यदा 62 79<sup>a</sup>  
 त्वया यस्तस्तेति वै 75 7<sup>a</sup>  
 त्वया यादवनन्दन 83 9<sup>a</sup>  
 त्वया यादवपुत्राणा 66 18<sup>a</sup>  
 त्वया युद्धे पराजित 44 66<sup>a</sup>  
 त्वया लोकनिमाजित्वा 62 82<sup>a</sup>

त्वयानुदसिता राजान् 19 6<sup>a</sup>  
 त्वया विधाने विहिते 110 15<sup>a</sup>  
 त्वया वि णो निराहृता 44 76<sup>a</sup>  
 त्वया सनाथा देवाना 44 18<sup>a</sup>  
 त्वया सागरमक्षोभ्य 77 28<sup>a</sup>  
 त्वया सात्त्वितं भाषिते 66 10<sup>a</sup>  
 त्वया सृष्टं जगदिदं 113 33<sup>a</sup>  
 त्वया स्या पूर्वमेव हि 21 32<sup>a</sup>  
 त्वया स्वर्गप्रतिष्ठन्ते 77 18<sup>a</sup>  
 त्वया हि नित्यं रक्ष्य त्वं 62 80<sup>a</sup>  
 त्वया हि मद्गोपाय 65 81<sup>a</sup>  
 त्वया इतिविज्ञासिनुम् 70 15<sup>a</sup>  
 त्वया ह्यनुगृहीतं 62 71<sup>a</sup>  
 त्वयि कामवशां स्वयां 77 18<sup>a</sup>  
 त्वयि कार्यान्तरगते 67 60<sup>a</sup>  
 त्वयि चासुरसूदने 41 3<sup>a</sup>  
 त्वयि ज्ञापयति केशव 44 79<sup>a</sup>  
 त्वयि देवकिनन्दन 96 5<sup>a</sup>  
 त्वयि न प्रभविष्यन्ति 113 31<sup>a</sup>  
 त्वयि न मद्गिरिभ्यति 56 39<sup>a</sup>  
 त्वयि नापे निपायिते 77 32<sup>a</sup>  
 त्वयि पद्मरसमापद्ये 77 5<sup>a</sup>  
 त्वयि मातृप्यमापद्ये 62 17<sup>a</sup>  
 त्वयि योद्धुं गाने विष्णो 39 27<sup>a</sup>  
 त्वयि राजासनस्थे हि 67 65<sup>a</sup>  
 त्वयि लोकात्तरं गते 77 10<sup>a</sup>  
 त्वयि धीरव्रतधिये 77 3<sup>a</sup>  
 त्वयेदं द्रवसासनम् 43 42<sup>a</sup>  
 त्वयेह सगने मद्ग 8 10<sup>a</sup>  
 त्वयैव बहुलीहवम् 113 35<sup>a</sup>  
 त्वयैव विनिपातित 91 59<sup>a</sup>  
 त्वयैव स्थापितं पूर्वम् 103 5<sup>a</sup>  
 त्वयैवासाध्यमानास्ते 11 39<sup>a</sup>  
 त्वयोक्तं लोमदर्पणे 1 5<sup>a</sup>  
 त्वयोक्तं शार्ङ्गधन्वनि 31 1<sup>a</sup>  
 त्वयोक्तानि हि ज्ञातम् 1 10<sup>a</sup>  
 त्वयोक्तो मयःशशिनि 73 29<sup>a</sup>  
 त्वय्यथ शङ्कते सुप्त 50 10<sup>a</sup>  
 त्वय्ययमेव जयान्वयौ 109 21<sup>a</sup>  
 त्वय्येव केवलं युग 67 53<sup>a</sup>  
 त्वय्येव पर्वतसम्भा 58 44<sup>a</sup>  
 त्वयता चैव कृत्य 43 42<sup>a</sup>  
 त्वयते सलु कंसोऽय 74 25<sup>a</sup>

स्वरते खलु कार्याये 81 2<sup>०</sup>  
 स्वरयन्तोऽभिधावन्तु 81 46<sup>०</sup>  
 स्वरित मुक्तकेयपथ 71 14<sup>०</sup>  
 स्वरिता वामिनी प्राद 108 9<sup>०</sup>  
 स्वरिता पृष्ठत इत्वा 70 6<sup>०</sup>  
 स्वर्यमाणा महेन्द्रेण 61 49<sup>०</sup>  
 स्वरूप्य च दारुकम् 102 22<sup>०</sup>  
 स्वष्टा तु स ययान्यायम् 8 30<sup>०</sup>  
 स्वष्टा तु सेजसा तेन 8 45<sup>०</sup>  
 स्वष्टा स्वष्टादशहय 33 18<sup>०</sup>  
 स्वष्टा पूषा तथैव च 3 50<sup>०</sup>  
 स्वष्टा रुद्रश्च वीर्यवान् 3 42<sup>०</sup>  
 स्वष्टा वासवचोदित 93 38<sup>०</sup>  
 स्वष्टुर्द्विहिर भीम 91 7<sup>०</sup>  
 स्वष्टुर्धवात्मन धीमान् 3 42<sup>०</sup>  
 स्वष्टु समीपमगमत् 8 13<sup>०</sup>  
 स्वहमेको ज्वरो युवि 111 8<sup>०</sup>  
 स्व काशित कास्तवपुषा 36 9<sup>०</sup>  
 स्व क्षिप्रमपनीयसे 77 12<sup>०</sup>  
 स्व गच्छ भारते वशे 43 38<sup>०</sup>  
 स्व गच्छ विधाप्य वै 45 46<sup>०</sup>  
 स्व गतिस्त्व रतिक्रैव 60 3<sup>०</sup>  
 स्व गति परमा मृणाम् 47 53<sup>०</sup>  
 स्व गवामिन्द्रता गव 62 43<sup>०</sup>  
 स्व चक्षुरस्व परायण 44 83<sup>०</sup>  
 स्व च गच्छ महाणवम् 56 38<sup>०</sup>  
 स्व च प्रातो भविष्यति 23 27<sup>०</sup>  
 स्व च स्थापयितेति ह 23 30<sup>०</sup>  
 स्व चापि विद्वत्स्नाम्ना 68 21<sup>०</sup>  
 स्व चापि स्वजनद्वेपी 66 32<sup>०</sup>  
 स्व चाशौचगत प्रभो 15 48<sup>०</sup>  
 स्व चैव सुहृदा सुहृद 60 3<sup>०</sup>  
 स्व जाल्या गृणिनञ्चन 99 17<sup>०</sup>  
 स्व तु कर्कशशीलश्च 65 72<sup>०</sup>  
 स्व तु नरपुत्रय गच्छसि 17 11<sup>०</sup>  
 स्व तु शक्रमम पुत्र 69 15<sup>०</sup>  
 स्व द्युि भन देवकीम् 47 37<sup>०</sup>  
 स्व नो वृत्ति विषयस्त्वैति 5 41<sup>०</sup>  
 स्व पूरो यदि मृग्यसे 22 32<sup>०</sup>  
 स्व बाणाप्रतिम मद्व 106 36<sup>०</sup>  
 स्व भारते कार्यगुरु 44 83<sup>०</sup>  
 स्व मया विनियोजित 43 43<sup>०</sup>  
 स्व मुखेन विराजिता 47 45<sup>०</sup>

स्व विप्र जनयिष्यसि 13 36<sup>०</sup>  
 स्व वेत्ता ह परायणम् 60 3<sup>०</sup>  
 स्व सिद्धि श्रीर्धृति कीर्ति 47 54<sup>०</sup>  
 स्व सोम सोमवृत्तिनाम् 36 9<sup>०</sup>  
 स्व हि चक्षुष्मता चक्षु 44 16<sup>०</sup>  
 स्व हि तस्य वधायैक 9 59<sup>०</sup>  
 स्व हि न परमा गति 45 26<sup>०</sup>  
 स्व हि न परमो गुरु 31 60<sup>०</sup>  
 स्व हि न परमो देव 31 60<sup>०</sup>  
 स्व हि न परमो धावा 31 60<sup>०</sup>  
 स्व हि न सा गतिश्चिन्ता 77 14<sup>०</sup>  
 स्व हि छोकस्य चेश्वर 43 2<sup>०</sup>  
 स्व हि शेष सनातन 58 47<sup>०</sup>  
 स्व हि चक्षुर्मो महानैक 58 48<sup>०</sup>  
 स्वामृते न च रस्यते 62 72<sup>०</sup>  
 स्वाप्ती देवी विवस्वत 1<sup>०</sup>  
 स्वा च सत्यमय ज्ञात्वा 62 83<sup>०</sup>  
 स्वा चाप्रतिमकर्मण 67 64<sup>०</sup>  
 स्वा निहत्याद्य बाणेन 6 4<sup>०</sup>  
 स्वा पति सुपति प्राप्य 77 53<sup>०</sup>  
 स्वा बालमनुशोचती 99 20<sup>०</sup>  
 स्वा मत्वा मानुषं प्रभो 56 28<sup>०</sup>

द

दक्ष एव प्रप्रापति 3 6<sup>०</sup>  
 दक्षशापभयाप्नुमि 3 8<sup>०</sup>  
 दक्षश्चोक्तस्त्वपानघ 2 51<sup>०</sup>  
 दक्षस्तु परमेष्ठिना 3 12<sup>०</sup>  
 दक्षस्य च महारमन 2 50<sup>०</sup>  
 दक्षस्य पुत्रा हयैश्च 3 15<sup>०</sup>  
 दक्षस्य वै दुहितरि 3 8<sup>०</sup>  
 दक्षस्यैते हि दीहिद्या 7 40<sup>०</sup>  
 दक्ष प्राचेतस पुन 3 18<sup>०</sup>  
 दक्ष प्राचेतसो ददौ 3 30<sup>०</sup>  
 दक्षिणस्या सया दिशि 41<sup>०</sup>  
 दक्षिणस्यां मद्वत्मान 4 12<sup>०</sup>  
 दक्षिणस्यां रत्नावेष्ट 93 15<sup>०</sup>  
 दक्षिण नगरद्वार 81 47<sup>०</sup>  
 दक्षिण पक्षमासेदु 81 97<sup>०</sup>  
 दक्षिण पार्श्वमास्थिता 110 5<sup>०</sup>  
 दक्षिणापयगाभिनी 13 63<sup>०</sup>  
 दक्षिणापयवासिन 88 4<sup>०</sup>  
 दक्षिणाभि सहेत्यहम् 100 23<sup>०</sup>  
 दक्षिणाभि सहेत्येव 100 26<sup>०</sup>, 82<sup>०</sup>, 83<sup>०</sup>

दक्षिणामददत्सोम 20 25<sup>०</sup>  
 दक्षिणार्थं हि सा दत्ता 23 136<sup>०</sup>  
 दक्षिणाश्वापि वर्तेन्ता 38 73<sup>०</sup>  
 दक्षिणाहृदयो योगी 31 27<sup>०</sup>  
 दक्षिणा दिशमास्थाय 106 46<sup>०</sup>  
 दक्षिणा भृगुनन्दन 31 106<sup>०</sup>  
 दक्षिणेन करप्रेण 96 16<sup>०</sup>  
 दक्षिणेन च पक्षेण 112 79<sup>०</sup>  
 दक्षिणेन यपुमता 36 53<sup>०</sup>  
 दक्षो जष्टे महातेजा ३ 45<sup>०</sup>  
 दक्षो नाम प्रजापति ३ 42<sup>०</sup>  
 दग्ध कृष्ण इति शुचन् 112 45<sup>०</sup>  
 दग्धान्नगिरिप्रमम् 58 25<sup>०</sup>  
 दग्धाद्विषदो व्योम्नि 68 12<sup>०</sup>  
 दग्धान्यादिस्वरदिमभि 7 53<sup>०</sup>  
 दग्धा वाराणसी चैत्र 97 11<sup>०</sup>  
 दग्धा सा पार्वती माया 36 33<sup>०</sup>  
 दग्धा सर्वे महाराज 10 49<sup>०</sup>  
 दग्धसेनारमज धूर 15 27<sup>०</sup>  
 दग्धसेनो महीपति 15 26<sup>०</sup>  
 दग्धश्वरुपिण्डी तु 9 78<sup>०</sup>  
 दग्धी कमण्डलुधर 44 9<sup>०</sup>  
 दत्तमादाधयमास 23 139<sup>०</sup>  
 दत्तवान्विचारयन् 11 19<sup>०</sup>  
 दत्तगुप्तश्च शत्रुजित् 28 3<sup>०</sup>  
 दत्तस्त्वयैव गोविन्द 91 59<sup>०</sup>  
 दत्त वदनदीपते 103 3<sup>०</sup>  
 दत्त स्वया पुरोपाय 13 66<sup>०</sup>  
 दत्त पूर्वमश्रुकिण्ठ 10 33<sup>०</sup>  
 दत्त पुत्रेण तुष्टेन 22 13<sup>०</sup>  
 दत्तातदत्तौ बहिनौ 28 2<sup>०</sup>  
 दत्ताग्नेय इति पथात् 31 93<sup>०</sup>  
 दत्ताग्नेय धीमता 31 97<sup>०</sup>  
 दत्तोऽग्निरुपवनस्तथा 7 11<sup>०</sup>  
 दत्तो वृत्तविनाशन 73 33<sup>०</sup>  
 दत्तोऽस्माकमतर्कित 77 36<sup>०</sup>  
 दत्त्वा घोराननेकदा 112 79<sup>०</sup>  
 दत्त्वा न्न वरमव्यय 3 100<sup>०</sup>  
 दत्त्वा जगाम शिरसं 9 28<sup>०</sup>  
 दत्त्वाभय तु कृष्णो वै 67 15<sup>०</sup>  
 ददत्तश्चाक्षयं वित्तं ३ 76<sup>०</sup>  
 ददत्तैः कृष्णमकूर 70 32<sup>०</sup>  
 ददत्तं च मद्च्छत्र 92 5<sup>०</sup>

ददत्तं च महात्मानौ 79 8<sup>०</sup>  
 ददत्तं ताम्या सा मध्ये 51 26<sup>०</sup>  
 ददत्तं दर्शने राजा 19 11<sup>०</sup>  
 ददत्तं द्वारका चैत्र 107 87<sup>०</sup>  
 ददत्तं धनमक्षय 92 2<sup>०</sup>  
 ददत्तं नरकालयम् 92 1<sup>०</sup>  
 ददत्तं पृथिवीपतिम् 85 48<sup>०</sup>  
 ददत्तं पृथुलश्रोणी 92 24<sup>०</sup>  
 ददत्तं भवन यत्र 108 1<sup>०</sup>  
 ददत्तं भोगिना नाय 70 23<sup>०</sup>  
 ददत्तं मधुसूदन 92 21<sup>०</sup>, 23<sup>०</sup>, 47<sup>०</sup>  
 ददत्तं मध्ये नारीणा 108 2<sup>०</sup>  
 ददत्तं यदुनन्दनम् 107 71<sup>०</sup>  
 ददत्तं यमुना नदीम् 25 28<sup>०</sup>  
 ददत्तं योगमास्थाय ३ 36<sup>०</sup>  
 ददत्तं विपुल दत्त 84 24<sup>०</sup>  
 ददत्तं विपुलानि वै 83 2<sup>०</sup>  
 ददत्तं विपुलोदम् 55 17<sup>०</sup>  
 ददत्तं विपुधाधिपम् 92 50<sup>०</sup>  
 ददत्तं स नृपारमज 10 13<sup>०</sup>  
 ददत्तं हृदयुक्तम् 55 40<sup>०</sup>  
 ददत्तार्थं पुरीं कृष्ण 93 1<sup>०</sup>  
 ददत्तार्थोदने गवाय् 68 16<sup>०</sup>  
 ददत्तार्थद्रुतरूपिणी 70 30<sup>०</sup>  
 ददत्तार्थतरमच्युत 3 105<sup>०</sup>  
 ददत्तार्थलवनयन 78 23<sup>०</sup>  
 ददत्तार्थलवमात्मन 40 4<sup>०</sup>  
 ददत्तार्थं जुगोप च 87 32<sup>०</sup>  
 ददत्तार्थं नरत्तीक्ष्णै 56 13<sup>०</sup>  
 ददत्तानि न्न प्रतीच्छत्य 11 25<sup>०</sup>  
 ददत्तानि वरमुत्तमम् 11 27<sup>०</sup>  
 ददत्तानीत्यश्रीद्वाजा 89 12<sup>०</sup>  
 ददत्ताग्निरसे तारो 20 36<sup>०</sup>  
 ददत्तावास्तवमुत्तमम् 83 54<sup>०</sup>  
 ददत्तसि यद्वि नो वरम् 47 17<sup>०</sup>  
 ददाह पावस्तुत तु 85 52<sup>०</sup>  
 ददुर्न चैव समरे 82 27<sup>०</sup>  
 ददत्तातेऽथ तौ वीरौ 57 3<sup>०</sup>  
 ददत्ताते महात्मानौ 82 10<sup>०</sup>, 92 54<sup>०</sup>  
 ददुर्दुर्दानवा सोम 34 26<sup>०</sup>  
 ददुर्दुर्दानवास्तु 42 6<sup>०</sup>  
 ददुर्न हि त सर्वे 76 27<sup>०</sup>  
 ददुर्नोमिया मध्ये 96 18<sup>०</sup>,

दृष्टुम्ता विनिर्दिता 96 32<sup>०</sup>  
 दृष्टुम्ते स्थित देव 32 28<sup>०</sup>  
 दृष्टु कृष्णमासीन 96 8<sup>०</sup>  
 दृष्टु पुरवासिन 76 27<sup>०</sup>  
 दृष्टु रणमूर्धनि 108 41<sup>०</sup>  
 दृष्टो द्वारका चारु 93 36<sup>०</sup>  
 दृष्टो द्वारका पुरीम् 92 25<sup>०</sup>, 27<sup>०</sup>  
 दृष्टो यादवी पुरीम् 92 69<sup>०</sup>  
 दृष्टो दासुदेवस्य 93 37<sup>०</sup>  
 दृष्टो जिरगा जसुमती 30 12<sup>०</sup>  
 दृष्टो तस्मिन्महायज्ञे 31 107<sup>०</sup>  
 दृष्टो ॥ धामुदवस्य 99 7<sup>०</sup>  
 दृष्टो प्रापेततो दक्ष 20 21<sup>०</sup>  
 दृष्टो ग्रीव प्रचारति 109 85<sup>०</sup>  
 दृष्टो विषेषु नित्यम् 24 7<sup>०</sup>  
 दृष्टो शक्राय यमुधा 31 91<sup>०</sup>  
 दृष्टो शिष्य तदात्मान 90 13<sup>०</sup>  
 दृष्टो समाहिते त वै 28 30<sup>०</sup>  
 दृष्टो त वक्ष भर्ताय 2 41<sup>०</sup> 3 24<sup>०</sup>  
 दृष्टो स्तन च हृण्याव 50 22<sup>०</sup>  
 दृष्टो हृष्टमना कृष्ण 29 39<sup>०</sup>  
 दृष्टार मन्दर विष्णु 65 42<sup>०</sup>  
 दृष्टार सहसा ययु 62 69<sup>०</sup>  
 दृष्टारायुधज्ञानानि 34 38<sup>०</sup>  
 दृष्टारैवेन हस्तेन 81 58<sup>०</sup>  
 दृष्टिमण्डपार्थवृत्तिरम् 49 25<sup>०</sup>  
 दृष्टिबाह्वनपुत्रस्तु 23 33<sup>०</sup>  
 दृष्टिहृदो घृतावते 60 15<sup>०</sup>  
 दृष्ट सार्वभ्या मन्वेत् 39 12<sup>०</sup>  
 दृष्टो द्युत्तरस्य च 65 91<sup>०</sup>  
 दृष्टुवराविघर्षना 3 78<sup>०</sup>  
 दृष्टवक्त्रस्य कारूप 105 11<sup>०</sup>  
 दृष्टवक्त्रस्य शीर्षत्रान् 81 41<sup>०</sup>  
 दृष्टवक्त्रस्य तस्य 87 3<sup>०</sup>  
 दृष्टवक्त्रस्य शमुना 82 2<sup>०</sup>  
 दृष्टवक्त्रेण यायिना 87 26<sup>०</sup>  
 दृष्टवक्त्रो जरासध 87 49<sup>०</sup>  
 दृष्टवक्त्रो महाबल 24 22<sup>०</sup>  
 दृष्टाजिदंशमानस्तु 67 28<sup>०</sup>  
 दृष्टान्वनञ्ज सरम्भात् 89 44<sup>०</sup>  
 दृष्टान्विदंशोयन्द्ष्ट 89 32<sup>०</sup>  
 दृष्टान्वामिव मातङ्गौ 82 16<sup>०</sup>  
 दृष्टिदन्तोद्यतायुधम् 75 4<sup>०</sup>

दन्तोद्धतलिनस्तथा 35 35<sup>०</sup>  
 दम्भोपस्य पुत्रास्तु 87 20<sup>०</sup>  
 दम्भोपोऽपि चेदिराद् 87 19<sup>०</sup>  
 दम्भियन्तामि कालियम् 55 57<sup>०</sup>  
 दमिते सर्पराजे तु 57 1<sup>०</sup>  
 दमितो यमुनाहदे 69 19<sup>०</sup>  
 दमितोऽह इतविप 56 33<sup>०</sup>  
 दम्भो रजिरेनाथ 21 11<sup>०</sup>  
 दम्भतामेप वै क्षिप्र 56 27<sup>०</sup>  
 दयार्थं तस्य मेघास्तु 114 10<sup>०</sup>  
 दयिता कसमोपते 47 33<sup>०</sup>  
 दयितानकटुदुग्धे 25 1<sup>०</sup>  
 दग्धस्य महाबल 80 14<sup>०</sup>  
 दग्धुरयाहतेन च 54 13<sup>०</sup>  
 दर्पसज्जनान्मावत् 112 93<sup>०</sup>  
 दर्पस्य विनयस्य च 37 21<sup>०</sup>  
 दर्पाङ्गिगुणवर्षस 58 33<sup>०</sup>  
 दर्पाङ्गिवतो दर्पकृषि 15 29<sup>०</sup>  
 दर्पाविदसद्यनन 57 15<sup>०</sup>  
 दर्पेण विनयेन च 35 3<sup>०</sup>  
 दर्पाङ्गुलस्य वल्बान् 69 20<sup>०</sup>  
 दर्पप्रापस्यलीभूत 57 5<sup>०</sup>  
 दर्पाया सुमतीमचर 23 23<sup>०</sup>  
 द्वाध्वोरा सशेररा 10 44<sup>०</sup>  
 दर्शनादेव भारत 15 44<sup>०</sup>  
 दर्शनीय च लोकेषु 81 63<sup>०</sup>  
 दर्शनीय सुदसैनम् 38 39<sup>०</sup>  
 दर्शनेन कृतार्था हि 92 34<sup>०</sup>  
 दर्शयस्वी मुहुर्मुहु 41 19<sup>०</sup>  
 दर्शयस्य यदीष्टमि 71 39<sup>०</sup>  
 दर्शयामास ॥ वटम् 85 31<sup>०</sup>  
 दर्शयामास त तदा 79 13<sup>०</sup>  
 दर्शयामास भास्कर 8 40<sup>०</sup>  
 दर्शयिष्यामि धानदम् 107 63<sup>०</sup>  
 दशकोट्यहस्ताणि 89 35<sup>०</sup>  
 दश चाष्टौ च भारत 21 5<sup>०</sup>  
 दश चाष्टौ च भूमिषा 100 9<sup>०</sup>  
 दश चाष्टौ च समामान् 82 27<sup>०</sup>  
 दश देव्यो द्युत्तर 20 6<sup>०</sup>  
 दशधर्मगतो राजा 10 14<sup>०</sup>  
 दशधा तद्गत क्षत्र 9 17<sup>०</sup>  
 दशधा द्योतयदिस 20 5<sup>०</sup>  
 दशधा भाग्यन्दिता 20 27<sup>०</sup>

दशमस्कन्ध महाभारतम् 108 87<sup>d</sup>  
 दशमस्कन्ध तुतोद ह 74 31<sup>d</sup>  
 दशमस्कन्धनिर्गुण 67 31<sup>d</sup>  
 दशमस्कन्धनिर्गुण 33 23<sup>d</sup>  
 दश पुत्रान्मनोरमान् 7 16<sup>d</sup>  
 दश पुत्रान्महामान 23 13<sup>d</sup>  
 दश पुत्रा महात्मन 7 33<sup>d</sup>  
 दश पुत्रा महाबला 7 21<sup>d</sup>  
 दश पुत्रा महाजित 7 10<sup>d</sup>  
 दश पुत्राश्च विश्रुता 7 29<sup>d</sup>  
 दश प्राचीनवर्द्धिप 32 32<sup>d</sup>  
 दश पद्माक्षधारे 52 32<sup>d</sup>  
 दशमस्कन्ध प्रचेनोन्म 2 46<sup>d</sup>  
 दशवर्षशतानि च 31 138<sup>d</sup>  
 दशवर्षसद्वृत्ति 33<sup>d</sup>, 35<sup>d</sup> 31 33<sup>d</sup>, 138<sup>d</sup>  
 दश वर्षाणि पञ्च च 21 3<sup>d</sup>  
 दशान्ते शोषित पृष्ठ 69 6<sup>d</sup>  
 दशाणाधिपतिस्तथा 80 13<sup>d</sup>  
 दशाहस्र सुतो ज्योमा 26 22<sup>d</sup>  
 दशाश्वमेधाज्जाह्नवा 31 128<sup>d</sup>  
 दस्युनिर्वा निरुद्धा 47 83<sup>d</sup>  
 दस्युनि शलभैरिष 85 20<sup>d</sup>  
 दहतर्को मृग काम्प 77 7<sup>d</sup>  
 दहन शोषणश्च 110 24<sup>d</sup>  
 दहन सर्वभूताना 35 61<sup>d</sup>  
 दहमानो वपराजन् 112 5<sup>d</sup>  
 दहान्ते बाह्या सर्वे 113 27<sup>d</sup>  
 दहमानमिषाम्बरा 32 15<sup>d</sup>  
 दहमानं दिवा रात्री 69 7<sup>d</sup>  
 दहमान समस्त 113 16<sup>d</sup>  
 दहमाना दिवौकस 35 20<sup>d</sup>  
 दहमानाश्च वदन्ति 112 20<sup>d</sup>  
 दहमाने च वहावे 112 71<sup>d</sup>  
 दहमाने च दानवे 35 22<sup>d</sup>  
 दहमानेन चेतसा 46 31<sup>d</sup>  
 दहामि सर्वतस्तत् 110 65<sup>d</sup>  
 दशितानि दिशो दश 81 58<sup>d</sup>  
 दष्टया य समुद्भूय 31 29<sup>d</sup>  
 दष्टाग्ने परिगतै 109 6<sup>d</sup>  
 दष्टासुधयल हयम् 96 42<sup>d</sup>  
 दष्टाग्नौष्टपुनन 36 50<sup>d</sup>  
 दष्टिणा मुखवर्णिनाम् 53 4<sup>d</sup>  
 दासायण्यमहिन्द 8 1<sup>d</sup>

दाशायण्यो महाजता 20 21<sup>d</sup>  
 दाक्षिणात्या त्रिवास्त 88 10<sup>d</sup>  
 दाक्षिणात्या नराधिपा 89 25<sup>d</sup>  
 दाक्षिणात्याभिरक्षिताम् 97 3<sup>d</sup>  
 दाक्षिणात्या महर्द्धय 89 19<sup>d</sup>  
 दाक्षिणात्येश्वर जना 87 12<sup>d</sup>  
 दाता यया च धीरश्च 24 8<sup>d</sup>  
 दातुमर्हसि मानद 77 19<sup>d</sup>  
 दानमानगृहीतानि 77 57<sup>d</sup>  
 दातव कालनेमिनम् 37 4<sup>d</sup>  
 दानव दुष्टवादिनम् 73 30<sup>d</sup>  
 दानव देवसदन 35 17<sup>d</sup>  
 दानव मल्लदेविनम् 75 39<sup>d</sup>  
 दानव कालचोदित 99 7<sup>d</sup>  
 दानव प्रत्यद्वयत् 36 47<sup>d</sup>  
 दानव स विचेतन 112 116<sup>d</sup>  
 दानव सुमहायल 96 39<sup>d</sup>  
 दानवा अतिदारणा 3 75<sup>d</sup>  
 दानवा गिरिच्छात्रा 108 49<sup>d</sup>  
 दानवा जनपन्ति हि 99 22<sup>d</sup>  
 दानवा देवैः सार्ष 35 2<sup>d</sup>  
 दानवानाममावाय 40 23<sup>d</sup>  
 दानवाना क्षयो भवेत् 44 76<sup>d</sup>  
 दानवाना च भारत 3 97<sup>d</sup>  
 दानवाना च विष्णोश्च 38 80<sup>d</sup>  
 दानवाना तु पित्रीषु 37 1<sup>d</sup>  
 दानवाना परवप 91 52<sup>d</sup>  
 दावाना पितामह 65 37<sup>d</sup>  
 दानवाना पुरा रणे 108 48<sup>d</sup>  
 दानवाना भयावदम् 38 16<sup>d</sup> 107 85<sup>d</sup>  
 दानवाना महाभयनाम् 106 49<sup>d</sup> 112 3<sup>d</sup>  
 दानवाना महामुधे 32 30<sup>d</sup>  
 दानवाना विनायाय 38 3<sup>d</sup> 44 80<sup>d</sup>  
 दानवाना विमानेषु 36 36<sup>d</sup>  
 दानवा निजितामदा 108 50<sup>d</sup>  
 दानवान्तिकीपैया 45<sup>d</sup>  
 दानवानिन्द्रि दानव 36 21<sup>d</sup>  
 दानवान्देवनिद्वान् 36 55<sup>d</sup>  
 दानवान्पुरुषन्याय 110 52<sup>d</sup>  
 दानवान्पुरुषदुर्भेदान् 108 27<sup>d</sup>  
 दानवा भयपीडिता 112 10<sup>d</sup>  
 दानवा यदुन दनम् 92 29<sup>d</sup>  
 दानवा युद्धवाङ्मय 37 3<sup>d</sup>

दानवा विज्रमोपेता 38 66°  
 दानवाश्चापि समरे 38 30°  
 दानवास्ते महायत्ना 3 74°  
 दानवास्तु प्रशान्त 112 73°  
 दानवा हतसिष्टा ये 92 9°  
 दानवाश्चाप्यनीवयत् 36 25°  
 दानवा कृतिनो जग्मु 37 8°  
 दानवा पेतुरम्बरात् 91 49°  
 दानवा समभितुडा 108 18°  
 दानवा समरे जहु 35 7°  
 दानवा सुमहायत्ना 70°  
 दानवी कामसोहिता 99 8°  
 दानवेन्द्र निहन्ति तम् 31 63°  
 दानवेन्द्र प्रचोदित 108 78°  
 दानवैर्जितकाशिमि 35 8°  
 दानवैर्द्वारका पुरीम् 92 17°  
 दानवै सह सयुगो 108 39°  
 दानवो दानवेश्वर 35 25°  
 दानवोऽप्रतिमो युधि 67 20°  
 दानवो मुष्टिप्रेतेन 96 43°  
 दानवो युधि दुर्जय 99 4°  
 दानवो युधि दुर्जय 44 22°  
 दानवो विष्णुमक्षोग्य 38 5°  
 दानवौ दानवान्तक 44 74°  
 दानवौ नगचारिणौ 47 49° 65 51°  
 दानवौ मधुकैटभौ 31 18°  
 दानसत्यसमन्विता 117 10°  
 दान जेद् तथैव च 15 49°  
 दानोरकटकदक्षण्ड 73 2°  
 दामनीदामभारैश्च 53 17°  
 दामनीपानापाशितै 53 24°  
 दामनीप्राययद्बुल 49 24°  
 दामसिर्गम्यमानेषु 70 5°  
 दामनिश्च विमुषितम् 49 23°  
 दामोदर इति ख्यात 96 34°  
 दामोदरपरायणा 61 3° 63 29° 76 22°  
 दामोदरमुजा स्थिता 61 24°  
 दामोदरवच श्रुत्वा 57 10° 60 1°  
 दामोदर च श्रीमन्त 67 46°  
 दामोदरोहामरवा 54 29°  
 दाया वैद्योदरे यथा 51 14°  
 दाया चोत्पले यद् 96 34°  
 दाया निबद्धमुदर 51 26°

दाग्निमकास्ते भविष्यन्ति 117 9°  
 दायाद शाश्वती समा 98 14°  
 दायायमिन्द्रादाजहु 21 27°  
 दायायमिव धार्यते 117 47°  
 दातक क्षिप्रमेव 48 18°  
 दातक जगृहे तदा 50 8°  
 दातकेण सहानेन 50 28°  
 दातकौ कृतनामकौ 51 1°  
 दातकौ वृत्तनामानौ 50 2°  
 दातकौ सुकुमारकौ 51 11°  
 दातक्यन्तु पुरीमिमान् 81 49°  
 दातपोर्ण विना स्रष्टे 35 46°  
 दातास्तु तस्य विषये 9 96°  
 दारिका पुत्र जातेति 48 24°  
 दारिका या स्वया राजौ 65 49°  
 दारिकेय हतैवैषा 48 25°  
 दारिद्र्यामनपाङ्गु 18 28°  
 दारुक् प्रत्यभापत 102 21°  
 दारुक् केसवस्य वै 86 78°  
 दारुण प्रतिभाति न 77 20°  
 दारुण विरल्लुभम् 52 13°  
 दारुण स्वेन कर्मणा 3 84°  
 दारुणाभिनिवेशेन 44 64°  
 दारुणास्कोमहर्षणात् 102 8°  
 दारुणेनान्तरतरुना 44 64°  
 दारुणेऽपि पिता पुत्र 66 16°  
 दारुणो धेनुको नाम 57 12°  
 दारुणो लोमहर्षेण 82 5°  
 दार्यता सैव दक्षैश्च 81 35°  
 दायासिऽवलितप्रसवे 93 34°  
 दायाहर्गणमप्येऽद्य 109 26°  
 दायाहर्गणसचमा 113 51°  
 दायाहर्गणमयोक्ष्य 95 11°  
 दायाहर्गणा यशस्विनाम् 93 29°  
 दायाहर्गण्यदुस्सत्तमान् 95 14°  
 दाया किं कुर्म किंकरा 60 23°  
 दासीधिघेनसचये 94 25°  
 दास्यन्ति पितर सदा 12 38°  
 दास्यन्ते च परस्परम् 116 24°  
 दाहित च वन घोरे 105 15°  
 दिक्पूर्वा भरतश्रेष्ठ 9 16°  
 दिक्षु व्याता नराधिप 28 33°  
 दिक्षु समासु वैद् स्व 37 51°

दिक्षु सर्वासु धार्मिका 9 35<sup>d</sup>  
 दिक्षु सर्वासु भारत 7 34<sup>d</sup>  
 दिक्षु सर्वासु शुद्धाशु 36 39<sup>d</sup>  
 दिक्षु सर्वासु सर्वत 68 2<sup>d</sup>  
 दिक्षु सर्वासु सहाद 92 44<sup>d</sup>  
 दिक्षु सयानवतिषु 36 42<sup>d</sup>  
 दिगन्तरो नमोभूत 30 31<sup>d</sup>  
 दिग्धा क्षत्रियसोणितै 42 41<sup>d</sup>  
 दिग्भ्यो गर्भं प्रनाम्बित 20 7<sup>d</sup>  
 दिग्वासा कोटयो स्थिता 112 97<sup>d</sup>  
 दिगिर्बिनष्टपुरा द्वे 3 97<sup>d</sup>  
 दिगिति ज्ञापनमादिशत् 3 108<sup>d</sup>  
 दिव्या पुत्रद्वय जज्ञे 3 58<sup>d</sup>  
 दिव्यस्तौ महत्तत्र 71 38<sup>d</sup>  
 दिवेदस्यान्धकटुण्डिषु 97 45<sup>d</sup>  
 दिधक्षन्तमिव प्रजा 35 47<sup>d</sup>  
 दिधक्षन्तमित्रापालत 36 82<sup>d</sup>  
 दिधक्षन्तिव लोकास्तीन् 35 50<sup>d</sup>  
 दिनसवस्तराक्षया 30 26<sup>d</sup>  
 दिक्षीपस्य तनय 10 64<sup>d</sup>, 73<sup>d</sup>  
 दिक्षीपस्य तु दायाद 10 86<sup>d</sup>  
 दिक्षीपस्य महात्मन 13 55<sup>d</sup>  
 दिक्षीप यजमान ये 13 57<sup>d</sup>  
 दिवमाचरमे मयु 31 142<sup>d</sup>  
 दिवमावृष्य तिष्ठत 2 2<sup>d</sup>  
 दिवह्युतस्य दैत्यस्य 44 78<sup>d</sup>  
 दिवसा को विना सृष्टे 56 25<sup>d</sup>  
 दिवसानेकविंशतिम् 28 26<sup>d</sup>  
 दिवसास्ते दिवाकर 70 39<sup>d</sup>  
 दिवसे दीप्तभास्करे 61 82<sup>d</sup>  
 दिवसे सप्तमे बाह 99 18<sup>d</sup>  
 दिव ॥ पृथिवीं चैव 1 37<sup>d</sup>  
 दिव ग्योतिर्गैरिव 82 14<sup>d</sup>  
 दिवं प्रयाव्य तेजसा 12 5<sup>d</sup>  
 दिव मासे महीपतौ 21 27<sup>d</sup>  
 दिवं भुवमयापि च 1 26<sup>d</sup>  
 दिगाकरमरिदम् 9 17<sup>d</sup>  
 दिवा नक्षत्रजायत 66 29<sup>d</sup>  
 दिवि तावा महारमान 21 10<sup>d</sup>  
 दिविजाताश्च भूमिजा 37 56<sup>d</sup>  
 दिवि शरिय सस्थिताम् 107 87<sup>d</sup>  
 दिवि भागि सुदर्शना 13 41<sup>d</sup>  
 दिवि दग्धो महामभूत् ॥ 66<sup>d</sup>

दिवि सचरता तदा 113 56<sup>d</sup>  
 दिविस्थाश्च दिवीरस 58 56<sup>d</sup>  
 दिवोदास इति ख्यात 23 57<sup>d</sup>  
 दिवोदासस्य पुत्रस्तु 23 62<sup>d</sup>  
 दिवोदासद्वैत बलात् 23 64<sup>d</sup>  
 दिवोदास प्रजेश्वर 23 60<sup>d</sup>, 61<sup>d</sup>  
 दिवोदासेन चालो हि 23 64<sup>d</sup>  
 दिव्यकुण्डलपूर्णम्या 47 42<sup>d</sup>  
 दिव्यगन्धो वचो वायु 91 26<sup>d</sup>  
 दिव्यशृङ्गारिचम्रै 65 56<sup>d</sup>  
 दिव्यमप्रतिम बली 90 10<sup>d</sup>  
 दिव्यमम्योर्षितं चैत्य 92 63<sup>d</sup>  
 दिव्यमाकाशमावधे 37 41<sup>d</sup>  
 दिव्यमालाकुल मृच 81 61<sup>d</sup>  
 दिव्यमात्म्याम्यरधर 106 27<sup>d</sup>  
 दिव्यमात्म्याम्यरधर 108 12<sup>d</sup>  
 दिव्यलोकमये रथे 32 26<sup>d</sup>  
 दिव्यशृङ्गाम्यरधर 62 67<sup>d</sup>  
 दिव्यसहनना चैव 9 5<sup>d</sup>  
 दिव्यस्य पयसो घटे ॥ 42<sup>d</sup>  
 दिव्यस्नगजुलेपनम् 60 21<sup>d</sup>, 106 27<sup>d</sup>  
 दिव्यस्नगजुलेपन 62 9<sup>d</sup>, 108 12<sup>d</sup>  
 दिव्यस्नगजुलेपना 48 29<sup>d</sup>  
 दिव्यस्नगदामधारिणी 81 58<sup>d</sup>  
 दिव्यस्नगरीशक्षित 62 66<sup>d</sup>  
 दिव्य इष्टवपुर्द्वरि 32 20<sup>d</sup>  
 दिव्य देवावृष भूपम् 27 1<sup>d</sup>  
 दिव्य न कथयाम्यहम् 46 17<sup>d</sup>  
 दिव्य नारायणाश्रमम् 40 1<sup>d</sup>  
 दिव्य भगवतो दिवि 39 6<sup>d</sup>  
 दिव्य मन्त्रपद महत् 100 27<sup>d</sup>  
 दिव्य वपुरधारयत् 96 36<sup>d</sup>  
 दिव्य स्थान्तक नाम 28 12<sup>d</sup>  
 दिव्य स्वयंरमास्थित 51 19<sup>d</sup>  
 दिव्य स्वर्मातुर्दक्षिणम् 37 53<sup>d</sup>  
 दिव्याश्चहृदयज्ञो वै 10 69<sup>d</sup>  
 दिव्या मिथारा दृष्टा मे 46 10<sup>d</sup>  
 दिव्या त्वमपरा वतु 99 40<sup>d</sup>  
 दिव्या देवयणान्विता 1 33<sup>d</sup>  
 दिव्या द्युगुणैर्युता 31 149<sup>d</sup>  
 दिव्या देवमहाचम् 37 19<sup>d</sup>  
 दिव्या देवविष्टता 38 29<sup>d</sup>  
 दिव्यानीति हि न श्रुतम् 20 3<sup>d</sup>

दिव्याभरणभूषिता ९ 5<sup>०</sup>  
 दिव्याभिरुपपत्तिभि 40 18<sup>३</sup>  
 दिव्यामभरस हरि 92 66<sup>३</sup>  
 दिव्यासनगतान्देवान् 46 13<sup>०</sup>  
 दिव्याभु सविशेषत 118 36<sup>४</sup>  
 दिव्याभूषणीरधर 33 4<sup>०</sup>  
 दिव्या पुण्या कथा शुभाम् 31 11<sup>०</sup>  
 दिव्या कामदुष्टा विभो 45 24<sup>३</sup>  
 दिव्येन विधिना मया 61 53<sup>३</sup>  
 दिव्येषु च यथाक्रमम् 46 10<sup>४</sup>  
 दिव्यैर्मातावतैर्ममै 70 10<sup>०</sup>  
 दिव्यैर्मल्लैश्च व देवा ॥ 67<sup>३</sup>  
 दिव्यै परमवातिभि 22 5<sup>३</sup>  
 दिशमादृश्य पश्चिमाम् ९ 70<sup>४</sup>  
 दिशक्षके जमादेन 113 21<sup>३</sup>  
 दिशश्च दशधा दधे 1 27<sup>४</sup>  
 दिशश्च समपूरयत् 37 24<sup>३</sup>  
 दिशश्चैव सुपुरिरे 71 45<sup>३</sup>  
 दिश चरण पृथ च 38 68<sup>३</sup>  
 दिश प्रच्छाद्य बाहुभि 38 38<sup>३</sup>  
 दिश प्रदुष्टु सय 112 27<sup>०</sup>  
 दिश माक्रमदध्युत ॥ 33<sup>३</sup>  
 दिशापाल सुधन्वान 4 11<sup>०</sup>  
 दिशाभिर्दिदिशाभिश्च 31 27<sup>०</sup>  
 दिशा पात्रानय तथा 4 10<sup>०</sup>  
 दिशि दक्षिणपूर्वस्था 22 16<sup>०</sup>  
 दिशि पूर्वाक्षरस्था तु 22 17<sup>०</sup>  
 दिशो जम्बुद्वीपस 108 46<sup>३</sup>  
 दिशो भीता प्रदुष्टु 113 27<sup>३</sup>  
 दिशो यात्यथ विक्षता 110 28<sup>३</sup>  
 दिष्ट्या ते निहता मला 83 11<sup>३</sup>  
 दिष्ट्या ते मातरिधिता 31 2<sup>३</sup>  
 दिष्ट्या बाहुद्वयस 106 16<sup>३</sup>  
 दिष्ट्या सहस्राक्षमई 106 15<sup>०</sup>  
 दिष्ट्येदानीं समक्ष मे 38 15<sup>०</sup>  
 दीक्षणीयेर्द्विजातिभि 38 73<sup>३</sup>  
 दीक्षामय स कवच 29 25<sup>३</sup>  
 दीक्षा तामुद्वहन्वरी 10 13<sup>३</sup>  
 दीक्षा तां दुर्घटा मुचि 10 11<sup>३</sup>  
 दीक्षा द्वादशवार्षिकीम् 10 3<sup>३</sup>  
 दीक्षितो मधुसूदन 101 7<sup>३</sup>  
 दीक्षितो वाजिमेघाय 118 11<sup>३</sup>  
 दीक्षिताऽसि श्रुताविति 101 13<sup>३</sup>

दीनया सज्जमानया 78 17<sup>४</sup>  
 दीन पुत्रवधद्यान्व 69 5<sup>०</sup>  
 दीसचापधरस्य च 112 36<sup>३</sup>  
 दीसतेजसमच्युतम् ॥ 45<sup>३</sup>  
 दीसयोग्याशनोपाते 32 15<sup>४</sup>  
 दीसयोग्याम्बरधरे 32 22<sup>३</sup>  
 दीसप्रहरण तदा 110 37<sup>३</sup>  
 दीसमन्त्रयैत वस्य 76 15<sup>०</sup>  
 दीसमाकाशग दिव्य 33 8<sup>०</sup>  
 दीसगङ्गाणि सप्तमे 113 15<sup>३</sup>  
 दीसशृङ्ग इवाचल 33 14<sup>३</sup>  
 दीस तेजोनिधि तदा 103 25<sup>३</sup>  
 दीस मल्लशिरो नाम 112 67<sup>०</sup>  
 दीसामिसदृशं घोर 38 39<sup>०</sup>  
 दीसान्यमिततजसाम् 3 53<sup>३</sup>  
 दीसान्यस्त्राणि वीरवान् 88 21<sup>३</sup>  
 दीसान्याहवसद्भ्ये 81 56<sup>३</sup>  
 दीसाया दिशि वातास्त 102 3<sup>३</sup>  
 दीसा शीतोष्णतेनोभ्या 37 16<sup>३</sup>  
 दीसाख्ये दितभाषिता 31 137<sup>३</sup>  
 दीसिमन्त्रि सदस्यैश्च 34 8<sup>३</sup>  
 दीसिमन्त्रि च तेऽत्रासि 32 35<sup>३</sup>  
 दीसिमन्त्रो बहुश्रुता 7 43<sup>३</sup>  
 दीसिर्द्विरस्तामिष 65 16<sup>३</sup>  
 दीसन समन्धायत 110 29<sup>३</sup>  
 दीसन सुमहायसा 110 31<sup>३</sup>  
 दीसनेह समन्विता ॥ 2<sup>३</sup>  
 दीप्यन्निधायि लोमरे 37 13<sup>३</sup>  
 दीप्यमानमिष श्रिया 91 53<sup>३</sup>  
 दीप्यमान प्रकाशते 109 84<sup>३</sup>  
 दीप्यमान स्रतेऽत्रासि 31 140<sup>३</sup> 76 44<sup>३</sup>  
 दीप्यमान स्ववपुषा 5 21<sup>३</sup>  
 दीप्यमानानामो देव 58 26<sup>३</sup>  
 दीप्यमानेन वपुषा 87 32<sup>३</sup>  
 दीप्यमानेषु सर्वैश्च 68 8<sup>३</sup>  
 दीप्यमानैश्च रश्मिभि 34 20<sup>३</sup>  
 दीप्यतामनुपेयनम् 71 27<sup>३</sup>  
 दीप्यता भुज्यतामिति 31 139<sup>३</sup>  
 दीप्यता मे सखा शक्र 35 74<sup>३</sup>  
 दीप्यता वीरमित्रैर्वै 48 25<sup>३</sup>  
 दीर्घकालगत प्रत 79 18<sup>३</sup>  
 दीर्घकालं महामान 82 23<sup>३</sup>  
 दीर्घचिह्नोऽर्कनयन 81 73<sup>३</sup>



दीर्घबाहुमरिदमम् 70 31<sup>b</sup>  
 दीर्घबाहुनेनादेन 113 53<sup>d</sup>  
 दीर्घबाहुर्दिंठीपस्य 10 73<sup>a</sup>  
 दीर्घबाहुः महाशर 77 58<sup>b</sup>  
 दीर्घमन्त्रानमलपत्र 92 60<sup>b</sup>  
 दीर्घमायुरवाभ्याम् 113 82<sup>d</sup>  
 दीर्घस्रोतायतमुनाम् 55 35<sup>a</sup>  
 दीर्घं योन्नविस्तार 55 40<sup>a</sup>  
 दीर्घायुद्ध पितु प्रभो 12 3<sup>b</sup>  
 दीर्घायु प्रियदर्शन 99 35<sup>b</sup>  
 दुग्धा चेष वसुधरा 4 19<sup>a</sup>  
 दुग्धा सस्यानि भारत 2 24<sup>b</sup>  
 दुग्धेषु वृक्षरीरुद्धि 37<sup>a</sup>  
 दुग्धेषु मृतते मदी 6 18<sup>a</sup>  
 दुदोद दुग्धित सार 6 37<sup>a</sup>  
 दुदोद पृथिवीं सव 6 14<sup>a</sup>  
 दुदोद सविगुणां वै 69 12<sup>a</sup>  
 दुदुष्टदृग्गन्धाय 61 14<sup>b</sup>  
 दुराधाराश्च निवृत्ता 31 147<sup>a</sup>  
 दुराधर्यां विद्योपत 107 80<sup>d</sup>  
 दुराधर्यां महानल 90 35<sup>b</sup>  
 दुरातोहा हि सा गति 62 33<sup>a</sup>  
 दुर्गकर्मणि सन्नाराम् 86 15<sup>a</sup>  
 दुर्गस्थानविष्णुमा 80 2<sup>b</sup>  
 दुर्गसावक्यानाक्रियाम् 86 3<sup>a</sup>  
 दुर्मैर्दं वृषवैरपि 71 80<sup>a</sup>  
 दुर्मैर्दं दुर्धरं दत्ता 31 124<sup>a</sup>  
 दुर्गतीयेन योन स्वम् 66 7<sup>a</sup>  
 दुर्धेय शुक्ति मातृवै 13 75<sup>b</sup>  
 दुर्धमं दमनं श्वभ 25 2<sup>a</sup>  
 दुर्धमं कामचारी च 67 6<sup>a</sup>  
 दुर्धमेन महात्मना 28 64<sup>d</sup>  
 दुर्धर्मे मेरुदूरे 32 2<sup>b</sup>  
 दुर्दान्तो वापिदैत्योऽसौ 67 5<sup>a</sup>  
 दुर्दिनं भाति वै तम 54 34<sup>a</sup>  
 दुर्दिनं पिडुलं चतु 61 11<sup>a</sup>  
 दुर्दिनं व्यपश्रयत 100 20<sup>d</sup>  
 दुर्दिनागमत्रं भयम् 61 25<sup>b</sup>  
 दुर्दिनागमोदमिस्त्र 42 1<sup>b</sup>  
 दुर्धराणि सुरैरपि 31 113<sup>d</sup>  
 दुर्धर्पममैरपि 5 45<sup>a</sup>  
 दुर्निरीक्ष्य सुराग्रे 31 128<sup>a</sup>  
 दुर्निरीक्ष्या सुरैरपि 87 35<sup>f</sup>

दुर्निरीक्ष्योऽरिचन्द्रार्त्ता 31 99<sup>a</sup>  
 दुर्निरीक्ष्यं महत्तदा 84 13<sup>b</sup>  
 दुर्निरीक्ष्यं मयि स्थिते 62 15<sup>d</sup>  
 दुर्धरा विपयग्लाना 117 38<sup>a</sup>  
 दुर्धृष्टिरीतेन्द्रिय 44 37<sup>a</sup>  
 दुर्धृष्टिरीरुत्तदा 15 36<sup>b</sup>  
 दुर्मतीना क्षयावदम् 89 26<sup>a</sup>  
 दुर्मुखं सुमुखस्या 9 89<sup>b</sup>  
 दुर्योधनमुखा सर्वे 100 6<sup>a</sup>  
 दुर्योधनस्य कम्पा 90 8<sup>a</sup>  
 दुर्योधास्य यज्ञे वै 100 5<sup>a</sup>  
 दुर्लभं स्वर्गगमन 44 70<sup>a</sup>  
 दुर्लभाग्निह रीक्रियन् 23 166<sup>b</sup>  
 दुर्लभाक्षमपर्वण्य 61 13<sup>a</sup>  
 दुर्निवेशाकृष्टारामि 18 7<sup>a</sup>  
 दुर्धृष्टस्य हृत्तस्यापि 44 78<sup>a</sup>  
 दुर्धरां देवदानवै 13 16<sup>a</sup>  
 दुर्धृष्टस्य कर्षण 78 13<sup>a</sup>  
 दुष्टारमा प हस्तस्य 69 20  
 दुष्टा वा रिभिरैवेत्यु 107 34<sup>a</sup>  
 दुष्टाश्वा वनगोचर 67 9<sup>b</sup>  
 दुष्टेन मन्त्रा देवि 107 32<sup>a</sup>  
 दुस्तरं त्रिपुरैरपि 55 40<sup>a</sup>  
 दुस्तरं प्रसिद्धं हि 118 35<sup>a</sup>  
 दुस्तरं दानमूलवान् 115 44<sup>a</sup>  
 दुष्टिना दुष्टशालिनी 93 46<sup>b</sup>  
 दुष्टिना सप्तमा याम 23 125<sup>a</sup>  
 दुष्टिना कारवासा 89 1<sup>a</sup>  
 दुष्टिनास्यमनुप्राता 11 40<sup>a</sup>  
 दुष्टिनास्यं च मे गच्छ 6 6<sup>a</sup>  
 दुष्टिनास्यं वाहरीम् 23 79<sup>d</sup>  
 दुष्टिनास्यं त्यक्तपत्रम् 10 66<sup>f</sup>  
 दुष्टिनास्यं जगत्तप 80 7<sup>a</sup>  
 दुष्टमाया वसुधरा 2 26<sup>b</sup>  
 दुष्टमायासु च मते 68 6<sup>b</sup>  
 दुर्दुर्भीता च निनदा 37 25<sup>a</sup>  
 दुर्दुष्मं प्राणदन्दि 24 25<sup>b</sup>  
 दुर्दुष्मि सुयदूनि सा 69 23<sup>a</sup>  
 दुर्दुष्टं बल पत्राय 56 23<sup>a</sup>  
 दुर्धरे शिथिलता गतम् 69 6<sup>a</sup>  
 दुर्धरोपपन्ने तरेषु 55 42<sup>a</sup>  
 दुर्धमस्य सुपत 23 47<sup>a</sup>  
 दुर्धमस्य तु दायद 23 48<sup>a</sup>, 195<sup>a</sup>.



दृष्ट्वा दैत्यविनाशाय 38 5<sup>०</sup>  
 दृष्ट्वा पैतामहं पदम् 39 18<sup>५</sup>  
 दृष्ट्वा यमवुरस्वत्या 19 20<sup>०</sup>  
 दृष्ट्वा बाण पदातिनम् 108 59<sup>५</sup>  
 दृष्ट्वा मधुनिघातिनम् 102 19<sup>५</sup>  
 दृष्ट्वा मूर्धसु सागरे 56 39<sup>५</sup>  
 दृष्ट्वायान्तं त्रियोपेत 10 36<sup>०</sup>  
 दृष्ट्वा रथस्य स्त्रां वृद्धि 29 16<sup>०</sup>  
 दृष्ट्वा ओकान्सुदु खितान् 40 36<sup>५</sup>  
 दृष्ट्वा वृषभदातवन् 64 14<sup>५</sup>  
 दृष्ट्वा सा मत्तकाशिनी 107 71<sup>५</sup>  
 दृष्ट्वा सुमहदद्भुतम् 79 19<sup>५</sup>  
 दृष्ट्वा हेत्वर्थकारणं 68 39<sup>५</sup>  
 देवकश्चोपसेनश्च 27 25<sup>०</sup>  
 देवकस्याभवत्पुत्रा 27 26<sup>०</sup>  
 देवकार्यादपि मुने 13 69<sup>०</sup>  
 देवकीगर्भकृतने 47 8<sup>५</sup>  
 देवकी च पृहे गुप्ता 47 3<sup>०</sup>  
 देवकी च यशोदा च 48 11<sup>०</sup>  
 देवकी देवतोपमा 48 1<sup>५</sup>  
 देवकीनन्दनवच 91 33<sup>०</sup>  
 देवकीप्रसुता स्त्रिय 48 24<sup>५</sup>  
 देवकीभयमास्तिकम् 47 26<sup>५</sup>  
 देवकी रोहिणी सैव 45 36<sup>०</sup>  
 देवकीभावनेऽप्यसत् 48 19<sup>५</sup>  
 देवकी सागितेवैव च 27 27<sup>०</sup>  
 देवकीसप्तमा देव्य 96 8<sup>०</sup>  
 देवकी सप्तदैवत 76 11<sup>५</sup>  
 देवकीं देवसकाशां 89 8<sup>५</sup>  
 देवकी रामनवाषी 96 9<sup>५</sup>  
 देवकीं रोहिणीं सैव 45 38<sup>०</sup>  
 देवदत्तनयश्चिह्न्य 48 13<sup>५</sup>  
 देवदत्ता गर्भकृतने 47 1<sup>५</sup>  
 देवदत्ता सह रोहिण्या 94 26<sup>०</sup>  
 देवदत्ताः सपत्ने धमे 47 28<sup>५</sup>  
 देवदत्तस्य नन्दन 26 25<sup>५</sup>  
 देवदत्तशत्रुभवत्तस्य 26 24<sup>५</sup>  
 देवगन्धर्वनिघोषं 46 11<sup>५</sup>  
 देवगन्धर्व मा मैव 100 52<sup>०</sup>  
 देवगन्धर्वयक्षौपे 34 5<sup>५</sup>  
 देवगन्धर्वरत्नानि 92 16<sup>०</sup>  
 देवगन्धर्वसैवितम् 92 47<sup>५</sup>  
 देवगर्भसामाप्नुयी 27 25<sup>५</sup>

देवगर्भसमो जज्ञे 26 25<sup>०</sup>  
 देवगर्भोपम सुतम् 89 9<sup>५</sup>  
 देवगुह्यधर प्रभुम् 86 64<sup>५</sup>  
 देवतानामपि चम् 37 16<sup>०</sup>  
 देवतानामवप्यश्च 9 53<sup>०</sup>  
 देवतानामृषीणा च 31 135<sup>०</sup>  
 देवताना इवो राजा 62 82<sup>०</sup>  
 देवताना त्रिविष्टपे 68 32<sup>५</sup>  
 देवताना दिवित्थानां 67 66<sup>०</sup>  
 देवताना न सताय 81 2<sup>५</sup>  
 देवतानां भवान्तर 62 23<sup>५</sup>  
 देवताना मया श्रुत 46 14<sup>५</sup>  
 देवताना हि पितृव 13 69<sup>०</sup>  
 देवतावतन शुभा 87 31<sup>५</sup>  
 देवतावतनास्तिके 87 33<sup>५</sup>  
 देवतार्थं च मे यत्न 109 48<sup>०</sup>  
 देवतार्थं वप चापि 109 53<sup>०</sup>  
 देवतास्त्वदानीमांसा 37 27<sup>०</sup>  
 देवतस्य महायुते 63 3<sup>५</sup>  
 देवतर्चनितोदैश्च 65 56<sup>०</sup>  
 देवतर्चनयनेकता 75 36<sup>५</sup>  
 देवतर्चनयानिषु 34 8<sup>५</sup>  
 देवतरे प्रत्य मातुपे 13 33<sup>५</sup>  
 देवदत्तवरो नृप 85 60<sup>५</sup>  
 देवदत्तवर्जिता 12 14<sup>५</sup>  
 देवदत्तवयस्त्राणां 107 63<sup>०</sup>  
 देवदत्तवसकुलम् 35 6<sup>५</sup> 37 21<sup>५</sup>  
 देवदत्तवसकुल्य 37 35<sup>०</sup>  
 देवदत्तवसपात्रां 106 59<sup>०</sup>  
 देवदत्तशत्रुभयश्चैव 9 67<sup>०</sup>  
 देवदेव वृधियर्थे 44 16<sup>०</sup>  
 देवदेव सदा बुद्धे 118 4<sup>५</sup>  
 देवदेव सनातनम् 112 107<sup>५</sup>  
 देवदेव सुवपुष 107 5<sup>५</sup>  
 देवदेव सनातन 100 63<sup>५</sup>  
 देवदेवेन आलता 13 1<sup>५</sup>  
 देवदेवो जगत्पति 31 14<sup>५</sup>  
 देवदेवो हरि देव 38 56<sup>०</sup>  
 देवदैत्यसमागमे 65 42<sup>५</sup>  
 देवपक्षे प्रसूदिते 36 43<sup>०</sup>  
 देवपुत्रसमद्युती 96 47<sup>५</sup>  
 देवपुत्रोपमो वीरो 71 49<sup>०</sup>  
 देवप्रहरणा सुता 2 55<sup>५</sup>

देवभागस्तो जज्ञे 24 18<sup>a</sup>  
 देवभागान्गतान्दृष्टा 44 17<sup>a</sup>  
 देवमाता यशस्विनी 92 58<sup>a</sup>  
 देवमातुर्देवो आपि 97 29<sup>a</sup>  
 देवमातुर्महद्विभक्तम् 92 53<sup>a</sup>  
 देवमात्रा महाफल 92 61<sup>a</sup>  
 देवमानुषयोनिता 30 5<sup>a</sup>  
 देवमायाधरा दिव्या 42 9<sup>a</sup>  
 देवमायाधुर्वित्त 99 4<sup>a</sup>  
 देवधानीमुशानस 22 3<sup>a</sup>  
 देवधानी भवजायत 22 4<sup>a</sup>  
 देवयोश्चन्द्रसूर्ययो 92 46<sup>a</sup>  
 देवयोषोषमे भुवि 43 51<sup>a</sup>  
 देवराजपरिपुर्णेशान् 91 5<sup>a</sup>  
 देवराज घरप्रद 36 11<sup>a</sup>  
 देवराजविराजितम् 34 48<sup>a</sup>  
 देवराज पुरद 62 35<sup>a</sup>  
 देवराज शतक्रतु 92 50<sup>a</sup>  
 देवराजभ्यनुज्ञात 92 61<sup>a</sup>  
 देवराजेन वेषस्य 91 38<sup>a</sup>  
 देवराजोऽप्रकीर्तितम् 62 67<sup>a</sup> 93 3<sup>a</sup>  
 देवराजादय स्मृता 23 86<sup>a</sup>  
 देवरातोऽभयप्रप 26 24<sup>a</sup>  
 देवर्षिगणपूजितम् 93 46<sup>a</sup>  
 देवर्षिभिरुपोष्यै 31 38<sup>a</sup>  
 देवर्षिरपि नारद 92 32<sup>a</sup>  
 देवर्षि वीतकल्मषम् 46 4<sup>a</sup>  
 देवर्षि प्रियसवाद् 3 7<sup>a</sup>  
 देवस्य महात्मन 13 22<sup>a</sup>  
 देवस्य सुता वदा 19 24<sup>a</sup>  
 देवस्यस्यमजाभवत् 18 22<sup>a</sup>  
 देवलायोग्यमिनिम् 18 23<sup>a</sup>  
 देवलोकमरिदम् 92 49<sup>a</sup>  
 देवलोक समुत्पद्य 30 4<sup>a</sup>  
 देवलोक परस्मात् 62 26<sup>a</sup>  
 देवलोकान्दुर्दिनम् 92 68<sup>a</sup>  
 देवलोकोपमो लोक 62 65<sup>a</sup>  
 देववह्निवचपुपा 96 15<sup>a</sup>  
 देववानुपदेवम् 27 36<sup>a</sup>  
 देववृत्तान्तमात्रुपौ 51 5<sup>a</sup>  
 देवव्याघातकारिणम् 38 27<sup>a</sup>  
 देवशत्रुमरिदम् 107 27<sup>a</sup>  
 देवश्रवणमुद्रवम् 24 25<sup>a</sup>

दशभवा कतिश्चैव 23 87<sup>a</sup>  
 देवश्रेष्ठमगात्तदा 19 10<sup>a</sup>  
 देवसन्नप्रतीकाशा 92 1<sup>a</sup>  
 देवसन्नानि सर्वाणि 92 47<sup>a</sup>  
 देवसर्गावधोगिन 67 68<sup>a</sup>  
 देव सजायते मम 106 34<sup>a</sup>  
 देवहेतो सुधारणे 109 41<sup>a</sup>  
 देव गिरिधरे स्थितम् 60 23<sup>a</sup>  
 देव नारायण प्रभुम् 32 13<sup>a</sup>  
 देव नारायण हरिम् 19 11<sup>a</sup> 42 27<sup>a</sup>  
 देव प्रकीर्तित दृष्टा 107 9<sup>a</sup>  
 देव ब्रह्ममय यज्ञ 31 59<sup>a</sup>  
 देव विष्णुभिन्न दृष्टा 112 39<sup>a</sup>  
 देवा अपि न तद्विदुः 58 41<sup>a</sup>  
 देवा अपि पितृन्स्वर्गो 11 14<sup>a</sup>  
 देवा इव पितामहम् 37 59<sup>a</sup>  
 देवा इव शतक्रतुम् 78 41<sup>a</sup>  
 देवा इवाय मोदन्तु 86 8<sup>a</sup>  
 देवा एकोनपञ्चाशत् 3 109<sup>a</sup>  
 देवाः श्रीः शिवाः स्वरिकाम् 92 62<sup>a</sup>  
 देवा ज्योति पुरोगमा 3 31<sup>a</sup>  
 देवान्नाशमुत्पान्तरान् 38 64<sup>a</sup>  
 देवा दशैकान्ति 40 37<sup>a</sup>  
 देवा देवर्षिभि सह 35 24<sup>a</sup>  
 देवा देवपराजिता 32 28<sup>a</sup>  
 देवान्योदयहारा 43 67<sup>a</sup>  
 देवानभिमुख तस्मा 33 31<sup>a</sup>  
 देवान्दत्त यज्ञा 12 21<sup>a</sup>  
 देवानामपि दुर्लभम् 13 74<sup>a</sup>  
 देवानामपि देवता 11 2<sup>a</sup>, 33<sup>a</sup>  
 देवानामपि यो देव 106 42<sup>a</sup>  
 देवानाममिनी प्रसात् 103<sup>a</sup>  
 देवानामाक्षिपद्गु 20 39<sup>a</sup>  
 देवानामीश्वर शत्रु 59 5<sup>a</sup>  
 देवाना कार्यगौरवात् 40 41<sup>a</sup>  
 देवाना च सनातन 62 19<sup>a</sup>  
 देवानां त्रिदिवे यथा 86 73<sup>a</sup>  
 देवानां दानवानां च 1 3<sup>a</sup> 2 50<sup>a</sup> 3 1<sup>a</sup> 20 3<sup>a</sup>  
 देवानां दिवि वैष्णवी 39 14<sup>a</sup>  
 देवानां प्राणदन्दि 48 16<sup>a</sup>  
 देवाना यज्ञवाजता 62 18<sup>a</sup>  
 देवाना विप्रिये सित्यम् 91 35<sup>a</sup>  
 देवाना स तु सर्वे 46 16<sup>a</sup>

देवाना सुमहत्कार्ये 96 69<sup>a</sup>  
 देवाना सोमवर्धना 13 3<sup>a</sup>  
 देवानिन्द्रपुरोगमान् 35 7<sup>a</sup>  
 देवानीकस्य तस्थिवान् 34 15<sup>b</sup>  
 देवानीक प्रतापवान् 10 77<sup>a</sup>  
 देवानीकात्मन प्रभु 10 77<sup>a</sup>  
 देवानुयात्रनिर्घोष 113 48<sup>a</sup>  
 देवान्तश्च नरान्तश्च 28 6<sup>a</sup>  
 देवान्तस्याभयपुत्र 28 7<sup>a</sup>  
 देवान्या बाहूनानि वा 35 14<sup>b</sup>  
 देवानृग्रिपुर्दंभा 86 4<sup>a</sup>  
 देवापत्य न विसृहे 65 95<sup>b</sup>  
 देवापिरभवन्नुनि 23 117<sup>a</sup>  
 देवापिर्वाङ्मिकश्च 23 114<sup>a</sup>  
 देवा मद्भादिभि सह 7 52<sup>b</sup>  
 देवा मज्जुले स्थिता 88 11<sup>a</sup>  
 देवामिन्द्रविनाशनम् 86 31<sup>a</sup>  
 देवायुधविरानितम् 37 36<sup>b</sup>  
 देवा वा स्या विना प्रभो 62 77<sup>a</sup>  
 देवाश्च तुपिता नाम 7 12<sup>a</sup>  
 देवाश्च पितरश्च ह 12 41<sup>a</sup>  
 देवाश्च पितरश्चैव 12 31<sup>a</sup>  
 देवाश्च पितरस्तथा 12 41<sup>a</sup>  
 देवाश्च बलिहोमेन 38 71<sup>a</sup>  
 देवाश्चाभूतरजस 7 23<sup>a</sup>  
 देवाश्चैव नमसा द्विभि 39 9<sup>a</sup>  
 देवाश्चैव नमसा 56 46<sup>a</sup>  
 देवाश्चैवास्तुतश्च 21 13<sup>a</sup>  
 देवासुरागानां हि 31 122<sup>a</sup>  
 देवासुरमनूषुद 115 17<sup>a</sup>  
 देवासुरमिवामयत् 15 59<sup>a</sup>  
 देवासुरमिमर्द स 36 31<sup>a</sup>  
 देवासुरमिमर्देषु 34 41<sup>a</sup>  
 देवासुराणामाचार्य 112<sup>a</sup>  
 देवास्तान्माधवमनुत 13 24<sup>a</sup>  
 देवा हुताशनप्राणा 30 38<sup>a</sup>  
 देवाश्चाग्निपुरोगमान् 43 68<sup>b</sup>  
 देवास्त्रिमुचनस्थाश्च 31 56<sup>a</sup>  
 देवा पादपमुत्तमम् 93 58<sup>a</sup>  
 देवा प्रीति परां जग्मु 32 33<sup>a</sup>  
 देवा शक्रपुरोगमा 32 29<sup>a</sup>  
 देवा सप्तपैथेय 31 15<sup>a</sup>  
 देवा सर्पिण्यास्तदा 38 50<sup>b</sup> 40 10<sup>a</sup>

देवा सपिण्णा पुत्रा 31 19<sup>a</sup>  
 देवा स्वर्गागता हव 84 23<sup>a</sup>  
 देवि देवी भविष्यसि 47 29<sup>a</sup>  
 देवी काश्या वपुर्मा 118 12<sup>b</sup>  
 देवी च प्रादुसत्तदा 107 6<sup>a</sup>  
 देवी तव मनोगतम् 107 42<sup>a</sup>  
 देवी दुश्चरचारिणी 13 19<sup>a</sup>  
 देवी नम्रजितो तथा 118 3<sup>a</sup>  
 देवी पृथ्वीति चोच्यते 11 40<sup>a</sup>  
 देवी प्रहास मुमुचे 107 7<sup>a</sup>  
 देवां सरस्वतीं देव 1 0<sup>a</sup>  
 देवेन वर्धते यदि 39 10<sup>a</sup>  
 देवेनोत्ता रजेर्जये 21 17<sup>a</sup>  
 देवेन्द्रेणाभिरापित 118 34<sup>a</sup>  
 देवेभ्यस्तरामिहानय 86 67<sup>a</sup>  
 देवेषु ता परिज्ञात 23 18<sup>a</sup>  
 देवेषु सुचिरोपिता 14 4<sup>a</sup>  
 देवेष्वापि दधारिणा 40 31<sup>a</sup>  
 देवेष्वापि दुरातनम् 40 20<sup>b</sup>  
 देवेष्वापि सदैवेषु 113 76<sup>a</sup>  
 देवेष्टिवन् निशाकर 60 7<sup>a</sup>  
 देवेष्टिवन् पुरन्दर 60 6<sup>a</sup>  
 देवैरकृतसतिश्रय 39 2<sup>a</sup>  
 देवैरपि दुरानुता 39 8<sup>a</sup>  
 देवैरपि दुरासदम् 9 60<sup>a</sup>  
 देवैरपि दुरासदा 35 72<sup>a</sup>  
 देवैरपि दुरासदे 58 58<sup>a</sup>  
 देवैरपि सप्तमवे 46 29<sup>b</sup> 71 40<sup>a</sup>  
 देवैरपि सुदुष्करम् 96 6<sup>a</sup>  
 देवैरपि सुदुःसदम् 96 64<sup>a</sup>  
 देवैराक्षिरसै सह 5 26<sup>a</sup>  
 देवैरिव स त सह 96 21<sup>a</sup>  
 देवैरुतः स पाथिव 21 22<sup>a</sup>  
 देवैरुतो महात्मभि 97 14<sup>a</sup>  
 देवैर्देवायुध सम 27 13<sup>a</sup>  
 देवैर्देवैश्च कथ्यते 30 56<sup>a</sup>  
 देवैर्न दृष्टश्चान्तस्ते 58 43<sup>a</sup>  
 देवैर्निगदितापेय 81 64<sup>a</sup>  
 देवैश्चोक्त दिवि स्थितै 58 57<sup>a</sup>  
 देवै परिब्रुत प्राह 43 11<sup>a</sup>  
 देवै सदानवर्गण 62 15<sup>a</sup>  
 देवै सर्पिण्यै सह 2 24<sup>a</sup>  
 देवै सद शतशत 21 24<sup>a</sup>

देवोऽद्वयत सयुगे 36 28<sup>६</sup>  
 देवो देवसभा दत्त्वा 86 72<sup>०</sup>  
 देवो वर्पति छोदेषु 59 9<sup>६</sup>  
 देवो वा दानवो वा स्व 63 8<sup>०</sup>  
 देवो किं करयणि वाम् 9 8<sup>०</sup>  
 देवो तस्यामजयेतान् 8 33<sup>०</sup>  
 देवो देतयमिताम् 36 17<sup>६</sup>  
 देवो देवस्यतो स्मृतौ 7 32<sup>६</sup>  
 देव्या वचनचोदित 107 20<sup>६</sup>  
 देव्याश्च वरगौ शुभौ 92 57<sup>६</sup>  
 देव्या सह नदीगतम् 107 9<sup>६</sup>  
 देव्या सह नदीवीरे 107 1<sup>०</sup>  
 देव्या श्रीजागते भवे 107 45<sup>०</sup>  
 देशाकालानुबन्धिनी 117 49<sup>६</sup>  
 देशजाश्चोत्तमा हया 92 12<sup>६</sup>  
 देशमन्त्र ध्वजी रथो 28 13<sup>६</sup>  
 देशमन्त्रप्रदानेन 83 48<sup>०</sup>  
 देशानामिति विधुता 23 97<sup>०</sup>  
 देशो विद्वत्पूजिते 86 43<sup>६</sup>  
 देशो देशे पृथक्पृथक् 117 26<sup>६</sup>  
 देशो पुण्यतमे चैव 21 9<sup>०</sup>  
 देशो पुरनिषेत्ताय 84 32<sup>०</sup>  
 देशोऽस्मिन्स्त्वमपराहुते 89 35<sup>०</sup>  
 देशो नृपतिवीक्षित 61 50<sup>०</sup>  
 बह्वृष्टा चकार ह 76 36<sup>६</sup>  
 बह्वृष्टातहमोऽमयन् 18 13<sup>६</sup>  
 बह्वृष्टानमानुषान् 94 20<sup>६</sup>  
 बह्वृष्टाश्च सिन्धव 37 55<sup>६</sup>  
 बह्वृष्ट मध्ये हृदय 30 44<sup>०</sup>  
 बह्वृष्ट हरिदत्तारथो 45 49<sup>६</sup>  
 बह्वृष्ट पञ्चगताभि 108 83<sup>०</sup>  
 बह्वृष्टास्तु ह्यार्योऽपि 58 54<sup>६</sup>  
 देशान्तरगवो हरि 50 3<sup>०</sup>  
 देशीति चाभिभाष्यत 86 60<sup>०</sup>  
 देशीयुवाच तत्काळ 71 17<sup>०</sup>  
 देशेन तस्य रश्म्य 75 45<sup>०</sup>  
 देशेय श्रीधर्मपुत्र 112 74<sup>६</sup>  
 देशेया सह दानवै 91 4<sup>०</sup>  
 देशदानपनारीभि 106 52<sup>०</sup>  
 देशदानवप्रोपित 109 56<sup>०</sup>  
 देशदानवशसाम् 32 6<sup>०</sup>  
 देशदानवशसता 110 39<sup>०</sup>  
 देशदानवसयोगात् 3 76<sup>०</sup>

देशदानवहन्तार 43 70<sup>०</sup>  
 देशपक्षे विप्रीति 36 43<sup>०</sup>  
 देशमन्त्रदंष्ट्र स्वनम् 37 25<sup>६</sup>  
 देशमायापकर्षणम् 36 11<sup>६</sup>  
 देशयोनदत्ता छत्रा 42 33<sup>०</sup>  
 देशरत्नोऽभवत्पुरा 24 21<sup>०</sup>  
 देशवशासमुत्पन्ना 112 7<sup>०</sup>  
 देशव्यूहगतो भाति 33 12<sup>६</sup>  
 देशसयान्महाहवे 36 12<sup>६</sup>  
 देशसेना द्रवहृष्ट 36 34<sup>०</sup>  
 देशस्कन्धगत श्रीमान् 58 31<sup>०</sup>  
 देश्य तुरगविग्रहम् 45 4<sup>६</sup>  
 देश्य पञ्चजन तथा 96 66<sup>०</sup>  
 देश्य वचनमयवीन् 31 39<sup>६</sup>  
 देश्यं वृषभरूपिणम् 45 5<sup>६</sup> 64 19<sup>६</sup>  
 देश्य सोऽतिबल दत्त 31 67<sup>०</sup>  
 देश्य कसल वाहन 44 70<sup>६</sup>  
 देश्य क्षितिचर कृष्ण 67 47<sup>०</sup>  
 देश्य पञ्चजनो महान् 79 14<sup>६</sup>  
 देश्य पुष्पनि विग्रहम् 45 3<sup>६</sup>  
 देश्यानामय सिद्धाना 1 2<sup>०</sup>  
 देश्यानामादिपुष्प 31 32<sup>०</sup>  
 देश्याना दानवाना च 4 4<sup>०</sup>  
 देश्यानां शुभमे चम् 37 16<sup>६</sup>  
 देश्यानादेन भीरवन् 34 11<sup>६</sup>  
 देश्यान्मानुषदहस्यान् 31 14<sup>०</sup>  
 देश्यान्मेघगणा इव 36 13<sup>६</sup>  
 देश्या मद्राण्यमयवन् 47 16<sup>६</sup>  
 देश्याश्च सह दानवै 91 10<sup>६</sup>  
 देश्याश्चादिलवपुः 35 19<sup>०</sup>  
 देश्येन्द्र सहस्रैर्निकम् 109 90<sup>०</sup>  
 देश्येभ्यस्तपस्यतो भीति 38 76<sup>०</sup>  
 देश्येभ्य रथमभि 112 86<sup>०</sup>  
 देश्ये सर्वोऽनुषोचते 38 31<sup>६</sup>  
 देश्यो मदभरुपणान् 57 12<sup>६</sup>  
 देश्यो वृषभरूपेण 64 7<sup>०</sup>  
 देश्यशत्रिर्महात्मन 28 24<sup>६</sup>  
 देश्यज्ञा कथयति हि 66 31<sup>६</sup>  
 देश्यत ह्यसि देशानां 12 8<sup>०</sup>  
 देश्यानां चकार ह 3 41<sup>६</sup>  
 देश्यानि च सर्वाणि 79 34<sup>०</sup>  
 देश्याम्यभिराद्य च 15 49<sup>६</sup>  
 देश्यैरपि पूजिता 65 87<sup>६</sup>

दैवतै समहोरगै 47 16<sup>१</sup>  
 दैवतै सह योक्ष्यते 47 46<sup>२</sup>  
 दैवमप्यनुवर्तते 47 7<sup>३</sup>  
 दैवं पुरूपकारेण 48 39<sup>४</sup> 115 39<sup>५</sup>  
 दैवेन परिणामिता 42 51<sup>६</sup>  
 दैवेन मनसा क्षिप्र 86 23<sup>७</sup>  
 दोग्धा चाङ्गिरस सुत ४ 16<sup>८</sup>  
 दोग्धा तु सविता विभु ६ 19<sup>९</sup>  
 दोग्धा भरतसत्तम 6 34<sup>१०</sup>  
 दोग्धा मेरुमहागिरि ७ 36<sup>११</sup>  
 दोग्धा रजतनाभस्तु 6 31<sup>१२</sup>  
 दोग्धार क्षीरमेव च 6 49<sup>१३</sup>  
 दूर्ध्निश्चायतपीनाभि 37 12<sup>१४</sup>  
 दूर्ध्नामानस्य हृणस्तु 75 42<sup>१५</sup>  
 दूर्ध्नासुरिक्षप्य दूर्ध्विता 37 33<sup>१६</sup>  
 दूर्ध्नासुरिक्षप्य नगर 99 5<sup>१७</sup>  
 दूर्ध्नासुर्यपाटवामास 61 29<sup>१८</sup>  
 दूर्ध्नासुर्यपाट्य भास्वरम् 92 42<sup>१९</sup>  
 दूर्ध्नी बगलपक्षाक्ष 71 41<sup>२०</sup>  
 दूर्ध्नी तौ समपीडयन् 42 30<sup>२१</sup>  
 दूर्ध्नी विक्षिप्य च मनु 32 20<sup>२२</sup>  
 दूर्ध्नी विराणसुरपाट्य 74 33<sup>२३</sup>  
 द्रोणभूता हि ज्ञानया 108 58<sup>२४</sup>  
 द्रोणाणा म भवेन्नादा 106 57<sup>२५</sup>  
 द्रोण्य च तद्वृत्त पारे 105 17<sup>२६</sup>  
 द्रोण्यस्यावृपतेरस्य 106 58<sup>२७</sup>  
 द्रोण्य भवतमेतत् 118 18<sup>२८</sup>  
 द्रोण्युल धुरियतेन्द्रियम् 73 23<sup>२९</sup>  
 द्रोहिर्नक्षत्र सोमस्य 2 52<sup>३०</sup>  
 द्राक्षादृधिम्यो सयोग 37 20<sup>३१</sup>  
 द्राक्षादृधिम्यो सलग्ना 54 32<sup>३२</sup>  
 द्रा घैषाघ्नमालया 93 12<sup>३३</sup>  
 द्रा वै सुव च रण्येय 5 13<sup>३४</sup>  
 द्रुतिस्तपस्य सुतपा 7 20<sup>३५</sup>  
 द्रुति द्रुष्टि प्रमा वसु 20 26<sup>३६</sup>  
 द्रुमस्तेनमपोययत् 97 7<sup>३७</sup>  
 द्रुत स्वमी महारण 89 21<sup>३८</sup>  
 द्रोक्ष्व प्रमयो विभु 30 5<sup>३९</sup>  
 द्रोण्यनुपृहीता स्वात् 65 17<sup>४०</sup>  
 द्रोणिवा यन्त्रारदी 57 22<sup>४१</sup>  
 द्रोर्न भास्यभिर्मूर्ता 32 19<sup>४२</sup>  
 द्रोर्निमीलितनक्षत्रा 37 15<sup>४३</sup>  
 द्रक्ष्याम रितर तव 106 27<sup>४४</sup>

द्रक्ष्यावश्चरत सुपय 52 27<sup>४५</sup>  
 द्रवन्तीमन्वधावत 5 43<sup>४६</sup>  
 द्रव्याणि विविधानि च 29 26<sup>४७</sup>  
 द्रव्यावयवनिर्भूत 53 19<sup>४८</sup>  
 द्रव्यैरलङ्करोति स्य 86 74<sup>४९</sup>  
 द्रष्टव्य स यथाह वै 62 79<sup>५०</sup>  
 द्रष्टव्यो च मयावद्वय 65 88<sup>५१</sup>  
 द्रष्टा हि ता भवानस्य ४ 32<sup>५२</sup>  
 द्रष्टुकामो जगद्देव 36 31<sup>५३</sup>  
 द्रष्टुमिच्छानि वै कस्य 65 85<sup>५४</sup>  
 द्रष्टु कौतूहल हि मे 65 92<sup>५५</sup>  
 द्रष्टु दानपति स्वपय 65 101<sup>५६</sup>  
 द्रष्टु धनुर्मह दिव्य 71 28<sup>५७</sup>  
 द्रष्टु स्वर्गादिहागत 67 54<sup>५८</sup>  
 द्राक्षावनचन वक्षि 84 23<sup>५९</sup>  
 द्रुतजलयेगतरगमादिनी 90 17<sup>६०</sup>  
 द्रुत जगाम विमुक्त 58 23<sup>६१</sup>  
 द्रुपदस्य पिता मनु 23 102<sup>६२</sup>  
 द्रुपदस्य पिता राजन् 15 62<sup>६३</sup>  
 द्रुमक्षयमथो बुद्ध्वा 2 38<sup>६४</sup>  
 द्रुमपर्णासने इत्या 57 26<sup>६५</sup>  
 द्रुमपर्यंतमच्छ 36 27<sup>६६</sup>  
 द्रुमपोतविबोद्धौ 52 4<sup>६७</sup>  
 द्रुमभागवतुल्ये वै 89 50<sup>६८</sup>  
 द्रुमभागवसिस्थिते 89 50<sup>६९</sup>  
 द्रुमयो शकटस्य च 51 32<sup>७०</sup>  
 द्रुमसपातनि घृते 55 16<sup>७१</sup>  
 द्रुम किंपुरुषधैव 81 39<sup>७२</sup>  
 द्रुमाणां च वरानन 54 36<sup>७३</sup>  
 द्रुमात्पाद महाबल 87 13<sup>७४</sup>  
 द्रुमाभ्यामात्मज शिशुम् 51 26<sup>७५</sup>  
 द्रुमावेवगतावपि 51 31<sup>७६</sup>  
 द्रुमिलस्तेवमुक्तस्तु 73 35<sup>७७</sup>  
 द्रुमिलो नाम दानव 73 18<sup>७८</sup>  
 द्रुक्षु चातु च नाद्रुप 22 16<sup>७९</sup>  
 द्रुक्षु चातु च पूरु च 22 4<sup>८०</sup>  
 द्रुक्षोश्चानार्थदोक्षेव 23 1<sup>८१</sup>, 3<sup>८२</sup>  
 द्रुक्षोश्चानार्थदोक्षया 23 122<sup>८३</sup>  
 द्रुक्षोस्तु तनयो राजन् 23 130<sup>८४</sup>  
 द्रोण द्रोणि इय कर्ण 97 18<sup>८५</sup>  
 द्रोणायायावर्जितम् 15 63<sup>८६</sup>  
 द्रोणेनाप्युपितश्चिरम् 84 28<sup>८७</sup>  
 द्रोण्यश्च विपुलायता 60 11<sup>८८</sup>

द्रौपदीय पुरा पतीन् 114 9<sup>d</sup>  
 द्रुमन्ये युयुत्सुच 37 26<sup>d</sup>  
 द्रुमशो गोपकन्यका 63 25<sup>d</sup>  
 द्वादशात्मा दिनेश्वर 34 22<sup>d</sup>  
 द्वादशासन्सुरोत्तमा 46<sup>d</sup>  
 द्वादश्या त्वा दिनक्षये 107 15<sup>d</sup>  
 द्वादश्या शुक्रपक्षस्य 107 19<sup>d</sup>, 41<sup>d</sup>  
 द्वापरस्य युगस्यान्ते 43 56<sup>d</sup>  
 द्वापरे मरत्ययोनिजा 13 39<sup>d</sup>  
 द्वाभ्या भुजाभ्या दीघाभ्या 68 23<sup>d</sup>  
 द्वारका धीरिबाभ्युभि 93 13<sup>d</sup>  
 द्वारकापि तथा भीष्म 107 80<sup>d</sup>  
 द्वारका प्रत्यरागत 86 49<sup>d</sup>  
 द्वारकामभिर्जग्मिषान् 85 35<sup>d</sup>  
 द्वारकामभिर्मप्राप्ते 88 34<sup>d</sup>  
 द्वारकामागमसारङ्गरा 97 32<sup>d</sup>  
 द्वारकामावमन्पुरीम् 97 44<sup>d</sup>  
 द्वारकाया महाभुज 109 87<sup>d</sup>  
 द्वारका घरणावास 97 33<sup>d</sup>  
 द्वारका वासवक्षयात् 91 23<sup>d</sup>  
 द्वारकावासिन सर्वे 113 61<sup>d</sup>  
 द्वारकावासिना तदा 113 55<sup>d</sup>  
 द्वारकावासिना वाच 113 52<sup>d</sup>  
 द्वारका वृष्णपालिताम् 107 86<sup>d</sup>  
 द्वारका गरुड स्थित 93 1<sup>d</sup>  
 द्वारका च समाधिरय 85 5<sup>d</sup>  
 द्वारका द्वारकास्यान्वा 112 52<sup>d</sup>  
 द्वारका द्वारमाहिनीम् 113 47<sup>d</sup>  
 द्वारका पुनरागत 113 65<sup>d</sup>  
 द्वारका प्रति दाराई 93 10<sup>d</sup>  
 द्वारका प्राप्य वृष्णस्तु 113 70<sup>d</sup>  
 द्वारका भगवान्विष्णु 91 2<sup>d</sup>  
 द्वारका मधुसूदन 29 9<sup>d</sup>  
 द्वारका धूम्रमेषण 94 1<sup>d</sup>  
 द्वारका दोग्जितपुरे 112 55<sup>d</sup>  
 द्वारका स्वर्गमनिभाम् 93 4<sup>d</sup>  
 द्वारकोपरि तिष्ठन् 113 50<sup>d</sup>  
 द्वारकायास्तु मा मध्ये 86 73<sup>d</sup>  
 द्वारकाया गृध्रे गृध्रे 86 61<sup>d</sup>, 62<sup>d</sup>  
 द्वारकाया नियमना 105 7<sup>d</sup>  
 द्वारकाया सुपूति 95 8<sup>d</sup>  
 द्वारं स्वर्गस्य भाजुमान् 62 23<sup>d</sup>  
 द्वाराणि विप्रुष 86 17<sup>d</sup>

द्वाराणि शयनानि च 92 21<sup>d</sup>  
 द्वाराण्यायतनानि च 86 16<sup>d</sup>  
 द्वारे सौधश्च शोमिता 86 51<sup>d</sup>  
 द्वावभौ सप्रयुष्येता 110 96<sup>d</sup>  
 द्वावनयो स ह्यमते 59 22<sup>d</sup>  
 द्वावभुनायौ समरे 36 15<sup>d</sup>  
 द्वाविर्मा सचिवौ तव 17 4<sup>d</sup>  
 द्वावृक्षौ तव वदोऽस्मिन् 23 113<sup>d</sup>  
 द्वावेव च परिक्षितौ 23 113<sup>d</sup>  
 द्वावेव जनमेजयौ 23 113<sup>d</sup>  
 द्वावेव तु विनि स्रुतौ 38 67<sup>d</sup>  
 द्वावेव विद्विषौ द्वावाम् 58 48<sup>d</sup>  
 द्विगुण दोसदेहस्तु 112 29<sup>d</sup>  
 द्विगुणोपनिवेशा च 93 27<sup>d</sup>  
 द्विजस्त्रीवध एव वा 65 76<sup>d</sup>  
 द्विजस्येव वध कृतम् 66 11<sup>d</sup>  
 द्विज कृष्णो महावशा 103 31<sup>d</sup>  
 द्विज मुजगभोजनम् 34 39<sup>d</sup>  
 द्विजातीनभिपूज्य च 86 12<sup>d</sup>  
 द्विजातीना स्ववशिन 100 75<sup>d</sup>  
 द्विजाना वीर्या चैव 4 2<sup>d</sup>  
 द्विजाना वृत्तवक्षित 35 34<sup>d</sup>  
 द्विजास्तान्भावयन्त्युत 13 51<sup>d</sup>  
 द्विजिह्वपतय क्रुदा 61 40<sup>d</sup>  
 द्विजिह्व धीविभूयितम् 70 13<sup>d</sup>  
 द्विनो य कथयिष्यति 100 28<sup>d</sup>  
 द्वितीय उद्यतश्चैव 68 26<sup>d</sup>  
 द्वितीयमापस्येतत् 1 38<sup>d</sup>  
 द्वितीयमिय मन्दरम् 33 13<sup>d</sup>  
 द्वितीयमेतररुषित 7 14<sup>d</sup>  
 द्वितीयश्चारदेव्यश्च 98 5<sup>d</sup>  
 द्वितीय ननयिष्यति 35 47<sup>d</sup>  
 द्वितीय नानुपश्यामि 62 19<sup>d</sup>  
 द्वितीय स हि मां विप्र 65 47<sup>d</sup>  
 द्वितीय स यभौ राजा 23 112<sup>d</sup>  
 द्वितीयायां तु सनाया 16<sup>d</sup>  
 द्वितीयायां धियां वृष्टा 43 49<sup>d</sup>  
 द्वितीया घातगोम्न 43 49<sup>d</sup>  
 द्वितीयां तुरुवं ताम् 35 30<sup>d</sup>  
 द्वितीये समुपस्थिते 74 1<sup>d</sup>  
 द्वितीयाप्रतिव उपगन् 13 74<sup>d</sup>  
 द्वितीया य मुनयस्य 47<sup>d</sup>  
 द्वितीयो राशिरूपे 30 41<sup>d</sup>



द्वितीयो वसुदेवाङ्के 65 59<sup>a</sup>  
 द्विधा कृत्वा च वसुदेव 30 13<sup>b</sup>  
 द्विधा कृत्वात्मनो वेदम् 1 37<sup>c</sup>  
 द्विधाभूतमभ्युपयत् 71 52<sup>d</sup>  
 द्विधाभूतमभ्युपयत् 71 43<sup>e</sup>  
 द्विधाभूत वसु कृत्वा 38 19<sup>f</sup>  
 द्विधेद धार्यते जगत् 58 47<sup>g</sup>  
 द्विधोऽप्य चतुष्पद 2 46<sup>h</sup>  
 द्विपादंष्ट्रष्टुष्टाये 67 42<sup>i</sup>  
 द्विपादुत्प्रेक्षिते मे वेद 112 127<sup>j</sup>  
 द्विपादु समरे हत 112 91<sup>k</sup>  
 द्विपादु समवस्थित 108 97<sup>l</sup>  
 द्विमुखो शकुनिश्च 3 68<sup>m</sup>  
 द्विरकामरणाश्च 73 15<sup>n</sup>  
 द्विवेद कण्ठीकृत 18 18<sup>o</sup>  
 द्विपदान्तको यथा 81 67<sup>p</sup>  
 द्विपदा कावसमितम् 36 56<sup>q</sup>  
 द्विपदा होमहर्षणम् 94 6<sup>r</sup>  
 द्विपदु प्रातःपूर्वाणी 81 66<sup>s</sup>  
 द्विपदुपमसूय 64 6<sup>t</sup>  
 द्विपक्षिभनदक्षाम्या 69 20<sup>u</sup>  
 द्विस्वात्म्य करिणम् 82 13<sup>v</sup>  
 द्विपिचर्मपरिष्कृतम् 33 3<sup>w</sup>  
 द्वे अर्थे रेषु सिती 67 42<sup>x</sup>  
 द्वे चैन वसुदेवाय 3 25<sup>y</sup>  
 द्वे चैवाग्निरस तथा 3 25<sup>z</sup>  
 द्वे भार्ये वसुदेवाय 45 31<sup>aa</sup>  
 द्वे भार्ये वीचनस्थिते 43 51<sup>ab</sup>  
 द्वे भार्ये सगरस्यात्मा 10 55<sup>ac</sup>  
 द्वे भूमाधाय विदुषे 3 25<sup>ad</sup>  
 द्विपादन सवैपरागर 115 7<sup>ae</sup>  
 द्वौ च देवौ समाधिता 43 61<sup>af</sup>  
 द्वौ पुनरुदयत 58 18<sup>ag</sup>  
 द्वौ पुनराग्निरस तु 33<sup>ah</sup>  
 द्वौ पुनौ दवत्त्यापि 3 37<sup>ai</sup>  
 द्वौ पुनौ सधमवतु 27 25<sup>aj</sup> 114 2<sup>ak</sup>  
 द्वयकृतेनाप्रपाणिना 71 31<sup>al</sup>  
 ध  
 धन्यते शक्रस्यांश 43 57<sup>am</sup>  
 धन्यश्च धन्याप्य 31 45<sup>an</sup>  
 धनदेन च श्रीमता 37 16<sup>ao</sup>  
 धनधान्यापजीविन 116 27<sup>ap</sup>  
 धनमद्वल लभते द्विपनय च 115 46<sup>aq</sup>

धन धान्य च चरित्रम् 78 23<sup>ar</sup>  
 धनानि श्लाघनीयानि 116 10<sup>as</sup>  
 धनान्वादाय सर्वथा 89 53<sup>at</sup>  
 धनुषादाय वीर्यवान् 87 70<sup>au</sup>  
 धनुषादायमृषितम् 71 38<sup>av</sup>, 43<sup>aw</sup>  
 धनुर्गृह्य प्रपन्काश्च 5 42<sup>ax</sup>  
 धनुर्गृह्य महारथम् 5 22<sup>ay</sup>  
 धनुर्जैतृद्विस्वनम् 81 63<sup>az</sup>  
 धनुर्वस्य शृण्काश्च 22 19<sup>ba</sup>  
 धनुमि परिधेरपि 37 41<sup>bb</sup>  
 धनुर्विस्तारयन्महतम् 33 16<sup>bc</sup>  
 धनुर्वेदचक्रिणीयम् 79 3<sup>bd</sup>  
 धनुर्वेदपरा सर्वे 41 9<sup>be</sup>  
 धनुर्वेदस्य पारगा 2 33<sup>bf</sup>  
 धनुर्वेदे च वेद च 89 9<sup>bg</sup>  
 धनुर्व्यावामशालिन 33 58<sup>bh</sup>  
 धनुश्चिच्छेद चाप्यस्य 87 66<sup>bi</sup> 88 20<sup>bj</sup>  
 धनुश्चिच्छेद रामस्य 81 87<sup>bk</sup>  
 धनुषश्च निनादेन 97 2<sup>bl</sup>  
 धनुषा कृतिशानि च 37 25<sup>bm</sup>  
 धनुषा प्रवर शार्ङ्ग 81 59<sup>bn</sup>  
 धनुषो भङ्गनादन 71 45<sup>bo</sup>  
 धनुषो लाघनेन च 62 77<sup>bp</sup>  
 धनुष्कोट्या तदा देव्य 6 9<sup>bq</sup>  
 धनु शार्ङ्ग गतौ तौ तु 71 37<sup>br</sup>  
 धनेन सर्वयित्वा च 103 31<sup>bs</sup>  
 धनौपैरभिवर्त्यते 71 19<sup>bt</sup>  
 धनौपरभिवर्त्यते 86 61<sup>bu</sup>  
 धन्यकृद्गन्धभावन 113 76<sup>bv</sup>  
 धन्यमायुषमागोच 20 48<sup>bw</sup>  
 धन्यमेवा प्रकीर्तनम् 7 49<sup>bx</sup>  
 धन्यसत्त्वोदधि वा मुने 100 78<sup>by</sup>  
 धन्यश्च गतो गुरु 100 60<sup>bz</sup>  
 धन्यश्चासि महागदो 100 23<sup>ca</sup>  
 धन्यश्चासि महागदो 100 44<sup>cb</sup>  
 धन्यश्चासीति भवता 100 81<sup>cc</sup>  
 धन्यश्चाह कथ विभो 100 37<sup>cd</sup>  
 धन्यश्चिपार्णवो द्वि 100 43<sup>ce</sup>  
 धन्य यशस्य शत्रुत 1 21<sup>cf</sup>  
 धन्य वेदेन सक्षितम् 4 25<sup>cg</sup>  
 धन्या रथचसि शोभते 100 49<sup>ch</sup>  
 धन्या द्वादशित ते वसु 45 41<sup>ci</sup>  
 धन्या धर्म चरित्रम् 115 45<sup>cj</sup>

धन्या भवन्त पुण्याश्च 100 69<sup>a</sup>  
 धन्या भवन्तो दृश्यन्ते 100 54<sup>a</sup>  
 धन्याया खल्वय पुन 99 35<sup>a</sup>  
 धन्या वेदाश्च नारद 100 65<sup>b</sup>  
 धन्याश्चर्याश्चितैर्वाच्यै 100 64<sup>a</sup>  
 धन्यासि त्व मदीधेष्ठ 100 39<sup>a</sup>  
 धन्यास्तनुगृहीतासि 107 55<sup>a</sup>, 77<sup>a</sup>  
 धन्या हि भर्तृसहिता 107 10<sup>a</sup>  
 धन्या खलु भवन्तो ये 100 76<sup>a</sup>  
 धन्या स्माऽनुगृहीता स्म 63 2<sup>a</sup> 113 53<sup>a</sup>  
 धन्योऽस्तीति च माधव 100 26<sup>a</sup>  
 धन्योऽस्म्यनुगृहीतोऽसि 35 55<sup>a</sup>, 68<sup>a</sup> 111 10<sup>a</sup>  
 धन्याऽप्यनुगृहीतोऽसि 56 42<sup>a</sup>  
 धन्यन्तरस्तु तनय 23 56<sup>a</sup>  
 धम्विना निशितैर्वाग्ने 26 10<sup>a</sup>  
 धरणी मनुजारणि 100 50<sup>a</sup>  
 धरणी समपीडयद् 106 43<sup>a</sup>  
 धरण्या भारनिणये 41 31<sup>a</sup>  
 धरण्या भारसनति 43 2<sup>a</sup>  
 धरण्याध्रयभूताभ्या 68 25<sup>a</sup>  
 धरण्या मृदित दैते 76 38<sup>a</sup>  
 धरण्या विगातात्सवे 61 61<sup>a</sup>  
 धरस्तुसन्नभूतु 35 29<sup>a</sup>  
 धरधैयानिष्ठाऽनल 3 32<sup>a</sup>  
 धरस्य पुत्रा द्विणि 3 34<sup>a</sup>  
 धराधर ह्वापर 33 20<sup>a</sup>  
 धराया प्रसय स्मृत 3 91<sup>a</sup>  
 धरिषि इक्ष्वा सोमि 100 49<sup>a</sup>  
 धर्म एव स्वदिन्यात् 117 43<sup>a</sup>  
 धर्मकामाध्यायिदा 18 20<sup>a</sup>  
 धर्मश्च सत्यवादिनम् 8 25<sup>a</sup> 21 4<sup>a</sup>  
 धर्मश्च ब्रह्म य काम 12 33<sup>a</sup>  
 धर्मोऽयं विपश्चिता 11 21<sup>a</sup>  
 धर्मद्वयस्य तस्यास्यात् 70 12<sup>a</sup>  
 धर्मोऽयं ह्मि धृता 23 136<sup>a</sup>  
 धर्मनेत्रस्य कान्तस्तु 23 136<sup>a</sup>  
 धर्मोऽत्रो मद्रायशा 23 46<sup>a</sup>  
 धर्मपरया दत्त श्वेता 3 26<sup>a</sup>  
 धर्ममप्यस्य धीमत 4 31<sup>a</sup>  
 धर्ममाप्स्यन्ति मानवा 117 42<sup>a</sup>  
 धर्ममूर्तिधरा मुन 13 49<sup>a</sup>  
 धर्ममूर्तिधरास्तथा 13 6<sup>a</sup>  
 धर्मराज इमा प्रजा 8 41<sup>a</sup>

धर्मराजो युधिष्ठिर 104 25<sup>a</sup>  
 धर्मशास्त्रोक्तमेव च 41 11<sup>a</sup>  
 धर्मशास्त्रा सुखाधनम् 41 31<sup>a</sup>  
 धर्मश्चाद प्रकीर्तित 104 14<sup>a</sup>  
 धर्ममत्परमय श्रीमान् 31 24<sup>a</sup>  
 धर्मस्तत्र जयसथा 21 16<sup>a</sup>  
 धर्मस्तेषा निराकृत 10 45<sup>a</sup>  
 धर्मस्य कन्या सुधोणी 2 8<sup>a</sup>  
 धर्मस्य गतिरन्वेद्या 66 13<sup>a</sup>  
 धर्मस्य च विप्रक्षय 31 112<sup>a</sup>  
 धर्मस्याशोष इत्यादि 43 63<sup>a</sup>  
 धर्मदेहस्यैयुनया 40 44<sup>a</sup>  
 धर्म इलोचित मुद 10 29<sup>a</sup>  
 धर्म जवान तेषा वै 10 41<sup>a</sup>  
 धर्म निरसदयुत 10 27<sup>a</sup>  
 धर्म विप्रकृतन वै 14 5<sup>a</sup>  
 धर्म प्रविचलियति 115 44<sup>a</sup>  
 धर्म शुक्रो बृहस्पति 32 4<sup>a</sup>  
 धर्माचारेषु पार्थिव 11 23<sup>a</sup>  
 धर्माज्ज्ञेय युधिष्ठिर 24 23<sup>a</sup>  
 धर्मात्मानमकल्पम् 23 119<sup>a</sup>  
 धर्मात्मानो यत्तस्मिन् 23 156<sup>a</sup>  
 धर्मात्मा यत्र वर्धते 24 4<sup>a</sup>  
 धर्मात्मा सरयसगर 20 10<sup>a</sup>  
 धर्मात्मा सखितमत 20 2<sup>a</sup>  
 धर्माधर्मममातुक् 35 3<sup>a</sup>  
 धर्मविता स पार्थिव 5 4<sup>a</sup>  
 धर्मात्मानो महायज्ञा 10 74<sup>a</sup>  
 धर्मापकामसयुक् 118 3<sup>a</sup>  
 धर्मायुज्ज्वलास्ते तु 88 39<sup>a</sup>  
 धर्मात्तरगतं प्रभुश्च 70 23<sup>a</sup>  
 धर्मिणा धीमतावेन 113 32<sup>a</sup>  
 धर्मो चाङ्गुली गते 31 95<sup>a</sup>  
 धर्मण परिपाल्यते 4 15<sup>a</sup> 22 18<sup>a</sup>  
 धर्मोऽयं रक्षयामास 8 41<sup>a</sup>  
 धर्मोऽपिगत स्वया 92 15<sup>a</sup>  
 धर्मोऽयं महाराज 2 2<sup>a</sup>  
 धर्मोऽयानुराजनम् 23 141<sup>a</sup>  
 धर्मोऽयं पराजित 69 40<sup>a</sup>  
 धर्मोऽयं प्रवर्तमानो 41 3<sup>a</sup>  
 धर्मोऽयं च महर्षे 9 77<sup>a</sup>  
 धर्मो निविष्टो गते 31 94<sup>a</sup>  
 धर्मो धर्ममृदो च 29 41<sup>a</sup>

धर्पशमास सामुपान् 107 20<sup>१</sup>  
 धर्पयित्वा गृह महत् 99 19<sup>१</sup>  
 धर्पयित्वा यथाकाम 31 102<sup>०</sup>  
 धर्पयिष्यति य स्मरे 107 15<sup>१</sup>  
 धर्पयिष्यति मानवान् 117 24<sup>१</sup>  
 धातुभिर्मान्ति पर्वता 62 65<sup>१</sup>  
 धातुभ्य इव काञ्चनम् 62 21<sup>१</sup>  
 धातुमन्तमिराचलम् 34 42<sup>१</sup>  
 धातुना च विरोधत 100 53<sup>१</sup>  
 धात्री कस्त्य भोजस्य 50 20<sup>१</sup>  
 धात्रीशैकैकश प्रादात् 10 50<sup>१</sup>  
 धात्र्या हुमारमादाय 28 23<sup>१</sup>  
 धानजन्मालश्वे च 23 80<sup>१</sup>  
 धान इक्ष्माश्च वैधलम् 85 2<sup>१</sup>  
 धारणापञ्चगव्यैश्च 23 166<sup>१</sup>  
 धारणेनास्य धौलस्य 63 4<sup>१</sup>  
 धारयत्यसिंह नगात् 68 44<sup>१</sup>  
 धारयन्त्यामना जगत् 20 18<sup>१</sup>  
 धारयन्नमितौजसात् 27 31<sup>१</sup>  
 धारयन्निष्कल वपु 36 50<sup>१</sup>  
 धारयन्निष्कल वसा 24 35<sup>१</sup>  
 धारयन्त्येन तेजसा 43 20<sup>१</sup>  
 धारयामास गर्भे तु 3 102<sup>०</sup>  
 धारयामास गार्ग्यस्य 25 10<sup>१</sup> 85 14<sup>१</sup>  
 धारयामास नित्यदा 10 5<sup>१</sup>  
 धारयेया प्रजा युव 5 50<sup>१</sup>  
 धारानिर्मलनाराच 54 35<sup>१</sup>  
 धारानिस्तुत्यरूपाभि 81 12<sup>१</sup>  
 धारा दत्तसहस्र 92 6<sup>१</sup> 106 44<sup>१</sup>  
 धारोर्मिकलिहो महार् 9 71<sup>१</sup>  
 धातेराष्ट्राश्च मे सये 62 95<sup>१</sup>  
 धामिकस्य महाराम 0 39<sup>१</sup>  
 धामिको जनमेजय 23 110<sup>१</sup>  
 धिक्ते वृत्त सुदुर्वृत्त 73 31<sup>१</sup>  
 धिक्तामीरदामक्षान् 73 23<sup>१</sup>  
 धिक्प्रनातेन तप्यते 69 14<sup>१</sup>  
 धिक्प्रशान्दपतितश्चैव 78 9<sup>१</sup>  
 धिक्प्रशान्दस्यसहृत् 29 21<sup>१</sup>  
 धिगेतत्तव वाक्चलम् 38 25<sup>१</sup>  
 धिगेता धन्यवृत्तिताम् 81 73<sup>१</sup>  
 धिगेता धन्यवृत्ति च 81 71<sup>१</sup>  
 धिग्धिगित्ससहृत् वै 65 99<sup>१</sup>  
 धिग्धिगित्येव सोऽप्रवीत् 112 49<sup>१</sup>

धिग्बाण सव पौग्यम् 112 101<sup>१</sup>  
 धिपणाजनयसुतात् 28<sup>१</sup>  
 धीर प्रल्ग्न प्रययौ 58 28<sup>१</sup>  
 धीवरानसुनचापि 5 18<sup>१</sup>  
 धुन्धुमारो न सदाय 9 47<sup>१</sup>, 48<sup>१</sup>  
 धुन्धुमारो न सदाय 9 62<sup>१</sup>  
 धुन्धुमारो भविष्यति 9 66<sup>१</sup>  
 धुन्धुरासादिवो राजन् 0 70<sup>१</sup>  
 धुन्धुर्नाम सुदाह्य 9 54<sup>१</sup>  
 धुन्धु धुन्धुविनाशन 9 73<sup>१</sup>  
 धुन्धोर्वैचमह प्रहृत् 0 48<sup>१</sup>  
 धुन्धोस्त्रल निगृहणे 9 64<sup>१</sup>  
 धुर यस्ते समुद्रदेव 62 19<sup>१</sup>  
 धुर वहति शौकिनीम् 39 5<sup>१</sup>  
 धूमकेतु स्थितोऽभवत् 106 46<sup>१</sup>  
 धूमवर्ण सुदर्शनम् 23 106<sup>१</sup>  
 धूमान्धकारवपुष 32 22<sup>१</sup>  
 धूमिनी च वराहना 23 74<sup>१</sup>  
 धूमिनी पुत्रगृदिनी 23 103<sup>१</sup>  
 धूमिण्या स सया देव्या 23 106<sup>१</sup>  
 धूमेन परिचेदितम् 55 43<sup>१</sup>  
 धूमोत्पत्तिर्दिशो म्यासा 66 29<sup>१</sup>  
 धूमकेतो इतिमधु 36 50<sup>१</sup>  
 धू सगो रणगहिनी 62 85<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रवराहको 3 88<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रवसानुग 100 8<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रश्च सुपैश्च 3 61<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रस्य राजन् 43 52<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्र च पाण्डु च 23 120<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्र प्रतापवान् 6 23<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रस्य मे पद 10 7<sup>१</sup>  
 धृत् गोवर्धन दध्वा 62 1<sup>१</sup>  
 धृत् यदुक्तं वारे 65 19<sup>१</sup>  
 धृत्वा यमेण वै मया 2 40<sup>१</sup>  
 धृत्वात्ताभिस्त्रयो लोका 73 32<sup>१</sup>  
 धृतिमान् यथो युक्त 7 24<sup>१</sup>  
 धृतिमास्त्रस्य पुत्रस्तु 15 31<sup>१</sup>  
 धृतिर्महामना विद्वात् 18 25<sup>१</sup>  
 धृते गोवर्धने चैव 65 3<sup>१</sup>  
 धृतो गोवर्धन तैल 96 37<sup>१</sup>  
 धृतो गोवर्धनो गिरि 65 30<sup>१</sup>  
 धृतो धृत्वमता वीर 62 33<sup>१</sup>  
 धृतो वैश्म ह्वाकरो 62 13<sup>१</sup>,

धृतोऽहं तैर्मया च ते 100 66<sup>d</sup>.  
 धृष्टद्युम्नादयो मृषाः 100 8<sup>d</sup>  
 धृष्टस्य जहिरं दूराः 26 21<sup>a</sup>  
 धृष्टोक्तः कृष्ण एव च 23 157<sup>b</sup>  
 धृष्ट्युः दार्यातिरेव च 9 1<sup>d</sup>  
 धृष्ट्योस्तु तनयस्तथा 27 17<sup>b</sup>.  
 धृष्ट्योस्तु धार्मिकं क्षत्र 22<sup>a</sup>  
 धेनुकस्तालशिखरात् 65 28<sup>a</sup>  
 धेनुकं च महाकायं 90 16<sup>a</sup>  
 धेनुरुः स महाकाय 96 39<sup>a</sup>  
 धेनुकः सोऽसुरोत्तमः 44 72<sup>b</sup>  
 धेनुके प्रलयं नीते 65 2<sup>a</sup>  
 धैर्याद्विद्वत्तं वच 66 2<sup>b</sup>  
 धैर्यादसम्भ्रान्तवपुः 44 38<sup>a</sup>  
 धैर्यान्मनः सतियस्य 89 34<sup>a</sup>, 38<sup>a</sup>.  
 धौम्यमारिदेवाश्चस्तु 9 79<sup>a</sup>  
 ध्याया प्रसादं ते चतु 13 34<sup>a</sup>  
 ध्रियते सेषनीयेन 40 33<sup>a</sup>  
 ध्रुवमधामहानन 83 10<sup>b</sup>  
 ध्रुवस्य जननी शुभा 2 8<sup>a</sup>  
 ध्रुवस्य पुत्रो भगवान् 3 33<sup>a</sup>  
 ध्रुवं च कीर्तिमन्त चापि 2 9<sup>a</sup>  
 ध्रुवं सप्तर्षयः स्थिताः 2 13<sup>d</sup>  
 ध्रुवाच्छंभुर्वैजायन् 2 14<sup>b</sup>  
 ध्रुवाय तत्र प्ययसत् 84 32<sup>a</sup>  
 ध्रुवाय वरदो विभु 61 64<sup>d</sup>  
 ध्रुवो वर्षसहस्राणि 10<sup>a</sup>  
 ध्वजसङ्गश्च नाभयत् 30<sup>a</sup>  
 ध्वजस्यास्य यदा भद्र 106 13<sup>a</sup>  
 ध्वजं चास्य महायत् 88 9<sup>a</sup>  
 ध्वजं चिह्नेदं चोत्थितम् 87 63<sup>b</sup>  
 ध्वजं सतपिमुत्थितम् 87 72<sup>f</sup>  
 ध्वजं पथान येनेन 106 39<sup>a</sup>  
 ध्वजाकारानु यष्टि 62 56<sup>b</sup>  
 ध्वजेन शिखिर्बर्हणा 47 44<sup>a</sup>.  
 ध्वंसनं सद्यः पान्थये 118 19<sup>b</sup>.  
 ध्वंसेयपयुर्ममप्रवीर 118 14<sup>d</sup>.  
 न  
 न बनेभ्यं विगानया 75 14<sup>d</sup>.  
 न कश्चित्प्राप्तुमर्हति 70 19<sup>d</sup>  
 न कश्चिद्रविनाम 116 31<sup>a</sup>.  
 नगरी तस्य कर्मज 28 16<sup>b</sup>  
 न किंचिपरिहायते 62 16<sup>b</sup>, 90<sup>d</sup>.

न किंचिदन्यत्पश्यामि 100 61<sup>d</sup>.  
 न किंचिदपि भापसे 109 23<sup>b</sup>.  
 न कीर्तिर्नापि पौरुषम् 107 48<sup>b</sup>.  
 नकुलं सहदेवं च 62 93<sup>a</sup>.  
 न कृतघ्नस्य लोकोऽस्ति 65 63<sup>a</sup>.  
 न कृतप्रतिकर्ता च 116 40<sup>a</sup>.  
 न कृपिनं वणिक्पथ 6 11<sup>b</sup>.  
 नकंचरेषु हृष्टेषु 68 3<sup>a</sup>.  
 नक्रमेपाननाः दूराः 31 83<sup>a</sup>.  
 नक्षत्रग्रहयोस्तथा 4 2<sup>b</sup>  
 नक्षत्रस्थानसङ्कल्प 40 5<sup>b</sup>.  
 नक्षत्राण्या दशै प्रभु 2 47<sup>f</sup>.  
 नक्षत्राणां गुरु सोमः 42 37<sup>a</sup>.  
 नक्षत्राणां यथा दिवि 55 8<sup>a</sup>.  
 नक्षत्राणि त्रितो दश 31 44<sup>d</sup>.  
 न क्षत्राणि निषोद्धयन्ति 116 32<sup>a</sup>.  
 नक्षत्राणि विहीनानि 116 36<sup>a</sup>.  
 नक्षत्राणीति या विदु 20 21<sup>d</sup>.  
 नक्षत्रे चाभिपूजिते 89 15<sup>b</sup>.  
 नक्षत्रैश्च मुहूर्तैश्च 31 37<sup>a</sup>  
 न क्षुरिपपासे कालं ज्ञा 14 13<sup>a</sup>.  
 न रत्नचङ्गाल लोके 40 46<sup>a</sup>.  
 न स्वकर्यं मृतोऽप्यस्वः 8 4<sup>a</sup>  
 नरत्ना जीवितपिच्छः 76 41<sup>d</sup>.  
 नगरमभिमुपस्य यदादत्ता 90 17<sup>a</sup>.  
 नगरं कौरवस्य तत् 90 11<sup>a</sup>.  
 नगरं होत्रविष्णवात्म 107 51<sup>a</sup>.  
 नगरं धारणातमम् 29 6<sup>a</sup>.  
 नगराद्वचनात्पि 9 93<sup>a</sup>.  
 नगराणि चणै हृष्टा 81 53<sup>a</sup>.  
 नगरे शिखिगीतिनाम् 93 26<sup>b</sup>.  
 नगरे शमितं जये 85 9<sup>b</sup>  
 नगरे नागपादये 90 8<sup>a</sup>  
 न गर्वन्ति रणे स्थिता 112 59<sup>b</sup>.  
 नगर्वा निधेनं नरम् 86 60<sup>a</sup>  
 नगर्वा पश्चिमं द्वारे 81 39<sup>a</sup>  
 नगर्मेषु घना हर 99 14<sup>d</sup>  
 नगर्वा नगजातिनाम् 54 18<sup>a</sup>.  
 न गात्रो नेतरे तना 53 34<sup>d</sup>.  
 न गात्रं परिरक्षितुम् 52 35<sup>d</sup>.  
 न गुरुक्षेत्रिगन्ध्या 52 18<sup>b</sup>  
 नग्राजिष महावचः 80 15<sup>f</sup>.  
 नग्राजित्वा प्रजा दाय 99 9<sup>b</sup>.

न प्रदीप्यामि ते जगाम् 22, 23<sup>d</sup>.  
 न गत्यनिरन्वत्तदा 14, 13<sup>d</sup>.  
 न च कश्चिरपिच्छति 116 35<sup>d</sup>.  
 न चचाल इरिपुंक्षे 38 31<sup>d</sup>.  
 न च सुकोष केदारः 69, 26<sup>d</sup>.  
 न च तं वारयामास 9, 93<sup>d</sup>.  
 न च वावमुगी युद्धे 42 26<sup>d</sup>.  
 न च वाक्त्रमसङ्गवत् 20, 6<sup>d</sup>.  
 न च ते दुष्यते भीष्म 107, 35<sup>d</sup>.  
 न च तौ युद्धयैमुष्यं 44, 48<sup>d</sup>.  
 न च परिगर्हति वपुष्मान् च 118, 41<sup>d</sup>.  
 न च पश्यामि राक्षसम् 102, 10<sup>d</sup>.  
 न च मे क्षतिरस्तीह 1 11<sup>d</sup>.  
 न च रक्षसि मे सुतम् 102 14<sup>d</sup>.  
 न च राज्ञा भविष्यति 68, 31<sup>d</sup>.  
 न च वा हरितुं नदीम् 52, 35<sup>d</sup>.  
 न च विनिरर्हति यक्षशील्यम् 118, 41<sup>d</sup>.  
 न च विरमति विप्रपूरनाम् 118 41<sup>d</sup>.  
 न च विपयारिरक्षणायुतोऽसी 118 41<sup>d</sup>.  
 न च वृत्राग्ने कार्यः 49, 10<sup>d</sup>.  
 न च व्याधिमयं भवेत् 28 13<sup>d</sup>.  
 न च शक्नोषि रक्षितुम् 102 17<sup>d</sup>.  
 न च शत्रुमविज्ञातिः 107, 81<sup>d</sup>.  
 न च शेते सुखं रात्रौ 96 60<sup>d</sup>.  
 न च सत्यमलम्बात् 10 7<sup>d</sup>.  
 न च सात्वतस्तम् 10 9<sup>d</sup>.  
 न च सामन्तमिच्छन्ति 44, 27<sup>d</sup>.  
 न च सा श्रेयाति तत् 19, 7<sup>d</sup>.  
 न चरुद्वेऽप्यौरगम् 25 8<sup>d</sup>.  
 न च मम वृद्धा बालानां 31, 131<sup>d</sup>.  
 न चातिदाम्तवानहम् 48 30<sup>d</sup>.  
 न चात्मनो गुणसात् 68 8<sup>d</sup>.  
 न चापराधः शत्रुस्य 118, 30<sup>d</sup>.  
 न चापि राज्यलुप्त्वेन 78 33<sup>d</sup>.  
 न चागृहो मरीच्यम् 115, 24<sup>d</sup>.  
 न चादाहयस्व ते शत्रूणां 16 8<sup>d</sup>.  
 न चामसाद् तं मार्त्तं 79, 15<sup>d</sup>.  
 न चामरगणैः सर्वैः 91, 17<sup>d</sup>.  
 न चास्य विद्रो वे कर्त्तुं 5, 36<sup>d</sup>.  
 न चाहमुपसेवेन 73 9<sup>d</sup>.  
 न चिन्तयति नः स्पिताम् 108 95<sup>d</sup>.  
 न चिन्तयति राज्ञस्तथा 109 96<sup>d</sup>.  
 न चिरादप्रतिपत्स्यसे 21 33<sup>d</sup>.

न सुकोप गदाधरः 38, 23<sup>d</sup>.  
 न सुकोप गदाधरः 36, 30<sup>d</sup>.  
 न चेलुः क्षमिन्नोपमाः 61, 21<sup>d</sup>.  
 न चैत्रो द्रष्टुमिच्छामि 76 19<sup>d</sup>.  
 न चैनमसकृद्गाम 85 39<sup>d</sup>.  
 न चैनं क्षेपुस्त्वैष्टुं 40 18<sup>d</sup>.  
 न चैव प्रथमः कल्पः 15 48<sup>d</sup>.  
 न चैषा तस्य कौमारे 99, 47<sup>d</sup>.  
 न चैषां संस्थितिर्धुंगा 88 78<sup>d</sup>.  
 न जरा क्षुरिपवासे वा 9 31<sup>d</sup>.  
 न जरा रेचतो प्राज्ञा 9 29<sup>d</sup>.  
 न जातु कामः कामानो 22 37<sup>d</sup>.  
 न जाने कोऽप्यसौ नृप 71, 53<sup>d</sup>.  
 न जीर्षन्ति मद्भासुराः 113, 9<sup>d</sup>.  
 न ह्युरायां महीश्रमः 2 16<sup>d</sup>, 17<sup>d</sup>.  
 न तत्र कश्चिदोक्तो वा 79 32<sup>d</sup>.  
 न तत्र गुरुषाः सन्ति 38 25<sup>d</sup>.  
 न तत्र यस्ताः सीदन्ति 53 34<sup>d</sup>.  
 न तत्र विपयो वायोः 40, 6<sup>d</sup>.  
 न तथा पूर्वजेषु वै 8 18<sup>d</sup>.  
 न तथा लक्षणं यस्तः 5 36<sup>d</sup>.  
 न तन्मिथ्या भविष्यति 106, 55<sup>d</sup>.  
 न तर्धं जलनेत्रपात् 55 34<sup>d</sup>.  
 न तस्य वित्तनाशः स्यात् 23 163<sup>d</sup>.  
 न तं तसिष्टो भगवान् 10 12<sup>d</sup>.  
 न तं वेद स्वयं ब्रह्मा 40 18<sup>d</sup>.  
 न तारतिरुपते तस्यान् 112, 112<sup>d</sup>.  
 न तु कश्चन मानुषः 60 6<sup>d</sup>.  
 न तु देहे निपातितः 8 23<sup>d</sup>.  
 न तु या वृद्धिमा भवेत् 86 68<sup>d</sup>.  
 न तु वृत्त्यप्यकारणं वै 1 5<sup>d</sup>.  
 न तु दूरः क्षिप्यः पतिः 77, 24<sup>d</sup>.  
 न तृणं मुञ्जते यावः 52 13<sup>d</sup>.  
 न ते तपः सुचरितं 12 9<sup>d</sup>.  
 न ते घर्मे चरिष्यति 116 19<sup>d</sup>.  
 न ते प्रयतिता मृत्युः 11 26<sup>d</sup>.  
 न तेषां दुर्लभं किञ्चित् 47, 53<sup>d</sup>.  
 न तेषु पादं विज्ञेयं 109 50<sup>d</sup>.  
 न तेषां विमुग्धमात् 112 121<sup>d</sup>.  
 न त्वन्नयपन्नाप्राणि 54 15<sup>d</sup>.  
 न त्वमर्हसि माधव 109 23<sup>d</sup>.  
 न त्वया न च कुञ्जभिः 29 22<sup>d</sup>.  
 न त्वया राम बन्धोऽयम् 82 20<sup>d</sup>.

न त्वह तस्य जाने वै 15 57<sup>॥</sup>  
 न त्व मम पतिर्धुवम् 73 20<sup>॥</sup>  
 न त्व मम सुत सौम्य 99 17<sup>॥</sup>  
 न त्वानुगन्तु शक्तो वै 62 22<sup>॥</sup>  
 न त्वा स वृषभम्बनम् 106 16<sup>॥</sup>  
 न त्वा वयमुपास्महे 66 31<sup>॥</sup>  
 न वृद्धान्तर चापि 19 14<sup>॥</sup>  
 नद्वन्त दन्तिना घरम् 74 39<sup>॥</sup>  
 नद्वन्तो द्विपयूयर्षे 36 23<sup>॥</sup>  
 नद्वन्तोऽतिबला रणे 112 2<sup>॥</sup>  
 नद्विष्य महास्यन 108 26<sup>॥</sup>  
 नद्वन्मेघ ह्योष्णतो 108 23<sup>॥</sup> 112 94<sup>॥</sup>  
 नद्वन्मेघ ह्योष्णाग्ने 65 23<sup>॥</sup>  
 नद्वन्मेघलहृच्छल 110 57<sup>॥</sup>  
 न द्वारयोग भीम धा 35 44<sup>॥</sup>  
 नदीतीरं च सर्वश 107 3<sup>॥</sup>  
 नदीनामप सागरम् 4 6<sup>॥</sup>  
 नदीभि सागरेक्ष्मा 31 37<sup>॥</sup>  
 नदी वृद्धायन वनम् 83 41<sup>॥</sup>  
 नदी सा बाहुवा हृता 8 82<sup>॥</sup>  
 नदीक्षीर्ताभि शोस्त्विति 117 35<sup>॥</sup>  
 नदी गङ्गासुपस्थित 100 39<sup>॥</sup>  
 न दुष्यवीय पत्नी त 118 21<sup>॥</sup>  
 न देवाभिरुगधर्मा 31 41<sup>॥</sup>  
 न देवा ह्युद्रकर्मिण 109 47<sup>॥</sup>  
 न द्योवा-पश्यन मदार् 106 54<sup>॥</sup>  
 न द्वारपचारणा 50 18<sup>॥</sup>  
 न धर्म ह्यनुमर्दयि 5 5<sup>॥</sup>  
 न धर्मास्त्रि विनोयार् 14 10<sup>॥</sup>  
 न धारयितुमुत्तरे 42 44<sup>॥</sup>  
 न मन्दा नापि च रय 112 28<sup>॥</sup>  
 ननौ दक्षिणार्द्र 56 31<sup>॥</sup>  
 न न सार्वाग्निनामदेव 103 77<sup>॥</sup>  
 न न सर्वो धर्मो धर्मेव 53 3<sup>॥</sup>  
 ननाद स महापय 113 25<sup>॥</sup>  
 ननादायनर्हितो भूर्मा 106 41<sup>॥</sup>  
 ननु तेऽहं मुन गोप्ये 99 15<sup>॥</sup>  
 ननु नाम द्विष साध्य 77 11<sup>॥</sup>  
 न नूनं चार्त्तार्त्तस्य 23 14<sup>॥</sup>  
 ननुपुंश्चकारिण्य 33 26<sup>॥</sup>  
 न नृणां रिहता भयेन 78 11<sup>॥</sup>  
 न नृनिगाधनैर्वादि 67 11<sup>॥</sup>  
 न नो गन्धम सर्वान् 103 94<sup>॥</sup>

नन्दकानन्दितकर 32 24<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप गात्रात्रि 49 12<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप तथा वुरु 49 9<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपपुरोगामा 69 37<sup>॥</sup> 76 10<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप प्रसन्नो ते 51 31<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप ममात्मजम् 49 7<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपमुखा गोपा 56 19<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपश्च दुर्मेघा 76 20<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपसुतो योग 65 27<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपसुतो यजे 65 21<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपस्तु सचकूखा 56 17<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपस्तु सहसा 51 34<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपस्य गोपाला 96 48<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपस्य चाक्षुर् 68 14<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपस्य भवने 65 24<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपस्य भार्या वै 48 13<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपं च गोपाश्च 65 83<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप पुरस्त्वैव 50 25<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप वनेचरा 56 42<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप हृदयितके 56 23<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप सवत्सव 50 29<sup>॥</sup>  
 नन्दगोप सुदुर्मेघा 51 12<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपादय स्थिता 60 27<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपादयो गोपा 61 3<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपाय वै निरि 56 16<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपे च कनाय 76 21<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपो वृद्धाश्रय 53 8<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपो विप्रेष इ 51 33<sup>॥</sup>  
 नन्दगोपो वज्रग्निकम् 50 12<sup>॥</sup>  
 नन्दनस्येव मन्दर 52 24<sup>॥</sup>  
 नन्दन च महद्भनम् 93 20<sup>॥</sup>  
 नन्दन भयवात्रि 18 3<sup>॥</sup>  
 नन्दन च वनोत्तमे 21 6<sup>॥</sup>  
 नन्दनोपमहाननम् 53 31<sup>॥</sup>  
 नन्दिचक्षुर् संवादि 112 83<sup>॥</sup>  
 नन्दिचक्षुर्वाक्यवादन 79 25<sup>॥</sup>  
 नन्दिवाचयप्रधादिन 112 115<sup>॥</sup>  
 नन्दाचारमामादुर् 112 14<sup>॥</sup>  
 न पनेत्यय गात्रन 8 24<sup>॥</sup>  
 न पनाम द्विषो महीम् 23 11<sup>॥</sup>  
 न पनाता भविष्यति 83 33<sup>॥</sup>  
 न पदसन्दायममं धवम् 58 42<sup>॥</sup>  
 न पदधमि तिगोर्मुम् 19 9<sup>॥</sup>

न पिपुणा परा गति 13 75<sup>5</sup>  
 न पुत्र शम्बरस्य च 99 26<sup>5</sup>  
 नत्ता कृष्णस्य धीमत 107 75<sup>5</sup>  
 नमुदरानतिक्रमेद् 118 31<sup>5</sup>  
 न प्रज्जे ततस्तस्मै 82 22<sup>5</sup>  
 न प्रमातु महाबाहु 97 38<sup>5</sup>  
 न प्रवेदयश्च सगर 15 51<sup>5</sup>  
 न प्राकम्पत दानव 38 47<sup>5</sup>  
 न प्राज्ञायत किञ्चन 32 18<sup>5</sup> 112 68<sup>5</sup>  
 न प्राणिनां भय चासीत् 31 131<sup>5</sup>  
 न प्रायतन्त न क्रिया 39 27<sup>5</sup>  
 न दम्बूय भय सारह 108 48<sup>5</sup>  
 न दुमुक्षादतो जन 59 11<sup>5</sup>  
 न भयं विद्यते लोके 107 24<sup>5</sup>  
 न भविष्यति मरुत 75 18<sup>5</sup>  
 न भविष्यन्ति कर्हिचित् 19 31<sup>5</sup>  
 न भवेद्द्वन्द्वना यथा 102 8<sup>5</sup>  
 नभस पुण्डरीकस्तु 10 76<sup>5</sup>  
 नभस हृष सूर्तिमान् 55 9<sup>5</sup>  
 नभस्यरुणसस्तीर्णे 70 2<sup>5</sup>  
 नभस्ये च नभश्चक्षु 54 31<sup>5</sup>  
 नभस्ये जलदूखने 37 31<sup>5</sup>  
 नभस्यो नभ एव च 7 17<sup>5</sup>  
 नभ पुत्रो मरुतस्तु 10 76<sup>5</sup>  
 नभ मरुममाणस्य 31 89<sup>5</sup>  
 नभ सत्त्वान हि यथा 37 31<sup>5</sup>  
 नभ सूर्यस्तथैव च 7 13<sup>5</sup>  
 न भारयेय नभश्चर 54 31<sup>5</sup>  
 न नेतव्य द्विजश्रेष्ठ 101 10<sup>5</sup>  
 न मेद् कुर्वते मिथ 41 5<sup>5</sup>  
 न ममार च धीर्यदान् 58 13<sup>5</sup>  
 नमस्ते पुत्रोत्तम 104 16<sup>5</sup>  
 नमस्तेऽग्रे गमिष्यामि 112 112<sup>5</sup>  
 नमस्तथैव पुत्रश्च 6 42<sup>5</sup>  
 न मानुषा पिशाचा वा 31 41<sup>5</sup>  
 न मामर्हसि हन्तु वै 5 49<sup>5</sup>  
 न मा प्रातीति भारत 10 8<sup>5</sup>  
 न मा धर्मा हतोऽनुत् 7<sup>5</sup>  
 न मा पश्यसि सयुगे 110 58<sup>5</sup>  
 न मा भविष्य पश्यन् 115 24<sup>5</sup>  
 न मिष्या मम तर्कितम् 99 38<sup>5</sup>  
 न मरुयुभरतपेभ 9 31<sup>5</sup>  
 न मरुयुक्तव विद्यते 112 119<sup>5</sup>

न मृत्यु प्रभविष्यति 62 80<sup>5</sup>  
 न मे कार्यं नृपत्वेन 78 36<sup>5</sup>  
 न मेघानां प्रवृष्टाना 61 34<sup>5</sup>  
 न मेघा सचरन्ति च 112 71<sup>5</sup>  
 न मे बहुमतस्त्वेय 37 33<sup>5</sup>  
 न मे युद्ध विना देव 106 11<sup>5</sup>  
 न मे युद्धवेष कश्चित् 65 76<sup>5</sup>  
 न मे श्रेयोऽद्य जीवितम् 107 28<sup>5</sup>  
 नमो दामोदरायेति 63 22<sup>5</sup>  
 न यक्षोरगराक्षसा 31 41<sup>5</sup>  
 न यक्ष्यन्तीति शौनक 118 17<sup>5</sup>  
 नयता त्वा रणमियम् 77 28<sup>5</sup>  
 नयनानि चक्रादितरे 109 10<sup>5</sup>, 11<sup>5</sup>  
 न यष्ट्य न होतव्य 5 6<sup>5</sup>  
 नयस्यमुजयत्राक्षि 71 23<sup>5</sup>  
 नयानामुपदेतो 44 30<sup>5</sup>  
 न युक्त जानता देव 44 16<sup>5</sup>  
 न युद्ध प्राप्स्यते मया 106 33<sup>5</sup>  
 न योग न परायणम् 65 34<sup>5</sup>  
 नरकश्च हत सद्ये 31 146<sup>5</sup>  
 नरकश्च हवो मौम 96 67<sup>5</sup>  
 नरकस्य जनादेनः 92 2<sup>5</sup>  
 नरकस्य घन बहु 92 7<sup>5</sup>  
 नरकस्य निवर्हेणम् 91 38<sup>5</sup>  
 नरकस्य निवेशे 92 16<sup>5</sup>  
 नरकस्य पुरे रतौ 44 74<sup>5</sup>  
 नरकस्य महापलाय 91 44<sup>5</sup>  
 नरकस्य महापुत्रम् 91 52<sup>5</sup>  
 नरक निहव शरवा 92 28<sup>5</sup>  
 नरक मरुपुत्रेन 91 56<sup>5</sup>  
 नरक साधु तर्कये 45 8<sup>5</sup>  
 नरक पुरुषोत्तमम् 91 55<sup>5</sup>  
 नरकाप्युपित पन्था 65 65<sup>5</sup>  
 नरवेण समानीता 92 24<sup>5</sup>  
 नरकेणेति न श्रुतम् 92 6<sup>5</sup>  
 नरको दाननो हत 105 9<sup>5</sup>  
 नरको नाम दानव 91 8<sup>5</sup>  
 नरको चाक्षयमन्वीत् 91 8<sup>5</sup>  
 नरर विष्णुरागत 30 53<sup>5</sup>  
 नरनारीगणा सर्वे 79 33<sup>5</sup>  
 नरनारीसमुदिता 44 69<sup>5</sup>  
 नरोपायानुवतिता 78 4<sup>5</sup>  
 नरश्रेष्ठो जनादेन 92 51<sup>5</sup>

नरस्य वृत्ताधेतनु 31 65<sup>a</sup>  
 नर चैव नरोत्तमम् 1 0<sup>b</sup>  
 नर चैव पुराणपि 43 67<sup>a</sup>  
 नर धर्मपरायणम् 78 13<sup>b</sup>  
 नरा इव दिवौत्स 67 60<sup>b</sup>  
 नराच्या कपिलो जडे 98 22<sup>a</sup>  
 न रात्रधर्माभिरत 44 65<sup>a</sup>  
 नराणामन्तरात्मसु 32 37<sup>a</sup>  
 नराणामौषधेद्विकी 77 23<sup>b</sup>  
 नराणा च त्रयो वर्णा 41 28<sup>a</sup>  
 नराणा त्रिजिगीपताम् 81 4<sup>b</sup>  
 नरा धर्मप्रवृत्ताश्च 78 11<sup>a</sup>  
 नराधिपसद्वैद्यैः 81 14<sup>a</sup>  
 नरा मध्यामिपत्रिणा 116 8<sup>b</sup>  
 नरा स्लेच्छगणै सह 117 30<sup>a</sup>  
 नरा पै कामरूपिणीम् 96 11<sup>a</sup>  
 नराश्चैवामिहोत्रिण 116 38<sup>a</sup>  
 नराम्बदा भविष्यन्ति 117 27<sup>a</sup>  
 नरास्त्वा चैव मा चैव 62 56<sup>a</sup>  
 नरा धुङ्गयपीडिता 117 28<sup>a</sup>  
 नरा भविष्यन्ति यन 117 23<sup>a</sup>  
 नरिष्वत दत्त पुत्रा 9 21<sup>a</sup>  
 नरिष्वन्तल्पा प्राशु 9 2<sup>a</sup>  
 न रक्षा प्रमविष्यति 112 123<sup>b</sup>  
 न रक्ष प्रत्यक्षयत 112 28<sup>a</sup>  
 न रेपुश्च दिना दत्त 32 16<sup>a</sup>  
 नरो कल्याणि सहिगौ 71 48<sup>a</sup>  
 नतका गायत्र्या 96 54<sup>a</sup>  
 नर्ममानो महाद्वय 64 11<sup>a</sup>  
 नर्मदाद्वयमेराडी 26 14<sup>a</sup>  
 नर्मदायामपारपत्र 8 86<sup>a</sup>  
 नर्मदा सरितां वरा 13 63<sup>a</sup>  
 नर्मदां श्रुतिदात्रताम् 26 14<sup>a</sup>  
 न हृदमीष्वेतिरिष्वत 54 25<sup>a</sup>  
 नग्निं सरितां वरा 52 26<sup>a</sup>  
 न लम् नर्म कर्हिषि 22 10<sup>a</sup>  
 न लम् न स पतिन्दा 22 2<sup>a</sup>  
 नग्निं द्वाय विकयागौ 10 75<sup>a</sup>  
 नपनापाकुर्हिगा 54 4<sup>a</sup>  
 नर दाय विषेधरे 20 26<sup>a</sup>  
 न वने दाय 52 35<sup>a</sup>  
 न वनाधिकिदा 72 35<sup>a</sup>  
 नचन्द्रकि क्षणानां 54 7<sup>a</sup>

नवम्यामेव सज्जाता 47 34<sup>a</sup>  
 न वय स्ववदो स्थिता 100 72<sup>a</sup>  
 नवस्य नवराष्ट्र तु 23 25<sup>a</sup>  
 न वात्प्रात्रेण दुष्यन्ति 44 41<sup>a</sup>  
 न वाचा साधित कार्यम् 66 10<sup>a</sup>  
 नयभिप्राजते वपु 54 7<sup>a</sup>  
 नवायास्तु नर पुत्र 23 23<sup>a</sup>  
 न वारयामास मुनि 10 6<sup>a</sup>  
 नवासु घनरात्रिपु 52 20<sup>a</sup>  
 न विग्रह प्रहाश्चतु 32 36<sup>a</sup>  
 न विजानाम्यह केन 50 16<sup>a</sup>  
 न वित्तहरण चासीत् 31 129<sup>a</sup>  
 न विदुस्त कधिरसुत 40 16<sup>a</sup>  
 न विदु सोम देवाश्च 36 5<sup>a</sup>  
 न विद्यते लोकगुरो 45 27<sup>a</sup>  
 न विद्विष्टस्य जीवितम् 78 8<sup>a</sup>  
 न विमालि विपर्यस्त 76 39<sup>a</sup>  
 न विरूपो भवेद्भव 112 127<sup>a</sup>  
 न विषय स भूतात्मा 108 86<sup>a</sup>  
 न विष्णोर्भयसन्नामात् 106 24<sup>a</sup>  
 न वृषा धारण मम 106 16<sup>a</sup>  
 नवैते परिकीर्तिता 9 37<sup>a</sup>  
 नवैते पुराणैश्च 9 2<sup>a</sup>  
 न वै राजा वृषेरेण 92 7<sup>a</sup>  
 नवैश्च तिरिपिपुटे 54 13<sup>a</sup>  
 न वै स्यात्ससि वारदे 115 27<sup>a</sup>  
 नरोप्रसेनस्य मुता 27 28<sup>a</sup>  
 न ह्यपरिषे भामिभि 108 94<sup>a</sup>  
 न ह्यपरिषे वै प्रजा 3 4<sup>a</sup>  
 न शक्ता शान्तिपुर 107 52<sup>a</sup>  
 न शक्यमन्त तेनो पै 7 50<sup>a</sup>  
 न शक्यमेतन्मिष्या तु 8 26<sup>a</sup>  
 न शक्य विमरं तात 7 3<sup>a</sup>  
 न शक्येन यमेा न 92 7<sup>a</sup>  
 न शक्यमां द्युतनपात् 81 11<sup>a</sup>  
 न शर्म रभिरं देवा 109 29<sup>a</sup>  
 न शक्ता सुत द्रष्टु 70 32<sup>a</sup>  
 न शक्ता न पापन 31 13<sup>a</sup>  
 न शक्ता रभिरं युता 100 4<sup>a</sup>  
 न शक्ता न शर्म 31 13<sup>a</sup>  
 न शक्ताभिरिषिपु 67 27<sup>a</sup>  
 न शक्ताभिरिषिपु 37 4<sup>a</sup>  
 न शक्ताभिरिषिपु 37 4<sup>a</sup>



न शोकश्रलितु देत्या 36 18<sup>a</sup>  
 न शोकश्रलितु रणे 38 51<sup>a</sup>  
 न शोकश्रलितु रया 37 32<sup>a</sup>  
 न शोकश्रलितु प्रजा 2 35<sup>a</sup>  
 न शोकश्रलितु विचेष्टितुम् 35 10<sup>a</sup>  
 न शोक सुसमच्युतम् 40 23<sup>a</sup>  
 न शोलयासमवापिण 61 31<sup>a</sup>  
 न शोभेते विरुण्डरौ 77 8<sup>a</sup>  
 न शोप त्वमिहासि 103 10<sup>a</sup>  
 नष्टदावाभिधुमानि 54 8<sup>a</sup>  
 नष्टनखिव मोहिता 14 3<sup>a</sup>  
 नष्टवर्षादसिक्तानि 54 8<sup>a</sup>  
 नष्टवीर्यं महौजसि 112 42<sup>a</sup>  
 नष्टशोकमयो मोहात् 91 8<sup>a</sup>  
 नष्टशोका यय कृता 113 61<sup>a</sup>  
 नष्टसहा विचेतस 12 23<sup>a</sup>  
 नष्टप्रतिरमेव स 23 163<sup>a</sup>  
 नष्टा बाणपुराजदा 107 86<sup>a</sup>  
 नष्टे देवासुरानरे 31 17<sup>a</sup>  
 नष्टे धर्मं प्रजापति 13 64<sup>a</sup>  
 नष्टे स्वावरणमे 31 17<sup>a</sup>  
 न स क्षौरात्ममासुधात् 21 37<sup>a</sup>  
 न स शोचैरुदाकृतम् 4 26<sup>a</sup>  
 न सस्थानि न गोरक्ष 11<sup>a</sup>  
 न सपतगि पगमा 61 14<sup>a</sup>  
 न सरम्भात् चारम्भात् 115 27<sup>a</sup>  
 न सा बुधोप सैन 50 9<sup>a</sup>  
 न सा शोचिधुमर्हति 69 15<sup>a</sup>  
 नन्ततोऽप्य 11 शब्दयत् 64 17<sup>a</sup>  
 न ह्युद्विग्न कदाचन 28 45<sup>a</sup>  
 न क्ष कपयते राम 82 18<sup>a</sup>  
 न क्षा क्रिचिरप्रचान्ति 12 22<sup>a</sup>  
 न क्ष दारान्ध विन्दति 85<sup>a</sup>  
 न स्नाता वैकृतौ पुन 10 16<sup>a</sup>  
 न स्युर्दे लोकेतव 45 27<sup>a</sup>  
 न स्वादु सोऽभाति नर 118 22<sup>a</sup>  
 न हतो वासुदेवेन 89 49<sup>a</sup>  
 न हि कर्म विधीयो 39 27<sup>a</sup>  
 न हि कश्चिदमात्र ते 103 11<sup>a</sup>  
 न हि वद्वचने मिथ्या 107 43<sup>a</sup>  
 न हि तस्य कुं देवि 107 48<sup>a</sup>  
 न हि ते प्रमुते स्वात् 109 89<sup>a</sup>  
 न हि ते शान्तिरन्यथा 15 41<sup>a</sup>

न हि त्व जलितो मया 99 23<sup>a</sup>  
 न हि त्व क्षम्यतामत्र 99 22<sup>a</sup>  
 न हि त्वा वाद्वा वीर 66 1<sup>a</sup>  
 न हि पुनरुर्मदानेना 9 60<sup>a</sup>  
 न हि पूर्वसिद्धौ वै 6 10<sup>a</sup>  
 न हि मे कृषिरक्षीद 101 2<sup>a</sup>  
 न हि मे स्वासते मन 112 84<sup>a</sup>  
 न हि योगमतिर्दिव्या 13 73<sup>a</sup>  
 न हि राज्येन मे कार्यं 78 33<sup>a</sup>  
 न हि शक्तोऽसि पार्थिव 9 51<sup>a</sup>  
 नहुषस्य तु दायादा 22 1<sup>a</sup>  
 नहुष प्रथम जयै 21 11<sup>a</sup>  
 नहुष शङ्खरोमा च 3 90<sup>a</sup>  
 न ह्यन्यस्य भवेच्छक्ति 109 45<sup>a</sup>  
 न ह्यन्येन समप्रधान 109 78<sup>a</sup>  
 न ह्यय प्राकृत कश्चित् 107 61<sup>a</sup>  
 न ह्यय यादुयोधाना 75 18<sup>a</sup>  
 न ह्यरुपदीर्याय क्षुक् 15 7<sup>a</sup>  
 न ह्यस्य त्रिषु लोकेषु 107 76<sup>a</sup>  
 न ह्यह प्रवृत्तिद्वेषी 113 36<sup>a</sup>  
 न ह्यासाक्षिपता बुद्धि 73 26<sup>a</sup>  
 नाकशृष्टसुपागम्य 106 9<sup>a</sup>  
 नाकशृष्टे विधीयते 75 36<sup>a</sup>  
 नाकमार्गादयस्त्रय 32 36<sup>a</sup>  
 नाकपत सदा बाहु 112 71<sup>a</sup>  
 नाकालपमेणा सृष्टु 41 4<sup>a</sup>  
 नाहं मादरो दयो 31 129<sup>a</sup>  
 नाहृतज्ञा न वा क्षीया 109 47<sup>a</sup>  
 नाहरोऽभ्युपपन्न 29 13<sup>a</sup>  
 नाह्यन्यस्यैवतारता 108 23<sup>a</sup>  
 नागच्छेता यथाकोठ 65 94<sup>a</sup>  
 नागच्छेद्वन्धोत्त इ 10 6<sup>a</sup>  
 नागभोगश्च वेष्टित 108 95<sup>a</sup>  
 नागयुयायुतोपमा 61 11<sup>a</sup>  
 नागलोऽरुत्तु दारण 62 30<sup>a</sup>  
 नागरीधी च जामिना 3 28<sup>a</sup>  
 नागहस्तैरिवोऽपि 57 6<sup>a</sup>  
 नाग उररयापीड 31 145<sup>a</sup>  
 नागा ह्वान्ये गगने 61 10<sup>a</sup>  
 नागा दितिनदाना 2 48<sup>a</sup>  
 नागानामुपरिष्ठाद् 62 24<sup>a</sup>  
 नागाना भरतधेष्ट 3<sup>a</sup>

नागाना वासुकि चक्रे 4 7°  
 नागायुतवला केचित् 43 71°  
 नागायुतवगे महान् 23 48°  
 नागायुतसमवाण 90 7°  
 नागा सर्पा सुपर्णाश्च 13 42°  
 नागे वै दमिते मया 55 55°  
 नागेषु च हयेषु च 81 68°  
 नागैश्च श्रूयते दुग्धा 6 23°  
 नागैश्चाभ्रादयकास्तौ 81 75°  
 नागिर्मिमते ह्यमौ 113 31°  
 नाचपक्षे विवम्यत 8 28°  
 नाहृत्पया महाराज 7 29°  
 नातिशायमिषाभयन् 8 3°  
 नातिदीर्घेण कालेन 42 6°  
 नातिदूरे गिरिर्महान् 52 24°  
 नात्मपक्षमुपापद 44 65°  
 नात्मराजपमियकर 44 65°  
 नात्मराजपमियकर 44 42°  
 नात्यर्थ धार्मिकनात 10 24°  
 नात्यर्थ धार्मिकोऽभयन् 5 2°  
 नात्र कार्या विचारणा 5 13°  
 नाय कार्पण्यमाधिता 77 13°  
 नायधार्मिकश्च न 115 22°  
 नाय दृष्टो व्यवस्थिते 109 2°  
 नायेऽस्माक महारज 77 5°  
 नादयतो दितान् दत्त 82 16°  
 नादयतो दित सर्वा 81 21°  
 नादितानु समस्त 55 13°  
 नादितानु हरिश्चन्द्रा 112 20°  
 नादितानु प्रतिमादितम् 65 55°  
 नापना विद्यते तत्र 63 62°  
 नापमैनाम्नसिप्यति 113 80°  
 नापमौ नापमसिप्यति 16 11°  
 नाप्यगच्छतौ तारौ 27 9°  
 नाप्यसिप्यति मरिचयम् 107 59°  
 नाप्यमभयराजदा 31 130°  
 नाप्यैहि सुगम 24 35°  
 नाप्यैहि सुगम 112 56°  
 नाप्यैहि सुगम 89 2°  
 नाप्यैहि सुगम 31 26°  
 नाप्यैहि सुगम 71 2°  
 नाप्यैहि सुगम 103 31°  
 नाप्यैहि सुगम 83 61°

नापापक्षिगता केचित् 33 25°  
 नापापक्षिसमाकुलम् 49 20°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 86 45°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 91 46°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 31 80°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 108 35° 113 13°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 112 6°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 35 3°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 112 56°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 108 54°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 31 86°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 108 21°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 108 32°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 46 13°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 13 14°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 109 16°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 113 56°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 29 24°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 110 20°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 93 33°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 110 45°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 113 7°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 91 47°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 31 86°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 85 20°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 31 80°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 108 18°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 36 26°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 30 28°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 45 23°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 82 24°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 105 5°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 101 3°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 109 56°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 11 77°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 38 55°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 110 22°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 20 15°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 10 31°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 32 37°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 10 17°  
 नापापक्षिसमाकीर्ण 52 13°

नापि ब्रह्मर्षयोऽभ्यया 40. 15<sup>६</sup>.  
 नापि यक्षैर्न राक्षसैः 109 55<sup>६</sup>.  
 नापुत्रवान्नासतद. 27 21<sup>६</sup>.  
 नाप्यहं राज्यल्लसः 78 33<sup>६</sup>.  
 नाप्याश्चर्याणि सन्ति नः 100 57<sup>६</sup>.  
 नाप्याश्चर्योपशोभिता 100 42<sup>६</sup>.  
 नाभविष्यत्परिप्रयार्थम् 21 32<sup>६</sup>.  
 नाभागस्तु सुतस्यासीत् 10 67<sup>६</sup>.  
 नाभागस्तु तु पुत्रो ह्यो ३ 36<sup>६</sup>.  
 नाभागस्तु ॥ भारत 9 21<sup>६</sup>.  
 नाभाजैर्दिद्वसतमा 9 2<sup>६</sup>.  
 नाभिकण्डान्तरस्थस्तु 30 44<sup>६</sup>.  
 नाभिमाग्नित् दिशो दश 54 39<sup>६</sup>.  
 नाभिमध्याससमुत्थितम् 40 11<sup>६</sup>.  
 नाभिमध्याससमुत्थिते 42 21<sup>६</sup>.  
 नाभ्यर्ण्या समुत्पन्नं 30 16<sup>६</sup>.  
 नाभ्यवर्तत तं देशे 83 29<sup>६</sup>.  
 नाभ्यां प्लिल समास्थिता 31 89<sup>६</sup>.  
 नाभ्यां प्लिलं प्रतिष्ठितम् 30 43<sup>६</sup>.  
 नाभ किं चास्य भासिनि 107 74<sup>६</sup>.  
 नामगोत्रादिकीर्तनैः 11 39<sup>६</sup>.  
 नाम चास्याः कृतं पुण्या 86 5<sup>६</sup>.  
 नामतत्त्वाक्षिर्बाध मे 25 6<sup>६</sup>.  
 नामधेयानि चाप्येषां 16 19<sup>६</sup>.  
 नाम तया बभूव ह 85 23<sup>६</sup>.  
 नामनी तु तयोश्चक्रे 42 18<sup>६</sup>.  
 नामनिष्पाहर्ण्यौ च 58 3<sup>६</sup>.  
 नामभिस्तेऽनवच्छृता 16 23<sup>६</sup>.  
 नामनि कर्मभिश्च 1 9<sup>६</sup>.  
 नामनि कर्मभिराया 16 4<sup>६</sup>.  
 नामध्वजराये क्षिपिम् 58 27<sup>६</sup>.  
 नामयामास यामकृत् 71 42<sup>६</sup>.  
 नामयामास कीलया 71 61<sup>६</sup>.  
 नाम राजेऽनयायत 5 29<sup>६</sup>.  
 नामर्षयस्त सङ्गृह्य 57 14<sup>६</sup>.  
 नाम विप्रार्थितं सुवि 78 18<sup>६</sup>.  
 नाम्नेनापि कृषि स्वाद 115 13<sup>६</sup>.  
 नामैतन्मे प्रकृष्टितम् 12 16<sup>६</sup>.  
 नाम्ना कौमोदकीति सा 81 64<sup>६</sup>.  
 नाम्ना तेनैव सञ्चिन्. 23 112<sup>६</sup>.  
 नाम्ना ह्यारप्रती नाम 84 29<sup>६</sup>.  
 नाम्ना पूर्वमिति श्रुति 1. 24<sup>६</sup>.  
 नाम्ना मायायती नाम 99 6<sup>६</sup>.

नाम्ना मित्रसहोऽभ्यवत् 10 70<sup>६</sup>.  
 नाम्ना दम्भवतीति सा 89 10<sup>६</sup>.  
 नाम्ना वसुमिति स्वावम् 13 26<sup>६</sup>.  
 नाम्ना वृन्दावनं नाम 52 21<sup>६</sup>.  
 नाम्ना वार्द्धमिति स्वावते 81. 63<sup>६</sup>.  
 नाम्ना वीर्येण कर्मणा 15 3<sup>६</sup>.  
 नायं देवेनै गन्धर्वैः 109 56<sup>६</sup>.  
 नायं देशो निषेव्यते 55 50<sup>६</sup>.  
 नायं वधहर्तृ शोषम् 108 92<sup>६</sup>.  
 नायं ध्व्योऽभ्यया भवेत् 108 76<sup>६</sup>.  
 नायं सरक्षितं काल 109 76<sup>६</sup>.  
 नारदस्तानुवाच ह 3 15<sup>६</sup>.  
 नारदस्त्रिदिवं गत. 97 42<sup>६</sup>.  
 नारदस्य वच श्रुता 45 1<sup>६</sup>. 67 68<sup>६</sup>. 99. 41<sup>६</sup>.  
 नारदं देवगन्धर्वै 100 41<sup>६</sup>.  
 नारद. एतमो मुनि 67. 52<sup>६</sup>.  
 नारदः परमेश्विनः 3 9<sup>६</sup>.  
 नारदः प्रत्यदभ्यव 44 6<sup>६</sup>. 100 18<sup>६</sup>.  
 नारदः महत्सवित्र 109. 64<sup>६</sup>.  
 नारदः प्राजबोदिदम् 3 7<sup>६</sup>.  
 नारदात्मधुसूदन. 85 11<sup>६</sup>.  
 नारदाय ददौ प्रभु 109 65<sup>६</sup>.  
 नारदायं कृतो मया 45 15<sup>६</sup>.  
 नारदे तु गते स्वर्ग 100 86<sup>६</sup>.  
 नारदेन निवेदितम् 85 45<sup>६</sup>.  
 नारदेन महर्षिणा 3 14<sup>६</sup>.  
 नारदेन महारमना 109 68<sup>६</sup>.  
 नारदेन समागत 65 47<sup>६</sup>.  
 नारदेव हि गर्भेभ्य 46 27<sup>६</sup>.  
 नारदेवैव बोधिता 3 19<sup>६</sup>.  
 नारदे सुनिपुणाय 100 20<sup>६</sup>.  
 नारदोऽकथयद्विशु 25 13<sup>६</sup>.  
 नारदोऽग्निसिंयाकार 100 19<sup>६</sup>.  
 नारदो न विशारद 46 21<sup>६</sup>.  
 नारदोऽभ्यागमस्तभाम् 96 23<sup>६</sup>.  
 नारदो मधुरां ययौ 46 1<sup>६</sup>.  
 नारदो मा यदुक्त्वान् 65 45<sup>६</sup>.  
 नारदो वै न्यवेदयत् 85 16<sup>६</sup>.  
 नारसिद्धमत शण्ड 31 31<sup>६</sup>.  
 नारसिद्धेन ययुषा 31. 65<sup>६</sup>.  
 नारायणा दत्तेन स. 112 16<sup>६</sup>.  
 नाराचैर्दिभिर्दुः क्षिणै 87 68<sup>६</sup>.  
 नाराचैर्मागधस्त्रिभिः 87. 72<sup>६</sup>.

नाराचैमुं सलायुधः 87 72<sup>d</sup>  
 नाराचैश्च निभि कुदः 88 24<sup>e</sup>.  
 नाराचं कैशिकान्यहून् 87 70<sup>d</sup>.  
 नारायणयुगात्मकम् 12 11<sup>d</sup>  
 नारायणपरायणम् 1 18<sup>d</sup>  
 नारायणपरायणा 37 18<sup>d</sup>  
 नारायणवितामदौ 42 22<sup>d</sup>  
 नारायणमिवापरम् 36 57<sup>d</sup>.  
 नारायणयिसनं सः 1 39<sup>e</sup>  
 नारायणश्च भगवाद् 42 32<sup>e</sup>  
 नारायणं नमस्कृत्य 1. 0<sup>e</sup>.  
 नारायणं विभुं देवाः 31 59<sup>e</sup>  
 नारायणारमकानां वै 1 30<sup>e</sup>  
 नारायणी शम्भुसेना 89 7<sup>e</sup>.  
 नारायणेन कौरव्य 9 69<sup>e</sup>.  
 नारायणेनं सिद्धार्थम् 45 17<sup>e</sup>  
 नारायणे समारेष्ट 43 75<sup>e</sup>.  
 नारायणी ह्यनन्तात्मा 32 3<sup>e</sup>.  
 नारिकेलजनायुतम् 84 21<sup>e</sup>  
 नारीप्वैवं सुदारुणम् 77 36<sup>e</sup>.  
 नारिषश्च नरोत्तमो 28 35<sup>e</sup>  
 नारुनस्य रिपु कश्चित् 62 96<sup>e</sup>.  
 नार्यं जानामि ॥ न्यिदम् 50 28<sup>e</sup>  
 नार्यं वै रंहं हृत्वा 116 21<sup>e</sup>  
 नार्यो नाल्यपरम्भर्वन् 31 153<sup>e</sup>.  
 नारुंसे देव हम्पुं वै 112 99<sup>e</sup>  
 नाडमात्मविद् कश्चित् 22 11<sup>e</sup>  
 नाडमेकस्य तत्त्वत्वेम् 22 38<sup>e</sup>  
 नावशा तत्र कर्त्तव्या 72 20<sup>e</sup>  
 नावतं कदाचन 21 30<sup>e</sup>  
 नावतं तदाकालेन 9 93<sup>e</sup> 10 10<sup>e</sup> 24 5<sup>e</sup> 29 31<sup>e</sup>.  
 नावतं भवमाप्नुन 21 4<sup>e</sup>  
 नावतिता न बातिता 109 47<sup>e</sup>  
 नावत्पानाभद्रवत् 110 60<sup>e</sup>  
 नाविन्द्येन न मनिम् 28 50<sup>e</sup>  
 नावृत्तभयनमौद् 3 112<sup>e</sup>  
 नावेष्टोऽहं तदापुनः 29 4<sup>e</sup>  
 नावापिरो नाप्यदत्त 116 40<sup>e</sup>  
 नावृत्तं यदा वंग. 00 50<sup>e</sup>  
 नावृत्तनारायो वापु 2 35<sup>e</sup>  
 नावृत्तं रत्नायि 51 12<sup>e</sup>  
 नावृत्तं नित्यं ते गुणम् 112. 95<sup>e</sup>.  
 नावापु वृत्तवत् 8. 21<sup>e</sup>.

नावापु वचन तेषां 3 7<sup>e</sup>.  
 नावापामितविक्रमः ॥ 11<sup>e</sup>.  
 नाशिष्यस्यावतस्य वा 4 24<sup>e</sup>.  
 नाशुचे क्षुद्रमनसः 4 24<sup>e</sup>.  
 नाशुद्रकमां नाप्यवा 27 21<sup>e</sup>.  
 नाशुभं प्राप्नुयार्कचित् 113 82<sup>e</sup>.  
 नाश्वर्यं द्रष्टुमुत्सहे 70 36<sup>e</sup>.  
 नाश्वयन्ताशुभा वाच 31 129<sup>e</sup>.  
 नासत्यश्चैव दत्तश्च 8 39<sup>e</sup>.  
 नासमौञ्जश्च तापुमौ 28 7<sup>e</sup>.  
 नासत्या नाशुभा गाव 59 11<sup>e</sup>.  
 नासद्व्यततायुध 27 21<sup>e</sup>.  
 नासिकाया विश्रुतः 8 38<sup>e</sup>  
 नासीय भविता कश्चित् 97 35<sup>e</sup>.  
 नास्ति कश्चिद्व्यतिक्रम 107 33<sup>e</sup>.  
 नास्ति कालस्य सस्थितिः 48 42<sup>e</sup>.  
 नास्ति निश्चिन्नय दिव्यो 41 3<sup>e</sup>.  
 नास्ति त्रयपरमाश्चापि 117. 8<sup>e</sup>.  
 नास्ति ते तपसानेन 35 68<sup>e</sup>.  
 नास्ति देवहूतं भयम् 46 28<sup>e</sup>.  
 नास्ति भयतरोऽप्युत्तम 113 76<sup>e</sup>.  
 नास्ति योग विना सिद्धि 35 39<sup>e</sup>.  
 नास्ति शोकतमो गुद 44 30<sup>e</sup>.  
 नास्ति होर यत्तमम् 35 39<sup>e</sup>.  
 नास्ति व्याधिभयं तत्र 24 4<sup>e</sup>.  
 नास्ति सामन्तं भयम् 41 31<sup>e</sup>.  
 नास्ति मित्रं विना यत् 35 39<sup>e</sup>.  
 नास्तीति दृष्टान्प्रोवाच 29 31<sup>e</sup>  
 नास्त्याद्ययमप्येणवम् 113 75<sup>e</sup>.  
 नास्ति धन्या न चाधर्मा 100 52<sup>e</sup>.  
 नास्त्याधर्मा द्विजोत्तम 100 47<sup>e</sup>.  
 नास्या नातिन वै भुज 3 16<sup>e</sup>  
 नाह सा ताप्यवापु ३ 20 40<sup>e</sup>  
 नाह जीविगुणुत्सहे 19 6<sup>e</sup>  
 नाह धन्या द्विजपेठ 100 42<sup>e</sup>  
 नाह पुत्रेण पुत्रार्थं ११ 9<sup>e</sup>.  
 नाह दृष्टान्प्रोवाच 113 35<sup>e</sup>  
 नाह भयं विपु ४४४ 46. 32<sup>e</sup>.  
 नाह द्रव्यं धनम् 27 20<sup>e</sup>  
 नाह द्रव्यं धनम् 114 17<sup>e</sup>  
 निष्ठाये निष्ठाये 3 110<sup>e</sup>  
 निष्ठायेन महामना 23 5<sup>e</sup>  
 निष्ठायेन कश्चित् 57 7<sup>e</sup>

निरुक्तशब्दं शब्दार्थं 24. 26.  
 निरुक्ता तं जिगीषन्तः 89. 25.  
 निरुक्तशब्दः पृथिवी 22. 20.  
 निरुक्त्य पितरि प्रभाम् 35 63.  
 निरुक्तोद्दिष्टनशाखाग्रैः 53. 22.  
 निरुक्तं भावयन्तः नः 83. 48.  
 निरुक्तं सयमादितः 13 2.  
 निरुद्धोत्तम वेदेषु 76 32.  
 निरुद्धोत्तमवाहं तु 15. 46.  
 निरुद्ध च तदारमानं 89. 48.  
 निरुद्ध तं महात्मानः 5. 18.  
 निरुद्धमाणास्तीक्ष्णाणिः 89 33.  
 निरुद्धार्थं सुरद्विषान् 43 67.  
 निरुद्धावपि सौ मम 65. 94.  
 निरुद्धाभितरेतरम् 82 23 87. 73.  
 निरुद्धोपद्रवं शवाम् 62. 33.  
 निरुद्धा वै लोपाङ्गाः 87. 6.  
 निरुद्धा यमूयतुः 10. 72.  
 निरुद्ध द्वौ यमूयतुः 28 11.  
 निरुद्धा ततः क्रीडात् 96 50.  
 निरुद्धान महायलः 97 24. 112 79.  
 निरुद्धान महायलाद् 108 41.  
 निरुद्धान महायलाः 31. 119.  
 निरुद्धान महायुराम् 91. 47.  
 निरुद्ध रणगोचरम् 108. 22.  
 निरुद्ध देवसर्पाक्षान् 38 25.  
 निरुद्धपुष्पपरं दिव्यं 92 64.  
 निरुद्धमनुष्यकर्मणा 87. 13.  
 निरुद्धमनुष्यचिन्तात्मना 66 13.  
 निरुद्धमाश्रयं दर्शने 100 39.  
 निरुद्धमाश्रयं विभुताः 100 69.  
 निरुद्धमाश्रयं दर्पितम् 39. 42.  
 निरुद्धमेव च मृष्यते 85. 27.  
 निरुद्धमेव विवस्वतः 8. 6.  
 निरुद्धमेवोपशोभिताः 23 147.  
 निरुद्धयाजिनि पातिने 89. 61.  
 निरुद्धं कृष्णं महात्मनि 96 72.  
 निरुद्धं क्षुद्रा हि दानया. 38 77.  
 निरुद्धं छत्रचरो मम 76 21.  
 निरुद्धं तत्र मनोरमे 65. 57.  
 निरुद्धं पर्वतु पूजिता 45. 48.  
 निरुद्धं भक्तानुयायिनः 109 50.  
 निरुद्धं मङ्गिनवाससम् 69. 10.

निरुद्धं मांसवह्निप्रिया 47 51.  
 निरुद्धं आद्याद्विको द्विजः 16 9.  
 निरुद्धं सदसदात्मकम् 1. 17.  
 निरुद्धं सांनिध्यता चैव 106. 6.  
 निरुद्धा भूतेषु भारत 2 53.  
 निरुद्धानार्थं गोपानां 51. 19.  
 निरुद्धानार्थं गोविन्दः 85. 31.  
 निरुद्धा ह्रव पावकः 36 49.  
 निरुद्धा कालरूपिण्या 47. 24.  
 निरुद्धा चाभिभूयते 111 4.  
 निरुद्धा सहस्रविष्टा 48 3.  
 निरुद्धा तं कालरूपिणी 40 8.  
 निरुद्धाभिलतनुमुद्गः 110 63.  
 निरुद्धाद्गारयामास 3 106.  
 निरुद्धमेव गृहीतवान् 85. 41.  
 निरुद्धा प्रददी सदा 47 25.  
 निरुद्धाभिधान्त्वलोचनः 40. 44.  
 निरुद्धा सर्वस्य ह्यधिको 40. 29.  
 निरुद्धेति स्याति स्थिता 40 26.  
 निरुद्धनाय मतिं चक्रे 74 32.  
 निरुद्धे हि प्रसूतस्त्वं 5 10.  
 निरुद्धावममृतस्य च 34 25.  
 निरुद्धास्त्वामभूदेवः 20 18.  
 निरुद्धाः केशवस्य सः 86. 61.  
 निरुद्धानाशपायामास 86 61.  
 निरुद्धानामधिपः बभूवुः 34 16.  
 निरुद्धानामुत्तमे निरुद्धः 86 50.  
 निरुद्धदुर्दैर्हिणस्तत्र 61 18.  
 निरुद्धो तस्य तं यस्मै 73. 30.  
 निरुद्धनीयो महीक्षिताम् 66 9.  
 निरुद्धमि कृष्णं वच. 66 15.  
 निरुद्धमनुष्यलक्षणः 56 2.  
 निरुद्धात् दिवं स्वत्वा 38 49.  
 निरुद्धात् महीतले 106 49.  
 निरुद्धात् वसुंधराम् 20 8.  
 निरुद्धात्तन्तरं शीघ्रं 72 19.  
 निरुद्धात्पदापीडां 55 38.  
 निरुद्धात् यदुन्मन्तः 76 43.  
 निरुद्धात् श्रवणादुन्मन्तः 66 1.  
 निरुद्धात् शक्तिने यथा 77 39.  
 निरुद्धात् चतुर्मास्यौ 2. 23.  
 निरुद्धात्तुर्धरालले 38. 53.  
 निरुद्धात्तुल्लाका शृङ्गा 106. 44.

निपेतुः काश्चिदातुराः 61 22<sup>१</sup>.  
 निषिद्धं पत्रमन्त्रैः 55. 18<sup>१</sup>.  
 निषोष गदतो मम 7. 24<sup>१</sup>.  
 निषोष तन्मे गात्रेय 13 2<sup>१</sup>.  
 निषोधातागतानि मे 7 35<sup>१</sup>.  
 निमित्तं भविता तत्र 115. 34<sup>१</sup>.  
 निमित्तानि निशामयन् 106 50<sup>१</sup>.  
 निमित्तान्यशुभानि ते 66 23<sup>१</sup>.  
 निमित्तान्यशुभानि वै 66 31<sup>१</sup>.  
 निमित्तं कुर्महसि 116 3<sup>१</sup>.  
 निमिहसिश्च दानरौ 97. 10<sup>१</sup>.  
 निमिश्च क्रमणश्चैव 27. 4<sup>१</sup>.  
 निमोलितगुहामुखाः 61 46<sup>१</sup>.  
 निमीलितान्त्रो व्यसृज्य 112 102<sup>१</sup>.  
 निमेषमात्रमिदं मे 115 11<sup>१</sup>.  
 निमेषान्तरगामिभिः 76 13<sup>१</sup>.  
 निमेषान्तरचारिणो 97. 8<sup>१</sup>.  
 नियच्छेयं रत्नधाम्यम् ॥ 6<sup>१</sup>.  
 नियतं दोषं दृष्ट्वायं 106 58<sup>१</sup>.  
 नियतं सुहृत्स्य च 15 61<sup>१</sup>.  
 निवृत्ता व्रतचारिणी 107. 35<sup>१</sup>, 38<sup>१</sup>.  
 निवृत्तेः परमर्षिभिः 47. 16<sup>१</sup>.  
 नियन्तुमुपपन्नमे 87 59<sup>१</sup>.  
 नियमगुह्यरूपेण 85 60<sup>१</sup>.  
 नियुक्ता ॥ पुनः पुनः 8 14<sup>१</sup>.  
 नियुक्तान्मुलेपने 71. 26<sup>१</sup>.  
 नियुक्ता वेदमकर्मसु 80 10<sup>१</sup>.  
 नियुग्यन्तां च देतोषु 80 10<sup>१</sup>.  
 नियुष्यन् च पर्षाणः 75 12<sup>१</sup>.  
 निषोषादारायणैः 53 23<sup>१</sup>.  
 निषोषाष्टपुराणिनः 25 11<sup>१</sup>, 85 15<sup>१</sup>.  
 निषोषाष्ट गुरोन्मस्य 16 6<sup>१</sup>.  
 निषोषाष्टिद्वन्द्वस्य 96. 22<sup>१</sup>.  
 निषोषो गोपु यः कृत्वा 62 66<sup>१</sup>.  
 निषोत्रय महापादो 80 58<sup>१</sup>.  
 निरता देवलोकेषु ॥ 51<sup>१</sup>.  
 निरपेक्षा मन्त्रिण इ 77. 23<sup>१</sup>.  
 निरपेक्षः कन्वं पुन 11. 13<sup>१</sup>.  
 निरान्तरपुराविष्ट 07 36<sup>१</sup>.  
 निरन्तराणि च तं गुरवम् 12 24<sup>१</sup>.  
 निरन्तरमात्रा गमने 47. 54<sup>१</sup>.  
 निरान्तरद्वरं द्विषाम् 81. 63<sup>१</sup>.  
 निरान्तरं निरान्तराद् 52 14<sup>१</sup>.

निरालम्ब इवाभाति 61. 47<sup>१</sup>.  
 निराशा मत्पराजये 106 9<sup>१</sup>.  
 निराहारा बहुतिथं 19. 5<sup>१</sup>.  
 निराहाराः कृगोदराः 61 23<sup>१</sup>.  
 निराहाराः क्षमायुक्ताः 112. 121<sup>१</sup>.  
 निरिन्धनामभिर्मयी 35. 69<sup>१</sup>.  
 निरीक्षन्ते वराङ्गनाः 63. 23<sup>१</sup>.  
 निरीक्षस्य यथासुखम् 49. 8<sup>१</sup>.  
 निरीक्ष्य पृथिवीपतिः 22. 20<sup>१</sup>.  
 निरीक्ष्यादाय कुण्डले 91. 68<sup>१</sup>.  
 निरुच्यन्ते च देहयाः 23. 162<sup>१</sup>.  
 निरुपाता च यत्तुषा 41. 14<sup>१</sup>.  
 निरुद्धिप्रक्षपश्चतु 9. 51<sup>१</sup>.  
 निरुन्मन्ना इवामयः 36 19<sup>१</sup>.  
 निरोधोत्पत्तिरुच्यते 3. 56<sup>१</sup>.  
 निर्ऋणः स सुखी भवेत् 25. 17<sup>१</sup>.  
 निर्गुणो निरपन्नयः 117. 11<sup>१</sup>.  
 निर्घातश्चाभयमहान् 106. 45<sup>१</sup>.  
 निर्घातानन्तरं किञ्चिन् 75. 14<sup>१</sup>.  
 निर्घुणाद्वै क्षितोर्वच 49. 6<sup>१</sup>.  
 निर्घोषः दुमदान्मूर् 92 37<sup>१</sup>.  
 निर्जगाम गुह्यमुखात् 85 61<sup>१</sup>.  
 निर्जगाम वतोद्भवात् 51. 14<sup>१</sup>.  
 निर्जगाम निषेधात् 48 20<sup>१</sup>.  
 निर्जगाम सभाद्वारात् 89. 45<sup>१</sup>.  
 निर्जगामासुराः कंसः 46 3<sup>१</sup>.  
 निर्जले योदुर्ले कृत्या 05. 30<sup>१</sup>.  
 निर्जलाभोदत्तहाः 37. 48<sup>१</sup>.  
 निर्जलाणेरसप्रभः 37. 48<sup>१</sup>.  
 निर्जितभैर भगवान् 105. 10<sup>१</sup>.  
 निर्जिनः ॥ नराधिरः 89 37<sup>१</sup>.  
 निर्जिनः सह बाणधरैः 112. 85<sup>१</sup>.  
 निर्जिज्ञाः पापकाक्षेय 105. 13<sup>१</sup>.  
 निर्जिने नु मने सपै 50 41<sup>१</sup>.  
 निर्जिनो चाट्टवीर्येण 109 43<sup>१</sup>.  
 निर्जिनो वयुनाददे 00. 35<sup>१</sup>.  
 निर्जिन्व कुपदं रणे 15 63<sup>१</sup>.  
 निर्जिन्व कुपदरिचाशः 97. 36<sup>१</sup>.  
 निर्जिन्व कुपदस्याप 07. 37<sup>१</sup>.  
 निर्जिन्व कुपदोत्तमः 79 17<sup>१</sup>.  
 निर्दग्धुनामै रोषेण 8. 30<sup>१</sup>.  
 निर्दग्धुं पृथिवीराज 0 ६०<sup>१</sup>.  
 निर्दग्धो रत्नदंभि 15 ६०<sup>१</sup>.

निर्देशुरभवन्मही 31. 13<sup>d</sup>.  
 निर्देशुसर्वभूतानि 35. 62<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शार्ङ्गधन्वना 93. 46<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः निष्परिग्रहाः 16. 24<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः कलिङ्गराट् 87. 66<sup>f</sup>.  
 निर्देशुः ततो बाणं 108. 74<sup>e</sup>.  
 निर्देशुः रणे कृष्यः 112. 62<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः मानो यैरेष्टः 69. 23<sup>e</sup>.  
 निर्देशुः नादिताः सर्वे 3. 10<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः कृतिरेव च 16. 19<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः यथाचलात् 81. 69<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः पुरपुरं मङ्ग 88. 32<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः पुरपुरेष्टः 84. 33<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः यज्ञसिद्धये 1. 35<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः विश्वमीश्वरः 1. 17<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः वनम् 59. 32<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः रत्नैर्धनैः 61. 47<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः तस्मिन् 57. 11<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः छत्रिर्मज्जम् 87. 18<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः विश्वकर्मेण 94. 7<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः द्येन तेजसा 85. 56<sup>f</sup>.  
 निर्देशुः विश्वकर्मेण 42. 9<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः एवेन पुत्रेण 36. 24<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः विश्वकर्मेण 93. 34<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः कालदे भूषणम् 59. 50<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः पद्मनीः 34. 31<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः सत्ययाकृतिः 7. 25<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः चरणकारः 58. 12<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः चरणोऽभवत् 67. 37<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शत्रुः कृताः 35. 10<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः सर्वे 84. 17<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः कर्मलक्षणः 100. 11<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः च तदा विहात् 28. 29<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः चोदितः सः 87. 50<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः महाबाहुः 109. 77<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः सदा कियाम् 77. 49<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः तच्चैतद्भूलोक्यं 38. 63<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः जगतो जलम् 62. 51<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः विजिगीषवः 59. 51<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः सपदानुगाः 84. 14<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासकौ 58. 4<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवम् 64. 11<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 64. 2<sup>d</sup>.

निर्देशुः शिरासपुंगवः 32. 13<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 118. 20<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 108. 76<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 59. 39<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 52. 14<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 61. 47<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 116. 22<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 35. 73<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 71. 47<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 35. 65<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 109. 71<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 113. 81<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 18. 3<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 117. 5<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 117. 4<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 16. 19<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 52. 14<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 37. 48<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 50. 21<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 117. 1<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 77. 34<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 106. 9<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 61. 54<sup>d</sup>. 65. 90<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 92. 25<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः कुले 3. 80<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 61. 53<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 61. 54<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 74. 15<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 93. 60<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 45. 15<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 6. 12<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 55. 22<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 91. 22<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 84. 7<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 28. 12<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 102. 2<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 81. 25<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 44. 21<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 100. 6<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 81. 1<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 34. 40<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 44. 59<sup>d</sup>.  
 निर्देशुः शिरासपुंगवः 87. 66<sup>d</sup>.

निष्प्रयत्नसुरानना 61 1<sup>d</sup>  
 निष्प्रयत्न सुरानीक 36 29<sup>e</sup>  
 निष्प्रयत्न स्थितश्चापि 108 86<sup>e</sup>  
 निष्प्रयत्न स्थित स्वस्थ 108 84<sup>e</sup>  
 निष्प्रयत्नायुष कृतम् 35 11<sup>d</sup>  
 निष्प्रयत्नास्तव स्थिता 103 21<sup>d</sup>  
 निष्प्रयत्नेषु दैत्येषु 36 38<sup>e</sup>  
 निष्प्रयोजनमारुतम् 52 14<sup>b</sup>  
 निष्प्राणतकराविह 35 60<sup>d</sup>  
 निष्प्राणसदृशादृति 35 11<sup>b</sup>  
 निमुग्धनरको हवो 96 1<sup>b</sup> 109 40<sup>b</sup>  
 निमुग्धमवरोधयत् 91 45<sup>d</sup>  
 निमुग्ध सगगो हव 96 66<sup>d</sup>  
 निखोपमिष पङ्कजम् 77 7<sup>e</sup>  
 निखिन्न चर्म चोत्सृष्ट 108 42<sup>e</sup>  
 निहत्तल्लङ्घनीहि मे 15 30<sup>d</sup>  
 निहत्तल्य पिनाकिना 67 41<sup>d</sup>  
 निहत सस्मरिष्यसि 112 55<sup>d</sup>  
 निहताग्निप्रसामन्त 68 30<sup>e</sup>  
 निहताग्निप्रसामन्त 100 3<sup>e</sup>  
 निहता युद्धदुर्मेदा 75 23<sup>b</sup>  
 निहताश्च धृपा सर्वे 105 22<sup>e</sup>  
 निहतो दक्षिणापथे 105 11<sup>b</sup>  
 निहतो घृतमण्डले 89 49<sup>d</sup>  
 निहतोऽरिष्टक्षितौ 96 38<sup>d</sup>  
 निहतो घातुदेवेन 96 38<sup>e</sup>  
 निहतौ च निराज्ञौ च 31 114<sup>e</sup>  
 निहतौ दार्ढ्यधन्वना 87 9<sup>d</sup>  
 निहत्य व महाकाय 9 76<sup>e</sup>  
 निहत्य तान्महाबाहु 87 71<sup>e</sup>  
 निहत्य दानवासर्षान् 21 23<sup>e</sup>  
 निहत्य नरक भीम 92 1<sup>e</sup> 97 29<sup>e</sup>  
 निहत्य पुरपथ्याम् 91 5<sup>e</sup>  
 निहत्य मगिरात्न तम् 23 16<sup>e</sup>  
 निहत्य दनमकनच 26 10<sup>e</sup>  
 निहायामुरसत्तमम् 99 28<sup>b</sup>  
 निहन्तु घञ्जशक्वौ 74 23<sup>d</sup>  
 निशब्दस्तिमितस्य वै 81 31<sup>b</sup>  
 निशब्दस्तिमिते तने 75 9<sup>b</sup>  
 निशब्दस्तिमिते तस्मिन् 81 32<sup>e</sup>  
 निशब्दस्य महोदधे 81 31<sup>d</sup>  
 निशब्दे स्तिमिते तस्मिन् 42 13<sup>e</sup>  
 निशेषाणि रणे रणे 109 41<sup>d</sup>

निश्वसन्नम्ममाणश्च 110 63<sup>e</sup>  
 निश्वसन्त मुहुर्मुहु 109 19<sup>d</sup>  
 निश्वसन्तो व्यतिष्ठत् 109 18<sup>e</sup>  
 निश्वस्य सुचिर पुन 109 24<sup>b</sup>  
 निश्वसपरनेरिता 40 13<sup>e</sup>  
 निश्वसाद्भारवर्षिणी 66 26<sup>d</sup>  
 निश्वसन्मग्ना महती 108 51<sup>e</sup>  
 निश्वसन्मग्ना 109 67<sup>d</sup>  
 निश्वस पातयामास 112 80<sup>e</sup>  
 निश्वसता यथा भवेत् 81 36<sup>d</sup>  
 निश्वसत् कृत पन्था 67 12<sup>e</sup>  
 निश्वसार्थं च पश्यामि 115 25<sup>e</sup>  
 निश्वस सद्य वञ्चुभि 117 27<sup>d</sup>  
 निश्वसो क्षुमिन्ने लोके 117 23<sup>e</sup>  
 निश्वसो वृधुर्मुर्धन 61 40<sup>e</sup>  
 निश्वसेति चनाधिप 85 23<sup>d</sup>  
 निश्वसे साश्वसुधरे 75 43<sup>e</sup>  
 निश्वसायवपङ्कजात् 5 5<sup>e</sup> 10 43<sup>e</sup> 117 16<sup>e</sup>  
 नीच नीचेन कर्मणा 73 21<sup>d</sup>  
 नीचा शर्करेश्वरिणि 116 26<sup>b</sup>  
 नीचरथेषु विह्वलेषु 68 3<sup>e</sup>  
 नीच सलिलपोविना 39 2<sup>b</sup>  
 नीच स्वा दिशमाविशत् 37 50<sup>d</sup>  
 नीतिशास्त्रे च पारगम् 89 9<sup>e</sup>  
 नीतेषु च यमक्षयम् 47 28<sup>d</sup>  
 नीतो याम्या दिश रिपु 78 18<sup>e</sup>  
 नीपस्त्रन्दलमालिनी 55 8<sup>e</sup>  
 नीपस्थैकज्ञात् तत् 15 19<sup>e</sup>  
 नीपा इति समाख्याता 15 19<sup>e</sup>  
 नीपा दीपा इवाभास्ति 73 16<sup>e</sup>  
 नीपानन्याश्च पार्थिवान् 15 37<sup>b</sup>  
 नीपानानामृच्छ्रय 15 28<sup>b</sup>  
 नीपाचामीधरो राज्ञा 16 34<sup>e</sup>  
 नीपानां कीर्तिरपचन 15 20<sup>b</sup>  
 नीपातक्रणोऽभक्त् 15 36<sup>d</sup>  
 नीपात्रुनरुद्धभानां 54 33<sup>e</sup>  
 नीपो नाम महाप्राज्ञ 15 35<sup>e</sup>  
 नीयमाने हि तन्नामीत् 93 58<sup>e</sup>  
 नीयसे सचकोविद् 77 56<sup>d</sup>  
 नीराचयिवा सैन्यानि 59 51<sup>e</sup>  
 नीलकुञ्जिनमूर्धेन 87 37<sup>d</sup>  
 नीलचिदाङ्गवर्णेन 55 19<sup>e</sup>  
 नीलपीताम्बरधरा 48 30<sup>e</sup>



नैघनेन चित्ताग्निना 78. 44<sup>d</sup>.  
 नैघनेऽस्मिन्कार्यं लोके 30 53<sup>d</sup>.  
 नेने गुणमगासवान् 9. 18<sup>d</sup>.  
 नेनां द्रष्टुमपीच्छामि 118 21<sup>d</sup>.  
 नैरादयेन कृतो यत्नः 48. 39<sup>d</sup>.  
 नैर्यस्ताम्रायपादयत् 91. 3<sup>d</sup>.  
 नैर्यस्ताश्च यथामुखाः 91. 18<sup>d</sup>.  
 नैर्यस्तो मरको नाम 91. 34<sup>d</sup>.  
 नैव तान् मनः कृपाः 113. 10<sup>d</sup>.  
 नैव दाहनां वनेत् 88 16<sup>d</sup>.  
 नैव धर्मो विलुप्यते 107. 36<sup>d</sup>.  
 नैवमेव प्रवर्तयन् 110. 72<sup>d</sup>.  
 नैव वपरातो भवेत् 65. 71<sup>d</sup>.  
 नैव यस्यैवपातारो 20. 30<sup>d</sup>.  
 नैव शून्या न चाशून्या 117. 31<sup>d</sup>.  
 नैव स्थानमविन्दत 113. 16<sup>d</sup>.  
 नैव स्थानं वृद्धाम्बुध् 58 36<sup>d</sup>.  
 नैर्विधमदं क्षीयं 109 30<sup>d</sup>.  
 नैर्विधेषु वासेषु 107. 25<sup>d</sup>.  
 नैसामन्तर्दधे रूपम् 70 3<sup>d</sup>.  
 नैशाल्य लमसः क्षयम् 34. 24<sup>d</sup>.  
 नैशाक्री शारणी 38 26<sup>d</sup>.  
 नैशाकरो वधिमजाले 70 1<sup>d</sup>.  
 नैशा मयति लोहम् 40. 29<sup>d</sup>.  
 नैरो लमसि रोहिणीम् 48. 6<sup>d</sup>.  
 नैव कल्पविधिर्दृष्टः 11. 19<sup>d</sup>.  
 नैव दृष्टः सतां विधिः 44. 34<sup>d</sup>.  
 नैव धर्मैः सतां मतः 5. 9<sup>d</sup>.  
 नैव मायोऽस्ति पार्थिव 19 1<sup>d</sup>.  
 नैवान्निर्गुणः परिधुतः 24 27<sup>d</sup>.  
 नैवामविदितं किञ्चित् 41. 11<sup>d</sup>.  
 नैरोऽर्थः शययतेऽस्माभिः 107. 61<sup>d</sup>.  
 नैहिनेन विधनेन 78 43<sup>d</sup>.  
 नोत्तरं प्राथम्यत 71. 21<sup>d</sup>.  
 नोत्तरं प्रत्यभापत 65. 98<sup>d</sup>.  
 नोत्तरं विदुषे वचिन् 109. 25<sup>d</sup>.  
 नोत्तरं स्वाभिर 89. 39<sup>d</sup>.  
 नोद्वेजनीया भूतानां 41. 8<sup>d</sup>.  
 नोपद्रुयन्ति योगिनः 118. 37<sup>d</sup>.  
 नोपाप्यायमणस्य ते 115. 30<sup>d</sup>.  
 नोमाच ॥ तत्रा किञ्चित् 89. 45<sup>d</sup>.  
 नौरियामवशिष्टा 41. 18<sup>d</sup>.  
 न्यमोपध मुनामा च 27. 25<sup>d</sup>.

न्यमोपधं पर्यत्ताकरं 55. 22<sup>d</sup>.  
 न्यमोपधं शालिनां वस्त्रम् 58. 9<sup>d</sup>.  
 न्यमोघो योजनोच्छ्रितः 52. 25<sup>d</sup>.  
 न्यहुभिश्च वराहैश्च 92 40<sup>d</sup>.  
 न्यपीडयद्भुजवलयेन संयुगे 110. 73<sup>d</sup>.  
 न्ययोजयत सायकिम् 29 8<sup>d</sup>.  
 न्ययमहानगो सुवि 31 57<sup>d</sup>.  
 न्यवसन्त बहिश्च ते 87. 30<sup>d</sup>.  
 न्यवसं वृजितस्तत्र 101. 6<sup>d</sup>.  
 न्यवसरत् त्वर्षाणि 75. 35<sup>d</sup>.  
 न्यवेदयत कृष्णाय 89. 47<sup>d</sup>.  
 न्यवेदयदन्नेषामा 94. 23<sup>d</sup>.  
 न्यवरीद्वध इयथाम्बुधः 88. 14<sup>d</sup>.  
 न्यवसन्तामोदनस्य च 60 12<sup>d</sup>.  
 न्यस्य पुत्रमुपै र्षि 58. 23<sup>d</sup>.  
 न्यद्वन्तसारधि चाल 87. 65<sup>d</sup>.  
 न्यावकुचात्तत्रुजालाः 65. 12<sup>d</sup>.  
 न्युत्तं पयोधराकाङ्क्षी 50. 6<sup>d</sup>.  
 न्युत्तानि च विमानानि 32. 16<sup>d</sup>.  
 न्युत्ताः कंचिच्च जगिरे 37. 38<sup>d</sup>.

प

पङ्कनेदारपङ्क्तिषु 62 52<sup>d</sup>.  
 पद्याष्टम्यवहारिण 117. 35<sup>d</sup>.  
 पक्षप्रादो भविष्यसि 67. 64<sup>d</sup>.  
 पक्षतुल्यप्रदोरेखो 112. 77<sup>d</sup>.  
 पक्षप्रदापमिहताम् 110 64<sup>d</sup>.  
 पक्षयानेन साधरम् 113. 12<sup>d</sup>.  
 पक्षाभ्यां चास्पत्राभ्यां 34. 44<sup>d</sup>.  
 पक्षाभ्यां पक्षिपुंगवः 62 7<sup>d</sup>.  
 पक्षा नामान्या क्षयाः 104. 20<sup>d</sup>.  
 पक्षिणः प्रियदर्शनाः 92 14<sup>d</sup>.  
 पक्षिणः सन्वदक्षिणाः 49. 12<sup>d</sup>.  
 पक्षिणांमिव सुशुभे 87. 76<sup>d</sup>.  
 पक्षिप्रवरवेगवान् 34. 4<sup>d</sup>.  
 पक्षिभिश्च विराजिन् 33. 4<sup>d</sup>.  
 पक्षिम्याहात्म्यं कुले 70. 1<sup>d</sup>.  
 पङ्कजच्छत्रसूत्रम् 70. 25<sup>d</sup>.  
 पङ्कजं च सुमिर्मलम् 47. 40<sup>d</sup>.  
 पङ्कजानि च पद्मानि 59. 41<sup>d</sup>.  
 पङ्कजानि जलागमे 109. 10<sup>d</sup>.  
 पङ्कजोद्भिच्छवकेना 55 3<sup>d</sup>.  
 पङ्कजं हि तिमिरं 103. 20<sup>d</sup>.  
 पङ्कद्वैतगति यथा 62. 22<sup>d</sup>.

पतिमुपलभते च सत्सु कन्या 118 47<sup>०</sup>.

पतिरुक्तः परा गतिः 77. 14<sup>५</sup>.

पतिलोभेन यं गद्गा 23 76<sup>०</sup>.

पतिवन्धो ममान्धयः 73 34<sup>५</sup>.

पतिव्रतागुणोपेता 88. 36<sup>०</sup>.

पतिव्रता च ज्येष्ठा च 9. 84<sup>०</sup>.

पतिव्रता महाभागा 114. 9<sup>०</sup>.

पतिं यान्ति समुद्रगाः 59 37<sup>०</sup>.

पतीनामपरिव्याज्याः 77 11<sup>०</sup>.

पतीन्सुखान्वयिस्वा 116. 39<sup>०</sup>.

पक्षयश्च सहस्रताः 81 04<sup>५</sup>.

पक्षिनस्तवपरे दृष्ट्याः 33 26<sup>०</sup>.

पक्षिभिर्वैलिंगताम्यैः 81 18<sup>५</sup>.

पक्षिभिः प्रगमैरिव 81. 23<sup>५</sup>.

पत्नी हृष्यत्य भामिनी 88 36<sup>५</sup>.

पत्नी केकयवंधाजा 10 21<sup>५</sup>.

पत्नी तु यादवी तस्य 10 33<sup>०</sup>.

पत्नीरपेक्षं स्वधा भवेत् 99 45<sup>५</sup>.

पत्नी दत्ता महाप्रह्व 13 22<sup>०</sup>.

पत्नी या विश्वमहत्तः 13. 55<sup>०</sup>.

पत्नीशालागताः स्त्रियः 118 20<sup>५</sup>.

पत्नी हिमवतः श्रेष्ठा 13 13<sup>०</sup>.

पत्नीं धर्मण मारियाम् 2 44<sup>५</sup>.

पत्न्यर्थं वरयामास 89 10<sup>०</sup>.

पत्न्या चानुगमो दुःखी 10 32<sup>०</sup>.

पत्न्या, श्रुत्वा पचलदा 19 27<sup>०</sup>.

पत्न्येषा सम पुत्रस्य 99 48<sup>०</sup>.

पत्न्यो लोकनमस्कृताः 100 45<sup>०</sup>.

पत्न्युर्मै रूपमास्थाय 73 21<sup>०</sup>.

पत्नीर्गृह्णीत मेदिनीम् 54 27<sup>०</sup>.

पथि सा सुपुत्रे सुभू 114 8<sup>०</sup>.

पदस्थानानि भारत 16 26<sup>०</sup>.

पदस्थे रक्षसि केनाव 67 63<sup>५</sup>.

पदातयः पदार्थश्च 87. 75<sup>०</sup>.

पदाताश्च पदातिभिः 37. 30<sup>५</sup>. 82 4<sup>५</sup>.

पदातिगणसङ्कलम् 78 22<sup>०</sup>.

पदातिः पुरुषस्याग्र 85. 37<sup>०</sup>.

पदानि यो लोकपदानि इत्या 30 20<sup>०</sup>.

पदा सततं प्रामात 8 19<sup>०</sup>.

पद्मामात्रस्य वसुधां 38 38<sup>०</sup>.

पद्मामुभाम्यां च पुनः 57. 18<sup>०</sup>.

पद्मामुभाम्यां न इयः 67 23<sup>०</sup>.

पद्मामेव सतो गत्या 29. 19<sup>०</sup>.

पद्मयां गत्या हरिण्यामि 29. 18<sup>०</sup>.

पद्मयां सं वैत्यमदमम् 57. 19<sup>५</sup>.

पद्मयां पार्थानिघातांश्च 112. 79<sup>०</sup>.

पद्मयां यस्यैव तिष्ठति 65 61<sup>५</sup>.

पद्मकिञ्चल्कमग्रमे 55 4<sup>५</sup>.

पद्महृतमिति ख्यातं 93. 45<sup>०</sup>.

पद्मनाभ इति स्मृतः 38 18<sup>५</sup>.

पद्मनाभ महायुते 39. 25<sup>५</sup>. 40. 41<sup>५</sup>.

पद्मनाभस्त्रिभुजः 34 34<sup>५</sup>.

पद्मनाभ स्तिवाभ्रार्थं 70 31<sup>०</sup>.

पद्मनाभो महायुतिः 42 24<sup>५</sup>.

पद्मपत्रे पुनर्दुर्गधा 33<sup>०</sup>.

पद्मपोनिगतानुगम् 42 0<sup>५</sup>.

पद्मलोमानुरङ्गितम् 55. 32<sup>५</sup>.

पद्मवन्ति जलानि च 59. 49<sup>५</sup>.

पद्मवर्ण महाभ्रमम् 93. 40<sup>५</sup>.

पद्मपद्मकुलमिश्र 93 11<sup>०</sup>.

पद्माकुलजलोपेता 93 59<sup>५</sup>. 94 4<sup>५</sup>.

पद्मानां वसतीर्दवा 20 17<sup>०</sup>.

पद्मार्थं समवस्थितः 91 20<sup>५</sup>.

पद्म्यात. शोषिता शोषि 67. 63<sup>५</sup>.

पद्म्यातो नवारावरा 118 19<sup>५</sup>.

पद्म्यानां च यद्गुण 92 16<sup>५</sup>.

पद्म्यानां सुवोराणां 118 8<sup>०</sup>.

पद्म्यात धरणीतले 48 3<sup>५</sup>. 57. 20<sup>५</sup>. 66 27<sup>५</sup>.

106 43<sup>५</sup> 110 32<sup>५</sup>.

पद्म्यात पुष्पवर्षे च 24 16<sup>५</sup>.

पद्म्यात भासयस्त्रोक्तम् 20 7<sup>०</sup>.

पद्म्यात भूमौ ज्ञानुभ्यां 74 31<sup>०</sup>.

पद्म्यात मणिहृतम् 75 41<sup>५</sup>.

पद्म्यात मद्गी चोत्का 102 4<sup>०</sup>.

पद्म्यात रुधिराद्वारी 64 21<sup>०</sup>.

पद्म्यात शङ्कुनी सुवि 50 22<sup>५</sup>.

पद्म्यात स महामात्रः 74 38<sup>५</sup>.

पद्म्यातमिमुलस्य 76 7<sup>०</sup>.

पद्म्यातमिमुल धूरः 15 60<sup>०</sup>.

पद्म्यात नेत्रभ्रमरैः 76 13<sup>५</sup>.

पद्म्यात लोचमयं हविः 30 14<sup>५</sup>.

पद्म्यात पानमनुसमम् 48 33<sup>५</sup>. 106 52<sup>५</sup>.

पद्म्यात कुशलं वने 83 55<sup>५</sup>.

पद्म्यात कुशलं वने 83 55<sup>५</sup>.

पद्म्यात कुशलं वने 83 55<sup>५</sup>.

पद्म्यात कुशलं वने 83 55<sup>५</sup>.

परिणामे तु गर्भस्य 47 4°  
 परितुष्ट पितृमह 35 65°  
 परितुष्टोऽस्ति कर्मणा 38 60°  
 परित्यक्त प्रिय सुतम् 10 6°  
 परित्यक्ता स्म शोभन्ते 77 5°  
 परित्यजेतां तौ श्लोक 69 25°  
 परित्यज्य प्रिय जलम् 77 55°  
 परित्राणाय पाणस्य 112 98°  
 परित्रात च गोहृत्स्व 61 1°  
 परित्रात जगद्भवेत् 45 30°  
 परित्राय च तक्षकम् 118 9°  
 परित्राद्दीप्ति चाग्नीत् 101 8°  
 परिदेवति करण 56 28°  
 परिदेवितमात्रेण 78 6°  
 परिधावञ्जितस्त 22 10°  
 परिपाल्या नरेश्वरे 7 47°  
 परिपुत्र्यै केचित् 37 28°  
 परिवर्द्धाश्च पुष्कलाद् 94 28°  
 परिवर्द्धास्त 91 25°  
 परिवर्द्धा शिष्टु ग्रजे 49 3°  
 परिवर्द्धा मा विभो 101 9°  
 परिवर्द्धास्त 83 52°  
 परिवर्द्धास्तद्वाप 36 4°  
 परिवर्द्धास्त 48 20°  
 परिवर्द्धास्त भारत 19 32°  
 परिवर्द्धास्त 49 29°  
 परिवर्द्धास्त 60 29°  
 परिवर्द्धास्त 88 10°  
 परिवर्द्धास्त 92 26°  
 परिवर्द्धास्त 87 43°  
 परिवर्द्धास्त 81 26°  
 परिवर्द्धास्त 59 30°  
 परिवर्द्धास्त 100 10°  
 परिवर्द्धास्त 85 55°  
 परिवर्द्धास्त 52 11°  
 परिवर्द्धास्त 36 59°  
 परिवर्द्धास्त 110 66°  
 परिवर्द्धास्त 91 30°  
 परिवर्द्धास्त 92 56°  
 परिवर्द्धास्त 115 29°  
 परिवर्द्धास्त 115 25°  
 परिवर्द्धास्त 23 109°  
 परिवर्द्धास्त 23 110°

परीत कालधर्मेणा 76 28°  
 परेण सृष्टिर्नामिह 118 23°  
 परेणाधिष्ठित चैव 85 62°  
 परेणोक्ता गुणा नौष्य 66 8°  
 परेणामप्यमवद 69 15°  
 परो धर्मे परो दम 118 32°  
 पर्जन्यतुल्यनिर्घोषे 93 33°  
 पर्जन्यनिर्घोषे 61 19°  
 पर्जन्यस्तपनो व्यक्त 111°  
 पर्जन्यस्त प्रजापते 4 14°  
 पर्जन्य च सप्तर्षि 1 34°  
 पर्जन्य सर्वलोकाणां 59 17°  
 पर्जन्यास्तभिर्मन्त्रिते 112 73°  
 पर्णवाच श्रुतिमुख 52 3° 55 11°  
 पर्णवाचास्तरे वेणु 55 26°  
 पर्णवाचास्तु सप्तर्षि 52 6°  
 पर्णावाचा जल स्तुतम् 27 7°  
 पर्णावाचा सर्वे 59 34°  
 पर्णावाचा हिरण्यवा 74 10°  
 पर्णावाचास्तरे 53 21°  
 पर्णावाचास्तरे 51 27°  
 पर्णावाचा विधवा 31 130°  
 पर्णावाचास्तरे 49 22°  
 पर्णावाचास्तरे 85 16°  
 पर्णावाचास्तरे 25 13°  
 पर्णावाचास्तरे 58 55°  
 पर्णावाचास्तरे 50 16°  
 पर्णावाचास्तरे 97 20°  
 पर्णावाचास्तरे 70 2°  
 पर्णावाचास्तरे 50 11°  
 पर्णावाचास्तरे 61 48°  
 पर्णावाचास्तरे 44 49°  
 पर्णावाचास्तरे 49 20° 52 21°  
 पर्णावाचास्तरे 62 5°  
 पर्णावाचास्तरे 100 58°  
 पर्णावाचास्तरे 86 37°  
 पर्णावाचास्तरे 100 82°  
 पर्णावाचास्तरे 110 18°  
 पर्णावाचास्तरे 78 24°  
 पर्णावाचास्तरे 60 17°  
 पर्णावाचास्तरे 60 28°  
 पर्णावाचास्तरे 112 104°  
 पर्णावाचास्तरे 66 26°

पर्येति मघवान्गात्रम् 34 7<sup>१</sup>  
 पर्येणा चेन्दुयुक्तेन 43 32<sup>२</sup>  
 पर्येतप्रवर शुभ्र 13 14<sup>३</sup>  
 पर्येतप्रवराकृति 68 19<sup>४</sup>  
 पर्येतस्येव दीर्यत 82 17<sup>५</sup>  
 पर्येता इव निष्कम्पा 65 13<sup>६</sup>  
 पर्येता इव पर्येते 35 2<sup>७</sup>  
 पर्येताकारसनिभ 110 4<sup>८</sup>  
 पर्येता धारयति माम् 100 53<sup>९</sup>  
 पर्येताना च विवर 104 4<sup>१०</sup>  
 पर्येताना सहस्र च 97 7<sup>११</sup>  
 पर्येतान्समुपस्थित 100 54<sup>१२</sup>  
 पर्येतामेतु मेघेषु 61 14<sup>१३</sup>  
 पर्येताश्च द्युमार्गं 30<sup>१४</sup>  
 पर्येतास्तस्थुषा वरा 100 56<sup>१५</sup>  
 पर्येतास्तु शिलाशृङ्गे 34 33<sup>१६</sup>  
 पर्येतेषु पतन्तीनाम् 110 71<sup>१७</sup>  
 पर्येतैरिव कामगै 34 6<sup>१८</sup>  
 पर्येतैरुच्छ्रितैरिव 37 41<sup>१९</sup>  
 पर्येतैरेव शतयेत् 107 76<sup>२०</sup>  
 पर्येतै शैलमुल्लयेवा 43 7<sup>२१</sup>  
 पर्येतोद्धमवर्षता 58 32<sup>२२</sup>  
 पर्येतो नातिदूरत 84 27<sup>२३</sup>  
 पर्येतु धावयेद्विद्वान् 25 17<sup>२४</sup>  
 पर्याणि निखिलानि च 115 1<sup>२५</sup>  
 पर्यायश्च महामृधे 112 7<sup>२६</sup>  
 पर्यायनमरोचयन् 25 16<sup>२७</sup>  
 पर्यायापीडधारिणी 52 4<sup>२८</sup>  
 पर्यालोद्गीर्णरक्तेन 54 19<sup>२९</sup>  
 पर्यायलोपद् यथा 74 25<sup>३०</sup>  
 पर्यायार्णितद्रुमाम् 36 23<sup>३१</sup>  
 पर्यायधिकसपात 34 39<sup>३२</sup>  
 पर्यायभोगकारिणम् 55 18<sup>३३</sup>  
 पर्यायम्भोद्धधारिणम् 55 20<sup>३४</sup>  
 पर्यायविद्वनिर्घोष 34 49<sup>३५</sup>  
 पर्यायमितभोजना 23 105<sup>३६</sup>  
 पर्याय परमात्मयान् 39 15<sup>३७</sup>  
 पर्याय परिधीनपि 30 24<sup>३८</sup>  
 पर्यायान्तरितानना 39 24<sup>३९</sup>  
 पर्यायानुर्मेष्टात्प 31 24<sup>४०</sup>  
 पर्याय महाघोरं 67 41<sup>४१</sup>  
 पर्यायच्छयसकाशानु 14 13<sup>४२</sup>  
 पर्यायमिश्र मारवात् 36 35<sup>४३</sup>

पश्चादसृजत क्षिय 2 47<sup>१</sup>  
 पश्चाद्विद्वमोऽजनयत् 26 16<sup>२</sup>  
 पश्चानुतापाज्जायन्त 78 2<sup>३</sup>  
 पश्चिमस्या तथाक्षय 93 15<sup>४</sup>  
 पश्चिमस्या दिशि तथा 4 13<sup>५</sup>  
 पश्चिम कससस्कार 78 42<sup>६</sup>  
 पश्चिमाभ्या पराङ्मुख 57 18<sup>७</sup>  
 पश्चिमा तव वैष्टिकीम् 77 4<sup>८</sup>  
 पश्चिमे तु तत पक्षे 53 33<sup>९</sup>  
 पश्चिमेनाग्निना दीप्ते 68 12<sup>१०</sup>  
 पश्य कृष्ण वनान्कृष्णान् 54 22<sup>११</sup>  
 पश्य कृष्ण जलोद्गमै 54 25<sup>१२</sup>  
 पश्यतामेव गोपाना 56 40<sup>१३</sup>  
 पश्यता वदुसिंहाना 91 40<sup>१४</sup>  
 पश्यता सर्वभूतानाम् 93 65<sup>१५</sup> 112 129<sup>१६</sup>  
 पश्यध्व देवसन्निवत् 86 5<sup>१७</sup>  
 पश्यन्ति सुसमाहिता 13 57<sup>१८</sup>  
 पश्य पुत्र जनेश्वरम् 77 48<sup>१९</sup>  
 पश्य रात्र्यसोवीर्यै 108 94<sup>२०</sup>  
 पश्य वृन्दावन कृष्ण 54 40<sup>२१</sup>  
 पश्यस्व यदि मन्थसे 48 25<sup>२२</sup>  
 पश्यस्व हिमयेष्टितान् 36 12<sup>२३</sup>  
 पश्यस्य चचार इ 39 23<sup>२४</sup>  
 पश्यामि अ रमामि च 70 37<sup>२५</sup>  
 पश्येयमहमुक्तौ 73 4<sup>२६</sup>  
 पश्यचांश्वे नि शेषान् 10 38<sup>२७</sup>  
 पश्यवा शतशस्त्राभ्ये 85 19<sup>२८</sup>  
 पश्यवा समधुपारिण 10 43<sup>२९</sup>  
 पश्यवैः सह सयुद्ध 23 82<sup>३०</sup>  
 पाक्षगासनकल्पस्य 99 19<sup>३१</sup>  
 पाक्षत्रय इति भुत 79 16<sup>३२</sup>  
 पाक्षत्रयवन महत् 93 17<sup>३३</sup>  
 पाक्षत्रयस्य घोषेण 112 32<sup>३४</sup>  
 पाक्षत्रयस्य निर्घोष 91 10<sup>३५</sup> 113 47<sup>३६</sup>  
 पाक्षत्रयस्य निखनम् 113 48<sup>३७</sup>  
 पाक्षत्रयस्वनेन च 97 3<sup>३८</sup>  
 पाक्षत्रयै च माधव 79 20<sup>३९</sup>  
 पाक्षत्रयै महावल 113 21<sup>४०</sup>  
 पाक्षत्रयो वदतिहृत् 105 14<sup>४१</sup>  
 पाञ्चालकण्ठरीकायां 18 19<sup>४२</sup>  
 पाञ्चाल पश्यमन्त्र 18 17<sup>४३</sup>  
 पाञ्चाल इति विमुता 23 94<sup>४४</sup>  
 पाञ्चालाधिपतिर्हृत् 15 33<sup>४५</sup>

पाञ्चालेय च पाणिनीय 43 73<sup>d</sup>  
 पाञ्चाले बह्वचरानामात् 18 18<sup>d</sup>  
 पाण्यन्कन्यचिद्विभक्त 38 52<sup>d</sup>  
 पादविहरा ऋग्देह 48 35<sup>d</sup>  
 पादविहरा तु तत्तम 103 22<sup>d</sup>  
 पादलापुण्यमेक च 13 17<sup>d</sup>  
 पाणिप्रदणमप्रागा 8 83<sup>d</sup> 10 7<sup>d</sup>  
 पाणिनीय धञ्चवधैव 23 69<sup>d</sup>  
 पाणि सेनस्य दक्षिणम् 5 20<sup>d</sup>  
 पाणि सप्तपञ्च पाणिना 31 63<sup>d</sup>  
 पाणौ गृहीते वैदग्ध्यं 109 16<sup>d</sup>  
 पाण्डुरममुद्राधैव 100 8<sup>d</sup>  
 पाण्डव कुतितनन्दन 23 152<sup>d</sup>  
 पाण्डवानक्षत्रान्युधि 62 97<sup>d</sup>  
 पाण्डवानो तु दग्धवानां 29 8<sup>d</sup>  
 पाण्डवानां प्रतिष्ठित 114 16<sup>d</sup>  
 पाण्डवानां महात्मनाम् 114 1<sup>d</sup>  
 पाण्डवा परिरक्षिता 105 16<sup>d</sup>  
 पाण्डवेनापि दुन्दुभ 115 19<sup>d</sup>  
 पाण्डुपाण्डुराद्यैश्च 93 32<sup>d</sup>  
 पाण्डुरक्षीमवातिनी 87 38<sup>d</sup>  
 पाण्डुरं गममास्थित 91 28<sup>d</sup>  
 पाण्डुरं पाण्डुराननम् 70 18<sup>d</sup>  
 पाण्डुर पाणिंर्यम् 93 16<sup>d</sup>  
 पाण्डुरेण मनुजता 113 18<sup>d</sup>  
 पाण्डुरोद्धूतस्य 34 14<sup>d</sup>  
 पाण्डुश्च पुराणश्च 43 50<sup>d</sup>  
 पाण्डोरराम चैव 62 95<sup>d</sup>  
 पाण्डोर्धनञ्जय पुत्र 23 121<sup>d</sup>  
 पाण्डोर्वैसुमतीया 62 91<sup>d</sup>  
 पाण्डायोलङ्कृतिज्ञता 100 9<sup>d</sup>  
 पाण्डवश्च वरलक्ष्म 23 129<sup>d</sup>  
 पाण्डवश्च दुषति धीमान् 83 19<sup>d</sup>  
 पाण्डवश्च यज्ञिनां वर 80 15<sup>d</sup>  
 पाण्डुर पीण्डुं च सरत्वं च 97 18<sup>d</sup>  
 पाण्डवाश्चालाश्च वैरला 23 129<sup>d</sup>  
 पाण्डु मोपपातकम् 6 9<sup>d</sup>  
 पाण्डवस्य परस्परम् 37 26<sup>d</sup>  
 पाण्डवमालयमानि 57 10<sup>d</sup>  
 पाण्डवाश्चक्षराणि 89 35<sup>d</sup>  
 पाण्डवानो गार्ग्य गम्यन् 64 8<sup>d</sup>  
 पाण्डवामान पाणिं 89 33<sup>d</sup>  
 पाण्डवामास भूत 112 46<sup>d</sup>

पातयावो लघुकर्मौ 57 8<sup>d</sup>  
 पातयिवाङ्गुलं सुवि 31 102<sup>d</sup>  
 पातयेयमर्द्धं दूर 10 16<sup>d</sup>  
 पातालमगमनम् 47 11<sup>d</sup>  
 पातालमुपयास्यति 108 23<sup>d</sup>  
 पातालवासमृतस्य 106 25<sup>d</sup>  
 पातालस्थोऽण्ववपत् 30 14<sup>d</sup>  
 पातालं यत्र तेऽमुता 47 23<sup>d</sup>  
 पातितार्था महाशक्त्या 112 47<sup>d</sup>  
 पातितो जीवित विना 65 28<sup>d</sup>  
 पात्यमानैश्च मुद्रैरे 35 5<sup>d</sup>  
 पात्र चार्थं नराधिप 5 34<sup>d</sup>  
 पात्र छन्दासि भारत 6 17<sup>d</sup>  
 पात्र तु शैलमेपासीत् 6 36<sup>d</sup>  
 पात्र पात्यस्य पायन 39 26<sup>d</sup>  
 पात्राणि च पवित्राणि 31 8<sup>d</sup>  
 पात्राणि च सर्वोक्तानि 6 49<sup>d</sup>  
 पात्र्यं च पूर्णं मधुन 47 40<sup>d</sup>  
 पादपा चनशोभिन 59 53<sup>d</sup>  
 पादपाश्च समाक्षिपन् 92 46<sup>d</sup>  
 पाद्वे चाथ वा गिरौ 59 28<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 86 25<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 88 27<sup>d</sup>  
 पाद्वो बनिशोऽन्ववीत् 106 14<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 85 50<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य तेन च 85 50<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 31 88<sup>d</sup>  
 पादाङ्गुलं शक्य 96 33<sup>d</sup>  
 पादात् चाप्यातकम् 84 4<sup>d</sup>  
 पादाङ्गुलं प्रसारयन् 50 8<sup>d</sup>  
 पादं वां गृह्य दूर 48 28<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 85 49<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 28 21<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 28 22<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 75 53<sup>d</sup>  
 पाद्वो ते चाथ मूर्ध्नि 77 34<sup>d</sup>  
 पाद्वो निहतकम् 78 43<sup>d</sup>  
 पादाङ्गुलं मयामृतम् 12 7<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 74 11<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 22 21<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 83 20<sup>d</sup>  
 पाद्वोरक्षट्ठस्य 67 19<sup>d</sup>  
 पापस्यापि तथा मृद 102 16<sup>d</sup>

पापा सा प्रोच्यते भुवि 107 34<sup>d</sup>  
 पापेष्वभिरतस्य च 78 7<sup>d</sup>  
 पापेष्वभिरतो मन 76 20<sup>b</sup>  
 पाप्मानं पुरुषोत्तम 91 51<sup>d</sup>  
 पापवयेय घृतिर्मेम 100 52<sup>d</sup>  
 पापदानं च धर्मवित् 10 27<sup>d</sup>  
 पापदा मुक्तकेशास्तु 10 43<sup>a</sup>  
 पापदाश्च विज्ञा पते 10 44<sup>b</sup>  
 पापदास्तृणा खशा 85 19<sup>b</sup>  
 पापपुत्रं पृथुर्धर्मो 15 21<sup>d</sup>  
 पापमेष्टेन कर्मणा 30 23<sup>b</sup>  
 पापमेष्टेन वाक्येन 100 67<sup>a</sup>  
 पापमेष्टे स्थितं स्थाने 37 59<sup>a</sup>  
 पापपर्यादिहागलम् 100 84<sup>b</sup>  
 पापपर्यादुपगत 100 59<sup>a</sup>  
 पापार्थीयोऽथ जज्ञिषात् 15 18<sup>a</sup>  
 पापार्थेयं दर्शितम् 118 4<sup>d</sup>  
 पारिक्षितस्तु नृपति 115 8<sup>a</sup>  
 पारिक्षितस्य काश्याया 114 2<sup>a</sup>  
 पारिक्षितं ब्रह्मदीनसत्त्वं 115 7<sup>a</sup>  
 पारिजातद्रुमो हृत 97 14<sup>d</sup>  
 पारिजातप्रभाषेन 94 20<sup>a</sup>  
 पारिजातममिन्नजित् 94 23<sup>b</sup>  
 पारिजातस्तु तद्रैव 93 57<sup>a</sup>  
 पारिजातस्य हरणे 109 42<sup>a</sup>  
 पारिजातं महाद्रुमम् 92 63<sup>a</sup> 94 19<sup>d</sup>  
 पारिजातो हृतो बलात् 105 10<sup>b</sup>  
 पारिज्ज्वलितानि च 93 31<sup>d</sup>  
 पारिज्वल्यक्षौमी 55 37<sup>a</sup>  
 पारिज्वल्यक्ष रैम्यक्ष 7 23<sup>a</sup>  
 पारिज्य नाम भगवान् 112 72<sup>a</sup>  
 पारिज्यवसन्तरम् 26 5<sup>d</sup>  
 पारिज्यवसन्तीप्सुभि 8 44<sup>b</sup>  
 पारिज्यर्षमसत्तम 10 21<sup>d</sup>  
 पारिज्यर्षमसत्तमो 10 72<sup>d</sup>  
 पारिज्यं गन्धमाघाय 54 12<sup>a</sup>  
 पारिज्यं देहमाहुस्तु 30 51<sup>a</sup>  
 पारिज्यात्पारिज्यं गता 42 47<sup>d</sup>  
 पारिज्या देवराताश्च 23 89<sup>a</sup>  
 पारिज्यानी कुलेषु 43 10<sup>d</sup>  
 पारिज्याना तपैव च 1 1<sup>d</sup> 4 5<sup>d</sup>  
 पारिज्या ये महीतले 31 147<sup>d</sup>  
 पारिज्याश्च परस्परम् 41 5<sup>b</sup>

पारिज्या पृथिवीक्षित 59 51<sup>d</sup>  
 पारिज्या पृथिवीपते 90 6<sup>a</sup>  
 पारिज्या प्राहुरीश्वरम् 100 25<sup>a</sup>  
 पारिज्या सह वाहने 43 56<sup>d</sup>  
 पारिज्येन यमास्त्रिणा 109 34<sup>b</sup>  
 पारिज्ये भारते वसे 43 14<sup>a</sup>  
 पारिज्ये कर्मणि स्थिताः 81 10<sup>b</sup>  
 पारिज्येषु महात्मसु 89 6<sup>a</sup>  
 पारिज्यैश्च महाभारो 8 44<sup>a</sup>  
 पारिज्यैवप्रपीडिता 41 26<sup>d</sup>  
 पारिज्यो भुवि संप्रतम् 43 50<sup>b</sup>  
 पारिज्यैश्च वामन 81 39<sup>b</sup>  
 पारिज्या सत्कानिनि 107 55<sup>d</sup>  
 पारिज्या षडुवाहणम् 107 43<sup>b</sup>  
 पारिज्या सनिधौ तदा 107 10<sup>d</sup>  
 पारिज्ये मे विहारं स्यात् 3 63<sup>a</sup>  
 पारिज्याभूषणवर्तयत् 29 7<sup>a</sup>  
 पारिज्याप्राहुरा नालि से 109 41<sup>d</sup>  
 पारिज्याप्राहुराभवेव 20 32<sup>a</sup>  
 पारिज्यामक्षिरसलदा 20 31<sup>b</sup>  
 पारिज्या उपासते 91 15<sup>d</sup>  
 पारिज्या क्षमापरा 41 7<sup>b</sup>  
 पारिज्याक्षतुरो वर्णात् 43 39<sup>a</sup>  
 पारिज्यापिनिधं पालत 117 34<sup>d</sup>  
 पारिज्यापिनि कृत्वा च 31 99<sup>a</sup>  
 पारिज्याप्यामं देशिवा 81 47<sup>d</sup>  
 पारिज्या पात्रमाश्रय 8 37<sup>a</sup>  
 पारिज्या च हरिं वैव 26 12<sup>a</sup>  
 पारिज्या चेदिराजेन 81 97<sup>a</sup>  
 पारिज्यो गुरुपुत्रेण 65 39<sup>a</sup>  
 पारिज्याकालिन्सपात 37 58<sup>a</sup>  
 पारिज्याकालेवसा 43 57<sup>d</sup>  
 पारिज्योवैजुना 35 72<sup>d</sup>  
 पारिज्यापि द्विजोत्तम 22 12<sup>a</sup>  
 पारिज्या च वसुधरा 6 38<sup>d</sup>  
 पारिज्यापि दानयान् 36 14<sup>d</sup>  
 पारिज्यापिदहत्या ये 31 79<sup>a</sup>  
 पारिज्या प्रसिता सृष्टे 36 18<sup>b</sup>  
 पारिज्या पदपीडित 76 33<sup>d</sup>  
 पारिज्यापिदहत्या 25 7<sup>d</sup>  
 पारिज्या यथोक्तान् 11 35<sup>a</sup>  
 पारिज्या किं तु बद्धयामि 107 27<sup>a</sup>  
 पारिज्या च विदोपत 107 81<sup>d</sup>

चित्रं चोपद्रासन 65 7<sup>६</sup>  
 चित्रं दीप्तया गिरा 35 51<sup>६</sup>  
 चित्रं पुनरेव हि 18 29<sup>६</sup>  
 चित्रं प्राप्येति चाम् 13 27<sup>६</sup>  
 चित्रं मे जयार्क 38 19<sup>६</sup>  
 चित्रं वसुदेव 69 5<sup>६</sup>  
 चित्रं वासधानुज 95 10<sup>६</sup>  
 चित्रं सोऽग्निमेव च 20 45<sup>६</sup>  
 चित्रं सोऽग्निरीत्य 9 92<sup>६</sup>  
 चित्रं प्रामुदमित हि 66 16<sup>६</sup>  
 चित्रं प्रीणयति तम् 13 68<sup>६</sup>  
 चित्रं सचितामहा 12 39<sup>६</sup>  
 चित्रं सोममव्ययम् 12 38<sup>६</sup>  
 चित्रो द्विषि देवता 11 36<sup>६</sup>  
 चित्रो द्विषि वतन्ते 13 24<sup>६</sup>  
 चित्रो द्विषि विश्रुता 13 41<sup>६</sup>  
 चित्रो धर्मकामस्य 11 10<sup>६</sup>  
 चित्रो बौ न सहाय 12 30<sup>६</sup>  
 चित्रं पुरते मद्य 15 37<sup>६</sup>  
 चित्रं पुरते सर्वे 16 5<sup>६</sup>  
 चित्रा च परितोचित 16 20<sup>६</sup>  
 चित्रा स्य जनैश्च 23 131<sup>६</sup>  
 चित्रा लालमनीचदा 18 27<sup>६</sup>  
 चित्रा ते कृष्ण ससदि 69 22<sup>६</sup>  
 चित्रा ते गृहपञ्च 99 21<sup>६</sup>  
 चित्रा स्येनमथोयाच 9 92<sup>६</sup>  
 चित्रा देवातको रणे 107 24<sup>६</sup>  
 चित्रा परमकोपन 50 10<sup>६</sup>  
 चित्रापि मे परित्यक्त 73 8<sup>६</sup>  
 चित्राप्यस्य वन ययौ 9 94<sup>६</sup>  
 चित्रामहपुरोगमा 40 16<sup>६</sup>  
 चित्रामहप्रसादेन 8 74<sup>६</sup>  
 चित्रामहमयामुत्र 21 13<sup>६</sup> 43 1<sup>६</sup>  
 चित्रामहमुपस्थिता 31 48<sup>६</sup>  
 चित्रामहमुपागच्छन् 12 28<sup>६</sup>  
 चित्रामहं भगवा 5 26<sup>६</sup>  
 चित्रामहस्य मे राजन् 15 10<sup>६</sup>  
 चित्रामह पारुषात् 115 10<sup>६</sup>  
 चित्रा सर्गान्विष्यति 47 21<sup>६</sup>  
 चित्रा सोमस्य मे राजन् 20 1<sup>६</sup>  
 चित्ररामोऽमहात्मन 10 10<sup>६</sup>  
 चित्रनिषोपादपस्य 10 3<sup>६</sup>  
 चित्रश्च चित्रं तथा 11 12<sup>६</sup>

चित्रश्चापरितोषेण 10 17<sup>६</sup>  
 चित्रस्ते भगिनीसुत 62 84<sup>६</sup>  
 चित्रस्ते वासुदेवस्य 99 19<sup>६</sup>  
 चित्रं पितृमह चैव 11 12<sup>६</sup>  
 चित्रं पूरु प्रतापगान् 22 33<sup>६</sup>  
 चित्रं पूर्वं वृद्धस्यते 20 31<sup>६</sup>  
 चित्रं समीपगा सा तु 8 14<sup>६</sup>  
 चित्रकन्या मनीषिणा 18 6<sup>६</sup>  
 चित्रकार्यं विनिष्यते 13 69<sup>६</sup>  
 चित्रकृत्यानि देवानि 116 20<sup>६</sup>  
 चित्रतुल्येन शसन्ति 67 2<sup>६</sup>  
 चित्रपक्षेण पुत्रिणाम् 49 5<sup>६</sup>  
 चित्रपत्न्या दास्यामि 17 9<sup>६</sup>  
 चित्रमलोऽसि विप्रै 13 71<sup>६</sup>  
 चित्रमक्षयैव स्य च 12 3<sup>६</sup>  
 चित्रभिर्दानवैश्च 2 25<sup>६</sup>  
 चित्रं भूयते चापि 11 30<sup>६</sup>  
 चित्रस्य उपरूपताम् 17 10<sup>६</sup>  
 चित्रस्य कल्पयित्वैव 16 12<sup>६</sup>  
 चित्रराजस्य दक्षिणम् 34 18<sup>६</sup>  
 चित्रवर्तंति चित्रवत् 15 3<sup>६</sup>  
 चित्रवर्तं तु वस्तेषा 16 9<sup>६</sup>  
 चित्रवर्तंति कर्णे वै 62 94<sup>६</sup>  
 चित्रवर्तंति जातस्ते 62 70<sup>६</sup>  
 चित्रवत्स कृतो यत्न 48 38<sup>६</sup>  
 चित्रवत्सुर्मे भर्ता च 65 77<sup>६</sup>  
 चित्रवत्सु प्रियार्थे च 87 29<sup>६</sup>  
 चित्रवत्सु सुवै सुख्यौ 65 86<sup>६</sup>  
 चित्रवत्सु वै सया 11 7<sup>६</sup>  
 चित्राणां दिवसै 11 1<sup>६</sup>  
 चित्राणां दिवसै 13 65<sup>६</sup>  
 चित्राणां धिपत्य 11 42<sup>६</sup>  
 चित्रा कारण भ्रात्रे 11 35<sup>६</sup>  
 चित्रा सर्गमुत्तमम् 11 4<sup>६</sup>, 5<sup>६</sup>  
 चित्रमस्य धर्मै 16 11<sup>६</sup>, 16<sup>६</sup>  
 चित्रतुल्यं साध्विनाम् 16 10<sup>६</sup>  
 चित्रतुल्यं नियोजयति 116 37<sup>६</sup>  
 चित्रप्रीणाति यो भक्त्या 13 68<sup>६</sup>  
 चित्रस्त्रान्सप्रसादयत् 13 34<sup>६</sup>  
 चित्रेव मुनिपुत्रम् 8 9<sup>६</sup>  
 चित्रमग्निं स्थितस्येव 30 45<sup>६</sup>  
 चित्रवर्गं च शोणितम् 30 43<sup>६</sup>  
 चित्रा तु तं रुद्रा राक्षस 10 6<sup>६</sup>

पित्रा ते मृदितो रणे 107 26<sup>२</sup>  
 पित्रा त्यक्तं न्यवारयन् 10 12<sup>२</sup>  
 पित्रा त्यक्तोऽवसदीर 9 94<sup>२</sup>  
 पित्रा निर्भर्त्सिता शुभा 8 14<sup>२</sup>  
 पित्रापरञ्जितास्तस्य ६ 29<sup>२</sup>  
 पित्रा मम पुरा गीत 11 16<sup>२</sup>  
 पित्र्य प्राप्य महाश्रुति 15 62<sup>२</sup>  
 पिनाकरपरिषाधुधम् 110 44<sup>२</sup>  
 पिनाकिन ससुहृद्व्य 96 53<sup>२</sup>  
 पिपीलिकुरुतस्तत्ताम् 19 25<sup>२</sup>  
 पिपीलिकाना चण्डाना 85 32<sup>२</sup>  
 पिबन्त मधु माध्वीक 108 3<sup>२</sup>  
 पिबन्त स्नानमाह्वय 50 15<sup>२</sup>  
 पिबन्ति नयनाक्षेपे 63 19<sup>२</sup>  
 पिबन्ति रतिलाहसा 63 32<sup>२</sup>  
 पिबन्तो मधुमाध्वीक 113 68<sup>२</sup>  
 पिबन्त्यनृषा वनिता 63 31<sup>२</sup>  
 पिबन्त्यो नयनासवम् 99 32<sup>२</sup>  
 पिबन्ति तदाकाश 112 15<sup>२</sup>  
 पिबन्त्यारिमय हवि 35 59<sup>२</sup>  
 विशितामिपकाङ्क्षिषु 68 3<sup>२</sup>  
 पिबुन कविरव च 16 4<sup>२</sup>  
 पीठं तथा महागुह 97 24<sup>२</sup>  
 पीठेषु जनाधिपा 100 14<sup>२</sup>  
 पीडयाप्यध धर्मस्य 16 2<sup>२</sup>  
 पीडितस्य बलीयसा 76 4<sup>२</sup>  
 पीडितो दानवो पुधि 44 49<sup>२</sup>  
 पीड्यते वधुधातलम् 41 17<sup>२</sup>  
 पीड्यन्ता घृष्टिमाहते 61 4<sup>२</sup>  
 पीड्यमाना नराधिपे 41 18<sup>२</sup>  
 पीडशर्करवालुका 93 63<sup>२</sup>  
 पीडश्वेतानुलेपनौ 52 2<sup>२</sup> 71 48<sup>२</sup>  
 पीताम्बरधर विष्णु 70 26<sup>२</sup>  
 पीतेनोत्तरवाससा 47 41<sup>२</sup>  
 पीते प्रीतिकरे दृणा 55 4<sup>२</sup>  
 पीते वसानो वसते 42 4<sup>२</sup> 68 24<sup>२</sup>  
 पीनश्रोणिपयोधरे 80 3<sup>२</sup>  
 पीनोरुचयलानी 87 36<sup>२</sup>  
 पीवरी नाम विधुता 13 44<sup>२</sup>  
 पीयर्षो जनसिंघति 13 46<sup>२</sup>  
 पुटके पुटके मधु 5 31<sup>२</sup>  
 पुण्डरीकनिमेषणे 75 37<sup>२</sup>  
 पुण्डरीकपहनाक्षे 66 35<sup>२</sup>

पुण्डरीकशतैर्दुष्ट 93 58<sup>२</sup>  
 पुण्ड कलिह्वय तथा 23 29<sup>२</sup>  
 पुण्यकर्मभिराहवे 106 63<sup>२</sup>  
 पुण्यकृद्भिरलकृतम् 30 4<sup>२</sup>  
 पुण्यकृद्भिर्निषेवितम् 23 108<sup>२</sup>  
 पुण्यगन्धमनुत्तमम् 92 64<sup>२</sup>  
 पुण्य च रमणीय च 23 108<sup>२</sup>  
 पुण्य सकल्पसाधकम् 20 48<sup>२</sup>  
 पुण्या त्रिपथगा नदी 46 10<sup>२</sup>  
 पुण्यान्देवगुणैर्युता 31 13<sup>२</sup>  
 पुण्यापणवती दुर्गा 44 58<sup>२</sup>  
 पुण्याहोरोर्षैर्विपुले 86 3<sup>२</sup>  
 पुण्या पापप्रणाशिनीम् 1 15<sup>२</sup>  
 पुण्येऽहनि महाराज 86 12<sup>२</sup>  
 पुत्र इत्येव वदयति 45 44<sup>२</sup>  
 पुत्र एको हि मे जात 79 11<sup>२</sup>  
 पुत्रका हति वै ययन् 12 34<sup>२</sup>  
 पुत्रकिस्विपसङ्कित 78 16<sup>२</sup>  
 पुत्र हत्यान्तरेण वै 22 21<sup>२</sup>  
 पुत्रगर्मास्तवया विभो 48 25<sup>२</sup>  
 पुत्रजन्म भवेन्नर 112 120<sup>२</sup>  
 पुत्रतो घनतोऽपि वा 47 52<sup>२</sup>  
 पुत्रस्व प्राप्य योगेन 18 10<sup>२</sup>  
 पुत्रत्वे कल्पयामास 3 96<sup>२</sup>  
 पुत्रनाश धनक्षयम् 47 85<sup>२</sup>  
 पुत्र निर्वातत कोप 78 18<sup>२</sup>  
 पुत्रपौत्रनरान्नितः 113 19<sup>२</sup>  
 पुत्रप्रमवन्न देवान् 85 12<sup>२</sup>  
 पुत्रमग्निः प्रजापति 2 7<sup>२</sup>  
 पुत्रमन्य वृणीय वै 22 25<sup>२</sup>  
 पुत्रमारमतनूदम् 35 46<sup>२</sup>  
 पुत्रमारमतसम तदा १६<sup>२</sup>  
 पुत्रमानय जीवन्ते 51 24<sup>२</sup>  
 पुत्रमिन्द्रजम्बू दत्त 79 10<sup>२</sup>  
 पुत्रमिन्द्रवधार्थाय 3 99<sup>२</sup>  
 पुत्रमिन्द्रसम प्रभु 23 83<sup>२</sup>  
 पुत्रयोगेन सयोग्य 69 18<sup>२</sup>  
 पुत्रयास्तत्र पश्यत 65 75<sup>२</sup>  
 पुत्ररत्न देवकि 48 43<sup>२</sup>  
 पुत्ररत्नाल्पमाना वै 96 13<sup>२</sup>  
 पुत्रवारयेन तेन वै 12 23<sup>२</sup>  
 पुत्र पश्यते पुन 77 42<sup>२</sup>  
 पुत्रोद्धारमिसल 78 1<sup>२</sup>



पुत्ररोकेन सुप्यन्ती 69 9<sup>०</sup>  
 पुत्रश्च भीष्मकस्यापि 80 11<sup>०</sup>  
 पुत्रश्चापघरं प्रभु 99 43<sup>०</sup>  
 पुत्रश्चापि प्रसेनजित् ७ 81<sup>०</sup>  
 पुत्रसक्रामितश्रीस्तु ७ 50<sup>०</sup>  
 पुत्रस्तस्य महायशः 15 15<sup>०</sup>  
 पुत्रस्तव वासुदेवस्य 99 17<sup>०</sup>  
 पुत्रस्य सुखमीक्षन्ती 77 52<sup>०</sup>  
 पुत्रस्य मे भय भीरु 50 27<sup>०</sup>  
 पुत्रस्योपति लावेतौ 51 22<sup>०</sup>  
 पुत्र कपमिम दृष्ट्वा 56 23<sup>०</sup>  
 पुत्र च पाण्डुराजस्य 87 5<sup>०</sup>  
 पुत्र धर्मविदो जना 68 20<sup>०</sup>  
 पुत्र पुत्रमिगारमजम् 99 7<sup>०</sup>  
 पुत्र वै रात्रिपुत्रिका 20 44<sup>०</sup>  
 पुत्र शङ्खपद नाम 4 12<sup>०</sup>  
 पुत्र समभिरीक्षन्ती 77 40<sup>०</sup>  
 पुत्र ससुद च विभु 10 51<sup>०</sup>  
 पुत्र सर्वगुणोपेत 27 11<sup>०</sup>  
 पुत्र सादीपनेच्छया 97 27<sup>०</sup>  
 पुत्र स्वस्थोऽप्यधीस्तु 50 15<sup>०</sup>  
 पुत्र कन्या मुक्त्या च 9 22<sup>०</sup>  
 पुत्र कर्मभिरभिवृत्त 26 3<sup>०</sup>  
 पुत्र पद्मायतेक्षण 31 110<sup>०</sup>  
 पुत्र परमधार्मिक 10 67<sup>०</sup> 18 4<sup>०</sup>  
 पुत्र सर्वगुणोपेत 27 6<sup>०</sup>  
 पुत्र सादीपनेनेति 79 13<sup>०</sup>  
 पुत्राणाममितीतज्ञाम् 15 19<sup>०</sup>  
 पुत्राणां च सहस्राणि 10 53<sup>०</sup>  
 पुत्राणां चाक्षयाह्लोकाद् 9 77<sup>०</sup>  
 पुत्राणां नाहुपस्तवा 22 18<sup>०</sup>  
 पुत्राणां हि तयो राज्ञोः 43 53<sup>०</sup>  
 पुत्रानपुत्रो हनते सुवर्चसं 118 46<sup>०</sup>  
 पुत्रानमितविप्रमान् 73 27<sup>०</sup>  
 पुत्रानुत्पादयामास 2 46<sup>०</sup> 23 28<sup>०</sup>  
 पुत्रान्नुद्विषीकम् 12 32<sup>०</sup>  
 पुत्रान्दश प्रजापति 3 23<sup>०</sup>  
 पुत्रान्दश महारथान् 88 37<sup>०</sup>  
 पुत्रान्दश पुन प्रभो 103 28<sup>०</sup>  
 पुत्रान्देवगणास्तथा 7 6<sup>०</sup>  
 पुत्रान्पद्मच्युतातेरन् 12 25<sup>०</sup>  
 पुत्रान्तिषाञ्जनादनं 103 27<sup>०</sup>  
 पुत्राभ्यां शुभेऽधिकम् 96 10<sup>०</sup>

पुत्रार्थाश्चैव पुत्रकलान् 18 28<sup>०</sup>  
 पुत्रार्थे ह्यपद कथा 66 16<sup>०</sup>  
 पुत्रा वै कालनेमिन 47 12<sup>०</sup>  
 पुत्रा वै न न तत्समा 9 1<sup>०</sup>  
 पुत्राश्च पितरश्चैव 12 40<sup>०</sup>  
 पुत्रास्तस्य महायशः 87 10<sup>०</sup>  
 पुत्राश्च परिपृच्छन् 12 24<sup>०</sup>  
 पुत्रा पञ्चशत स्मृता ७ 40<sup>०</sup>  
 पुत्रा परमधर्मज्ञा 15 21<sup>०</sup>  
 पुत्रा पौत्राश्च भारत 7 19<sup>०</sup>  
 पुत्रा सप्त महारथान् 20 44<sup>०</sup>  
 पुत्रा सेनचित्तश्चातन् 15 17<sup>०</sup>  
 पुत्रिकाश्च दश विप्र 23 7<sup>०</sup>  
 पुत्रिकासु सनामकात् 23 13<sup>०</sup>  
 पुत्रस्य परमारमनि 20 11<sup>०</sup>  
 पुत्रद धार्यता तेज 35 53<sup>०</sup>  
 पुत्रेच्छेतेषु भारत 9 3<sup>०</sup>  
 पुत्रैरुदितस्तनीम् 69 8<sup>०</sup>  
 पुत्रैरुक्ताश्च ते तदा 12 17<sup>०</sup>  
 पुत्रैः सकर्पणेन च 89 13<sup>०</sup>  
 पुत्रोऽपि समपद्यत 35 49<sup>०</sup>  
 पुत्रो जणे विद्वद्य 23 111<sup>०</sup>  
 पुत्रोऽशुद्रस्य राजपि 15 24<sup>०</sup>  
 पुत्रो दत्तयोऽभयम् 23 36<sup>०</sup>  
 पुत्रो दिविरयस्यासीन् 23 34<sup>०</sup>  
 पुत्रो दीर्घतमास्तथा 23 55<sup>०</sup>  
 पुत्रो नवरथस्तथा 26 23<sup>०</sup>  
 पुत्रो मे हियते विभो 101 11<sup>०</sup>  
 पुत्रो राज्ञमहामुनि 23 51<sup>०</sup>  
 पुत्रो राजा धनून् ह 10 63<sup>०</sup>  
 पुत्रो विप्रजितश्चापि 15 16<sup>०</sup>  
 पुत्रो सुरसुतोपमो 96 44<sup>०</sup>  
 पुत्र्या विदर्भ सुभगा 26 18<sup>०</sup>  
 पुनरन्याश्चतु पष्ट्या 88 17<sup>०</sup>  
 पुनराप्याययन्ति वै 11 37<sup>०</sup>  
 पुनरायाज्जगत्पति 79 20<sup>०</sup>  
 पुनरायन्महीवत्य् 86 71<sup>०</sup>  
 पुनरावृत्तिदुर्लभम् 13 10<sup>०</sup>  
 पुनरासीच्छरीरवान् 79 18<sup>०</sup>  
 पुनराह जनादेन 101 16<sup>०</sup>  
 पुनरेव जनादेनम् 103 8<sup>०</sup>  
 पुनरेव महाराज्ञो 101 1<sup>०</sup>  
 पुनरेव रराज ह 64 23<sup>०</sup>

पुनरेव हलायुध 82 22<sup>d</sup>  
 पुनरेवायवोद्वच 21 24<sup>d</sup> 65 47<sup>d</sup>  
 पुनर्गतोऽयमित्याहु 96 32<sup>d</sup>  
 पुनर्दुग्धा वसुधरा 16<sup>d</sup>, 20<sup>d</sup>, 25<sup>d</sup>, 28<sup>d</sup>, 30<sup>d</sup>  
 पुनर्दुग्धा श्रिया वृतम् 68 18<sup>d</sup>  
 पुनर्देवी वसुधरा 35<sup>d</sup>  
 पुनर्देव्याम हस्तयुक्त्वा 118 5<sup>d</sup>  
 पुनर्द्वारवतीमेत्य 28 27<sup>d</sup>  
 पुनर्द्वारवतीं प्राप्ते 29 33<sup>d</sup>  
 पुनर्भस्मा प्राद्वक्त 108 45<sup>d</sup>  
 पुनर्भुगसहस्राभ्यते 13 9<sup>d</sup>  
 पुनर्भस्मे महातपा 2 51<sup>d</sup>  
 पुनर्लोकानवाप्स्यसि 13 38<sup>d</sup>  
 पुनर्विव्याध केशव 88 26<sup>d</sup>  
 पुनश्चक्र स जग्राह 112 48<sup>d</sup>  
 पुनश्चरणमभ्यगा 74 28<sup>d</sup>  
 पुनश्च स्खलते भृशम् 111 4<sup>d</sup>  
 पुनश्चिच्छेद त चापं 88 22<sup>d</sup>  
 पुनश्चैव निरुध्यन्ते 2 54<sup>d</sup>  
 पुनस्तेन महात्मना 105 9<sup>d</sup>  
 पुन कृष्णोऽभ्यभाषत 109 54<sup>d</sup>  
 पुन पुनरथायवोन् 3 107<sup>d</sup>  
 पुन पुनश्च स बली 67 30<sup>d</sup>  
 पुन पेशुरवाञ्छुला 61 41<sup>d</sup>  
 पुन प्रतिजगामाहु 83 51<sup>d</sup>  
 पुन प्रयानयित्वा 108 28<sup>d</sup>  
 पुन प्रत्याहरिष्यति 115 40<sup>d</sup>  
 पुन प्राप्स्यसि दुर्लभाद् 13 35<sup>d</sup>  
 पुन स परिष घोरा 108 41<sup>d</sup>  
 पुन सञ्चारयामास 112 75<sup>d</sup>  
 पुन सागर सागरीम् 43 45<sup>d</sup>  
 पुष्पाग्नौ नरकात्तदा 5 24<sup>d</sup>  
 पुष्पाग्नौ नरकात्पुत्र 66 20<sup>d</sup>  
 पुष्टुवे गोपसूनुना 58 19<sup>d</sup>  
 पुरपत्तनमालिनी 41<sup>d</sup>  
 पुरमन्त पुर तथा 77 58<sup>d</sup>  
 पुरमासादयामास 91 53<sup>d</sup>  
 पुरमेतद्विपुलितम् 90 14<sup>d</sup>  
 पुरलक्षणसपञ्च 8+ 25<sup>d</sup>  
 पुरवास्तु विचिन्वन्स 84 24<sup>d</sup>  
 पुरस्त्वय ननादंनम् 81 1<sup>d</sup>  
 पुरस्त्वय पुरदारम् 38 63<sup>d</sup>  
 पुरस्त्वय महामतिम् 25 15<sup>d</sup>

पुरस्कृत्य वसुधराम् 41 32<sup>d</sup>  
 पुरस्कृत्य हलायुधम् 88 29<sup>d</sup>  
 पुरस्कृत्योपप्रसेन वै 78 47<sup>d</sup>  
 पुरस्य स महाबल 90 11<sup>d</sup>  
 पुरजयसुतोऽभवत् 23 17<sup>d</sup>  
 पुरदरपुरोगमै 6 18<sup>d</sup>  
 पुरदरो दिव याव 113 70<sup>d</sup>  
 पुर दुर्योधनो नृप 90 12<sup>d</sup>  
 पुर पुरस्कृत्य यथा 61 51<sup>d</sup>  
 पुर प्रविशिर्गुह्ये 107 18<sup>d</sup>  
 पुर प्राग्ज्योतिषं गत्वा 105 9<sup>d</sup>  
 पुर प्राग्ज्योतिषं प्रति 96 1<sup>d</sup> 97 22<sup>d</sup>  
 पुरा कमलनामस्य 31 19<sup>d</sup>  
 पुराकल्पे प्रजापतीन् 32 7<sup>d</sup>  
 पुराकल्पे हि बाणेन 3 63<sup>d</sup>  
 पुरा कृत्वयुगे राजन् 31 32<sup>d</sup>  
 पुरा ज्येष्ठक्रमादहम् 62 82<sup>d</sup>  
 पुराणदेवोऽथ पुराणि चक्रे 31 16<sup>d</sup>  
 पुराणप्रभवैर्गुणै 43 16<sup>d</sup>  
 पुराणमेतच्छरित महात्मनाम् 118 49<sup>d</sup>  
 पुराणस्य महात्मन 101 2<sup>d</sup>  
 पुराण कथ्यते यत्र 111 20<sup>d</sup>  
 पुराण तत्र विन्यस्य 45 49<sup>d</sup>  
 पुराण त पुराणेषु 40 19<sup>d</sup>  
 पुराण वतंते यत्र 31 150<sup>d</sup>  
 पुराण शृङ्गया गिरा 1 4<sup>d</sup>  
 पुराणे कीर्तितास्ताव 7 19<sup>d</sup>  
 पुराणे भागराजोऽसी 90 4<sup>d</sup>  
 पुराणे निश्चय यथा 1 30<sup>d</sup>  
 पुराणे परिनिहितम् 4 18<sup>d</sup>  
 पुराणे भरतर्षभ 10 78<sup>d</sup>  
 पुराणोऽथ हि गीयते 68 34<sup>d</sup>  
 पुरातनानां देवाना 58 37<sup>d</sup>  
 पुरा तपिपुर्वा प्रजा 65 38<sup>d</sup>  
 पुरा त्रैविक्त्रमे यथा 45 39<sup>d</sup>  
 पुरा देवामुरे युव 85 40<sup>d</sup>  
 पुरा धर्पितवास्तु स 31 65<sup>d</sup>  
 पुरान्तधानमहावम् 6 28<sup>d</sup>  
 पुरा परमतेजसम् 35 25<sup>d</sup>  
 पुरा पुरंदरो राजा 68 32<sup>d</sup>  
 पुरा ब्रह्मर्षिं चक्र 35 23<sup>d</sup>  
 पुरा लोकापितामहम् 47 13<sup>d</sup>  
 पुरा स्वर्गगतो यथा 55 23<sup>d</sup>

पुराहं द्वारकां यात 101 6<sup>a</sup>  
 पुरा हि कश्यपो विष्णो 45 20<sup>a</sup>  
 पुरी चासितुङ्गस्थली २ 23<sup>a</sup>  
 पुरी सिय जनस्यास्य 86 3<sup>a</sup>  
 पुरी द्वारवती तदा 86 44<sup>a</sup>  
 पुरी द्वारवती त्वया 93 5<sup>a</sup>  
 पुरीभूमिषु पार्थिवा 81 37<sup>a</sup>  
 पुरीयं मामकं सङ्घम् 86 37<sup>a</sup>  
 पुरीतोष प्रवर्यताम् 81 36<sup>a</sup>  
 पुरी समन्विते 79 27<sup>a</sup>  
 पुरी सा धै मियकरी 88 19<sup>a</sup>  
 पुरी स्यात्पुरुषोत्तम 86 34<sup>a</sup>  
 पुरीं सा सुप्रमानसम् 79 1<sup>a</sup>  
 पुरीं द्वारवतीं चैव 100 6<sup>a</sup>  
 पुरीं द्वारवतीं ययौ 84 35<sup>a</sup>  
 पुरीं निर्वाद्या इत्वा 73 7<sup>a</sup>  
 पुरीं निवेशयिष्यामि 84 7<sup>a</sup>  
 पुरीं परमधर्मवित् 44 52<sup>a</sup>  
 पुरीं प्रविशिशुद्धैः 82 25<sup>a</sup>  
 पुरीं प्राप्तं जनादने 79 35<sup>a</sup>  
 पुरीं प्राप्य सयान्धवा 84 34<sup>a</sup>  
 पुरीं वाराणसीं रूप 23 58<sup>a</sup>, 65<sup>a</sup>  
 पुरीं शङ्खपुरीमिव 86 53<sup>a</sup>  
 पुरीं सख्यपयिष्यति 86 20<sup>a</sup>  
 पुरीं स्या प्रमदायिव 86 74<sup>a</sup>  
 पुरुरससुतस्वामीन् ॥ 86<sup>a</sup>  
 पुरुरस्तस्य वा पार्वी 13 63<sup>a</sup>  
 पुरुरस्त च धर्मज्ञ 9 85<sup>a</sup>  
 पुरुराति सुशास्त्रेस्तु 23 95<sup>a</sup>  
 पुरुरायापुरयोत्तम 26 26<sup>a</sup>  
 पुरुरमित्रस्य दापाद् 15 16<sup>a</sup>  
 पुरुरमीडश्च वीर्यदात् 23 75<sup>a</sup>  
 पुरुरस्याल्पमेधस 78 8<sup>a</sup>  
 पुरुर त मनु विद्धि 1 38<sup>a</sup>  
 पुरुर प्रत्यपद्यत ॥ 3<sup>a</sup>  
 पुरुरादायचोपमम् 57 11<sup>a</sup>  
 पुरुरान्तरित धुरवा 17 11<sup>a</sup>  
 पुरुरान्तरायान्धहृत् 76 18<sup>a</sup>  
 पुरुरान्य यद्ब्रूयात् 116 23<sup>a</sup>  
 पुरुराश्च प्रमुखास्तु 116 39<sup>a</sup>  
 पुरुरा कृष्णनासनात् 95 13<sup>a</sup>  
 पुरुरेद् भवानिह 109 20<sup>a</sup>  
 पुरुर्यासकारिभि 28 19<sup>a</sup>

पुरुरो मगुरुर्यते 2 4<sup>a</sup>  
 पुरुरो गृष्टकुण्डल 95 8<sup>a</sup>  
 पुरुरो वै मनोज्ञ 110 22<sup>a</sup>  
 पुरुरुतस्तु पुरत 34 3<sup>a</sup>  
 पुरुरुतस्य खाण्डवम् 105 16<sup>a</sup>  
 पुरुरुतस्य तेजसा 35 14<sup>a</sup>  
 पुरुरुत पुरदर 59 7<sup>a</sup> 62 3<sup>a</sup>  
 पुरे गोमहिपासया 93 66<sup>a</sup>  
 पुरे पुरे नरपति 41 21<sup>a</sup>  
 पुरे वारणसाह्वये 100 5<sup>a</sup> 114 4<sup>a</sup>  
 पुरेऽसिद्धिनि केशव 85 29<sup>a</sup>  
 पुरोदास विधत्स्व मे 21 30<sup>a</sup>  
 पुर्यं विनिवेशिता 84 30<sup>a</sup>  
 पुर्या यदुक्तस्य च 86 30<sup>a</sup>  
 पुर्या वैधव्यशसीनि 66 24<sup>a</sup>  
 पुर्या सखा तु रम्याया 93 67<sup>a</sup>  
 पुर्या क्षिप्र निरेकार्य 86 18<sup>a</sup>  
 पुर्या सद्यश्च वास्तु तत् 86 39<sup>a</sup>  
 पुरस्तस्य वसिष्ठश्च 7 7<sup>a</sup>  
 पुरस्तस्य प्रजापते 13 43<sup>a</sup>  
 पुरस्तस्य पुलहं कतुम् 1 29<sup>a</sup>  
 पुरस्तयोऽस्तिस्वाक्षिरा 12 14<sup>a</sup>  
 पुरित्वधोणिमण्डलात् 85 33<sup>a</sup>  
 पुरित्वधोणिमण्डला 59 37<sup>a</sup>  
 पुरोमा कालका चैव 3 72<sup>a</sup>  
 पुरोन्नस्तु सची सुवा 3 71<sup>a</sup>  
 पुष्कर पुष्करश्चैव 31 71<sup>a</sup>  
 पुष्करिभ्यस्तद्भागानि 59 40<sup>a</sup>  
 पुष्करिभ्य सरासि च 93 59<sup>a</sup>  
 पुष्करे यज्ञ सभूवा 31 19<sup>a</sup>  
 पुष्टिकामस्य पुष्टि च 11 10<sup>a</sup>  
 पुष्टिकामेन धर्मज्ञ 11 8<sup>a</sup>  
 पुष्पकण्ठकधारिण 73 16<sup>a</sup>  
 पुष्पक च महद्भनम् 93 18<sup>a</sup>  
 पुष्पदन्त तथैव च 86 17<sup>a</sup>  
 पुष्पमुखावच भूमौ 61 39<sup>a</sup>  
 पुष्पवर्ष पपात ह 91 26<sup>a</sup>  
 पुष्पवर्षश्च सर्वज्ञ 113 60<sup>a</sup>  
 पुष्पवृष्टिसमप्रभं 93 33<sup>a</sup>  
 पुष्पाङ्गुलजलोपेता 93 64<sup>a</sup>  
 पुष्पाणि च फलानि च 83 21<sup>a</sup>  
 पुष्पिताभ्या यया गजा 37 23<sup>a</sup>  
 पुष्पश्च विविधं शुभे 96 19<sup>a</sup>

पृथिव्या पार्थिवारमकम् 43 46<sup>a</sup>  
 पृथिव्या सारमव्ययम् B3 52<sup>a</sup>  
 पृथिव्युपरि मानुषा 62 24<sup>a</sup>  
 पृथुकाश्च दिवौकसः 7 28<sup>b</sup>  
 पृथुकीर्तिं पृथा चैव 24 19<sup>a</sup>  
 पृथुकीर्त्या तु सज्जे 24 21<sup>a</sup>  
 पृथुचार्यायतेक्षणा 87 36<sup>a</sup>  
 पृथुना प्रविभक्ता च 6 41<sup>a</sup>  
 पृथुपुत्रो तु धर्मशौ 3 27<sup>a</sup>  
 पृथुभि पञ्चभिर्धैरै 56 6<sup>a</sup>  
 पृथुरानेनस स्मृत 9 44<sup>a</sup>  
 पृथुरनमश्च सश्रित 26 13<sup>a</sup>  
 पृथुरभिर्मनराधिपै 4 16<sup>a</sup>  
 पृथुरेव नमस्कार्यै 5 43<sup>a</sup>, 47<sup>a</sup> 48<sup>a</sup>  
 पृथुर्विपृथुरेव च 24 12<sup>a</sup> 28 43<sup>a</sup>  
 पृथुर्वैश्यस्तदा चेत्ता 2 22<sup>a</sup>  
 पृथुर्वैश्य प्रतापवान् 5 28<sup>a</sup> B 15<sup>a</sup>, 44<sup>a</sup>  
 पृथुलाक्ष इति स्मृत 23 38<sup>a</sup>  
 पृथुलाक्षसुतो राजा 23 38<sup>a</sup>  
 पृथुश्रवा पृथुशरा 26 5<sup>a</sup>  
 पृथुपेणस्य पारस्तु 15 18<sup>a</sup>  
 पृथुपेणो महायशा 15 18<sup>a</sup>  
 पृथुस्तसारसमुत्तल्यौ 5 21<sup>a</sup>  
 पृथु वैश्य पितामह 4 1<sup>a</sup>  
 पृथु पञ्चानमहायज्ञ 5 37<sup>a</sup>  
 पृथु प्रादात्मजेश्वर 5 38<sup>a</sup>  
 पृथोर्वैश्यस्य भारत 0 40<sup>a</sup>  
 पृथोर्वैश्यस्य सभयम् 4 23<sup>a</sup>, 26<sup>a</sup>  
 पृथोस्तु सुकृता नाम 15 22<sup>a</sup>  
 पृथो पूर्व तु भारत 3 110<sup>a</sup>  
 पृथो स्त्रियै वी सत्र 5 33<sup>a</sup>  
 पृथि पुत्रो युधाजित 28 36<sup>a</sup>  
 पृथतस्य पितामह 15 33<sup>a</sup>  
 पृथग्ना द्विययित्वा तु 9 37<sup>a</sup>  
 पृथ पव भद्रिप्यस्य 116 4<sup>a</sup>  
 पृथवान्देवमभ्ययम् 13 1<sup>a</sup>  
 पृथ पिदृणा सर्ग च 12 19<sup>a</sup>  
 पृथवीस्तु यत्स्यापि 109 88<sup>a</sup>  
 पृथुवासागान्यपि 32 16<sup>a</sup>  
 पृथुवार्ता वेपमाना 61 24<sup>a</sup>  
 पृथुवल्कासहजानि 32 16<sup>a</sup>  
 पृथुर्वैत्या हिमाद्रिता 36 19<sup>a</sup>  
 पृथुवामरसत्तन 83 31<sup>a</sup>

पृथुस्ते दानवगणा 35 16<sup>a</sup>  
 पृथु शरदि निस्तोया 67 40<sup>a</sup>  
 पृथु सद् महोरग 37 45<sup>a</sup>  
 पृथि चसिलोमान 97 24<sup>a</sup>  
 पृथुलादी च तौ द्विजौ 114 11<sup>a</sup>  
 पृथाच राक्षस चैव 112 24<sup>a</sup>  
 पृथा हि भगवान्सोम 20 16<sup>a</sup>  
 पृथुश्च कपिलश्चैव 98 21<sup>a</sup>  
 पृथुश्च बलिना वर 80 10<sup>a</sup>  
 पृथुश्च सुतनो सुत 98 22<sup>a</sup>  
 पृथुश्च वासुदेवस्य 87 4<sup>a</sup>  
 पृथुश्च पृथुभि शिलीमुखै 87 65<sup>a</sup>  
 पृथुजानपदंनै 96 56<sup>a</sup>  
 पृथुजानपदंस्त्यक्त 22 10<sup>a</sup>  
 पृथुवस्य महात्मन 15 14<sup>a</sup>  
 पृथुवस्य महाराज 23 91<sup>a</sup>  
 पृथुव तुवंसोर्वशा 23 127<sup>a</sup>  
 पृथुवी रोहिणी नाम 25 1<sup>a</sup>  
 पृथुवो जनमेजय 22 7<sup>a</sup>  
 पृथुवो वेणुदारिश्च 81 40<sup>a</sup>  
 पृथुवा प्रहसतद्वन 40 1<sup>a</sup>  
 पृथुवाणा रतिवधेन 96 21<sup>a</sup>  
 पृथुवाश्च कथामवन् 83 57<sup>a</sup>  
 पृथुवाश्च पुर्वी श्रेण्यश्च 78 15<sup>a</sup>  
 पृथुवाश्चागन्तवश्च 19 20<sup>a</sup>  
 पृथुवा प्रोक्तुर्नैयाशिप 74 19<sup>a</sup>  
 पृथुवायुन कर्मणा 59 26<sup>a</sup>  
 पृथुपेण समायुक्त 108 81<sup>a</sup>  
 पृथुपुंदिदिस्तुभि 74 1<sup>a</sup>  
 पृथुर्मास्या यथा शरती 112 15<sup>a</sup>  
 पृथुस्तस्य पुरपर्यम् 31 126<sup>a</sup>  
 पृथुलोमा काल रयाश्च 8 74<sup>a</sup>  
 पृथुलोमी सत्यमाता च 92 57<sup>a</sup>  
 पृथुलोम्येव पुरदर 88 35<sup>a</sup>  
 प्रकर्षादुरगापयम् 71 43<sup>a</sup>  
 प्रकाशदुर्गानधिरम् 40 20<sup>a</sup>  
 प्रकाशदुर्गानक्षत्र 67 16<sup>a</sup>  
 प्रकाश मन्त्रमपया 74 13<sup>a</sup>  
 प्रकाश जीवितपय 109 10<sup>a</sup>  
 प्रकाशोद्वनपर्वत 60 16<sup>a</sup>  
 प्रकीर्णदामनीरपु 68 2<sup>a</sup>  
 प्रकीर्णश्च कुपाभिप्राः 74 10<sup>a</sup>  
 प्रकुर्वीमहि गा सम्यक् 16 10<sup>a</sup>

प्रकृतयोऽनुयास्यन्ति 78 21<sup>a</sup>  
 प्रकृत्यो विकारेषु 113 37<sup>a</sup>  
 प्रकृतिरिक्तास्मिन्ना 113 32<sup>a</sup>  
 प्रकृतिर्येषु लोकेषु 36 40<sup>a</sup>  
 प्रकृति सा मम परा 104 10<sup>a</sup>  
 प्रकृतीशालयेषु च 86 75<sup>a</sup>  
 प्रकृत्यावस्थिता सारा 113 2<sup>a</sup>  
 प्रकृत्यैवेदमादित 113 33<sup>a</sup>  
 प्रकृष्टमायु समशाय्य दुरंभ 118 43<sup>a</sup>  
 प्रकोप सुमहानभूत् 2 19<sup>a</sup>  
 प्रक्रियासु मज्जु च 31 93<sup>a</sup>  
 प्रमीडिताश्च ते सर्वे 58 18<sup>a</sup>, 18<sup>a</sup>  
 प्रक्षीणदृग्गच्छ च 52 9<sup>a</sup>  
 प्रक्षेप्तुमैच्छन्नाया 90 11<sup>a</sup>  
 प्रक्षेपमाना बहव 33 27<sup>a</sup>  
 प्रक्षयावच्छेदपरम् 112 126<sup>a</sup>  
 प्रक्षयावच्छेदीयस्य 30 57<sup>a</sup>  
 प्रक्षयावच्छेदपरम् 20 34<sup>a</sup>  
 प्रक्षयावच्छेदकर्मणा 20 18<sup>a</sup>  
 प्रक्षयावच्छेदकर्मणा 107 23<sup>a</sup>  
 प्रक्षयावच्छेदकर्मणा 23 86<sup>a</sup>  
 प्रक्षयावच्छेदकर्मणा 110 24<sup>a</sup>  
 प्रगाढं यत्नमाख्याय 70 9<sup>a</sup>  
 प्रगृहीतशरासनम् 5 44<sup>a</sup>  
 प्रगृहीतशरासना 81 93<sup>a</sup>  
 प्रगृहीते ततो धर्मे 117 44<sup>a</sup>  
 प्रगृहीतोत्तमायुधा 37 14<sup>a</sup>  
 प्रगृह्य रणमूर्धनि 108 41<sup>a</sup>  
 प्रगृह्यान्नाय धनु 20 32<sup>a</sup>  
 प्रगृह्य भोजनार्थम् 98 42<sup>a</sup>  
 प्रकृतोत्पत्तिक श्रिया 74 18<sup>a</sup>  
 प्रकृताम सभा शुभाम् 42 13<sup>a</sup>  
 प्रकृतिश्च सातुभि 61 48<sup>a</sup>  
 प्रचिन्वन्तो ॥ पादपान् 58 3<sup>a</sup>  
 प्रचेतस मुचेगस्तु 23 133<sup>a</sup>  
 प्रचेत सु महीरह 2 34<sup>a</sup>  
 प्रचेतानस्य चारमव 23 133<sup>a</sup>  
 प्रच्छन्नैरभिरक्षिता 47 3<sup>a</sup>  
 प्रच्छास शृश तदा 89 32<sup>a</sup>  
 प्रक्षात्रास्य चाभिभो 11 10<sup>a</sup>  
 प्रक्षाता पुत्रमेगभि 49 1<sup>a</sup>  
 प्रक्षाथर्मं च काम च 12 15<sup>a</sup>  
 प्रक्षा धर्मेण रक्षर 23 161<sup>a</sup>

प्रक्षा धारयिता स्वयम् 8 4<sup>a</sup>  
 प्रक्षानाममवच्छेद 6 13<sup>a</sup>  
 प्रक्षानामेति सायुज्य 10 80<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना पङ्क्तयो ह्योचै 40 13<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना पतयो राजन् 7 49<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना पुष्टिदस्य च 10 80<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना पृथिवीपाल 5 49<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना पोषणे च 5 51<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना लोभहर्षण 44 64<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना वृत्तिकामेव 2 24<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना वै हितार्थाय 43 76<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना शुभमिच्छता 44 28<sup>a</sup>  
 प्रक्षाना सदायो धृत् 115 21<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतिरुक्तं खेतु 38 26<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतिरसप्तयम् 5 10<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतिरिव स्थित 61 52<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतिरिव स्वयम् 113 40<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतिसमद्युति 35 29<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतिसुत प्रभु 86 20<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतीना दक्ष सु 4 4<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतीना साध्याना 109 86<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतेरात्मजाया 2 16<sup>a</sup>  
 प्रक्षपतेर्हिनाप्रेक्ष 3 14<sup>a</sup>  
 प्रक्षपाल महाद्युतिम् 5 27<sup>a</sup>  
 प्रक्षभिन्नपरा धैव 7 47<sup>a</sup>  
 प्रक्षा भोक्तु नरपथ 6 30<sup>a</sup>  
 प्रक्षा मिथुनसम्भवा 2 49<sup>a</sup>  
 प्रक्षरक्षणयुक्तेषु 36 45<sup>a</sup>  
 प्रक्षा रान्निवना मया 5 47<sup>a</sup>  
 प्रक्षा रज्ज्व भारत 1 32<sup>a</sup>  
 प्रक्षार्यैस्तुययोऽध्यास 2 20<sup>a</sup>  
 प्रक्षावत्तो महास्था 23 41<sup>a</sup>  
 प्रक्षानाममुत नर 27 31<sup>a</sup>  
 प्रक्षायानापुरचार्ण 2 56<sup>a</sup>  
 प्रक्षार्यैश्च भवन्तु 26 28<sup>a</sup>  
 प्रक्षाराश्च भवेधर 1 40<sup>a</sup>  
 प्रक्षा पालयिष्येऽहम् 5 10<sup>a</sup>  
 प्रक्षा विपुलाख्या 13 68<sup>a</sup>  
 प्रक्षाश्च चतुर्विधा 20 16<sup>a</sup>  
 प्रक्षा समनुसरत्येति 117 37<sup>a</sup>  
 प्रक्षाम्युद्दिगम् 116 3<sup>a</sup>  
 प्रक्षार्यैश्च भवन्तु 26 28<sup>a</sup>  
 प्रक्षार्यैश्च भवन्तु 26 28<sup>a</sup>  
 प्रक्षार्यैश्च भवन्तु 26 28<sup>a</sup>

प्रजासु शीर्षमाणासु 31 95°  
 प्रजास्तदनुवर्तते 11 23°  
 प्रजास्तस्मिन्प्रजापतौ 5 5°  
 प्रजास्तस्यानुपालय 91 59°  
 प्रजास्तस्याप्ययोनिका 1 39°  
 प्रजास्तेनानुरक्षिता. 5 29°  
 प्रजास्तेषां पुरस्तात् 22 18°  
 प्रजास्तेष्वस्य मे शृणु 23 32°  
 प्रजास्त्यन्ति नरास्तदा 116 11°  
 प्रजाहितचिकीर्षया 42°  
 प्रजाहितोः प्रजापतिः 3 4°  
 प्रजा पार्थिव विद्धि त्व 5 48°  
 प्रजा प्राहुर्महर्षय 5 40°  
 प्रजा. समभिदुद्बु 5 41°  
 प्रजाः सवर्धयिष्यति 2 43°  
 प्रजा चजेति च्वादिष्ट 2°  
 प्रजालयति तु सहस्र 109 5°  
 प्रजामिष्यन्ति सन्नः 78 21°  
 प्रजामिष्यन्ति मानवा 47 52°  
 प्रजामिष्यामि भोतिनम् 70 11°  
 प्रजस्य च जनार्दनम् 95 2°  
 प्रजस्य चादिदेवाय 40 2°  
 प्रजस्य मातेकमना पदेभ्यः 111. 11°  
 प्रजस्य मुनिपुत्रम् 35 71°  
 प्रजस्य शिरसा कृष्णम् 111 12°  
 प्रजस्य शिरसा देवं 106 37°  
 प्रजस्य शिरसान्त 45 22°  
 प्रजस्य शिरसा प्रभुम् 12 7°  
 प्रजयाद्यापि कृष्णं सा 71 33°  
 प्रजयात्ता सर्पिं सखी 107 58°  
 प्रजाम् चक्षिरे तदा 83 50°  
 प्रजामात्मनस्तान्त 100 59°  
 प्रजामात्मनस्तान्त 103 17°  
 प्रजिघातय हताननः 64 18°  
 प्रजिघातयामिघातय च 106 7°  
 प्रजिवेतुर्मेनीदिगम् 10 39°  
 प्रजिवेतुर्मेयोधिमा 92 29°  
 प्रजेदुर्भूतपुत्रा 112 73°  
 प्रजेदुर्भूतपुत्रम् 67°  
 प्रजस्यजायमान्द्विप्रपुत्रं 31 120°  
 प्रजस्यजायमान्द्विप्रपुत्रं 23 62°  
 प्रजस्ये गरुडनाय 91 39°  
 प्रजस्ये दुर्दिनाकारः 42 1°

प्रजस्ये द्वारकां कृष्ण 92 68°  
 प्रजापस्ते प्रकाशित. 78 20°  
 प्रजापार्थे हता मत्ता 75 28°  
 प्रजापावनता ये हि 80 8°  
 प्रजापावनता सर्वे 77. 30°  
 प्रतिकुलं च गगने 20 43°  
 प्रतिक्रमस्य चारुमज. 28 4°  
 प्रतिगृह्ण कृष्णेद 78 22°  
 प्रतिगृह्ण च पर्वता 103 18°  
 प्रतिगृह्ण ततो द्रोण 15 64°  
 प्रतिगृह्ण तु तां पूमां 103 3°  
 प्रतिगृह्ण परीक्ष्य च 92 17°  
 प्रतिगृह्ण यथाविधि 87. 30°  
 प्रतिगृह्ण चर्मैज 22 25°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 54 36°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 81 51°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 118 7°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 90 13°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 71 20°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 79. 4°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 64 16°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 74 37°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 16 13°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 91 38°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 62. 74°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 105 18°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 68 1°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 28 18°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 105 18°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 31 62°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 16 31°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 75 24°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 35 63°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 19 21°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 60 38°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 34 30°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 83 42°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 77 19°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 62 89°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 73 2°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 87 65°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 87 56°  
 प्रतिगृह्णानि भासते 73 12°

प्रतिपिदे मम महे 62 14<sup>a</sup>  
 प्रतिपिद्वयु तूर्पेषु 75 36<sup>a</sup>  
 प्रतिपिद्वौ वराननौ 74 24<sup>b</sup>  
 प्रतिष्ठा धर्मराजस्य 9 19<sup>a</sup>  
 प्रतिष्ठान महात्मन 19<sup>b</sup>  
 प्रतिष्ठा योनिरेश च 6 38<sup>a</sup>  
 प्रतिष्ठा च शतकृतो 21 37<sup>a</sup>  
 प्रतिष्ठितयशास्तथा 23 18<sup>a</sup>  
 प्रतिष्ठिता वा वसुधा 83 13<sup>a</sup>  
 प्रतिष्ठिताया मेदिन्या 78 24<sup>a</sup>  
 प्रतिसधातुमईति 69 34<sup>a</sup>  
 प्रतिसद्विद्यतामात्मा 86 36<sup>a</sup>  
 प्रतिस्मरन्तो द्विजमण्डलेषु 118 50<sup>b</sup>  
 प्रतिस्त्रोत हवाम्स 118 35<sup>b</sup>  
 प्रतिस्त्रोताश्च भीतेच 56 8<sup>a</sup>  
 प्रतीभन्ते सद्गोमता 38 61<sup>a</sup>  
 प्रतीध्यामुत्तरस्या तु 22 16<sup>a</sup>  
 प्रतीपमकरोत्तदा 91 6<sup>a</sup>  
 प्रतीपस्य तु शान्तं 15 10<sup>a</sup>  
 प्रतीपस्य तु शान्तु 23 114<sup>a</sup>  
 प्रतीपो भीमसेनस्य 23 114<sup>a</sup>  
 प्रतीयुविपता मृधे 81 103<sup>a</sup>  
 प्रत्यक्षमनुमान च 117 7<sup>a</sup>  
 प्रत्यक्ष कुटु तत्त्वयम् 13 71<sup>a</sup>  
 प्रत्यक्ष क्षुरसेनाना 96 30<sup>a</sup>  
 प्रत्यपुष्पायथाविधि 91 31<sup>a</sup>  
 प्रत्यप्रजलदुग्धमे 83 25<sup>a</sup>  
 प्रत्यप्रयवसेन्धनम् 50 16<sup>a</sup>  
 प्रत्यप्रमणीयानि 83 21<sup>a</sup>  
 प्रत्यप्रनमालेन 83 53<sup>a</sup>  
 प्रत्यक्षिरसना श्रेष्ठा 54<sup>a</sup>  
 प्रत्यक्षुद्रा ययुर्हृष्टा 84 19<sup>a</sup>  
 प्रत्यपघात रत्नानि 91 3<sup>a</sup>  
 प्रत्यबन्धुदूखले 51 14<sup>b</sup>  
 प्रत्यपारपुनरेव स 61 63<sup>a</sup>  
 प्रत्ययुष्यगुह तदा 112 34<sup>a</sup>  
 प्रत्यक्षत वीर्ययान् 91 2<sup>a</sup>  
 प्रत्यगोच सनातनम् 12 18<sup>a</sup>  
 प्रत्याख्यातश्च हरि 22 20<sup>a</sup>  
 प्रत्यागच्छद्विदम् 19 21<sup>a</sup>  
 प्रत्यानीतमनोऽस्माभि 109 28<sup>a</sup>  
 प्रत्यानीता हि तेन वै 31 96<sup>a</sup>  
 प्रत्याहते च कृष्णेन 61 7<sup>a</sup>

प्रत्युक्तेऽपि च नारदे 100 26<sup>a</sup>  
 प्रत्युक्तेऽहमनेनाय 100 82<sup>a</sup>  
 प्रत्युजगाम गोविन्द 67 17<sup>a</sup>  
 प्रत्युद्रतो गोपट्टदे 49 29<sup>a</sup>  
 प्रत्युद्रम्य नराधिपान् 87 28<sup>a</sup>  
 प्रत्युद्युर्मुह्यमान 91 29<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाच जनार्दनम् 29 21<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाच ततो राम 83 16<sup>a</sup>, 56<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाच मुनि प्रभु 100 33<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाच यदुग्रेष्ठ 86 26<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाच यशोदा त 50 16<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाच शुभ चाक्षय 45 1<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाच स त कृष्ण 70 36<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाच सित कृत्वा 63 10<sup>a</sup>  
 प्रत्युदागाय सा कृष्ण 71 23<sup>a</sup>  
 प्रत्युदायान्मुनक्षणम् 71 34<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाचार्यवधू 83 47<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाचोप्रसेन वै 78 30<sup>a</sup>  
 प्रत्युदाचोरोक्षरम् 56 35<sup>a</sup>  
 प्रत्युद्युयिषाक्षया 60 1<sup>a</sup>  
 प्रत्युद्युर्मा पर वाक्ष्य 100 77<sup>a</sup>  
 प्रत्युद्युस्ते स्मते वाक्ष्य 100 71<sup>a</sup>  
 प्रत्युपपन्नसातै 70 2<sup>a</sup>  
 प्रत्युपक्ष प्रभासश्च 3 32<sup>a</sup>  
 प्रत्युपक्ष विदु पुत्र 3 37<sup>a</sup>  
 प्रत्येत द्वारका विष्णु 91 1<sup>a</sup>  
 प्रथम पदमात्मन 68 27<sup>a</sup>  
 प्रथम पापकर्मणाम् 67 21<sup>a</sup>  
 प्रथम तमरातिपि 81 6<sup>a</sup>  
 प्रथम स्वामह विभो 112 125<sup>a</sup>  
 प्रथमाद्व हन्तव्या 47 2<sup>a</sup>  
 प्रथमे ऋषिमुक्तिनौ 76 2<sup>a</sup>  
 प्रथितश्च नभसश्च 7 13<sup>a</sup>  
 प्रथिता पार्वती माया 36 24<sup>a</sup>  
 प्रथिते चक्रवर्तिनाम् 65 78<sup>a</sup>  
 प्रथितोदात्तकर्मण 105 6<sup>a</sup>  
 प्रदत्ताप्रितो वैश्य 5 44<sup>a</sup>  
 प्रददावसमौत्रसे 28 8<sup>a</sup>  
 प्रदु कामतो मार्ग 103 18<sup>a</sup>  
 प्रदो त मणि बभू 29 38<sup>a</sup>  
 प्रदो माह्वणायाय 103 27<sup>a</sup>  
 प्रदो मयुस्त्वन 98 13<sup>a</sup>  
 प्रदो वासुदेवाय 22 14<sup>a</sup>

प्रदर गह्वरोदरम् 61 57<sup>d</sup>  
 प्रदर्शयित्वा महतीं 58 33<sup>d</sup>  
 प्रदाय कुण्डले दिव्ये 92 61<sup>d</sup>  
 प्रदास्यामि यथाकाम 15 40<sup>d</sup>  
 प्रदिशामि च तेऽनघ 13 73<sup>b</sup>  
 प्रदीप्तचक्रो बलवान् 15 36<sup>d</sup>  
 प्रदीप्तज्वलनाभानि 92 4<sup>d</sup>  
 प्रदीप्तज्वलनोपम 93 43<sup>b</sup>  
 प्रदीप्तवैश्वानरतुल्यतेषां 31 16<sup>d</sup>  
 प्रदीप्त पतित तनु 110 62<sup>d</sup>  
 प्रदीप्तानीव तेजसा 31 87<sup>b</sup>  
 प्रदीप्ताक्षानिययिष्ये 37 38<sup>b</sup>  
 प्रदीप्ते ऽवश्यके तद्वा 112 28<sup>b</sup>  
 प्रदीप्तेभाकरोद्दिवा 91 56<sup>d</sup>  
 प्रदीप्ते ब्रह्मशिरसि 112 88<sup>d</sup>  
 प्रदीप्तोऽस्त्ववमयकर 110 65<sup>d</sup>  
 प्रदीपमाना गात्रास्तु 45 31<sup>d</sup>  
 प्रदोषार्थे कदाचित्तु 64 1<sup>d</sup>  
 प्रदोषेऽभ्यासतत्करे 68 4<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नपुत्रोऽवहृत 109 55<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नमरिस्त्वनम् 89 5<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नश्च महाबल 110 18<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नश्चापि नो बाह्वे 109 29<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नस्य महाबाहो 110 8<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नस्य सुतो यस्तु 98 19<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नं च महाबलम् 88 37<sup>d</sup> 101 17<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न कामदर्शन 99 2<sup>d</sup>, 9<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न प्रथमो जज्ञे 98 5<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न शत्रुकर्शन 109 88<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न क्षरजालैस्तान् 110 52<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न स कथं जज्ञे 98 1<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नादिभिरर्जित 94 18<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नो द्वारका ययौ 89 8<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नो मम पुत्रक 99 37<sup>b</sup>  
 प्रद्युम्नो रश्मिणीसुत 94 19<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्ना हृदयन्तो वै 58 20<sup>d</sup>  
 प्रथपयितुमिच्छति 74 25<sup>d</sup>  
 प्रथर्विता यथा सिंहा 109 15<sup>d</sup>  
 प्रधानपुरुषाश्रया 117 20<sup>d</sup>  
 प्रधान पुरुष तस्मात् 1 17<sup>d</sup>  
 प्रधानं प्रथमो नय 65 95<sup>b</sup>  
 प्रधानात्मा पुरा शेष 32 7<sup>d</sup>  
 प्रधापति यतो हरि 112 14<sup>d</sup>

प्रधावन्तु ततस्तत् 112 39<sup>d</sup>  
 प्रध्माप्य बहुधा दातुं 110 53<sup>d</sup>  
 प्रनष्टचेतना मर्त्या 116 11<sup>d</sup>  
 प्रनष्टधर्मं धर्मज्ञ 116 3<sup>d</sup>  
 प्रनष्टशोका रक्षाम 113 69<sup>d</sup>  
 प्रनष्टोरगाराक्षसे 31 17<sup>d</sup>  
 प्रपतत्स्वपतस्तु च 36 36<sup>d</sup>  
 प्रपतद्भिश्च पादपै 36 25<sup>b</sup>  
 प्रपतन्त्युपतन्ति च 32 16<sup>d</sup> 36 20<sup>d</sup>  
 प्रपत्यन्ति कृत पुन 117 44<sup>d</sup>  
 प्रपत्यन्ति कृत युगम् 117 2<sup>d</sup> 6<sup>d</sup>  
 प्रपाचापीप्रसन्नोद 86 46<sup>d</sup>  
 प्रपेदुर्गदुपगवा 84 22<sup>d</sup>  
 प्रबन्ध कर्मणामेव 65 33<sup>d</sup>  
 प्रबभौ मणिपयंत 92 23<sup>b</sup>  
 प्रबोधन महाबाहो 109 63<sup>d</sup>  
 प्रभूया सर्वशस्त्रात् 105 3<sup>d</sup>  
 प्रभया भासमानानि 81 58<sup>d</sup>  
 प्रभयाभ्यभवन्सर्वाद् 93 41<sup>d</sup>  
 प्रभया स्य समाहृता 110 13<sup>d</sup>  
 प्रभवं तस्य वाक्वक्त्र 100 30<sup>d</sup>  
 प्रभवि-यन्ति शासिन 117 31<sup>d</sup>  
 प्रभवोऽव्यय एव च 32 3<sup>d</sup>  
 प्रभा चन्द्रमसो यथा 118 2<sup>d</sup>  
 प्रभाज्ञालाभिसंवृत 91 27<sup>b</sup>  
 प्रभातकाले समासे 35 56<sup>d</sup>  
 प्रभातारगतश्चन्द्र 67 39<sup>d</sup>  
 प्रभावा समपद्यत 51 18<sup>d</sup>  
 प्रभा येन प्रवर्तित 23 10<sup>d</sup>  
 प्रभावज्ञोऽपि शत्रुस्य 59 19<sup>d</sup>  
 प्रभारक्षेप कारणम् 2 53<sup>d</sup>  
 प्रभाव च मह्य च 13 5<sup>d</sup>  
 प्रभावात्प्रभनामस्य 42 33<sup>d</sup>  
 प्रभावाद्भवद्दम् 51 19<sup>d</sup>  
 प्रभावेन वरेन्द्रस्य 23 16<sup>d</sup>  
 प्रभावेन समन्विन 16 33<sup>b</sup>  
 प्रभागे भस्माग्निव 65 18<sup>b</sup>  
 प्रभावाद्भिरहृता 87 37<sup>d</sup>  
 प्रभास्य तु आर्या सा 3 33<sup>d</sup>  
 प्रभासे तीर्थेषां प्रायो 79 11<sup>d</sup>  
 प्रभुर्वाः प्रभवात्प्रनाम् 30 33<sup>d</sup>  
 प्रभुर्वाः स्तुतिर्नो महत् 45 20<sup>d</sup>  
 प्रभुषावापटाचन 56 43<sup>d</sup>



प्रभु लोकनमस्कृतम् 31 59<sup>d</sup>  
 प्रभु प्रागधनेश्वर 43 76<sup>d</sup>  
 प्रभु सर्वधनुष्मताम् 98 23<sup>d</sup>  
 प्रभु सर्वमहीक्षिताम् 81 14<sup>d</sup>  
 प्रभूतघनधान्यवत् 85 3<sup>d</sup>  
 प्रभूतमाड्यापणयान् 71 16<sup>d</sup>  
 प्रभूतयवसेन्धवान् 80 17<sup>d</sup>  
 प्रभूतरथद्वयश्च 85 66<sup>d</sup>  
 प्रभूत कमलोत्पलम् 83 22<sup>d</sup>  
 प्रभूत माल्यजीवन 71 18<sup>d</sup>  
 प्रभूतायुधरक्षितम् 96 58<sup>d</sup>  
 प्रमत्ता द्विगुण धृया 59 48<sup>d</sup>  
 प्रमत्तो मत्त एव वा 46 22<sup>d</sup>  
 प्रमध्य च वरारोहा 91 8<sup>d</sup>  
 प्रमध्य तरसा बली 23 153<sup>d</sup>  
 प्रमध्य सर्वाङ्गैतेषाञ्च 31 88<sup>d</sup>  
 प्रमदा बासवानुज 92 35<sup>d</sup>  
 प्रमदासु नरालदा 116 37<sup>d</sup>  
 प्रमदा येशाङ्गलाश्च 116 12<sup>d</sup>  
 प्रमदाय दलादुरि 38 46<sup>d</sup>  
 प्रमाणमिति निश्चिता 117 7<sup>d</sup>  
 प्रमाण किं करिव्यति 117 7<sup>d</sup>  
 प्रमाण यदि कुरुत 11 23<sup>d</sup>  
 प्रमाण यद्यपेक्षसे 43 34<sup>d</sup>  
 प्रमाण विविध वृषु 30 37<sup>d</sup>  
 प्रमाणाचरित सदा 11 23<sup>d</sup>  
 प्रमाणाहरविक्रम 84 4<sup>d</sup>  
 प्रमायगणपार्श्वे हि 112 84<sup>d</sup>  
 प्रमायगणभूमिष्ठ 108 35<sup>d</sup> 110 44<sup>d</sup>  
 प्रमायगणमुखयाश्च 110 39<sup>d</sup>  
 प्रमायगणवशात् 112 126<sup>d</sup>  
 प्रमायगणक्षेपे तु 112 11<sup>d</sup>  
 प्रमायोन्मथनैस्तथा 75 30<sup>d</sup>  
 प्रमादात्किमुपेक्षसे 108 71<sup>d</sup>  
 प्रमुखस्यो वनौकसौ 72 24<sup>d</sup>  
 प्रमुखे तस्य सस्थित 113 23<sup>d</sup>  
 प्रमुखे तस्य सैन्यस्य 33 14<sup>d</sup>  
 प्रमुखे वामुदेवस्य 112 97<sup>d</sup> 113 13<sup>d</sup>  
 प्रमुखे शम्भस्य वै 112 116<sup>d</sup>  
 प्रमुखे सुमुखो मह 33 23<sup>d</sup>  
 प्रमृष्टवैरगाधोऽय 68 34<sup>d</sup>  
 प्रपच्छ कुरुगव 15 39<sup>d</sup>  
 प्रपच्छति युधिष्ठिर 11 10<sup>d</sup>

प्रपच्छन्ती महात्मने 96 31<sup>d</sup>  
 प्रपतिप्याग्नि द्यौन्द 21 33<sup>d</sup>  
 प्रथयुर्दारका हृदा 88 29<sup>d</sup>  
 प्रथयुर्वृष्णयश्चान्ये 87 29<sup>d</sup>  
 \* प्रथयु पुरुषर्षभा 113 6<sup>d</sup>  
 प्रथयौ केतवौ रणे 109 91<sup>d</sup>  
 प्रथयौ स्वराया युक्त 110 43<sup>d</sup>  
 प्रथयौ द्वारका चापि 113 44<sup>d</sup>  
 प्रथयौ रथमारुह्य 29 6<sup>d</sup>  
 प्रथयौ स्वपुर तत 88 30<sup>d</sup>  
 प्रथयौ त्वा पुरी तत 88 28<sup>d</sup>  
 प्रयागे पृथिवीपात 21 9<sup>d</sup>  
 प्रयात सह सेनया 101 18<sup>d</sup>  
 प्रयाता नन्दनस्वेद 52 26<sup>d</sup>  
 प्रयाता सर्वतोदिताम् 3 17<sup>d</sup>, 21<sup>d</sup>  
 प्रयाता अ दिक्ष साम्याम् 102 23<sup>d</sup>  
 प्रयाते पुण्डरीकाक्षे 88 30<sup>d</sup>  
 प्रयातो नश्यति बिम्बो 3 22<sup>d</sup>  
 प्रयान्तशृपिसत्तमम् 118 6<sup>d</sup>  
 प्रयान्त प्रत्यवारवत् 9 50<sup>d</sup>  
 प्रयात्यन्ति दिशोऽमुता 106 24<sup>d</sup>  
 प्रयात्यसि जयाय वै 15 50<sup>d</sup>  
 प्रयासुत्तिष्ठ गच्छाम 53 13<sup>d</sup>  
 प्रयुक्त शास्त्रकोविदैः 15 54<sup>d</sup>  
 प्रयुक्ता विज्ञमिच्छता 118 28<sup>d</sup>  
 प्रयुक्ते महाशिरसि 112 38<sup>d</sup>  
 प्रयुक्तैषा हृदयत 11 22<sup>d</sup>  
 प्रयोक्तु कार्यमीदृशम् 44 16<sup>d</sup>  
 प्रयोक्ष्यामस्तव शुद्ध 15 49<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बरकावुभौ 31 76<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बश्च महाकाय 96 43<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बश्च महासुर 45 6<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बस्य प्रवृत्तस्य 58 33<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बस्याम्बरस्थस्य 58 53<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बे मुष्टिदैवत 90 16<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्ब य सृष्ट देवा 65 29<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्ब रोहिणीसुत 58 21<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बाभ्या च बाहुभ्या 76 33<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बावरमूर्धण 33 22<sup>d</sup> 58 28<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बे च निपातते 65 2<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बन सहाय 58 19<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बो गोपता गत 58 16<sup>d</sup>  
 प्रत्यम्बो दानवोचम 58 14<sup>d</sup>, 26<sup>d</sup>

प्रलम्बो धेनुकस्तथा 46 25<sup>१</sup>  
 प्रलम्बो नाम भूवासौ 44 71<sup>१</sup>  
 प्रलम्बोऽभ्यागमत्तेषां 58 12<sup>१</sup>  
 प्रवक्तार सुनियता 65 16<sup>१</sup>  
 प्रवक्तुमुपचक्रमे 100 30<sup>१</sup>  
 प्रवदन्ति मनीषिण 66 8<sup>१</sup> 81 72<sup>१</sup>  
 प्रवरश्चरिमेजय 23 109<sup>१</sup>  
 प्रवरा लोकविश्रुता 107 64<sup>१</sup>  
 प्रवर्ग्यावर्तभूषण 31 27<sup>१</sup>  
 प्रवर्तता च यज्ञोऽप्य 60 13<sup>१</sup>  
 प्रवर्तयति श्राद्धानि 13 64<sup>१</sup>  
 प्रवर्धयन्ते तस्मिन् प्रवर्तिता 118 45<sup>१</sup>  
 प्रववर्षे सहस्राक्ष 29 33<sup>१</sup>  
 प्रववर्षुर्महाघोरा 54 3<sup>१</sup>  
 प्रवबुध्वा शिवा वाक्ता 32 34<sup>१</sup>  
 प्रवबु सप्त माहता 32 14<sup>१</sup>  
 प्रववौ मधयन्दैवान् 34 30<sup>१</sup>  
 प्रवालपुष्पशबला 62 64<sup>१</sup>  
 प्रवालमणिभूषण 43 19<sup>१</sup>  
 प्रवालहृषिराङ्गव 34 14<sup>१</sup>  
 प्रवालचिकुताङ्गुला 92 10<sup>१</sup>  
 प्रवासात्पुनरागतम् 83 6<sup>१</sup>  
 प्रविभाग पुराणा वा 10<sup>१</sup>  
 प्रविवेश गृह् दौरि 94 18<sup>१</sup>  
 प्रविवेश गृह् श्रीमान् 94 21<sup>१</sup>  
 प्रविवेश गृहोत्तमम् 71 54<sup>१</sup>  
 प्रविवेश जनार्दन 92 49<sup>१</sup>  
 प्रविवेश जनायुत 118 10<sup>१</sup>  
 प्रविवेश ततो राम 29 23<sup>१</sup>  
 प्रविवेश तपोवनम् 114 5<sup>१</sup>  
 प्रविवेश नृपोत्तम 23 127<sup>१</sup>  
 प्रविवेश पुर कृष्ण 110 35<sup>१</sup>  
 प्रविवेश पुरीं प्रीत 19 15<sup>१</sup>  
 प्रविवेश मनोजवा 108 7<sup>१</sup>  
 प्रविवेश महद्भनम् 85 63<sup>१</sup>  
 प्रविवेश महाबल 68 15<sup>१</sup>  
 प्रविवेश विनीतवत् 85 46<sup>१</sup>  
 प्रविवेश सभामेक 109 64<sup>१</sup>  
 प्रविशेनाणवमुखे 35 63<sup>१</sup>  
 प्रविशन्तु तु येगेन 75 1<sup>१</sup>  
 प्रविशन्ति ततो राय 61 57<sup>१</sup>  
 प्रविशन्ति सुरप्रेष्ठ 7 54<sup>१</sup>  
 प्रविशन्नेव च द्वारि 68 16<sup>१</sup>

प्रविशन्नेव पप्रच्छ 68 14<sup>१</sup>  
 प्रविशन्नेव भगवान् 40 3<sup>१</sup>  
 प्रविशामो न चास्याम् 56 24<sup>१</sup>  
 प्रविश्य चासुरीं माया 65 39<sup>१</sup>  
 प्रविश्य तस्मात्सन्व 59 24<sup>१</sup>  
 प्रविश्य द्वारका पुरीम् 107 84<sup>१</sup>  
 प्रविश्य श्रमकश्चित 85 44<sup>१</sup>  
 प्रविश्यान्त पुर सखि 107 50<sup>१</sup>  
 प्रविष्ट तमसायुतम् 40 15<sup>१</sup>  
 प्रविष्ट शोणितपुर 107 53<sup>१</sup>  
 प्रविष्ट सहस्रज्ञ 69 1<sup>१</sup>  
 प्रविष्टा दानवीं मायां 35 10<sup>१</sup>  
 प्रविष्टाना महात्मनाम् 10 63<sup>१</sup>  
 प्रविष्टा पुण्यसलिला 93 23<sup>१</sup>  
 प्रविष्टाश्च रसातलम् 43 43<sup>१</sup>  
 प्रविष्टा हुनन्द्न 35<sup>१</sup>  
 प्रविष्टे तु विल कृष्णे 28 27<sup>१</sup>  
 प्रविष्टे तु मनौ तात 9 17<sup>१</sup>  
 प्रविष्टो न सुधारिण 108 17<sup>१</sup>  
 प्रविष्टोऽस्ति हुतश्च तत् 104 5<sup>१</sup>  
 प्रविष्टो राजपेशम् तत् 71 36<sup>१</sup>  
 प्रविष्टो राजससदम् 71 35<sup>१</sup>  
 प्रविष्टो हृष्टवदनी 79 38<sup>१</sup>  
 प्रवीरमनर्थ तथा 23 47<sup>१</sup>  
 प्रवृत्तचक्र पापोऽमी 15 48<sup>१</sup>  
 प्रवृत्तचर्मा सवृत्ता 32 39<sup>१</sup>  
 प्रवृत्त तस्य तथैव 15 56<sup>१</sup>  
 प्रवृत्तास्तसमागमे 100 16<sup>१</sup>  
 प्रवृत्ते क्षणदामुखे 68 10<sup>१</sup>  
 प्रवृत्ते धर्मसखरे 36 39<sup>१</sup>  
 प्रवृत्तेषु मखेषु च 62 54<sup>१</sup>  
 प्रवृत्तेरिव सवृत्तम् 36 16<sup>१</sup>  
 प्रवृत्ताभ्यां महायुधे 36 33<sup>१</sup>  
 प्रवृत्तेर्निद्रयाभिनि 44 32<sup>१</sup>  
 प्रवृत्तश्च बलाहके 43 32<sup>१</sup>  
 प्रवृत्त्यात् सकानना 97 33<sup>१</sup>  
 प्रवेद्यामासात् गृहं 94 19<sup>१</sup>  
 प्रवेद्यामासात् वदा 108 6<sup>१</sup>  
 प्रवेद्यामैव भजन 99 49<sup>१</sup>  
 प्रवेशितश्च ते सर्वे 56 12<sup>१</sup>  
 प्रवेशितौ बुद्धिभता 71 2<sup>१</sup>  
 प्रवष्टासि तनु स्वरागा 43 45<sup>१</sup>  
 प्रवेष्टुमुपचक्रमे 93 9<sup>१</sup>

प्रवेष्टुं कुण्डिनं पुरम् 88 31<sup>d</sup>.  
 प्रवेष्टुं द्वारकां पुरीम् 107. 81<sup>d</sup>.  
 प्रवेष्टुं भीमविक्रमाः 107 52<sup>d</sup>.  
 प्रत्यादरत धर्मवित् 68 17<sup>d</sup>.  
 प्रतास्तं सर्वदैवतैः 93 50<sup>d</sup>.  
 प्रतास्ता वै प्रजा लोके 50 18<sup>d</sup>.  
 प्रतासन्तोऽद्भुतं कृतम् 96 20<sup>d</sup>.  
 प्रताण्डकलमपे लोके 36 45<sup>d</sup>.  
 प्रताण्डमभवद्भजाः 48 15<sup>d</sup>.  
 प्रताण्डः स वनस्थस्तु 26 18<sup>d</sup>.  
 प्रभमारो महोत्थात 31 1<sup>d</sup>.  
 प्रभमिच्छाम्यहं किञ्चित् 11 29<sup>d</sup>.  
 प्रभं तसेवान्वपूष्य 12 1<sup>d</sup>.  
 प्रभैश्च बहुभिः श्रुतः 68 34<sup>d</sup>.  
 प्रभो मम समाप्तवान् 100 83<sup>d</sup>.  
 प्रभयेण दमेन च 11 10<sup>d</sup>.  
 प्रसक्तमभवद्भुदं 82 23<sup>d</sup>.  
 प्रसजन्तीं तु तां देवीं 99 11<sup>d</sup>.  
 प्रसन्नवदनो भूत्वा 106 14<sup>d</sup>.  
 प्रसन्नसखिला हृदाः 93 63<sup>d</sup>.  
 प्रसन्नाश्च दिशो द्या 32 34<sup>d</sup>.  
 प्रसन्ना ईसहासिनीम् 55. 34<sup>d</sup>.  
 प्रसन्ने रमयि सत्तम 11 28<sup>d</sup>.  
 प्रसन्नोऽसि महाभते 43 37<sup>d</sup>.  
 प्रसदा धर्मितस्तत्र 20 45<sup>d</sup>.  
 प्रसदा यदुत्तमः 89 43<sup>d</sup>.  
 प्रसदा हृतवान्प्रभु 97 19<sup>d</sup>.  
 प्रसदाभित्विप्रमः 92 93<sup>d</sup>.  
 प्रसादं ह्यस्य विभोः 32 6<sup>d</sup>.  
 प्रसादनार्थं लोकस्य 31 112<sup>d</sup>.  
 प्रसादनामस्य बहुष्टमाया 118 39<sup>d</sup>.  
 प्रसादमुपयागित वै 59 49<sup>d</sup>.  
 प्रसादसुखस्तत्र 106 30<sup>d</sup>.  
 प्रसादसुखोऽहं ते 112 117<sup>d</sup>.  
 प्रसादसुखो राहन् 112 124<sup>d</sup>.  
 प्रसादं कर्तुमर्हसि 43 35<sup>d</sup>.  
 प्रसादं कुरु मे वीर 83 45<sup>d</sup>.  
 प्रसादं ते करिष्यामि 47. 29<sup>d</sup>.  
 प्रसादं याप्ति पादपाः 59. 34<sup>d</sup>.  
 प्रसाद सागरा जग्मुः 62 63<sup>d</sup>.  
 प्रसादास्य देवस्य 13 75<sup>d</sup>. 14 13<sup>d</sup>.  
 प्रसादादमितौजसः 79 18<sup>d</sup>.  
 प्रसादायुगलं तदा 17. 7<sup>d</sup>.

प्रसादे ते भुवा लक्ष्मीः 109. 90<sup>d</sup>.  
 प्रसाद्य तु ततो रामः 29 29<sup>d</sup>.  
 प्रसाद्यमाना भर्त्रा सा 19 6<sup>d</sup>.  
 प्रसाद्योभापति प्रभुम् 8 63<sup>d</sup>.  
 प्रसीद नाथ भीताः सा 77. 34<sup>d</sup>.  
 प्रसीद भगवन्मैवम् 103. 4<sup>d</sup>.  
 प्रसीद राम भीताभि 83 42<sup>d</sup>.  
 प्रसुप्त इव खे गिरिः 61. 46<sup>d</sup>.  
 प्रसुप्तश्चासि विवृते 77. 45<sup>d</sup>.  
 प्रसुप्तं बोधयेद्यो मां 85. 42<sup>d</sup>.  
 प्रसुप्तं स्वतां गतम् 62. 94<sup>d</sup>.  
 प्रसूया देवसकाशान 73 27<sup>d</sup>.  
 प्रसूया. पादपङ्कजः 76 17<sup>d</sup>.  
 प्रसूया. स्वेदमिन्दवः 76 17<sup>d</sup>.  
 प्रसूयामिस्त्रयैव च 75 31<sup>d</sup>.  
 प्रसेदुश्चापि सिन्धवः 32 36<sup>d</sup>.  
 प्रसेनवधकारणात् 28 17<sup>d</sup>.  
 प्रसेनश्चाथ सत्राक्षित् 28. 11<sup>d</sup>.  
 प्रसेनश्चोपदेवश्च 24 11<sup>d</sup>.  
 प्रसेनस्तेन भूषितः 28 18<sup>d</sup>.  
 प्रसेनस्य पदं शृणु 28 19<sup>d</sup>.  
 प्रसेने चित्रके तथा 87 47<sup>d</sup>.  
 प्रसेनो द्वारचर्यां तु 28 12<sup>d</sup>.  
 प्रस्थानं कृतवानसि 77 43<sup>d</sup>.  
 प्रस्थितस्रोतचरणां 55 32<sup>d</sup>.  
 प्रस्थिताः सर्वे एव हि 18. 26<sup>d</sup>.  
 प्रस्थिताः क्ष जलेन वै 103. 12<sup>d</sup>.  
 प्रस्थितो दीर्घमध्वानं 77. 55<sup>d</sup>.  
 प्रस्थितो प्रेक्षकायुधौ 71. 6<sup>d</sup>.  
 प्रक्षवोत्पीड्यार्पिणी 50 21<sup>d</sup>.  
 प्रक्षवोत्पीडिता हृष्ये 76 11<sup>d</sup>.  
 प्रक्षवस्तु मदस्तु च 54 16<sup>d</sup>.  
 प्रक्षवन्ति घवा रक्षे 66 30<sup>d</sup>.  
 प्रक्षवन्तं कृतान्तामं 85 48<sup>d</sup>.  
 प्रहरन्तं च सर्वेषु 46 26<sup>d</sup>.  
 प्रहरन्तेषु हुर्मदः 64 9<sup>d</sup>.  
 प्रहरन्तीह मद्विधा 44 42<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टोऽहो विष्णुते 65 75<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टं दानवं बलम् 34 33<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टमनुलं गता 113 48<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टमनुलं व्यापि 107. 8<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टमनुलं लेभे 106 40<sup>d</sup>. 108 59<sup>d</sup>.  
 प्रहर्षादिव सप्तम 106. 21<sup>d</sup>.

प्रहर्षाङ्गिगुणकमः 76 42<sup>३</sup>.  
 प्रहर्षोत्कुलनयना 108 9<sup>३</sup>.  
 प्रहसन्मुखसखायुधम् 89 30<sup>३</sup>.  
 प्रहस्य नारदः प्राह 109 70<sup>३</sup>.  
 प्रहस्य चरुणं देवं 113 44<sup>३</sup>.  
 प्रहस्य सुचिरे कालम् 106 35<sup>३</sup>.  
 प्रहृतं केन सर्वासु 77 36<sup>३</sup>.  
 प्रहृतं तस्य भारत 23 65<sup>३</sup>.  
 प्रहृतं यः कृत्वात्मेन 77, 25<sup>३</sup>.  
 प्रहृतं राक्षसे नीचे 44, 34<sup>३</sup>.  
 प्रहृष्टमुदितं सर्वं 79 29<sup>३</sup>.  
 प्रहृष्टा मोहवद्विषाः 79 33<sup>३</sup>.  
 प्रहृष्टास्ता वराङ्गनाः 63 33<sup>३</sup>.  
 प्रहृष्टा' कृष्णयोपिताः 99 33<sup>३</sup>.  
 प्रहृष्टेनाम्तरारमना 71 41<sup>३</sup>.  
 प्रहृष्टैर्वाद्देवैश्चरैः 94 21<sup>३</sup>.  
 प्रहृष्टो ब्राह्मणस्तात 103 28<sup>३</sup>.  
 प्रह्लादबलिचाम्बरैः 98 65<sup>३</sup>.  
 प्रह्लादममिषौजसम् 4 4<sup>३</sup>.  
 प्रह्लादश्चैव धीर्यवान् 3, 59<sup>३</sup>.  
 प्रह्लादोऽध्वशिरा' कुम्भ 31 71<sup>३</sup>.  
 प्रह्लाद्विनाशं च गर्वा 55 12<sup>३</sup>.  
 प्राकारवन्दे दिव्यस्य 90 11<sup>३</sup>.  
 प्राकाररत्नसंपन्ना 93 24<sup>३</sup>.  
 प्राकारस्तस्य वेदमनः 94 6<sup>३</sup>.  
 प्राकारस्य च या गतिः 86 9<sup>३</sup>.  
 प्राकारेणार्कवर्णेन 86 50<sup>३</sup> 93 12<sup>३</sup>.  
 प्राकारेणशोभितम् 108, 1<sup>३</sup>.  
 प्राकारो वै हिरण्यस्यः 93 67<sup>३</sup>.  
 प्राकृतस्यापि ज्ञायते 78 5<sup>३</sup>.  
 प्राकृतान्यपि सर्वदा 105 2<sup>३</sup>.  
 प्राकामदुष्टुरो युद्धे 36 58<sup>३</sup>.  
 प्राक्सत्त्वा परिघप्रज्ञा 66 28<sup>३</sup>.  
 प्रागल्भ्यं चाग्निं तोषदाः 24 29<sup>३</sup>.  
 प्रागेन जडि दानवम् 58 49<sup>३</sup>.  
 प्रागेव कृतकुक्षिमान् 86 33<sup>३</sup>.  
 प्रागेर च नरेन्द्रेण 67 3<sup>३</sup>.  
 प्रागेव धरणीं गते 44 3<sup>३</sup>.  
 प्रागेर वसुदेवस्य 49 1<sup>३</sup>.  
 प्रागेवाभिमतो मम 78 7<sup>३</sup>.  
 प्राग्ज्योतिषपतिस्तदा 91 8<sup>३</sup>.  
 प्राग्ज्योतिषपुरे चापि 45, 8<sup>३</sup>.  
 प्राग्ज्योतिषमुपाद्वा 91, 62<sup>३</sup>.

प्राग्ज्योतिषे तौ भौमस्य 44 71<sup>३</sup>.  
 प्राग्निदशं सप्त सप्तकाः 7 35<sup>३</sup>.  
 प्राक्कोके परमं यदा 12 3<sup>३</sup>.  
 प्राग्वाकावो धुतिमान् 81 26<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं यज्ञमूर्तिं च 31 7<sup>३</sup>.  
 प्राग्युत्तराक्षानिर्गुण 74 14<sup>३</sup>.  
 प्राग्युत्तराक्षानिर्गुणैः 74 3<sup>३</sup>.  
 प्राग्युत्तरे सिन्धुमानश्च 53 27<sup>३</sup>.  
 प्राचीनवर्द्धिर्भगवान् 2 29<sup>३</sup>.  
 प्राचीनवर्द्धिपं शुकं 2 28<sup>३</sup>.  
 प्राचीनवर्द्धिरभवत् 2 30<sup>३</sup>.  
 प्राचीनाया कुशास्तस्य 2 30<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं दक्षिणादेशे 81 100<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं च यत्नेन 112 95<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं कर्मण्य 35 43<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं विधिना 43 42<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं सतो मम 49 6<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं वचन काले 15, 53<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 103, 4<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 9 8<sup>३</sup>, 113 3<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नता 8 9<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 8 31<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं समुपस्थाप 103, 2<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं महावज्र 108 70<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं महावज्र 62 41<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 80 64<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रः 67, 20<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 30 51<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं या कुत्स्य या 15 41<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 40 30<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 19 9<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 90 47<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 109 75<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 82 21<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् या विद्यान् 107, 83<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 107, 78<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 11 11<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 47 25<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 108 60<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 65 26<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 50 21<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 30 33<sup>३</sup>.  
 प्राग्वायं रत्नवज्रम् 3 31<sup>३</sup>.

माणो बुद्धस्वपतिश्चैव 7 11<sup>a</sup>  
 माणोऽस्य प्रथम स्थान 30 48<sup>a</sup>  
 मादाद्य तस्मै भगवान् 10 51<sup>a</sup>  
 मादास्त्वया शुक्लस्मै 18 5<sup>a</sup>  
 मादात्कृष्ण प्रतीताय 79 23<sup>a</sup>  
 मादाद्द्वन्द्वयो नृप 80 3<sup>a</sup>  
 मादाद्येष्वित्त क्षीर 2 26<sup>a</sup>  
 मादुरास महात्मन 114 10<sup>a</sup>  
 मादुरासकृतो रौद्रा 112 68<sup>a</sup>  
 मादुरासीन्ममानव 15 1<sup>a</sup>  
 मादुरासीन्महात्मन 110 8<sup>a</sup>  
 मादुरासीन्महात्मन 81 91<sup>a</sup>  
 मादुर्भूय दुष्ट 81 90<sup>a</sup>  
 मादुर्भूय दातव्य 52 29<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति कार्यत 31 13<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति कार्यवान् 31 14<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति मायया 23 145<sup>a</sup>  
 मादुर्भाषसद्व्याप्ति 31 10<sup>a</sup>  
 मादुर्भाव प्रकीर्तित 31 20<sup>a</sup>  
 मादुर्भावातुकीतनम् 31 151<sup>a</sup>  
 मादुर्भावातुकीतनात् 31 152<sup>a</sup>  
 मादुर्भावातुकीनैवे 31 150<sup>a</sup>  
 मादुर्भावा महात्मन 31 148<sup>a</sup>  
 मादुर्भावाश्च ये विनो 80 2<sup>a</sup>  
 मादुर्भावाश्च नै नृप 68 37<sup>a</sup>  
 मादुर्भावाश्च वक्ष्यामि 31 13<sup>a</sup>  
 मादुर्भावा पुत्राण्ये 31 149<sup>a</sup>  
 मादुर्भावीऽद्वय द्रुम 31 100<sup>a</sup>  
 मादुर्भावी महात्मन 31 21<sup>a</sup>, 92<sup>a</sup>, 93<sup>a</sup>, 100<sup>a</sup>, 109<sup>a</sup>,  
 143<sup>a</sup>  
 मादुर्भूय समस्तत 107 8<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति दिवाकरे 109 64<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति दिव्यानि 111 21<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति तदा रौद्रम् 112 87<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति सद्ये 109 73<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 61<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजित 108 56<sup>a</sup>, 81<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजिते 108 85<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 1<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 67<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 107 75<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 109 79<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 83<sup>a</sup>

मादुर्भूयैति पराजितम् 108 27<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 59<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 18<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 6<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 109 30<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 112 113<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 25<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 108 65<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 10 79<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 109 81<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 112 116<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 91 38<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 92 15<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 96 65<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 79 2<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 106 31<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 86 80<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 31 52<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 96 67<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 59 2<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 107 45<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 9 39<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 23 92<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 44 19<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 59 31<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 61 20<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 23 145<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 41 23<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 68 8<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 59 57<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 65 6<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 71 12<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 116 2<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 116 2<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 83 44<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 77 32<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 45<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 107 62<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 47 36<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 113 52<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 68 10<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 68 13<sup>a</sup>  
 मादुर्भूयैति पराजितम् 107 55<sup>a</sup>

भ्रातृजन्तकालो लोकाना 61 20<sup>a</sup>  
 भ्रातृ भवति कर्मणा 89 41<sup>b</sup>  
 भ्रातृऽप्य पुण्डरीकाक्ष 113 54<sup>a</sup>  
 भ्रातृऽप्य स्वपुरीं इति 113 66<sup>a</sup>  
 भ्रातृ रुक्मिणिमन्त्र 109 29<sup>a</sup>  
 भ्रातृ दृग्दावन वनम् 53 30<sup>b</sup>  
 भ्रातृ परमवाखाश्व 58 9<sup>a</sup>  
 भ्रातृयाच महद्य 8 48<sup>a</sup>  
 भ्रातृयाच सुरोत्तम 42 29<sup>b</sup>  
 भ्रातृवन्तोह देवता 13 32<sup>a</sup>  
 भ्रातृति शीघ्र भगवत्प्रसादात् 31 153<sup>a</sup>  
 भ्रातृत्तु तुमुल भयम् 81 48<sup>a</sup>  
 भ्रातृत्तु सुगतिं तत्र 78 29<sup>a</sup>  
 भ्रातृते यदिशास्त्राभि 113 59<sup>a</sup>  
 भ्रातृ पुण्यकृताल्लोकान् 92 49<sup>a</sup>  
 भ्रातृ योगगतिं सिद्ध 19 28<sup>a</sup>  
 भ्रातृ योगमवाप्स्यथ 17 8<sup>a</sup>  
 भ्रातृ योग वनादेव 19 27<sup>a</sup>  
 भ्रातृ ऐहिककृतानि 07 13<sup>a</sup>  
 भ्रातृवन्तुधर्मस्य 20 27<sup>a</sup>  
 भ्रातृद्वैपाकुण्डल महत् 42 47<sup>b</sup>  
 भ्रातृवैपाकुण्डलमुत्तमम् 32 33<sup>a</sup> 37 2<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये नात्र सशय 16 11<sup>b</sup>  
 भ्रातृस्ये वृष सस्कार 78 32<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये विपुल यश 62 71<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये हासमायुष 117 3<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये न सशय 31 46<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये सपञ्चक्रियात् 47 51<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये सिद्धिमुत्तमाम् 14 9<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये सुमहद्विदम् 106 36<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्यो गर्भयत्नात् 47 36<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये महातेजा 40 36<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्ये द्विद्विदं तत्र 15 64<sup>a</sup>  
 भ्रातृस्यो भुवि देहिनाम् 40 30<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्तत्रिपथं ते 12 28<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्तनलो घोर 31 24<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्त धरप्य ये 12 34<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्तानि चार्थं च 31 8<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्तानि धर्मज्ञा 12 26<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्तार्थतत्त्वज्ञा 12 27<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्त पितृमहम् 12 23<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्तानि सभारत् 109 76<sup>a</sup>  
 भ्रातृक्षित्तानि 18 8<sup>a</sup>

भ्रातृदुत्तमसहित 9 64<sup>a</sup>  
 भ्रातृधर्ममह विपुम् 15 58<sup>a</sup>  
 भ्रातृर्नां वा भ्रातृर्नाम् 28 17<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति परां गतिम् 35 36<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्तुमहद्यता 2 10<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति परम वरम् 23 140<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सुमहात्मा 3 99<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति ससिता 99 10<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति पञ्च सोम 5 5<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 110 21<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति च गोविन्द 75 16<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 74 20<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 54 21<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 35 54<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति निमग्नान्तां 72 10<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 75 12<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 44 56<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 93 31<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 93 38<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 94 1<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 94 38<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 94 3<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 93 39<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 108 20<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 92 22<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 86 47<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 107 87<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 93 47<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 81 34<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 33 29<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 37 12<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 33 12<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 87 13<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 112 89<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 112 83<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 107 11<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 100 34<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 75 42<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 109 24<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 108 72<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 87 30<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 87 57<sup>a</sup>  
 भ्रातृयन्ति सप्तम 44 83<sup>a</sup>

प्रियका स्वर्णकालया 59 54<sup>4</sup>  
 प्रियकै पुष्टितैगौर 59 32<sup>4</sup>  
 प्रिययूतश्च रामोऽसौ 89 20<sup>4</sup>  
 प्रियभोगेष्वबधिता 77 11<sup>4</sup>  
 प्रियमावेदुषिप्यामि 106 20<sup>4</sup>  
 प्रियमिच्छते चेतकम् 93 3<sup>4</sup>  
 प्रियया प्रीयमाणया 88 35<sup>4</sup>  
 प्रियव्रतोत्तानपादौ 2 6<sup>4</sup>  
 प्रियस्तेऽह मयाबाहौ 104 18<sup>4</sup>  
 प्रिय रघुर्धनकाविवा 108 9<sup>4</sup>  
 प्रियं नायमपश्यन्त्य 109 1<sup>4</sup>  
 प्रिय प्रीतस्त भाषितम् 62 99<sup>4</sup>  
 प्रिय प्रोवाच वचन 99 16<sup>4</sup>  
 प्रिय मधुरभाषिण 83 6<sup>4</sup>  
 प्रिया दुहितरक्षया 92 23<sup>4</sup>  
 प्रियाभ्या बलबाधूप 80 7<sup>4</sup>  
 प्रियामिच सर्वो सखा 96 15<sup>4</sup>  
 प्रियायास्तनया नृप 7 40<sup>4</sup>  
 प्रियार्थं वीरपालीभ्या 80 7<sup>4</sup>  
 प्रिया वै परमेष्ठिने 3 13<sup>4</sup>  
 प्रियो मेऽस्ति धनजय 104 18<sup>4</sup>  
 प्रियोऽस्ति मम दुर्गने 71 29<sup>4</sup>  
 प्रीणयत्यसिद्ध जगत् 59 7<sup>4</sup>  
 प्रीणयत्येव न सर्वान् 60 2<sup>4</sup>  
 प्रीणयाय स्वकर्मेभिः 8 35<sup>4</sup>  
 प्रीणाल्यमृतसमितम् 1 4<sup>4</sup>  
 प्रीणाल्यस्नानमृतवत् 115 2<sup>4</sup>  
 प्रीतिश्चैवान्यनन्दस 92 50<sup>4</sup>  
 प्रीतस्तु मनसा कृष्ण 71 19<sup>4</sup>  
 प्रीत बाह्वनुपभ्रमसीत् 94 8<sup>4</sup>  
 प्रीतारमा दास्यति स ते 18 31<sup>4</sup>  
 प्रीताश्च पितरो येन 11 4<sup>4</sup>  
 प्रीताश्चैव धय वीर 83 8<sup>4</sup>  
 प्रीतास्तुष्टाक्षया वयम् 96 71<sup>4</sup>  
 प्रीतिमन्त्र परस्परम् 12 39<sup>4</sup>  
 प्रीतिमाञ्जनमेजय 89 12<sup>4</sup>  
 प्रीतिमानभवद्वाज 22 20<sup>4</sup>  
 प्रीतिमान्पुन्दरीकाक्ष 65 101<sup>4</sup>  
 प्रीतिमान्निचरिष्यामि 78 35<sup>4</sup>  
 प्रीतिस्ते तेन रोचताम् 66 38<sup>4</sup>  
 प्रीतिं बह्वि दारण्याम् 65 64<sup>4</sup>  
 प्रीतेन मनसा युक्त 62 89<sup>4</sup>  
 प्रीतो निवेशयामास 61 64<sup>4</sup>

प्रीतोऽस्मि तव मक्तस्य 31 40<sup>4</sup>  
 प्रीतोऽस्मि दर्शनादेव 62 90<sup>4</sup>  
 प्रीतोऽस्मि विष्णो देवेता 67 52<sup>4</sup>  
 प्रीतो म्यस्तव युद्धेन 42 28<sup>4</sup>  
 प्रीतो स्वो वरपार्णि 9 10<sup>4</sup>  
 प्रीत्यर्थं कुरुनन्दन 29 34<sup>4</sup>  
 प्रीत्यर्थं वज्रपाणिन 97 23<sup>4</sup>  
 प्रीत्या कौरवमन्दन 22 14<sup>4</sup>  
 प्रीत्या च रौक्मिण्येयस्य 89 11<sup>4</sup>  
 प्रीत्या परमया युते 92 57<sup>4</sup>  
 प्रीत्या भीता च साभवत् 50 9<sup>4</sup>  
 प्रीत्या वरमनुत्तमम् 11 25<sup>4</sup>  
 प्रीयता तेन भारत 12 18<sup>4</sup>  
 प्रीयता भरतर्षभ 104 23<sup>4</sup>  
 प्रीयन्ते पितरस्तस्य 31 152<sup>4</sup>  
 प्रीयमाण क्षतकनुम् 21 36<sup>4</sup>  
 प्रीयमाणा सभा जम्बु 96 7<sup>4</sup>  
 प्रीयमाणा समाजम्बु 94 13<sup>4</sup>  
 प्रीयमाणो भयानय 11 20<sup>4</sup>  
 प्रेक्षकाणा तथैव च 72 11<sup>4</sup>  
 प्रेक्षता वामदेवप्रीति 37 4<sup>4</sup>  
 प्रेक्षन्तो पुरुषर्षभौ 82 11<sup>4</sup>  
 प्रेक्षन्तो मधुरा वीर 71 5<sup>4</sup>  
 प्रेक्षन्तो हृष्टवदना 99 32<sup>4</sup>  
 प्रेक्षमाण शिबस्तप 34 17<sup>4</sup>  
 प्रेक्षमाणै प्रवर्तिगते 81 17<sup>4</sup>  
 प्रेक्षागारमयावसौ 74 17<sup>4</sup>  
 प्रेक्षागार जगामातु 72 1<sup>4</sup>  
 प्रेक्षागार नृपोत्तम 72 2<sup>4</sup>  
 प्रेक्षागार स कस्तस्य 74 16<sup>4</sup>  
 प्रेक्षागाराण्यद्वृत 74 6<sup>4</sup>  
 प्रेक्षापूर्वे च कृष्णोऽपि 85 38<sup>4</sup>  
 प्रेक्षितु सह सा कीमि 73 10<sup>4</sup>  
 प्रेक्तायै प्रियेत ह 78 25<sup>4</sup>  
 प्रेक्तायाणि कार्याणि 77 51<sup>4</sup>  
 प्रेक्तायाणि कुर्वते 31 131<sup>4</sup>  
 प्रवत्यमुपपन्नस्य 77 49<sup>4</sup>  
 प्रेतरूपौ तपस्विनौ 72 23<sup>4</sup>  
 प्रेतस्कारमात्रेण 78 27<sup>4</sup>  
 प्रेत्य चेह च ज्ञानव 59 22<sup>4</sup>  
 प्रेत्य चेह च मोदते 11 9<sup>4</sup>  
 प्रेत्येह प्राप्स्यते फलम् 13 33<sup>4</sup>  
 प्रेययाणा वराहार्णि 77 30<sup>4</sup>

प्रेषयामास कंसस्य 46 2<sup>o</sup>  
 प्रेषयामास कृष्णाय 85 34<sup>o</sup>  
 प्रेषयामास रामाय 44 26<sup>o</sup>  
 प्रेषयामास सागरम् 97 26<sup>o</sup>  
 प्रेषयामि यमक्षयम् 81 73<sup>o</sup>  
 प्रेषितः प्रीतिमानभूत् 65 100<sup>o</sup>  
 प्रेष्यकर्मकरा जना 86 10<sup>o</sup>  
 प्रेष्यन्तां शिल्पिमुद्रयाश्च 86 10<sup>o</sup>  
 प्रेष्योऽसाविति चिन्तयन् 87 16<sup>o</sup>  
 प्रेरयत्तल्लम् धनि 57 19<sup>o</sup>  
 प्रोक्तवाञ्छलचारिणम् 100 35<sup>o</sup>  
 प्रोक्ता च सर्ववैशारते 113 84<sup>o</sup>  
 प्रोक्तो जङ्गणो मया 23 94<sup>o</sup>  
 प्रोक्षणीयं धुरां चैव 30 22<sup>o</sup>  
 प्रोक्षणीं वृक्षिणावनम् 31 6<sup>o</sup>  
 प्रोक्षस्तीभिश्च लङ्घनम् 53 28<sup>o</sup>  
 प्रोक्षयामास सर्वत 67 26<sup>o</sup>  
 प्रोक्षयित्वा च गां ततः 16 13<sup>o</sup>  
 प्रोक्षयित्वा च गां तदा 16 16<sup>o</sup>  
 प्रोक्षिता खल्विमे मन्ये 81 11<sup>o</sup>  
 प्रोक्षितानि सिक्तानि च 81 4<sup>o</sup>  
 प्रोवाच गोप्ता गोपानां 61 52<sup>o</sup>  
 प्रोवाच कुरति तदा 106 38<sup>o</sup>  
 प्रोवाच परमदुःख 110 67<sup>o</sup>  
 प्रोवाच पितर उदा 8 21<sup>o</sup>  
 प्रोवाच प्रियदर्शन 71 18<sup>o</sup>  
 प्रोवाच बाण समरे 112 100<sup>o</sup>  
 प्रोवाच भगवान्गार्ह्यं 31 51<sup>o</sup>  
 प्रोवाच मयुरेश्वर 62 11<sup>o</sup>  
 प्रोवाच राज्ञि त्वेत् 106 21<sup>o</sup>  
 प्रोवाच घदतां वर 106 32<sup>o</sup>  
 108 78<sup>o</sup>  
 प्रोवाच घदतां धृष्ट 66 2<sup>o</sup> 88 4<sup>o</sup>  
 प्रोवाच शुभया गिरा 49 2<sup>o</sup>  
 प्रोवाचामपितो घघ 108 87<sup>o</sup>  
 प्रोवाचामितदक्षिण 69 1<sup>o</sup>  
 प्रोपितैस्तुभ्यकारिणः 54 29<sup>o</sup>  
 सुखमेवाभ्यपेचयत् 4 9<sup>o</sup>  
 सुवगाः सङ्घवं गता 61 18<sup>o</sup>  
 सुवहिरिव पतिभि 81 17<sup>o</sup>  
 सुवधेयं यथा जलै 13<sup>o</sup>  
 सुवदस्मिन्तपादस्तु 67 28<sup>o</sup>  
 सुवैलक्ष्यते नभ 67 6<sup>o</sup>

फ  
 फलकामा न संशय 11 12<sup>o</sup>  
 फलवीजमहौपधिः 31. 35<sup>o</sup>  
 फलवस्तु वृणेषु च 62 54<sup>o</sup>  
 फलवन्तश्च पादपा 62 64<sup>o</sup>  
 फलं दत्तस्य चानघ 11. 35<sup>o</sup>  
 फलं दुष्यस्य कर्मण 78 10<sup>o</sup>  
 फलं प्राप्स्यति दुर्मतिः 38 14<sup>o</sup>  
 फलं प्राप्स्यन्ति तस्य वत् 12 35<sup>o</sup>  
 फल् श्राद्धस्य चानघ 12 19<sup>o</sup>  
 फल्गुप्रतापिभिर्मति 57. 6<sup>o</sup>  
 फलादिन्द्रसमादिह 118 29<sup>o</sup>  
 फलावर्द्धशृणुषि 74 11<sup>o</sup>  
 फलेन तेन सर्वेण 118 16<sup>o</sup>  
 फलैः प्रवालैश्च घनं 55 19<sup>o</sup>  
 फुल्लनीपदुर्म वनघ 54 11<sup>o</sup>  
 फेनप्रदुष्टदन्तां 55 34<sup>o</sup>  
 फेनमेकलपुत्रश्च 83 35<sup>o</sup>  
 फेनहासैर्दक्षिण्यमिति 83 44<sup>o</sup>  
 फेनास्तु सुतथा जले 23 27<sup>o</sup>  
 य  
 यद्वरीषड्भार्यं वै 21 30<sup>o</sup>  
 यद्वयोधाङ्गुलिग्रैश्च 108 54<sup>o</sup>  
 यद्वयद्वयवौ च 59 52<sup>o</sup>  
 यद्वयानां विजः सर्वे 63 14<sup>o</sup>  
 यद्वयसास्तु धेनुषु 68 6<sup>o</sup>  
 यद्वयसेव सौरभी 50 7<sup>o</sup>  
 यद्वयस्य पितर नृप 106 26<sup>o</sup>  
 यद्वः प्रापुर्गिराद्भ्ये 108 84<sup>o</sup>  
 यद्वरुद्धधिताम्बरं 49 28<sup>o</sup>  
 यद्वो नागैर्महाबल 109 74<sup>o</sup>  
 यद्वो वरस ह्योदरे 51 23<sup>o</sup>  
 यद्व्या पतिवरं हवम् 56 1<sup>o</sup>  
 यद्व्या पितरमाहुकम् 80 4<sup>o</sup> 96 26<sup>o</sup>  
 यन्दिमागघस्तानां 110 1<sup>o</sup>  
 यन्पुत्रीयाभितलप्राप्तु 59 82<sup>o</sup>  
 यन्पुत्रिश्च समामामम् 68 13<sup>o</sup>  
 यथापि तं गच्छ कृष्ण 74 26<sup>o</sup>  
 यमजित्ते रथान्नेचिन् 37. 32<sup>o</sup>  
 यमजुर्बाहुभिर्गह्व 37 26<sup>o</sup>  
 यमार् रूप मोमाहै 110 2<sup>o</sup>  
 यमार् विनये स्थितः 10 1<sup>o</sup>  
 यमारे कृष्णमन्यसम् 56 26<sup>o</sup>



बभापे धुग्धमानस 38 6<sup>a</sup>  
 बभापे चारुसिनीम् 99 11<sup>a</sup>  
 बभापे धरणी वाक्प 42 13<sup>a</sup>  
 बभापे पुण्डरीकाक्ष 84 1<sup>a</sup>  
 बभापे मत्तकातिनी 71 33<sup>a</sup>  
 बभापे हस्तिनीविनम् 73 1<sup>a</sup>  
 यभासे छत्रजलदा 57 22<sup>a</sup>  
 यभासे भयनहृद् 93 35<sup>a</sup>  
 यधु कृतयुगे पुरा 79 35<sup>a</sup>  
 यधुवतुर्गस्तपाकौ 52 3<sup>a</sup>  
 यधुव दीर्घतमस 23 26<sup>a</sup>  
 यधुव नृपति पुरा 23 28<sup>a</sup>  
 यधुव परमोत्सव 89 18<sup>a</sup>  
 यधुव गुरोपेत् 84 28<sup>a</sup>  
 यधुव भुवि विद्युतम् 88 32<sup>a</sup>  
 यधुव सुगवासील 23 82<sup>a</sup>  
 यधुव येन विक्रय 15 86<sup>a</sup>  
 यधुव दधमकवच 26 9<sup>a</sup>  
 यधुव वदता घर 5 18<sup>a</sup>  
 यधुव स महातेजा 9 69<sup>a</sup>  
 यधुव स समागम 37 20<sup>a</sup>  
 यधुव सुमहाफल 10 58<sup>a</sup>  
 यधुवाप पिता राम्ये 49<sup>a</sup>  
 यधुवाप प्रजाक्षय 2 34<sup>a</sup>  
 यधुवादर्शन धूर्प 54 3<sup>a</sup>  
 यधुवामिजित किल 27 18<sup>a</sup>  
 यधुवामिग्रहनी 19 5<sup>a</sup> 23 154<sup>a</sup>  
 यधुवुरमरोपमा 23 96<sup>a</sup>  
 यधुवुरमितौजस 15 13<sup>a</sup>  
 यधुवुर्गोवयोपिब 83 16<sup>a</sup>  
 यधुवुर्भरतर्षभ 108<sup>a</sup>  
 यधुवुर्मुदिता सधै 67 45<sup>a</sup>  
 यधुवुर्वीर्यसपक्षा 87 10<sup>a</sup>  
 यधुवुर्भैरवासिन 69 28<sup>a</sup>  
 यधुवुस्त गदो पुत्रा 23 134<sup>a</sup>  
 यधुवु परमोपेता 93 65<sup>a</sup> 94 5<sup>a</sup>  
 यधुवु सुमहान्तय 82 1<sup>a</sup>  
 यधुवैत मया धुतम् 15 10<sup>a</sup>  
 यधुवैल पुरुरवा 20 44<sup>a</sup>  
 यमौ चारुपरिप्लुता 93 13<sup>a</sup>  
 यमौ तस्य निविष्टस्य 81 26<sup>a</sup>  
 यमौ प्रमुत्तमन्स 108 62<sup>a</sup>  
 यमौ बाहुसदृक्षण 108 53<sup>a</sup>

यमौ भूतगणाकुले 48 32<sup>a</sup>  
 यमौ युक्तस जामाता 15 23<sup>a</sup>  
 यमोर्भ्रातृधिक गोपा 60 32<sup>a</sup>  
 यमूर्मेतिमवा घर 29 24<sup>a</sup>  
 यमूर्विधुरादुक 81 96<sup>a</sup>  
 यधुसेनश्च पार्थिव 23 130<sup>a</sup>  
 यधु दानपति चैव 65 10<sup>a</sup>  
 यधु देवावृषाष्टपात् 27 11<sup>a</sup>  
 यधु धेष्टो मनुष्याणा 27 13<sup>a</sup>  
 यमोर्देवावृषादिति 27 14<sup>a</sup>  
 यमोर्देवावृषादिति 29 39<sup>a</sup>  
 यमोश्च त्रियमभिवृष्टन् 97 19<sup>a</sup>  
 यधुवैवु कुलेनश्च 10 50<sup>a</sup>  
 यधुवैवुश्च भूषिता 65 53<sup>a</sup>  
 यधुवैवुश्च क्षिति 59 68<sup>a</sup>  
 यधुवैवुश्च च विरत 73 13<sup>a</sup>  
 यधुवैवुश्च निनादितम् 92 41<sup>a</sup>  
 यलज्याग्या विषयता 117 4<sup>a</sup>  
 यलज्येष्ठस नृपते 44 31<sup>a</sup>  
 यलज्येष्ठेन लोकेषु 77 44<sup>a</sup>  
 यलतश्च कृपातश्च 75 14<sup>a</sup>  
 यलतो मित्रतस्तथा 84 5<sup>a</sup>  
 यलदेवस्तु वधुश्च 89 39<sup>a</sup>  
 यलदेवस्तु दक्षिणम् 82 15<sup>a</sup>  
 यलदेवस्तु ॥ कोप 89 40<sup>a</sup>  
 यलदेवस्तु धीमत 90 1<sup>a</sup>  
 यलदेवस्तु साहाय्य 90 18<sup>a</sup>  
 यलदेव च कैशिक 81 83<sup>a</sup>  
 यलदेव च भाषय 95 5<sup>a</sup>  
 यलदेव जिगाय ॥ 89 28<sup>a</sup>  
 यलदेव ततो ह्यमौ 89 38<sup>a</sup>  
 यलदेव पुरश्च 81 96<sup>a</sup>  
 यलदेव क्षिति चरे 81 84<sup>a</sup>  
 यलदेवेति नामास्य 58 57<sup>a</sup>  
 यलदेवेन धर्मण 89 38<sup>a</sup>  
 यलदेवो ग्लहं ददौ 89 27<sup>a</sup>  
 यलदेवो धनुश्चासौ 81 85<sup>a</sup>  
 यलदेवो धनुश्चास्य 81 82<sup>a</sup>  
 यलदेवोऽपि चर्मात्मा 76 45<sup>a</sup>  
 यलप्राणेन शूराणां 75 33<sup>a</sup>  
 यलप्राणादवाप्तवान् 29 28<sup>a</sup>  
 यलप्राण धीमता 110 42<sup>a</sup>  
 यलप्राणायामास 75 40<sup>a</sup>

बलमोजश्र माधव 97. 21<sup>d</sup>  
 बलयश्चानुरूपत 72 8<sup>d</sup>  
 बलयश्चोपकल्पयन्ता 72 10<sup>d</sup>  
 बलराष्ट्राभिसंवृता 81 12<sup>f</sup>  
 बलवन्तो मनस्विन 16 15<sup>f</sup>  
 बलवन्तो महाराथा 80 16<sup>b</sup> 88 44<sup>d</sup>  
 बलवान्मदलोलाक्ष 73 2<sup>a</sup>  
 बलवान्सर्वस्वपक्ष 108 92<sup>a</sup>  
 बलवीर्यप्रवतिना 99 19<sup>b</sup>  
 बलश्रेष्ठ महाबल 3 77<sup>b</sup>  
 बलश्री शिविरस्य वै 81 26<sup>b</sup>  
 बलस्यो वा स्थितो रत्ने 75 13<sup>f</sup>  
 बल तदभवरिक्षतौ 110 44<sup>d</sup>  
 बल तावद्विमृश्यताम् 81 7<sup>d</sup>  
 बल तु बलदेवस्य 58 58<sup>a</sup>  
 बल प्रयुक्तमेव च 112 33<sup>d</sup>  
 बल बलवदुद्धत 34 50<sup>f</sup>  
 बल भद्र समालोचय 112 12<sup>f</sup>  
 बल रणौघाभ्युदयाम्युदीर्ण 33 32<sup>f</sup>  
 बल सुराणामधुरे 35 11<sup>f</sup>  
 बलाकाशो महीपति 23 81<sup>d</sup>  
 बलाकोष्पातभूषणाम् 54 22<sup>b</sup>  
 बलरजुर्वर्धित पाद्वम् 66 4<sup>d</sup>  
 बलादपि न सशय 59 60<sup>b</sup>  
 बलायस्त्रभिवायसम् 71 51<sup>b</sup>  
 बलाद्वर्षं प्रयत्नितम् 77 29<sup>d</sup>  
 बलाप्यक्षाश्च युक्ताश्च 86 75<sup>d</sup>  
 बलानि च न सशय 15 40<sup>b</sup>  
 बलानि च ससैन्यानि 84 11<sup>b</sup>  
 बलानि पृथिवीक्षिताम् 81 33<sup>b</sup>  
 बलाहकतनूद्वयम् 32 21<sup>b</sup>  
 बलाहकाञ्जननिभ 32 21<sup>b</sup>  
 बलिना विष्णुना पुरा 31 69<sup>b</sup>  
 बलिनौ मुद्रशालिनौ 72 14<sup>b</sup>  
 बलिपुत्रो रणक्षायी 106 5<sup>b</sup>  
 बलिभागस्य पाथिवा 116 5<sup>b</sup>  
 बलिर्ज्ञे विरोचनात् 3 60<sup>f</sup>  
 बलिर्मानुषयोनी ॥ 23 27<sup>f</sup>  
 बलिर्विष्णुबलान्तर 106 26<sup>a</sup>  
 बलिवासवयोरिव 109 73<sup>d</sup>  
 यन्मूर्तुरिदं वाक्य 106 7<sup>f</sup>  
 यत्र दान्ति परां ययौ 23 31<sup>f</sup>  
 यदी दानंमहाबलम् 87 64<sup>b</sup>

बली विष्णुद्वरश्च य 26 21<sup>d</sup>  
 बलेन च परार्थेन 60 6<sup>a</sup>  
 बलेन च समन्वित 10 37<sup>b</sup>  
 बलेन बलिना वरौ 31 114<sup>a</sup>  
 बलेन महता वृत् 80 2<sup>b</sup> 88 3<sup>d</sup>  
 बलेन महता वृत्ता 87 33<sup>d</sup>  
 बलेन महता वृत्ता 81 103<sup>b</sup>  
 बलेनाय हतो दैत्य 58 57<sup>a</sup>  
 बलेनास्त्रबलेन च 15 59<sup>b</sup>  
 बलेनोदकराक्षसम् 9 75<sup>b</sup>  
 बले महति तस्थिवान् 44 23<sup>d</sup>  
 बलेर्बलवतो यज्ञे 31 69<sup>a</sup>  
 बलेर्हस्ताग्निभि क्रमै 62 82<sup>b</sup>  
 बलेस्तु ब्रह्मणा दत्त 23 30<sup>a</sup>  
 बलेस्त्रिभुवन हरि 97 21<sup>d</sup>  
 बले पुत्रदत्त स्वासीत् 3 61<sup>a</sup>  
 बले पुत्रेण चाणेन 108 14<sup>f</sup>  
 बले पुत्रो महावीर्य 97 23<sup>f</sup>  
 बले सकाशादैत्यस्य 42 35<sup>f</sup>  
 बले सुतसुता च ॥ 107 23<sup>f</sup>  
 बले सुतो महावीर्य 105 13<sup>f</sup>  
 बलौघप्रतिवारण 84 15<sup>d</sup>  
 बलीयानां परिक्षय 82 6<sup>b</sup>  
 बलीधिरभिपीडिता 81 13<sup>d</sup>  
 बहुचरत्वं प्रकुर्वत 50 1<sup>d</sup>  
 बहुवाय निवेद्यताम् 56 16<sup>b</sup>  
 बहुवधैव राजान 90 6<sup>a</sup>  
 बहुव क्षत्रिया दुरा 42 49<sup>a</sup>  
 बहुव पारतक्षिण 39 16<sup>b</sup>  
 बहुव पुरपरंभा 1 9<sup>b</sup>  
 बहुवो ज्ञानवधैव 85 29<sup>a</sup>  
 बहुवो दानवा हता 38 7<sup>d</sup>  
 बहुगैरिकस्युक्तं 58 54<sup>f</sup>  
 बहुस्वाद्यानुकीर्तना 23 160<sup>d</sup>  
 बहुद्वारो मनोरमाश्च ॥ 26<sup>d</sup>  
 बहुधा मल नाथतम् 32 8<sup>a</sup>  
 बहुनेत्रं रक्षत 59 43<sup>d</sup>  
 बहुपुत्रस्य विदुषः 3 54<sup>f</sup>  
 बहुभिर्देवगर्भैः 93 23<sup>f</sup>  
 बहुभिः कार्गमैर्भिः 59 15<sup>f</sup>  
 बहुभिः शस्त्रनिदिने 37 41<sup>a</sup>  
 बहुवाचनका द्यावा 116 24<sup>a</sup>  
 बहुरात्रमाकीर्ण 97 33<sup>f</sup>

बहुवर्षसहितिके 12 4<sup>१</sup>  
 बहुविधसुचममन्यदेव ॥ 90 19<sup>१</sup>  
 बहुधा सर्वभूतात्मा 31 13<sup>१</sup>  
 बहुधास्य महौजसम् 24 35<sup>१</sup>  
 बहुवक्त्रेण मार्गेण 49 15<sup>१</sup>  
 बहुनां स्त्रीसहस्राणाम् 98 1<sup>१</sup>  
 बहुनि विप्रगोत्राणि 35 28<sup>१</sup>  
 बहुन्पाश्वर्यभूतानि 105 4<sup>१</sup>  
 बहुन्वर्षाणाम् 42 22<sup>१</sup>  
 बहुभ्यै प्राणिनो लोके 6 1<sup>१</sup>  
 बहुदक्षिणा सर्वे 29 21<sup>१</sup>  
 बहुपत्न्या प्रजाहीना 117 36<sup>१</sup>  
 बहुपर्ये महासप्तये 3 72<sup>१</sup>  
 बहुपथ प्रभापसे 112 60<sup>१</sup>  
 बहुर्षं बहुविधम् 1 8<sup>१</sup> 115 11<sup>१</sup>  
 बहुर्षां क्षुतिसमिताम् 1 16<sup>१</sup>  
 बहुश्रवणं श्रुत्वा 100 54<sup>१</sup>  
 बाढमित्यववीर्युन 89 36<sup>१</sup>  
 बाढमित्यववीर्यु 42 46<sup>१</sup>  
 बाढमित्यववीर्यु 89 34<sup>१</sup>  
 बाढमित्यव लोक्सी 69 26<sup>१</sup>  
 बाढमित्येव सह ते 42 1<sup>१</sup>  
 बाढमेवै बलिष्यति 103 8<sup>१</sup>  
 बाणं पिं गजैस्ते दूरा 112 59<sup>१</sup>  
 बाणगारो नमान्य 113 9<sup>१</sup>  
 बाणगौले समायुगोत् 113 20<sup>१</sup>  
 बाणग्येष्टं भराधिप 3 61<sup>१</sup>  
 बाणनाशार्थमप्युत्तम् 112 106<sup>१</sup>  
 बाणपुत्री सुमेक्षणा 107 44<sup>१</sup>  
 बाण बाण प्रवृत्तस्य 112 114<sup>१</sup>  
 बाणराहुप्रान्तये 112 94<sup>१</sup>  
 बाणप्रतिम रणे 108 21<sup>१</sup> 112 89<sup>१</sup>, 99<sup>१</sup>  
 बाणप्राप्त्यर्थं भूषितम् 107 53<sup>१</sup>  
 बाणमाह धनैरिदम् 112 85<sup>१</sup>  
 बाणमाह शुभ वच 112 114<sup>१</sup>  
 बाणयुद्धमनुत्तमम् 113 80<sup>१</sup>  
 बाणरक्षणमातुर 112 82<sup>१</sup>  
 बाणवर्षसमाप्तम् 110 53<sup>१</sup>  
 बाणवर्षावृत्ता सर्वा 113 21<sup>१</sup>  
 बाणवर्षैर्नदावग 112 2<sup>१</sup>  
 बाणवर्षेय पीडितम् 112 3<sup>१</sup>  
 बाणवर्षे समाहत 108 66<sup>१</sup>  
 बाणवृष्टि समुद्यताम् 112 75<sup>१</sup>,

बाणसरक्षणपरा 112 99<sup>१</sup>  
 बाणसाहाय्यकाङ्क्षिणो 106 61<sup>१</sup>  
 बाणस्तेषामतिबल 3 62<sup>१</sup>  
 बाणस्य च महाभये 109 71<sup>१</sup>  
 बाणस्य च्छेद्वन चक्रे 112 104<sup>१</sup>  
 बाणस्य जन्मनदाय 106 48<sup>१</sup>  
 बाणस्य दुहिता कन्या 107 9<sup>१</sup>  
 बाणस्य पुरमन्तिकात् 110 33<sup>१</sup>  
 बाणस्य प्रमुखा स्थितम् 112 96<sup>१</sup>  
 बाणस्य रथमूर्धनि 108 68<sup>१</sup>  
 बाणस्य बद्ध सख्ये 108 56<sup>१</sup>  
 बाणस्य सचिवक्षत्र 106 51<sup>१</sup>  
 बाणस्याद्भुतकर्मण 31 146<sup>१</sup> 110 35<sup>१</sup>  
 बाणस्थाप्रतिमौक्त 109 72<sup>१</sup>  
 बाणस्याग्नेदिव तवा 108 13<sup>१</sup>  
 बाणस्यात्यामय दूत 112 110<sup>१</sup>  
 बाण जित्वा महादेव 113 51<sup>१</sup>  
 बाण विज्वा सुदुर्नयम् 113 54<sup>१</sup>  
 बाण प्रति महाबल 112 103<sup>१</sup>  
 बाण प्रति महाबलम् 106 3<sup>१</sup>  
 बाणैः सङ्क्रियिष्यति 109 80<sup>१</sup>  
 बाण सरक्ष गम्यताम् 112 84<sup>१</sup>  
 बाण स्थितमथान्तिके 112 118<sup>१</sup>  
 बाण कृष्णमधिद्रवत् 112 50<sup>१</sup>  
 बाण कुन्दोऽप्रतिवीर्येवात् 112 87<sup>१</sup>  
 बाण क्रोधोऽप्रमत्तवाक् 108 51<sup>१</sup>  
 बाण पञ्चनदस्तथा 81 42<sup>१</sup>  
 बाण परपुरनेप 108 19<sup>१</sup>  
 बाण परमस्मिन् 112 81<sup>१</sup>  
 बाण प्रीतमनास्त्वेव 106 52<sup>१</sup>  
 बाणः सत्ये पराजित 106 3<sup>१</sup>  
 बाण सुबहुसो मुदा 106 14<sup>१</sup>  
 बाण खगुदमाविशत् 108 98<sup>१</sup>  
 बाणानीकानि सहस्रा 110 36<sup>१</sup>  
 बाणानीके समभवत् 108 36<sup>१</sup>  
 बाणेन भावामिस्थाय 109 74<sup>१</sup>  
 बाणेन सह संगम्य 112 66<sup>१</sup>  
 बाणेन स्थष्टं समय 113 42<sup>१</sup>  
 बाणैर्दन्तभिराशुगे 87 53<sup>१</sup>  
 बाणैर्विगात्र चिच्छेद् 88 16<sup>१</sup>  
 बाणैर्मौर्तिभिः शिष्टै 87 62<sup>१</sup>  
 बाणैर्युधि जनादेव 88 8<sup>१</sup>  
 बाणैश्च शकलीकृता 37 28<sup>१</sup>

बाण सनतपर्वणि 108 65<sup>०</sup>  
 बाणो द्विविणवत्तर 97 23<sup>६</sup>  
 बाणो धृज समाश्रित्य 108 87<sup>०</sup>  
 बाणोऽनिरुद्धिरिति 108 61<sup>०</sup>  
 बाणो बलमदोग्मत् 106 50<sup>०</sup>  
 बाणो बाहुसदृशवाद् 105 12<sup>६</sup>  
 बाणो वाचमसत्तत्ता 106 32<sup>०</sup>  
 बाधते स्म दुरासद् 67 4<sup>६</sup>  
 बाधन्ते भुवि मानवान् 44 78<sup>०</sup>  
 बाधनानां रिपुणाम् 86 8<sup>०</sup>  
 बान्धवश्च भविरयति 65 59<sup>०</sup>  
 बान्धवस्य विशेषत 65 63<sup>०</sup>  
 बान्धवानामपि तथा 65 68<sup>०</sup>  
 बान्धवा कुलपालनीम् 73 22<sup>०</sup>  
 बान्धवेन समागमम् 67 2<sup>६</sup>  
 बान्धवेभ्यो भय घोर 77 45<sup>०</sup>  
 बान्धवेषु च सर्वेषु 83 55<sup>०</sup>  
 बान्धवेषु विशेषत 66 3<sup>६</sup>  
 बान्धवैश्च विशेषत 73 37<sup>०</sup>  
 बान्धवो देवसम्भ 63 13<sup>६</sup>  
 बान्धवो धर्मतो मद्य 65 60<sup>०</sup>  
 बान्धव्य समवाक्षिपत् 19 16<sup>६</sup>  
 बाह्वैर्येन राजेन्द्र 82 29<sup>०</sup>  
 बालकीडनक तत 58 18<sup>६</sup>  
 बालचन्द्राकंवचसौ 51 2<sup>६</sup>  
 बालमेवापवाहितम् 99 21<sup>६</sup>  
 बालकृद्वाग्विषयौ 58 4<sup>६</sup>  
 बालस्यासीद्विचैदितम् 51 37<sup>०</sup>  
 बाल कुलपुत्रकृन्तु 66 9<sup>०</sup>  
 बाल कृणो महात्मन् 75 15<sup>०</sup>  
 बाल क्रीडनकैरिव 97 31<sup>०</sup> 113 36<sup>०</sup>  
 बालपुत्रासयन्ति हि 49 7<sup>६</sup>  
 बालकैस्तदोक्षण 44 7<sup>०</sup>  
 बालकैस्तदोक्षणा 48 31<sup>०</sup>  
 बालापपरिशङ्कितौ 71 3<sup>६</sup>  
 बालापि निरुधर्मौ 72 18<sup>६</sup>  
 बालाभिर्नो बालकौ 72 20<sup>०</sup>  
 बालाविव हुताशनौ 71 43<sup>०</sup>  
 बालिनः प्रभापसे 109 50<sup>०</sup>  
 बालिना बल यूय मे 11 16<sup>०</sup>  
 बाळे त्वयि मद्रायादौ 45 42<sup>०</sup>  
 बालेन मुष्टिनेन 65 29<sup>०</sup>  
 बालेनाक्षिपकर्मणा 58 57<sup>०</sup>

बालेनाबालकर्मणा 65 5<sup>०</sup>  
 बालेन क्षत्रमुच्यते 23 29<sup>०</sup>  
 बालेना ब्राह्मणाश्चैव 23 29<sup>०</sup>  
 बालो वा यदि वा मध्य 75 13<sup>०</sup>  
 बालौ तावमरोपमौ 65 88<sup>०</sup>  
 बाल्यात्कामाद्य मोक्षश्च 9 90<sup>०</sup>  
 बाल्यात्ममृति कैशव 96 25<sup>०</sup>  
 बाल्यात्ममृति रामेण 100 2<sup>०</sup>  
 बाल्यादेवैकता गतौ 51 2<sup>०</sup>  
 बाल्याद्वा यदि वा मोक्षश्च 8 23<sup>०</sup>  
 बाल्यामोद्वाच भारत 16 7<sup>०</sup>  
 बाल्ये केलिक्रिडा सर्व 49 4<sup>०</sup>  
 बाल्ये चण्डतम सर्व 49 4<sup>०</sup>  
 बाल्येन चरितेन च 60 8<sup>०</sup>  
 बाल्येन न निवर्तते 48 47<sup>०</sup>  
 बाल्ये मूर्च्छत्यमानुषा 49 4<sup>०</sup>  
 बाल्येन प्रमदो मद 31 76<sup>०</sup>  
 बाल्यसद्विग्नधया गिरा 56 14<sup>०</sup>  
 बाल्यसद्विग्नधया वाचा 78 17<sup>०</sup>  
 बाल्येनाकुलितेक्षण 76 12<sup>०</sup>  
 बाल्येनागुनलोचनम् 107 39<sup>०</sup>  
 बाहुच्छाया समाश्रित्य 109 3<sup>०</sup>  
 बाहुदण्डेन वृण्वस्य 61 45<sup>०</sup>  
 बाहुना कृत्तदेहस्य 67 41<sup>०</sup>  
 बाहुप्रहरणस्तदा 85 37<sup>०</sup>  
 बाहुभिश्च ससक्तै 75 36<sup>०</sup>  
 बाहुभिस्तु श्रिमिस्तदा 110 70<sup>०</sup>  
 बाहुभिस्तुल्यवन्धोम 36 51<sup>०</sup>  
 बाहुभिः परियाकुरौ 33 28<sup>०</sup>  
 बाहुभिः परियोपयै 47 43<sup>०</sup>  
 बाहुभिः समहाधुम 108 64<sup>०</sup>  
 बाहुभ्यामेव गोविन्दः 28 26<sup>०</sup>  
 बाहुभ्यामेव तस्मात् 76 45<sup>०</sup>  
 बाहुभ्यामोर्गिनं हस्तौ 67 33<sup>०</sup>  
 बाहुमुद्धमिदं हस्ते 75 10<sup>०</sup>  
 बाहुमुद्धमिषिषि 75 14<sup>०</sup>  
 बाहुमुद्धे परागित 90 7<sup>०</sup>  
 बाहुगोष्ठी क्षीरेण 75 22<sup>०</sup>  
 बाहुस्यमुपवर्णयत् 85 34<sup>०</sup>  
 बाहुनान्द्रप्रहारेण 75 3<sup>०</sup>  
 बाहुः परिघसंनिभम् 76 29<sup>०</sup>  
 बाहुना धारण मम 106 10<sup>०</sup>  
 बाहुनां धीर्यसंभव 112 92<sup>०</sup>

बाहूनां सममुप्यत 112 66<sup>६</sup>  
 बाहूनां सश्रयास्तये 113 69<sup>६</sup>  
 बाहूपधानि कृण्वन् 61 46<sup>६</sup>  
 बाहोर्ध्वसन्निभता 10 30<sup>६</sup>  
 बाह्यका घोचनाहका 27 3<sup>६</sup>  
 बाह्यतश्च समन्ततः 109 34<sup>६</sup>  
 बाह्याध्वनया पद्म 23 96<sup>६</sup>  
 बाह्याध्वं पुरुषानित 23 95<sup>६</sup>  
 बाह्विहस्य तु राग्य ये 23 115<sup>६</sup>  
 बाह्विहस्य सुतश्चैव 23 116<sup>६</sup>  
 बाह्विहस्यारमता नृप 25 1<sup>६</sup>  
 बाह्वीका द्विविधा वाका 100 9<sup>६</sup>  
 बाह्वोर्ध्वं दर्शयिष्यन् 61 29<sup>६</sup>  
 बिभर्ति च मही हृत्का 91 9<sup>६</sup>  
 बिभिरुर्द्वैततेन 112 35<sup>६</sup>  
 बिभीमो निशि भक्त्याम् 53 4<sup>६</sup>  
 बिभेति घटसूदन 67 56<sup>६</sup>  
 बिभेति हि सदा रवच 118 30<sup>६</sup>  
 बिभेत्यभिभवच्छक्र 118 27<sup>६</sup>  
 बिभेद् द्वाभि सारै 87 62<sup>६</sup>  
 बिभेद् निशितै सारै 87 66<sup>६</sup>  
 बिभेद्वाद्वा त सारै 87 67<sup>६</sup>  
 बिभेद्देवमथोरसि 88 24<sup>६</sup>  
 बिभेद्देवमि कर्मिणा 31 61<sup>६</sup>  
 बिभेद्देवमि वीर्यगन् 88 19<sup>६</sup>  
 बिभ्रती परम वपु 27 10<sup>६</sup>  
 बिभ्रती मानुषी वपुम् 43 40<sup>६</sup>  
 बिभ्रती त्रिपुराणाह्वन् 47 39<sup>६</sup>  
 बिभ्रतृणावपुर्द्वि 42 2<sup>६</sup>  
 बिभ्रतोयमप्य वपु 34 12<sup>६</sup>  
 बिभ्रतृणवपुचमम् 12 10<sup>६</sup>  
 बिभ्रे लाभप्रता सह 28 26<sup>६</sup>  
 बीजपूर्णमिति ध्रुवि 10 58<sup>६</sup>  
 बीजानामाह्वति निरिपु 117 34<sup>६</sup>  
 बीजोपधीना विप्राणा 20 19<sup>६</sup>  
 बुद्धिपूर्व मया सति 107 62<sup>६</sup>  
 बुद्धिमन्तश्चतुषा नयात् 115 23<sup>६</sup>  
 बुद्धिरित्यप्रतीच तम् 110 47<sup>६</sup>  
 बुद्धिर्निर्वृतेते शनै 16 2<sup>६</sup>  
 बुद्धिर्बुद्धिरपी गृणाम् 60 2<sup>६</sup>  
 बुद्ध्या च न बहुश्रुत 65 72<sup>६</sup>  
 बुद्ध्याप्य वयसापि वा 62 22<sup>६</sup>  
 बुद्ध्या निश्चित्य चैव 83 51<sup>६</sup>

बुद्ध्या सत्येन चानघ 10 65<sup>६</sup>  
 बुध इत्यकरोन्नाम 20 43<sup>६</sup>  
 बुधस्य तु महाराज 21 1<sup>६</sup>  
 बुधेन तात दान्तेन 66 13<sup>६</sup>  
 बुधेनान्तरमासाद्य 9 13<sup>६</sup>  
 बुध्यते चाभ्युदक्षये 39 5<sup>६</sup>  
 बुद्धस्तनयप्राप्य 23 73<sup>६</sup>  
 बुद्धीं चादमवर्जित्ति 87 37<sup>६</sup>  
 बुद्धरमीतिर्महाशिव 31 73<sup>६</sup>  
 बुद्ध्या तु गदस्याहु 98 15<sup>६</sup>  
 बुद्धस्यस्य पुत्राणा 9 49<sup>६</sup>  
 बुद्धस्यो महीपति 9 46<sup>६</sup>  
 बुद्धुर्गन्ध पञ्चभि 87 55<sup>६</sup>  
 बुद्धुर्गन्ध भेजेन 87 57<sup>६</sup>  
 बुद्धुर्गन्ध वीर्यवान् 87 58<sup>६</sup>  
 बुद्धबुद्धिर्बुद्धिर्बो 15 15<sup>६</sup>  
 बुद्धवर्मेति विरपात 15 15<sup>६</sup>  
 बुद्धि पतिर्बुद्धि 49 22<sup>६</sup>  
 बुद्धस्पतिरिय स्वप्नम् 109 24<sup>६</sup>  
 बुद्धस्पतिरिवाद्दे 53 8<sup>६</sup> 81 32<sup>६</sup>  
 बुद्धस्पतिर्महातेजा 6 17<sup>६</sup>  
 बुद्धस्पतेराद्विरस 23 51<sup>६</sup>  
 बुद्धस्पतेस्तु भगिनी 3 38<sup>६</sup>  
 बुद्धस्पते स वै भार्या 20 29<sup>६</sup>  
 बुद्धस्पत्युदानोभ्या वा 43 8<sup>६</sup>  
 बुद्धिप हरितेनसा 110 3<sup>६</sup>  
 बुद्ध्यावाद्यभिमानाद्य 60 5<sup>६</sup>  
 बुधपयस्ति द्विचौहम 59 56<sup>६</sup>  
 बुधमि यद्वा तात 78 32<sup>६</sup>  
 बुधमि धूयवामिदम् 118 16<sup>६</sup>  
 बुद्धकोपहृत्त प्रभो 115 34<sup>६</sup>  
 बुद्धभयस्य विधुत 23 91<sup>६</sup>  
 बुद्धगार्थ्यं तदेव च 95 5<sup>६</sup>  
 बुद्धगार्थ्येण सरस्वती 96 44<sup>६</sup>  
 बुद्ध च बाह्यानांश्चैव 104 17<sup>६</sup>  
 बुद्धचर्यविदो जना 35 37<sup>६</sup>  
 बुद्धचर्यं च चर्या च 35 41<sup>६</sup>  
 बुद्धचर्यं पुरस्त्व 35 36<sup>६</sup>  
 बुद्धचर्यं समाचरे 35 40<sup>६</sup>  
 बुद्धचर्यं सुचरित 35 33<sup>६</sup>  
 बुद्धचर्यं सुचरितम् 117 46<sup>६</sup>  
 बुद्धचर्यापरं तप 35 39<sup>६</sup>  
 बुद्धचर्याब्राह्मणस्य 35 37<sup>६</sup>

ब्रह्मचर्येण चानव 31 3<sup>१</sup>  
 ब्रह्मचर्ये स्थित तप 35 38<sup>१</sup>  
 ब्रह्मचर्ये स्थित धैर्य 35 38<sup>१</sup>  
 ब्रह्मचारी पुरा भूत्वा 85 7<sup>१</sup>  
 ब्रह्म चैव सनातनम् 113 78<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणश्च महाभाग 62 34<sup>१</sup>  
 ब्रह्मण शृणु मे वाक्य 62 37<sup>१</sup>  
 ब्रह्मण सलिलस्य च 58 37<sup>१</sup>  
 ब्रह्मण सूर्यसन्निभम् 40 11<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणा द्विधसदेहा 12 32<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणा देवदेवेन 39 1<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणाभिहित वाक्य 100 74<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणा विहित पूर्व 112 67<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणा सह मोक्षते 39 7<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणा साधु चोदित 42 12<sup>१</sup>, 16<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणा साधु निर्दिष्ट 62 21<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणा हरिरीश्वर 38 64<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणे पद्मचोचये 40 2<sup>१</sup>  
 ब्रह्मणो धरद्विंश 91 34<sup>१</sup>  
 ब्रह्मण्य सत्यसगर 23 66<sup>१</sup>  
 ब्रह्मण्य सुखायुध 27 16<sup>१</sup>  
 ब्रह्मण्या सत्यवादिन 23 44<sup>१</sup>  
 ब्रह्मतेजोमय दिव्यम् 104 9<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदण्डानुमन्त्रितम् 90 10<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तबुलीयानां 15 68<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तपुरोगमा 18 14<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्त प्रभाते एव 19 12<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तमकल्पयम् 16 21<sup>१</sup>, 30<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तस्तदानय 19 1<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तस्तु सप्तम 16 30<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तस्य चरित 15 8<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तस्य चैव ह 15 65<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तस्य जननी 13 47<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तस्य तनय 15 25<sup>१</sup> 19 1<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तस्य वीराण 15 14<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तस्य भार्या तु 18 22<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तेन याज्ञा 16 1<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तो नरपति 15 6<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तोऽभयप्रभुः 15 24<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तोऽभयद्राता 15 3<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तो महावशाः 18 15<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तो महाराज 15 11<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदत्तो महाराज 10 1<sup>१</sup>

ब्रह्मदेव सनातनम् 31 59<sup>१</sup>  
 ब्रह्मद्विपश्च सवृत्ता 21 35<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदृष्टोऽद्वि विमना 21 31<sup>१</sup>  
 ब्रह्म पर्यचरत्क्षत्र 31 132<sup>१</sup>  
 ब्रह्मभूतोऽभक्तमुनि 22 2<sup>१</sup>  
 ब्रह्मयोगी प्रसूतस्य 35 33<sup>१</sup>  
 ब्रह्मपर्ययस्तथा तत्रत्या 38 61<sup>१</sup>  
 ब्रह्मपिंगणसेवितम् 31 47<sup>१</sup> 46 11<sup>१</sup>  
 ब्रह्मपिंगणसेवित 62 27<sup>१</sup>  
 ब्रह्मपिंभिरभिष्टुत 34 5<sup>१</sup>  
 ब्रह्मपिंभिरुत हरया 3 11<sup>१</sup>  
 ब्रह्मर्षे न वय धन्या 100 57<sup>१</sup>  
 ब्रह्मर्षे येन तिष्ठेय 21 30<sup>१</sup>  
 ब्रह्मर्षे कौशिकस्य च 23 91<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोकचरोऽन्यय 44 12<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोकमनामयम् 7 36<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोक गतो ब्रह्मन् 39 1<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोक महायसा 38 78<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोक यथाहन् 39 7<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोक सनातनम् 38 76<sup>१</sup> 39 21<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोक परा गति 62 32<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोके च किं स्थान 39 3<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोके पुरातनम् 39 17<sup>१</sup>  
 ब्रह्मलोके सदानय 9 31<sup>१</sup>  
 ब्रह्मरसानुचसाम् 32 8<sup>१</sup>  
 ब्रह्मवादिन्यपित्री च 23 45<sup>१</sup>  
 ब्रह्मवारी पराशक्त 21 2<sup>१</sup> 23 46<sup>१</sup>  
 ब्रह्मवारी महातपा 31 23<sup>१</sup>  
 ब्रह्म सपद्यते तदा 22 39<sup>१</sup>, 40<sup>१</sup>  
 ब्रह्मसन्धवादिन 40 38<sup>१</sup>  
 ब्रह्मसूत्रोक्तकर 40 12<sup>१</sup>  
 ब्रह्मस्थलमहादुमा 93 59<sup>१</sup>  
 ब्रह्मदशमयाय न 22 9<sup>१</sup>  
 ब्रह्मा च कपिलश्चैव 31 15<sup>१</sup>  
 ब्रह्माणमप्रत हरया 7 53<sup>१</sup>  
 ब्रह्माणमपि चालयेत् 35 33<sup>१</sup>  
 ब्रह्माणममितीत्ययम् 1 18<sup>१</sup>  
 ब्रह्माणमसुतप्रभु 32 7<sup>१</sup>  
 ब्रह्माण वरदे प्रभु 20 43<sup>१</sup>  
 ब्रह्माण शरण जम् 20 35<sup>१</sup>  
 ब्रह्मादीनां यथात्मम् 86 16<sup>१</sup>  
 ब्रह्मादीनां गुरोत्तम 31 60<sup>१</sup>  
 ब्रह्मा परिशुद्धात्मने 42 17<sup>१</sup>

ब्रह्मा प्रजापतिर्धन्य 100 57<sup>a</sup>  
 ब्रह्मा प्रीतमनामस्य 31 34<sup>a</sup>  
 ब्रह्मा ब्रह्मत्वमेयिवाद् 20 23<sup>a</sup>  
 ब्रह्मा ब्रह्मविद्वां वर 20 19<sup>b</sup>  
 ब्रह्मा ब्रह्मविदा श्रेष्ठ 31 39<sup>a</sup>  
 ब्रह्मा श्लोकपितामह 20 9<sup>b</sup> 38 56<sup>d</sup> 41 1<sup>b</sup>  
 42 20<sup>b</sup> 100 64<sup>b</sup>

ब्रह्मा शश्वत् सोमश्च 32 4<sup>a</sup>  
 ब्रह्मैव हि पितामह 39 29<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणारव विधीयते 35 37<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणस्य च ते सुता 103 29<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणस्य प्रतिधुता 22 23<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणस्यारमतास्तदा 103 26<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणस्यारमवर्तिन 35 33<sup>b</sup>  
 ब्राह्मण विपुलैरर्थै 19 22<sup>a</sup>  
 ब्राह्मण पर्यभाषत 102 15<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणा दिवि ते स्थिता 32 38<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणा धनवृष्णार्ता 118 34<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणानुयायिन 41 28<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणानां च योनितु 43 73<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणानां महारमनाम् 19 13<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणान्कौशिकारमनाम् 15 2<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणान्स्वस्ति वाच्य च 18 8<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणार्थे सवर्धे च 103 7<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणा क्षत्रिया विशा 23 55<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणा क्षत्रिया वैद्या 23 72<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणेनावधोषित 26 13<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणेभ्यो नमस्तु 4 26<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणेभ्योऽपि वासव 118 30<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणेषु निवस्यति 115 39<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणैरम्यनुज्ञात 15 50<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणैर्महावादैश्च 68 34<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणश्च महाभागी 6 43<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणो भयविह्वल 102 7<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणोऽऽर्वस्वरं वृत्वा 102 12<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणो सचिवो च सौ 114 16<sup>a</sup>  
 ब्राह्मण्य प्रतिष्पस्यति 14 7<sup>a</sup>  
 ब्राह्मण्या प्रभवस्य मे 102 8<sup>b</sup>  
 ब्राह्मण्या स्तिकाण्योऽव 101 12<sup>a</sup>  
 ब्राह्ममयमवाप्तवान् 87 13<sup>a</sup>  
 ब्राह्म कलिर्वापार 44 11<sup>b</sup>  
 ब्राह्म तपसि युक्तानां 62. 32<sup>a</sup>  
 ब्रुवन्तो राजशासनान् 81 30<sup>a</sup>

भूत वो यस्य च काम 47 14<sup>a</sup>  
 बृहि तत्त्वेन भद्र ते 101 10<sup>a</sup>  
 बृहि त्व यद्यदिच्छसि 66 37<sup>a</sup>  
 बृहि न सर्वभूतेश 21 14<sup>a</sup>  
 बृहि नारद तत्त्वार्थ 100 29<sup>a</sup>  
 बृहि भीष्म यदिच्छसि 11 30<sup>a</sup>

भ

भक्तानां नृत्तनामेव 112 120<sup>a</sup>  
 भक्तिच्छेदानुहितान्ना 60 31<sup>a</sup>  
 भक्त्या मारायण प्रभुम् 19 10<sup>a</sup>  
 भक्षयन्निश्च तर्षत्सान् 52 34<sup>a</sup>  
 भक्षयित्वा शश तात 9 42<sup>a</sup>  
 भक्ष्यते सर्वराजेन 56 15<sup>a</sup>  
 भक्ष्यभोग्यदराक्षैव 117 21<sup>a</sup>  
 भक्ष्यमाण किङ्गहेपु 85 33<sup>a</sup>  
 भक्ष्य भोग्य च पेय च 60 12<sup>a</sup>  
 भगदत्तश्च वीर्यवान् 80 15<sup>b</sup>  
 भगवन्प्रोक्तुमिच्छामि 85 1<sup>a</sup>  
 भगवन्किं मया कार्यं 86 58<sup>a</sup>  
 भगवन्किञ्चनमस्या 43 2<sup>a</sup>  
 भगवन्तमरिन्दम् 13 2<sup>a</sup>  
 भगवन्त रणाक्षिरे 112 97<sup>b</sup>  
 भगवन्त वृषध्वजम् 106 37<sup>a</sup>  
 भगवन्तद्रुतसिद्धं 35 66<sup>a</sup>  
 भगवत्पुत्रस्तदाश्लोऽह 9 62<sup>a</sup>  
 भगवन्पदि शत्रवते 115 33<sup>a</sup>  
 भगवन्सर्वभूतेश 104 16<sup>a</sup>  
 भगवत्सपित पुत्र 35 56<sup>a</sup>  
 भगवत्सत्यसादेन 43 30<sup>a</sup>  
 भगवत्सत्यसमो नृप 42 45<sup>b</sup>  
 भगवत्सत्यदशे युक्ता 60 23<sup>a</sup>  
 भगवानपि तेनैव 60 22<sup>a</sup>  
 भगवानप्रवीतदा 116 4<sup>a</sup>  
 भगवान्देवकीसुत 91 51<sup>b</sup>  
 भगवान्प्रत्यक्षपुत्रम् 39 29<sup>a</sup>  
 भगवान्प्रवीतु मे 98 1<sup>a</sup>  
 भगवान्वासवानुज 92 70<sup>a</sup>  
 भगवान्सर्वभूतानां 31 56<sup>a</sup>  
 भगवान्भोक्त्रुजित 15 7<sup>b</sup>  
 भगवान्स्तेजसा प्रभु 65<sup>b</sup>  
 भगिनीं रामकृष्णयो 96 18<sup>a</sup>  
 भगिपानुत्तया सह 98 12<sup>a</sup>  
 भगिन्या वसुदेवस्य 87 20<sup>a</sup>

भगीरथसुतो राजा 10 67 <sup>१</sup>	भय च विगत मम 103 23 <sup>६</sup>
भग्नपृष्ठो दुराकृति 57 20 <sup>१</sup>	भय तीव्र च जायते 115 36 <sup>६</sup>
भग्नप्रहरणाविरम् 36 25 <sup>१</sup>	भय त्यजन्वममरा 31 62 <sup>१</sup>
भग्नस्कन्धश्च दानव 64 21 <sup>१</sup>	भय न समुदाहृतम् 46 27 <sup>६</sup>
भग्न माहेश्वर चाप 31 115 <sup>६</sup>	भयाच्छोरगपते 55 50 <sup>६</sup>
भग्न वरुणमाश्रित्य 113 16 <sup>६</sup>	भयात्पतंगराजस्य 55 49 <sup>६</sup>
भग्नान्नरोप युद्धाय 112 11 <sup>६</sup>	भयामयवर कृष्ण 97 30 <sup>६</sup>
भट्कृत्वा ताश्चापि पार्थिवान् 88 29 <sup>६</sup>	भयार्ता विमदुदुनु 108 20 <sup>६</sup>
भट्कृत्वा तु तद्धु श्रेष्ठ 71 44 <sup>६</sup>	भवेन मन्त्रयामास 47 8 <sup>६</sup>
भट्कृत्वा क्षत्रभिनय द्विप 71 53 <sup>६</sup>	भयेष्वभयदत्तस्य न 60 3 <sup>६</sup>
भङ्गकारस्तु पूर्यते 28 32 <sup>६</sup>	भयेष्वभयद्व्योक्ति 32 28 <sup>६</sup>
भङ्गकारे विदूरे 87 46 <sup>६</sup>	भयेसंज्ञं च राजान 65 9 <sup>६</sup>
भङ्ग भोक्तृविवर्धन 72 1 <sup>६</sup>	भरण तस्य चाक्रान् 9 99 <sup>६</sup>
भङ्गमानस्यै सह 38 68 <sup>६</sup>	भरतस्य विनष्टेषु 23 50 <sup>६</sup>
भङ्गो भूतमोहिनी 40 34 <sup>६</sup>	भरतावा स भारत 1 7 <sup>६</sup>
भङ्गमानश्च चपल 64 8 <sup>६</sup>	भरतो नाम वीर्यवान् 23 48 <sup>६</sup>
भङ्गमानस्य पुत्रोऽप्य 28 1 <sup>६</sup>	भरद्वाजास्य नाम द्विजा 14 1 <sup>६</sup>
भङ्गमानस्य सृज्यते 27 3 <sup>६</sup>	भरद्वाजास्तुतोऽभय 23 52 <sup>६</sup>
भङ्गमानाद्विजिह्वरे 27 4 <sup>६</sup> , 5 <sup>६</sup>	भर्ता च भविता हि स 92 33 <sup>६</sup>
भङ्गस्य पुनरागतम् 99 49 <sup>६</sup>	भर्ता तव विशाखाक्षि 107 75 <sup>६</sup>
भञ्जित भङ्गमान च 27 1 <sup>६</sup>	भर्ता तु मम वधेषु 107 46 <sup>६</sup>
भञ्जमानेष्वनीरेषु 110 56 <sup>६</sup>	भर्तारमनुगच्छति 31 117 <sup>६</sup>
भङ्गकारा भङ्गविन्द 99 9 <sup>६</sup>	भर्तारमभिवीक्षती 48 44 <sup>६</sup>
भङ्गचात तथैव च 88 38 <sup>६</sup>	भर्तारममरोपमम् 107 76 <sup>६</sup>
भङ्गवत्यां कुरुद्वई 26 28 <sup>६</sup>	भर्तारमानपाम्यस्य 107 84 <sup>६</sup>
भङ्गवक्ष्येण चक्षित 63 20 <sup>६</sup>	भर्तार दीप्तपस ३ 3 <sup>६</sup>
भङ्गभ्रमस्य पुत्राणा 23 61 <sup>६</sup>	भर्तार प्यायती सदा 107 40 <sup>६</sup>
भङ्गश्रेष्ठस्य पुत्रेण 23 64 <sup>६</sup>	भर्तारं प्रतिष्ठं दृष्ट्वा 77 1 <sup>६</sup>
भङ्गासनेषु पीठेषु 42 11 <sup>६</sup>	भर्तारं प्रतिष्ठाप्यसे 107 65 <sup>६</sup>
अयक्षोभितसर्वाङ्गा 76 10 <sup>६</sup>	भर्तारं यदि मया त्वं 107 69 <sup>६</sup>
अयद्वक्तव्यं वामोद 107 24 <sup>६</sup>	भर्ता वै शिशियायण 25 8 <sup>६</sup>
अयद्वस्ते पिता रणे 107 26 <sup>६</sup>	भर्तारमप्यते स्थिता 43 59 <sup>६</sup>
अयद्वस्य महद्भयम् 109 4 <sup>६</sup>	भर्तुर्निवध दुःखार्ता 29 7 <sup>६</sup>
अयद्व सर्वविद्विषाम् 38 42 <sup>६</sup>	भर्तुं समीप गच्छेति 8 14 <sup>६</sup>
अयद्व सर्वमृतानां 44 63 <sup>६</sup>	भर्तृरूपेण नापुण्य 8 2 <sup>६</sup>
अयमयेह सुयन 35 68 <sup>६</sup>	भर्ता रंसे कदा सह 107 13 <sup>६</sup>
अयमन्त्रि वरानने 107 25 <sup>६</sup>	भर्ता सह रमिष्यति 107 12 <sup>६</sup>
अयमावेदयन्ति मे 102 3 <sup>६</sup>	भर्तृर्यन्वी पुन पुन 51 13 <sup>६</sup>
अयमुत्पाय वीर्यवान् 110 35 <sup>६</sup>	भर्तृर्यन्वी सर्वदा 100 45 <sup>६</sup>
अयमोहितलोचना 112 21 <sup>६</sup>	भर्तृर्यन्ते च दिवा रात्रौ 71 4 <sup>६</sup>
अयविद्वलाचन 112 116 <sup>६</sup>	भर्तृर्यन्ते दुर्बुद्धि 15 23 <sup>६</sup>
अयविद्वलाचन 109 29 <sup>६</sup>	भर्तृर्यन्ते दुर्बुद्धि 15 26 <sup>६</sup>
अयविद्वलाचन 38 56 <sup>६</sup>	भर्तृर्यन्ते दुर्बुद्धि 81 22 <sup>६</sup>



महेनायतपर्यया 87 66<sup>1</sup>  
 मलनाय द्विधाकरोत् 81 85<sup>2</sup>  
 भवकाले भवस्येव 40 22<sup>3</sup>  
 भवत सायुज्येद 46 14<sup>4</sup>  
 भवता परिकीर्तितम् 1 1<sup>5</sup>  
 भवतामसि दूय च 96 70<sup>6</sup>  
 भवता रक्षण कार्ये 9 51<sup>7</sup>  
 भवता रक्षिता गाव 62 39<sup>8</sup>  
 भवता कोटयो स्थिता 112 101<sup>9</sup>  
 भवता चार्तया मति 38 78<sup>10</sup>  
 भवता पुण्यकीर्त्या 98 1<sup>11</sup>  
 भवता भद्रमस्तु व 96 69<sup>12</sup>  
 भवता वैभवाय च 59 61<sup>13</sup>  
 भवतो मनसोऽनुपम 106 20<sup>14</sup>  
 भवतो स्वमिदं वेति 71 16<sup>15</sup>  
 भवतद्य द्विचान्त 12 40<sup>16</sup>  
 भवतु प्रभ आहित 100 70<sup>17</sup>  
 भवद्रभिसद्भुत 100 80<sup>18</sup>  
 भवद्विर्ग हि मे युदे 108 33<sup>19</sup>  
 भवद्विर्गद्वि प्रोक्त 47 18<sup>20</sup>  
 भवद्विर्गद्विधा 83 16<sup>21</sup>  
 भवद्विर्गद्विधाधिपै 81 50<sup>22</sup>  
 भवद्विर्गद्विर्ग 61 6<sup>23</sup>  
 भवन्नि किमुपेक्षित 65 20<sup>24</sup>  
 भवन्नि किं पुनर्मैद्वी 65 17<sup>25</sup>  
 भवन्नि ज्ञातकीर्तिभि 65 19<sup>26</sup>  
 भवद्गया च विनाहृत 69 7<sup>27</sup>  
 भवद्गया स्येन तेजसा 72 17<sup>28</sup>  
 भवद्गयो माथिगम्यते 100 70<sup>29</sup>  
 भवन् तस्य तन्मद्व 108 2<sup>30</sup>  
 भवनाकारविदप 55 20<sup>31</sup>  
 भवने मधुचूदनम् 83 62<sup>32</sup>  
 भवमाभाधिता हृद्य 109 20<sup>33</sup>  
 भवन्ते जापते मति 109 39<sup>34</sup>  
 भवन्त हाग्न गता 03 9<sup>35</sup>  
 भवन्त सर्वकार्यज्ञा 65 12<sup>36</sup>  
 भवन्ति सर्वद्वेषा 100 62<sup>37</sup>  
 भवन्तो यद्वसैश्वरा 83 17<sup>38</sup>  
 भवन्तो भयमोहिता 112 13<sup>39</sup>  
 भवन्तो भोमपिक्रमा 63 11<sup>40</sup>  
 भवन्तो भुवि शाश्वता 100 85<sup>41</sup>  
 भवन्तो मम भान्धवा 83 15<sup>42</sup>  
 भवन्तो मा विज्ञेयत 5 13<sup>43</sup>

भवन्तो यान्ति वैकुण्ठ 108 31<sup>44</sup>  
 भवन्तो यान्तिनैकदा 108 32<sup>45</sup>  
 भवन्तो विगतज्वरा 86 8<sup>46</sup>  
 भवन्तो हि यथाकाम 46 28<sup>47</sup>  
 भवन्तो मम विरुवातो 72 16<sup>48</sup>  
 भवन्तो सगतायुषो 70 14<sup>49</sup>  
 भवन्त्यममभेदिन 59 14<sup>50</sup>  
 भवत्य तु गुह सदा 106 60<sup>51</sup>  
 भवत्य सद्य मित्र 106 60<sup>52</sup>  
 भवत्यामिन्देतेजस 112 87<sup>53</sup>  
 भव प्रसादयामास 107 6<sup>54</sup>  
 भवानक्षेपु कुवाळ 89 20<sup>55</sup>  
 भवानपि च सर्वेषा 115 22<sup>56</sup>  
 भवानस्तु यथासुखम् 111 9<sup>57</sup>  
 भवानेव ज्योतिष्य 112 60<sup>58</sup>  
 भवानेव महापुते 113 34<sup>59</sup>  
 भवान्यत्र वष स्थिता 86 27<sup>60</sup>  
 भवान्नाज्ञास्तु मे माग्य 78 37<sup>61</sup>  
 भवान्नि कुदत सदा 113 38<sup>62</sup>  
 भवान्यस्य सहस्रता 27 9<sup>63</sup>  
 भवाय जगत प्रभुश्च 40 10<sup>64</sup>  
 भवाय तस्य वैरस्य 44 52<sup>65</sup>  
 भवाय भवता काले 84 8<sup>66</sup>  
 भवाय भुवि वरीत 59 17<sup>67</sup>  
 भवाय मधुचूदन 45 37<sup>68</sup>  
 भवाय मधुचूदन 53 34<sup>69</sup>  
 भवाय वशजुहाव 1 13<sup>70</sup>  
 भवाभ्राया परा गति 41 23<sup>71</sup>  
 भवारस्तु तपसा श्रेष्ठ 85 29<sup>72</sup>  
 भविता बाण युद्ध ते 106 12<sup>73</sup>  
 भविता विप्रदो महम् 43 63<sup>74</sup>  
 भविता स हि ते भवो 107 42<sup>75</sup>  
 भवितीति नराधिप 22 28<sup>76</sup>  
 भवितीति हापर प्राप्य 19 44<sup>77</sup>  
 भविष्यदुद्भवेर्भुपै 68 28<sup>78</sup>  
 भविष्यत सत्ययो 17 4<sup>79</sup>  
 भविष्यति कदाचन 114 18<sup>80</sup>  
 भविष्यति ॥ कदाच 68 35<sup>81</sup>  
 भविष्यति च विस्तीर्णा 86 33<sup>82</sup>  
 भविष्यति जनेधर 5 40<sup>83</sup>  
 भविष्यति तदा तेषां 117 39<sup>84</sup>  
 भविष्यति तदा लोक 117 11<sup>85</sup>

अविष्यति द्विजश्रेष्ठ 9 8<sup>२</sup>  
 अविष्यति धनुर्मह 69 4<sup>३</sup>  
 अविष्यति नरेन्द्राये 81 15<sup>२</sup>  
 अविष्यति न सशय 31 98<sup>२</sup> 60 28<sup>२</sup> 106 58<sup>२</sup>  
 अविष्यति पुन पुन 14 9<sup>३</sup>  
 अविष्यति पुरी रम्या 80 6<sup>२</sup>, 42<sup>२</sup>  
 अविष्यति सद्गुणम् 43 54<sup>२</sup>  
 अविष्यति महीक्षिताम् 62 86<sup>२</sup> 67 63<sup>२</sup>  
 अविष्यति यदासुर 106 36<sup>२</sup>  
 अविष्यति युगक्षये 116 26<sup>२</sup>  
 अविष्यति युगे क्षीणे 117 14<sup>२</sup>  
 अविष्यति युगे तस्मिन् 13 45<sup>२</sup>  
 अविष्यति वसुधरा 117 31<sup>२</sup>  
 अविष्यति स ते वृत्तु 37 34<sup>२</sup>  
 अविष्यति सुजीविनम् 45 44<sup>२</sup>  
 अविष्यति सुतस्तेष्व 3 101<sup>२</sup>  
 अविष्यत्यप्रजो भ्राता 47 31<sup>२</sup>  
 अविष्यत्यत्र कारणात् 8 25<sup>२</sup>  
 अविष्यत्युत्पन्न 62 72<sup>२</sup>  
 अविष्यत्ययरे युगे 116 36<sup>२</sup>  
 अविष्यत्यस्तो हयं 118 29<sup>२</sup>  
 अविष्यति कलौ युगे 116 19<sup>२</sup>  
 अविष्यति गते युगे 116 25<sup>२</sup>  
 अविष्यति च कामाना 117 41<sup>२</sup>  
 अविष्यति तत कत 47 22<sup>२</sup>  
 अविष्यति दिनावय 116 27<sup>२</sup>  
 अविष्यति नरा सुखा 117 8<sup>२</sup>  
 अविष्यति नरा सर्वे 43 61<sup>२</sup>  
 अविष्यति न सशय 12 34<sup>२</sup>  
 अविष्यति महादुरा 106 25<sup>२</sup>  
 अविष्यति युगक्षये 116 6<sup>२</sup>, 9<sup>२</sup>, 10<sup>२</sup>, 12<sup>२</sup>, 13<sup>२</sup>, 30<sup>२</sup>  
 117 25<sup>२</sup>  
 अविष्यति युगलाते 116 21<sup>२</sup>  
 अविष्यति समाहिता 14 7<sup>२</sup>  
 अविष्यति मे मति 57 9<sup>२</sup>  
 अविष्यति नृणां मर्ज 43 25<sup>२</sup>  
 अविष्यति महाभागे 47 50<sup>२</sup>  
 अविष्यति ज्ञेयैव 21 22<sup>२</sup>  
 अविष्यति निषेदनम् 115 28<sup>२</sup>  
 अविष्य जानता तात 2 40<sup>२</sup>  
 अविष्य पश्यता भारं 43 46<sup>२</sup>  
 अविष्य द्युत कारणम् 43 37<sup>२</sup>  
 अविष्य दश भारत 7 45<sup>२</sup>

अविष्यामीति सखा मे 103 23<sup>२</sup>  
 अविष्या मुनिसत्तमा 7 44<sup>२</sup>  
 अविष्या वीर्यहायिनीम् 87 35<sup>२</sup>  
 अविष्यै स्तुष्टवामिति 5 37<sup>२</sup>  
 अवेच्छजलाशया 55 54<sup>२</sup>  
 अवेता चातिवै रत्ने 73 4<sup>२</sup>  
 अवेत्तस्येह पातकम् 11 1<sup>२</sup>  
 अवेदपि न सशय 114 18<sup>२</sup>  
 अवेद्यदि न नीत स्यात् 99 37<sup>२</sup>  
 अवेद्युदविशारद् 107 54<sup>२</sup>  
 अवेद्वपसर्वरपि 85 60<sup>२</sup>  
 अवेन प्याविता दैव्या 65 38<sup>२</sup>  
 अवेयमहमीदृश 16 36<sup>२</sup>  
 अवेयमहमेवाकं 31 44<sup>२</sup>  
 अवैय सतत विभो 112 118<sup>२</sup>  
 अव्यना कृष्णपूर्व 110 63<sup>२</sup>  
 अव्यना गुणित वाद् 109 31<sup>२</sup>  
 अव्यग्रहरणो घोत 110 87<sup>२</sup>  
 अव्यभूता नानाश ह 36 33<sup>२</sup>  
 अव्यतेनूदित कृत् 118 20<sup>२</sup>  
 अव्यत्ययव्यूतेषु 36 36<sup>२</sup>  
 अव्यमृतोऽभवत्तदा 85 33<sup>२</sup>  
 अवाग प्रमोत्तरक्षिता 102 16<sup>२</sup>  
 अवाग भागवद् च वत् 31 9<sup>२</sup>  
 अवाय पञ्चमस्मान् 39 20<sup>२</sup>  
 अवायधे यज्ञविधिना 30 23<sup>२</sup>  
 अवायसेषु गतेष्वय 44 8<sup>२</sup>  
 अवायश्च त्रिदिवीकृताम् 46 1<sup>२</sup>  
 अवागे देवपुरोषस 44 3<sup>२</sup>  
 अवागेऽवतीर्णे धर्मस्य 44 2<sup>२</sup>  
 अवागे मे आकरस्य च 44 3<sup>२</sup>  
 अवागेऽपेतेषु गगनात् 44 6<sup>२</sup>  
 अवागे सोमस्य वदेध 44 4<sup>२</sup>  
 अवागश्च त्रिदश सर्वे 100 76<sup>२</sup>  
 अवाजानि च मांसस्य 60 13<sup>२</sup>  
 अवाज सञ्चिरोऽप्यलात् 53 11<sup>२</sup>  
 अवाजानां चैत्र हरिण 117 21<sup>२</sup>  
 अवादीरस्कषमुदिरय 58 22<sup>२</sup>  
 अवादीरं च वनस्पतिम् 52 27<sup>२</sup>  
 अवादीरं नाम मातृत्वं 55 22<sup>२</sup>  
 अवादीरं कथ्यते शत्रु 00 15<sup>२</sup>  
 अवादीरा नाम पुत्रमे 52 25<sup>२</sup>  
 अवाति गायधेनो गिरिः 54 25<sup>२</sup>

भाति चैत्ररथं चैव 93. 20<sup>a</sup>.  
 भाति पुष्करिणी रम्या 93 21<sup>a</sup>.  
 भाति भार्गवनं चैव 93 18<sup>a</sup>.  
 भाति रैवतकं प्रति 93 17<sup>a</sup>.  
 भाति रैवतकः शैलः 93 14<sup>a</sup>.  
 भाति द्वाद्वलमालिनी 54 17<sup>a</sup>.  
 भात्यगाधमपर्यन्तं 54 34<sup>a</sup>.  
 भातबल्लभ देवाश्च 7. 11<sup>a</sup>.  
 भातुर्माधेय निष्प्रमः 102. 4<sup>a</sup>.  
 भातुर्भीमरथ क्षुपः 93 7<sup>a</sup>.  
 भातोरु भातयस्तात 3 28<sup>a</sup>.  
 भातो. प्रभा क्षिप्ता वज्रेः 118 37<sup>a</sup>.  
 भाग्यातिवृष्ट्या मातङ्गा 54 20<sup>a</sup>.  
 भाभिराश्रयक्षणाद् 34 23<sup>a</sup>.  
 भाभिरवलिततेजसम् 70 21<sup>a</sup>.  
 भाभिवैभाति भास्करम् 66 28<sup>a</sup>.  
 भातवत्त च बंशात् 62 72<sup>a</sup>.  
 भातवत्तद्दोदधे 67 61<sup>a</sup>.  
 भातवं स्वयि चालकं 62 73<sup>a</sup>.  
 भातवानां कुलोद्भवः 43 25<sup>a</sup>.  
 भातवानां च सर्वेषां 1 1<sup>a</sup>.  
 भातवाश्च सुपाताश्च 23 160<sup>a</sup>.  
 भातवीं परिभूय सा 83 29<sup>a</sup>.  
 भातवीं महतीं धुरम् 45 9<sup>a</sup>.  
 भातद्वाग्लप्या व्रीणिः 7. 43<sup>a</sup>.  
 भातमायेव च मधु 22 19<sup>a</sup>.  
 भातसौमित्रकारणात् 42 62<sup>a</sup>.  
 भातवतरणेप्लवा 42 39<sup>a</sup>.  
 भातवतारणार्थं हि 41 27<sup>a</sup>.  
 भातो यद्यवरोत्तम्य 42 53<sup>a</sup>.  
 भार्गवमिस्तु भार्गवाद् 23 71<sup>a</sup>.  
 भार्गवं कौशिकत्वं हि 23 92<sup>a</sup>.  
 भार्गवः सुमहावपाः 31 101<sup>a</sup>.  
 भार्गवात्सगरो नृप 10 26<sup>a</sup>.  
 भार्गवेण पित्रु श्राद्धे 42 40<sup>a</sup>.  
 भार्गवेण महात्मना 42 43<sup>a</sup>.  
 भार्गवेणामिद्विभक्तः 10 23<sup>a</sup>.  
 भार्गवोऽग्निरमेन वै 65 39<sup>a</sup>.  
 भार्यया सहितो वने 19. 2<sup>a</sup>.  
 भार्या गोपकुलोद्भवा 47. 33<sup>a</sup>.  
 भार्यामित्रा भविष्यन्ति 116 8<sup>a</sup>.  
 भार्यासुराश्च सशस्त्राश्च 26 16<sup>a</sup>.  
 भार्या रात्रमुत्सोचिता. 77. 53<sup>a</sup>.

भार्या रूपगुणाश्रिता 99 6<sup>a</sup>.  
 भार्या वै तनयस्य ते 99. 45<sup>a</sup>.  
 भार्या घोस्तु महाभाग 2 41<sup>a</sup>.  
 भार्यासु च परास्त्रियम् 116 39<sup>a</sup>.  
 भार्यास्तस्य विस्तुदुः 71 14<sup>a</sup>.  
 भार्यास्तासां शवं सुताः 28 32<sup>a</sup>.  
 भार्यास्त्वितासु मृमिष 77. 22<sup>a</sup>.  
 भार्या नात्यक्षररतिः 31. 133<sup>a</sup>.  
 भार्याः कृष्णस्य वा ददौ 28. 34<sup>a</sup>.  
 भार्याः स हृष्टा शोचन्ति 77. 2<sup>a</sup>.  
 भार्याका तुल्यवार्तिणी 43 52<sup>a</sup>.  
 भावनिष्पद्यधुरं 63 29<sup>a</sup>.  
 भावयन्ति फलार्थिनः 13 54<sup>a</sup>, 69<sup>a</sup>.  
 भावयन्ती समन्ततः 93 23<sup>a</sup>.  
 भावयन्तो भुवं देवीं 43 13<sup>a</sup>.  
 भावयन्त्यमितोद्गसः 13 42<sup>a</sup>.  
 भावयामास सर्वतः 20 13<sup>a</sup>.  
 भावयिष्यन्ति सतत 12 39<sup>a</sup>.  
 भाविनोऽर्थस्य वा बलात् 8. 19<sup>a</sup>, 10 5<sup>a</sup>.  
 भावे तपसि मुद्धानां 36 42<sup>a</sup>.  
 भावेनोपसर्प्य वम् 73 19<sup>a</sup>.  
 भावी रत्नानुभावेतौ 30 42<sup>a</sup>.  
 भाव्यः सोऽनागते तस्मिन् 8 43<sup>a</sup>.  
 भाव्यमाणाः प्रतस्थिरे 78 46<sup>a</sup>.  
 भावसे यद्यदिच्छसि 73 28<sup>a</sup>.  
 भापित वायवादिन 44 38<sup>a</sup>.  
 भास्यस्यस्त्रिलं लवर् 26 6<sup>a</sup>.  
 भास्यन्गुप्राश्च गृध्रिश्च 3. 82<sup>a</sup>.  
 भास्यमिपादानुसृतं 49 19<sup>a</sup>.  
 भास्करस्येव तेजसा 34 10<sup>a</sup>.  
 भास्करावरमुदुत् 36 48<sup>a</sup>.  
 भास्करेणजिलेन वा 42 4<sup>a</sup>.  
 भास्करे तेजसि गते 68 10<sup>a</sup>.  
 भास्करेऽनुदिते तदा 86 1<sup>a</sup>.  
 भासत्वा प्रयत्नकृतम् 112 96<sup>a</sup>.  
 भासन्ति तानि दृश्यन्ते 113 57<sup>a</sup>.  
 भासो यस्मिन्नुत्वा च 116 38<sup>a</sup>.  
 भाषिद्वारायुधास्तथा 31 78<sup>a</sup>.  
 भाषा मृमिमवाचत 11. 17<sup>a</sup>.  
 भाषते यथेते पुन 30 47<sup>a</sup>.  
 भाषमान इवाप्य 56 3<sup>a</sup>.  
 भाष्यमात्रादमन्यत 61 33<sup>a</sup>.  
 भाष्यभाण्डवटीवटम् 50 13<sup>a</sup>.

भिन्नपेल इवार्णव 34 16<sup>६</sup>  
 भिन्नाज्ञानचयोपमम् 85 30<sup>६</sup>  
 भिन्नालीकृत्य तस्य वै 76 16<sup>६</sup>  
 भिन्नोरस्का दितिसुते 35 9<sup>६</sup>  
 भीतस्त्वहितमागम्य 50 14<sup>६</sup>  
 भीतस्त्वहितविक्रम 71 46<sup>६</sup>  
 भीता गद्गदभाषिणी 50 16<sup>६</sup>  
 भीताश्चशमभवस्तदा 99 31<sup>६</sup>  
 भीता कस्याश्वितेऽथ 81 73<sup>६</sup>  
 भीनो दानपतिसत्तदा 71 3<sup>६</sup>  
 भीमयोपमहापोरै 93 31<sup>६</sup>  
 भीमरूपाश्च मातङ्गा 92 10<sup>६</sup>  
 भीमसेनश्च नामत 23 110<sup>६</sup>  
 भीमसेनलथा द्वातात् 24 23<sup>६</sup>  
 भीमसेन च जानामि 62 92<sup>६</sup>  
 भीमसेन सुयोधनम् 97 18<sup>६</sup>  
 भीमसेनाद्ययो राजद् 23 113<sup>६</sup>  
 भीमसेनोऽभवत्सुत 23 114<sup>६</sup>  
 भीमस्त रथमुत्तमम् 22 14<sup>६</sup>  
 भीमा भक्तवत्सलाश्च 31 82<sup>६</sup>  
 भीमो भीमपराक्रम 90 7<sup>६</sup>  
 भीमो विद्वन्मैल्युत 26 20<sup>६</sup>  
 भीमत्वं समुपागतम् 50 21<sup>६</sup>  
 भिषग्वैतरणश्च य 28 6<sup>६</sup>  
 भीषणा विहृतानना 33 26<sup>६</sup>  
 भीषयाणश्च त नृपम् 85 31<sup>६</sup>  
 भीष्मकश्च नराधिप 80 10<sup>६</sup>  
 भीष्मकस्य सुतश्चापि 88 5<sup>६</sup>  
 भीष्मकस्य सुताया वै 87 2<sup>६</sup>  
 भीष्मकस्याहुनेन च 82 2<sup>६</sup>  
 भीष्मक भीमविजयम् 87 17<sup>६</sup>  
 भीष्मक वरवामास 87 25<sup>६</sup>  
 भीष्मक कुण्डिने चैव 88 33<sup>६</sup>  
 भीष्मनेनाभिगुप्तस्य 81 100<sup>६</sup>  
 भीष्म वक्ष्यामि तावेन 12 2<sup>६</sup>  
 भीष्माय परिपृच्छते 11 5<sup>६</sup>  
 भीष्मणे परिषोदित 101 4<sup>६</sup>  
 भीष्मणे दाह्यत यया 11 7<sup>६</sup>  
 भुक्तपूर्वापरपर्यायानि 83 2<sup>६</sup>  
 भुक्तपूर्वाभिव सनम् 40 37<sup>६</sup>  
 भुक्ता राजकुलैश्चापि 42 48<sup>६</sup>  
 भुक्ता चापभृते कृष्ण 60 20<sup>६</sup>  
 भुक्ते च मन पार्थन 65 62<sup>६</sup>

भुवगाभोगनिर्घोरै 47 43<sup>६</sup>  
 भुवगाभोगवर्तिना 83 26<sup>६</sup>  
 भुवगाभिष्वज प्रभु 34 38<sup>६</sup>  
 भुवनेन्द्रेण वदने 34 40<sup>६</sup>  
 भुज विष्ण्याप दक्षिणम् 88 13<sup>६</sup>  
 भुजाये सधनो गिरि 61 50<sup>६</sup>  
 भुजाम्यां साधु भूयित 68 20<sup>६</sup>  
 भुजाम्यां साधुवृत्ताभ्यां 55 5<sup>६</sup>  
 भुजाम्याश्च व्यवर्धन्त 38 35<sup>६</sup>  
 भुजासकेन चभुजे 75 5<sup>६</sup>  
 भुजेनायतपर्वणा 67 57<sup>६</sup>  
 भुजे प्रहरणावृत्तै 60 32<sup>६</sup>  
 भुज्यन्ता सर्वकामार्था 46 19<sup>६</sup>  
 भुवि पद्मामवस्थित 68 28<sup>६</sup>  
 भुवि यस्ते जनयिता 45 17<sup>६</sup>  
 भुवि सार्योपपाचिता 47 50<sup>६</sup>  
 भृशप्राम च पञ्चकम् 35 40<sup>६</sup>  
 भृशप्रामैर्न सख्य 6 43<sup>६</sup>  
 भृशपूर्वश्च तं कर 46 18<sup>६</sup>  
 भृशपूर्वश्च मे शूरम् 65 33<sup>६</sup>  
 भृशभयभयवत्प्रभु 43 75<sup>६</sup>  
 भृशभयभयविव्यस्य 31 59<sup>६</sup>  
 भृशभेदाश्च भूनेभ्य 1 19<sup>६</sup>  
 भृशत पर्वतेरिव 65 19<sup>६</sup>  
 भृशसर्गमनुत्तमम् 1 23<sup>६</sup>  
 भृशसर्गमिदं सायक 3 112<sup>६</sup>  
 भृशसधनियेधिया 65 52<sup>६</sup>  
 भृशसपात्तयैव च 6 32<sup>६</sup>  
 भृशसतापनक्षया 3 64<sup>६</sup>  
 भृश वज्रवता समम् 100 61<sup>६</sup>  
 भृशानो जवदेवय 3 110<sup>६</sup>  
 भृशानो भायन प्रभु 109 83<sup>६</sup>  
 भृशानो भृशभावन 40 39<sup>६</sup>  
 भृशानीच मङ्गात्र 23 16<sup>६</sup>  
 भृशातङ्करपे तदा 112 48<sup>६</sup>  
 भृशासहिम्नमस्य 30 49<sup>६</sup>  
 भृशा चोरगणिको हर्षा 7 41<sup>६</sup>  
 भृशा कपरिण सिद्धा 59 25<sup>६</sup>  
 भृशा भृशहितायिना 31 30<sup>६</sup>  
 भृशा सहार शूरा 82 84<sup>६</sup>  
 भूमिपालो सहस्रैश्च 41 22<sup>६</sup>  
 भूमिरिषा स्वयो गता 41 34<sup>६</sup>  
 भूमिनिम्नता चेवं 81 12<sup>६</sup>

भूमिनिर्विदरीकृता 41 22<sup>d</sup>  
 भूमिश्चादरीयत्तृणम् 54 3<sup>f</sup>  
 भूमिलस्याभरासुत 98 27<sup>b</sup>  
 भूमिस्तु पतित पुत्र 91 58<sup>a</sup>  
 भूमिलीयमयी यथा 61 17<sup>d</sup>  
 भूमि चैव प्रवेशित 10 47<sup>a</sup>  
 भूमीगृहनिभोयम 61 25<sup>b</sup>  
 भूमेरासीत्तदानय 11 13<sup>b</sup>  
 भूमेस्तप्यमानस 61 31<sup>a</sup>  
 भूमेर्युगपर पुत्र 98 27<sup>a</sup>  
 भून्दाशोष्योमभूतात्मा 34 35<sup>a</sup>  
 भूय एव तु विप्रये 90 1<sup>a</sup>  
 भूय एव द्विजश्रेष्ठ 105 1<sup>a</sup>  
 भूय एवाभिरर्पते 22 31<sup>d</sup>  
 भूयश्च जामदग्न्योश्च 31 100<sup>a</sup>  
 भूयश्च पुरुरोचम 86 63<sup>b</sup>  
 भूयश्च सहस्रोपाय 70 33<sup>a</sup>  
 भूयश्चातो जनावने 104 24<sup>d</sup>  
 भूयश्चैव मया शप्त 43 23<sup>a</sup>  
 भूयश्चैव धृष्टानि ते 105 4<sup>d</sup>  
 भूयश्चैव भविष्यति 31 10<sup>a</sup>  
 भूयश्चैव तत्पते प्रभु 31 145<sup>d</sup>  
 भूयस्तु बुद्धिरभवत् 86 54<sup>a</sup>  
 भूयस्त्वित्पत्नी समरे 38 21<sup>a</sup>  
 भूय ह्यनुग कर्तु 41 12<sup>a</sup>  
 भूय कोषसमाधि 60 39<sup>a</sup>  
 भूय शापभयादि 3 13<sup>d</sup>  
 भूय ह्यनु यथा शिष्यु 43 76<sup>a</sup>  
 भूयः सखादयामास 112 74<sup>a</sup>  
 भूय सामर्थ्याप्राप्ती 112 98<sup>d</sup>  
 भूय निदिमनुप्राप्ता 14 8<sup>a</sup>  
 भूयो देवपितृत्तम 3 9<sup>d</sup>  
 भूयोऽपि ते धर दधि 112 126<sup>a</sup>  
 भूयो बलसमन्वित 11 69<sup>d</sup>  
 भूयो भाण्डीरमागतौ 58 1<sup>d</sup>  
 भूयो भूतात्मनो विज्यो 31 93<sup>a</sup>  
 भूयोऽय चामनोऽपर 31 68<sup>b</sup>  
 भूयो रम्यतरं यमी 57 23<sup>d</sup>  
 भूरितेजसमक्षोभ्य 65 10<sup>a</sup>  
 भूरिर्भूतिश्च शल 23 116<sup>d</sup>  
 भूरिश्रवसमेव च 65 10<sup>d</sup>  
 भूरिश्रवास्त्रिगतैश्च 81 42<sup>a</sup>  
 भूयोमाऽयनिलम्भसाम् 40 39<sup>d</sup>

भूयण तेषु वेदमसु 93 48<sup>d</sup>  
 भूयणाना च क्षिप्तै 74 8<sup>b</sup>  
 भूयणाना च सर्वेषा 3 40<sup>a</sup>  
 भृगुतुष्टे तपश्च्रीत्वा 22 42<sup>a</sup>  
 भृगुर्नमो दिवस्वाथ 7 26<sup>a</sup>  
 भृगोरेवात्मज्ञे सह 20 12<sup>b</sup>  
 भृत्य इत्यवगन्तव्य 35 66<sup>a</sup>  
 भृत्यवत्तत्करिष्यामि 62 98<sup>a</sup>  
 भृत्या दत्तिर्दिष्टमुत्र 116 9<sup>a</sup>  
 भृत्यानामप्रल स्थित 46 21<sup>b</sup>  
 भृत्याश्चल्ये मद्विरगा 56 11<sup>b</sup>  
 भृक्ष पीडितमानस 8 41<sup>a</sup>  
 भृश विपण्णा सेन्द्राश्च 112 45<sup>a</sup>  
 भृश शापमयोद्विज 11 21<sup>a</sup>  
 भृशार्तो धणपीडित 112 120<sup>a</sup>  
 भृशान्नस्य तु देवरे 3 55<sup>a</sup>  
 भेदिरे षण्डविषय 35 20<sup>a</sup>  
 भेदिरे पिहितानना 63 14<sup>d</sup>  
 भेदिरे मनस सुखम् 79 33<sup>d</sup>  
 भेदिरे वारिजा श्रियम् 59 41<sup>d</sup>  
 भेजे वृष्णिपुरस्तृत 95 17<sup>d</sup>  
 भेजा जगति गुह्याना 44 10<sup>a</sup>  
 भेचार पराष्ट्राणा 65 16<sup>a</sup>  
 भेदकाले वेन्द्राणा 67 64<sup>a</sup>  
 भेदकाले समुत्थिते 65 68<sup>a</sup>  
 भेदयत्स्वभते रतिम् 46 29<sup>d</sup>  
 भेदसीत्स्व नारद 46 29<sup>d</sup>  
 भेरीणा च महास्वने 94 12<sup>b</sup>  
 भेरीणा च महास्वने 110 36<sup>b</sup> 112 50<sup>b</sup>  
 भेरीसङ्गद्यदज्ञाना 87 77<sup>a</sup>  
 भेरीसङ्गरवे सह 94 14<sup>b</sup>  
 भोक्तु गावस्तृणानि च 50 17<sup>d</sup>  
 भोक्ष्यन्ति पुरपा स्त्रियम् 116 38<sup>d</sup>  
 भोगराशि त्लोक्षितम् 56 30<sup>a</sup>  
 भोगाभेमसिप सन्ते 116 35<sup>a</sup>  
 भोगिभोगावसनेन 34 43<sup>a</sup>  
 भोगेनानलचर्चसा 56 7<sup>b</sup>  
 भोगिर्वा स्याच्छुभेक्षण्ये 107 54<sup>d</sup>  
 भोगैश्च समयोत्तय 19 22<sup>d</sup>  
 भोगोदरासने शुभे 70 19<sup>a</sup>  
 भोक्तु च किमप्यकम् 35 57<sup>a</sup>  
 भोक्तान्युपकल्प्यन्ता 60 11<sup>a</sup>  
 भोक्तुयो वधिष्यति 47 10<sup>d</sup>

भोजयामास तच्छ्रुत्वा 10 16<sup>०</sup>  
 भोजसाजं श्रिया लुप्त 96 57<sup>०</sup>  
 भोजराजो महाद्युति 76 36<sup>०</sup>  
 भोजवृक्षविषर्जन 44 62<sup>०</sup>  
 भोजवृक्षयन्त्रकान्तवर्ण 96 27<sup>०</sup>  
 भोजवृक्षयन्त्रका वच 96 4<sup>०</sup>  
 भोजवृक्षयन्त्रकैर्युता 9 26<sup>०</sup>  
 भोजवृक्षयन्त्रकैर्वृत 80 6<sup>०</sup>  
 भोजवृक्षयन्त्रकोत्तमै 101 6<sup>०</sup>  
 भोजश्चक्रे भयादित 29 14<sup>०</sup>  
 भोजश्च विजयश्चैव 25 7<sup>०</sup>  
 भोजस्य वडवा राज्ञ 29 16<sup>०</sup>  
 भोजस्य दत्तधन्यन 29 7<sup>०</sup>  
 भोजस्यैयमुमोदनम् 27 22<sup>०</sup>  
 भोज वैतरण चैव 65 9<sup>०</sup>  
 भोज हृत्वा महावचम् 29 11<sup>०</sup>  
 भोजायै मार्तिकावता 27 15<sup>०</sup>  
 भोजश्चाभ्यन्तयल्लया 23 159<sup>०</sup>  
 भोजेन दत्तधन्यना 29 1<sup>०</sup>  
 भोजो वा वादवो वासि 68 6<sup>०</sup>  
 भोज्याधिधयणाय च 65 91<sup>०</sup>  
 भोज्याया पुरुषा वरा 24 14<sup>०</sup>  
 भोज्या ये महिषादय 60 13<sup>०</sup>  
 भोज्यकालमावह्ना 61 2<sup>०</sup>  
 भोज्यं परम तेन 100 74<sup>०</sup>  
 भोज्यं कलभमुपा पाळ 71 39<sup>०</sup>  
 भोज्यो नाम रुचे द्युत 7 41<sup>०</sup>  
 भोज्यो रौच्यस्तथैव 7 5<sup>०</sup>  
 भोज्यं स नरकोऽसुर 91 31<sup>०</sup>  
 भोज्यं स नरको हत 96 1<sup>०</sup>  
 भोज्यं महावेगा 54 14<sup>०</sup>  
 भोज्यं दयातिरे 112 103<sup>०</sup>  
 भोज्यमारोप्य तत्तेज 34<sup>०</sup>  
 भोज्याश्च शोकात्ता 105 16<sup>०</sup>  
 भोज्यं दुश्चरितेन ये 14 1<sup>०</sup>  
 भोज्यं प्राप्स्यन्ति इतिताम् 14 5<sup>०</sup>  
 भोज्यं स्वदीपेण 13 31<sup>०</sup>  
 भोज्यं स्वतिममाद् 13 31<sup>०</sup>  
 भोज्यं दितस्य च दिवा 118 29<sup>०</sup>  
 भोज्यं तोषरीयेण 76 34<sup>०</sup>  
 भोज्यं दीर्घशिखर 52 24<sup>०</sup>  
 भोज्यं स समस्त 79 28<sup>०</sup>  
 भोज्यं ते हृष्यतावता 54 26<sup>०</sup>

भोजयाममवीक्षे 93 57<sup>०</sup>  
 भोजयामात्त्वत्तिकायम् 92 48<sup>०</sup>  
 भोजमानेन तेजसा 34 22<sup>०</sup>  
 भोजमानेपु राज्ञ 36 45<sup>०</sup>  
 भोजमानो यथा रवि 34 9<sup>०</sup>  
 भोज्योस्तेजसा वृतम् 34 50<sup>०</sup>  
 भोज्यं वीक्ष्य रुक्मिणी 88 27<sup>०</sup>  
 भोज्यं साधु भाषितम् 83 66<sup>०</sup>  
 भोज्यं स्तुतं दुर्धर्षा 12 13<sup>०</sup>  
 भोज्यं देवसकाशौ 98 20<sup>०</sup>  
 भोज्यं लोकविश्रुतौ 79 31<sup>०</sup>  
 भोज्यं शनैश्चरन्त्या 8 44<sup>०</sup>  
 भोज्यं स्वैषणे घृप 3 22<sup>०</sup>  
 भोज्यं वित्तवाङ्मिणी 88 27<sup>०</sup>  
 भोज्यं वान्मर्षयान्येव 29 22<sup>०</sup>  
 भोज्यं मिर्मातृभिस्तथा 63 24<sup>०</sup>  
 भोज्यं सुमहारी 87 50<sup>०</sup>  
 भोज्यं मनुजस्य सा 9 84<sup>०</sup>  
 भोज्यं पदवी चैव 3 20<sup>०</sup>  
 भोज्यं तद्वा तमाविदम् 108 43<sup>०</sup>  
 भोज्यं यस्त तदा बुभुक्ष 38 3<sup>०</sup>  
 भोज्यं यश्चक्रमुत्तमम् 112 100<sup>०</sup>  
 भोज्यं यस्या शतगुण 76 3<sup>०</sup>  
 भोज्यं यश्चैव चद्रै 63 23<sup>०</sup>  
 भोज्यं यस्यापि सताया 65 63<sup>०</sup>  
 भोज्यं यस्यामिवास्तथा 81 72<sup>०</sup>  
 भोज्यं यस्वेद्वर्षिण 36 39<sup>०</sup>  
 भोज्यं यस्तेरगोष 76 14<sup>०</sup>

म

मञ्जुविव सरस्वी 81 54<sup>०</sup>  
 मञ्जु च द्रष्टव्यं 39 22<sup>०</sup>  
 मञ्जु मञ्जुप्रप 5 39<sup>०</sup>  
 मञ्जुपु पुरा ये 87 16<sup>०</sup>  
 मञ्जुसर्वस्य नभस 54 39<sup>०</sup>  
 मञ्जुयां च महापदे 47 53<sup>०</sup>  
 मञ्जुयां द्विजयादा 02 20<sup>०</sup>  
 मञ्जु पुरि निवृत्तये 62 20<sup>०</sup>  
 मञ्जु ये वाग्निबह्वे 50 15<sup>०</sup>  
 मञ्जुयां कौशिक स्वयम् 23 84<sup>०</sup>  
 मञ्जुयां गीर्वा हृष्य 47 39<sup>०</sup>  
 मञ्जुयां नरराष्ट्रमीम् 8 4<sup>०</sup>  
 मञ्जुयां दिवाकर 54 16<sup>०</sup>  
 मञ्जुयां यमुनायां च 45 45<sup>०</sup>

मञ्जुव महाणवे 40 28<sup>d</sup>  
 मञ्जाया शुक्रमभव 30 40<sup>b</sup>  
 मञ्जुवार्त्तरन्तरम् 72 2<sup>d</sup>  
 मञ्जागार सुनिर्मुक्त 74 4<sup>a</sup>  
 मञ्जानामवलोकक 72 1<sup>d</sup>  
 मञ्जासिष्कस्य वेश्य 76 35<sup>d</sup>  
 मञ्जा भान्यचलोपमा 74 6<sup>d</sup>  
 मञ्जारोहणमुत्तमम् 72 4<sup>d</sup>  
 मञ्जाश्व जुषुगिरे 75 41<sup>b</sup>  
 मणिकान्तनोरणम् 92 38<sup>d</sup>  
 मणिकान्तनोरण 93 14<sup>d</sup>  
 मणिरवतमुत्पाद्य 96 2<sup>a</sup>  
 मणिरवतयात्रा हि 93 2<sup>a</sup>  
 मणिरवतद्वृक्ष च 92 43<sup>a</sup>  
 मणिमिश्र महाप्रभ 94 25<sup>d</sup>  
 मणिमुक्ताप्रवालानि 92 3<sup>a</sup>  
 मणिमुक्ता सुवर्ण च 89 25<sup>a</sup>  
 मणिरत्न स्वमन्तकम् 28 14<sup>b</sup> 29 1<sup>b</sup>, 18<sup>a</sup>, 40<sup>b</sup>  
 मणिरत्न भास्वता 34 43<sup>d</sup>  
 मणिरिषेयमाद्वय 8 90<sup>b</sup>  
 मणिरत्न भास्वता 103 12<sup>d</sup>  
 मणिविद्रुमतोरणाम् 95 15<sup>b</sup>  
 मणिविद्रुमराजै 94 2<sup>d</sup>  
 मणिशृङ्ग हवोर्गुप्त 31 27<sup>d</sup>  
 मणिशृङ्गामोक्षरवपु 34 14<sup>a</sup>  
 मणिस्तम्भसहस्रानाम् 94 2<sup>a</sup>  
 मणिहेमनिभाक्षित्रा 94 4<sup>a</sup>  
 मणिहेमरुपाकीर्णा 93 59<sup>a</sup>  
 मणि धैव स्वमन्तकम् 29 2<sup>d</sup>  
 मणि स्वमन्तक धैव 28 29<sup>a</sup>  
 मणीना च विविधानां 74 8<sup>a</sup>  
 मणीना हेमवर्णानाम् 82 20<sup>a</sup>  
 मण्डलानि परिधमम् 67 23<sup>b</sup>  
 मण्डलानि विदर्शयद् 76 5<sup>d</sup>  
 मण्डलानि सहस्रश 110 60<sup>b</sup>  
 मण्डलै प्रभरिष्यन्ति 117 26<sup>a</sup>  
 मतश् शास्त्रधन्य 97 34<sup>b</sup>  
 मतिनारसुताश्रयन् 23 43<sup>a</sup>  
 मतिनारो महीपति 23 43<sup>b</sup>  
 मतिमेतां ददातीह 35 55<sup>a</sup>  
 मति चक्रेऽरिसुदन 67 23<sup>d</sup>  
 मति मन्त्रतयिष्ठसाम् 100 67<sup>d</sup>  
 मरुते न विनश्येयु 5 48<sup>a</sup>

मरुते विग्रहा लोके 42 50<sup>a</sup>  
 मरुतशिशि विग्रमात् 107 50<sup>b</sup>  
 मरुतश्रीप्राणदेव 62 50<sup>a</sup>  
 मरुतश्रीप्राणदेव 59 39<sup>a</sup>  
 मरुद्विपरयाजुलम् 81 24<sup>b</sup>  
 मरुतवर्हिणस्यैव 93 65<sup>a</sup> 94 5<sup>a</sup>  
 मरुतमातङ्गविग्रमम् 107 60<sup>b</sup>  
 मरुतद्विहि पाण्डव 104 17<sup>d</sup>  
 मरुत मरुतलोक्षितम् 62 2<sup>b</sup>  
 मरुत प्रादुर्भवन्ति वै 104 21<sup>d</sup>  
 मरुत प्रियवता नृप 22 25<sup>b</sup>  
 मरुत विरुक्षु खगा 59 45<sup>a</sup>  
 मरुतविष गजौ युद्धे 82 12<sup>a</sup>  
 मरुतजलतलनालम् 104 9<sup>d</sup>  
 मरुतजो भरतपम 104 19<sup>d</sup>  
 मरुत कुटिल नारी 83 38<sup>a</sup>  
 मरुत नृपभेषु च 62 50<sup>b</sup>  
 मरुतश्च वरवार्यै 84 18<sup>b</sup>  
 मरुतो मरुतलाभ्या च 85 26<sup>a</sup>  
 मरुतो हेमवर्ता यथा 96 46<sup>d</sup>  
 मरुतद्वि च ते सप 56 35<sup>a</sup>  
 मरुतप्रदिष्ट कर्मणा 47 46<sup>b</sup>  
 मरुतप्राणानुरूपैश्च 86 28<sup>a</sup>  
 मरुतप्रादसम् सुवि 47 29<sup>b</sup>  
 मरुतमीपाद्य नश्यत 108 33<sup>d</sup>  
 मरुतधनेप्सया प्राप्त 65 45<sup>a</sup>  
 मरुतयोनावनुपमा 13 40<sup>a</sup>  
 मरुतस्य गतिरपिच 66 13<sup>d</sup>  
 मथुरा नाम नामत 44 21<sup>b</sup>  
 मथुरा नाम सा पुरी 44 53<sup>b</sup>  
 मथुरामपहाय वै 84 17<sup>d</sup>  
 मथुरामध्ययात्तदा 25 14<sup>a</sup>  
 मथुरामध्ययतेव 85 20<sup>d</sup>  
 मथुरामध्युपागमत् 84 12<sup>d</sup>  
 मथुरायास्त्वद्वर 45 35<sup>b</sup>  
 मथुराया ननाधिप 65 7<sup>d</sup>  
 मथुराया पितृपत्न्या 46 15<sup>b</sup>  
 मथुराया प्रवेशश्च 83 13<sup>a</sup>  
 मथुराया यमो रान् 79 39<sup>a</sup>  
 मथुराया महोत्सवम् 96 53<sup>b</sup>  
 मथुराया शुभाननौ 79 40<sup>b</sup>  
 मथुराया स निषेयौ 65 101<sup>b</sup>  
 मथुरा राष्ट्रवर्धनी 84 2<sup>b</sup>

मथुरा पारयिव्यति 65 73<sup>d</sup>  
 मथुरा मधुसूदन 85 2<sup>a</sup>, 37<sup>d</sup>  
 मथुरा यादवाधीना 79 1<sup>a</sup>  
 मथुरा रोहिणीसुत 83 51<sup>f</sup>  
 मथुरोपवने गत्वा 81 1<sup>a</sup>  
 मथुरोपवने वसन् 96 29<sup>b</sup>  
 मथुरोपवने स्थित 46 2<sup>b</sup>  
 मध्यमानेषु भूतेषु 39 12<sup>a</sup>  
 मध्यमानो ररास इ 74 30<sup>d</sup>  
 मध्यमानौ जलोमिभि 42 31<sup>d</sup>  
 मन्त्रि श्वसितोपमै 55 15<sup>b</sup>  
 मदनोद्दीपनीषु च 55 13<sup>d</sup>  
 मदपाश्र्वमेव च 15 45<sup>b</sup>  
 मदरक्षा प्रवृत्ताश्च 54 6<sup>a</sup>  
 मद जहु सितापाङ्गा 59 42<sup>a</sup>  
 मद प्रसुप्तपुर्वागा 62 65<sup>a</sup>  
 मद सुखाव रोपाच 74 31<sup>a</sup>  
 मदाक्रान्तालसो बल 83 47<sup>d</sup>  
 मदाचलितवृत्तन 67 12<sup>a</sup>  
 मदीयाया न ते योनौ 20 37<sup>a</sup>  
 मदेन हर्षिरेण च 75 2<sup>d</sup>  
 मद्गतस्त्वज्यता रोप 48 43<sup>a</sup>  
 मद्गत मन्त्र्यकारणम् 48 49<sup>b</sup>  
 मद्दर्शनार्थं ते बाला 104 8<sup>a</sup>  
 मद्दीपासमदीपाया 43 35<sup>a</sup>  
 मद्दलैर्यज्ञमास्थितै 47 3<sup>d</sup>  
 मद्गकाना घने घने 60 26<sup>b</sup>  
 मद्गका ये हि नृत्त्यन्ति 112 121<sup>a</sup>  
 मद्गक्या ते तपश्चरिणी 12 17<sup>a</sup>  
 मद्गराजश्च बलवान् 80 14<sup>a</sup>  
 मद्गराजमुवा चापि 88 42<sup>a</sup>  
 मद्ग कलिङ्गाधिपति 81 38<sup>a</sup>  
 मद्गधो वा जयो दाय 65 80<sup>a</sup>  
 मद्गद्वपश्च भविष्यति 61 28<sup>d</sup>  
 मद्गिधै प्रतिहृम्यते 47 6<sup>d</sup>  
 मधुकैटभयो हृत्का 6 39<sup>a</sup>  
 मधुकैटमद्गतार 112 107<sup>a</sup>  
 मधुपर्कं च गा चैव 109 65<sup>a</sup>  
 मधुरक्षोदपाण्डुना 67 27<sup>b</sup>  
 मधुर सृष्ट्या चाचा 109 51<sup>a</sup>  
 मधुर धूयते दान् 109 57<sup>a</sup>  
 मधुरेणैव तौ मन्दौ 65 95<sup>a</sup>  
 मधुरो ग्राणसमत 57 9<sup>b</sup>

मधुर्दोष्वा महाबल 6 26<sup>d</sup>  
 मधुर्नाम मदानासीत् 44 22<sup>a</sup>  
 मधुर्मधुरवागपि 26 25<sup>d</sup>  
 मधुर्माधव एव च 7 17<sup>b</sup>  
 मधुवन्मधुसूदनम् 91 55<sup>d</sup>  
 मधुशाकफलैर्मूले 117 32<sup>a</sup>  
 मधूना वल्लभद्राजा 26 25<sup>a</sup>  
 मधोर्वेदे तु वैदव्यां 26 26<sup>a</sup>  
 मधोर्वै कैटभस्य च 38 6<sup>d</sup>  
 मधोश्च तनयो ह्य 31 127<sup>a</sup>  
 मधोस्तु माधवा स्मृता 23 162<sup>a</sup>  
 मधो पुत्रवात त्वासीत् 23 161<sup>a</sup>  
 मधो पुत्रस्य जज्ञेऽथ 28 36<sup>a</sup>  
 मध्यदेशमवाप्तवान् 9 18<sup>b</sup>  
 मध्यदेशस्य ककुद् 85 2<sup>a</sup>  
 मध्यम तन्महच्छिर 56 31<sup>a</sup>  
 मध्यम पुत्रमारसम् 9 97<sup>b</sup>  
 मध्यस्थ सलिलारम्भ 62 53<sup>a</sup>  
 मध्यस्थो ह्यत्र पार्थिवा 100 81<sup>d</sup>  
 मध्य सागरसन्निभम् 100 21<sup>b</sup>  
 मध्याध्वान्तावसायिन 116 17<sup>a</sup>  
 मध्ये काश्चिद्वृद्धाव 38 51<sup>d</sup>  
 मध्ये गोस्थानसज्जुलम् 49 26<sup>d</sup>  
 मध्ये चास्य महाशाख 52 25<sup>a</sup>  
 मध्ये तु तेजसस्तस्य 91 28<sup>a</sup>  
 मध्येन चास्य कालिन्दी 52 26<sup>a</sup>  
 मध्ये नि धृतलोचन 75 44<sup>b</sup>  
 मध्ये पावक्यपर्यस्ताम् 100 19<sup>b</sup>  
 मध्ये पूरु च राजान 22 17<sup>a</sup>  
 मध्ये मधुनिपूदन 100 12<sup>b</sup>  
 मध्ये योजनविस्तारं 53 21<sup>a</sup>  
 मध्ये रविरिवोदितः 33 21<sup>d</sup>  
 मध्ये लोहितगङ्गस्य 91 51<sup>a</sup>  
 मनये सप्रयच्छत 42 46<sup>d</sup>  
 मनश्च पुनस्तदा 112 11<sup>a</sup>  
 मनश्च रति प्रति 63 15<sup>d</sup>  
 मनश्च विनागाव 32 30<sup>a</sup>  
 मनसरगुरुधामिना 67 1<sup>d</sup>  
 मनसस्तुष्टिकारकम् 108 34<sup>a</sup>  
 मनस कामचारिणी 13 27<sup>b</sup>  
 मनस कामदीपनी 54 3<sup>d</sup>  
 मनसा चैव बाष्पा च 107 34<sup>a</sup>  
 मनसा तमनुष्याप 86 21<sup>a</sup>



मनसा त्वेन भूतानि 3 3<sup>a</sup>  
 मनसा निमिता चेय 86 41<sup>a</sup>  
 मनसा निमिता योनि 35 44<sup>a</sup>  
 मनसा मानसी प्रज्ञा 35 4<sup>a</sup>  
 मनसा यादयोत्तम 84 33<sup>a</sup>  
 मनसा समनुज्ञात 89 41<sup>a</sup>  
 मनस्तस्या समादधत् 87 39<sup>a</sup>  
 मनस्त्यति कान्तासु 59 52<sup>a</sup>  
 मनस्त्युन्मय चारमज 23 4<sup>a</sup>  
 मनस्त्यारभयस्तुत 23 4<sup>a</sup>  
 मन त्पणसुख तन्मा 1 4<sup>a</sup>  
 मन प्रनयित सदा 107 35<sup>a</sup>  
 मन प्रज्ञापीज्ञय 30 45<sup>a</sup>  
 मन छष्ट मनुस्त्य 58 38<sup>a</sup>  
 मनासि च मनुष्याणा 59 49<sup>a</sup>  
 मनास्याह्लादयश्चिव 113 54<sup>a</sup>  
 मनुराहुतिमाहुदोत् 9 4<sup>a</sup>  
 मनुरियुष्यते लोके 8 47<sup>a</sup>  
 मनुरिति प्रनापति 9 3<sup>a</sup>  
 मनुरेषामवशात् 8 17<sup>a</sup>  
 मनुरेण्डधरस्तदा 9 6<sup>a</sup>  
 मनुर्महाराभा भगवान्प्रजाकर 31 16<sup>a</sup>  
 मनुर्मयस्त्वत् पूरे 8 7<sup>a</sup>  
 मनुष्यबुद्धयो गोपा 87 18<sup>a</sup>  
 मनुष्यलोकादुच्ये तु 62 25<sup>a</sup>  
 मनुष्यलोक हरिस्तसि 24 17<sup>a</sup>  
 मनुष्यलोक बाणेन 106 4<sup>a</sup>  
 मनुष्यलोके ये चापि 107 64<sup>a</sup>  
 मनुष्याणा ॥ सर्वथा 31 135<sup>a</sup>  
 मनुष्याणा च सर्वथा 107 69<sup>a</sup>  
 मनुष्याणा मनोमूल 30 36<sup>a</sup>  
 मनुष्या धर्मेकाणात् 41 30<sup>a</sup>  
 मनुष्या कालकारिता 117 37<sup>a</sup>  
 मनुष्या वन पालिता 117 1<sup>a</sup>  
 मनुस्तस्या क्षमत्तु 8 10<sup>a</sup>  
 मनुस्तान युगे युगे 13 64<sup>a</sup>  
 मनु स्वायमुत्र प्रमुक् ॥ 14<sup>a</sup>  
 मनु प्रापवित्तवासीन् 8 43<sup>a</sup>  
 मनु सायाजकन्तरे 8 43<sup>a</sup>  
 मनु स्वाराविषम्या 7 4<sup>a</sup>  
 मनोपनो मङ्गासीय 109 80<sup>a</sup>  
 मनोनिर्माणचिन्ताया 42 8<sup>a</sup>  
 मनोमास्तरहसा 34 9<sup>a</sup>

मनोरजायन्त द्वा 2 16<sup>a</sup>  
 मनोरथफलद्रुमात् 21 7<sup>a</sup>  
 मनोरन्तरमासाव 7 42<sup>a</sup>  
 मनोरन्तरमुच्यते 1 38<sup>a</sup> 7 23<sup>a</sup>, 48<sup>a</sup>  
 मनोर्देवानिमाप्नुयु 7 27<sup>a</sup>  
 मनोर्वेशकर पुत्र 9 11<sup>a</sup>  
 मनोर्वेशविपर्यय 9 13<sup>a</sup>  
 मनोर्वेशस्वतस्य ह 4 18<sup>a</sup> 7 55<sup>a</sup>  
 मनोर्वेशस्वतस्यासन् 9 1<sup>a</sup>  
 मनोर्वेशस्वतस्यैते 7 33<sup>a</sup>  
 मनोस्तात महात्मन 7 13<sup>a</sup>  
 मनोहराया शिखि 3 34<sup>a</sup>  
 मनोहर्षा मुनेरपि 62 53<sup>a</sup>  
 मनो स्वायमुच्यते 7 10<sup>a</sup>  
 मन्त्रप्राप्ते सुविहित 47 7<sup>a</sup>  
 मन्त्रत प्रतिगृह्यताम् 39 25<sup>a</sup>  
 मन्त्रपूजा कृत्याया 40 34<sup>a</sup>  
 मन्त्रप्रवचनाचिन्तात् 100 68<sup>a</sup>  
 मन्त्रमन्त्रस्वतां सेवा 37 4<sup>a</sup>  
 मन्त्रयज्ञपरा विद्या 59 27<sup>a</sup>  
 मन्त्रयामस्त्वया सह 41 27<sup>a</sup>  
 मन्त्र यज्ञगृह वल्लि 31 9<sup>a</sup>  
 मन्त्राश्च विविधा पापे 104 31<sup>a</sup>  
 मन्त्रिणोऽथ पुरोहिता 79 24<sup>a</sup>  
 मन्त्रिभि सहितोऽभवत् 96 49<sup>a</sup>  
 मन्त्रैर्मन्त्र ह्याचर्यते 39 15<sup>a</sup>  
 मन्त्रैर्वह्निमुत्तमम् 23 39<sup>a</sup>  
 मन्त्रैश्चैव महर्षय 100 76<sup>a</sup>  
 मन्त्रयन्त्रानुकरणे 53 23<sup>a</sup>  
 मन्त्रानवलययोद्गाते 49 25<sup>a</sup>  
 मन्त्रायतनपूर्णेषु 70 4<sup>a</sup>  
 मन्त्रारोप्यमाणैश्च 53 23<sup>a</sup>  
 मन्त्रास्तनकम्पिता 55 10<sup>a</sup>  
 मन्त्रस्तस्यै दितास्ते 68 1<sup>a</sup>  
 मन्त्रस्तस्यै विराजते 68 9<sup>a</sup>  
 मन्त्रास्त्यतान्तरे 32 26<sup>a</sup>  
 मन्त्रादिप्रतीकानां 93 16<sup>a</sup>  
 मन्त्रादिप्रतीकतम् 34 40<sup>a</sup>  
 मन्त्रोत्कीर्णसकान 36 48<sup>a</sup>  
 मन्त्रोद्ग्रहस्तस्य 36 52<sup>a</sup>  
 मन्त्रोद्गातयिष्यते 84 27<sup>a</sup>  
 मन्त्र वपति वासवे 77 29<sup>a</sup>  
 मन्त्र बटुधिरऽनिला 59 43<sup>a</sup>

मन्दारैश्वोपशोभितम् 93 19<sup>१</sup>  
 मन्दासुरिव नि श्वसत् 76 32<sup>१</sup>  
 मन्दा पण्डितमानिन 117 8<sup>१</sup>  
 मन्निदेशानुवर्तिनी 47 45<sup>१</sup>  
 मन्मथे तु गते नाश 99 46<sup>१</sup>  
 मन्मथ विद्धि कौन्तेय 104 22<sup>१</sup>  
 मन्मन्ते नैव त जितम् 82 26<sup>१</sup>  
 मन्मथाना स्वगन्धवम् 58 15<sup>१</sup>  
 मन्मथे यद्यकृतव्य 66 17<sup>१</sup>  
 मन्मथे या वपुष्टमाम् 118 28<sup>१</sup>  
 मन्मथानभिस्मीरित 25 9<sup>१</sup>  
 मन्मथे हृष्ट श्वपाश्र्वये 70 35<sup>१</sup>  
 मन्मथेऽहं कार्यमम्ययम् 62 17<sup>१</sup>  
 मन्मन्तरकथा प्रहसन् 7 2<sup>१</sup>  
 मन्मन्तरमिहोच्यते ३ 4<sup>१</sup>  
 मन्मन्तरमुदाहृतम् 7 10<sup>१</sup>, 17<sup>१</sup>  
 मन्मन्तर चतुर्थे ते 7 18<sup>१</sup>  
 मन्मन्तराणा कौरव्य 7 3<sup>१</sup>  
 मन्मन्तराणि सर्वाणि 7 1<sup>१</sup>, 38<sup>१</sup>  
 मन्मन्तरे प्रसूयाम 3 48<sup>१</sup>  
 मन्मन्तरे इयत्तिक्रान्ते 7 36<sup>१</sup>  
 मन्मन्तरेषु सवपु 7 35<sup>१</sup>  
 मन्मन्तरेषु सहार 7 51<sup>१</sup>  
 मन्मन्तरेषु सहारा 7 50<sup>१</sup>  
 मम कृष्णस्य चोभयो 65 82<sup>१</sup>  
 मम गाव प्रतीक्षन्वा 45 25<sup>१</sup>  
 मम गा कश्यपारते 45 25<sup>१</sup>  
 मम चापेन तेजस 2 42<sup>१</sup>  
 मम चित्तानुवर्तिषु 65 20<sup>१</sup>  
 ममज्जामितदक्षिण 70 16<sup>१</sup>  
 मम वरक्षन्तुमर्हथ 84 7<sup>१</sup>  
 मम हा दृक्षया गाव 45 24<sup>१</sup>  
 मम तौ परिभाषितम् 65 94<sup>१</sup>  
 मम स्येतद्वच्च धुर्या 100 56<sup>१</sup>  
 मम दर्शनकाङ्क्षया 12 17<sup>१</sup>  
 मम देवनिघातिन 77 45<sup>१</sup>  
 मम धर्ममृता चरे ॥ 5<sup>१</sup>  
 मम नारायणो गुप्त 42 37<sup>१</sup>  
 मम निर्वर्तितातुष्टा 11 24<sup>१</sup>  
 ममभुज्जातमन्यक् 5 15<sup>१</sup>  
 ममभुज्ज्दक्षिण करम् 2 20<sup>१</sup>  
 ममभुज्ज्ते महर्षय ॥ 20<sup>१</sup>  
 ममभुज्जेन दभण 35 48<sup>१</sup>

मम पित्रा विवर्षित 65 77<sup>१</sup>  
 म पुत्रस्य धीमत 77 46<sup>१</sup>  
 म पुत्रेण निर्मितम् 35 69<sup>१</sup>  
 म पुत्रो मम भ्राता 53 5<sup>१</sup>  
 म पुत्रोऽर्जुनो नाम 62 74<sup>१</sup>  
 म प्रभावाच्च गवा 60 25<sup>१</sup>  
 म प्रज्वलित चक्र 15 44<sup>१</sup>  
 मम प्रत्यक्षमच्युत 19 30<sup>१</sup>  
 मम बाहूपमान्मुवि 47 39<sup>१</sup>  
 मम भर्त्रा हृत्तो वीर 99 19<sup>१</sup>  
 मम माता रजस्वला 73 10<sup>१</sup>  
 मम मृग्यु समुत्थित 48 38<sup>१</sup>  
 मम युष्मास्वह स्थित 96 70<sup>१</sup>  
 मम योनिर्जल विप्र 35 58<sup>१</sup>  
 मम वत्सोऽथ गौर्मम 53 5<sup>१</sup>  
 मम चाक्यादनन्तरम् 100 77<sup>१</sup>  
 मम चाक्येन चोदिता 81 73<sup>१</sup>  
 मम वीणाकृतिं श्रुते 100 34<sup>१</sup>  
 मम क्षत्रुसवया दग्ध 85 60<sup>१</sup>  
 मम शीताशुदर्शन 47 31<sup>१</sup>  
 मम सङ्घर्षितं स्वया 73 21<sup>१</sup>  
 मम स्थानमिदं कार्यं 86 30<sup>१</sup>  
 मम स्यादिति निश्चित 27 6<sup>१</sup>  
 ममागमनकारणम् 62 68<sup>१</sup>  
 ममाग्रतो हता गर्भा 48 48<sup>१</sup>  
 ममाग्रे प्रभविरपति 62 96<sup>१</sup>  
 ममाचक्ष्व महाभुने 30 56<sup>१</sup>  
 ममाच द्वारका सर्वा 29 5<sup>१</sup>  
 ममाच्येपेव सज्जता 110 47<sup>१</sup>  
 ममाभिप्रायते यथ 84 8<sup>१</sup>  
 ममाभ्युपगमव दर्प 62 46<sup>१</sup>  
 ममाभ्रमसमीपे वै ॥ 51<sup>१</sup>  
 ममास्त्रतेजसा दग्धा 110 28<sup>१</sup>  
 ममांशोऽहमिव स्थित 62 70<sup>१</sup>  
 ममैवास्मा चतुर्विध 104 15<sup>१</sup>  
 ममैवानुग्रहाय पै 11 41<sup>१</sup>  
 ममैवानुमत तदा 15 63<sup>१</sup>  
 ममैवोपहरिष्यन्ति 91 10<sup>१</sup>  
 ममोपरि यथेन्द्रस्य 62 44<sup>१</sup>  
 मयनातपुत्रोगमा 37 3<sup>१</sup>, 39 30<sup>१</sup>  
 मयलारा वराहश्च 37 6<sup>१</sup>  
 मयन्त्रां तामसीं दहन् 35 16<sup>१</sup>  
 मयस्तु काव्यमयं 33 2<sup>१</sup>

मयस्य च पराजये 36 39<sup>१</sup>  
 मया कसो निपातित 78 33<sup>२</sup>  
 मया कास्त्र्येन कीर्तिता 113 81<sup>३</sup>  
 मया केशिनिपूदन 112 110<sup>४</sup>  
 मया च तर निशासा 11 32<sup>५</sup>  
 मया च प्रतिभाषितम् 100 29<sup>६</sup>  
 मया जितमिति स्मयन् 89 38<sup>७</sup>  
 मया दत्तवर पूर्व 103 10<sup>८</sup>  
 मया दत्तास्त्रधाद्रुता 31 46<sup>९</sup>  
 मया दृष्ट पुरातने 43 56<sup>१०</sup>  
 मया दृष्टौ परिष्पक्त 71 49<sup>११</sup>  
 मया देव पुरा दृष्ट 113 42<sup>१२</sup>  
 मया दृष्ट धारयते 42 38<sup>१३</sup>  
 मया निवृष्ट राज्य स्व 78 38<sup>१४</sup>  
 मयानुशिष्टानिष्टम् 81 37<sup>१५</sup>  
 मया पिण्ड समुद्यत 11 17<sup>१६</sup>  
 मयापि हि प्रसादाद्दे 12 3<sup>१७</sup>  
 मया पुष्टौ विज्ञानता 65 69<sup>१८</sup>  
 मया पू प्रतर विभो 86 41<sup>१९</sup>  
 मया बन्धमदोहसेकात् 108 8<sup>२०</sup>  
 मया भवैरि पातिते 78 5<sup>२१</sup>  
 मयाभिभूत ममरे 112 53<sup>२२</sup>  
 मयाप बहुरात्रो युद्धे 108 91<sup>२३</sup>  
 मया राजर्षिसत्तम 22 30<sup>२४</sup>  
 मया निनिहलो युधि 15 29<sup>२५</sup>  
 मया सह समागम्य 38 21<sup>२६</sup> 112 54<sup>२७</sup>  
 मया दृष्टेषु मेघेषु 62 12<sup>२८</sup>  
 मया इन्द्राजनामितै 62 42<sup>२९</sup>  
 मयि कामारप्रवर्तसे 99 12<sup>३०</sup>  
 मयि मानार्थक कृपा 29 36<sup>३१</sup>  
 मयि यनौ विघातन्य 7<sup>३२</sup>  
 मयि युद्धविशारद् 110 67<sup>३३</sup>  
 मयि लोका स्थिता राजन् 5 48<sup>३४</sup>  
 मयि होतव्यमित्यपि 5 7<sup>३५</sup>  
 मयूरगण्डानुभौ 112 77<sup>३६</sup>  
 मयूरचित्रान्नदिन 60 32<sup>३७</sup>  
 मयूरध्वजमङ्गस्ते 106 36<sup>३८</sup>  
 मयूरपत्रट्टन्तानौ 60 33<sup>३९</sup>  
 मयूरवपुश्चालु 55 13<sup>४०</sup>  
 मयूरवदनास्त्रधा 31 84<sup>४१</sup>  
 मयूरस्य च युष्पत 112 76<sup>४२</sup>  
 मयूरं दीप्ततेजसम् 112 78<sup>४३</sup>  
 मयूराद्भविष्यैश्च 65 53<sup>४४</sup>

मयूराद्भविष्यैश्च तौ 52 4<sup>४५</sup>  
 मयूराङ्गरद्वैर्यैमि 59 43<sup>४६</sup>  
 मयूराणां कलापिनाम् 54 6<sup>४७</sup>  
 मयूरे पातिते तस्मिन् 112 81<sup>४८</sup>  
 मयेद् धारयते जगत् 8 48<sup>४९</sup>  
 मयेव रुषितेन वै 62 14<sup>५०</sup>  
 मयेते सुवि दानवा 45 3<sup>५१</sup>  
 मयैवेते यथाश्रुति 7 6<sup>५२</sup>  
 मयोक्त ते समासत 113 73<sup>५३</sup>  
 मयो दृष्टौ माधवी 36 21<sup>५४</sup>  
 मयोद्यत वधार्थं ते 113 24<sup>५५</sup>  
 मय्यासक्तं च जानामि 45 9<sup>५६</sup>  
 मय्येव प्रणमिष्यति 38 16<sup>५७</sup>  
 मय्येव प्रत्य गता 42 49<sup>५८</sup>  
 मय्यैवेव प्रलीयताम् 111 9<sup>५९</sup>  
 मरणागतानि वैराणि 77 51<sup>६०</sup>  
 मरीचिगर्भान्स्ता शोकात् 113 83<sup>६१</sup>  
 मरीचिप्रमुखास्तत्रा 5 8<sup>६२</sup>  
 मरीचिमध्यङ्गिरसी 1 29<sup>६३</sup>  
 मरीचिमिव सोमस्य 87 35<sup>६४</sup>  
 मरीचिरत्रिभंगवान् 7 7<sup>६५</sup>  
 मरीचिमंघयाश्च 3 67<sup>६६</sup>  
 मरीचैर्धनं वै सुखा 13 24<sup>६७</sup>  
 महनामय चासवन् 4 4<sup>६८</sup>  
 महता यतिरुत्पत्ते 23 130<sup>६९</sup>  
 महता वा महाबल 63 5<sup>७०</sup>  
 महता सद्वासय 91 40<sup>७१</sup>  
 महतो देवगणधर्मा 34 31<sup>७२</sup>  
 महनो नाम द्वावस्ते 3 108<sup>७३</sup>  
 मरुत्तस्य चारमः 23 124<sup>७४</sup>  
 मरुत्तस्य तनय 26 7<sup>७५</sup>  
 मरुत् कथितस्तत्र 23 124<sup>७६</sup>  
 मरुत्तोऽजगत ज्येष्ठ 26 8<sup>७७</sup>  
 मरुत्वस्या मरुत्वन्त 3 27<sup>७८</sup>  
 मरुर्भिर्देवैः सह 31 36<sup>७९</sup>  
 मरु सायन् बहु प्राणान् 16 25<sup>८०</sup>  
 मरुत्तोलोकेऽमहाहात 30 4<sup>८१</sup>  
 मरुत्तोलोकेऽमरोपमन् 62 6<sup>८२</sup>  
 मरुत्तं बहुयुग प्रमो 9 25<sup>८३</sup>  
 मरुतां पश्यन्तु मे रदमा 86 30<sup>८४</sup>  
 मरुत्तनासि कथं हत 77 27<sup>८५</sup>  
 मर्मभेदिभिरागुने 108 64<sup>८६</sup> 112 62<sup>८७</sup>  
 मर्यादाश्रय सचके 86 75<sup>८८</sup>

मर्यादा पुनरागमन् 58 23<sup>d</sup>  
 मर्यादा स्थापयामास 5 4<sup>e</sup>  
 मरदा मलहा तथा 23 8<sup>b</sup>  
 मलिनो वा विचेतन 79 33<sup>a</sup>  
 मलमार्गश्च दूषित 75 23<sup>a</sup>  
 मलहद्वन्द्वर्धो हि स 75 28<sup>d</sup>  
 मला प्राप्ता वरान्ते 71 26<sup>b</sup>  
 मल्लैर्वा स्वयमेव वा 73 7<sup>b</sup>  
 मल्लौ चाग्रमुष्टिकौ 45 5<sup>b</sup> 72 22<sup>d</sup>  
 मल्लौ रत्नगतौ तौ तु 44 73<sup>c</sup>  
 मल्लौ वीरश्वनोचितौ 72 16<sup>b</sup>  
 महत्कल्पस परे 2 31<sup>a</sup>  
 महत्कल्पस परे 14 3<sup>a</sup>  
 महता तपसाश्चित 3 73<sup>d</sup>  
 महता तपसा युक्ता 7 40<sup>e</sup>  
 महता परिवारित 101 18<sup>b</sup>  
 महता शरारज्येन 5 27<sup>a</sup>  
 महता स समन्वित 18 11<sup>b</sup>  
 महती निर्मिता मया 61 55<sup>d</sup>  
 महतीं लोकधारणीम् 3 5<sup>f</sup>  
 महत्त कर्म कृत्स्नम् 44 33<sup>d</sup>  
 महत्या क्षमया युते 100 49<sup>d</sup>  
 महत्सूक्ष्मखिले वर्णी 28 22<sup>a</sup>  
 महद्वयेतद्विद्वान् 4 16<sup>a</sup>  
 महन्नि ऋतुभिर्विभु 23 51<sup>d</sup>  
 महन्नि साधु पूजिता 75 26<sup>d</sup>  
 महन्नुत न जालीन 58 45<sup>a</sup>  
 महद्युद्ध सुदारणम् 109 73<sup>b</sup>  
 महर्षेय सगम्धर्वा 48 17<sup>a</sup>  
 महर्षयो वीतसोका 32 38<sup>e</sup>  
 महर्षिर्दुष्टस्तमितै 42 46<sup>d</sup>  
 महर्षिगणसरत्नव 92 56<sup>b</sup>  
 महर्षिपुत्र धर्मात्मा 9 98<sup>a</sup>  
 महर्षिभिरभिष्टुते 21 9<sup>b</sup>  
 महर्षिभिरलङ्घ्यम् 82 14<sup>b</sup>  
 महर्षिभिरलङ्घिता 1 33<sup>d</sup>  
 महर्षिरापेराविष्ट 38 42<sup>a</sup>  
 महर्षिर्विमहद्विच 44 10<sup>a</sup>  
 महर्षिर्विमौ प्रभु 110 26<sup>f</sup>  
 महर्षिरथगात्ता 5 41<sup>b</sup>  
 महर्षिसमतास 41 12<sup>b</sup>  
 महर्षि कीशिकृन्नात 11 100<sup>a</sup>  
 महर्षिणां च सर्वेता 109 91<sup>b</sup>

महर्षिणा महौज्जसाम् 7 34<sup>b</sup>  
 महर्षिणा मदा वर 7 46<sup>d</sup>  
 महर्षीनञ्जीत्तदा 5 11<sup>b</sup>  
 महर्षीन्ब्रह्मचर्यया 41 10<sup>b</sup>  
 महर्षीर्वाद्यायो रस 118 2<sup>d</sup>  
 महाकटि शूलमुल 64 6<sup>a</sup>  
 महाकायनिवेतनम् 34 45<sup>d</sup>  
 महाकाय महाबलम् 31 125<sup>d</sup>  
 महाकाया महाबला 96 31<sup>d</sup>  
 महाकाया महाबला 6 24<sup>b</sup>  
 महाकायो नरान्तङ्ग 96 38<sup>b</sup>  
 महाकायो महाबल 9 53<sup>b</sup>  
 महाकाल इति ख्यात 112 125<sup>a</sup>  
 महाकाशगतो महान् 112 28<sup>d</sup>  
 महाकुम्भा यथाक्रमम् 72 6<sup>b</sup>  
 महाकृत्तुभिरीने च 26 2<sup>d</sup>  
 महातपा स विभ्राज 18 11<sup>a</sup>  
 महात्मा कुर्वधैर्न 15 51<sup>b</sup>  
 महात्मानो द्विजर्षया 13 58<sup>d</sup>  
 महात्मानो महाभागा 13 43<sup>a</sup>  
 महात्मानो महौजस 7 29<sup>b</sup>  
 महात्मानो महायुवी 110 26<sup>d</sup>  
 महात्मा घृयंसनिभ 6 34<sup>d</sup>  
 महादेवमुपस्थिता 13 21<sup>d</sup>  
 महादेवस्य च रथम् 112 86<sup>d</sup>  
 महादेवस्य विपत् 113 65<sup>a</sup>  
 महाद्विनिखरोपम 92 44<sup>b</sup>  
 महातरी इतरवर्ग 93 23<sup>a</sup>  
 महानो महाधीव 58 27<sup>a</sup>  
 महामात्रश्च विक्रान्त 3 64<sup>a</sup>  
 महानासीरप्रजापति 2 29<sup>b</sup>  
 महाभिद्वि भ्रात्रि 84 11<sup>b</sup>  
 महागीलमहारणी 11 86<sup>a</sup>  
 महान्ति सुरदानि च 81 56<sup>d</sup>  
 महान्तो सुरदुर्गोदौ 42 24<sup>b</sup>  
 महाम्नावायसस्ये 109 48<sup>b</sup>  
 महापौरवन्दन 15 34<sup>b</sup>  
 महामुनिगतोऽष्ट 60 14<sup>b</sup>  
 महाम्नामपुसुदन 41 23<sup>b</sup>  
 महारथुतिमिया 85 53<sup>d</sup>  
 महानादपसंतनम् 44 22<sup>d</sup>  
 महपुत्राणाम्युनि 40 20<sup>a</sup>  
 महापुरुषसेवितम् 109 71<sup>b</sup>

महाप्रस्थानमच्युतम् 114 7<sup>a</sup>  
 महादुदस्य भारत 20 4<sup>d</sup>  
 महाभाग सुतोऽभयम् 24 25<sup>b</sup>  
 महाभागा महायश 88 41<sup>f</sup>  
 महाभागसु सहस्र 25 6<sup>b</sup>  
 महाभागा तपोन्विताम् 92 54<sup>d</sup>  
 महाभारतमारयान 1 8<sup>a</sup> 115 11<sup>a</sup>  
 महाभारतसंहार 115 19<sup>a</sup>  
 महाभिषय युगौ च 13 37<sup>a</sup>  
 महाभूतपतिर्मेहात् 37 57<sup>b</sup>  
 महाभूतानि भूतारमा 30 8<sup>a</sup>  
 महाभूतेषु तर्पणे 112 39<sup>a</sup>  
 महाभ्रमन्यकाश 31 125<sup>a</sup>  
 महाभ्रमनसुनिभम् 110 38<sup>b</sup>  
 महामया नाम सुत 23 19<sup>a</sup>  
 महामनास्तु इन्द्रो द्वौ 29 20<sup>a</sup>  
 महामात्रचोदिते 81 76<sup>d</sup>  
 महामात्र तव कृत 73 1<sup>a</sup>  
 महामात्रोत्तमारुहौ 81 16<sup>a</sup>  
 महासूधे तव मम च द्वयोर्मि 111 11<sup>a</sup>  
 महासूधे महाराज 105 12<sup>a</sup>  
 महामेघगणार्पितम् 54 10<sup>b</sup>  
 महामेरु सकैलास 103 16<sup>a</sup>  
 महायुद्ध महानाद 117 14<sup>a</sup>  
 महायोग्यगटावेता 13 21<sup>a</sup>  
 महायोगी महास्मान 5 45<sup>a</sup>  
 महायोगित्वमायुध 23 30<sup>a</sup>  
 महायोगी तदा गन्ता 13 48<sup>a</sup>  
 महायोगी द्वित्रयम् 13 45<sup>d</sup>  
 महायोगी महापुत्रि 97 41<sup>a</sup>  
 महायोगी महामना 85 5<sup>a</sup>  
 महायोगी स तु पति 23 25<sup>a</sup>  
 महारजनकृतानि 92 3<sup>a</sup>  
 महारजतस्रुता 36 48<sup>d</sup>  
 महारयाना रातेन्द्र 15 19<sup>a</sup>  
 महाराजस्य दयित 71 26<sup>a</sup>  
 महाराजो भगीरथ 10 66<sup>b</sup>  
 महार्णवपरिक्षित 91 23<sup>a</sup>  
 महार्णवमथाजुषम् 43 36<sup>b</sup>  
 महार्णवे प्रस्तुता 42 15<sup>a</sup>  
 महार्थ महता गतिम् 19 32<sup>b</sup>  
 महाहाणि बहूनि च 79 21<sup>a</sup>  
 महाराजनिर्भिन्ना 91 48<sup>a</sup>

महावज्रास्थायपरे 31 83<sup>b</sup>  
 महावर्षे महामयम् 117 14<sup>b</sup>  
 महावावसमुद्भूत 54 10<sup>a</sup>  
 महावीर्यपराक्रमा 7 13<sup>f</sup>  
 महावीर्य परानित 26 11<sup>a</sup>  
 महावार्त्तिक महासूधे 112 46<sup>b</sup>  
 महाशिलाप्रहरणा 31 80<sup>a</sup>  
 महापोदस्तचक्राम् 93 28<sup>b</sup>  
 महासम्रमयो महाम् 31 27<sup>a</sup>  
 महासाहस्य धार्मिक 23 19<sup>b</sup>  
 महासाखोऽभवत्सुत 23 18<sup>b</sup>  
 महासूर्य इयोदितौ 112 58<sup>d</sup>  
 महासेनपराक्रम 44 60<sup>d</sup>  
 महिमान निरीक्ष्य च 2 12<sup>b</sup>  
 महिष्ठा तस्य विमित 23 14<sup>a</sup>  
 महिष्ठास्त्रधैर्य च 15 17<sup>d</sup>  
 महिष्ठा व्याप्य तिष्ठति 1 37<sup>f</sup>  
 महिषाश्च वनेष्वान् 10 2<sup>b</sup>  
 महिषाश्चोपनायिनात् 69 29<sup>b</sup>  
 महिषी त्वन्मीढस्य 23 103<sup>a</sup>  
 महिषी रघुहस्य या 13 47<sup>d</sup>  
 महिषी नहुषस्य च 13 60<sup>d</sup>  
 महिषीं म्रियद्दौनाम् 97 16<sup>d</sup>  
 महिषी सप्त कन्याणी 88 40<sup>a</sup>  
 महिष्य देशवस्य या 99 31<sup>b</sup>  
 महिष्या वासुदेवस्य 93 48<sup>a</sup>, 50<sup>a</sup>  
 महिष्या अश्विरे शूरात् 24 14<sup>a</sup>  
 महिष्या परुष विभो 19 10<sup>b</sup>  
 मही नरनृणच्छन्ना 73 17<sup>a</sup>  
 महीमहारण पूरौ 54 10<sup>a</sup>  
 महीयेता महीतल 62 56<sup>d</sup>  
 मही सागरपर्यन्ता 31 28<sup>a</sup>  
 महेन्द्रभजन ना 97 14<sup>a</sup>  
 महेन्द्ररचनादपि 97 42<sup>b</sup>  
 महेन्द्रदेवमप्रति 94 7<sup>a</sup>  
 महेन्द्रशिपरे चैव 97 8<sup>a</sup>  
 महेन्द्रथाप्युपेन्द्रश्च 62 56<sup>a</sup>  
 महेन्द्र सतिगेदहा 38 75<sup>b</sup>  
 महेन्द्रस्यैव वृत्तान 82 5<sup>a</sup>  
 महेन्द्रायुधसप्तरी 58 5<sup>a</sup>  
 महेन्द्रेणामृतसार्धे 34 41<sup>a</sup>  
 महेन्द्रे पर्वतोत्तमे 31 108<sup>f</sup>  
 महेन्द्रेपेन्द्रसहिते 62 57<sup>b</sup>

महै प्रतिहते शक्र 61 1<sup>a</sup>  
 महेश्वर कुमार च 43 61<sup>a</sup>  
 महेश्वराशेषस्य 43 59<sup>a</sup>  
 महेश्वरेण वा मन्त्र 43 6<sup>a</sup>  
 महेश्वासान्न वीर्यवान् 87 71<sup>a</sup>  
 महेश्वासा महावीर्या 80 9<sup>a</sup>  
 महै सुरेशमर्चयित् 59 18<sup>a</sup>  
 महोत्पातभय चैव 106 55<sup>a</sup>  
 महोदधिरिवोदये 9 71<sup>a</sup>  
 महोदधे महापाठ 43 39<sup>a</sup>  
 महोऽय यस्य वतते 71 30<sup>a</sup>  
 महोल्कामिव ता दीप्ता 112 43<sup>a</sup>  
 महोल्का ज्वलितामिव 108 73<sup>a</sup>  
 मद्य तु रोचते कल 66 38<sup>a</sup>  
 मद्य पूर्व ततोऽमद्य 9 59<sup>a</sup>  
 मद्य शितपक्वा घर 93 3<sup>a</sup>  
 मा कार्यौ पुत्रजा चिन्ता 48 42<sup>a</sup>  
 मागधस्य महामातै 82 1<sup>a</sup>  
 मागधस्य सुत नृप 80 3<sup>a</sup>  
 मागधाना महारथ 87 71<sup>a</sup>  
 मा च ते शम्भरस्येय 99 45<sup>a</sup>  
 मातर मे प्रभययन् 73 18<sup>a</sup>  
 माता च पुजिता बृद्धा 16 20<sup>a</sup>  
 माता ज्येष्ठ वैद्व्या 26 26<sup>a</sup>  
 माता तद्दहरेव मे 73 35<sup>a</sup>  
 माता ते देवकी कृष्ण 69 23<sup>a</sup>  
 मातापितृभ्या सवण 69 24<sup>a</sup>  
 मातापितृभ्या सत्यत् 73 36<sup>a</sup>  
 मातापित्रोरनुग्रहम् 69 15<sup>a</sup>  
 मातापित्रास्तु कार्येण 48 50<sup>a</sup>  
 मातुश्च शिरसा पादौ 76 43<sup>a</sup>  
 मातुस्तत्र भविष्यति 8 3<sup>a</sup>  
 मातुस्तस्यामत्रायत 26 27<sup>a</sup>  
 मातृभान् परिवर्ज्य 99 11<sup>a</sup>  
 मातृच्छहेन हृ खिता 13 18<sup>a</sup>  
 मातृणां तात कार्पेन 23 50<sup>a</sup>  
 मा तेऽभूद्विह्वल मन 21 33<sup>a</sup>  
 मात्रा धहेन सर्वेषु 8 2<sup>a</sup>  
 माधुर्यगौमसनिना 67 3<sup>a</sup>  
 माद्री युधाजितं पुत्र 24 1<sup>a</sup> 28 10<sup>a</sup>  
 माद्व्यां च विनियुक्तम् 43 63<sup>a</sup>  
 माद्व्या कुक्षिभयातुभौ 62 93<sup>a</sup>  
 माद्व्या पुत्रौ तु ज्ञाते 2- 3<sup>a</sup>

माधवस्य निवेशने 109 57<sup>a</sup>  
 मानवद्विजं वाच्य 112 9<sup>a</sup>  
 मानवन्त पिनाकिनम् 25 16<sup>a</sup>  
 मानवामास माधव 113 44<sup>a</sup>  
 मानविष्यश्च ताप्त्वमी 87 28<sup>a</sup>  
 मानवाना जुगो भयम् 41 3<sup>a</sup>  
 मानवाना च पत्य 41 5<sup>a</sup>  
 मानवा निर्गते युगे 116 19<sup>a</sup>  
 मानवा विगतस्वरा 41 4<sup>a</sup>  
 मानवा प्रणमिष्यन्ति 62 57<sup>a</sup>  
 मानवे द्वाय धीमते 42 46<sup>a</sup>  
 मानवेयो महाराज 0 20<sup>a</sup>  
 मानवौघभारक्षम् 72 5<sup>a</sup>  
 मानसस्य विसृजिता 14 2<sup>a</sup>  
 मानस पूषा प्रभो 12 11<sup>a</sup>  
 मानसा नाम ते लोका 13 62<sup>a</sup>  
 मानसा सप्त ये श्रुता 20 11<sup>a</sup>  
 मानसेन प्रयत्नन 86 44<sup>a</sup>  
 मानित सर्वयुष्मिणि 100 2<sup>a</sup>  
 मानुपरवसुषामतः 45 11<sup>a</sup>  
 मानुष्यनुपगता 109 53<sup>a</sup>  
 मानुष पतिमाश्रित्य 73 25<sup>a</sup>  
 मानुष सासमन्त्रान 67 5<sup>a</sup>  
 मानुष यदुरास्त्राय 4- 75<sup>a</sup> 58 14<sup>a</sup>  
 मानुषाणामनामयम् 30 6<sup>a</sup>  
 मानुषाश्चोपजीवन्ति 3 41<sup>a</sup>  
 मानुषास्ते न चानीयु 103 10<sup>a</sup>  
 मानुरीणा विरोधव 73 26<sup>a</sup>  
 मानुषेणात्पवीर्षेण 73 9<sup>a</sup>  
 मानुषेषु महात्मन 113 67<sup>a</sup>  
 मानुषैरव साध्यते 47 6<sup>a</sup>  
 मानुषो येनुमर्दि 19 8<sup>a</sup>  
 मानुष्यमुपसविनुम् 68 35<sup>a</sup>  
 मानुष्यं सृष्टुर्बलम् 65 34<sup>a</sup>  
 मानुष्यां गाम्यभाषाया 25 11<sup>a</sup> 85 15<sup>a</sup>  
 मानुष्ये स रूपं शुद्धि 30 6<sup>a</sup>  
 मानुष्ये सवयान्नयम् 30 5<sup>a</sup>  
 मानेयु विनिवाज्यन् 100 2<sup>a</sup>  
 माधवा इति मुनि 71 9 83<sup>a</sup>  
 माधवाता पुत्राश्च 0 83<sup>a</sup>  
 माधवापुत्रं युतो राजा 85 40<sup>a</sup>  
 माधवस्य दव दगनाम् 112 111<sup>a</sup>  
 माधव्य महामपि 60 11<sup>a</sup>

मान्याश्रैवाभिगम्याश्च 66 19<sup>a</sup>  
 मा मूढो नो भगवत् 47 17<sup>a</sup>  
 मा भून्मे देवसत्तम 112 127<sup>b</sup>  
 मा भैष्ट मरुता गणा 32 32<sup>b</sup>  
 मा भैष्ट मा भैष्ट इति 108 30<sup>a</sup>  
 मामनाद्व्य दुर्बुद्धे 22 27<sup>a</sup>  
 मामनुजानुमर्हति 112 112<sup>d</sup>  
 मामपि प्रतिगर्जति 38 59<sup>d</sup>  
 माममैपीत्सुरश्रेष्ठ 96 71<sup>a</sup>  
 माममार्ये परिवृत 15 38<sup>a</sup>  
 मासुस्मज्य वरो यस्मात् 47 20<sup>a</sup>  
 मासुपस्थितमग्रत 13 74<sup>b</sup>  
 मासुनाच जनाद्न 101 15<sup>b</sup>  
 मासुषाच तत शीरि 102 22<sup>a</sup>  
 मासृते न पुमान्कश्चिद् 103 7<sup>a</sup>  
 मासेन तदन तेज 104 12<sup>a</sup>  
 मासेव हि विदोपेण 102 13<sup>a</sup>  
 मा मैर देवगन्धर्व 100 47<sup>a</sup>  
 मा यजेधाश्च तं क्रमुन् 115 29<sup>d</sup>  
 मायया कालदाय्य 99 27<sup>a</sup>  
 माययाभिज्ञह्वर तम् 99 5<sup>b</sup>  
 मायया योगरूपया 45 40<sup>b</sup>  
 मायया शिप्रचिक्म 99 29<sup>b</sup>  
 मायापाशाग्निकर्दध 35 12<sup>a</sup>  
 मायापाशैर्विमुक्तास्तु 35 15<sup>a</sup>  
 माया नपश्चिरदिवसा 35 19<sup>b</sup>  
 मायामयी तु सा सज्ञा 8 8<sup>a</sup>  
 मायासाश्रित्य दुष्यन् 108 76<sup>a</sup>  
 मायामैतां हनिष्यामि 35 74<sup>a</sup>  
 मायामौर्वी समासाच 35 20<sup>a</sup>  
 मायाबुद्धविशारदम् 99 44<sup>b</sup>  
 मायाहृयेण त द्वैर्य 99 46<sup>a</sup>  
 मायावतीनि विषमाता 99 45<sup>a</sup>  
 मायावत्या प्रभाषितम् 99 26<sup>b</sup>  
 मायावत्या सह तया 99 30<sup>a</sup>  
 मायावधे विनिर्गते 36 37<sup>a</sup>  
 मायाविद्धा पुत्रव्य 109 56<sup>a</sup>  
 माया विष्णुशरीरजा 40 31<sup>d</sup>  
 मायाश्चास्मि ददौ सर्गा 99 8<sup>a</sup>  
 मायासु च विराट् 87 3<sup>a</sup>  
 माया भूमिगद्यमिव 87 34<sup>b</sup>  
 माया मानुपरुषिणी 58 33<sup>d</sup>  
 माया दानुनिर्दग्नी 6 25<sup>d</sup>

मायेऽन्तर्दधतुस्त 36 26<sup>b</sup>  
 मायेव शुभदर्शना 99 6<sup>d</sup>  
 मायेषा वासवेनेह 118 28<sup>a</sup>  
 मारिया नाम नास्रैषा 2 41<sup>a</sup>  
 मारिषाया प्रजापति 2 45<sup>b</sup>  
 मारीचश्च सुगन्धुश्च 31 114<sup>a</sup>  
 मारीचस्त्रयभाषत 3 100<sup>b</sup>  
 मारीचारकृष्यपाज्जाता 3 49<sup>a</sup>  
 मारीचाय ददौ प्रीत 31 106<sup>a</sup>  
 मारीचित्रैर्यामास 3 73<sup>a</sup>  
 मारीचेस्तु परिग्रह 3 72<sup>d</sup>  
 मारुत जगत् प्राण 86 66<sup>a</sup>  
 मारुताग्निव महत् 36 47<sup>b</sup>  
 मारुतायूर्णिताम्बरम् 36 58<sup>b</sup>  
 मारुताग्निताम्बरम् 75 1<sup>a</sup>  
 मारुतेन नवीकृतम् 54 12<sup>b</sup>  
 मा रोदीरिति त वाक् 3 107<sup>a</sup>  
 मा रोदीरित्येतिताम् 28 23<sup>d</sup>  
 मार्कण्डेय पितामय 13 72<sup>d</sup>  
 मार्कण्डेयस्तु तैऽश्वेप 11 40<sup>a</sup>  
 मार्कण्डेयस्य पश्यत 42 34<sup>b</sup>  
 मार्कण्ड्य समाहित 12 1<sup>b</sup>  
 मार्कण्ड्याय वृष्यते 11 7<sup>d</sup> 15 66<sup>d</sup>  
 मार्कण्डयेन कथित 11 5<sup>a</sup>  
 मार्कण्डयेन कथिता 15 9<sup>a</sup>  
 मार्कण्डयेन धीमता 19 34<sup>b</sup>  
 मार्कण्डेयो महातपा 12 2<sup>b</sup> 15 13<sup>a</sup>  
 मार्गध्व खरिता ह्यै 109 35<sup>d</sup>  
 मार्गध्व यदुनन्दनम् 109 37<sup>d</sup>  
 मार्गमादिष्टमिच्छामि 83 46<sup>a</sup>  
 मार्गमज्ज्वलनध्वजा 93 53<sup>d</sup>  
 मार्गस्थो विवर्षा भातु 62 64<sup>a</sup>  
 मार्गागत्पथस्य द्रुवते 39 17<sup>b</sup>  
 मार्गितय समन्तत 109 36<sup>b</sup>  
 मार्गितव्याग्नि भूमिषु 52 12<sup>d</sup>  
 मार्गित न च दृश्यते 109 59<sup>d</sup>  
 मार्गिराशवक्त्राश्च 31 83<sup>a</sup>  
 मानण्ड इति चोच्यते 8 4<sup>d</sup>  
 मानण्डस्य महत्तमन 8 2<sup>b</sup>  
 मानण्डस्य विवस्वत 3 34<sup>b</sup>  
 मानण्डस्य स्वतेजसा 8 3<sup>b</sup>  
 मानण्डस्यारमजातेनौ 3 39<sup>a</sup>  
 मारया छन्दस्यसम् 70 20<sup>d</sup>

मालाकारमकातरम् 71 17<sup>d</sup>.  
 मालिनी वृष्टतोऽन्यगात् 114 8<sup>d</sup>.  
 मालिनी भ्रातृमालिनी 114 6<sup>d</sup>.  
 माल्यदामान्तंस्तितैः 74 3<sup>d</sup>.  
 माल्यवृत्तिरधोमुख 71 20<sup>b</sup>.  
 माल्यवृत्तिः प्रियंवदः 71 16<sup>b</sup>.  
 माल्यार्थमभिसृष्टया 71 17<sup>b</sup>.  
 मा वधीर्ज्वरमेतं वै 111 7<sup>d</sup>.  
 मा वासवं मा च सुहं 118 33<sup>d</sup>.  
 मा शब्द इति सषेत्र 42 12<sup>d</sup>.  
 मासाभ्यतिष्ठतुदेहा 23 131<sup>d</sup>.  
 मासान्ते पुण्यमासादीन् 47 4<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं केशवस्य च 113 79<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं केशवस्य मे 104 24<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं केशवस्य यत् 101 4<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं तस्य धीमतः 31 136<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं श्रोतुमिच्छामि 90 1<sup>d</sup>. 101 1<sup>d</sup>.  
 माहात्म्येनानुजेन वै 83 11<sup>d</sup>.  
 मां क्षीमयितुमुत्सदेह 48 23<sup>d</sup>.  
 मां च ब्रह्मयमित तत्त्वतः 63 12<sup>d</sup>.  
 मां च कथा कृतां पूर्वं 42 14<sup>d</sup>.  
 मां च वो नाधनाधिल 46 28<sup>d</sup>.  
 मां चैवास्मान्मास्मान्ना 62 81<sup>d</sup>.  
 मां जिह्वा विजमाधिताः 42 49<sup>d</sup>.  
 मां हवं धर्मभृतां पर G 8<sup>d</sup>.  
 मां हृष्टा वरणाक्षयम् 113 11<sup>b</sup>.  
 मां नियोजय गोविन्द 101 18<sup>d</sup>.  
 मां प्रभो वैचदेयेना 43 26<sup>d</sup>.  
 मां यक्षगतीति भागव 12 21<sup>b</sup>.  
 मांस्त्रिष्टेयना सर्वे 78 41<sup>d</sup>.  
 मासमेदोस्त्रिदुर्गन्धा 42 41<sup>d</sup>.  
 मांसराशिप्रकल्पात् 60 16<sup>d</sup>.  
 मांसनाशितकर्दमः 82 6<sup>d</sup>.  
 मांस च मायया कृष्ण 80 18<sup>d</sup>.  
 मांस तद्वपन्धत 10 2<sup>d</sup>.  
 मांसासु मेदसां जलम् 30 39<sup>d</sup>.  
 मित्ररूपेण दातुमा 65 50<sup>d</sup>.  
 मित्रवत्सपि पात्रना 98 6<sup>d</sup>.  
 मित्र्यामित्रमिन्द्र 98 8<sup>d</sup>.  
 मित्रयाद् मुनीयत्र 98 9<sup>d</sup>.  
 मित्रेन्द्रा च कान्तिर्दी 98 4<sup>d</sup>.  
 मित्रश्च वरपद्मो 9 9<sup>d</sup>.  
 80 6<sup>d</sup>

मित्राणि ह्यं भजिष्यन्ति 78 20<sup>d</sup>.  
 मित्राणि बहुत्वानि च 84 4<sup>d</sup>.  
 मित्रावरुणयोरेदो 9 4<sup>d</sup>. 7<sup>d</sup>.  
 मित्रावरुणयोरेदा 8 8<sup>d</sup>.  
 मित्रावरुणयोस्तात 9 3<sup>d</sup>.  
 मित्रेण वरुणेन च 96 10<sup>d</sup>.  
 मित्रो वरुण एव च 3 51<sup>d</sup>.  
 मिथिलाममितो राजन् 29 19<sup>d</sup>.  
 मिथिलाममिमर्दन 29 23<sup>d</sup>.  
 मिथ्याजणीते यज्ञान्ते 115 21<sup>d</sup>.  
 मिथ्याप्रतिज्ञो जलदाय 61 60<sup>d</sup>.  
 मिथ्याभिलासो नायवस्तु 25 9<sup>d</sup>.  
 मिथ्या द्वेषं विचारितम् 65 74<sup>d</sup>.  
 मिथ्योपचर्य ते सं तु 16 14<sup>d</sup>.  
 मिथीकृत इवामात्रि 91 35<sup>d</sup>.  
 मिथतां देयतानां च 10 20<sup>d</sup>.  
 मीननिर्मलमेखलाम् 55 37<sup>d</sup>.  
 मीयन्तां राजप्रगाथ 86 9<sup>d</sup>.  
 मुकुटधाततत्त्व 76 30<sup>d</sup>.  
 मुकृष्ट्यापि कंसस्य 75 41<sup>d</sup>.  
 मुकुटेन त्रिचक्रेण 47 43<sup>d</sup>.  
 मुकुटेनाकंबचला 58 26<sup>d</sup>.  
 मुक्केना विचुलिनः 116 11<sup>d</sup>.  
 मुक्तलोयासु सोयदै 54 39<sup>d</sup>.  
 मुक्तमाश्रित बाहुभ्यां 111 2<sup>d</sup>.  
 मुक्तमूल क्षितेस्तलात् 61 37<sup>d</sup>.  
 मुक्तं सूर्यमुखादिब 51 24<sup>d</sup>.  
 मुक्ता भरतस्तन 104 10<sup>d</sup>.  
 मुक्ता कृष्णमुद्वलान् 51 34<sup>d</sup>.  
 मुक्ता वा च महापद्मा 113 44<sup>d</sup>.  
 मुद्रजेनाभिना क्रोधान् 71<sup>d</sup>.  
 मुखमन्वापरा धीह्व 63 32<sup>d</sup>.  
 मुखं नारायणस्येय 99 39<sup>d</sup>.  
 मुखाद्भिस्त्रिमस्य 76 4<sup>d</sup>.  
 मुखादिश्वरस्यैव 37 39<sup>d</sup>. 56 9<sup>d</sup>.  
 मुरो हुदः समान्धम् 67 33<sup>d</sup>.  
 मुरोभ्यो बाधुमणि च 2 36<sup>d</sup>.  
 मुरो ह्यगस्त्ये चास्य 67 24<sup>d</sup>.  
 मुषणा मुदपर मराः 37 5<sup>d</sup>.  
 मुषयेषु मनुष्येभ्यः 87 46<sup>d</sup>.  
 मुषुङ्गद्वय राज्ञिः 85 60<sup>d</sup>.  
 मुषुङ्गद्वय वेराज 85 41<sup>d</sup>.  
 मुषुङ्गं च पार्थिवम् 8 85<sup>d</sup>.



मुमुक्षुन्दो महायथा 85 40<sup>5</sup>  
 मुच्यमानेन चासहृत् 61 17<sup>5</sup>  
 मुच्यन्त शरवर्षाणि 88 16<sup>5</sup>  
 मुण्डपित्वा व्यसर्जयत् 10 4<sup>5</sup>  
 मुण्डा कापायवास 116 15<sup>5</sup>  
 मुदितमना रमयन्पुष्टमां ताम् 118 40<sup>5</sup>  
 मुदिताश्चातुकुर्यन्त्य 83 28<sup>5</sup>  
 मुदिताश्चाप्यगायन्त 79 30<sup>5</sup>  
 मुदितां सिंहयिक्तान्तौ 58 11<sup>5</sup>  
 मुद्रलक्ष्य तु द्वायाद् 23 99<sup>5</sup>  
 मुद्रल सृजयश्चैव 23 96<sup>5</sup>  
 मुनयश्च समादिवा 34 47<sup>5</sup>  
 मुनयश्चाभिमानीन 117 16<sup>5</sup>  
 मुनयो धर्मचारिण 16 28<sup>5</sup>  
 मुनयो बहुरूपिण 117 19<sup>5</sup>  
 मुनिमूर्धै समाजयन् 35 53<sup>5</sup>  
 मुनिरप्सरसलया 3 92<sup>5</sup>  
 मुनिर्मनसि तावत् 35 31<sup>5</sup>  
 मुनिर्वैदितिरालया 7 22<sup>5</sup>  
 मुनि प्रीतस्त्रिषाङ्गये 10 19<sup>5</sup>  
 मुनीनां भावितारमनाम् 31 114<sup>5</sup> 35 28<sup>5</sup>  
 मुनीनां विहित पुरा 35 39<sup>5</sup>  
 मुनीन्चै सशितमताम् 31 55<sup>5</sup>  
 मुमुक्षुर्गन्धमधिक 73 15<sup>5</sup>  
 मुमुक्षु पुष्पकाशैश्च 83 31<sup>5</sup>  
 मुमुक्षुते यदुवरौ 79 39<sup>5</sup>  
 मुमुक्षुर्वादिवा सर्वै 84 23<sup>5</sup>  
 मुमुक्षुं ब्रह्मलोकस्य 39 29<sup>5</sup>  
 मुमुक्षुं यदुभि सार्धं 86 79<sup>5</sup>  
 मुमुक्षुं शमपात्रिका 37 16<sup>5</sup>  
 मुमुक्षुं कालचोदित 112 53<sup>5</sup>  
 मुमोष उल्लितां घोरता 38 32<sup>5</sup>  
 मुमोष रपितो रुद्र 112 19<sup>5</sup>  
 मुमोष यवप्रज केन 64 17<sup>5</sup>  
 मुमोष विशिषाम्नीङ्गान् 108 82<sup>5</sup>  
 मुमोचास्त्राणि चरवारि 112 24<sup>5</sup>  
 मुरस्य विषय प्रति 91 14<sup>5</sup>  
 मुरं चैव महासुरम् 92 28<sup>5</sup>  
 मुरं हत्वा सद्गन्धपम् 91 45<sup>5</sup>  
 मुर पुत्रमहर्षिश्च 91 19<sup>5</sup>  
 मुरोश्चैव दनारमता 91 15<sup>5</sup>  
 मुष्टिकस्य तर्ध्व त 72 13<sup>5</sup>  
 मुष्टिक च निपातिते 76 9<sup>5</sup>

मुष्टिदेवो विकृजित्वा 71 52<sup>5</sup>  
 मुष्टिना कञ्चरूपेन 58 51<sup>5</sup>  
 मुष्टिनेकेन चोरसि 110 70<sup>5</sup>  
 मुष्टिनेकेन तेजस्वी 76 6<sup>5</sup>  
 मुष्टिमिर्नयन्मयम् 110 59<sup>5</sup>  
 मुष्टिमिर्निर्दिवा केचिद् 37 45<sup>5</sup>  
 मुसलाक्षेपताडिताम् 81 69<sup>5</sup>  
 मुसलापाश्रितोद्दाम् 70 17<sup>5</sup>  
 मुसलेन च मास्यता 88 36<sup>5</sup>  
 मुसलेन व्यपोषयत् 110 51<sup>5</sup>  
 मुसलै पट्टिभैश्चापि 112 65<sup>5</sup>  
 मुसलै पट्टिभैश्च 112 74<sup>5</sup>  
 मुहु कुर्यन्भ्रमस्तथा 110 64<sup>5</sup>  
 मुहुर्तमृत देवस्य 9 25<sup>5</sup>  
 मुहुर्तमन्तरिक्षेऽभूत् 91 27<sup>5</sup>  
 मुहुर्तमभवत्तदा 110 69<sup>5</sup>  
 मुहुर्तमभवत्तुदम् 110 72<sup>5</sup>  
 मुहुर्तं प्राप्य जीवितम् 10 65<sup>5</sup>  
 मुहुर्तं बोधयामास 91 56<sup>5</sup>  
 मुहुर्तं व्यथिताभवत् 48 4<sup>5</sup>  
 मुहुर्तादिव चार्धं 102 9<sup>5</sup>  
 मुहुर्तादिव राजा 19 21<sup>5</sup>  
 मुहुर्ताश्च कलाश्चैव 104 20<sup>5</sup>  
 मुहुर्तास्त्रिययो माता 30 26<sup>5</sup>  
 मुहुर्तास्तु मुहुर्तं 3 28<sup>5</sup>  
 मुहुर्तं निमित्तं प्राप्त 48 13<sup>5</sup>  
 मूढे पण्डितमानिनि 51 24<sup>5</sup> 73 25<sup>5</sup>  
 मृगण शङ्कता धैव 85 22<sup>5</sup>  
 मूर्खा स्वाधररा लुब्धा 117 17<sup>5</sup>  
 मूर्खौ प्राकृतविज्ञानौ 71 11<sup>5</sup>  
 मृतयो हि त्वामभ्यक्षा 44 81<sup>5</sup>  
 मूर्तिमन्तमिवाभूदम् 92 19<sup>5</sup>  
 मूर्तिमन्तमिवाणवम् 33 5<sup>5</sup>  
 मूर्तिमन्ति वृद्धन्ति च 81 57<sup>5</sup>  
 मूर्तिमन्तो हि ते स्मृता 13 50<sup>5</sup>  
 मूर्तिमांसरहस्यात्मा 68 21<sup>5</sup>  
 मूर्ध्वजयाकुक्षणी 51 11<sup>5</sup>  
 मूर्ध्वज्यु परासृष्ट 76 29<sup>5</sup>  
 मूर्ध्वज्योमुनैस्तुल्य 99 39<sup>5</sup>  
 मूर्ध्ना पद्मनां निपतता 48 46<sup>5</sup>  
 मूर्ध्नि चाधाय वीर्यवान् 113 63<sup>5</sup>  
 मूर्तिं चोत्तसितैश्च 53 15<sup>5</sup>  
 मूर्तिं तिष्ठगलमत 94 8<sup>5</sup>

मूर्ध्नि देवरिषु देव 58 49<sup>a</sup>  
 मूर्ध्नि वीर समाहनत् 58 51<sup>d</sup>  
 मूर्ध्व्युपात्राय सन्ध्येन 96 17<sup>a</sup>  
 मूलच्छेद कृतस्तस्य 78 14<sup>a</sup>  
 मूल न परिहृणति 65 21<sup>d</sup>  
 मूलादेव हि हन्तव्य 47 2<sup>a</sup>  
 मृगयन्ति रतिम्रिया 63 24<sup>d</sup>  
 मृगतुन्दविरोहितम् 92 41<sup>b</sup>  
 मृगाणामथ शार्दूल 4 9<sup>a</sup>  
 मृगाश्च क्रूरभाषिण 102 3<sup>b</sup>  
 मृगा कालजरे गिरौ 19 18<sup>b</sup>  
 मृगैर्मर्त्यैर्विहगैश्च 117 32<sup>a</sup>  
 मृगै सह विषाधितौ 71 10<sup>b</sup>  
 मृग्यो मृगवधे यथा 77 2<sup>d</sup>  
 मृगमयौ द्वौ महासुरौ 42 14<sup>d</sup>  
 मृत ह्यभिविज्ञाय 111 1<sup>a</sup>  
 मृतस्य रत्ने क स्वर्ग 75 27<sup>a</sup>  
 मृत पुनरिवागमम् 51 34<sup>d</sup>  
 मृत किमपराध्यते 77 51<sup>d</sup>  
 मृत्युकाले च भूताना 40 30<sup>a</sup>  
 मृत्युना नृपपुंगवा 81 11<sup>b</sup>  
 मृत्युनापहते पूर्वं 48 49<sup>a</sup>  
 मृत्युप्रहरणो रणे 37 50<sup>a</sup>  
 मृत्यु प्राणहर रणे 108 79<sup>b</sup>  
 मृत्यु प्रभविता तव 11 16<sup>a</sup>  
 मृत्योर्भागे क्षितिगते 44 4<sup>a</sup>  
 मृदङ्गादिषु तेषु वै 75 36<sup>b</sup>  
 मृदुरक्षारिमेजय 24 9<sup>b</sup>  
 मृदितैस्त्रोयताञ्जितै 83 35<sup>b</sup>  
 मृदुपादो मृदुम्रिय 31 73<sup>d</sup>  
 मृदुरक्षारिमर्दन 28 39<sup>b</sup>  
 मृदुरेणाभिरक्षितम् 81 104<sup>b</sup>  
 मृदुरस्तव मधुनाम 42 18<sup>a</sup>  
 मृद्यमान स कृष्णेन 56 32<sup>a</sup>  
 मृधे चेतुरम्भोभि 36 15<sup>a</sup>  
 मृधे यापति दानमान् 38 17<sup>d</sup>  
 मृधे प्रतिकरिष्यति 44 43<sup>a</sup>  
 मृधे यद्यसि धीर्यवान् 44 37<sup>d</sup>  
 मृधे धीरस्तस्यारिणी 38 25<sup>b</sup>  
 मृधेवधर्षणीयेन 68 20<sup>a</sup>  
 मेषकालमुल्लेखिणम् 59 56<sup>d</sup>  
 मेषकालमुदरयाम 55 9<sup>a</sup>  
 मेषवृष्णस्य वृष्णोम्भू 50 3<sup>a</sup>

मेषजालेष्विवाशुमान् 103 19<sup>d</sup>  
 मेषतोयविमृषितम् 54 40<sup>b</sup>  
 मेषनादप्रतिगृह्यै 55 13<sup>a</sup>  
 मेषनादश्च बाह्यत 61 56<sup>d</sup>  
 मेषनादानुसारिण 54 20<sup>b</sup>  
 मेषपुष्पबलाहकौ 102 21<sup>b</sup>  
 मेषपूर्णमिवाम्बरम् 55 42<sup>b</sup>  
 मेषप्रख्यैरनिकैश्च 97 3<sup>a</sup>  
 मेषराशिसमप्रभ 56 5<sup>b</sup>  
 मेषरूपेण तत्सर्व 62 36<sup>a</sup>  
 मेषवृष्टिर्दुरासदा 62 15<sup>b</sup>  
 मेषचन्द्रमिवोद्विरन् 110 34<sup>d</sup>  
 मेषसैन्यमिवावर्मा 81 22<sup>d</sup>  
 मेषस्य पयसो दाता 59 7<sup>a</sup>  
 मेषस्येव विदीर्यत 58 63<sup>d</sup>  
 मेषानामिष सर्वत 108 24<sup>d</sup>  
 मेषाना चारिसूदन 59 5<sup>b</sup>  
 मेषानीकमिवोद्धतम् 33 31<sup>d</sup>  
 मेषा वातेरिवा यथा 108 25<sup>d</sup>  
 मेषाश्च दिवि मुत्ताभि 62 60<sup>a</sup>  
 मेषा पवनवाहना 61 49<sup>b</sup>  
 मेषैरिवातपापाये 112 41<sup>a</sup>  
 मेषैर्यौरिव सवृत्ता 93 36<sup>a</sup>  
 मेषैर्नभसि दारुणै 61 15<sup>b</sup>  
 मेषै शिखरस्यार्धन 61 35<sup>a</sup>  
 मेषै शीतावपकर 54 31<sup>a</sup>  
 मेषोर्ध्वरेकतां गतै 61 33<sup>b</sup>  
 मेषोर्ध्वनिष्प्राकार 61 16<sup>a</sup>  
 मेदस्ता तमळ स्यात् 42 33<sup>a</sup>  
 मेदस्ताम्रिपरिमुदा 6 39<sup>d</sup>  
 मेदसोऽस्थि निरूप्यते 30 39<sup>d</sup>  
 मेदिनीति तत स्मृता 42 33<sup>b</sup>  
 मेदिनीति परिधुगा 6 39<sup>a</sup>  
 मेदो मुमुचुर्द्वयो 42 31<sup>a</sup>  
 मेदोऽस्थिमज्जारक्षी 38 40<sup>a</sup>  
 मेघार्दीश्च वृत्तमान् 30 24<sup>d</sup>  
 मेघा मेघातिथिर्षु 7 9<sup>b</sup>  
 मेघ्यं मेघोपधारितम् 59 12<sup>a</sup>  
 मेघ्याश्च त्रिभिधान्मथान् 83 22<sup>a</sup>  
 मेघ्येन इविषा मुरान् 62 40<sup>a</sup>  
 मेघ्यो वा मेघपद्मनाम् 30 34<sup>d</sup>  
 मेघा नाम महागिरि 13 13<sup>b</sup>  
 मेनिरे त गतायुषम् 60 1<sup>a</sup>

मेने चाहवमागतम् 106 40<sup>d</sup>  
 मेने तत्रागतं विभुम् 76 28<sup>d</sup>  
 मेने तत्रागतौ देवौ 79 7<sup>a</sup>  
 मेने स मयुरेश्वर 65 6<sup>b</sup>  
 मेने सकर्षणस्तदा 58 31<sup>b</sup>  
 मेरुदृष्टनिभानि 93 32<sup>b</sup>  
 मेरुपर्यन्तराग्निना 34 31<sup>b</sup>  
 मेरुदृष्टे तपो नित्य 8 44<sup>a</sup>  
 मेरुदृष्टे महाज्ञस 7 40<sup>d</sup>  
 मेरुप्रभवन् महत् 93 18<sup>b</sup>  
 मेरुमन्दारभूषणा 31 104<sup>b</sup>  
 मेरुरिषमिच्छित्त 93 43<sup>d</sup>  
 मेरुशृङ्गसमप्रभ 74 14<sup>b</sup>  
 मेरुशृङ्ग सयोत्तरे 21 7<sup>d</sup>  
 मेरुसागरार्णवा गता 7 39<sup>f</sup>  
 मेरुं गतस्य वा तस्य 9 30<sup>a</sup>  
 मेरुं दीप्त इवाञ्जुमान् 33 8<sup>d</sup>  
 मेरोरिव गिरे शृङ्गम् 93 39<sup>f</sup>  
 मेरोरुपसि सभिद 28<sup>b</sup>  
 मेरो दिक्षरमागतम् 110 62<sup>b</sup>  
 मेरो दिक्षरमुत्तमम् 93 56<sup>b</sup>  
 मेरो दिक्षरविन्द्यस्तां 42 7<sup>a</sup>  
 मैथिलेनामिपुजित 29 23<sup>d</sup>  
 मैथुनाय विवेष्टांती 8 37<sup>a</sup>  
 मैथुनायोपचक्षते 25 9<sup>f</sup>  
 मैथुनायोपवर्तिता 9 13<sup>d</sup>  
 मैनाक इव पर्यत 108 84<sup>d</sup>  
 मैनाकस्य सुत श्रीमान् 13 14<sup>a</sup>  
 मैन्द द्विविदमेव 31 144<sup>b</sup>  
 मैत्रो द्विविद एव च 105 20<sup>b</sup> 109 40<sup>d</sup>  
 मोक्षयामास भारत 9 98<sup>d</sup>  
 मोक्षितश्च सद्धानैः 105 19<sup>a</sup>  
 मोक्षितं च चनाहूत 98 2<sup>a</sup>  
 मोक्षिता सर्वपापिवा 105 15<sup>b</sup>  
 मोक्षयसे रणमूर्धनि 110 58<sup>f</sup> 112 93<sup>d</sup>  
 मोघ गाण्डीवमेतत्ते 102 17<sup>a</sup>  
 मोघ वीर्यं यशश्च ते 102 17<sup>a</sup>  
 मोक्षयेत् सदा भूतै 97 37<sup>a</sup>  
 मोक्षन्तां विगाजरा 46 28<sup>b</sup>  
 मोक्षमानो ममाज्ञया 43 41<sup>d</sup>  
 मोक्षयन्नगदन्वय 40 34<sup>d</sup>  
 मोक्षयत्सदृशुना 99 46<sup>f</sup>  
 मोक्षमिरया च त कसं 47 56<sup>a</sup>

मोक्षलिखति दुर्बुद्धे 66 33<sup>a</sup>  
 मोक्षलक्ष्मिदुदियाद्रिषु 109 6<sup>d</sup>  
 मोक्षैरुत्तिरीश्वर 44 32<sup>d</sup>  
 मोक्षयन्नेति विश्रुता 23 88<sup>b</sup>  
 मोक्षल्य सुमहायया 23 99<sup>b</sup>  
 मोक्षमूलेषु शदिषु 62 49<sup>b</sup>  
 मोक्षिना हेमचूहिना 70 20<sup>b</sup>  
 मोक्षेच्छा हेमप्रताक्षया 85 19<sup>d</sup>

य

य साजहे महासर्प 23 75<sup>a</sup>  
 य इव प्यावन स्थानात् 21 37<sup>a</sup>  
 य इव जन्म देयाना 48<sup>a</sup>  
 य इमामावसेरुक्षित् 97 35<sup>a</sup>  
 य एष भगवान्प्रभु 32 3<sup>b</sup>  
 य एष भवता पूर्व 99 1<sup>a</sup>  
 यक्षगन्धर्वनालिनी 37 19<sup>d</sup>  
 यक्षगन्धर्वपत्न्या 37 45<sup>a</sup>  
 यक्षग चर्वपतिनि 47 17<sup>a</sup>  
 यक्षगन्धर्वराक्षसा 13 42<sup>b</sup>  
 यक्षराक्षसकिनरी 31 36<sup>d</sup>  
 यक्षराक्षसगर्घरी 43 6<sup>a</sup>  
 यक्षराक्षसपक्षिणात् 31 122<sup>b</sup>  
 यक्षराक्षससैन्येन 34 16<sup>a</sup>  
 यक्ष किंपुरपाधिप 31 45<sup>d</sup>  
 यक्षाणां राक्षसानां च 4 8<sup>a</sup>  
 यक्षायिमाविति तदा 71 21<sup>a</sup>  
 यक्षाश्चैवामरोपमा 6 32<sup>d</sup>  
 यक्षैश्च श्रूयते राजन् 11 28<sup>a</sup>  
 यक्षैः पुण्यनिस्तथा 29<sup>a</sup>  
 यक्षो गन्धर्व एव वा 63 8<sup>b</sup>  
 यक्ष्येऽहं वाजिमेघेन 115 6<sup>a</sup>  
 यक्ष जातिपरिज्ञान 68 37<sup>a</sup>  
 यक्ष तारुक्षित पूर्य 106 2<sup>a</sup>  
 यक्ष तत्परम रोज 104 8<sup>a</sup>  
 यक्ष ते दीर्घमध्वान 104 6<sup>a</sup>  
 यक्ष तेषां पर वल्गु 11 3<sup>b</sup>  
 यक्ष ते हृदि जतने 99 24<sup>b</sup>  
 यक्ष यक्ष्यति मां शक 62 98<sup>a</sup>  
 यक्षान्यद्भुत किंचन 78 33<sup>d</sup>  
 यक्षाश्च पर्वतोत्तम 62 13<sup>b</sup>  
 यथासि तनुनां गत 43 26<sup>b</sup>  
 यथानि वसु किंचन 76 23<sup>d</sup>

यच्चास्य वेद वेदोऽपि 40 21<sup>॥</sup>  
 यच्छ कोप महाद्युते 5 51<sup>॥</sup>  
 यच्छकस्य प्रभो कार्यं 109 52<sup>॥</sup>  
 यच्छन्ति पितर पुष्टि 13 68<sup>॥</sup>  
 यच्छिव च सुखाद्य च 53 2<sup>॥</sup>  
 यच्छिष्टं पुरुषोत्तम 96 33<sup>॥</sup>  
 यज्ञता सह शकेण 23 35<sup>॥</sup>  
 यज्ञान्ते तदन्नं तु 60 18<sup>॥</sup>  
 यज्ञन्ति च यथाकाल 41 9<sup>॥</sup>  
 यज्ञन्ति तान्देवगणा 13 8<sup>॥</sup>  
 यज्ञन्तीति च न श्रुतम् 11 14<sup>॥</sup>  
 यज्ञन्तु बहुभिर्यज्ञै 96 68<sup>॥</sup>  
 यज्ञघान हृत्पुत्र 90 16<sup>॥</sup>  
 यज्ञकर्मण्युपरते 117 24<sup>॥</sup>  
 यज्ञघाट समन्तत 23 77<sup>॥</sup>  
 यज्ञविप्रकरो येन 31 114<sup>॥</sup>  
 यज्ञशोभिषु देवेषु 36 41<sup>॥</sup>  
 यज्ञश्चेति कुक्कुद 5 7<sup>॥</sup>  
 यज्ञस्य पुनरावृत्ति 115 38<sup>॥</sup>  
 यज्ञ गिरेस्त्रिभौ सीमये 60 17<sup>॥</sup>  
 यज्ञाङ्गैश्च दुरासदै 115 21<sup>॥</sup>  
 यज्ञाना च द्विबो महीम् 21 2<sup>॥</sup>  
 यज्ञाना तपसा चैव 4 2<sup>॥</sup>  
 यज्ञाना हि गतिर्विष्णु 100 83<sup>॥</sup>  
 यज्ञार्थं तु बयं सृष्टा 100 72<sup>॥</sup>  
 यज्ञाश्चास्मपरायणा 100 71<sup>॥</sup>  
 यज्ञाश्च चयनानलान् 30 24<sup>॥</sup>  
 यज्ञियानकरास्त्रिभान् 31 57<sup>॥</sup>  
 यज्ञियाति च द्रव्याणि 30 24<sup>॥</sup>  
 यज्ञे वैतामहे क्रमे 5 32<sup>॥</sup>  
 यज्ञे विवरमासाद्य 118 26<sup>॥</sup>, 28<sup>॥</sup>  
 यज्ञेषु च हवि स्यादु 32 38<sup>॥</sup>  
 यज्ञेषु विनियोजयत् 29 26<sup>॥</sup>  
 यज्ञेष्वग्निषां चैव 23 12<sup>॥</sup>  
 यज्ञैरिज्यन्तमात्मान 39 23<sup>॥</sup>  
 यज्ञैरिष्टासदग्निं 97 31<sup>॥</sup>  
 यज्ञैरिष्टा महारमान 97 44<sup>॥</sup>  
 यज्ञैर्दानैस्तपोभिर्वा 23 149<sup>॥</sup>  
 यज्ञैर्विपुलदक्षिणै 41 9<sup>॥</sup>  
 यज्ञेन पुण्यकर्मण 23 167<sup>॥</sup>  
 यज्ञा दानपतिर्धामान् 27 18<sup>॥</sup>  
 यज्ञा देवाद्युधो राजा 27 6<sup>॥</sup>  
 यज्ञान पुण्यकर्मण 88 44<sup>॥</sup>

यज्ञा विपुलदक्षिण 21 1<sup>॥</sup> 23 125<sup>॥</sup> 26 4<sup>॥</sup>  
 28 38<sup>॥</sup> 114 4<sup>॥</sup>  
 यज्ञा ह्यसि इन्द्रश्च 118 26<sup>॥</sup>  
 यत्मानस्य चिच्छेद 88 9<sup>॥</sup>  
 यत्मानस्य रुक्मिण 88 20<sup>॥</sup>  
 यत्मानस्य वीर्यवान् 81 80<sup>॥</sup>  
 यत्मान महारयम् 89 28<sup>॥</sup>  
 यत्मानाश्च तान्शरान् 88 16<sup>॥</sup>  
 यत्तस्य परिहर्तुं तत् 115 34<sup>॥</sup>  
 यत्तिज्येष्ठस्तु तेषां वै 22 1<sup>॥</sup>  
 यत्तिर्ययाति स्याति 22 1<sup>॥</sup>  
 यत्तोऽदृश्यत तदलम् 110 43<sup>॥</sup>  
 यत्तो धृतिश्च धीश्चैव 21 16<sup>॥</sup>  
 यत्तो बाणस्ततो गत्वा 112 85<sup>॥</sup>  
 यत्तो बाणस्ततो भीता 108 28<sup>॥</sup>  
 यत्तो बाणस्ततो रथम् 112 83<sup>॥</sup>  
 यत्तो रजिरेतिस्तत्र 21 16<sup>॥</sup>  
 यत्तो हरतनुलत 112 18<sup>॥</sup>  
 यत्कतेभ्य महेन्द्रेण 43 3<sup>॥</sup>  
 यत्कार्यं तन्महेश्वर 112 112<sup>॥</sup>  
 यत्कार्यं यदुनन्दन 86 58<sup>॥</sup>  
 यत्किञ्चिन्निषु लोकेषु 93 5<sup>॥</sup>  
 यत्कृत कर्म दुष्कृतम् 109 42<sup>॥</sup>  
 यत्कृत यदुसिद्धेन 96 64<sup>॥</sup>  
 यत्कृत शौरिणा दुरा 90 15<sup>॥</sup>  
 यत्कृते सगण कस्त 98 12<sup>॥</sup>  
 यत्कृत्वा दुष्कर कर्म 96 6<sup>॥</sup>  
 यत्कृष्ण भुवि दुर्लभम् 70 37<sup>॥</sup>  
 यत्क्षम कस्तमापर 103 6<sup>॥</sup>  
 यत्तरसग्राहिने कृष्ण 29 1<sup>॥</sup>  
 यत्तद्गत्वा सगिदर 29 36<sup>॥</sup>  
 यत्ता भवत सर्वे वै 47 1<sup>॥</sup>  
 यत्ता भवतस्त्रिष्टु 102 8<sup>॥</sup>  
 यत्तु ते हृत्प्रिम रूपं 58 42<sup>॥</sup>  
 यत्तु दाक्षाय्यदं वपु 39 8<sup>॥</sup>  
 यत्ते दर्शितवानहम् 62 36<sup>॥</sup>  
 यत्त मनसि ययत् 11 27<sup>॥</sup> 112 117<sup>॥</sup>  
 यत्तमर्हसि दुर्मते 102 14<sup>॥</sup>  
 यत्तमेवेति धृष्टे 78 31<sup>॥</sup>  
 यत्तया दर्शित लोके 58 40<sup>॥</sup>  
 यत्तया सिद्धो मोहार् 44 33<sup>॥</sup>  
 यत्तयानुहितो यत्न 65 45<sup>॥</sup>  
 यत्तया नोक्तपूर्वं हि 58 40<sup>॥</sup>

यथा देवासुर युद्धम् 91 46<sup>॥</sup>  
 यथा देवैर्देवैर्दिभि 4 20<sup>॥</sup>  
 यथा देवो मया साधे 107 12<sup>॥</sup>  
 यथा देवैश्च नागैश्च 4 20<sup>॥</sup>  
 यथा धर्ममवाप्नोति 69 21<sup>॥</sup>  
 यथा धर्मवधो न स्यात् 41 30<sup>॥</sup>  
 यथा ध्रियेव्यत्य मे 101 12<sup>॥</sup>  
 यथा न मम पुत्रस्त्व 99 25<sup>॥</sup>  
 यथा न सीदेत्तत्कार्य 41 24<sup>॥</sup>  
 यथा नाग मुद्रुत्त 69 19<sup>॥</sup>  
 यथा नास्ति तथैव स 48 48<sup>॥</sup>  
 यथानिवेस त्रिवृत्ता 42 10<sup>॥</sup>  
 यथानिदेश सङ्घा 86 11<sup>॥</sup>  
 यथानिज्ञ मना सर्वा 116 17<sup>॥</sup>  
 यथा निहानुसारिणा 54 19<sup>॥</sup>  
 यथानेन कृत प्रभु 68 32<sup>॥</sup>  
 यथानेन ह्यानेन 96 30<sup>॥</sup>  
 यथान्यायमवेदयन् 109 17<sup>॥</sup>  
 यथान्याय निर्मिश्रे 86 16<sup>॥</sup>  
 यथान्याय यथावय 83 4<sup>॥</sup>  
 यथा पारमह गत 100 31<sup>॥</sup>  
 यथा पुरोक्तानि तथा 115 1<sup>॥</sup>  
 यथाद्वै यथाविधि 83 4<sup>॥</sup>  
 यथाप्रज्ञ यथाश्रवम् 1 20<sup>॥</sup>  
 यथामदेवामघापि 4 15<sup>॥</sup> 22 18<sup>॥</sup>  
 यथामधानोक्तान्तर्वात् 107 64<sup>॥</sup>  
 यथाप्रीति यथावय 95 18<sup>॥</sup>  
 यथाचक्र संतुष्याणा 115 42<sup>॥</sup>  
 यथा शक्तिर्निवमित 106 63<sup>॥</sup>  
 यथा थाणस्य नगर 107 80<sup>॥</sup>  
 यथा साग च शीघ्र च 21 33<sup>॥</sup>  
 यथाभिलपित सखि 107 70<sup>॥</sup>  
 यथाभिलिखितान्मया 107 69<sup>॥</sup>  
 यथा भूतेन्द्रियाणां 39 14<sup>॥</sup>  
 यथामुद्रिद्विभो महात् 106 4<sup>॥</sup>  
 यथा भन्यन्ति मां सर्वे 63 11<sup>॥</sup>  
 यथा भम दुरि तथा 93 4<sup>॥</sup>  
 यथा महात्मना तेन 4 19<sup>॥</sup>  
 यथा मामाह नारद 73 9<sup>॥</sup>  
 यथा मुनिजनाख्या 117 35<sup>॥</sup>  
 यथा यक्षैर्यथा दुर्मै 4 20<sup>॥</sup>  
 यथा यदा नृप स्वर्ग 115 32<sup>॥</sup>  
 यथाप ताधतो धर्म 95 32<sup>॥</sup>

यथाय सनिकृष्टो हि 81 3<sup>॥</sup>  
 यथा युगाना परिवर्तनानि 107 51<sup>॥</sup>  
 यथायोगमुदाहृतम् 69 24<sup>॥</sup>  
 यथा रूप महोदधे 81 26<sup>॥</sup>  
 यथार्थमुह सखि 32 37<sup>॥</sup>  
 यथार्थं च वलुर्वाता 41 13<sup>॥</sup>  
 यथाहं सान्त्वयित्वा 92 36<sup>॥</sup>  
 यथाहं पुण्डरीकाक्ष 91 3<sup>॥</sup> 97 43<sup>॥</sup>  
 यथाहं पूजयामास 94 17<sup>॥</sup>  
 यथाचतुष्टयपञ्चतान् 79 5<sup>॥</sup>  
 यथावत्समुदाहृतान् 48 1<sup>॥</sup>  
 यथावदुत्तुपूर्वेण 38 78<sup>॥</sup>  
 यथारक्षणीकैव 92 58<sup>॥</sup>  
 यथावद्भिमनिदिना 92 52<sup>॥</sup>  
 यथा वास्तु तथा वास्तु 45 28<sup>॥</sup>  
 यथा विद्युदनादनान् 76 26<sup>॥</sup>  
 यथा विष्यन्द्रमानं मे 8<sup>॥</sup>  
 यथा वै चक्रचारिण 52 18<sup>॥</sup>  
 यथा वै त्रिदिवे तथा 86 30<sup>॥</sup>  
 यथा वै भूपरस्त्वया 69 19<sup>॥</sup>  
 यथा वैभ्रवण तथा 86 57<sup>॥</sup>  
 यथावज यथायूय 61 54<sup>॥</sup>  
 यथाशक्ति तु वक्ष्यामि 31 1<sup>॥</sup>  
 यथा शय्या शतशत 19 2<sup>॥</sup>  
 यथा शरदि क्षेत्र 65 73<sup>॥</sup>  
 यथा सप्तनं भूतानि 3 2<sup>॥</sup>  
 यथासारं ॥ वै सुपम् 61 54<sup>॥</sup>  
 यथासार यथायूय 69 29<sup>॥</sup>  
 यथा स्वैर्य कौरव्य 3 57<sup>॥</sup>  
 यथास्थानं यथावय 42 10<sup>॥</sup> 67 46<sup>॥</sup> 76 44<sup>॥</sup>  
 91 30<sup>॥</sup> 100 13<sup>॥</sup>  
 यथा स्वात्स्न्ये ते नृपा 45 9<sup>॥</sup>  
 यथा स्वातं गतायुर्वा 73 3<sup>॥</sup>  
 यथा स्वात्स्न्यमप्यम् 55 7<sup>॥</sup>  
 यथा स्वात्स्न्यमप्यम् 65 90<sup>॥</sup>  
 यथा स्वादेवदेवेन 86 24<sup>॥</sup>  
 यथा स्वाधुगापये 37 20<sup>॥</sup>  
 यथास्वातीपक्षिणा 18 15<sup>॥</sup>  
 यथा स्वर्गगतस्या 60 4<sup>॥</sup>  
 यथा स्वर्गमुत्तेन वा 115 13<sup>॥</sup>  
 यथा स्वर्गे मरावती 86 29<sup>॥</sup>  
 यथाहं शोणिकादिगया 112 120<sup>॥</sup>  
 यथा हानि क्रममासा 117 44<sup>॥</sup>

यदिद दुष्करं कर्म 67 53<sup>a</sup>  
यदिद लुप्तधर्मार्थं 35 45<sup>a</sup>  
यदिदेवराणांस्वार्त् 21 20<sup>a</sup>  
यदि धारयसे शौचं 3 101<sup>a</sup>  
यदि निष्प्रभतां गता 110 14<sup>a</sup>  
यदि नो भगवान्प्रीत 47 15<sup>a</sup>  
यदि पुत्रं शिशुस्तदा 66 17<sup>a</sup>  
यदि प्रभवता वृद्ध 45 27<sup>a</sup>  
यदि मे वचनं नाथ 6 3<sup>a</sup>  
यदियं ब्रह्मणा सृष्टा 35 42<sup>a</sup>  
यदि युधानि वचने 112 60<sup>a</sup>  
यदि वा नात्मजं क्षुभे 99 15<sup>a</sup>  
यदि वा नास्ति ते व्यथा 78 38<sup>a</sup>  
यदि वा नोपजस्रोडसि 65 96<sup>a</sup>  
यदि वा प्रतियोत्स्येते 72 24<sup>a</sup>  
यदि वा मे हता भार्या 44 40<sup>a</sup>  
यदि वा शत्रवो हत 44 40<sup>a</sup>  
यदि वा विस्मृता वयम् 77 33<sup>a</sup>  
यदि वा सुहृदो वयम् 59 60<sup>a</sup>  
यदि वो मरिच्य कार्यं 61 2<sup>a</sup>  
यदि शत्रोदि गच्छेति 51 14<sup>a</sup>  
यदि क्षुध्वत्सेजमघ 4 16<sup>a</sup>  
यदि धाव्यमिदं कृष्ण 100 27<sup>a</sup>  
यदिष्ट वो यदुभेष्टा 76 70<sup>a</sup>  
यदि सुहा सती साध्वी 107 36<sup>a</sup>  
यदि स्म सनिकर्षस्या 110 14<sup>a</sup>  
यदि स्वादिह गोविन्द 102 15<sup>a</sup>  
यदि स्वान्नम तन्मतम् 33<sup>a</sup>  
यदि स्तुर्निर्गता लोका 78 11<sup>a</sup>  
यदीष्टेस्तागर किंचिद् 86 34<sup>a</sup>  
यदुक्तं वैव युष्माभि 12 35<sup>a</sup>  
यदुभिर्धर्मस्तुभिभि 65 78<sup>a</sup>  
यदुभि पावकोपमै 100 87<sup>a</sup>  
यदुभि पूजित सर्वै 97 42<sup>a</sup>  
यदुभि सर्वैवो वृता 95 16<sup>a</sup>  
यदुर्धरास्य वर्धित 105 16<sup>a</sup>  
यदुवशं च निदता 66 18<sup>a</sup>  
यदुवरो समुत्पन्न 85 58<sup>a</sup>  
यदुर्ध्वस्य धीमत 85 1<sup>a</sup>  
यदुर्ध्वस्य धीमत 105 1<sup>a</sup>  
यदुर्ध्वस्य धीमता 105 7<sup>a</sup>  
यदु च तर्ह्यु चैव 22 4<sup>a</sup>  
यदु ज्येष्ठं न्ययोजयत् 22 17<sup>a</sup>

यदूनामप्रणी प्रभु 78 37<sup>a</sup>  
यदूनामन्तरप्रेषु 105 8<sup>a</sup>  
यदूनामभिवर्धनी 86 19<sup>a</sup>  
यदूनामवगुण्ठिता 65 80<sup>a</sup>  
यदूनामृषम रणे 112 51<sup>a</sup>  
यदूनामृषमो हि 103 13<sup>a</sup>  
यदूना कुलनन्दन 83 7<sup>a</sup>  
यदूनां स्वकृते कृत 66 36<sup>a</sup>  
यदूनां नन्दिवर्धन 111 7<sup>a</sup>  
यदूना निहता वृषै 85 29<sup>a</sup>  
यदूना पार्थिवाना च 100 16<sup>a</sup>  
यदूना प्रयजो गुरु 65 77<sup>a</sup>  
यदूना दूधमुक्त्वत्य 65 79<sup>a</sup>  
यदूनां चानुसूदन 78 24<sup>a</sup>  
यदूना हृदयानि वै 66 22<sup>a</sup>  
यदयिरचिंखतया दुरावधोत्स 118 49<sup>a</sup>  
यदेकस्मै समागत 108 39<sup>a</sup>  
यदेतत्पार्थिवं क्षत्र 44 14<sup>a</sup>  
यदेतद्दृश्यते बलम् 110 48<sup>a</sup>  
यदेव मायसे वच 106 38<sup>a</sup>  
यदेन वीर्यितु देवा 40 23<sup>a</sup>  
यदोर्वैशंपरस्वेह 23 167<sup>a</sup>  
यदोस्तु दृष्टु राजर्षे 22 44<sup>a</sup>  
यदि नाभित 96 65<sup>a</sup>  
यदयि स्वास्तुदुष्करम् 101 10<sup>a</sup>  
यद्यवश्यं प्रकृतस्या 16 10<sup>a</sup>  
यद्यस्ति तपसो वीर्ये 35 43<sup>a</sup>  
यद्यस्ति नयि कारण्ये 42 52<sup>a</sup>  
यद्यस्ति मयि मायका 86 36<sup>a</sup>  
यद्यस्ति मे यज्ञार्त् 118 16<sup>a</sup>  
यद्यस्ति सुकृत किंचिद् 10 37<sup>a</sup>  
यद्यस्त्याघातवस्त मात् 115 38<sup>a</sup>  
यद्यहं शक्तिं यद्वा 43 30<sup>a</sup>  
यद्यहं ते न पदयामि 107 82<sup>a</sup>  
यद्यहं ते मुगाक्षे 62 88<sup>a</sup>  
यद्यहं भवतां स्थाप्यः 63 15<sup>a</sup>  
यद्यहं सायये मूढ 44 40<sup>a</sup>  
यद्यारमानमिहास्माभि 39 28<sup>a</sup>  
यद्यारयोत्तमी प्रमुने 72 23<sup>a</sup>  
यद्यनं प्रादिप्यसि 3 101<sup>a</sup>  
यद्यनं मे विनाशसि 107 75<sup>a</sup>  
यद्यनं नादित शक्त 21 32<sup>a</sup>  
यद्ययं नाथ गन्तव्य 77 33<sup>a</sup>

यघेपा प्रतिहन्तव्या 35 74<sup>a</sup>  
 यघेपासीदशो गन्ध 57 9<sup>a</sup>  
 यघेपोऽनुग्रहो मम 63 13<sup>a</sup>  
 यद्रोपोऽमृतदा मम 29 37<sup>a</sup>  
 यद्रय पुगवै साधे 62 39<sup>a</sup>  
 यद्वा कार्य घनेशेन 43 3<sup>a</sup>  
 यद्वा चन्द्रमसा कार्य 43 4<sup>a</sup>  
 यद्विरोधपसे भृशम् 65 69<sup>a</sup>  
 यद्विष प्रमत्तिष्यति 70 13<sup>a</sup>  
 यद्वेदितव्य लोकेऽस्मिन् 58 41<sup>a</sup>  
 यद्वागलैश्च भूषिताम् 93 25<sup>a</sup>  
 यद्वा कार्यमनन्तरम् 110 15<sup>a</sup>  
 यद्वागभवने प्रभु 96 36<sup>a</sup>  
 यक्षमा पातुल्यश्च स 107 55<sup>a</sup>  
 यक्षेहाद्यानबुध्यते 77 22<sup>a</sup>  
 यन्मया स्व पुरस्कृत 65 70<sup>a</sup>  
 यन्मयाभिहितो द्वेष 100 81<sup>a</sup>  
 यन्मयासीद्विद्यामितम् 13 75<sup>a</sup>  
 यन्मा वदसि नारद 45 2<sup>a</sup>  
 यन्मा वदसि बुढार्थे 36 11<sup>a</sup>  
 यन्मा क्षिपति द्यौर्देव 44 39<sup>a</sup>  
 यन्मा स्वर्गवा गमिष्यत्य 18 27<sup>a</sup>  
 यन्मा त्व नायबुध्यते 71 26<sup>a</sup>  
 यन्मा एव परिपृच्छसि 11 6<sup>a</sup> 38 80<sup>a</sup> 113 72<sup>a</sup>  
 यन्मा पृच्छसि भारत 11 30<sup>a</sup>, 35<sup>a</sup>  
 यन्मा पृच्छसि रात्रेन्द्र 104 24<sup>a</sup>  
 यन्मा भवन्त पृच्छन्ति 100 85<sup>a</sup>  
 यन्मेऽथ भगवांश्शिक्षो 35 55<sup>a</sup>  
 यन्मे पृष्ट दुरा पिता 12 1<sup>a</sup>  
 यन्मे वेदैरिहेतितम् 100 74<sup>a</sup>  
 यन्मे प्यवसित काष्ठ 99 24<sup>a</sup>  
 यन्मक्षय ससुपनयज्जगत्पति 110 73<sup>a</sup>  
 यन्मनी समूहस्तु 5 7<sup>a</sup>  
 यन्मद्रूपोपमा शुभाम् 108 72<sup>a</sup>  
 यमय पुरत इन्द्रा 13<sup>a</sup>  
 यमश्च यमुना चैव 8 7<sup>a</sup>  
 यमसह्य समालम्ब्य 85 6<sup>a</sup>  
 यमन्त्रस्या न चक्षुमे 8 19<sup>a</sup>  
 यमस्तु कर्मणा तेन 8 41<sup>a</sup>  
 यमस्तु तस्मिन् सर्वे 8 21<sup>a</sup>  
 यमस्तु दण्डमुपम्य 34 11<sup>a</sup>  
 यमह भारतसत्ता 42 53<sup>a</sup>  
 यम राज्येऽप्यवेचयत् 4 5<sup>a</sup>

यम वैवस्वत हरि 97 27<sup>a</sup>  
 यम सर्वहरस्तेन 37 50<sup>a</sup>  
 यमान्तरुनिभ रणे 112 73<sup>a</sup>  
 यमान्तरुनिर्मुषि 110 30<sup>a</sup>  
 यमान्तरुसमप्रमम् 110 42<sup>a</sup>  
 यमारुह स भगवान् 34 7<sup>a</sup>  
 यमासाय जन सर्व 92 64<sup>a</sup>  
 यमाहुरग्रेयन्वार 34 28<sup>a</sup>  
 यमाहुराकाशगम 34 29<sup>a</sup>  
 यमाहुर्वै युगे युगे 30 16<sup>a</sup>  
 यमी कन्या यक्षस्त्रिनी 8 46<sup>a</sup>  
 यमुनाकर्षण दृष्टा 83 50<sup>a</sup>  
 यमुनातीरमार्गस्था 51 20<sup>a</sup>  
 यमुनातीरमार्ग 49 28<sup>a</sup>  
 यमुनातीरमाश्रितम् 57 3<sup>a</sup>  
 यमुनातीरमाश्रित 70 8<sup>a</sup>  
 यमुनातीरशोभिता 44 57<sup>a</sup>  
 यमुनातीरशोभिता 49 15<sup>a</sup>  
 यमुनातीरसंबद्ध 49 16<sup>a</sup>  
 यमुनातीरसंश्रितम् 52 22<sup>a</sup>  
 यमुनामनु ने नृपा 81 28<sup>a</sup>  
 यमुना मुनिसेविता 56 44<sup>a</sup>  
 यमुनामुपशोभयन् 55 39<sup>a</sup>  
 यमुना यति सयना 59 44<sup>a</sup>  
 यमुनाया हृदे कस्मिन् 70 10<sup>a</sup>  
 यमुनाया यथा दृष्टो 71 30<sup>a</sup>  
 यमुनाया हृदे नाग 65 27<sup>a</sup>  
 यमुना राममवधीत् 83 41<sup>a</sup>  
 यमुना लोकभावनी 46<sup>a</sup>  
 यमुना सागरममा 55 50<sup>a</sup>  
 यमुनाद्विद्वान्धरम् 45 7<sup>a</sup>  
 यमुना चावगाह्यो 54 2<sup>a</sup>  
 यमुना लाङ्गलामुष 83 47<sup>a</sup>  
 यमेव वरुणेन च 43 3<sup>a</sup>  
 यमेन्द्रवरुण्युक्ता 37 18<sup>a</sup>  
 यमो वैवस्वतस्तेषां 21<sup>a</sup>  
 यवा कृष्णमयोधयत् 29 15<sup>a</sup>  
 यवा जले सहेश्वर 96 12<sup>a</sup>  
 यवातिरपराजित 22 20<sup>a</sup>, 30<sup>a</sup>  
 यवातिरपि रूपेण 22 33<sup>a</sup>  
 यवातिर्गैहयसुतम् 22 26<sup>a</sup>  
 यवातिर्नाम नाहुष 85 57<sup>a</sup>  
 यवातिर्येदुमवती 22 21<sup>a</sup>

ययातिर्धुचि दुर्धरः 22 6°  
 ययातिर्वंशजस्याप 43 77°  
 ययातिस्तु सतः परम् 22 1°  
 ययातेर्जननी धृष्टान् 13 60°  
 ययातेश्वरितं नित्यं 22 45°  
 यया दक्षाम सयुगे 36 10°  
 यया मे चरणौ मूर्ध्नि 118 20°  
 ययुर्द्वारवर्ती पुरीम् 89 53°  
 ययुर्द्वारपराङ्मुखा 108 28°  
 ययौ द्वारवर्ती प्रति 87 48°  
 ययौ नारायणान्तिकम् 38 2°  
 ययौ पूर्वं महोदधिम् 95 5°  
 ययौ शालरथ प्रति 108 66°  
 ययौ यन्त्रानिरुद्धो वै 108 52°  
 ययौ वातजघः पक्षी 92 46°  
 ययौ विवर्धमानसहित 87 36°  
 ययौ सौमित्रिणा सह 44 44°  
 ययौ स्वभयनं पेन 108 19°  
 ययनश्च करोदनाम् 97 8°  
 ययनश्च महायक्ष 31 146°  
 ययनश्च हतः सख्ये 105 19°  
 ययनस्य महाराज 25 12°  
 ययनाधिपतिर्धरम् 85 15°  
 ययनाधिपतिश्चैव 80 15°  
 ययनानां महायक्षः 85 18°  
 ययनानां शिरः सर्वं 10 42°  
 ययनाः पारदाश्चैव 10 31°  
 ययोनिरश्च विक्रान्तः 23 97°  
 ययौपती वयोर्मा तु 8 46°  
 ययौपान्द्रुय द्रुव तु 50 2°  
 ययौपान्द्रुय ते मम 12 13°  
 ययौपान्द्रुय धूम्रपति 8 22°  
 ययौ उरुध्वज दूरतः 108 31°  
 ययौ प्राप्सते महद् 2 21°  
 ययौपान्द्रुय महायक्ष 19 20°  
 ययौपान्द्रुय योऽहमे 62 87°  
 ययौपान्द्रुय योऽहमे 113 64°  
 ययौपान्द्रुय सदा 21 3°  
 ययौपान्द्रुय विप्रमेज 60 6°  
 ययौपान्द्रुय विप्रमेज 113 46°  
 ययौपान्द्रुय विप्रमेज 109 75°  
 ययौपान्द्रुय लोकाणां 65 15°  
 ययौपान्द्रुय च सुविह्वल 50 22°

ययौपान्द्रुय 50 4°  
 ययौपान्द्रुय तु कन्यकाय 48 13°  
 ययौपान्द्रुय त्वय्यवीचीना 50 28°  
 ययौपान्द्रुय देवकी यया 48 13°  
 ययौपान्द्रुय नाम भद्रं वे 47 33°  
 ययौपान्द्रुय नाम विप्रमेज 13 55°  
 ययौपान्द्रुय ययुः 51 20°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 48 12°  
 ययौपान्द्रुय समायत्त 48 10°  
 ययौपान्द्रुय सुगच्छन्तः 56 24°  
 ययौपान्द्रुय सुगच्छन्तः 51 21°  
 ययौपान्द्रुय सुहं भीतः 48 18°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 50 20°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 48 19°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 50 7°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 50 20°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 56 22°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 118 21°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 23 12°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 93 38°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 30 6°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 93 41°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 73 34°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 30 33°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 30 34°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 10 75°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 56 37°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 4 26°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 1 16°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 115 8°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 93 49°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 26 17°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 45 29°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 107 70°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 15 3°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 100 36°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 62 58°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 45 44°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 73 33°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 44 36°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 58 35°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 60 33°  
 ययौपान्द्रुय ययनाय 58 45°



यस्य स्वयेन चेतसा 65 75<sup>१</sup>  
 यस्मात्कात्यायना स्मृता 23 87<sup>१</sup>  
 यस्मात्कामप्रधानस्य 17 3<sup>१</sup>  
 यस्मात्प्राता पिबन्सदा 66 20<sup>१</sup>  
 यस्मात्परया हत केनौ 67 58<sup>१</sup>  
 यस्मात्पु राजनुत्येन 43 34<sup>१</sup>  
 यस्मात्तु वर्तितमिदं 23 152<sup>१</sup>  
 यस्मिन् कारणे पाणि 4 22<sup>१</sup>  
 यस्मिन्नु निदिते शुभे 6 2<sup>१</sup>  
 यस्य चक्रभयशला 106 34<sup>१</sup>  
 यस्य ते पुत्र ईदृश 56 42<sup>१</sup>  
 यस्य ते वृत्तमीदृशम् 65 79<sup>१</sup>  
 यस्य तेऽहं गुरुनैत 35 68<sup>१</sup>  
 यस्य नाधिगतो मृत्यु 97 22<sup>१</sup>  
 यस्य नाज्ञा स्य कौरवा 23 108<sup>१</sup>  
 यस्य नाज्ञा स्य भारता 23 49<sup>१</sup>  
 यस्य पुत्रस्तत धनौ 23 102<sup>१</sup>  
 यस्य पुत्रो महायशा 15 5<sup>१</sup>  
 यस्य पैतामहं शुभम् 30 16<sup>१</sup>  
 यस्य प्राग्ज्योतिषं पुरम् 91 18<sup>१</sup>  
 यस्य बुद्धि परिणता 65 71<sup>१</sup>  
 यस्य यज्ञे जगौ गाथा 23 148<sup>१</sup>  
 यस्य यस्यान्यथे ये ये 1 13<sup>१</sup>  
 यस्य दीर्घात्प्रवर्तिता 30 52<sup>१</sup>  
 यस्य क्षान्ता सुताभयम् 23 36<sup>१</sup>  
 यस्य शिल्प महात्मन 3 41<sup>१</sup>  
 यस्या द्रुह मन पुत्रं 107 37<sup>१</sup>  
 यस्यानिर्दुहं पौत्रम् 109 4<sup>१</sup>  
 यस्या नैव विप्रो अर्था 107 54<sup>१</sup>  
 यस्यान्यथापनो विष्णु 23 168<sup>१</sup>  
 यस्यानैवविप्र सुत 27 9<sup>१</sup>  
 यस्या मनाक उच्यते 13 13<sup>१</sup>  
 यस्यायं भूमिरागता 44 8<sup>१</sup>  
 यस्यायं विनयामदे 21 21<sup>१</sup>  
 यस्याष्टगुणमैश्वर्यं 109 85<sup>१</sup>  
 यस्यास्तीत्युरप्राप्तस्य 24 17<sup>१</sup>  
 यस्यास्ते पालरीदृश 107 55<sup>१</sup>  
 यस्यास्ते यदुपुगव 107 77<sup>१</sup>  
 यस्यास्त्वत्सदृशो गुणं 69 16<sup>१</sup>  
 यस्याहमिन्द्र पुत्रस्ते 21 25<sup>१</sup>  
 यस्या स धर्मविद्राजा 24 23<sup>१</sup>  
 यस्या पश्चाद्वदीहृतम् 23 80<sup>१</sup>  
 यस्या पुत्र पुरोत्तम 35<sup>१</sup>

यस्यैन्द्रप्रमुखा देवा 109 3<sup>१</sup>  
 यस्यैते परि बत्सका 15 17<sup>१</sup>  
 य कश्यप सुतार 3 8<sup>१</sup>  
 य त्वष्टा विदधे स्वयम् 93 51<sup>१</sup>  
 य मही सुपुत्रे देवी 91 18<sup>१</sup>  
 य यज्ञ शाश्वत विभुम् 31 9<sup>१</sup>  
 य यान्त पृष्ठतोऽन्यथु 24 31<sup>१</sup>  
 य वदन्त्यशरीरिणम् 34 29<sup>१</sup>  
 यं वदन्तुचम भूत 34 29<sup>१</sup>  
 य विदुर्विदुषो जना 39 11<sup>१</sup>  
 य विदु सर्वभूतानि 93 47<sup>१</sup>  
 य कर्ता भुवनप्रभु 106 59<sup>१</sup>  
 य कृतज्ञोऽनुबन्धेन 65 64<sup>१</sup>  
 य पर प्राह परत 30 33<sup>१</sup>  
 य पर श्रूयते ज्योति 30 32<sup>१</sup>  
 य पर श्रूयते तप 30 32<sup>१</sup>  
 य पापमनुतिष्ठति 65 85<sup>१</sup>  
 य पुर भवन चेद् 108 17<sup>१</sup>  
 य पुराणे पुराणारम्भा 30 11<sup>१</sup>  
 य पुरा पुरुहूतार्थं 30 12<sup>१</sup>  
 य पुरा क्षन्तौ भूत्वा 30 14<sup>१</sup>  
 य पूर्व परवीरहा 89 49<sup>१</sup>  
 य प्रभुर्भोति भूवाम्ना 109 85<sup>१</sup>  
 य प्रयागादपक्रम्य 23 107<sup>१</sup>  
 य प्रविष्ट प्रसङ्ग न 107 51<sup>१</sup>  
 य प्राप सर्वभूताना 34 27<sup>१</sup>  
 य शुचिर्निवतन्द्रिय 25 17<sup>१</sup>  
 य श्रूयते कृताञ्जलि 31 152<sup>१</sup>  
 य ज्ञेते शाश्वत योग 30 18<sup>१</sup>  
 य स गङ्गा सतिष्ठेष्टा 10 66<sup>१</sup>  
 य स द्रवमनुष्येषु 79 16<sup>१</sup>  
 य स द्रवो हृषीकेश 34 34<sup>१</sup>  
 य स पुत्र्युवचादाता 9 47<sup>१</sup>  
 य स बाहुवद्वेण 23 138<sup>१</sup>  
 य समा सर्वधर्मैः 31 116<sup>१</sup>  
 य सर्वा निन्दसे क्षिय 73 31<sup>१</sup>  
 य सर्वेषा मित्राणि 3 41<sup>१</sup>  
 य सदप्रसमास्त्वैक 91 45<sup>१</sup>  
 या गात्र स त्वमभयम् 45 29<sup>१</sup>  
 यावत् श्लेशतो मृतम् 19 3<sup>१</sup>  
 याचमानाय कस्य 87 16<sup>१</sup>  
 या च सा सुरभिनाम 45 33<sup>१</sup>  
 या चास्य प्रकृतिमहान् 30 2<sup>१</sup>

याचित परमेष्ठिना ३ ११<sup>६</sup>  
 याचेता निभेयाबुनौ ७१ ८<sup>६</sup>  
 याचेते नेति व तदा १६ ८<sup>६</sup>  
 याचे त्वा कृष्णपूर्वेज ८३ ४५<sup>६</sup>  
 याजयामास चेन्द्रोत २२ १२<sup>६</sup>  
 याजयामास त मुनि १० २०<sup>६</sup>  
 याज्ञिकाना समृद्धाना ४३ ७३<sup>६</sup>  
 याज्योपाध्यायसयोगात् १० ४<sup>६</sup>  
 याज्ञास्त्रोपं बने मृगा ६२ ६५<sup>६</sup>  
 या तु ता नन्दगोपस्य ४७ ३३<sup>६</sup>  
 दाते भगरति व्यासे ११८ ७<sup>६</sup>  
 या ते शक्तिर्नृदाम्ये ११० ६७<sup>६</sup>  
 या त्वमेव महादेह १०० ४०<sup>६</sup>  
 या त्वा पश्याम्यपाद्वृत् ५० ११<sup>६</sup>  
 याथातथ्येन विज्ञाय ९६ ४५<sup>६</sup>  
 यादवा दीनमानसा ७८ ४७<sup>६</sup>  
 यादवा धामिका कसे ८६ ६८<sup>६</sup>  
 यादवानामिष भूमि ८४ २<sup>६</sup>  
 यादवाभां कुलकरात् ८६ ७७<sup>६</sup>  
 यादवाभा प्रियकर ८८ ६३<sup>६</sup>  
 यादवाना प्रियकरा ७९ ३०<sup>६</sup>  
 यादवाना महद्भवा ४५ १८<sup>६</sup>  
 यादवाभ्यांशिसूदन ८६ ४<sup>६</sup>  
 यादवाभ्याद्वर्षेभ ९४ १७<sup>६</sup>  
 यादवाभ्यासगरात् ८४ १४<sup>६</sup>  
 यादवाभ्या मतिर्वभौ ८१ ५५<sup>६</sup>  
 यादवाभ्या महारणे ८१ ६०<sup>६</sup>  
 यादवा यदुनन्दनम् ८८ २<sup>६</sup>  
 यादवा यदुनन्दनौ ७९ ३६<sup>६</sup>  
 यादवा यदुना चापे २३ १६२<sup>६</sup>  
 यादवा युद्धर्तुर्नदा १०९ १८<sup>६</sup>  
 यादवा रणसोभिन ८४ २०<sup>६</sup>  
 यादवा वीतमरसरा ९६ ६८<sup>६</sup>  
 यादवाश्च घर्न प्राप्य ९७ ४४<sup>६</sup>  
 यादवास्तत्र सहिता ७५ ९<sup>६</sup>  
 यादवाश्चैव तान्सर्वान् ७६ ४४<sup>६</sup>  
 यादवा कृष्णपक्षिण ७३ ८<sup>६</sup>  
 यादवा पुष्पकर्मिण २३ १६१<sup>६</sup>  
 यादवा धृतविस्तरा ६६ ४०<sup>६</sup>  
 यादवी प्रत्यरण्ये ११४ ६<sup>६</sup>  
 यादवीं च ध्रिय दृष्टा १०० ४<sup>६</sup>  
 यादयेषु जनाईनम् ९६ २२<sup>६</sup>  
 यादवेषु महात्मसु ६९ १८<sup>६</sup>

यादवेष्वापि सर्वेषु ८३ १६<sup>६</sup>  
 यादवैरभिसंवृतम् ७८ २<sup>६</sup>  
 यादासि च सप्तर्षीदौ १ ३४<sup>६</sup>  
 याद्वितिश्च सुरारणि ४५ ३३<sup>६</sup>  
 याद्वत् तु गृहे दृष्ट ९२ ७<sup>६</sup>  
 याद्वत्त बुध्वमानानम् १०८ ४८<sup>६</sup>  
 याद्वोगणविचित्रेण ४३ १८<sup>६</sup>  
 यानमास्थान दानव ३३ १८<sup>६</sup>  
 या भरेषु प्रसन्नन्ते ९९ १४<sup>६</sup>  
 यान यशोदया सार्ध ४९ १३<sup>६</sup>  
 यानि कर्माणि कृतवान् ३१ ९६ २५<sup>६</sup>  
 यानि देवमनुष्येषु ९१ ९<sup>६</sup>  
 यानि राजनिनासाव ६० ३१<sup>६</sup>  
 यानि शिङ्गाणि लोकस्य ७९ ३५<sup>६</sup>  
 यानि शास्त्राणि कानिचिद् १०४ २१<sup>६</sup>  
 यानुषाच विभुर्नम १५ २<sup>६</sup>  
 यानि किरूरसपुके ९२ ३६<sup>६</sup>  
 यान्ति योगमसि सिद्धा १३ १०<sup>६</sup>  
 यान्ति वेदार्थसमिता ६६ ८<sup>६</sup>  
 यान्यर्हसि जवादेव ९२ ९<sup>६</sup>  
 यान्यह विविधायस्य १०५ ३<sup>६</sup>  
 यान्यर्हयामि द्विजश्रेष्ठ १३ ५०<sup>६</sup>  
 या परस्मै च्यवनस्य ६ ९ १२<sup>६</sup>  
 या पश्यति प्रिय पुत्र ५६ २१<sup>६</sup>  
 या पुत्रभावमुत्पश्य ९९ १२<sup>६</sup>  
 या पूर्व गाढिनी बभौ २३ ३९<sup>६</sup>  
 या भावयति भूतानि १३ ६३<sup>६</sup>  
 याभिर्देवानवाधव ९९ ४४<sup>६</sup>  
 यामि प्रत्याहरेःकामात् २२ ३६<sup>६</sup>  
 यामा याम तथा देवा ७ ८<sup>६</sup>  
 यामेव रत्नर्त्त कृष्ण ४८ १२<sup>६</sup>  
 यान्ययामन्त्ययामन्तर ३७ ४०<sup>६</sup>  
 याम्या यम पादवर्षा ३८ ६८<sup>६</sup>  
 या रात्रस्ताम्रपायस्य ३ ३०<sup>६</sup>  
 यावन्नीवितुमिच्छति ११ २६<sup>६</sup>  
 यावत् प्राणधारणम् १८ १८<sup>६</sup>  
 यावद्दृष्टस्य दर्शनम् ८५ ४४<sup>६</sup>  
 यावत्तव सनामा वै २२ ७<sup>६</sup>  
 यावत्तु हृत्प्राप्तये ९२ ६०<sup>६</sup>  
 यावत्पुत्रवत्स्त्वाये ६२ ४९<sup>६</sup>  
 यावद्वत्ति हृदात्माम् ७० १४<sup>६</sup>  
 यावद्गो रण गावौ ८१ ७३<sup>६</sup>  
 यावद्भूमिर्धरिष्यति ११५ ३५<sup>६</sup>

यावदुर्गैषध घोरं 53 3°  
 यावन्तश्च गणा मोक्षा 11 3°  
 यावन्त कालमेव च 7 2°  
 यावन्त स्थ समागता 38 65° 100 31°  
 यावन्तो मनवश्चैव 7 3°  
 यावन्नास्त मज्जयेय 70 39°  
 या विपन्नमनोरथा 77 53°  
 यायेतो मम सद्बुद्धौ 72 18°  
 याश्च देवमनुष्याणां 91 12°  
 यासा पीरवा किल क्षीर 113 9°  
 यास्येकपत्न्य श्रूयन्ते 73 32°  
 यास्यन्ति च ब्रज्या सर्वे 69 3°  
 यास्यन्ति तु महीतले 26°  
 यास्यन्ति निपन नृपा 62 73°  
 यास्यन्ति निरुपहृता 117 13°  
 यास्यामि गमनीयजम् 103 5°  
 यास्यामि यमसादनम् 107 82°  
 यास्याम्यपचिति दिव्या 38 16°  
 यास्यानोऽयामर्तर्कौ 71 5°  
 याहि प्रभवसे सात 112 84°  
 या ह्यया गह्वरी माया 40 26°  
 या न विप्रो यय सर्वे 62 29°  
 यां यां तनु समाख्याय 45 3°  
 युक्तमृक्षसङ्ख्येण 33 7°  
 युक्तरूप तदानय 15 41°  
 युक्तश्चन्द्रमसा पूण 43 19°  
 युवश्च शङ्खपद्माभ्यां 34 16°  
 युक्तेनैव दर्पेण 44 64°  
 युक्तोद्यममादत्ते 43 17°  
 युक्तं खरसङ्ख्येण 33 13°  
 युक्तं नगति पर्यते 93 38°  
 युक्तं मनोवरे शुद्धे 22 5°  
 युक्तः हयसङ्ख्येण 33 15°  
 युक्तानि पाकटानि च 61 69°  
 युक्ता सर्वे प्रचेतस 2 36°  
 युक्तेनैव स्यतेमता 62 17°  
 युक्तो मातङ्गिना तदा 34 10°  
 युक्तो राजप्रिया मन्त्र 79 2°  
 युक्तो वाजिसङ्ख्येण 20 10°  
 युक्तो हयसङ्ख्येण 34 9°  
 युक्तमुत्पत्तीविन 114 16°  
 युक्तसभारसभृता 117 26°  
 युक्तसर्वैकोपमम् 35 6°

युग दारणमानुषम् 43 59°  
 युग पर्यमृता वरा 13 44°  
 युगानि सप्तविंशति 7 48°  
 युगानुरूप य कृत्वा 30 25°  
 युगान्तद्वारमृषिभि 115 42°  
 युगान्तप्रतिम चैव 43 54°  
 युगान्तप्रतिमेन वै 56 10°  
 युगान्तसत्ता रूप 41 19°  
 युगान्त समुपस्थितम् 116 3°  
 युगान्त सृष्ट्याम्यहम् 116 1°  
 युगान्ताग्निभिमानि स 112 24°  
 युगान्ताग्निभिर्धौरे 110 59°  
 युगान्ताग्निवोरिवतम् 32 22°  
 युगान्ताग्निश्चाग्निश्च 112 6°  
 युगान्ताग्निमप्रमाम् 112 43°  
 युगान्तावतकारिषु 62 12°  
 युगाते जनमेव 115 45° 116 7°, 8°, 33°  
 युगाते पूर्वरूपाणि 116 4°  
 युगाते प्रत्युपस्थिते 116 31°, 32° 117 15°  
 युगाते प्रभविष्यन्ति 116 5°  
 युगाते भिद्यमानावा 81 29°  
 युगातेष्वन्तको यश्च 30 34°  
 युगातेष्विव मूर्छितौ 36 34°  
 युगाते समनुयाये 116 22°  
 युगाते समुपस्थिते 116 34°  
 युगाते सयमूतानि 110 50°  
 युगाते सेन्द्रचापान्वा 34 44°  
 युगातोद्गोतत्रनौ 35 18°  
 युगापक्रमणे पूर्व 116 27°  
 युगे क्षीणे भविष्यति 116 18°, 28°  
 युगे युगे भग्नयेते 2 51°  
 युगे युगे यथाकाल 117 49°  
 युगैर्ब्रह्म निर्मुक्तै 37 11°  
 युज्यते परया प्रीत्या 26 28°  
 युज्यता शकटानि च 53 10°  
 युज्येयमिति भारत 18 10°  
 युद्धकाङ्क्षी हि स यथा 65 33°  
 युद्धकालद्रवहला 81 28°  
 युद्धार्दिनमावभौ 37 36°  
 युद्धमल्लभुव यभौ 35 3°  
 युद्धमल्लभुव यभौ 93 58°  
 युद्धमप्रतिम रणे 106 17°  
 युद्धमार्गविशारद 108 69° 110 51°

युद्धमार्गश्च दशितौ 58 10<sup>१</sup>  
 युद्धमार्गश्च विविधै 58 10<sup>२</sup>  
 युद्धमासीत्सुदारणम् 110 72<sup>३</sup>  
 युद्धमासीद्धि सैन्याना 82 3<sup>४</sup>  
 युद्धमेव चिकीर्षति 85 26<sup>५</sup>  
 युद्धमेवाभिरुपते 106 54<sup>६</sup>  
 युद्धमेवाभ्यरोचयत् 38 22<sup>७</sup>  
 युद्धयेलामभिरुपत् 34 15<sup>८</sup>  
 युद्धव्यतिक्रम कश्चिद् 75 18<sup>९</sup>  
 युद्धरुपपरमे ते तु 65 67<sup>१०</sup>  
 युद्धसज्जमिषास्वरम् 54 36<sup>११</sup>  
 युद्धसज्जविपाणाम् 64 6<sup>१२</sup>  
 युद्धस्यैव भविष्यति 31 99<sup>१३</sup>  
 युद्ध कृत्वा सुदारुणम् 109 28<sup>१४</sup>  
 युद्ध कृष्णाम्भ्रमल्लयो 75 16<sup>१५</sup>  
 युद्ध क्षत्रविनाशनम् 115 18<sup>१६</sup>  
 युद्ध चक्रे सुदारुणम् 65 41<sup>१७</sup>  
 युद्ध चाभूद्वाहनयो 112 76<sup>१८</sup>  
 युद्ध नाम कदाचन 15 48<sup>१९</sup>  
 युद्ध परमदारुणम् 91 54<sup>२०</sup>  
 युद्ध मन लक्षानेन 75 17<sup>२१</sup>  
 युद्ध सुमहदासीद्धि 23 131<sup>२२</sup>  
 युद्धाकाङ्क्षी मनर्ह ह 64 13<sup>२३</sup>  
 युद्धानि समयोजयत् 83 16<sup>२४</sup>  
 युद्धाभिकामो राजा तु 85 16<sup>२५</sup>  
 युद्धाभिराव सुमहान् 106 34<sup>२६</sup>  
 युद्धाय युधि दुर्जया 33 1<sup>२७</sup>  
 युद्धाय शिशिरायुधम् 36 1<sup>२८</sup>  
 युद्धाय समवर्तत 34 80<sup>२९</sup>  
 युद्धाय समवस्थितम् 34 49<sup>३०</sup>  
 युद्धायातिष्ठदायक 33 20<sup>३१</sup>  
 युद्धायाभिमुख स्थित 33 19<sup>३२</sup> 44 46<sup>३३</sup>  
 युद्धायाभिमुखे स्थितम् 108 60<sup>३४</sup>  
 युद्धायैव मनो दधे 15 46<sup>३५</sup>  
 युद्धारम्भ प्रयोक्तव्य 81 7<sup>३६</sup>  
 युद्धार्थमुपकरिष्यतम् 115 15<sup>३७</sup>  
 युद्धार्थं सुविमृषितै 74 4<sup>३८</sup>  
 युद्धार्थी नराहान् 34 17<sup>३९</sup>  
 युद्धे कृष्णवृषायुधो 64 18<sup>४०</sup>  
 युद्धे चरतुरोत्तमा 112 64<sup>४१</sup>  
 युद्धे दृष्टपराक्रमा 38 51<sup>४२</sup>  
 युधिष्ठिरं च जनाभि 62 93<sup>४३</sup>  
 युधिष्ठिरं त्रितामित्रम् 101 5<sup>४४</sup>

युध्यत किल भारत 23 143<sup>४५</sup>  
 युध्यत भाव्युल्लस्यतु 110 48<sup>४६</sup>  
 युध्यता युध्यता सख्ये 112 101<sup>४७</sup>  
 युध्यतो रोहिणेयस्य 110 50<sup>४८</sup>  
 युध्यन्व दानवर्षमा 108 30<sup>४९</sup>  
 युध्यमानान्सहस्रान् 110 53<sup>५०</sup>  
 युध्यमाना रणे स्थित 112 1<sup>५१</sup>  
 युध्यमाने हृषीकेशे 75 37<sup>५२</sup>  
 युध्यमानौ बनेचरौ 72 19<sup>५३</sup>  
 युध्यन्त युधौ भव 112 90<sup>५४</sup>  
 युध्यस्वाप मया मार्घ 44 37<sup>५५</sup>  
 युयुत्सयोम्मचमिवावभासे 33 33<sup>५६</sup>  
 युयुधानपुरोगाश्च 102 6<sup>५७</sup>  
 युयुधानश्च वीर्यवान् 81 103<sup>५८</sup>  
 युयुधानस्तु तात्परि 24 34<sup>५९</sup>  
 युयुधानस्त्वज्रायत 98 26<sup>६०</sup>  
 युयुधाने च वीर्यवान् 87 44<sup>६१</sup>  
 युयुधानो महावृषे 87 52<sup>६२</sup>  
 युयुधे वासुदेवस्तु 28 26<sup>६३</sup>  
 युयुधो गोपस्त्रयाध 63 16<sup>६४</sup>  
 युयनाधस्य दुर्गौ 23 80<sup>६५</sup>  
 युवनाथो नराधिप 7 83<sup>६६</sup>  
 युवाभि स्थविरैर्ध्रुव 53 29<sup>६७</sup>  
 युवपोर्हि हृते युद्ध 71 4<sup>६८</sup>  
 युवापि मृत्योर्षेनान् 48 47<sup>६९</sup>  
 युवापय समेप्य 69 5<sup>७०</sup>  
 युवा रूपेण सपद्य 23 67<sup>७१</sup>  
 युवा कस्य बनेचरौ 71 8<sup>७२</sup>  
 युवा कस्य बनेचरौ 71 10<sup>७३</sup>  
 युयुधे तेमयेन वै 2 43<sup>७४</sup>  
 युयुत्सवरत नास्ति 100 70<sup>७५</sup>  
 युयुत्समपि निधाय 43 12<sup>७६</sup>  
 युयुत्सममितामनाम् 35 43<sup>७७</sup>  
 युयुत्साक तेजोऽर्पेन 2 42<sup>७८</sup>  
 युयुत्साक नात्र सदा 17 8<sup>७९</sup>  
 युयुत्साक हितकामया 43 23<sup>८०</sup>  
 युयुत्सामिहि निर्भये 35 45<sup>८१</sup>  
 युयुत्सामिहित वरिषा 100 76<sup>८२</sup>  
 युयुत्सामु यज्ञं दृष्ट्वे 100 74<sup>८३</sup>  
 युयुत्समिदं दूरी 31 7<sup>८४</sup>  
 युयुत्समिदं दूरी 31 7<sup>८५</sup>  
 युयुत्समिदं दूरी 31 7<sup>८६</sup>  
 युयुत्समिदं दूरी 31 7<sup>८७</sup>  
 युयुत्समिदं दूरी 31 7<sup>८८</sup>  
 युयुत्समिदं दूरी 31 7<sup>८९</sup>  
 युयुत्समिदं दूरी 31 7<sup>९०</sup>

यूप वै प्रह्लादिन 12 29<sup>१</sup>  
 यूप शरीरकर्तार 12 30<sup>२</sup>  
 ये करिष्यन्ति मानवा 12 38<sup>३</sup>  
 ये गता पृथिवीतलम् 44 30<sup>४</sup>  
 ये गृहाश्रमवासिन 35 34<sup>५</sup>  
 ये च त्वां मत्प्रभावज्ञा 47 52<sup>६</sup>  
 ये च नक्षत्रयोगिन 36 ४<sup>७</sup>  
 ये च मेरुद्रुदास्तथा 93 61<sup>८</sup>  
 ये च सप्रेक्षका गोपा 76 10<sup>९</sup>  
 ये च ह्रीमयता वृक्षा 93 61<sup>१०</sup>  
 ये चान्ये दिव्यचक्षुष 68 37<sup>११</sup>  
 ये चान्ये धारयिष्यन्ति 19 31<sup>१२</sup>  
 ये चान्ये मेघनादिन 62 47<sup>१३</sup>  
 ये चान्ये विष्णुगण्डया 5 19<sup>१४</sup>  
 ये चाययो स्थिता वृत्त 62 57<sup>१५</sup>  
 ये चास्यानुचरा रणे 109 89<sup>१६</sup>  
 ये येद् धारयिष्यन्ति 113 80<sup>१७</sup>  
 ये येमे प्रथिता गोपा 80 27<sup>१८</sup>  
 ये येमे प्राकृता गोपा 76 29<sup>१९</sup>  
 ये येमे यादवा मूर्खा 73 6<sup>२०</sup>  
 ये येमे धार्पिका माता ॥ 2 45<sup>२१</sup>  
 ये तत्रासम्समागता 104 26<sup>२२</sup>  
 ये तस्य चरितं विदुः 40 19<sup>२३</sup>  
 ये तु केचिरस्त्रदोषेण 75 28<sup>२४</sup>  
 ये तु तत्र मयस्यासन् 37 ६<sup>२५</sup>  
 ये तु त दृष्टुमत्र 65 99<sup>२६</sup>  
 ये स्वधाङ्गिरस पुत्रा 13 54<sup>२७</sup>  
 ये स्वनेके सुरगणा 3 31<sup>२८</sup>  
 ये स्वने प्रह्लाणा पुत्रा 12 13<sup>२९</sup>  
 ये स्वया कालरूपिणा 48 48<sup>३०</sup>  
 ये स्वया निद्रता देवताः 44 20<sup>३१</sup>  
 ये दृष्टा विविधास्त्वया 104 13<sup>३२</sup>  
 येन चार्णवमध्यस्थौ 31 17<sup>३३</sup>  
 येन तप्त मङ्गलुप्त 20 3<sup>३४</sup>  
 येन तस्य सुपर्णस्य 38 33<sup>३५</sup>  
 येन ते निद्रता देवताः 30 17<sup>३६</sup>  
 येन स्वमसितापङ्क्ति 107 50<sup>३७</sup>  
 येन त्वं तात धारयसि 103 9<sup>३८</sup>  
 येन त्वं वतयिष्यसि 18 29<sup>३९</sup>  
 येन त्वामिगतोऽस्म्यद्य 91 33<sup>४०</sup>  
 येन त्वामाविशत्क्रोध ॥ 23<sup>४१</sup>  
 येन दानपरात्रीणा 38 ४<sup>४२</sup>  
 येन न कुल्यारित्र 108 18<sup>४३</sup>

येन न सयुगोपवध 38 7<sup>४४</sup>  
 येन पर्यायकर्मणा 77 13<sup>४५</sup>  
 येन भार्या हता पूर्व ॥ 89<sup>४६</sup>  
 येन भार्या समुद्रह्व 22 ६<sup>४७</sup>  
 येन मां नावयिष्यसे 12 9<sup>४८</sup>  
 येन मे मूर्ध्नि पातित 109 31<sup>४९</sup>  
 येन य शान्तिमेष्यति 45 12<sup>५०</sup>  
 येन लोकान्द्रमैजित्वा 30 9<sup>५१</sup>  
 येन घर्तन्ति देवता 6 19<sup>५२</sup>  
 येन द्युन्दान्न वनम् 83 39<sup>५३</sup>  
 येन वेपेण वा वसन् 45 16<sup>५४</sup>  
 येन यो हृपं भागत 59 3<sup>५५</sup>  
 येन सर्वस्य लोकस्य 47 29<sup>५६</sup>  
 येन सर्वाधिता प्रजा ॥ 29<sup>५७</sup>  
 येन सैह यपु कृत्वा 30 13<sup>५८</sup>  
 येन स्वर्गादिहामल 10 65<sup>५९</sup>  
 येनातितापयामास 8 ६<sup>६०</sup>  
 येनानन्येन वर्त्मना 30 28<sup>६१</sup>  
 येनासि मल्लिनीहृता 73 20<sup>६२</sup>  
 येनाह दूषिता पूर्व 107 73<sup>६३</sup>  
 येनाहो हता याव 45 32<sup>६४</sup>  
 येनैषा भासित यज्ञ 20 33<sup>६५</sup>  
 ये परित्यज्य हाराम्भान् 77 23<sup>६६</sup>  
 ये पुत्रा जह्विरे घृता 25 6<sup>६७</sup>  
 ये पुराणविदो जना 31 136<sup>६८</sup> 90 2<sup>६९</sup>  
 ये ते वैष्णवी मूर्ति 113 30<sup>७०</sup>  
 ये लोकाधारयन्ति वै 23 164<sup>७१</sup>  
 ये लोकान्धारयन्ति स 100 65<sup>७२</sup>  
 ये वप्या वज्रपाणिता 21 22<sup>७३</sup>  
 ये विनाशमिदेष्यन्ति 81 10<sup>७४</sup>  
 ये विशिष्टतमा वरा 107 69<sup>७५</sup>  
 ये विशिष्टा प्रभावेन 107 63<sup>७६</sup>  
 येपानर्चाय सन्नामे 21 15<sup>७७</sup>  
 येषां कुलमिच्छसि 83 56<sup>७८</sup>  
 येषां स्वमनुशासिता 66 ६<sup>७९</sup>, 9<sup>८०</sup>  
 येषा नो जगत पति 113 53<sup>८१</sup>  
 येषा भवानभवद् 41 2<sup>८२</sup>  
 येषा वशा प्रतिष्ठिता 12 13<sup>८३</sup>  
 ये स्थिता ब्रह्मचर्येण 35 38<sup>८४</sup>  
 ये स दृष्टास्त्वया तात 83 10<sup>८५</sup>  
 येऽस्याहं पक्षदूरा 46 26<sup>८६</sup>  
 ये हता सन्वसार्जना 3 74<sup>८७</sup>  
 ये हि देवैर्विरच्यन्ते 106 63<sup>८८</sup>

धैर्यं प्रतिबोधिता 12 33<sup>a</sup>  
 धैर्यासा पृथिवी सर्वा 22 43<sup>a</sup>  
 धै क्रियन्ते हि कर्माणि 13 32<sup>a</sup>  
 योगकन्यां दुराधर्षा 96 14<sup>a</sup>  
 योगजो यज्ञकर्मणि 30 23<sup>a</sup>  
 यो गतिर्धर्मयुक्ताना 30 30<sup>a</sup>  
 योगधर्ममनुध्यान्त 16 33<sup>a</sup>  
 योगधर्ममनुप्राप्य 14 1<sup>a</sup> 18 32<sup>a</sup>  
 योगधर्ममपास्य वै 17 3<sup>a</sup>  
 योगधर्ममवाप्स्यसि 14 11<sup>a</sup>  
 योगधर्मरतां सदा 18 5<sup>a</sup>  
 योगधर्मात्मकाश्च 18 3<sup>a</sup>  
 योगधर्मादि धर्मैश्च 14 10<sup>a</sup>  
 योगधर्मापचारिण 14 2<sup>a</sup>  
 योगधर्मे च निरत 14 9<sup>a</sup>  
 योगधर्मो हृदि सदा 19 32<sup>a</sup>  
 योगभ्रष्टा पपात ह 13 27<sup>a</sup>  
 योगभ्रष्टा विचेतस 17 6<sup>a</sup>  
 योगभ्रष्टास्त्वयैव 18 13<sup>a</sup>  
 योगमाज्ञापय तत्र 102 5<sup>a</sup>  
 योगमाता तथैव च 13 44<sup>a</sup> 18 7<sup>a</sup>  
 योगमास्थाय गोपते 8 32<sup>a</sup>  
 योगसिद्धा जगत्कृत्स्न 3 38<sup>a</sup>  
 योगस्य चाभिनिर्द्वेष्टा 16 31<sup>a</sup>  
 योग तमुपलभ्य च 19 22<sup>a</sup>  
 योर्ता विहितमात्मन 85 35<sup>a</sup>  
 योत्तेन रमते च य 30 29<sup>a</sup>  
 योगा च योगपत्नी च 13 44<sup>a</sup> 18 7<sup>a</sup>  
 योगाचार्यगति प्राप 19 29<sup>a</sup>  
 योगाचार्यमहाबलान् 13 46<sup>a</sup>  
 योगाचार्यमहावतान् 13 48<sup>a</sup>  
 योगाचार्याय धीमते 13 22<sup>a</sup>  
 योगाचार्याद्युपस्थिते 13 23<sup>a</sup>  
 योगाचार्यो महायशा 15 13<sup>a</sup>  
 योगाचार्यो महावीर्य 90 5<sup>a</sup>  
 योगात्मा तपसा युक्त 19 1<sup>a</sup>  
 योगात्मा तस्य तनय 15 24<sup>a</sup>  
 योगादिव महार्णवे 81 32<sup>a</sup>  
 योगाद्योगेश्वरस्यै 23 143<sup>a</sup>  
 योगाद्भनगत नृपम् 19 24<sup>a</sup>  
 योगिता च तपस्विनाम् 104 11<sup>a</sup>  
 योगिनां द्विजसत्तम 13 12<sup>a</sup>  
 योगिनां मद्रचारिणाम् 15 68<sup>a</sup>

योगिना योगवर्धना 13 11<sup>a</sup>  
 योगी योगेन बद्धि च 9 74<sup>a</sup>  
 योगी राजपुत्रसत्तम 15 11<sup>a</sup>  
 योगीश क्षणदातु 30 32<sup>a</sup>  
 योगीश्वर महामते 113 29<sup>a</sup>  
 योगी सदस्यते नृभि 23 150<sup>a</sup>  
 योगेनात्मसमुत्थेन 45 46<sup>a</sup>  
 योजनाना जनार्दन 109 79<sup>a</sup>  
 योजनाना शत साम्र 29 14<sup>a</sup>  
 योजनानि जलाशये 86 36<sup>a</sup>  
 योजनायतविष्कम्भ 93 51<sup>a</sup>  
 योजनायुतविरूपा 91 24<sup>a</sup>  
 योजयन्ति रिपुक्षये 62 83<sup>a</sup>  
 योजयस्व यथाक्रमम् 47 27<sup>a</sup>  
 योजयामास योगवित् 62 58<sup>a</sup> 78 39<sup>a</sup>  
 योजयाद्यामिति तदा 102 21<sup>a</sup>  
 योजयित्वा रणे चैव 113 64<sup>a</sup>  
 योजयित्वा रणे तात 49 3<sup>a</sup>  
 योजयिष्यन्ति मृत्युना 62 76<sup>a</sup>  
 योऽस्य ते विज्ञेयन्ति 21 16<sup>a</sup>  
 योऽस्यसे गङ्गाध्वज 112 54<sup>a</sup>  
 यो दधालकैसप्रभ 77 9<sup>a</sup>  
 यो दधार चकार च 30 8<sup>a</sup>  
 योऽस्य सद कृष्णेन 75 7<sup>a</sup>  
 योऽकामो सुदुर्धर्षो 31 18<sup>a</sup>  
 योऽकामो सुनिर्भयो 42 19<sup>a</sup>  
 यो द्रव्यति दने गतम् 66 35<sup>a</sup>  
 योऽयमुद्यत्स योधानां 86 76<sup>a</sup>  
 योऽयमास तेजस्वी 91 55<sup>a</sup>  
 योऽयमास वीर्यवान् 63 1<sup>a</sup>  
 योऽयित्वा महाबल 76 5<sup>a</sup>  
 योधानां प्रथमो नृप ॥ 45<sup>a</sup>  
 योधा युयुधिरे नृप 82 4<sup>a</sup>  
 योधास्तत्रावतस्थिरे 110 45<sup>a</sup>  
 योर्धरपि च विद्यमाने ॥ 45<sup>a</sup>  
 यो निगृह्येन्द्रियमात्र 35 40<sup>a</sup>  
 योगिर्गर्भिरुदीर्यते 34 28<sup>a</sup>  
 योऽनिष्टा च विद्वन्प्रादे 12 35<sup>a</sup>  
 योऽन्तर्काले जगत्प्रीत्या 30 10<sup>a</sup>  
 योऽन्त्यस्य पञ्चमकान् 59 22<sup>a</sup>  
 योऽन्त्यसो हयविश्वम् 44 67<sup>a</sup>  
 यो भोजमभितां व्रजम् 27 21<sup>a</sup>  
 यो मया वाहित पुरा 55 49<sup>a</sup>

यो मामनेन नागेन 74 25<sup>०</sup>  
 यो मा सागरमालिनीम् 42 45<sup>०</sup>  
 यो मृगो लवणाम्भसि 79 10<sup>०</sup>  
 यो ययामागत स्थित 75 1<sup>०</sup>  
 योऽथ करीषधर्मश्च 75 19<sup>०</sup>  
 योऽथ स्वया ह्रस्वो विष्णो 38 58<sup>०</sup>  
 योऽथ मया श्वर सृष्ट 111 9<sup>०</sup>  
 यो यादवकुलोद्बह 73 8<sup>०</sup>  
 यो विद्यात्सचराचरम् 2 56<sup>०</sup>  
 योपिस्त्रिंशत् समन्वित 65 16<sup>०</sup>  
 योपेवावृष्टता गता 83 34<sup>०</sup>  
 योऽसि सोऽसि नमोऽस्तु ते 69 8<sup>०</sup>  
 योऽसौ दैत्येषु वर्पित 44 71<sup>०</sup>  
 योऽसौ विष्णा स्वदा हत 44 61<sup>०</sup>  
 योऽस्माक कुलपासन 66 7<sup>०</sup>  
 योऽहमेकस्य पुत्रस्य 49 5<sup>०</sup>  
 योऽहं दोर्म्यामुदाराभ्यां 46 23<sup>०</sup>  
 यो हि तिष्ठ समाम्रत 65 74<sup>०</sup>  
 यो हि योद्धा रण याति 46<sup>०</sup>  
 यो हीव धारयेत्तप 113 82<sup>०</sup>  
 यो ह्यावां युधि निर्जेता 42 29<sup>०</sup>  
 योऽशा त्मस्यो ममाग्रज 47 30<sup>०</sup>  
 यो तापहृन्वृक्षो ह्यु 51 22<sup>०</sup>  
 यो तौ मयश्च तारश्च 44 74<sup>०</sup>  
 योधिष्ठिरी युधिष्ठिरी 98 18<sup>०</sup>  
 योधिपास्तु वृगस्य 23 24<sup>०</sup>  
 यो भवताधिहागर्हो 71 11<sup>०</sup>  
 योऽनस्य कदम्बानां 54 7<sup>०</sup>  
 योऽनस्येव लक्ष्मणे 54 4<sup>०</sup>  
 योऽनस्येव यमिता 73 17<sup>०</sup>  
 योऽनस्येव समरे 23 181<sup>०</sup>  
 योऽने प्रथमे स्थित 99 35<sup>०</sup>  
 र  
 रक्षचक्षुर्न दिग्धा 70 21<sup>०</sup>  
 रक्ष्यपनाकिनम् 108 57<sup>०</sup>  
 रक्षीनारुणद्रव्या 93 62<sup>०</sup>  
 रक्षीनासिताम्भरा 60 31<sup>०</sup>  
 रक्षमा द्वादशं वहु 71 10<sup>०</sup>  
 रक्षमोत्तरसाधना 52 29<sup>०</sup>  
 रक्ष्यार्थं यते वहु 76 16<sup>०</sup>  
 रक्ष वेमुदगा युधि 37 34<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्नाना 11 18<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्नाना 109 83<sup>०</sup>

रक्षणीयस्त्वयानव 111 7<sup>०</sup>  
 रक्षणे सुमहा-गुण 108 93<sup>०</sup>  
 रक्षन्ती तापसाख्यान् 100 40<sup>०</sup>  
 रक्ष मा रक्षणीयोऽह 113 35<sup>०</sup>  
 रक्षसत्त्वस्य रत्नानि 79 21<sup>०</sup>  
 रक्षमा निमदास च 31 112<sup>०</sup>  
 रक्षसा वातरहसाम् 92 37<sup>०</sup>  
 रक्षा च ब्राह्मणे कर्पा 101 13<sup>०</sup>  
 रक्षाधिकारो भवत 101 9<sup>०</sup>  
 रक्षामि त्वा कुतोऽनघ 101 10<sup>०</sup>  
 रक्षार्थं केनवस्य च 96 14<sup>०</sup>  
 रक्षार्थं प्रविशेत् 29 25<sup>०</sup>  
 रक्षा प्रति नराधिप 96 60<sup>०</sup>  
 रक्षसि श्वापदानि च 117 24<sup>०</sup>  
 रक्षितमयया-योय 110 49<sup>०</sup>  
 रक्षितस्य त्वया तस्य 62 80<sup>०</sup>  
 रक्षित सर्परात्रस्य 55 52<sup>०</sup>  
 रक्षिता चापि मोक्षता च 113 53<sup>०</sup>  
 रक्षितारो विष्ठा पते 9 40<sup>०</sup>, 41<sup>०</sup>  
 रक्षिता लभते कलम् 101 9<sup>०</sup>, 102 16<sup>०</sup>  
 रक्षिता तनसा पितु 99 29<sup>०</sup>  
 रक्षिता स्वेन तेजसा 45 24<sup>०</sup>  
 रक्षिणि पुररर्पणौ 96 62<sup>०</sup>  
 रक्षिणि सह वेधित 48 22<sup>०</sup>  
 रक्षिष्यत्यारमपक्ष च 35 70<sup>०</sup>  
 रक्षिष्यामि द्विज भयात् 101 14<sup>०</sup>  
 रक्षिष्यामीति श्लोक ते 102 14<sup>०</sup>, 17<sup>०</sup>  
 रक्षेत्समाभनगरा 42 45<sup>०</sup>  
 रक्षयते देवि सर्वत 107 80<sup>०</sup>  
 रक्ष्यमाणा समन्वित 92 24<sup>०</sup>  
 रक्ष्यो ते द्वाविमौ शिख 49 11<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 10 73<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 74 21<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 96 58<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 75 93<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 76 27<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 76 26<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 76 8<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 74 20<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 96 58<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 75 21<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 74 17<sup>०</sup>  
 रक्ष्युर्वाग्नाभवस्तु 96 62<sup>०</sup>

रङ्गे च नियता सिद्धिः 75. 20<sup>०</sup>.  
 रचितं रत्नजालैश्च 33. 3<sup>०</sup>.  
 रज उद्धृतं महत् 9. 56<sup>०</sup>.  
 रजकं रङ्गकारकम् 71. 7<sup>०</sup>.  
 रजकः स ॥ तो प्राह 71. 8<sup>०</sup>.  
 रजकायाल्पमेधसे 71. 12<sup>०</sup>.  
 रजको व्यस्तमस्तकः 71. 13<sup>०</sup>.  
 रजन्यां तु प्रभातायां 78. 42<sup>०</sup>.  
 रजन्यां दिवसे गते 68. 9<sup>०</sup>.  
 रजसः पुत्रमच्युतम् 4. 13<sup>०</sup>.  
 रजसा मुह्यते कथम् 113. 28<sup>०</sup>.  
 रजसा वापि संरुद्धा 113. 30<sup>०</sup>.  
 रजसा समभिधुताः 117. 38<sup>०</sup>.  
 रजसा स ह्यः कृष्णं 67. 27<sup>०</sup>.  
 रजस्वलेव युवतिः 42. 41<sup>०</sup>.  
 रजामि विविधानि च 71. 9<sup>०</sup>.  
 रजिपुत्रैः कृतो विभो 21. 31<sup>०</sup>.  
 रजिपुत्रोऽहमिदं वदामि 21. 24<sup>०</sup>.  
 रजिरात्पायुधः प्रभुः 21. 15<sup>०</sup>.  
 रजि वैतेयदानवाः 21. 19<sup>०</sup>.  
 रजिः पुत्रशतानीह 21. 12<sup>०</sup>.  
 रज्जुयज्ञोपवीतिनी 52. 5<sup>०</sup>.  
 रणष्टं धूम्रं ह 9. 22<sup>०</sup>.  
 रणष्टः प्रतापवान् 26. 20<sup>०</sup>.  
 रणात्प्रतिनिवृत्तोऽयम् 95. 7<sup>०</sup>.  
 रणे तेऽभिगता रेडुः 81. 77<sup>०</sup>.  
 रणे नारायणं शरैः 38. 17<sup>०</sup>.  
 रणे पावकमास्तौ 38. 32<sup>०</sup>.  
 रणे बाणं सुविक्रयम् 112. 82<sup>०</sup>.  
 रणे राज्ञा महात्मनाम् 97. 16<sup>०</sup>.  
 रणे विजयमानस्य 75. 25<sup>०</sup>.  
 रणे वैध्वणस्तेन 37. 49<sup>०</sup>.  
 रणे शत्रुभयंकरम् 112. 109<sup>०</sup>.  
 रणे स्वस्थमवस्थितम् 38. 5<sup>०</sup>.  
 रणे ह्युभयतः सिद्धिः 75. 26<sup>०</sup>.  
 रतिचिन्ताकुलीकृताः 63. 34<sup>०</sup>.  
 रतिमाप्स्यन्ति ते त्वयि 45. 43<sup>०</sup>.  
 रतिमिन्द्रेण रम्भायां 118. 28<sup>०</sup>.  
 रतिरस्ति प्रसीद मे 106. 11<sup>०</sup>.  
 रतिसंसर्गलालसाः 77. 6<sup>०</sup>.  
 रत्नकूटा च वा दग 23. 8<sup>०</sup>.  
 रत्नजालानि तत्रैव 93. 53<sup>०</sup>.  
 रत्नजालान्तर्वर्ती 42. 8<sup>०</sup>.

रत्नज्वालाकुलानि च 74. 6<sup>०</sup>.  
 रत्नप्रवेकैर्दाशार्हः 95. 6<sup>०</sup>.  
 रत्नभूतं प्रपश्यसि 93. 5<sup>०</sup>.  
 रत्नाभूता च कन्येयं 2. 40<sup>०</sup>.  
 रत्नमूलाभूयताम् 118. 25<sup>०</sup>.  
 रत्नसर्वस्वहरणं 77. 22<sup>०</sup>.  
 रत्नसंचयगर्विता 44. 58<sup>०</sup>.  
 रत्नसंनिचयस्तादृक् 92. 7<sup>०</sup>.  
 रत्नसोपानभूषिताः 94. 4<sup>०</sup>.  
 रत्नसौगन्धिकोत्पलाः 93. 59<sup>०</sup>. 94. 4<sup>०</sup>.  
 रत्नं देहीति लाङ्गली 29. 20<sup>०</sup>.  
 रत्नानां चैस्थते नराः 103. 11<sup>०</sup>.  
 रत्नानि च महाहानि 79. 20<sup>०</sup>.  
 रत्नानि च विचित्राणि 84. 4<sup>०</sup>.  
 रत्नानि विविधानि च 6. 35<sup>०</sup>. 91. 9<sup>०</sup>. 92. 2<sup>०</sup>.  
 रत्नाभ्यन्तःपुराणि च 92. 6<sup>०</sup>.  
 रत्नान्पाच्छादनाणि च 77. 30<sup>०</sup>. 78. 25<sup>०</sup>.  
 रत्नाभ्यादाय सर्वशः 5. 25<sup>०</sup>.  
 रत्ने चोपक्षयं गते 116. 21<sup>०</sup>.  
 रत्नेश्च प्रतिरुजितः 92. 53<sup>०</sup>. 61<sup>०</sup>.  
 रत्नेश्च स्वयमर्जितः 96. 6<sup>०</sup>.  
 रत्नन्तरगता रात्रौ 63. 33<sup>०</sup>.  
 रथ एव स्थितश्चाहं 103. 25<sup>०</sup>.  
 रथपन्थानमिच्छामि 103. 3<sup>०</sup>.  
 रथपन्थानमुत्तमम् 103. 22<sup>०</sup>.  
 रथपार्श्वे व्यवस्थितः 108. 70<sup>०</sup>.  
 रथमारुह्य काष्ठनम् 19. 15<sup>०</sup>.  
 रथमारोपयामास 20. 9<sup>०</sup>.  
 रथमार्गः प्रदीपताम् 103. 17<sup>०</sup>.  
 रथमास्थाय चौर्ययान् 108. 52<sup>०</sup>. 112. 14<sup>०</sup>.  
 रथमुत्थो विदूरथः 28. 1<sup>०</sup>.  
 रथमुद्गुत्तुरंगमाः 103. 20<sup>०</sup>.  
 रथयरोन सर्वशः 88. 15<sup>०</sup>.  
 रथविस्तीर्णजयना 48. 30<sup>०</sup>.  
 रथस्य पार्थिवं रामः 31. 103<sup>०</sup>.  
 रथस्यो दंसितो यैव 81. 54<sup>०</sup>.  
 रथं च रथिनो वरः 31. 107<sup>०</sup>.  
 रथं तेनैव मार्गेण 70. 35<sup>०</sup>.  
 रथं परममास्त्रम् 22. 6<sup>०</sup>.  
 रथं वररथारुजम् 33. 8<sup>०</sup>.  
 रथानां चाप्यनेकानां 109. 37<sup>०</sup>.  
 रथानां चानरंरथाम् 81. 5<sup>०</sup>.  
 रथा रथैर्निर्गम्यते 37. 30<sup>०</sup>.



रथा रथैर्विमिश्राश्च 82. 4.  
 रथिनः सादिनश्चैव 81. 94.  
 रथी द्वीपालनुचरन् 23. 150.  
 रथी निष्पन्म्य वै पुरात् 15 58.  
 रथी रामो जरासंधे 82. 8.  
 रथे विष्टुगुहम्भदा 112. 33.  
 रथेन क्रित्वा नृपतीन् 105. 15.  
 रथेन रथितां वरः 88 5. 112 85.  
 रथेन सहसूतेन 103 9.  
 रथेनादित्यवर्चसा 23. 138. 97. 4.  
 रथेनाम्बरगामिना 34. 20.  
 रथे युक्तं महारामना 108. 58.  
 रथेयां च त्रिभिः शरैः 88. 22.  
 रथेयां चापि चिच्छेद् 81. 85.  
 रथेयां तस्य सोऽष्टिहन् 108. 68.  
 रथेय्यतिरयो यन्ता 86. 78.  
 रथै रथाश्च संरथाः 87. 74.  
 रथैश्च दंशितैः 84 16.  
 रथैश्चाम्बुदनादिभिः 81. 75.  
 रथैस्तत्र यडान्विताः 87. 29.  
 रथैः पन्नसंपातैः 81. 23.  
 रथैः सार्धामिहैरुक्तैः 18 15.  
 रथो भाति घनोन्मुक्तः 112. 15.  
 रथ्याः पताकाभालिन्यः 79. 28.  
 रथगं भाजनं चैव 93 20.  
 रथगीर्यं तदाप्यानं 118 3.  
 रथगते बाललीलया 65. 31.  
 रथगते शम्भूमिषु 83. 4.  
 रथगते रथेषु सानुषु 59. 24.  
 रथनयेयं समागताः 107. 10.  
 रथसागानिरुद्धेन 108 11.  
 रथसाणा ययासुरात् 107. 16.  
 रथयन्ति मनोरथम् 63 25.  
 रथयन्ति स्त बहवः 55 24.  
 रथयन्तो यया नागं 63 30.  
 रथयंश्चर मेदिनीम् 45 40.  
 रथयैः प्रसासु गार्हितम् 63. 7.  
 रथे त्वयादं चित्रं 12 20.  
 रथ्मा नामाप्तरा द्यौ 118. 25.  
 रथ्य एरोपलक्ष्यते 61. 43.  
 रथ्यसानुगुदात्रिः 93 14.  
 रथ्यसानुगुदाश्लेः 93. 32.  
 रथ्यं गालयनं तदि 57. 23.

रथ्यं तालयनं महत् 57. 3.  
 रथ्यं वननिवेशं वै 53. 30.  
 रथ्यान्ष्टिमनोहरात् 93. 10.  
 रथ्यायां वर्षसहाये 62. 54.  
 रथ्यां निवेशयामास 23. 68.  
 रथ्ये कालंजरे गिरौ 16 22.  
 रथ्ये तालयने रथौ 57. 4.  
 रथ्ये श्रीमति स प्रभुः 107. 1.  
 रथ्य क्षत्रपूर्वजः 2. 23.  
 रथ्युत्सव रक्षिणः 48 9.  
 रथज केसरी मेघेन 67. 31.  
 रथज तस्य सहाये 55. 6.  
 रथज देवराजो वै 62 9.  
 रथज कर्हिपन्नं 55 10.  
 रथज माळ शिरसि 55. 8.  
 रथज मुक्षपङ्कजम् 55 7.  
 रथज युधि दानवः 37. 58.  
 रथज वपुषा युजः 83 35.  
 रथजार्णविताननः 83. 27.  
 रथजालवती भीमा 37. 19.  
 रथस घोरेरुपातैः 82 16.  
 रथस च नमः कृत्यं 94. 9.  
 रथमूलेन कर्मणा 30 40.  
 रत्नं रत्नविभो विदुः 36. 3.  
 रत्नातलचरो गीतः 65 27.  
 रत्नातले स ददौ 70 16.  
 रत्नादौ शोणितं भगति 30 39.  
 रत्नार्त्ता रत्नं प्रभुम् 34. 25.  
 रत्नेनासुरकल्मेव 57. 9.  
 रत्नस्युपिभिः शोके 4. 25.  
 रत्नस्यं पुरुषोत्तमः 86 66.  
 रत्निते वसुदेवेन 49. 13.  
 रत्निते सन्निधेयः 43 39.  
 रत्न्यामः प्रीतिसंयुता. 113. 68.  
 रत्न्ये च सह युग्माभिः 60 26.  
 रत्नसस्य मयोः पुत्रः 9. 54.  
 रत्नसं तं महाबलम् 9 73.  
 रत्नसं रत्नसेधरम् 31. 123.  
 रत्नसा दानवा नागाः 12. 35.  
 रत्नसागां च सर्वज्ञः 107. 68.  
 रत्नसागां अयावहे 44 25.  
 रत्नसागां समागमे 77. 44.  
 रत्नसी निहता रौद्रा 96 31.

राक्षसीं ते वनेचरा 96 32<sup>d</sup>  
 राक्षसैश्च पिशाचैश्च 30<sup>d</sup>  
 राक्षसै सा कुशस्थली 9 32<sup>d</sup>  
 राक्षसौ भीमविक्रमौ 31 119<sup>d</sup>  
 रागोन्मत्ता विघर्षिण 21 35<sup>d</sup>  
 राघवेण महारमना 44 44<sup>d</sup>  
 राघवोऽसौ महाबल 31 141<sup>d</sup>  
 राजचोरादिदण्डात् 116 24<sup>d</sup>  
 राजत पात्रमादाय 6 20<sup>d</sup>  
 राजधर्मपराङ्मुख 86 32<sup>d</sup>  
 राजन्पुत्राश्च पौत्राश्च 7 34<sup>d</sup>  
 राजानानामुपहृत 115 15<sup>d</sup>  
 राजन्वद्वयाम्यह किञ्चित् 108 89<sup>d</sup>  
 राजन्वेषणद्वयस्तथा 23 135<sup>d</sup>  
 राजस्तरयेन ते क्षपे 19 9<sup>d</sup>  
 राजन्सत्तयै स्थिता 7 8<sup>d</sup>  
 राजपुत्र त्रिभि रारै 87 64<sup>d</sup>  
 राजपुत्राश्च दक्षिण 89 2<sup>d</sup>  
 राजपुत्री च साभवत् 89 7<sup>d</sup>  
 राजपुत्र्या तु पिशासी 26 19<sup>d</sup>  
 राजभक्तिपुरस्कृतम् 61 2<sup>d</sup>  
 राजभिश्च तथास्रै 104 26<sup>d</sup>  
 राजभिश्चापि बहुभि 81 104<sup>d</sup>  
 राजनि सहितेन वै 82 29<sup>d</sup>  
 राजमञ्च महादिनम् 96 57<sup>d</sup>  
 राजमन्त्रधरा सर्वे 65 14<sup>d</sup>  
 राजमार्गगतानुभौ 71 22<sup>d</sup>  
 राजमार्ग च धार्मिक 71 5<sup>d</sup>  
 राजमार्गेण गच्छन्ती 83 88<sup>d</sup>  
 राजमार्गेषु गायना 79 30<sup>d</sup>  
 राजराजेश्वर श्रीमात् 34 16<sup>d</sup>  
 राजराज्यं तत कुरु 62 69<sup>d</sup>  
 राजराज्येन राजभि 4 16<sup>d</sup>  
 राजराज्येन राजराट् 20 20<sup>d</sup>  
 राजर्षिभि पुण्यतमै 31 38<sup>d</sup>  
 राजर्षिर्भवन्नप 26 7<sup>d</sup>  
 राजर्षिर्भुङ्क्षुनिमिद 63<sup>d</sup>  
 राजर्षिणामनुष्ठित 26 4<sup>d</sup>  
 राजपुत्रैर्ननी तात 13 55<sup>d</sup>  
 राजर्षेर्यादृशस्यासीत् 87 9<sup>d</sup>  
 राजदृष्ट स्थिताश्वरा 116 9<sup>d</sup>  
 राजवेश्माभ्ययादा 106 53<sup>d</sup>  
 राजर्षी बहति प्रभो 67 65<sup>d</sup>

राजसूयमपि क्रतुम् 115 41<sup>d</sup>  
 राजसूय तथा मन्ये 115 15<sup>d</sup>  
 राजसूयमपिपिकत्र 4 16<sup>d</sup>  
 राजसूयमपिपिकानां 23<sup>d</sup>  
 राजसूये ह्यसहर्षे 115 21<sup>d</sup>  
 राजसूयो मतो मम 115 14<sup>d</sup>  
 राजसूयो महापत्र 115 20<sup>d</sup>  
 राजसूयो हि सामेन 115 16<sup>d</sup>  
 राजहता ह्यवगरे 74 13<sup>d</sup>  
 राजभिरमसुलोऽसि 85 54<sup>d</sup>  
 राजा कुण्डलापीड 74 17<sup>d</sup>  
 राजा कोपसमन्वित 22 26<sup>d</sup>  
 राजा चाभवद्गो नाम 23 4<sup>d</sup>  
 राजा प्रदयारुणोऽत्यन्त 91<sup>d</sup>  
 राजा त्व भविता तात 17 4<sup>d</sup>  
 राजा दिविरधस्तथा 23 33<sup>d</sup>  
 राजा धनुर्मेह नाम 65 89<sup>d</sup>  
 राजा धर्मश्रुता श्रेष्ठ 15 5<sup>d</sup>  
 राजा धर्मायैकोविद् 23 165<sup>d</sup>  
 राजाधिदेवस्य सुता 28 2<sup>d</sup>  
 राजाधिदेव दूरस्तु 28 1<sup>d</sup>  
 राजाधिदेवी च तथा 24 19<sup>d</sup>  
 राजाधिदेवे वृद्धे 87 47<sup>d</sup>  
 राजाधिदेवो मृदर 81 102<sup>d</sup>  
 राजा नलमजो बली 10 69<sup>d</sup>  
 राजानश्चौरशीलिन 116 9<sup>d</sup>  
 राजाने हृष्यशासनत् 78 41<sup>d</sup>  
 राजानं जनमेजयम् 118 1<sup>d</sup>  
 राजान यदुससादि 78 39<sup>d</sup>  
 राजानं सहमघिणम् 118 30<sup>d</sup>  
 राजान सात्तगच्छन् 114 9<sup>d</sup>  
 राजान मोऽभ्यपेक्षयत् 4 11<sup>d</sup>, 12<sup>d</sup>, 13<sup>d</sup>, 14<sup>d</sup>  
 राजानं चापयामासु 70 95<sup>d</sup>  
 राजान कण्वेदन 117 16<sup>d</sup>  
 राजान कालकोदिता 43 64<sup>d</sup>  
 राजान कीर्तिता मया 23 41<sup>d</sup>  
 राजान शयनपाथिन 62 75<sup>d</sup>  
 राजान सर्वं पय ते 15 19<sup>d</sup> 83 10<sup>d</sup>  
 राजान मृगपुराणि त 89 8<sup>d</sup>  
 राजा निरमद्वयुन 10 9<sup>d</sup>  
 राजानो दुर्गमाहिता 103 6<sup>d</sup>  
 राजानादि वयारस्याने 100 14<sup>d</sup>  
 राजानो बलदर्शितम् 41 2<sup>d</sup>

राजानो भूरितेजसः 10 79<sup>d</sup>  
 राजानो राष्ट्रवर्धना 41 28<sup>b</sup>  
 राजा पञ्चजनो नाम 10 58<sup>a</sup>  
 राजा परमतेजस्वी 21 18<sup>a</sup>  
 राजा परमधार्मिक 9 47<sup>b</sup> 15 15<sup>f</sup> 23 71<sup>b</sup>  
 राजा पारिक्षितम् 115 5<sup>b</sup>  
 राजापि हास्तिनपुर 118 10<sup>a</sup>  
 राजा पृथिव्या विख्यात 44 62<sup>a</sup>  
 राजा प्रमादो दुर्बुद्धि 106 54<sup>a</sup>  
 राजा बृहद्विपुल 15 15<sup>b</sup>  
 राजा बृहद्विपुल 28 96<sup>a</sup>  
 राजा भोजबुल्लोद्ध 44 60<sup>b</sup>  
 राजा राजगृहेश्वर 80 1<sup>b</sup>  
 राजाईमिदमध्य च 71 29<sup>a</sup>  
 राजा वज्रधरोपम 89 46<sup>f</sup>  
 राजा धनधरे सह 23 89<sup>a</sup>  
 राजा विजयमानस्तु 18 2<sup>a</sup>  
 राजा विश्वरथश्च ह 23 84<sup>b</sup>  
 राजा धिपमिबोरा 118 8<sup>a</sup>  
 राजा सनतिमान्भुवि 23 63<sup>b</sup>  
 राजासीच्छासिभुज 26 5<sup>b</sup>  
 राजासीदुष्टद्वारमज 18 18<sup>b</sup>  
 राजासीद्वाजवत्स 6 42<sup>b</sup>  
 राजा सोम प्रतापवान् ॥ 38<sup>a</sup>  
 राजा हासिय च वै 82 26<sup>a</sup>  
 राजा हस्य प्रमाणत 85 55<sup>b</sup>  
 राजनिमित्त शुभानि च 109 11<sup>b</sup>  
 राजेन्द्रो दधियाहन 23 33<sup>b</sup>  
 राजेयमिग विख्यात 21 12<sup>a</sup>  
 राजेन एवं मण्डित 43 24<sup>a</sup>  
 राजोद्यान् महामना 88 33<sup>a</sup>  
 राज ऊरी प्रजसिवात् ॥ 16<sup>a</sup>  
 राजस्य यसो सुता 13 40<sup>a</sup>  
 राजस्तेजस्विनो द्विधा 5 36<sup>a</sup>  
 राजस्त्रिपञ्चनररासात् ॥ 88<sup>a</sup>  
 राज पण्डितमानिन 75 28<sup>b</sup>  
 राज पारिक्षितस्य ह 22 8<sup>b</sup>  
 राज प्रानगृह गामि 71 25<sup>a</sup>  
 राजा न तेन चोदित 108 30<sup>b</sup>  
 राजा रत्नकाम्यया 44 29<sup>b</sup>  
 राजा राजतरयेन 44 28<sup>a</sup>  
 राजां चैव कथं कार्यं 41 31<sup>a</sup>  
 राजां प्रिदिपगामिनाम् 67 61<sup>a</sup>

राजा बहैवैलवता 41 17<sup>a</sup>  
 राजा भयङ्करो घोर 44 63<sup>a</sup>  
 राजा भविष्यत्युपरि 68 31<sup>a</sup>  
 राजा मध्ये महाराज 101 5<sup>a</sup>  
 राजा चैत्रवर्ण पतिम् 4 3<sup>b</sup>  
 राजा सन्नामनालिनाम् 62 76<sup>b</sup>  
 राजा हेतु रणक्षये 42 51<sup>a</sup>  
 राजो वातासि यां मूर्खो 71 8<sup>a</sup>  
 राज्य केवलमात्मन 85 62<sup>f</sup>  
 राज्य तन्माह दुर्बुद्धि 90 26<sup>a</sup>  
 राज्य प्राप्य कुदास्थलीम् 9 24<sup>a</sup>  
 राज्य प्राप्य महापता 9 20<sup>b</sup>  
 राज्य शासति धर्मेशे 44 25<sup>a</sup>  
 राज्य स कारयामास 21 9<sup>a</sup>  
 राजावदिति चैव ह 47 5<sup>a</sup>  
 राज्ञो त मणिमादाय 29 3<sup>a</sup>  
 राज्ञो व्यावर्तितावेवौ 65 50<sup>a</sup>  
 राज्ञो सकाक्ष्य कालविद् 63 18<sup>a</sup>  
 राधेयेन हत पुरा 15 26<sup>a</sup>  
 राम एकोऽभवत्तर्ज 31 133<sup>a</sup>  
 रामहृन्पुरोयमा 91 25<sup>b</sup>  
 रामहृन्प्रागगोचोत्तान् 81 89<sup>a</sup>  
 रामहृन्प्रागुभायपि 87 29<sup>b</sup>  
 रामहृन्प्रां च राजा च 91 29<sup>a</sup>  
 रामहृन्प्रां विचिन्तयन् 96 60<sup>a</sup>  
 रामहृन्प्रां स्वराधित्य 80 6<sup>a</sup>  
 रामहृन्प्रां समागतौ 96 59<sup>b</sup>  
 रामहृन्प्रां समाधित्य 89 53<sup>a</sup>  
 रामहृन्प्रां योस्तदा 83 57<sup>a</sup>  
 रामगोविन्दलक्ष्मणौ 81 66<sup>a</sup>  
 रामलक्ष्मण विमोक्षायम् 90 9<sup>a</sup>  
 रामस्य वनयो नये 10 76<sup>a</sup>  
 रामस्य तु गदायेन 82 19<sup>a</sup>  
 रामस्य प्रथित भुवि 90 16<sup>b</sup>  
 रामस्य प्रथितामह 10 73<sup>a</sup>  
 रामस्य सुमहात्मन 90 13<sup>a</sup>  
 रामस्यानुमते स्थित 79 12<sup>b</sup>  
 राम चैव महाशुभम् 96 8<sup>a</sup>  
 राम रमयता श्रेष्ठ 83 6<sup>a</sup>  
 राम हादलघारिणम् 83 54<sup>b</sup>  
 राम वचनमन्त्रिण 81 2<sup>b</sup>  
 राम पालयितामयम् 31 133<sup>f</sup>  
 राम शत्रुभयंकर 83 8<sup>a</sup>

रामाच्च निशङो जज्ञे 25 4<sup>a</sup>  
 रामात्ततोऽस्य सृष्टुर्वै 23 155<sup>m</sup>  
 रामादनन्तर चैव 100 2<sup>a</sup>  
 रामाय विदित्वात्मने 83 19<sup>b</sup>  
 रामाहुकगदाकूर 94 18<sup>m</sup>  
 रामे चासज्य ॥ भार 87 44<sup>a</sup>  
 रामेण सह गोविन्द 95 17<sup>m</sup>  
 रामेण सह निश्चित्य 87 40<sup>m</sup>  
 रामेण सह भारत 79 9<sup>d</sup>  
 रामेणासीत्समागम 82 5<sup>b</sup>  
 रामे दाशरथी स्थिते 44 25<sup>b</sup>  
 रामे निग्रहाक्षरावार्था 31 136<sup>a</sup>  
 रामे राज्य प्रशासति 31 129<sup>d</sup>, 130<sup>d</sup>, 134<sup>d</sup>, 135<sup>d</sup>  
 रामे वृष्णिबलान्विते 88 34<sup>b</sup>  
 रामो दशरथाज्ज्ञे 10 74<sup>a</sup>  
 रामो दाशरथिर्बभौ 31 140<sup>d</sup>  
 रामो धर्मभृता वर 31 128<sup>b</sup>  
 रामो भूतपति पुरा 31 126<sup>d</sup>  
 रामो मदसमीरित 83 80<sup>b</sup>  
 रामो राज्यमकारयत् 31 138<sup>m</sup>  
 रामोऽर्जुनमनीकस्थ 31 101<sup>b</sup>  
 रामो विराजन्समेरे 81 69<sup>a</sup>  
 रामो व्यासकथात्रेय 7 43<sup>m</sup>  
 रावणस्याभितक्षरी 97 8<sup>d</sup>  
 रावण निजयानाञ्च 31 126<sup>a</sup>  
 रावण युधि दुर्जयम् 31 122<sup>d</sup>  
 रावण स्वहासत्तदा 65 43<sup>d</sup>  
 रावण सगण इत्वा 31 142<sup>a</sup>  
 रावणेन पुरा गीत 77 44<sup>m</sup>  
 राष्ट्रपालोऽथ सुगनु 27 28<sup>a</sup>  
 राष्ट्रत्येष्टसि चेत्स्वस्ति 15 41<sup>m</sup>  
 राष्ट्र चैव महद्विमम् 71 25<sup>d</sup>  
 राष्ट्रानि नृपसुरायाना 105 7<sup>a</sup>  
 राष्ट्रे राष्ट्रे च यद्वय 41 21<sup>a</sup>  
 राष्ट्रुरमसदादित्यम् 106 45<sup>m</sup>  
 रिद्धिणी समपचताम् 51 1<sup>d</sup>  
 रिपुञ्जनमदैतवीर्यशालिनश्च 118 47<sup>d</sup>  
 रिपु रिपुञ्ज विप्र 2 14<sup>a</sup>  
 रिपूणां त्रासजननी 65 57<sup>m</sup>  
 रिपुणा प्रत्ययुष्यताम् 81 65<sup>d</sup>  
 रिपोराधत्त गृह्णी 2 15<sup>m</sup>  
 रिष्टो नाम दिते पुत्र 44 70<sup>m</sup>  
 रीतीनिर्बैतयामास 01 5<sup>m</sup>

रुक्मदण्डा पताकिन 93 53<sup>b</sup>  
 रुक्मपद्मनिभस्तम्भ 74 14<sup>a</sup>  
 रुक्मपद्मकरन्यग्रा 96 18<sup>m</sup>  
 रुक्मिणश्च वच श्रुत्वा 89 33<sup>m</sup>  
 रुक्मिणस्तनया तदा 89 4<sup>d</sup>  
 रुक्मिण निवृत्तिप्रज्ञे 89 46<sup>m</sup>  
 रुक्मिण पतित इष्टा 88 26<sup>a</sup>  
 रुक्मिण रथमारोप्य 88 30<sup>a</sup>  
 रुक्मिण रहसि प्रभुम् 89 19<sup>d</sup>  
 रुक्मिण रोहिणीसुत 89 36<sup>b</sup>  
 रुक्मिण सुहृदश्च ये 89 14<sup>b</sup>  
 रुक्मिणा वशावापन 89 29<sup>d</sup>  
 रुक्मिणा च महात्मना 81 100<sup>b</sup>  
 रुक्मिणा वायुदेवस्य 82 2<sup>m</sup>  
 रुक्मिणा सह सपाते 89 27<sup>a</sup>  
 रुक्मिणी च विद्या पते 87 12<sup>d</sup>  
 रुक्मिणी स्वभवद्वागम् 87 14<sup>m</sup>  
 रुक्मिणी रवेव त इष्टा 99 34<sup>m</sup>  
 रुक्मिणी निर्ययो वहि 87 31<sup>d</sup>  
 रुक्मिणी भीष्मकतमजा 94 27<sup>d</sup>  
 रुक्मिणीमात्रादाराणु 97 3<sup>a</sup>  
 रुक्मिणी स्वससनिभाम् 89 10<sup>d</sup>  
 रुक्मिणी रूपिणी देवी 87 38<sup>a</sup>  
 रुक्मिणी सत्यभामा च 98 3<sup>m</sup>  
 रुक्मिणी देवतामिव 99 43<sup>b</sup>  
 रुक्मिणो निधनं यथा 89 52<sup>m</sup>  
 रुक्मिण्या नमिद्वर्धेन 99 17<sup>d</sup>  
 रुक्मिण्या भ्रातर ज्येष्ठ 89 42<sup>a</sup>  
 रुक्मिण्याप्राप्त्युपप्रदात् 89 11<sup>d</sup>  
 रुक्मिण्या रुक्मभूषण 87 2<sup>b</sup>  
 रुक्मिण्या वायुदेवस्य 99 2<sup>m</sup>  
 रुक्मिण्या दत्ताव पार्ति 88 34<sup>d</sup>  
 रुक्मिण्या प्रवरं वासं ॥ 39<sup>a</sup>  
 रुक्मी वृष्णिनिधोसया 88 21<sup>d</sup>  
 रुक्मी कोपपशं गत 88 18<sup>b</sup>  
 रुक्मी च भोज्याधिपति 81 40<sup>m</sup>  
 रुक्मी चास्त्राणि दिपाणि 87 13<sup>a</sup>  
 रुक्मी तस्यामवापुष 87 12<sup>m</sup>  
 रुक्मी द्वेपान्याहाण 87 16<sup>b</sup>  
 रुक्मी बहमदाग्नि 83 7<sup>a</sup>  
 रुक्मी महति धीर्यवान् 89 1<sup>a</sup>  
 रुक्मी युवयो वायुर्भूताम् 80 11<sup>d</sup>  
 रुक्मी धीर्यमदान्वित 88 31<sup>d</sup>

रुक्मी वेदविदां वर 87. 8<sup>६</sup>.  
 रुक्मी क्षुत्वा तु रुक्मिणीम् 88. 1<sup>६</sup>.  
 रुक्मेपुरभवद्राजा 26. 12<sup>६</sup>.  
 रुक्मेयुः पृथुरुक्मश्च 26. 11<sup>६</sup>.  
 रुचितं यदि ते राजन् 108. 97<sup>६</sup>.  
 रुचिरदुमसानुपु 73 11<sup>६</sup>.  
 रुचिरस्य ॥ दायादः 15. 18<sup>६</sup>.  
 रुचिरः श्वेतकाश्यश्च 15. 17<sup>६</sup>.  
 रुचिराग्रकरश्चास्य 68. 26<sup>६</sup>.  
 रुचिरार्थं चतुर्दशीम् 91. 7<sup>६</sup>.  
 रुचिराच्छादनसर्वा 71. 49<sup>६</sup>.  
 रुचिराभिः पताकाभिः 92. 11<sup>६</sup>.  
 रुचिरौत्पलपद्माक्षी 55. 34<sup>६</sup>.  
 रुचिरौष्ठुर्दं मुपमम् 55. 6<sup>६</sup>.  
 रुचेः प्रजापतेः पुत्र. 7. 41<sup>६</sup>.  
 रुक्मा पीत्वा हि वा मम 112. 122<sup>६</sup>.  
 रुक्मः सर्वभूतानां 15. 11<sup>६</sup>.  
 रुक्मीनां शृङ्गातानां 77. 59<sup>६</sup>.  
 रुक्मीनां सङ्गमनाः 109. 12<sup>६</sup>.  
 रुक्मी परिवर्त्यते 107 23<sup>६</sup>.  
 रुक्मी प्रसभं भुक्ता 107. 50<sup>६</sup>.  
 रुक्मी तव मृत्यानां 77. 57<sup>६</sup>.  
 रुदितानुभावो नार्याः 77. 37<sup>६</sup>.  
 रुदिमो मयमोदितः 109. 2<sup>६</sup>.  
 रुद्रस्कन्दसहायवान् 106 5<sup>६</sup>.  
 रुद्रस्वस्मै वरं प्रादात् 85 11<sup>६</sup>.  
 रुद्रस्तस्य वृद्धस्पते. 20 32<sup>६</sup>.  
 रुद्रस्वानुचरामयः 110 20<sup>६</sup>.  
 रुद्र रोषात्सप्तमयम् 1. 31<sup>६</sup>.  
 रुद्राणामभिर्वाजसाम् 3. 44<sup>६</sup>.  
 रुद्राणामिय वः क्रोधः 65. 18<sup>६</sup>.  
 रुद्रादिर्वाल्म्याभिनी 43. 68<sup>६</sup>.  
 रुद्राणां जनयामास 23. 9<sup>६</sup>.  
 रुद्रा धृष्टा च मद्रा च 23 8<sup>६</sup>.  
 रुद्रास्त्रिभुवनेश्वराः 3. 44<sup>६</sup>.  
 रुद्रैर्वा लोकभायनैः 43. 4<sup>६</sup>.  
 रुद्रैर्विश्वमहायैश्च 31. 36<sup>६</sup>.  
 रुचिरेणासुतानीव 109 11<sup>६</sup>.  
 रुचिरोष्पपरिप्लुतः 112. 105<sup>६</sup>.  
 रुचिरोऽपतिप्लुताः 108. 45<sup>६</sup>.  
 रुचिरोष्पप्लुतर्गात्रैः 108 66<sup>६</sup>. 110 32<sup>६</sup>.  
 रुद्रदुर्भेदानुपिप्ताः 50. 20<sup>६</sup>.  
 रुद्रदुः सर्वयोपितः 109. 1<sup>६</sup>.

रुग्भिश्च निषेवितम् 92. 40<sup>६</sup>.  
 रुहः काश्यप एव च 7. 44<sup>६</sup>.  
 रुहोदं मधुरं कृष्णः 50. 5<sup>६</sup>.  
 रुग्दुर्वेदतां वरः 26. 2<sup>६</sup>.  
 रुग्दुः सोऽध्यमात्मजम् 26 3<sup>६</sup>.  
 रुषितस्तलशान्देन 64. 13<sup>६</sup>.  
 रुषमप्रतिमं दृष्ट्वा 74. 19<sup>६</sup>.  
 रुषयोवनशालिनी 8. 2<sup>६</sup>.  
 रुषयौवनसंपन्ना 28. 41<sup>६</sup>.  
 रुषयानसि विकान्तः 99 17<sup>६</sup>.  
 रुषवानिव मन्मथः 99 30<sup>६</sup>.  
 रुषशीलगुणान्विता 88. 36<sup>६</sup>.  
 रुषं कृत्वा महाभीमं 31. 88<sup>६</sup>.  
 रुषं ते साम्यं पश्यन्ती 99. 23<sup>६</sup>.  
 रुषं दैत्यविनाशकम् 31 68<sup>६</sup>.  
 रुषं निर्वैतवाम्यय 8. 33<sup>६</sup>.  
 रुषिणं समुपस्थितम् 86. 66<sup>६</sup>.  
 रुषिणी प्रत्यभापत 100. 41<sup>६</sup>.  
 रुषिणी यस्य पार्श्वस्था 31. 117<sup>६</sup>.  
 रुषिणी वै सरिच्छ्रेष्ठा 43. 27<sup>६</sup>.  
 रुषिणी सागररंगमे 83. 28<sup>६</sup>.  
 रुषेण न मया कश्चित् 12. 10<sup>६</sup>.  
 रुषेण प्रव्रहास वै 60 20<sup>६</sup>.  
 रुषेण यदासा श्रिया 87. 38<sup>६</sup>.  
 रुषेणाऽप्येण संपत्ता 87. 33<sup>६</sup>.  
 रुषेणाच्छादितः प्रसुः 60. 23<sup>६</sup>.  
 रुषेणाप्रतिमो लोके 89. 6<sup>६</sup>.  
 रुषेणाभिजनेन च 107 63<sup>६</sup>.  
 रुषेणात्तराणि भुवि 9. 84<sup>६</sup>. 87. 14<sup>६</sup>.  
 रुषे नास्ति समो भुवि 24. 17<sup>६</sup>.  
 रुष्यकाश्चनकस्याणां 27. 22<sup>६</sup>.  
 रेजतुर्मेघसमये 64. 18<sup>६</sup>.  
 रेजतुश्चन्द्रवदनौ 51. 11<sup>६</sup>.  
 रेजतुः पांशुदिग्धादौ 51. 7<sup>६</sup>.  
 रेजुरादोघनगताः 37. 3<sup>६</sup>.  
 रेजुर्ज्वनिकाक्षेपैः 74. 7<sup>६</sup>.  
 रेजुश्चरारोपिताः सिंहाः 61. 42<sup>६</sup>.  
 रेजुः काञ्चनचित्राणि 74. 6<sup>६</sup>.  
 रेजुः प्रच्छन्नश्च 74. 12<sup>६</sup>.  
 रेजुना सूर्यमार्गं ॥ 85. 22<sup>६</sup>.  
 रेजुर्गलाय रेजुका 23. 87<sup>६</sup>.  
 रेमिरे वृष्णयज्ञत्र 89. 16<sup>६</sup>.  
 रेमे च तत्र रम्यासु 55. 13<sup>६</sup>.

रेमे परमया मुदा 21 8<sup>d</sup>  
 रेमे यदुगणैर्वृत 113 70<sup>f</sup>  
 रेमे रामोऽपि धर्मात्मा 0 28<sup>d</sup>  
 रेमे रामो महाबल 83 18<sup>f</sup>  
 रेमे वै दिवस कृष्ण 55 23<sup>d</sup>  
 रेवतस्याय कन्या च 86 80<sup>e</sup>  
 रेवती शीलसमताम् 86 80<sup>e</sup>  
 रेवत्या चाहुकेन च 94 26<sup>d</sup>  
 रेवत्या सहित सुखी 9 28<sup>d</sup>  
 रेवत्या दयित सुत 25 4<sup>d</sup>  
 रेवत्या बलदेवस्य 98 20<sup>e</sup>  
 रेवस्य रैवत पुत्र 9 24<sup>e</sup>  
 रेवो नाम महापुति 23<sup>d</sup>  
 रेव्योऽथोपदिशो बली 87 21<sup>e</sup>  
 रेवतश्चाक्षुषस्तथा 7 4<sup>d</sup>  
 रेवतस्य गतस्य ह 9 32<sup>d</sup>  
 रेवतस्य मनो पुत्रा 7 25<sup>d</sup>  
 रेवत च कङ्कणिमम् 9 29<sup>d</sup>  
 रौमैरिन्द्रियसक्षय 117 39<sup>d</sup>  
 रोचतां यदुससदि 84 8<sup>d</sup>  
 रोचते बाहुशालिना 75 17<sup>d</sup>  
 रोचते मे सुरभेदा 43 12<sup>e</sup>  
 रोचयन्ति स यादवा 84 30<sup>d</sup>  
 रोचयन्मपुराः कथा 83 5<sup>d</sup>  
 रोचयन् वै गणधृष्ट 3 103<sup>d</sup>  
 रोचयामास वसति 42 21<sup>d</sup>  
 रोचयामास विस्मित 62 1<sup>d</sup>  
 रोचित्ये ध्रुवे ममा 77 15<sup>d</sup>  
 रोदिपीडुनिमानने 107 48<sup>d</sup>  
 रोमाञ्छोत्थितगाग्रस्तु 111 4<sup>d</sup>  
 रोमाञ्छोद्गतराजिमा 42 3<sup>d</sup>  
 रोरूपमणि खगमै 83 40<sup>d</sup>  
 रोपनि शालचायुना 76 15<sup>d</sup>  
 रोपपर्याकुले चैव 112 58<sup>d</sup>  
 रोपमाहारयामास 89 33<sup>d</sup>  
 रोपाभि ससङ्कल्पोऽह 42 39<sup>d</sup>  
 रोपादन्त्याम्पमाहवे 37 29<sup>d</sup>  
 रोपेण च बलेन च 112 99<sup>d</sup>  
 रोपेणाभिप्रजञ्चाल 110 63<sup>d</sup>  
 रोपोऽय विनिवर्धताम् 83 45<sup>d</sup>  
 रोपोऽय सश्रुदयित 56 33<sup>d</sup>  
 रोहिणी च यथादत्ताम् 94 15<sup>d</sup>

रोहिणी च शुभानना 96 8<sup>d</sup>  
 रोहिणीतनया नव 25 3<sup>d</sup>  
 रोहिणीमभिवाच च 96 9<sup>d</sup>  
 रोहिणीमिव सोमस्य 48 5<sup>d</sup>  
 रोहिणा कामरूपिणीम् 88 41<sup>d</sup>  
 रोहिण्यामहनि श्रेष्ठे 86 3<sup>d</sup>  
 रोहितस्य वृक पुत्र 10 23<sup>d</sup>  
 रोहितन्द्रधनूपि च 1 34<sup>d</sup>  
 रोहितो दीप्तिमाश्च 98 7<sup>d</sup>  
 रोहितो नाम विश्रुत 10 23<sup>d</sup>  
 रौक्मिणेयानिमान्शृणु 98 4<sup>d</sup>  
 रौक्मिणेयो महाबाहु 24 30<sup>d</sup>  
 रौक्मो नाम मनु स्मृत 7 41<sup>d</sup>  
 रौद्रमात्रिरस भय 112 24<sup>d</sup>  
 रौद्र रूपमभूतदा 110 50<sup>d</sup>  
 रौद्र सक्तचक्राक्ष 58 27<sup>d</sup>  
 रौद्राश्वतनयस्य वै 23 42<sup>d</sup>  
 रौद्राश्वस्य चारुमज 23 5<sup>d</sup>  
 रौद्राश्वस्य दशार्णव 23 6<sup>d</sup>  
 रोहिण्यतृतीयस्य 69 31<sup>d</sup>  
 रोहिण्य स्वया कृता 83 43<sup>d</sup>  
 रोहिण्यमवस्थितम् 57 16<sup>d</sup>  
 रोहिण्यवध यत्न 58 17<sup>d</sup>  
 रोहिण्यस्य चाक्षर 68 14<sup>d</sup>  
 रोहिण्यस्य धीमता 58 24<sup>d</sup>  
 रोहिण्यस्य रौद्रेण 110 60<sup>d</sup>  
 रोहिण्य खरो दुष्ट 57 17<sup>d</sup>  
 रोहिण्य मे पुत्र 49 3<sup>d</sup>  
 रोहिण्य निरायुधम् 57 18<sup>d</sup>  
 रोहिण्य महासुर 58 29<sup>d</sup>  
 रोहिण्य पुराणम् 58 50<sup>d</sup>  
 रोहिण्य प्रतापवान् 58 55<sup>d</sup>  
 रोहिणेये च दारणाम् 58 16<sup>d</sup>  
 रोहिणेयेन धीमता 96 43<sup>d</sup>  
 रोहिणेयेन संगतम् 69 2<sup>d</sup>  
 रोहिणेयेन संगत 79 1<sup>d</sup>  
 रोहिणेयेन संगमय 96 41<sup>d</sup>  
 रोहिणेये हत तस्मिन् 76 1<sup>d</sup>  
 रोहिण्यो महाबल 89 34<sup>d</sup>  
 रोहिण्यो मिथ बाल 54 21<sup>d</sup>  
 रोहिण्यो हस्तदिव 57 10<sup>d</sup>  
 ल  
 लक्षण रूपसौष्टवम् 30 2<sup>d</sup>

छद्मणा चारुदासिनी 98 3<sup>d</sup>  
 छद्मणानुचरो राम 31 116<sup>d</sup>  
 छद्मणाया कुरश्रेष्ठ 93 46<sup>d</sup>  
 छद्मणाया प्रजा शृणु 98 11<sup>d</sup>  
 छद्मणां चारुदासिनीम् 88 42<sup>d</sup>  
 छद्मीकामो धृतवत 99 2<sup>d</sup>  
 छद्मीवाग्माल्यजीवन 71 16<sup>d</sup>  
 छद्मो साक्षादिव स्थिताम् 87 33<sup>d</sup>  
 छद्मन्ते हि ध्वजाभाणि 81 3<sup>d</sup>  
 हत ताभ्या समूलभ्या 51 17<sup>d</sup>  
 छद्माहाराक्षपस्विन 16 25<sup>d</sup>  
 छद्माहारी जिनेन्द्रिय 14 11<sup>d</sup>  
 छता ह्य विद्येष्टस्य 77 6<sup>d</sup>  
 हतापुष्पसुमण्डितम् 55 20<sup>d</sup>  
 छताल्लहृतपादरम् 55 27<sup>d</sup>  
 छतालीनहादुमम् 49 17<sup>d</sup>  
 छतावेष्ट समन्तात् 93 18<sup>d</sup>  
 छपमात्र वरे चापि 31 54<sup>d</sup>  
 छपलक्ष्या भद्राक्षरा 82 25<sup>d</sup>  
 छपलक्ष्यो ह्यय वीर 108 76<sup>d</sup>  
 छपसज्ञा दिवौकस 12 37<sup>d</sup>  
 छप्ता त्रिभुवनश्रियम् 43 13<sup>d</sup>  
 छप्ता नारायणाद्वरम् 19 15<sup>d</sup>  
 हमेत सर्वज्ञफल च केवलम् 118 43<sup>d</sup>  
 हमेतपञ्च वराक्षय 23 166<sup>d</sup>  
 हमेयमित्त त शक्त 23 83<sup>d</sup>  
 हम्बता कण्ठचर्मणा 64 5<sup>d</sup>  
 हम्बमानमङ्गुदम् 54 34<sup>d</sup>  
 हम्बमानाङ्गुदाहति 58 2<sup>d</sup>  
 हम्बस्तु हम्बमेयाम 33 22<sup>d</sup>  
 हम्बभरणपूर्णन 36 54<sup>d</sup>  
 हम्बा भायुर्मेरस्वती 3 26<sup>d</sup>  
 हम्बायार्धव घोषोऽय 3 28<sup>d</sup>  
 हम्बो नामेति विख्यात 44 71<sup>d</sup>  
 हलामप्रतिम हलम् 81 61<sup>d</sup>  
 हवणजलगमा मदानदी 90 17<sup>d</sup>  
 हवणस्य महाशृङ्गे 44 50<sup>d</sup>  
 हवणो नाम दानव 31 127<sup>d</sup> 44 23<sup>d</sup>  
 हापव समुपागम्य 112 7<sup>d</sup>  
 हाङ्गलाष्टमागां 83 48<sup>d</sup>  
 हाङ्गलाष्टमागां सा 83 34<sup>d</sup>  
 हाङ्गलायनहस्ताध 70 17<sup>d</sup>  
 हाङ्गलाद्य समुचयम् 90 10<sup>d</sup>

हाङ्गलेनावसकेन 83 26<sup>d</sup>  
 हाङ्गलेतिस्त्रिवापद्नी 83 38<sup>d</sup>  
 हाङ्गल चाल्य वेगेन 74 36<sup>d</sup>  
 हाङ्गलापि समन्तत 109 77<sup>d</sup>  
 ह्यजै प्रणामैर्धृपथ 113 61<sup>d</sup>  
 ह्यालये स्वन्न भागे 96 6<sup>d</sup>  
 ह्यालित स्म रतिप्रिया 77 18<sup>d</sup>  
 ह्याङ्गलशुद्धिचरै 43 20<sup>d</sup>  
 हिप्ताचक प्रमेतानु 28 14<sup>d</sup>  
 हिप्सु पुत्र ततो गत्वा 85 9<sup>d</sup>  
 ह्रीनमीनप्रदस्येव 81 31<sup>d</sup>  
 ह्रीलया बन्नेन च 107 7<sup>d</sup>  
 ह्रीलकृताङ्गद वीर 75 2<sup>d</sup>  
 ह्रीलां तद्दलमाधिता 67 60<sup>d</sup>  
 ह्रुष्यकस्यात्मनात्ता 16 15<sup>d</sup>  
 ह्रुष्या शूरान्वहृत्तया 10 57<sup>d</sup>  
 ह्रुष्याश्च नाम राजेन्द्र 7 28<sup>d</sup>  
 ह्रुष्या हि काललिखिता 115 27<sup>d</sup>  
 ह्रुमे कन्यामनुत्तमाम् 18 23<sup>d</sup>  
 ह्रुमे जाम्बवती कन्या 28 28<sup>d</sup>  
 ह्रुमे ज्येष्ठ सुत राम 25 2<sup>d</sup>  
 ह्रुमे तस्माद्वद्वय 22 13<sup>d</sup>  
 ह्रुमे पुत्रमकल्पयम् 23 136<sup>d</sup>  
 ह्रुमे प्रसेनजिदायी 9 82<sup>d</sup>  
 ह्रुमे प्रीतमना भव 107 8<sup>d</sup>  
 ह्रुमे वै पुरर पत्नी 2 1<sup>d</sup>  
 ह्रुमे साम्वातरस्विनम् 98 24<sup>d</sup>  
 ह्रुदिद्विधश्च पद्मरी 34 12<sup>d</sup>  
 ह्रुदिहन्त इवोरगा 37 40<sup>d</sup>  
 ह्रुदिहान सनिष्पेय 64 3<sup>d</sup>  
 ह्रुदिहानानि दिव्यानि 81 56<sup>d</sup>  
 ह्रुदमात्रण भारत 105 6<sup>d</sup>  
 ह्रुदस्य पायसस्यार्थे 60 11<sup>d</sup>  
 लोककान्तस्य साहाय्य 99 48<sup>d</sup>  
 लोकक्षयकरस्य 115 20<sup>d</sup>  
 लोकक्षयकर महत् 20 34<sup>d</sup>  
 लोकक्षयकर काठे 106 45<sup>d</sup>  
 लोकक्षयकरे तदा 112 38<sup>d</sup>  
 लोकच्छायामय लक्ष्म 36 5<sup>d</sup>  
 लोकतत्त्वधरो ह्यप 39 15<sup>d</sup>  
 लोकनाथस्य आर्यया 107 46<sup>d</sup>  
 लोकपालत्वमेव च 8 42<sup>d</sup>  
 लोकपालस्य द्वाधत 59 5<sup>d</sup>

लोकपाल सङ्घट्टक 34 3<sup>१</sup>  
 लोकपाला बलोत्कटा 34 19<sup>१</sup>  
 लोकपालेषु सर्वेषु 36 42<sup>१</sup>  
 लोकपालोपमश्चैव 53 7<sup>१</sup>  
 लोकमाप्यायसिष्यति 12 37<sup>१</sup>  
 लोकमूर्ति प्रयच्छति 100 79<sup>१</sup>  
 लोकमेकार्णय चक्र 30 10<sup>१</sup>  
 लोकयात्रामिमा कृत्वा 91 25<sup>१</sup>  
 लोकयोनि चतुर्मुखम् 100 59<sup>१</sup>  
 लोकवृत्तान्ततरपरम् 62 8<sup>१</sup>  
 लोकवेदाहुगामिभि 43 16<sup>१</sup>  
 लोकसरक्षणाय च 7 35<sup>१</sup>  
 लोकसरक्षणार्थं हि 112 88<sup>१</sup>  
 लोकस्त्वर्वाग्दुष्कृतिना 62 30<sup>१</sup>  
 लोकस्य विदुषोपमा 65 18<sup>१</sup>  
 लोकस्याप्यायन परम् 13 70<sup>१</sup> 19 35<sup>१</sup>  
 लोकस्रष्टा महीतले 86 79<sup>१</sup>  
 लोकहेतुरनुत्तम 30 37<sup>१</sup>  
 लोक मानुषमागमत् 85 43<sup>१</sup>  
 लोक क्षुभितमानस 54 12<sup>१</sup>  
 लोक क्षोभमुपागमत् 112 88<sup>१</sup>  
 लोकान्शान्तिमुपागमत् 43 75<sup>१</sup>  
 लोकानटति चञ्चल 46 30<sup>१</sup>  
 लोकाननु परिक्रमन् 30 25<sup>१</sup>  
 लोकानन्तर्गतानपि 66 12<sup>१</sup>  
 लोकानल्पेन कालेन 40 32<sup>१</sup>  
 लोकानामन्तर्गतानां 40 8<sup>१</sup>  
 लोकानामपि सभवा 100 63<sup>१</sup>  
 लोकाना कृष्णवर्त्मना 40 33<sup>१</sup>  
 लोकाना क्रियता दया 35 53<sup>१</sup>  
 लोकाना गुह्यमय 42 4<sup>१</sup>  
 लोकाना स्वप्रवृत्तानां 45 29<sup>१</sup>  
 लोकाना त्व गतिर्देव 112 105<sup>१</sup>  
 लोकाना विपर्यये 58 36<sup>१</sup>  
 लोकाना प्रभवाप्यये 37 59<sup>१</sup>  
 लोकाना प्रभवाय च 31 13<sup>१</sup>  
 लोकाना भूतमान 40 22<sup>१</sup>  
 लोकानां भृगुनन्दन 31 108<sup>१</sup>  
 लोकानां यज्ञय भवेत् 32 17<sup>१</sup>  
 लोकानां वेद माधव 39 16<sup>१</sup>  
 लोकाना शाश्वतो देव 58 47<sup>१</sup>  
 लोकानां हितकाम्यया 9 58<sup>१</sup>, 65<sup>१</sup> 20 9<sup>१</sup> 31 29<sup>१</sup>  
 लोकानुत्सहते गन्तु 115 37<sup>१</sup>

लोकानुद्गतैश्चिव 9 71<sup>१</sup>  
 लोकान्तरगतास्त्रात 11 33<sup>१</sup>  
 लोकान्तरगतेन वै 11 16<sup>१</sup>  
 लोकान्प्राप्य सनातनान् 18 9<sup>१</sup>  
 लोकान्तात्पायामासु 18 16<sup>१</sup>  
 लोका मुदितमानसा 32 39<sup>१</sup>  
 लोकाश्चर्यकरो लोके 100 43<sup>१</sup>  
 लोकाश्चित्तमयाख्य 39 9<sup>१</sup>  
 लोका हि यावत्स्यास्यन्ति 83 49<sup>१</sup>  
 लोकाश्च सचराचरात् 38 59<sup>१</sup>  
 लोका सनातना नाम 13 7<sup>१</sup>  
 लोका सस्यायुगमा 38 43<sup>१</sup>  
 लोका सोमपदा नाम 13 24<sup>१</sup>  
 लोका स्वस्या भवन्स्वय 9 58<sup>१</sup>  
 लोका कार्यमज्ञानताम् 45 27<sup>१</sup>  
 लोके कथात महात्मन 112 40<sup>१</sup>  
 लोके रयाती महाबली 82 12<sup>१</sup>  
 लोके नस्याविराजुप 43 61<sup>१</sup>  
 लोके नान्योऽस्ति कश्चन 100 22<sup>१</sup>  
 लोके पतितवृत्तस्य 78 8<sup>१</sup>  
 लोके प्रकथावयदास 112 89<sup>१</sup>  
 लोकेऽप्रतिरथो वीर 24 23<sup>१</sup>  
 लोके प्रथिततेजस 91 22<sup>१</sup>  
 लोके प्रवदता श्रेष्ठ 118 6<sup>१</sup>  
 लोके भूतेन्द्रियात्मका 100 62<sup>१</sup>  
 लोके राम इति कथा 31 111<sup>१</sup>  
 लोकेषु दिवि वर्तन्ते 13 59<sup>१</sup>  
 लोकेऽस्मिन्मृण निखिले 62 55<sup>१</sup>  
 लोकेऽस्मिन्मनव स्युता 36 44<sup>१</sup>  
 लोकेऽस्मिन्मनव स्युता 7 41<sup>१</sup>  
 लोकाश्च विदितो हरि 39 13<sup>१</sup>  
 लोको बालत्वमेव्यति 45 43<sup>१</sup>  
 लोपामुद्राप्रसादेन 23 67<sup>१</sup>  
 लोभवान स लौ धीरो 58 13<sup>१</sup>  
 लोभानुतविरोधिता 116 20<sup>१</sup>  
 लोभानुतविरोधिता 16 17<sup>१</sup>  
 लोभपाद इति कथा 23 36<sup>१</sup>  
 लोभपादुडकविन 54 35<sup>१</sup>  
 लोभपादगवर्धित 57 5<sup>१</sup>  
 लोभपादेन महता 33 11<sup>१</sup>  
 लोभपा निर्गुणताम् 70 20<sup>१</sup>  
 लोभिया यमदूताम् 23 90<sup>१</sup>  
 लोभपायुगवृत्तम् 33 10<sup>१</sup>



य

वक्तव्यं च प्रते तस्मिन् 65 89<sup>०</sup>  
 वक्तव्यं न त्वा कारणम् 47 5<sup>१</sup>  
 वक्तुकामोऽसि मरिचियम् 106 21<sup>६</sup>  
 वक्तुं वर्षसत्तरपि 7 3<sup>१</sup>, 50<sup>६</sup> 101 3<sup>६</sup>  
 वक्त्रपोषी महासुर 37 7<sup>६</sup>  
 वक्त्रश्च सह सैन्येन 97 5<sup>०</sup>  
 वक्त्रस्यास्तेन्दुवर्चस 69 12<sup>६</sup>  
 वक्त्रेण चास्य घोरेण 67 30<sup>०</sup>  
 वक्त्रेणामृच्छ भारत 56 8<sup>१</sup>  
 वक्त्रेणामिषगृहिना 65 61<sup>६</sup>  
 वक्त्रेभ्यो विषसम्बन्धम् 56 11<sup>६</sup>  
 वक्त्रमङ्गारकृष्णैः 86 25<sup>०</sup> 106 48<sup>०</sup>  
 वक्षसाभिविराजता 83 53<sup>६</sup>  
 वक्षसाहस्य जानुना 75 42<sup>६</sup>  
 वक्षस्येनमथोऽनवृत् 110 31<sup>६</sup>  
 वक्ष्यामि नृपसत्तम 22 18<sup>१</sup>  
 वक्ष्याम्यागन्तु भावि यत् 115 26<sup>१</sup>  
 वक्ष्मराजस्य कुञ्जरम् 89 69<sup>१</sup>  
 वक्ष्मरात्र च सधुरे 87 69<sup>६</sup>  
 वक्ष्मरात्र तथैव च 97 15<sup>६</sup>  
 वक्ष्म सुल्लक्ष्मैश्च 25 29<sup>१</sup>  
 वक्ष्म सुल्लक्ष्मैश्च 23 32<sup>१</sup>  
 वक्ष्मभासाधिपल्लवा 80 12<sup>६</sup>  
 वचने येदमवधीन् 35 31<sup>६</sup> 91 58<sup>६</sup> 112 12<sup>६</sup>  
 वचनं सत्यं सधुल्ल 108 56<sup>०</sup>  
 वचनं धर्मसहितम् 35 26<sup>१</sup>  
 वचनं भारदेरितम् 100 25<sup>६</sup>  
 वचनं प्राह दुर्वच 107 58<sup>१</sup>  
 वचनं मे भुविक्षितै 107 79<sup>६</sup>  
 वचनं साधु भाषितम् 53 12<sup>१</sup>  
 वचनात्तस्य विप्रैः 23 11<sup>१</sup>  
 वचनात्तस्य वै विप्रो 15 1<sup>१</sup>  
 वचना गृह्णेन वै 68 17<sup>१</sup>  
 वचांसि वनदोभिता 100 56<sup>६</sup>  
 वयोभिर्दृष्टमानसा 72 22<sup>१</sup>  
 वज्रकलत्रेन मुष्टिना 58 49<sup>०</sup>  
 वज्रनाभस्तथैव च 8 68<sup>१</sup>  
 वज्रनाभं भयारदम् 38 40<sup>१</sup>  
 वज्रपाणिततो गर्भे 3 106<sup>०</sup>  
 वज्रपातोपमं वच 56 17<sup>१</sup>  
 वज्रपूर्णकरः प्रभु 62 9<sup>१</sup>  
 वज्रप्रतिमगौरवा 81 43<sup>६</sup>

वज्रभिन्नं ह्वाचल 74 38<sup>६</sup>  
 वज्रविरूपाक्षितोद्वै 34 6<sup>०</sup>  
 वज्रवेगान्नानिहै 32 15<sup>१</sup>  
 वज्रसपाततोऽस्त्राम् 42 7<sup>६</sup>  
 वज्रसहजनास्त्रया 43 70<sup>१</sup>  
 वज्रस्त्वादावचायत 98 24<sup>६</sup>  
 वज्रं सुक्षिप्रं दृष्टं च 98 17<sup>६</sup>  
 वज्राब्जं प्रतिवह 98 25<sup>०</sup>  
 वज्रावपातप्रतिम 81 48<sup>०</sup>  
 वज्रास्त्रानिषदाश्रयै 97 22<sup>०</sup>  
 वज्रास्त्रानिसमप्रभम् 61 5<sup>६</sup>  
 वज्रातनिसमा शब्दा 59 14<sup>१</sup>  
 वज्राहसिवाचलम् 77 48<sup>६</sup>  
 वज्रेण हतलक्षणम् 34 41<sup>६</sup>  
 वज्रेण प्रसरोद ह 3 107<sup>१</sup>  
 वज्रेणैव महागिरिम् 76 6<sup>६</sup>  
 वज्रेणैव महागिरिम् 37 43<sup>१</sup>  
 वज्रेणैव विदारिवाम् 50 24<sup>६</sup>  
 वज्रेणैव हतो गिरि 88 25<sup>६</sup>  
 वज्रेणैवावरगणाना 54 18<sup>०</sup>  
 वज्रेणैवारिक्तेन 3 108<sup>६</sup>  
 वज्रे प्रदरणीयैश्च 37 13<sup>०</sup>  
 वज्रितरनेन मायया 21 26<sup>०</sup>  
 वट भाण्डरीमाश्रित 44 71<sup>६</sup>  
 वटवामुलेऽस्य वसति 35 58<sup>०</sup>  
 वणिग्मिरपदोभिता 86 45<sup>१</sup>  
 वत्सपारि सदानय 55 23<sup>१</sup>  
 वत्समन्त्रे स्थितं कृष्ण 68 16<sup>०</sup>  
 वत्सयूषानि कान्त्यन्ता 53 11<sup>१</sup>  
 वत्सवत्यश्च निर्यूता 59 10<sup>१</sup>  
 वत्सवानय गृहिम 24 18<sup>६</sup>  
 वत्सश्चावन्तको राजा 15 17<sup>१</sup>  
 वत्सस्तु मघवानसीत् ॥ 19<sup>०</sup>  
 वत्सस्तु हिमगानासीत् 6 36<sup>०</sup>  
 वत्सस्तेषामभूत्तदा ॥ 26<sup>०</sup>  
 वत्सस्य वत्सभूमिस्तु 23 71<sup>०</sup>  
 वत्स इत्वा तु वत्सकम् ॥ 22<sup>१</sup>  
 वत्स चित्रय इत्वा 6 33<sup>०</sup>  
 वत्स तु मम त पश्य ॥ 7<sup>०</sup>  
 वत्स वैधव्येण इत्वा 6 29<sup>०</sup>  
 वत्स उग्रोऽभवत्तदा 6 37<sup>१</sup>  
 वत्स सुवाली कौरव्य ६ 31<sup>१</sup>  
 वत्स सोमोऽभवत्तदा 6 16<sup>०</sup>

वत्सना रोपितै कोले 49 23<sup>a</sup>  
 वत्सनाक्षीरविशेषाश्च 4 21<sup>a</sup>  
 वत्सावते खपुत्राय 24 28<sup>a</sup>  
 वत्साश्चोन्मुखका बाला 61 24<sup>a</sup>  
 वत्साल्लिष्टान्ति मातर 61 23<sup>b</sup>  
 वत्सेषु तरणेषु च 70 5<sup>b</sup>  
 वत्सो भार्गव एव च 23 62<sup>d</sup>  
 वत्सोऽय गृह्यतामिति 16 13<sup>d</sup>  
 वदता मधुसूदन 67 22<sup>b</sup>  
 वदनेन स्मितेन च 60 7<sup>b</sup>  
 वदने पुष्करेक्षण 110 34<sup>b</sup>  
 वदन्कोधसमन्वित 91<sup>a</sup>  
 वदन्त्यश्च पुन पुन 109 9<sup>d</sup>  
 वदन्त्येव द्विजातय 31 90<sup>a</sup>  
 वदाम्यर्थवर्ती गिरम् 109 26<sup>b</sup>  
 वधमृच्छन्ति वीरय 65 67<sup>b</sup>  
 वध चाभ्यधिकाद्रणे 23 142<sup>a</sup>  
 वध प्राप धनेचरात् 28 15<sup>d</sup>  
 वध प्रातोऽप्यय बली 108 94<sup>f</sup>  
 वध विष्णु करिष्यति 31 52<sup>d</sup>  
 वधाय तेषां चिक्षेप 108 21<sup>a</sup>  
 वधाय पृथिवीक्षिताम् 43 66<sup>d</sup>  
 वधायोपेन्द्रकारणात् 67 3<sup>d</sup>  
 वधार्थे देवशान्ताम् 31 113<sup>a</sup>  
 वधार्थे सुरशत्रूणां 32 6<sup>a</sup>  
 वधिष्यति न नोऽसुर 31 49<sup>b</sup>  
 वधिष्यामि महासुरान् 45 12<sup>b</sup>  
 वधेनानेन दत्तानां 38 57<sup>a</sup>  
 वधे ह्यस्य महान्दोष 108 93<sup>a</sup>  
 वधोपाय सुदारुण 46 14<sup>d</sup>  
 वधोऽस्य प्रविचिन्त्यताम् 31 49<sup>b</sup>  
 वध्यतामयमद्यैव 108 77<sup>a</sup>  
 वध्यते योऽन्तरप्रेष्ठु 65 68<sup>a</sup>  
 वध्यश्च प्रत्यपद्यत 23 99<sup>d</sup>  
 वध्य शत्रूश्च कर्मसु 116 37<sup>a</sup>  
 वननित्यो वनेयुध 23 7<sup>a</sup>  
 वनमार्गेषु कुर्वन् 58 6<sup>a</sup>  
 वनमालाहृतोरस्कौ 52 4<sup>a</sup> 58 4<sup>a</sup>  
 वनमालापरिक्षिप्त 45 41<sup>a</sup>  
 वनमालावलम्बिना 83 24<sup>a</sup>  
 वनरात्रिदिनि स्य 73 14<sup>a</sup>  
 वनरासप्रवृत्तेन 44 34<sup>a</sup>  
 वनस्तम्बस्य जज्ञाते 98 17<sup>a</sup>

वनस्पतीनां राजान 4 9<sup>a</sup>  
 वनस्पतीनां सर्वेषां 62 61<sup>a</sup>  
 वन चैत्ररथ यया 54 40<sup>d</sup>  
 वन तत्प्रविशेह 16 35<sup>d</sup>  
 वन ते मम हेह्य 23 152<sup>b</sup>  
 वन निर्विषयाकार 55 52<sup>a</sup>  
 वन राजा समाविशत् 9 50<sup>b</sup>  
 वन वायसनादितम् 65 54<sup>b</sup>  
 वनानां च जलाम्बे 54 28<sup>b</sup>  
 वनानां द्विगुणा लक्ष्मी 59 48<sup>a</sup>  
 वनानि परिधावत 45 41<sup>b</sup>  
 वनानि प्रचकाशिते 54 5<sup>d</sup>  
 वनानि शिखराणि च 61 48<sup>d</sup>  
 वनानि स्वानि रक्षन्ति 59 25<sup>a</sup>  
 वनान्तरगतो राम 83 20<sup>a</sup>  
 वनान्ता गिरय सर्वे 59 23<sup>a</sup>  
 वनान्ते निपसाद 86 1<sup>d</sup>  
 वनान्ते युद्धालस 44 45<sup>a</sup>  
 वनान्युपवनानि च 93 68<sup>d</sup>  
 वनान्या पार्वतीयान्या 37 23<sup>a</sup>  
 वनितेवायतक्षणा 86 46<sup>d</sup>  
 वने च बालकीडा ते 63 6<sup>a</sup>  
 वने चरति शाङ्गलम् 8 31<sup>d</sup>  
 वने चारयतो मास्तु 45 43<sup>a</sup>  
 वने चैत्ररथे प्रभु 22 34<sup>d</sup>  
 वने चैत्ररथे रम्ये 21 6<sup>a</sup>  
 वने तामभ्यरोहत 10 34<sup>b</sup>  
 वने प्राणानवाप्तम् 10 32<sup>a</sup> 16 31<sup>d</sup>  
 वने वरुणमीरताम् 56 45<sup>b</sup>  
 वने राजीवलोचनम् 114 8<sup>d</sup>  
 वने विचरता पुन 96 41<sup>b</sup>  
 वने विचरतोमासौ 59 1<sup>a</sup>  
 वनेषु च विराजन्ते 59 63<sup>a</sup>  
 वनेषु तालहस्ताम् 63 27<sup>a</sup>  
 वनेषु रमते मन 59 39<sup>a</sup>  
 वन स वीरो मात्रैव 63 17<sup>a</sup>  
 वने सातुचरौ च हौ 58 7<sup>a</sup>  
 वनेऽस्मिन्नामस्त्वपि 59 24<sup>a</sup>  
 वन्यपुं पविर्मूढ 58 13<sup>a</sup>  
 वन्यपुं पारतमाभि 49 27<sup>a</sup>  
 वन्यमूलफलानि 35 32<sup>d</sup>  
 वन्यवत्प्रभुत्वौ 58 6<sup>a</sup>  
 वन्यव्यापारयुक्त्याम् 55 5<sup>a</sup>

वन्यानि विविधानि ॥ 83 21<sup>5</sup>  
 वन्याश्रमनिवासिनाम् 35 34<sup>5</sup>  
 वन्येन रमणीयेन 83 3<sup>5</sup>  
 वन्येनानेन विधिना 35 47<sup>5</sup>  
 वन्यैर्वैखानसेर्मैत्रं 68 5<sup>5</sup>  
 वन्यैः श्रीधनकैस्तदा 55 24<sup>5</sup>  
 वपुर्दुर्दान्तरात्मानम् 35 46<sup>5</sup>  
 वपुर्व्यामेकता गतो 42 31<sup>5</sup>  
 वपुषा वद्धन तदा 18 2<sup>5</sup>  
 वपुषा तेज आदत्त 112 96<sup>5</sup>  
 वपुषा शोचयन्स्थित 99 40<sup>5</sup>  
 वपुषा पञ्चनाभस्य 40 6<sup>5</sup>  
 वपुषा पञ्चतोपम 75 17<sup>5</sup>  
 वपुषा नग्मयाक्षिना 68 24<sup>5</sup>  
 वपुषा समुपस्थित 43 24<sup>5</sup>  
 वपुषा सूर्यवर्धसम् 46 4<sup>5</sup>  
 वपुः सूर्यसंवासात् 32 20<sup>5</sup>  
 वपुषि दैत्यसंघानां 35 15<sup>5</sup>  
 वपुषि प्रचक्रादिरे 81 11<sup>5</sup>  
 वमन्य पावक घोर 56 11<sup>5</sup>  
 वमन्य बोधित ज्ञानु 108 47<sup>5</sup>  
 वयमद्य महारमन 92 34<sup>5</sup>  
 वयमग्रे च ज्ञानया 59 8<sup>5</sup>, 18<sup>5</sup>  
 वयमप्याह्वय एव 45 46<sup>5</sup>  
 वयमभ्युपगम्याम 29 5<sup>5</sup>  
 वयमस्य महारमन 113 69<sup>5</sup>  
 वयसोऽन्ते महाबाहु 23 68<sup>5</sup>  
 वयं कातरता गता 85 46<sup>5</sup>  
 वयं च परितोषिना 38 57<sup>5</sup>  
 वयं चापि पराचिवा 77 50<sup>5</sup>  
 वयं चापि रिरसव 89 20<sup>5</sup>  
 वयं वैधेह सम्भूता 84 2<sup>5</sup>  
 वयं तवानुगा सर्वे 63 9<sup>5</sup>  
 वयं क्षीर्णं महाभयात् 63 3<sup>5</sup>  
 वयं तु यतधर्माणि 12 15<sup>5</sup>  
 वयं स्वयं चिनाहता 109 8<sup>5</sup>  
 वयं दीक्षा प्रवेद्याम 5 9<sup>5</sup>  
 वयं तु रोष्वनुचिता 77 13<sup>5</sup>  
 वयं वनचरा गोप 59 20<sup>5</sup>  
 वयं सर्वे परस्परम् 12 40<sup>5</sup>  
 वयं हि देसातिथय 71 28<sup>5</sup>  
 वयाभि साधुवाक्यानि 79 33<sup>5</sup>  
 वयोभिर्वाससुभता 68 15<sup>5</sup>

वयोरूपगुणोपेता 89 7<sup>5</sup>  
 वरकालोऽयमागत 112 117<sup>5</sup>  
 वरदत्तान्महासुरान् 91 4<sup>5</sup>  
 वरदत्तो महासुर 31 137<sup>5</sup> 91 16<sup>5</sup>, 19<sup>5</sup>  
 वरदा कामरूपिणी 47 50<sup>5</sup>  
 वरदानं च देवेभ्य 85 45<sup>5</sup>  
 वरदानात्पिनाकिन 85 25<sup>5</sup>  
 वरदानेन दार्पितम् 31 63<sup>5</sup>, 124<sup>5</sup>  
 वरदानेन दार्पित 31 54<sup>5</sup>  
 वरदानेन भगवन् 31 49<sup>5</sup>  
 वरदेन वरो दत्त 31 97<sup>5</sup>  
 वरप्रदानं श्रुत्वा 31 48<sup>5</sup>  
 वरमेतं वृणोम्यहम् 31 43<sup>5</sup>  
 वरयामास तां राजा 87 17<sup>5</sup>  
 वरयामास नृपति 27 10<sup>5</sup>  
 वरश्चैव हि कीरव्य 23 155<sup>5</sup>  
 वरक्षी मल्लचारिणी 3 38<sup>5</sup>  
 वरं वरमृता वर 38 62<sup>5</sup>  
 वरं वरय भद्रं ते 31 40<sup>5</sup>  
 वरं वृणीष्व बाण एव 112 117<sup>5</sup>  
 वरं ह्यवानपत्यता 69 13<sup>5</sup>  
 वरं प्रीतेन भात 23 30<sup>5</sup>  
 वराणां वरदो भवान् 38 62<sup>5</sup>  
 वराभ्यां च महोपरम् 70 19<sup>5</sup>  
 वरासनगत वज्र 108 3<sup>5</sup>  
 वराहसुगणक्षिणम् 93 66<sup>5</sup>  
 वराहक्षेपता परे 33 24<sup>5</sup>  
 वराहपदनाक्तथा 31 81<sup>5</sup>  
 वराहश्च किञ्चोरश्च 44 73<sup>5</sup>  
 वराहं प्रमुखा वसू 33 16<sup>5</sup>  
 वराहं सहरो रुज 31 72<sup>5</sup>  
 वराहणं पुनर्युत्वा 42 34<sup>5</sup>  
 वराहोद्भूतनिस्स्रै 75 31<sup>5</sup>  
 वरिष्ठं सर्वधर्माणां 14 10<sup>5</sup>  
 वरिष्ठो दानयेपु य 44 70<sup>5</sup>  
 वरिष्ठोऽद्विजिह्वयुष 33 20<sup>5</sup>  
 वरीदासात्मजो विद्वान् 23 148<sup>5</sup>  
 वरीवाश्चावरीवांश्च 7 45<sup>5</sup>  
 वरुणस्य च गां गते 44 4<sup>5</sup>  
 वरुणस्य महारमन 45 20<sup>5</sup>  
 वरुणस्याभिनि घृता 113 26<sup>5</sup>  
 वरणं च यमं चैव 43 68<sup>5</sup>  
 वरुणं पर्यवस्थित 113 17<sup>5</sup>

धरुणः पश्चिमं पक्षम् 34 18<sup>०</sup>.  
 धरुणः पाशभृन्मध्ये 34 15<sup>०</sup>.  
 धरुणः पीडितो रणे 113 22<sup>०</sup>.  
 धरुणः प्रत्ययुध्यत 113 22<sup>०</sup>.  
 धरुणः समधारात् 113 20<sup>०</sup>.  
 धरुणादाहतं पूर्वं 92 6<sup>०</sup>.  
 धरुणालयमन्तिकत् 113 12<sup>०</sup>.  
 धरुणेन प्रयुक्तानि 113 15<sup>०</sup>.  
 धरुणेन धरुयिना 36 10<sup>०</sup>.  
 धरुणेनादमच्युत 45 31<sup>०</sup>.  
 धरुणेनैवमुक्तस्तु 113 44<sup>०</sup>.  
 धरुणेष्व् महारणे 36 14<sup>०</sup>.  
 धरुणो लोहितहृदे 105 10<sup>०</sup>.  
 धरुणो वाक्पयमप्रवात् 35 22<sup>०</sup>, 113. 38<sup>०</sup>.  
 धरुणो दासवो यमः 31 45<sup>०</sup>.  
 धरेण छन्दयामास 3 98<sup>०</sup>.  
 धरेण छन्दितो देवै 85 41<sup>०</sup>.  
 धरेण सा तृतीयेन 112 122<sup>०</sup>.  
 धरेण्यः प्रभुरीधर 45 1<sup>०</sup>.  
 धरोऽस्तु यदि मन्मसे 112 118<sup>०</sup>.  
 धर्चरुनी येन जायते 3 34<sup>०</sup>.  
 धर्जयित्वा गदाधरम् 36 29<sup>०</sup>.  
 धर्णचोरास्सुस्थितात् 54 22<sup>०</sup>.  
 धर्णरूपाणि विभ्रन्तः 103 15<sup>०</sup>.  
 धर्णासक्त्यसां याति 54. 37<sup>०</sup>.  
 धर्णाक्षुगुरजसा 41 7<sup>०</sup>.  
 धर्णा धर्मपरास्तथा 41. 29<sup>०</sup>.  
 धर्णानां क्रमपारणा 65 15<sup>०</sup>.  
 धर्तते दानवोरिधतम् 40 46<sup>०</sup>.  
 धर्तते पुरुषोत्तम 113 37<sup>०</sup>.  
 धर्तन्ति देवप्रवरा 13 3<sup>०</sup>.  
 धर्तन्तेऽद्यापि नित्यम् 8 15<sup>०</sup>.  
 धर्तन्ते पितर स्वर्गे 11 11<sup>०</sup>.  
 धर्तन्ते समित्तिजय 113 26<sup>०</sup>.  
 धर्तन्ते सांप्रतेऽन्तरे 7 33<sup>०</sup>.  
 धर्तमानमवैक्षत 110 23<sup>०</sup>.  
 धर्तमाने हृते युगे 32 10<sup>०</sup>.  
 धर्तमाने ॥ सत्यमे 36 44<sup>०</sup>.  
 धर्तमाने जगन्मये 68 11<sup>०</sup>.  
 धर्तमाने मखे येन 31 115<sup>०</sup>.  
 धर्तयन्ति विद्यायाश्च 6 32<sup>०</sup>.  
 धर्तयन्त्यमितप्रज्ञा 6 27<sup>०</sup>.  
 धर्तयाना प्रयेयती 76 11<sup>०</sup>.

धर्तयामोपसुज्ज्ञानाः 59 8<sup>०</sup>.  
 धर्तयामो महायुगे 12 15<sup>०</sup>.  
 धर्तयिष्यन्ति मानवाः 117 31<sup>०</sup>.  
 धर्तसे स्वं ययाविधि 113 37<sup>०</sup>.  
 धर्तितव्यं सुखार्थिना 118 34<sup>०</sup>.  
 धर्तितव्यं सुतेषु वै ४ 22<sup>०</sup>.  
 धर्तितेऽर्जुननिभे 30 46<sup>०</sup>.  
 धर्षनीया वयं नूनं 83 9<sup>०</sup>.  
 धर्षन्त यन्नेषु तम् 85 17<sup>०</sup>.  
 धर्षमान इचाग्भोद 65 21<sup>०</sup>.  
 धर्षमानमिवानलम् 65 1<sup>०</sup>.  
 धर्षमानं नभस्तले 38 37<sup>०</sup>.  
 धर्षमानान्महीपतिः 22 35<sup>०</sup>.  
 धर्षमानस्तुपायेतो 49 9<sup>०</sup>.  
 धर्षमानां दुरासदाश्च 53 1<sup>०</sup>.  
 धर्षमानेषु रात्र्यु 65 5<sup>०</sup>.  
 धर्षमानो ममानर्थः 65 20<sup>०</sup>.  
 धर्षयन्ति दिवौक्त 45 37<sup>०</sup>.  
 धर्षयन्ति हृषीकेश 40 38<sup>०</sup>.  
 धर्षयन्ती महारत्नः 49 40<sup>०</sup>.  
 धर्षयन्परिवर्तते 30 48<sup>०</sup>.  
 धर्षयस्व मत्ताबाहो 45 39<sup>०</sup>.  
 धर्षयात्मानमारमना 35 30<sup>०</sup>.  
 धर्षदिप्यन्ति नित्यदा 12 36<sup>०</sup>.  
 धर्षासि प्रसवैस्तथा 62 39<sup>०</sup>.  
 धर्षितामृतसचयम् 43 60<sup>०</sup>.  
 धर्मशास्त्रापुष्पजम् 85 66<sup>०</sup>.  
 धर्षेतेनुस्ततोऽभयम् 23 69<sup>०</sup>.  
 धर्षेतेऽस्तु दायादः 23 70<sup>०</sup>.  
 धर्षतीयाष्टतं देवे 53 33<sup>०</sup>.  
 धर्षेष्टाण्य दुर्धरम् 61 27<sup>०</sup>.  
 धर्षेष्टाननेकदा 44 24<sup>०</sup>.  
 धर्षेष्टासमदाया 54 14<sup>०</sup>.  
 धर्षमाणमिवागुत्तम् 92 5<sup>०</sup>.  
 धर्षसख्याः सदृशताः 42 26<sup>०</sup>.  
 धर्ष वासयोपयम् 65 30<sup>०</sup>.  
 धर्षाण्यष्टादीय मे 14 12<sup>०</sup>.  
 धर्षार्थं च चरतो मित्यं 62 46<sup>०</sup>.  
 धर्षास्तु घाला पदता 116 26<sup>०</sup>.  
 धर्षेण ॥ मयेन च 61 41<sup>०</sup>.  
 धर्षे दारुणमे तथा 23 9<sup>०</sup>.  
 धर्षभीर्भिर्भिर्मितम् 72 3<sup>०</sup>.  
 धर्षभीरीपयस्तथा 72 7<sup>०</sup>.

बल्योऽभ्रतरंगाना 67 24<sup>०</sup>  
 बलहान्यजिनानि च 117 33<sup>०</sup>  
 बलमान यथा सिंह 75 3<sup>०</sup>  
 बलमाने तु गोविन्दे 75 6<sup>०</sup>  
 बलदायमानमारमना 60 22<sup>०</sup>  
 बलन्दे त तदाच्युत 92 51<sup>०</sup>  
 बलन्दे व महीपतिम् 10 52<sup>०</sup>  
 बलन्दे तान्पुष्पान्मवाव 39 18<sup>०</sup>  
 बलन्दे ता शचीपति 92 55<sup>०</sup>  
 बलन्दे वसुदेवस्य 76 42<sup>०</sup>  
 बलन्दे धृष्टिपुत्रपतिम् 95 १०<sup>०</sup>  
 बलन्दे सह रामेण 95 10<sup>०</sup>  
 बलपे त्रिदिवेश्वर 48 16<sup>०</sup>  
 बलपे रत्नमातुलम् 67 25<sup>०</sup>  
 बलपे शरजाहानि 108 61<sup>०</sup>  
 बलपे हरिबाहुन 24 6<sup>०</sup>  
 बलपुं पुनर्वसुं च 62 61<sup>०</sup>  
 बलुवांता नगद्विता 62 63<sup>०</sup>  
 बलुवांता सुदायणा 106 46<sup>०</sup>  
 बलुवाते महात्माना 96 44<sup>०</sup>  
 बलुवाते महासुरौ 42 16<sup>०</sup>  
 बलुवाते सुज च तौ 50 2<sup>०</sup>  
 बलुपुत्र वपासुखम् 10 59<sup>०</sup>  
 बलुपुत्रस्य बाहव 37 40<sup>०</sup>  
 बलुपुत्र पुर शिशु 25 12<sup>०</sup> 85 15<sup>०</sup>  
 बलुपुत्र पुनर्लोकान् 38 36<sup>०</sup>  
 बलुपुत्र सुमहाकाय 58 24<sup>०</sup>  
 बलुपुत्र साञ्जतक्रोशन 35 62<sup>०</sup>  
 बलुपुत्र महाइका 61 12<sup>०</sup>  
 बलौ मन्मथयोधन 73 14<sup>०</sup>  
 बलौ मेघश्वोद्धत 100 17<sup>०</sup>  
 बलशक्ते वरानन 56 33<sup>०</sup>  
 बलागारिभिनिग्रहे 35 70<sup>०</sup>  
 बली मयति पञ्चानाम् 23 165<sup>०</sup>  
 बली तिष्ठति शोभना 47<sup>०</sup>  
 बली तिष्ठत्यसशयम् 29 5<sup>०</sup>  
 बलदकाराश्रयौ पुन 110 26<sup>०</sup>  
 बलते परममीता 65 57<sup>०</sup>  
 बलस्यमेच्छया हरि 48 9<sup>०</sup>  
 बलन्ति दिवि देवता 109 3<sup>०</sup>  
 बलति सत्प्राशये 106 24<sup>०</sup>  
 बलत प्रच्युता स्वर्गात् 43 43<sup>०</sup>

बलस्योऽप्यधिपतिवपि 113 58<sup>०</sup>  
 बलस्यो नामभि श्रुता 3 32<sup>०</sup>  
 बलस्यो मरुतस्तथा 7 32<sup>०</sup>  
 बलस्यो यत्र गङ्गाया 43 47<sup>०</sup>  
 बलस्योऽष्टौ समाख्याता 3 31<sup>०</sup>  
 बलसीद यदृच्छया 63 9<sup>०</sup>  
 बलातिप्रमुखाश्चन्द्र्ये 9 41<sup>०</sup>  
 बलाना मेचक क्षौम 47 41<sup>०</sup>  
 बलाना विविधा कृया 92 11<sup>०</sup>  
 बलाना हसलक्षणाम् 55 36<sup>०</sup>  
 बलानो रत्नभूषण 44 8<sup>०</sup>  
 बलामेदोक्षिभिर्द्वैतम् 49 19<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठपुत्रा ससासन् 7 15<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठवचनाद्यासीत् 9 19<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठवचनात्प्रभु 9 43<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठवचनाद्वाजन् 10 45<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठस्य च दान्दष्टा 10 40<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठस्य च कौशिक 10 20<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठस्य प्रजापते 13 51<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठस्य महात्मन 10 13<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठ च महातेजा 1 29<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठ शरण गत्या 10 39<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठ कारणेन हि 10 6<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठ कृतवास्तदा 10 8<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठ पर्यस्तत 10 4<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठोऽप्यधिक मय्यु 10 5<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठे मनसाकरोत् 10 8<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठोऽप्यस्य पुत्रु 10 15<sup>०</sup>  
 बलतिष्ठो भगवानपि 93<sup>०</sup>  
 बलुदेव इति ख्यात 45 34<sup>०</sup>  
 बलुदेव कुलस्थस्य 65 69<sup>०</sup>  
 बलुदेवकुले धीमान् 30 3<sup>०</sup>  
 बलुदेवकुले प्रभु 113 72<sup>०</sup>  
 बलुदेवकुलेऽभवत् 31 11<sup>०</sup>  
 बलुदेवगृहे प्रभु 45 49<sup>०</sup>  
 बलुदेवगृहे स्थिता 71 3<sup>०</sup>  
 बलुदेवपुर सरा 28 27<sup>०</sup>  
 बलुदेवपुरोगमा 84 16<sup>०</sup>  
 बलुदेवमिगईण्वत् 66 23<sup>०</sup>  
 बलुदेव वृथामते 65 73<sup>०</sup>  
 बलुदेव वृथाहृद 65 70<sup>०</sup>  
 बलुदेवश्च दुर्द्वैत 76 21<sup>०</sup>  
 बलुदेवश्च सरस्य 47 5<sup>०</sup>

वसुदेवसहायवान् 66 38<sup>१</sup>  
 वसुदेवसुखावहा 49 30<sup>१</sup>  
 वसुदेवसुतस्त 96 34<sup>१</sup>  
 वसुदेवसुतावृत्ता 54 1<sup>१</sup> 57 2<sup>१</sup> 58 1<sup>१</sup> 65 85<sup>१</sup>  
 79 25<sup>१</sup>, 39<sup>१</sup> 81 53<sup>१</sup>  
 वसुदेवसुतेन वै 63 14<sup>१</sup>  
 वसुदेवसुतो बली 65 60<sup>१</sup>  
 वसुदेवसुतो सौ तु 71 22<sup>१</sup>  
 वसुदेवसुतो नीचौ 79 3<sup>१</sup>  
 वसुदेवसुतो हरी 74 21<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तथैवाप 65 63<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तु सगृह्य 48 18<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तु तु सुतान् 24 34<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तु बुधै 65 80<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तु धीमत् 49 77<sup>१</sup> 45 36<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तु भवन 79 38<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तु भार्यास्तु 25 6<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तु रोहिणीस्तु 48 5<sup>१</sup>  
 वसुदेवस्तु वीर्यवान् 48 29<sup>१</sup>  
 वसुदेव व देवता 65 5<sup>१</sup>  
 वसुदेव व पुत्रार्थे 66 18<sup>१</sup>  
 वसुदेव धर्मवत् 66 33<sup>१</sup>  
 वसुदेव पुरस्त्व 94 14<sup>१</sup>  
 वसुदेव प्रति प्रभो 65 46<sup>१</sup>  
 वसुदेव महाबलम् 69 18<sup>१</sup>  
 वसुदेव सवान्धवम् 96 50<sup>१</sup>  
 वसुदेव कृतार्था वै 48 20<sup>१</sup>  
 वसुदेव विता तव 63 5<sup>१</sup>  
 वसुदेव प्रतापवान् 24 28<sup>१</sup> 96 28<sup>१</sup>  
 वसुदेव सवान्धव 73 5<sup>१</sup>  
 वसुदेवप्रान पुण्या 93 57<sup>१</sup>  
 वसुदेवश्च देवव्या 25 4<sup>१</sup>  
 वसुदेवाज्ञानादन 91 11<sup>१</sup>  
 वसुदेवात्मज विभो 85 58<sup>१</sup>  
 वसुदेवात्महास 88 23<sup>१</sup>  
 वसुदेवाय सा द्रवौ 27 26<sup>१</sup>  
 वसुदेवे स्वया क्षिप्ते 66 22<sup>१</sup>  
 वसुदेवेन तां विप्रा 94 26<sup>१</sup>  
 वसुदेवेन ते रात्रौ 65 48<sup>१</sup>  
 वसुदेवेन भीमता 68 37<sup>१</sup>  
 वसुदेवेन पुत्रवत् 66 19<sup>१</sup>  
 वसुदेवेन संधाय 65 50<sup>१</sup>  
 वसुदेवेन सुवत् 65 96<sup>१</sup>

वसुदेवो जरा त्यक्त्वा 76 12<sup>१</sup>  
 वसुदेवोऽभवद्विष्य 80 6<sup>१</sup>  
 वसुदेवो वसुपम 65 97<sup>१</sup>  
 वसुधामनुनादयन् 88 25<sup>१</sup>  
 वसुधामिदमब्रवीत् 5 53<sup>१</sup>  
 वसुधा वसुधेश्वर 31 99<sup>१</sup>  
 वसुधेय दिव गता 81 12<sup>१</sup>  
 वसुधेय मुने धन्या 100 47<sup>१</sup>  
 वसु यन्निपु लोकेषु 92 15<sup>१</sup>  
 वसुधराया माहायमे 44 17<sup>१</sup>  
 वसु नामान्तरिक्षगम् 13 26<sup>१</sup>  
 वसुनामय पावकम् 4 3<sup>१</sup>  
 वसुनामहमस्तु तु 3 39<sup>१</sup>  
 वसुनामहमे भानो 44 3<sup>१</sup>  
 वसुना वा किमर्थं च 63 8<sup>१</sup>  
 वसोरेव तदा वक्षे 87 19<sup>१</sup>  
 वसोऽद्विपतेलदा 22 13<sup>१</sup>  
 वसोस्तु वसव स्तुता 3 27<sup>१</sup>  
 वस्तव्य निर्विशङ्कया 8 10<sup>१</sup>  
 वस्तानि विविधानि च 91 11<sup>१</sup>  
 वक्षोभरणैर्मोहि 94 25<sup>१</sup>  
 वक्षेरुहयिषोर्विह्वलै 53 16<sup>१</sup>  
 वदन्तो मुरगजिनौ 88 8<sup>१</sup>  
 वदन्सकर्मणस्तदा 110 6<sup>१</sup>  
 वक्षेरिव शिखा दीप्तौ 87 34<sup>१</sup>  
 वक्ष्येभानुरात्मज 23 123<sup>१</sup>  
 वक्ष्येवैवस्तस्य च 13 67<sup>१</sup>  
 वक्ष्यमतिष्ठामन्तुर्लौ 113 79<sup>१</sup>  
 वक्ष्यमत्रे महामन 23 9<sup>१</sup>  
 वक्ष्यमस्य महाशत्रु 20 47<sup>१</sup>  
 वक्ष्यामस्मिन्निपुण्य 68 29<sup>१</sup>  
 वक्ष्यामस्मिन्निपुण्य 23 167<sup>१</sup>  
 वक्ष्यामस्मिन्निपुण्य 107 28<sup>१</sup>  
 वक्ष्य हृत्प्राप्तो महर्ष 45 19<sup>१</sup>  
 वक्ष्य शत्रुर्विषयतम् 22 41<sup>१</sup>  
 वक्ष्य कार्त्तव्येन वै प्रोक्ष 15 65<sup>१</sup>  
 वक्ष्यतूरे हिमयामास 22 9<sup>१</sup>  
 वक्ष्ययामिनिषोपमम् 15 41<sup>१</sup>  
 वक्ष्ययामात्रे वारयन्ति 77 33<sup>१</sup>  
 वक्ष्ययमेतदुवाच ह 112 99<sup>१</sup>  
 वक्ष्ययस्यास्य यदुक्तम् 100 82<sup>१</sup>  
 वक्ष्ययस्यास्य विनिर्णयम् 100 83<sup>१</sup>  
 वक्ष्ययं कृष्णः स्वतंत्रता 70 25<sup>१</sup>

वाक्य चेदमुवाच ह 35 64<sup>d</sup> 75 16<sup>d</sup>  
 वाक्य दामोदरोऽग्रवीत् 59 19<sup>d</sup>  
 वाक्य पङ्कजन्मन 31 53<sup>d</sup>  
 वाच मा प्रतिवाधते 100 42<sup>d</sup>  
 वाच लोकपितामह 43 11<sup>d</sup>  
 वाच सज्ञासमीरितम् 56 29<sup>d</sup>  
 वाचये चिन्तायिलेक्षण 107 13<sup>d</sup>  
 वाचाल्येहाह्वयमानस्तु 65 98<sup>d</sup>  
 वायुवाचासीरिणी 89 40<sup>d</sup>  
 वायुष्ट्र क्रोधनो हिंस्र 16 4<sup>d</sup>  
 वायुस्त्रिनियतास्तथा 113 61<sup>d</sup>  
 वाग्मिरप्रतिरूपाभि 38 22<sup>d</sup>  
 वाग्मिर्भाष्मकसूनुना 89 33<sup>d</sup>  
 वाग्मिर्मन्त्रपरायणा 62 69<sup>d</sup>  
 वाग्मि समभित्तैर्यत् 48 23<sup>d</sup>  
 वाग्यन कर्मज्ञानि वै 12 26<sup>d</sup>  
 वाद्यात्र तु फेदस् 46 31<sup>d</sup>  
 वाच रूक्षामभिमुद 108 78<sup>d</sup>  
 वाच श्रोत्रमुखावहा 73 12<sup>d</sup>  
 वाच स परयास्तोत्रा 102 12<sup>d</sup>  
 वाचा दुर्भोषि भर्मेन्नया 66 14<sup>d</sup>  
 वाचा भयुरथा तदा 11 20<sup>d</sup>  
 वाचो मुह्यन्ति सुस्वरा 61 36<sup>d</sup>  
 वाचोऽश्रूयन्त सर्वथा 108 38<sup>d</sup>  
 वाच्यश्च नन्दगोपो वै 65 84<sup>d</sup>  
 वाच्यश्च यद्वच कृता 65 81<sup>d</sup>  
 वाजिभिर्मैयसकारै 81 17<sup>d</sup>  
 वाजिभिर्वारणैश्चापि 87 43<sup>d</sup>  
 वाजिमेष परतप 115 35<sup>d</sup>  
 वाजिमेषाय वीक्षित 10 46<sup>d</sup>  
 वाजिमेषन चेष्टवान् 31 105<sup>d</sup>  
 वाजिमेषे महामखे 13 56<sup>d</sup>  
 वाजिमेषे महायसा 31 107<sup>d</sup>  
 वाजिसारसपरिणी 113 51<sup>d</sup>  
 वाजी सुमतिरिव च 7 45<sup>d</sup>  
 वायुनैर्यंहाहकै 59 14<sup>d</sup>  
 वातस्कृपाविद्वत् 36 37<sup>d</sup>  
 वातस्य प्रतिपेधयन् 110 9<sup>d</sup>  
 वाता हव वराहकान् 81 46<sup>d</sup>  
 वातापिर्नमुचिश्चैव 3 77<sup>d</sup>  
 वाता मद्गदीपना 54 33<sup>d</sup>  
 वातोद्भूता ह्योर्मैव 112 57<sup>d</sup>  
 वातोद्भूतैरिव घनै 110 45<sup>d</sup>

वाद्यन्तौ वराननी 52 3<sup>d</sup>  
 वाद्यान वचिद्वने 55 11<sup>d</sup>  
 वाद्यामास धीर्यवान् 55 26<sup>d</sup>  
 वादशीलपरायणा 117 9<sup>d</sup>  
 वाद्यमाने स शुभ्राव 107 4<sup>d</sup>  
 वानरेन्द्रो महाजल 31 131<sup>d</sup>  
 वानरौ च महासीर्यौ 105 20<sup>d</sup>  
 वारीषु च सवित्तु च 62 52<sup>d</sup>  
 वाच्यश्च विकचोत्पला 59 40<sup>d</sup>, 94 5<sup>d</sup>  
 वामनेन तु रूपेण 65 38<sup>d</sup>  
 वाच्यमथ सवित्र 112 25<sup>d</sup>  
 वाच्यमथयपार्जयै 112 35<sup>d</sup>  
 वापसाना सहस्राणि 24 31<sup>d</sup>  
 वायुगुटेन वै पथा 92 66<sup>d</sup>  
 वायुना तुल्यवृत्तिनाम् 62 31<sup>d</sup>  
 वायुनिर्वाणकारिणा 71 45<sup>d</sup>  
 वायुप्राणो हुताशन 30 38<sup>d</sup>  
 वायुप्राणो तु नै रूक्ष 42 17<sup>d</sup>  
 वायुप्रोक्ता महाराज 7 21<sup>d</sup>  
 वायुप्रोक्ता महाव्रता 7 11<sup>d</sup>  
 वायुभक्षो महातपा 18 9<sup>d</sup>  
 वायुमन्त्रधीयत 86 72<sup>d</sup>  
 वायुराभोपमगति 86 70<sup>d</sup>  
 वायुगविष्टो नमुचि 31 74<sup>d</sup>  
 वायुराकायुरात्मा 58 33<sup>d</sup>  
 वायुर्वायुविभाषन 30 31<sup>d</sup>  
 वायुवेगती सौम्या 37 17<sup>d</sup>  
 वायुवेगेन व दप्सो 110 34<sup>d</sup>  
 वायुध्वरान् मार्गस्थ 38 72<sup>d</sup>  
 वायु च तरसा जित्वा 37 54<sup>d</sup>  
 वायु प्रधावितस्तत्र 36 35<sup>d</sup>  
 वायु प्रवेशन चक्रे 30 46<sup>d</sup>  
 वायु प्राणाश्च प्राणिषु 38 74<sup>d</sup>  
 वायोऽस्त्रस्य च गर्जित 61 34<sup>d</sup>  
 वायो हुत्वा सम अवम् 38 48<sup>d</sup>  
 वायो सतानन्ना वनुम् 62 92<sup>d</sup>  
 वारवृत्तितोवायुदक्षैरकल्पम् 33 32<sup>d</sup>  
 वाच्यं वराहमा मन्त्रैरिह 31 25<sup>d</sup>  
 वाच्यमथमथा सतत 18 1<sup>d</sup>  
 वाच्यविरितह्लोद्वारे 34 13<sup>d</sup>  
 वाच्यविरित तु मेघेषु 59 13<sup>d</sup>  
 वाचन शत्रुवातजम् 23 39<sup>d</sup>  
 वाचाना च रामानम् 4 8<sup>d</sup>

चारणाभ्या यथा वने 75 29<sup>d</sup>  
 चारणे घातन तथा 112 40<sup>b</sup>  
 चारणेन्द्रगत शक 91 41<sup>a</sup>  
 चारणैर्वारिदोपमे 81 16<sup>b</sup>  
 चारमुत्थाश्र ता सर्व 76 13<sup>a</sup>  
 चारयन्वाचयमन्त्रवीत् 112 6<sup>a</sup>  
 चारयामास वै विमु 61 60<sup>d</sup>  
 चारयित्वा च केशव 112 26<sup>b</sup>  
 चाराह एष कथित 31 31<sup>a</sup>  
 चाराहस्तु श्रुतिसुख 31 21<sup>a</sup>  
 चाराह रूपमास्थाय 65 40<sup>a</sup>  
 चाराह रूपमास्थित 31 21<sup>d</sup>  
 चाराह यपुरास्थित 30 11<sup>b</sup>  
 चारिणा मेघमुक्तेन 11 17<sup>a</sup>  
 चारिदुर्गा जनाहन 85 5<sup>b</sup>  
 चारिराजपरिक्षिप्त 34 48<sup>a</sup>  
 चारि सुखाय वेगेन 9 71<sup>a</sup>  
 चारिस्पर्शसुखानिलात् 55 28<sup>b</sup>  
 चारुणाना सङ्घरा 113 14<sup>b</sup>  
 चारुणास्त्रेण सपोरय 113 25<sup>a</sup>  
 चारुणास्तुरगाभ्युन्नत 31 107<sup>a</sup>  
 चारुणी दिशमास्थिता 113 7<sup>b</sup>  
 चारुणे वितते क्रतौ 3 95<sup>b</sup>  
 चार्जिनोवतमिच्छन्ति 26 1<sup>a</sup>  
 चार्पिकेयानकम्पिता 59 34<sup>b</sup>  
 चाली विनिर्दुत सत्ये 31 121<sup>a</sup>  
 चालुका गर्हितस्तदा 9 70<sup>b</sup>  
 चालुकान्मर्हिषो महात् 9 53<sup>a</sup>  
 चालुकार्णवमण्ययम् 11 68<sup>a</sup>  
 चासानीषु शिवायु च 68 3<sup>a</sup>  
 चासवस्था न मृधयति 118 24<sup>a</sup>  
 चासवस्तोमस्य भद्ररगा 65 30<sup>a</sup>  
 चासव च रूपे जित्वा 105 10<sup>a</sup>  
 चासर्वं भरती यथा 87 51<sup>a</sup>  
 चासव मोहन तथा 112 23<sup>b</sup>  
 चासव प्रत्यक्षवत् 91 28<sup>a</sup>  
 चासव सतत्रतप्तसर्वात् 113 64<sup>a</sup>  
 चासवावरजो विष्णु 92 1<sup>a</sup>  
 चासवो धर्मदिग्यन्ति 115 28<sup>a</sup>  
 चासयोपमविश्रम 92 1<sup>b</sup>  
 चासयो वसुधाधिप 91 43<sup>b</sup>  
 चासवो चासवानुत्तम 91 32<sup>b</sup>  
 चासवो वासुदेवश्च 92 53<sup>a</sup>

चास चास्य प्रदास्यामि 35 54<sup>a</sup>  
 चास च मित्रविन्दामा 93 48<sup>a</sup>  
 चास सुपरमार्चितम् 93 45<sup>a</sup>  
 चासाय वसुदोपम 68 15<sup>b</sup>  
 चासायोपगवास्तदा 102 1<sup>a</sup>  
 चासासि विजामि वै 71 7<sup>a</sup>  
 चासिनेय वनस्थली 57 7<sup>a</sup>  
 चासिह इति विश्रुत्वा 7 15<sup>a</sup>  
 चासुक्त्रियमुक्तं प्रभुम् 70 22<sup>a</sup>  
 चासुक्ति वनरोधर 70 24<sup>a</sup>  
 चासुदेवगतिश्चैव 113 74<sup>a</sup>  
 चासुदेवगृह देवा 113 55<sup>a</sup>  
 चासुदेववावगाव 30 3<sup>a</sup>  
 चासुदेवदिरक्षया 96 7<sup>a</sup>  
 चासुदेवनिवेत्तनम् 94 14<sup>a</sup>  
 चासुदेवपुरोगमा 84 20<sup>a</sup>  
 चासुदेवपुरोगमे 9 26<sup>a</sup>  
 चासुदेवमथारक्ष्य 85 53<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्तु च दृष्ट्वा 85 35<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्तु निर्जित 28 26<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य सौ सुतो 98 21<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य धीमता 52 23<sup>a</sup> 106 1<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य साहाय्य 31 12<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य च क्रोध 109 6<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य सन्नयात् 113 59<sup>a</sup>  
 चासुदेव सतोऽप्ययु 88 18<sup>a</sup>  
 चासुदेव तु त सत्त्वा 85 49<sup>a</sup>  
 चासुदेव विशावीहि 85 58<sup>a</sup>  
 चासुदेव प्रवापचात् 109 76<sup>a</sup>, 87<sup>a</sup> 112 23<sup>a</sup>, 48<sup>a</sup>  
 चासुदेव समानास्य 85 34<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य तदा 96 13<sup>a</sup>  
 चासुदेवार्जुनास्यं च 80 11<sup>a</sup>  
 चासुदेवे च कापित 66 23<sup>a</sup>  
 चासुदेवेति विप्रुह 113 71<sup>a</sup>  
 चासुदेवेन धीमता 87 21<sup>a</sup> 112 3<sup>a</sup>  
 चासुदेवेन यत्रासौ 106 5<sup>a</sup>  
 चासुदेवेन स कथं 106 3<sup>a</sup>  
 चासुदेवेऽप्ययं 93 35<sup>a</sup>  
 चासुदेवा ज्यैष्ठ्यं सदा 110 67<sup>a</sup>  
 चासुदेवोऽनुमाय च 95 1<sup>a</sup>  
 चासुदेवादि धर्मात्मा 85 63<sup>a</sup>  
 चासुदेवोऽप्ययं 109 6<sup>a</sup> 113 23<sup>a</sup>  
 चासुदेवा भविष्यति 65 59<sup>a</sup>



बासुदेवो महाबाहु 24 18<sup>a</sup>  
 बासुदेवो महायथा 85 36<sup>b</sup>  
 बासुदेवो मुमोच ह 112 25<sup>a</sup>  
 बासो याचितुमर्हथ 71 11<sup>d</sup>  
 बास्तुदैवतकर्माणि 86 13<sup>a</sup>  
 बास्तुनि च गताग्रज 84 33<sup>b</sup>  
 बाहनाना हितं चैव 84 25<sup>a</sup>  
 बाहनानि च न सन्ति 84 4<sup>a</sup>  
 बाहूनां प्रचोदिते 35 4<sup>b</sup>  
 बाहूनि मयथा सर्वे 110 45<sup>a</sup>  
 बिक्रु च महाबलम् 65 9<sup>b</sup>  
 बिक्रु मन्त्रिपुत्रम् 86 76<sup>a</sup>  
 बिक्रपाल विधेरा ह 58 52<sup>b</sup>  
 बिकर्णलस्य चात्मज 23 40<sup>b</sup>  
 बिकर्मस्था द्विजातय 116 32<sup>b</sup>  
 बिकर्पन्त्ययूथानि 81 68<sup>a</sup>  
 बिकाङ्क्षमाणसक्षयम् 110 4<sup>a</sup>  
 बिकारायतनेऽनघ 113 38<sup>b</sup>  
 बिकारासि रिक्काराणा 113 38<sup>a</sup>  
 बिकीर्यं पुण्डरीकाक्ष 97 7<sup>a</sup>  
 बिकृतिवाद्योषधत्वात् 9 39<sup>b</sup>  
 बिकुण्डलाभ्या वर्णाभ्या 76 33<sup>a</sup>  
 बिहृत सोमसोमित 31 25<sup>a</sup>  
 बिहृतौ पापदर्शिनौ 76 19<sup>b</sup>  
 बिहृष्य च गतायुषम् 76 37<sup>b</sup>  
 बिहृष्य च महाबल 112 80<sup>b</sup>  
 बिकोपौक्षासिभिस्तोष्यौ 37 13<sup>a</sup>  
 बिक्रमा धर्मनिक्षया 1 3<sup>b</sup>  
 बिक्रमेण ध्रुवेन वा 23 149<sup>a</sup>  
 बिक्रमैश्चिभिरक्षोभ्या 31 69<sup>a</sup>  
 बिक्रान्तरपुपो दीप्ता 47 12<sup>a</sup>  
 बिक्रान्त समरेन्द्रय 99 25<sup>b</sup>  
 बिक्रान्ताश्च सहस्रश 86 68<sup>b</sup>  
 बिक्राता पृथिसादृशा 10 54<sup>a</sup>  
 बिभ्रान्त्वैश्वेनि दुष्करे 60 8<sup>b</sup>  
 बिभीन्वास्फोटयदाहू 56 29<sup>a</sup>  
 बिभीष्यत् नृनारमज 9 98<sup>b</sup>  
 बिकीयमागौ काष्ठश्च 52 15<sup>a</sup>  
 बिक्रेतारो द्विजातय 115 32<sup>a</sup> 116 14<sup>b</sup>  
 बिक्षोभणश्च केतुश्च 3 67<sup>a</sup>  
 बिशोम्य चारट्टिभि 77 28<sup>b</sup>  
 बिशोम्य सागर सर्वे 105 14<sup>a</sup>  
 बिश्रयातस्त्रिषु लोकेषु 83 8<sup>a</sup>

बिहृयाता कुरान्दन 25 3<sup>a</sup>  
 बिहृयाता त्रिषु लोकेषु 9 81<sup>a</sup>  
 बिहृयाता हृदया नाम 29 15<sup>a</sup>  
 बिहृयातो मायुरे वत्से 31 143<sup>a</sup>  
 बिहृयातो पुरुषर्षभौ 43 50<sup>a</sup>  
 बिहृयार्माणमात्मान 78 3<sup>a</sup>  
 बिगादति महाबल 99 6<sup>a</sup>  
 बिग्रहस्य कलिर्मूल 43 63<sup>a</sup>  
 बिग्रहाणा ग्रहोपम 44 10<sup>b</sup>  
 बिग्रहे जनमेजय 105 17<sup>a</sup>  
 बिग्रहो विग्रहाणां 30 37<sup>a</sup>  
 बिष्टे तस्य से पाथे 114 12<sup>a</sup>  
 बिभ्रमिन्द्रेण से कृतम् 118 26<sup>a</sup>  
 बिभ्र चके सुदुर्मति 9 89<sup>a</sup>  
 बिभ्र तन्नाकरोत्तस्य 91 5<sup>a</sup>  
 बिभ्रा हि यद्गो लोके 49 7<sup>a</sup>  
 बिचको दानरो हव 105 8<sup>a</sup>  
 बिचरस्यवद्वयत् 108 43<sup>a</sup>  
 बिचरिष्यन्ति न सदा 56 44<sup>a</sup>  
 बिचरिष्यन्ति रूपिण 86 33<sup>a</sup>  
 बिचरिष्याम्यह सुखी 73 7<sup>a</sup>  
 बिचित्रपत्रकन 34 42<sup>a</sup>  
 बिचित्रमणिसोपात 93 40<sup>a</sup>  
 बिचित्रवीर्ये धर्मेश 13 37<sup>a</sup>  
 बिचित्रवीर्ये बाल च 15 45<sup>a</sup>  
 बिचित्रवीर्ये शुतमान् 43 49<sup>a</sup>  
 बिचित्रशिल्परद्रुमम् 92 40<sup>a</sup>  
 बिचित्र चरित घोषे 63 22<sup>a</sup>  
 बिचित्रामा प्रजापते 1 13<sup>a</sup>  
 बिचित्राश्च कथा दिव्या 104 2<sup>a</sup>  
 बिचित्राश्च कथायोगा 1 3<sup>a</sup>  
 बिचित्राश्चहराचद 74 8<sup>a</sup>  
 बिचित्रैरिह सर्वैरे 93 32<sup>a</sup>  
 बिचेतास्त्वभवत्प्राज्ञ 106 51<sup>a</sup>  
 बिचेत्सुधि ते पृथक् 87 75<sup>a</sup>  
 बिजघान महाबल 108 40<sup>a</sup>  
 बिजयति चतुषा च क्षत्रवृत्ति 118 48<sup>a</sup>  
 बिजयश्च पराक्रमे 109 90<sup>a</sup>  
 बिजयस्यानुनो भोक्ता 62 87<sup>a</sup>  
 बिजयाधिदिना तत 112 98<sup>a</sup>  
 बिजयायाभिपिच्यस्त 78 37<sup>a</sup>  
 बिजहार च कामिचित् 92 45<sup>a</sup>  
 बिजहार प्रहृष्टारामा 19 2<sup>a</sup>

विजहार महाकीर्तिः 96 21<sup>०</sup>.  
 विजिगीषुः पुरंदरः 118 31<sup>०</sup>.  
 विजित्य च यम सख्ये 97 12<sup>०</sup>.  
 विजित्य वसुधामिमां 22 3<sup>०</sup>.  
 विजित्येना वसुधाम् 10 40<sup>०</sup>.  
 विजेता को भविष्यति 21 14<sup>०</sup>.  
 विजेता पुनरादये 106 16<sup>०</sup>.  
 विजेत्यसि रणे द्रुपुं 109 90<sup>०</sup>.  
 विज्ञातो यागरक्षितिः 108. 12<sup>०</sup>.  
 विज्ञातो वासुदेवेन 112 30<sup>०</sup>.  
 विज्ञातोऽसि मया चिह्नं 99 38<sup>०</sup>.  
 विज्ञाप्य क्रियतामिदम् 79 38<sup>०</sup>.  
 विज्ञाप्य च वधं बाल 108 92<sup>०</sup>.  
 विज्ञाप्य समभिप्रायम् 107. 11<sup>०</sup>.  
 विज्ञाप्य पुरुषोत्तम. 111. 5<sup>०</sup>.  
 विज्ञाप्य मतमद्युत 15 43<sup>०</sup>.  
 विज्ञाप्यार्त्तहितं बाणं 108 81<sup>०</sup>.  
 विज्ञाप्यैवंविध हि माम् 109 49<sup>०</sup>.  
 विज्ञेया भुवि देहिनाम् 46 27<sup>०</sup>.  
 विज्ञेयो यस्य पुत्रस्तु 107 56<sup>०</sup>.  
 विद्वन्मयत. क्रीडन्ति 67. 60<sup>०</sup>.  
 विदत्तेऽभितसार इ 23 76<sup>०</sup>.  
 विदत्त्यायतने हृते 59 28<sup>०</sup>.  
 विषोयी जलदाविब 51. 30<sup>०</sup>.  
 विप्रासन. सुकृतिर्मा 91 20<sup>०</sup>.  
 विप्रास्य द्विपत सर्वात् 89 46<sup>०</sup>.  
 विप्रधाति विवामद 45 15<sup>०</sup>.  
 विप्रधे चैकपादला 13 17<sup>०</sup>.  
 विद्वन्तो दृष्टिर्मां वर. 74 38<sup>०</sup>.  
 विद्वर्भाग्यो न्यवेदायत् 67 9<sup>०</sup>.  
 विद्वर्गस्यलो ययौ 89 13<sup>०</sup>.  
 विद्वर्गेषु च वासार्थं 88 32<sup>०</sup>.  
 विद्वर्गं नाम पं सुत 67 9<sup>०</sup>.  
 विद्विष तद्य कृष्णस्य 99 4<sup>०</sup>.  
 विद्विष यन्मैकस्य 58 41<sup>०</sup>.  
 विद्वितात्मा च भार्गव 11 40<sup>०</sup>.  
 विद्विता देहिनी जाता 45 3<sup>०</sup>.  
 विद्विता सुदृक्काङ्क्षिण 62 95<sup>०</sup>.  
 विद्वितो मे रारथव 45 6<sup>०</sup>.  
 विद्वितो मे जगामध 45 8<sup>०</sup>.  
 विद्वितो मेऽसि नाराय 85 69<sup>०</sup>.  
 विद्वितो युधि दुषेयौ 105 20<sup>०</sup>.  
 विद्विषां तावत्तस्य 118 14<sup>०</sup>.

विदुरं चाप्यजीवनम् 23 120<sup>०</sup>.  
 विदुरयसुतोऽमवत् 28 1<sup>०</sup>.  
 विदुरयस्य दाम्पाद. 23 112<sup>०</sup>.  
 विदुरयोऽपि तं पदमि 87. 63<sup>०</sup>.  
 विदुरस्यौ प्रकाशेते 91 41<sup>०</sup>.  
 विदेहाधिपतिस्तथा 80 13<sup>०</sup>.  
 विदेहेभ्य. पिता ददौ 26. 12<sup>०</sup>.  
 विदि तान्नेनकस्मदात् 5 19<sup>०</sup>.  
 विदि तात्तेकपादलाम् 13 33<sup>०</sup>.  
 विदि मां यक्ष्ण. पुत्रं 12 11<sup>०</sup>.  
 विद्यस्त्वा कृष्णमन्ययम् 63. 4<sup>०</sup>.  
 विद्यते शापकारणम् 43 31<sup>०</sup>.  
 विद्यया यो वया युक्त 59 21<sup>०</sup>.  
 विद्यया वा नराधिप 19. 8<sup>०</sup>.  
 विद्यया शुभलोचना 108. 8<sup>०</sup>.  
 विद्यादन्तगते युगे 118 16<sup>०</sup>.  
 विद्याधरगर्णं सह 34 31<sup>०</sup>.  
 विद्याम रवां कर्म प्रभो 12 8<sup>०</sup>.  
 विद्यावन्तश्च ये जनाः 2 63<sup>०</sup>.  
 विद्याश्च वेदितव्यं च 104. 21<sup>०</sup>.  
 विद्या प्रादाद्य वैवहा. 79. 4<sup>०</sup>.  
 विद्युतोऽशनिमेवाक्ष 1. 34<sup>०</sup>.  
 विद्युत्कवचमिर्मलम् 54 35<sup>०</sup>.  
 विद्युत्कुटिलगामिनी 71. 24<sup>०</sup>.  
 विद्युत्प्रपतने विना 51. 29<sup>०</sup>.  
 विद्युत्सदृशवाससम् 38 4<sup>०</sup>.  
 विद्युत्सपातचपलः 99. 14<sup>०</sup>.  
 विद्युत्सपातजनना. 61 9<sup>०</sup>.  
 विद्युदिन्द्रावुपासितैः 34 6<sup>०</sup>.  
 विद्युद्भिन्नमेवाभ. 92. 22<sup>०</sup>.  
 विद्युद्भिन्निरियाशुर्दे 109 36<sup>०</sup>.  
 विद्युद्भिन्नोत्तरिणा 62 10<sup>०</sup>.  
 विद्युद्भिन्नपटवर्णाभा 48 31<sup>०</sup>.  
 विद्यायामदासिरी 3 69<sup>०</sup>.  
 विद्युत् सप्तलं दृष्ट्वा 88 16<sup>०</sup>.  
 विद्याश्रीयूय उच्यते 26 22<sup>०</sup>.  
 विद्याम्भ्रमलार्द्धिप 28 7<sup>०</sup>.  
 विद्याम्भ्रमलालो नृप. 23 16<sup>०</sup>.  
 विद्याम्भ्रमलार्द्धिप 41 10<sup>०</sup>.  
 विद्युत्पुष्टिपुष्टोऽभयम् 10 73<sup>०</sup>.  
 विद्युत्पुष्टिपुष्टिः सुत 23 56<sup>०</sup>.  
 विद्युत्पुष्टिपुष्टिः नाम 23 34<sup>०</sup>.  
 विद्युत्पुष्टि पुस्तका 21 1<sup>०</sup>.

विद्वान्नामा यवीनर 15 31<sup>१</sup>  
 विद्वान्नामा सुमहायका 3 64<sup>१</sup>  
 विद्वान्नामा न मुह्यति 2 54<sup>१</sup>  
 विद्वान्नामा प्रभु 9 88<sup>१</sup>  
 विद्विपन्ति ममोत्सवम् 61 3<sup>१</sup>  
 विद्विपन्तो जनादनम् 80 16<sup>१</sup>  
 विधत्तैवा महद्भयम् 110 41<sup>१</sup>  
 विधमन्त सुतास्तदा 116 20<sup>१</sup>  
 विधवा शून्यनगरा 42 44<sup>१</sup>  
 विधारा यत्र नीयते 48 48<sup>१</sup>  
 विधानमेव कृत्वा स 86 79<sup>१</sup>  
 विधानं यदुनन्दन 109 60<sup>१</sup>  
 विधाय विधिना विधिम् 97 36<sup>१</sup>  
 विधास्यति भवानस्य 35 57<sup>१</sup>  
 विधास्यामि न सदाय 7<sup>१</sup>  
 विधिदहन कर्मणा 13 8<sup>१</sup> 46 7<sup>१</sup> 118 12<sup>१</sup>  
 विधिना कारयन्ति च 86 13<sup>१</sup>  
 विधिना वन वा द्विज 10 54<sup>१</sup>  
 विधिना घन सदाय 3 10<sup>१</sup>  
 विधिना पूर्वदहन 48 50<sup>१</sup>  
 विधिरदमकोविदै 5 28<sup>१</sup>  
 विधिरद्विरदक्षिण 118 11<sup>१</sup>  
 विधिरद्विरदक्षिणे 97 44<sup>१</sup>  
 विधिरद्विरदक्षिण 97 45<sup>१</sup> 103 16<sup>१</sup>  
 विधिहितमदानयमन्यथा हि कर्तुं 118 42<sup>१</sup>  
 विधुन्वयत्तायहून् 110 9<sup>१</sup>  
 विधुमोक्षित्विष ज्वरन् 13 45<sup>१</sup>  
 विष्टत सुमहत्तदा 61 45<sup>१</sup>  
 विष्टैश्चा हि तै घृष्टै 61 32<sup>१</sup>  
 विननायास्तु पुष्टौ द्वौ 3 84<sup>१</sup>  
 विनताश्वस्य पश्चिमा 16<sup>१</sup>  
 विनताश्वस्य भारत 9 15<sup>१</sup>  
 विनयादनयाद्वता 20 28<sup>१</sup>  
 विनयादयनि गत 86 57<sup>१</sup>  
 विनायो नयवृत्ताना 30 36<sup>१</sup>  
 विनक्षिप्यति विज्ञासा 73 6<sup>१</sup>  
 विना हृत्वा न यास्याम 56 25<sup>१</sup>  
 विना हृत्वेन को वज्र 56 25<sup>१</sup>  
 विना चक्र ननादन 99 38<sup>१</sup>  
 विना चन्द्रण का निना 86 25<sup>१</sup>  
 विना युद्ध न गोष्ट 64 9<sup>१</sup>  
 विना वात निना वर्षे 51 29<sup>१</sup>  
 विना वृषेण का गाव 56 25<sup>१</sup>

विनाशदासी कसस्य 46 1<sup>१</sup>  
 विनाशो प्रत्युपस्थिते 5 6<sup>१</sup>  
 विना सकर्मण गुरुम् 55 1<sup>१</sup>  
 विना हस्तिवृत्त दोष 51 29<sup>१</sup>  
 विनिगृह्णति रोषित 62 16<sup>१</sup>  
 विनिन्दमानौ सवचौ 112 64<sup>१</sup>  
 विनिपल हृदे घरे 55 57<sup>१</sup>  
 विनिर्जित्य समन्तकम् 28 31<sup>१</sup>  
 विनिर्मुच्य कलेवरम् 85 64<sup>१</sup>  
 विनिर्वातित्यते लोके 115 43<sup>१</sup>  
 विनिर्वात स्वशक्त्य 66 5<sup>१</sup>  
 विनिश्चयो हि प्रागेव 45 15<sup>१</sup>  
 विनिष्पेतुर्वरादका 37 38<sup>१</sup>  
 विनिष्पेतुर्भयकरा 52 30<sup>१</sup>  
 विनेव कादृशंभि 75 11<sup>१</sup>  
 विनष्टदानवास्त 91 48<sup>१</sup>  
 विनेष्टुश्च बलादका 32 34<sup>१</sup>  
 विन्दानुविन्दावावन्त्यौ 81 41<sup>१</sup>  
 विन्ध्यस्य दक्षिणे पार्श्वे 87 9<sup>१</sup>  
 विन्ध्य गिरिनिवाचलम् 82 18<sup>१</sup>  
 विन्ध्य च गिरिमुत्तमम् 28 19<sup>१</sup>  
 विन्ध्ये पर्वतसप्त 65 51<sup>१</sup>  
 विन्ध्यस्यतामदूरत 81 35<sup>१</sup>  
 विपक्ष पक्ष एव च 43 53<sup>१</sup>  
 विपण्य परस्परम् 117 35<sup>१</sup>  
 विपक्षस्यैर्ष्वदेहिकम् 78 26<sup>१</sup>  
 विपक्ष त्वयि मानम् 77 17<sup>१</sup>  
 विपरीतप्रभाणि ह 36 20<sup>१</sup>  
 विपरीतमिदं रूपं 83 42<sup>१</sup>  
 विपरीतस्य कर्मणा 78 14<sup>१</sup>  
 विपरीता दिशस्तथा 116 36<sup>१</sup>  
 विपरीता युगक्षये 116 14<sup>१</sup>  
 विपरीतेन कर्मणा 38 1<sup>१</sup>  
 विपरीतेन भास्वती 48 32<sup>१</sup>  
 विपरागस यथाशुभम् 76 39<sup>१</sup>  
 विपाटिनाम्यामोद्याम्यां 67 35<sup>१</sup>  
 विपातो बह्वो मृष्टे 37 48<sup>१</sup>  
 विपुलमपि धनं रमेच वैश्य 118 48<sup>१</sup>  
 विपुल एव शैल 69 19<sup>१</sup>  
 विपुल मेरुपर्वतम् 46 8<sup>१</sup>  
 विपुलाहुतिर्वर्णा 36 54<sup>१</sup>  
 विपुलनासि काटेन 42 41<sup>१</sup>  
 विप्रधुर्वाक्यमवधीत 109 19<sup>१</sup>

विष्टुस्तु महाबलः 87 59<sup>६</sup>.  
 विष्टुं च वृथुश्रियम् 65 9<sup>६</sup>.  
 विष्टुं च महाबलम् 113 63<sup>६</sup>.  
 विष्टुः, शिष्टुपालं तु 87, 54<sup>६</sup>.  
 विष्टुयो चिन्तयाविष्टः 109, 25<sup>६</sup>.  
 विष्टुयो सारविष्टापि 87 59<sup>६</sup>.  
 विप्रकीर्णैरिवाचलैः 110 45<sup>६</sup>.  
 विप्रकुर्वन्कुमारकान् 96 34<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्तिप्रधानास्ते 8 70<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्तिश्च वीर्यवान् 3 69<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्सुत श्वेतः 33 19<sup>६</sup>, 37, 6<sup>६</sup>.  
 विप्रचितिः शिभिः शङ्ख 31 70<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्तेः परिरुहः 3 88<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्ते सुतालया 3 75<sup>६</sup>.  
 विप्रमुक्तभयं शुभ्र 57 24<sup>६</sup>.  
 विप्रयोगेन नाथस्य 109 8<sup>६</sup>.  
 विप्ररूपाणि रक्षोसि 117 15<sup>६</sup>.  
 विप्रशापामितेजसा 115 36<sup>६</sup>.  
 विप्र ग्राह दृढस्वतिः 20 37<sup>६</sup>.  
 विप्राणां नृपिकृष्टवानां 104 1<sup>६</sup>.  
 विप्राणां शाश्वती वृत्ति 117 12<sup>६</sup>.  
 विप्रा मखमुखे स्थिता 34 7<sup>६</sup>.  
 विप्राधैतेत्यते कृष्ण 104 8<sup>६</sup>.  
 विप्राः हृष्टोपजीविनः 116 6<sup>६</sup>.  
 विप्रा, सह मर्दिनि 118 7<sup>६</sup>.  
 विप्रियं चद्रुपुंगवे 109 7<sup>६</sup>.  
 विह्वलेषु हृष्टेषु च 62 49<sup>६</sup>.  
 विफलैः शक्रवास्तने 85 3<sup>६</sup>.  
 विषभाजं पुरा यक्ष 30 35<sup>६</sup>.  
 विषभाबुरसा रामः 83 24<sup>६</sup>.  
 विषभां वृष्टरीक्षाक्ष 110 4<sup>६</sup>.  
 विषधाम मतिह्यत 20 28<sup>६</sup>.  
 विषहाका विविद्युत 59 33<sup>६</sup>.  
 विवाणयेन धनुषा 54 30<sup>६</sup>.  
 विवाणं याहुशालिता 71 52<sup>६</sup>.  
 विवुधारासभिरता 106 25<sup>६</sup>.  
 विमज्जन्तवपथ 86 14<sup>६</sup>.  
 विमज्जं क्रुद्धेनेव 91 51<sup>६</sup>.  
 विमज्जा घट्टणा स्वयम् 40 14<sup>६</sup>.  
 विमज्जतामयं देश 61 53<sup>६</sup>.  
 विमज्जसोस्तुल्यगुणान् 43 44<sup>६</sup>.  
 विमिषश्चन्द्रो भगवाणः 64 21<sup>६</sup>.  
 विमुनाम प्रनेधरः 23 70<sup>६</sup>.

विमुनैरायणो हरिः 93 9<sup>६</sup>.  
 विमृतिवित्तरकयं 115 12<sup>६</sup>.  
 विमृपयति चेणुमान् 93 16<sup>६</sup>.  
 विमोक्षयन्ति विनेः सुता 24 6<sup>६</sup>.  
 विभ्राजमानो वपुषा 16 35<sup>६</sup>.  
 विभ्राजस्य धाम्नाजः 15 22<sup>६</sup>.  
 विभ्राजस्त्वपुङ्गवं राज्ये 18 8<sup>६</sup>.  
 विभ्राजस्य तु दुष्टोष्णम् 15 23<sup>६</sup>.  
 विभ्राज पुनराजात 15 25<sup>६</sup>.  
 विभ्राज पौरवान्वयः 16 34<sup>६</sup>.  
 विमदा इव कुत्ररा, 59 33<sup>६</sup>.  
 विमना समपद्यत 82 22<sup>६</sup>.  
 विमनंशोरा केचित्तु 117, 6<sup>६</sup>.  
 विमलादिखवणभिः 93 40<sup>६</sup>.  
 विमलाकैन्दुसंक्रातं 92 38<sup>६</sup>.  
 विमला विमला स्योक्ति 59 33<sup>६</sup>.  
 विमलाश्चत्रपद्मय 81, 5<sup>६</sup>.  
 विमानगहनो महान् 62 26<sup>६</sup>.  
 विमानप्रतिदीपस्तः 74 9<sup>६</sup>.  
 विमानयोधी चन्द्र 34 17<sup>६</sup>.  
 विमानस्थैरलंकृताः 23 147<sup>६</sup>.  
 विमानं मदवापान्वयम् 12 5<sup>६</sup>.  
 विमानं सुदृढी यथा 96 67<sup>६</sup>.  
 विमानातुलमादिनीम् 42 8<sup>६</sup>.  
 विमानानि विचित्राणि 36 29<sup>६</sup>.  
 विमानानि सहस्रतः 113 57<sup>६</sup>.  
 विमानारोहिणोऽर्वा 67, 62<sup>६</sup>.  
 विमानेनाईर्येन 31 35<sup>६</sup>.  
 विमाने पुष्पके स्थितः 34 17<sup>६</sup>.  
 विमानेषु समन्ततः 36 36<sup>६</sup>.  
 विमानेध्यायनेषु च 42 11<sup>६</sup>.  
 विमानैश्च हिरण्यैः 93 88<sup>६</sup>.  
 विमानैश्चातुगामिभिः 37, 29<sup>६</sup>.  
 विमानैः हारस्त्रिभिः 75 38<sup>६</sup>.  
 विमावाविमदाक्षय 36 12<sup>६</sup>.  
 विमिधं सर्वैः मानि 81 21<sup>६</sup>.  
 विमुक्ता प्राग्गतमवप्यक्ष 81 23<sup>६</sup>.  
 विमुनः पादमप्याव 74 29<sup>६</sup>.  
 विमुञ्जति नमोगतम् 69 18<sup>६</sup>.  
 विमुञ्जामविशम 51 31<sup>६</sup>.  
 विमुञ्जानुनाविमं 51 30<sup>६</sup>.  
 विमुञ्जति मा तं देवं 40 18<sup>६</sup>.  
 विमोक्षयन्ति विनेः सुता 106 23<sup>६</sup>.

विषेष्टमाना रुद्रीं 107 20°  
 विव्याध दशभि शरै 88 11°  
 विव्याध नवभि शरै 81 83° 87 53°  
 विव्याध निशितैस्तीक्ष्णै 108 64°  
 विव्याध युधि मार्गै 87 61°  
 विव्याधान्नो शिते शरै 87 63°  
 विव्याधान्तकतुल्येन 110 31°  
 विव्याधोरसि केशवम् 88 18°  
 विशम्भ मधुरां रम्भा 79 37°  
 विशान्ति सहिता सर्वा 113 11°  
 विशासि कृत्यैश्च 53 29°  
 विशास्यता च पञ्च 60 13°  
 विशा क्षत्रमनुवता 31 132°  
 विशाल हृव पादप 38 41°  
 विशाल जालपरिभ्रमम् 38 49°  
 विशालेन गुह्येन वा 43 6°  
 विशालमाकाशतल 108 50°  
 विशालमूलावतत 55 20°  
 विशिरस्का इवाद्रव्य 36 16°  
 विशिष्ट शत्रुघ्न 107 53°  
 विशुद्ध ह्येन कर्मणा 19 26°  
 विशुद्धश्च कृतो व्रजे 65 31°  
 विशोपेण तु दाम्भ्ये 65 76°  
 विशोपेण महीपते 44 30°  
 विशोपो नास्ति मे प्रभो 86 24°  
 विशोका समपद्यन्त 94 10°  
 विशोप्यारमानमभ्युत 28 30°  
 विश्रान्तवाहना सर्वे 102 1°  
 विश्रुत सर्वकर्मण 10 71°  
 विश्रुता साम्यमहिर्षी 28 41°  
 विश्रुता कौशिका राजन् 23 90°  
 विश्रुती गुणलपदा 28 35°  
 विशकर्मैकत शैल 94 6°  
 विशकर्मैकतैर्दिश्यै 93 8°  
 विशकर्मैकतो दिव्य 93 49°  
 विशकर्मा च सा कृत्वा 86 53°  
 विशकर्माणमाहूय 93 2°  
 विशकर्मा तत कृष्णम् 86 40°  
 विशकर्मा तत प्रीत 86 39°  
 विशकर्मा पुरीं तत 93 7°  
 विशकर्मा मतोभर 86 31°  
 विशकर्मा महाभाग 3 39°  
 विशकर्मा सुरधेय 86 22°

विशकर्मा स्वमत्या वै 86 20°  
 विशकिञ्चल्य चात्मज 15 16°  
 विशाविद्विषकृत्वेन 23 86°  
 विशत्वं शृणु मे विष्णो 32 1°  
 विशरूपाय विद्यते 97 38°  
 विशरूपो महापरा 3 42°  
 विशस्य जगत प्रभु 34 34°  
 विश जगदिद महत् 39 4°  
 विशाच्या सहितो रेमे 22 34°  
 विशामित्रकलत्र तत् 10 1°  
 विशामित्रपुर सर 31 110°  
 विशामित्रकरैव च 7 30°  
 विशामित्रस्तु गाधेय 23 84°  
 विशामित्रस्तु दाराण्यम् 10 19°  
 विशामित्रस्य चारमजान् 10 15°  
 विशामित्रस्य गुह्ययेम् 9 99°  
 विशामित्रस्य तु सुता 23 86°  
 विशामित्रस्य वै सुता 23 93°  
 विशामित्रात्मजाना तु 23 92°  
 विशामित्रादुपाधक 23 93°  
 विशामित्राधमाम्पाशे 10 2°  
 विशामित्रण धीमता 31 113°  
 विशामित्रो महालया 9 96°  
 विशावसुरिद वच 118 23°  
 विशेऽथ वसयस्तथा 31 58°  
 विशदेवास्तु विशाया 3 37°  
 विशेया च दिवौकसम् 44 5°  
 विशेया मरता चैव 92 45°  
 विपत्ता दुःसुदृशस्य 81 64°  
 विपण्यमनसो देवा 35 8°  
 विपदिभ्य जन सुदृष्टा 96 31°  
 विपरीत हृव सरस्व 78 1°  
 विपमे रुपिरीतले 6 10°  
 विपदैश्च समीक्यते 81 43°  
 विपमोद्यपसकृत्वा 81 50°  
 विपमनुनाशाम धर्मैर्दुदि 118 40°  
 विपय समतिक्रम्य 92 46°  
 विपय शिन्धुसत्रस्य 84 26°  
 विपयान्ते पुरीं रम्भा 23 80°  
 विपयासन्नमूलोऽस्मि 44 27°  
 विपये मे न कलार्थ 118 19°  
 विपयेषु सुसन्निधा 84 23°  
 विपयेष्वेव सनताम् 113 65°

बीरहः पर्यतैस्तथा 2. 25<sup>d</sup>.  
 बीरेणामित्रपातिना 108 14<sup>d</sup>.  
 बीरो भीमरथः स्मृतः 23 57<sup>b</sup>.  
 बीरो राजा पुरंजयः 23 17<sup>b</sup>.  
 बीरो राजा प्रतर्दनः 23 62<sup>b</sup>.  
 बीरो वातपतिश्चैव 28 33<sup>a</sup>.  
 बीरो तावय गुञ्जितौ 24 32<sup>d</sup>.  
 बीर्यतुल्यं महाजनसः 35 51<sup>d</sup>.  
 बीर्यलब्धैस्तदाचैवत् 95. 6<sup>d</sup>.  
 बीर्यवन्तं बलाश्वितम् 87. 5<sup>d</sup>.  
 बीर्यवन्तो महाबलाः 87. 21<sup>d</sup>.  
 बीर्यवन्तो महारथाः 23 151<sup>f</sup>.  
 बीर्यवान्कोऽप्यसौ युवा 108 96<sup>d</sup>.  
 बीर्यं च क्षतिपावकौ 30 42<sup>d</sup>.  
 बीर्यं हि सुमहत्तस्य 15 60<sup>a</sup>.  
 बीर्यास मगधेश्वरः 82 19<sup>b</sup>.  
 बृकदेवः सुनामायां 25 7<sup>a</sup>.  
 बृकदेवी व्यजायत 25 7<sup>a</sup>.  
 बृकदेवपुत्रदेवी च 27. 27<sup>a</sup>.  
 बृकतं बृकनेत्रसम् 2 14<sup>a</sup>.  
 बृकाणां कृष्णरत्नराणां 53 4<sup>a</sup>.  
 बृकादाहुस्तु क्षत्रियान् 10 23<sup>d</sup>.  
 बृकाक्षिपदितान्द्रुमा 52 31<sup>a</sup>.  
 बृकाधो बृकनिर्गृतिः 98 11<sup>b</sup>.  
 बृकैस्तदायते ब्रजः 52 34<sup>d</sup>.  
 बृकैर्विद्रावयामास 96 40<sup>a</sup>.  
 बृकैर्व्यापादितेत्येवं 53 8<sup>a</sup>.  
 बृहगर्भरतिनिष्ठं 65 55<sup>a</sup>.  
 बृहमुखाय रामोऽपि 87. 42<sup>a</sup>.  
 बृहद्युग्या इता पृथ्वी 2 39<sup>a</sup>.  
 बृहाण्यमिति निर्मिता 2. 41<sup>b</sup>.  
 बृहाणां बहर्गिनी 2. 40<sup>a</sup>.  
 बृहोः क्षुपलताकुले. 55 53<sup>b</sup>.  
 बृजिनीयान्महायदाः 26 1<sup>a</sup>.  
 बृणीप्यासुर काङ्क्षितम् 112 124<sup>b</sup>.  
 बृषाना भरतर्षभ 21 17<sup>d</sup>.  
 बृतं राममयद्रुमैः 2 35<sup>b</sup>.  
 बृत सपुत्रसेवने 57 12<sup>d</sup>.  
 बृतः सर्वैः सुरैस्तथा 31. 39<sup>b</sup>.  
 बृवो देवगणैः सर्वैः 91. 28<sup>a</sup>.  
 बृवोऽप्यै तन्विषैः सर्वैः 70. 24<sup>a</sup>.  
 बृवो च पद्मसमवात् 47. 20<sup>a</sup>.  
 बृवन्तुतसमुग्नितैः 59. 43<sup>b</sup>.

वृत्तवाहुर्महायुजः 109. 84<sup>b</sup>.  
 वृत्तस्य च कुलस्य च 78 31<sup>a</sup>.  
 वृत्तस्य च बलस्य च 58 34<sup>d</sup>.  
 वृत्तं मामगते इदे 70 34<sup>d</sup>.  
 वृत्तं पदपदपद्मीभिः 55 7<sup>a</sup>.  
 वृत्तान्तो वृत्तिमत्स्वपि 115. 43<sup>d</sup>.  
 वृत्ताग्यामुपशोभितः 68 23<sup>d</sup>.  
 वृत्ता वर्तन्त एव च 42 50<sup>a</sup>.  
 वृत्तिदः स सनातनः 6 43<sup>b</sup>.  
 वृत्तिदाता महायज्ञाः 6 47<sup>b</sup>.  
 वृत्तीनामेव चो दाता 5 40<sup>a</sup>.  
 वृत्ते महति तस्थुषः 65. 13<sup>d</sup>.  
 वृत्ते वृषवधे बाल 32 10<sup>a</sup>.  
 वृत्ते सप्रामकर्मणि 36 46<sup>b</sup>.  
 वृत्ते स्वयंवरे जम्मुः 89 8<sup>a</sup>.  
 वृत्रहा स्वर्गमुत्तमम् 61 61<sup>d</sup>.  
 वृत्रः क्रोचो विरोचनः 31 76<sup>b</sup>.  
 वृथा त्वं स्पर्धसे निरर्थं 102 16<sup>a</sup>.  
 वृथारूपसमावृतम् 116 23<sup>b</sup>.  
 वृद्धमानकतुंडुमिम् 95. 4<sup>d</sup>.  
 वृद्धसर्मां तव परम् 21. 11<sup>d</sup>.  
 वृद्धस्तासु ह्वारण्ये 67 43<sup>a</sup>.  
 वृद्धानमितमाभिह 66 14<sup>d</sup>.  
 वृद्धाननुपसेव्य च 116 31<sup>b</sup>.  
 वृद्धानामिति सासनम् 15 51<sup>d</sup>.  
 वृद्धानां च विशेषः 15 53<sup>a</sup>.  
 वृद्धाहुस्तु दुःखितौ 69 21<sup>a</sup>.  
 वृद्धास्तात यथासयः 86 12<sup>b</sup>.  
 वृद्धिरस्यास्तु शोभना 86 33<sup>b</sup>.  
 वृद्धिश्चापि परासार्क 84 5<sup>a</sup>.  
 वृद्धौ तत्राग्रापितरौ 69 16<sup>a</sup>.  
 वृन्दतो गोडुयानि च 60 29<sup>b</sup>.  
 वृन्दावनगवो गोपान् 67. 4<sup>a</sup>.  
 वृन्दावननियेताय 53 8<sup>a</sup>.  
 वृन्दावनमनुप्रासा 53 31<sup>a</sup>.  
 वृन्दावनमितः स्थानम् 53 11<sup>a</sup>.  
 वृन्दावनस्य मध्येन 83 40<sup>a</sup>.  
 वृन्दावने वसत्येकः 44 68<sup>a</sup>.  
 वृषणस्तस्य वंसभाक् 23 161<sup>f</sup>.  
 वृषणाहुष्म्यः सर्वैः 23 162<sup>a</sup>.  
 वृषदंष्ट्रो जगत्रे च 106 41<sup>d</sup>.  
 वृषध्वार्धेऽत्रायाम् 25 11<sup>a</sup>.  
 वृषपोताविबोद्धौ 57 4<sup>a</sup>.

विस्तरेण तथैव च 113 84<sup>d</sup>  
 विस्तरेण तयोधेन 1 12<sup>d</sup> 7 1<sup>b</sup> 10 29<sup>d</sup>  
 13 5<sup>d</sup> 106 2<sup>d</sup>  
 विस्तरेण व्योर्ज्जम् 4 19<sup>d</sup>  
 विस्तरेण प्रवृत्तय 39 1<sup>b</sup>  
 विस्तरेण मया श्रुतम् 1 8<sup>d</sup>  
 विस्तरेण महात्मन 85 1<sup>b</sup>  
 विस्तरेण महायुते 11 14<sup>d</sup> 15 6<sup>b</sup>  
 विस्तरेण यथातत्त्वं 39 6<sup>d</sup>  
 विस्तरेणानुपूर्व्या च 1 14<sup>d</sup> 23 1<sup>a</sup>, 2<sup>a</sup>  
 विस्तरेणैह ताञ्छुषु 27 2<sup>d</sup>  
 विस्तरेणैव चाभिभो 1 10<sup>d</sup>  
 विस्तरेणैव सपर्यायि 30 1<sup>a</sup>  
 विस्तारं यान्ति निरुगा 54 14<sup>d</sup>  
 विस्तीर्णं सर्वकाञ्चन 94 3<sup>d</sup>  
 विस्वधेनपि कृत्वेन 89 12<sup>d</sup>  
 विस्कारितमहाधनु 108 55<sup>b</sup> 113 19<sup>d</sup>  
 विस्फुरन्त महायष्टम् 5 15<sup>b</sup>  
 विस्वय च जगाम ह 50 29<sup>d</sup>  
 विस्वय समजायत 79 19<sup>d</sup>  
 विस्वयोस्कुलवयन 106 21<sup>d</sup>  
 विस्वयोस्कुलोचना 107 72<sup>b</sup>  
 विस्वयोस्कुलोचना 50 19<sup>b</sup>  
 विस्वयो मे महानयम् 50 27<sup>b</sup>  
 विस्वारिष्यसि सागर 43 41<sup>d</sup>  
 विस्मितश्चामवद्राजा 104 26<sup>d</sup>  
 विस्मितश्चाभव नृप 103 28<sup>d</sup>  
 विस्मितं दुर्जय रणे 31 101<sup>b</sup>  
 विस्मितानि मनास्वि न 80 5<sup>d</sup>  
 विस्मिताश्चैव कृष्टाश्च 99 31<sup>d</sup>  
 विस्मितास्तुष्टुयुगोपा 56 41<sup>d</sup>  
 विस्मिता स्थानि राहाणि 100 86<sup>d</sup>  
 विस्मितेषु यथायुहम् 50 26<sup>d</sup>  
 विस्मितोऽमितदक्षिण 70 29<sup>d</sup>  
 विस्मितोऽहं सत पुन 103 30<sup>d</sup>  
 विस्वम्भो यो न गच्छम् 38 77<sup>d</sup>  
 विद्यास्तनयनानन 76 7<sup>b</sup>  
 विहारन्ति सा तत्र ह 16 35<sup>d</sup>  
 विहारन्ति सा सुरिण 82 30<sup>d</sup>  
 विहगा कम्पधारिण 16 33<sup>d</sup>  
 विहाय दुःसाति विमुक्तसह 118 49<sup>d</sup>  
 विहाय मधुरां रम्यां 25 16<sup>d</sup>  
 विहाय शयनोत्तमम् 40 47<sup>b</sup>

विहायसगता रौद्रा 48 33<sup>d</sup>  
 विहाय सहज धैर्यम् 100 51<sup>d</sup>  
 विहायेन गृहे जनम् 77 21<sup>d</sup>  
 विहारमृमिस्तरेव 84 29<sup>d</sup>  
 विहितं विश्वकर्मणा 93 36<sup>d</sup>, 39<sup>d</sup> 94 21<sup>d</sup>  
 विहितं वाङ्मन्त्रवना 110 6<sup>d</sup>  
 विहितां मुनि देदिनाम् 39 14<sup>d</sup>  
 विहिता वासुदेवाय 93 59<sup>d</sup>  
 विहिता विश्वकर्मणा 93 61<sup>d</sup>  
 विहितास्तस्य सर्वेश 85 26<sup>d</sup>  
 विहितेषु चतुष्टया 118 24<sup>d</sup>  
 विहितो विश्वकर्मणा 93 49<sup>d</sup>, 67<sup>d</sup>  
 विहितो विश्वयोनिना 67 57<sup>d</sup>  
 विहितोऽस्य मया मृत्यु 82 21<sup>d</sup>  
 विह्वल समपद्यत 76 31<sup>d</sup>  
 विज्ञानमेतत्तर्पय 82 28<sup>b</sup>  
 वीक्षन्ति सा सुरा सर्वे 36 56<sup>d</sup>  
 वीक्षमाणश्च ताप्सवाम् 81 9<sup>d</sup>  
 वीक्षमाणं समगतं 55 39<sup>b</sup>  
 वीक्षमाणौ प्रहसितौ 71 34<sup>d</sup>  
 वीक्षमाणौ वनादि च 58 2<sup>d</sup>  
 वीणासत्पेन बाहुना 100 18<sup>d</sup>  
 वीणां गृहीत्वा महतीं 44 8<sup>d</sup>  
 वीतरात्रे तल काले 81 27<sup>d</sup>  
 वीतशोकनयावाधा 96 68<sup>d</sup>  
 वीतशोका वन सर्वे 57 25<sup>d</sup>  
 वीतिहोया मुक्तायाश्च 23 159<sup>d</sup>  
 वीर्यं मात्स्यायणायां वै 71 15<sup>d</sup>  
 वीरणस्य प्रजापते 3 5<sup>d</sup>  
 वीरणस्य महारम्भे 2 16<sup>d</sup>  
 वीरं नैवविधापुमान् 99 22<sup>d</sup>  
 वीरपतिं विवेचते 42 43<sup>d</sup>  
 वीरपःनीयसमिद्ध 42 42<sup>d</sup>  
 वीरपत्यो हते वीर 77 3<sup>d</sup>  
 वीरभोग्यानि राग्यानि 77 50<sup>d</sup>  
 वीरस्मागंधिराकृत 76 40<sup>d</sup>  
 वीरश्चाचदनुशेव 24 32<sup>d</sup>  
 वीरमांशुमतः सुतः 81 44<sup>d</sup>  
 वीरसेनात्मजश्चैव 10 78<sup>d</sup>  
 वीरस्योपायुधस्य च 15 65<sup>d</sup>  
 वीरं वनादि मा हत 109 4<sup>d</sup>  
 वीरः यश्चजनस्त्रया 91 19<sup>d</sup>  
 वीराट्काव्या व्याख्यान 2 5<sup>d</sup>

बीररत्न पर्वतस्तथा 2 25<sup>d</sup>  
 बीरणाभिप्रातिना 108 14<sup>d</sup>  
 बीरो नीमस्थ स्मृत 23 57<sup>d</sup>  
 बीरो राजा पुरजय 23 17<sup>d</sup>  
 बीरो राजा प्रतर्दन 23 62<sup>d</sup>  
 बीरो वातपतिश्चैव 28 33<sup>d</sup>  
 बीरो तावय गुञ्जिमौ 24 32<sup>d</sup>  
 बीर्यतुल्यं मद्भोजन 35 57<sup>d</sup>  
 बीर्यरश्मिस्तदाचैयत् 95 6<sup>d</sup>  
 बीर्यवन्त बलान्वितम् 87 5<sup>d</sup>  
 बीर्यवन्तो महाबला 87 21<sup>d</sup>  
 बीर्यवन्तो महाबला 23 157<sup>d</sup>  
 बीर्यवान्कोऽप्यसौ युवा 108 96<sup>d</sup>  
 बीर्यं च क्षिपावकौ 30 42<sup>d</sup>  
 बीर्यं हि सुमहत्तम 9 60<sup>d</sup>  
 बीर्यास मगधधर 82 19<sup>d</sup>  
 बृकदेव सुनामाया 25 7<sup>d</sup>  
 बृकदेवी ध्यन्तायत 25 7<sup>d</sup>  
 बृकदेव्युपदेवी च 27 27<sup>d</sup>  
 बृकत बृकनेतसम् 2 14<sup>d</sup>  
 बृकाणां बृष्णवज्राणां 53 4<sup>d</sup>  
 बृकादाहुरन्तु जलिवान् 10 23<sup>d</sup>  
 बृकाक्षिपतिताम्रह्वा 52 31<sup>d</sup>  
 बृकाक्षो बृकनिवृत्ति 98 11<sup>d</sup>  
 बृकैलमाधते वन 52 34<sup>d</sup>  
 बृकैर्विद्वारयामास 98 40<sup>d</sup>  
 बृकैर्द्यापादितेत्येव 53 5<sup>d</sup>  
 बृक्षगम्भीरनिजिह 65 55<sup>d</sup>  
 बृक्षसुपाख्य रामोऽपि 87 42<sup>d</sup>  
 बृक्षसूया कृता पृष्ठी 2 39<sup>d</sup>  
 बृक्षानामिति निमित्ता 2 41<sup>d</sup>  
 बृक्षाणां वरवर्जिनी 2 40<sup>d</sup>  
 बृक्षं क्षुपलताकुलै 55 53<sup>d</sup>  
 बृक्षिनीवा महायया 26 1<sup>d</sup>  
 बृक्षोष्मासुर काङ्क्षितम् 112 124<sup>d</sup>  
 बृषाना भरतर्षम 21 17<sup>d</sup>  
 बृष समभयद्रुमै 35<sup>d</sup>  
 बृष समुपसेजते 57 12<sup>d</sup>  
 बृष सर्वे सुरैस्तथा 31 39<sup>d</sup>  
 बृषो द्रवणे सर्वे 91 28<sup>d</sup>  
 बृषोऽन्ये सन्निवे सर्वे 70 24<sup>d</sup>  
 बृषो व प्रमसमवात् 47 20<sup>d</sup>  
 बृषनृपसमुज्जितै 59 43<sup>d</sup>

वृत्तबाहुर्महायुज 109 84<sup>d</sup>  
 वृत्तस्य च कुलस्य च 78 31<sup>d</sup>  
 वृत्तस्य च बलस्य च 58 34<sup>d</sup>  
 वृत्त भागवते हृदे 70 34<sup>d</sup>  
 वृत्त पदपदपद्मीभि 55 7<sup>d</sup>  
 वृत्तातो वृत्तिमत्त्वपि 115 43<sup>d</sup>  
 वृत्ताभ्यामुपशोभित 68 23<sup>d</sup>  
 वृत्ता वर्तन्त एव च 42 50<sup>d</sup>  
 वृत्तिदत्ता महायया 6 47<sup>d</sup>  
 वृत्तीनामेव वो दाता 5 40<sup>d</sup>  
 वृत्त महति तत्पुत्र 65 13<sup>d</sup>  
 वृत्ते वृत्रयथे तात 32 10<sup>d</sup>  
 वृत्ते सम्प्राप्तकर्मणि 36 46<sup>d</sup>  
 वृत्ते स्वयवरे ननु 89 8<sup>d</sup>  
 वृत्रहा स्वर्गमुत्तमम् 61 61<sup>d</sup>  
 वृत्र क्रोधो विरोधन 31 75<sup>d</sup>  
 वृथा त्व स्वर्धसे निरप 102 16<sup>d</sup>  
 वृथारूपसमावृत्तम् 116 23<sup>d</sup>  
 वृद्धमानकुरुभिम् 95 4<sup>d</sup>  
 वृद्धतामा तत परम् 21 11<sup>d</sup>  
 वृद्धत्वात् इवारण्ये 67 43<sup>d</sup>  
 वृद्धानभिसर्तानिह 66 14<sup>d</sup>  
 वृद्धाननुपसेव च 116 31<sup>d</sup>  
 वृद्धानांशित दासनम् 15 51<sup>d</sup>  
 वृद्धानां च विशेषत 15 53<sup>d</sup>  
 वृद्धानुद्वल्य दु खितौ 69 21<sup>d</sup>  
 वृद्धास्मात् यथाश्रय 66 12<sup>d</sup>  
 वृद्धिरस्यास्तु शोभना 86 33<sup>d</sup>  
 वृद्धिश्चापि परास्मात् 8- 5<sup>d</sup>  
 वृद्धौ तजम्बापितरौ 69 16<sup>d</sup>  
 वृद्धसो गोत्रुत्तमि च 60 29<sup>d</sup>  
 वृद्धावनगते गोपाय 67 4<sup>d</sup>  
 वृद्धावननिवेशाय 53 8<sup>d</sup>  
 वृद्धावनमनुप्राप्ता 53 31<sup>d</sup>  
 वृ दानमिति स्थानम् 53 11<sup>d</sup>  
 वृ दानस्य मन्त्रेन 83 40<sup>d</sup>  
 वृद्धावने वसत्येक 44 68<sup>d</sup>  
 वृषणस्तस्य वज्रभाक् 23 161<sup>d</sup>  
 वृषणाद्रुज्य सर्वे 23 162<sup>d</sup>  
 वृषदशो नगरं च 106 41<sup>d</sup>  
 वृषपूर्वाधैक्ष्यास्तम् 25 11<sup>d</sup>  
 वृषपोताविबोद्धौ



वृषभभृतयो राजन् 23 161<sup>a</sup>  
 वृषभाणां च गजितै 60 14<sup>a</sup>  
 वृषयुद्ध विना केन 50 15<sup>a</sup>  
 वृष प्रतिवृषोपम 64 16<sup>a</sup>  
 वृषाकपिश्च नाभुश्च 3 43<sup>a</sup>  
 वृषाणां वृष्टपादपम् 49 18<sup>a</sup>  
 वृषाणां जातरागाणां 63 16<sup>a</sup>  
 वृषेणेव महावृष 64 17<sup>a</sup>  
 वृषो चक्षरस्तत्र 23 161<sup>a</sup>  
 वृष्टिमन्त्रो यलाहका 36 51<sup>a</sup>  
 वृष्टिमन्त्रो बलाहका 59 11<sup>a</sup>  
 वृष्णदक्षाम्नाश्च 89 51<sup>a</sup>  
 वृष्णवस्त्रे च पार्थिवा 82 23<sup>a</sup>  
 वृष्ण्य कुरुदाहूल 52 26<sup>a</sup>  
 वृष्ण्य पाण्डवास्तथा 1 11<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यो जज्ञिरे वृष 87 11<sup>a</sup>  
 वृष्ण्योऽपि जरासध 88 29<sup>a</sup>  
 वृष्ण्योऽपि महाराज 89 53<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यो भरतर्षभ 82 29<sup>a</sup> 84 19<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यो मग्नमुत्तमम् 84 10<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यो हवसकल्पा 102 13<sup>a</sup>  
 वृष्णिचक्रप्रतापिता 85 27<sup>a</sup>  
 वृष्णिभिर्महर्षभ 69 58<sup>a</sup>  
 वृष्णिभि सह बोधना 81 95<sup>a</sup>  
 वृष्णिभि सहितोऽप्युत 94 22<sup>a</sup>  
 वृष्णिभोजिश्च सर्वथा 104 2<sup>a</sup>  
 वृष्णिभ्य प्रणिधाय च 87 40<sup>a</sup>  
 वृष्णिवशमसङ्गेन 7 56<sup>a</sup> 19 85<sup>a</sup> 23 2<sup>a</sup>  
 वृष्णिवशे समुत्पन्ना 43 72<sup>a</sup>  
 वृष्णिवीरा महारथा 87 51<sup>a</sup>  
 वृष्णिदायु महाबलम् 87 23<sup>a</sup>  
 वृष्णिसन्नि पृजिता 96 13<sup>a</sup>  
 वृष्णिसिद्धा महारथा 82 30<sup>a</sup>  
 वृष्णिसिद्धो महारथ 98 5<sup>a</sup>  
 वृष्णि च यदुनन्दनम् 27 2<sup>a</sup>  
 वृष्णीनन्यान्सख्ये च 91 30<sup>a</sup>  
 वृष्णीनामन्धकानां च 85 7<sup>a</sup>, 11<sup>a</sup>  
 वृष्णीनाश्चास्य चैव 85 36<sup>a</sup>  
 वृष्णीना कुलार्थेन 24 2<sup>a</sup>  
 वृष्णीनां च स्यात्तमम् 30 53<sup>a</sup>  
 वृष्णीनां तत्त्रिपेणिना 87 23<sup>a</sup>  
 वृष्णीनां यदादात 1 6<sup>a</sup>  
 वृष्णोऽपिचमेतं तु 24 35<sup>a</sup>

वृष्ण्यन्धककुल तस्य 25 13<sup>a</sup> 85 16<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यन्धककुलान्वया 13 49<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यन्धकगणै सह 91 29<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यन्धकनिवेशनम् 92 13<sup>a</sup>, 15<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यन्धकनिवेशने 25 14<sup>a</sup> 28 13<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यन्धकमय महर्ष 85 25<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यन्धकमहाराया 1 9<sup>a</sup> 78 46<sup>a</sup> 101 17<sup>a</sup>  
 102 6<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यन्धकमहारायै 29 29<sup>a</sup>  
 वृष्ण्यन्धकेषु चाप्येषु 87 48<sup>a</sup>  
 वेगाम्भीरवक्राङ्गी 83 36<sup>a</sup>  
 वेगवक्रानुगामिनी 83 34<sup>a</sup>  
 वेगवज्जी शोणितम् 74 35<sup>a</sup>  
 वेगवान्नेतुमानुम 31 70<sup>a</sup>  
 वेगात्पयैणि वधित 43 30<sup>a</sup>  
 वेगेन वासुदेवस्य 67 42<sup>a</sup>  
 वेगेनादन्ते हुमान् 67 6<sup>a</sup>  
 वेणुदारिद्र्ये यतान् 97 20<sup>a</sup>  
 वेणुदारिद्र्ये सह 81 104<sup>a</sup>  
 वेणुदारिद्र्यारवी 89 17<sup>a</sup>  
 वेणुदारिद्र्य बीर्यवान् 88 4<sup>a</sup>  
 वेणुदारिद्र्य सत्ता 88 11<sup>a</sup>  
 वेणुदारिद्र्य नराधिपम् 87 6<sup>a</sup>  
 वेणुदारिद्र्य भुतार्थ च 80 12<sup>a</sup>  
 वेणुदारिद्र्ये च छिन्ना 88 13<sup>a</sup>  
 वेणुभेरीचूडहाना 81 91<sup>a</sup>  
 वेणुमहै समन्तत 93 20<sup>a</sup>  
 वेणुमन्त हवायेष्ट 109 35<sup>a</sup>  
 वेणुवीणाचूडतैश्च 107 4<sup>a</sup>  
 वेणुनां च ग्रुपे प्वनित 87 77<sup>a</sup>  
 वपूता चैव सर्वथा 61 12<sup>a</sup>  
 वेणुमिष्टजामि त मयो 104 16<sup>a</sup>  
 वेणु आमिनि युगते 107 61<sup>a</sup>  
 वेत्स्यते मा यथावत् 104 16<sup>a</sup>  
 वेदहटेन कर्मणा 38 70<sup>a</sup>  
 वेदहटेन विधिना 4 16<sup>a</sup>  
 वेदधर्मान्वितिरूप 5 4<sup>a</sup>  
 वेदधर्माश्च शाधना 11 24<sup>a</sup>  
 वेदधरो वृषर्ष 31 22<sup>a</sup>  
 वेदबाहुर्दुग्धम् 7 33<sup>a</sup>  
 वेद विष्टवाभिगापारव 28 45<sup>a</sup>  
 वेदविष्टिर्जरेण 31 92<sup>a</sup>  
 वेद विष्णु पितामह 39 11<sup>a</sup>

वेदवेदाङ्गपारंगे 6 43<sup>1</sup> 109 86<sup>2</sup>  
 वेदवेदाङ्गपारंगे 18 16<sup>2</sup>  
 वेदवतपरायणा 43 73<sup>2</sup>  
 वेदवृत्तिसमाहितम् 31 20<sup>2</sup>, 150<sup>2</sup>  
 वेदाङ्गवृत्तिभूषण 31 23<sup>1</sup>  
 वेदात्मान च सुस्थिरम् 44 39<sup>2</sup>  
 वेदाध्ययनसपञ्चा 18 25<sup>2</sup>  
 वेदानधीत्य दीक्षाभि 41 10<sup>2</sup>  
 वेदानुचैरधीयिरे 32 38<sup>2</sup>  
 वेदाना च परा नति 100 72<sup>2</sup>  
 वेदाना च प्रतिक्रिया 117 50<sup>2</sup>  
 वेदान्वै समुपस्थित 100 68<sup>2</sup>  
 वेदा मामभित स्थिता 100 71<sup>2</sup>  
 वेदायै इति व विदु 117 47<sup>2</sup>  
 वेदायाना विषयव 65 18<sup>2</sup>  
 वेदासा धार्यदक्षिण 100 65<sup>2</sup>  
 वेदितृकम्भो हविर्गन्ध 31 26<sup>2</sup>  
 वेदि दीक्षा चरु लुवम् 31 5<sup>2</sup>  
 वेदीहोत्रे तथाहुति 118 37<sup>2</sup>  
 वेदीं चैव कुशाग्रमुदम् 30 21<sup>2</sup>  
 वेदेषु स पुराणेऽपि 7 49<sup>2</sup>  
 वेदोक्तमपरे जना 117 7<sup>2</sup>  
 वेदो धर्म क्षमा सत्य 38 1<sup>2</sup>  
 वेदोपस्थानिका चक्रे 100 67<sup>2</sup>  
 वेदो यो वेदविदुषा 30 35<sup>2</sup>  
 वेनक मपसमयाद् 5 18<sup>2</sup>  
 वेनमेक व्यजायत 2 19<sup>2</sup>  
 वेनश्च त्रिविध सयौ 5 23<sup>2</sup>  
 वेनस्य पाणौ मथिते 2 20<sup>2</sup>  
 वेनस्य मथित पुरा 4 22<sup>2</sup>  
 वेनः काशः आत्मनः 5 3<sup>2</sup>  
 वेन प्रदस्य दुजुदि 5 11<sup>2</sup>  
 वेमरुस्य ॥ आया सत् 114 15<sup>2</sup>  
 वेमरुषा स तु पुत्रोऽभूत् 114 15<sup>2</sup>  
 वम् रक्त प्रणैवेदु 35 9<sup>2</sup>  
 वेदामासाय पश्चिमाम् 43 15<sup>2</sup>  
 वेदामिर महोदधे 60 9<sup>2</sup>  
 वेदायनविचारिण्य 113 7<sup>2</sup>  
 वेदासमीपेऽप्यद्वय 10 47<sup>2</sup>  
 वेष्टेव दुरतिक्रमा 115 27<sup>2</sup>  
 वेष्टमानि जह्ये दृष्ट्वा 93 30<sup>2</sup>  
 वेष्टोक्तमथनाचिता 86 47<sup>2</sup>  
 वेष्टान्यत्वे चकार ह 10 41<sup>2</sup>

वेणेन वपुषा चैव 60 8<sup>2</sup>  
 वेणेनालङ्कृत प्रभु 83 3<sup>2</sup>  
 वेष्टमान समाक्षित 76 34<sup>2</sup>  
 वेष्टयन्ति स्म वल्गोरान् 36 13<sup>2</sup>  
 वेष्टयित्वा तनु स्थिता 113 1<sup>2</sup>  
 वेष्टितो बहुधा वस्य 108 83<sup>2</sup>  
 वेष्टुच्छर च देवेषु 32 1<sup>2</sup>  
 वेष्टुच्छरक्रमाददे 38 34<sup>2</sup>  
 वेष्टुच्छर दिवौकसाम् 38 9<sup>2</sup>  
 वेष्टुश्च किं चकार ह 39 1<sup>2</sup>  
 वेष्टिप्रवीर्यो द्वावेव 43 50<sup>2</sup>  
 वेष्टयन्तोऽचलो महान् 93 54<sup>2</sup>  
 वेष्ट्यं सोमकलाया 81 40<sup>2</sup>  
 वेष्ट्यो वरवानास 89 5<sup>2</sup>  
 वेष्ट्या राजसत्तम 98 19<sup>2</sup>  
 वेष्टिक शैतिक चैव 41 11<sup>2</sup>  
 वेष्टिका शैतिकाश्च वा 40 21<sup>2</sup>  
 वेष्टिशो वामदेवश्च 81 45<sup>2</sup>  
 वेष्ट्यं पत्रैर्नैव 93 21<sup>2</sup>  
 वेष्ट्यं मणिवर्णान् 93 47<sup>2</sup>  
 वेष्ट्यं च सचयान् 92 3<sup>2</sup>  
 वेष्ट्यं श्रीसद्व्याणा 78 4<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येनाभिमुत्ता स्म 77 15<sup>2</sup>  
 वेष्ट्यो मत्तुवर्त्ता च 16 19<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येव इवोरगम् 74 36<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवगतो राम 110 46<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवमवादिप्र 45 7<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवसमारुह 112 51<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवसमासीन 113 49<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवस्त वृद्ध 112 78<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवस्तो बली 110 16<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवस्यमसम् 112 16<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवस्य भद्र ते 110 3<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येव समाख्य 92 62<sup>2</sup> 112 1<sup>2</sup> 113 54<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येव प्रतापवान् 109 80<sup>2</sup> 110 54<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवोऽन्तरिक्ष 91 36<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवोऽन्तरिक्ष 5 46<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवोऽन्तरिक्ष 6 11<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवोऽन्तरिक्ष 11 12<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवोऽन्तरिक्ष 18 12<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवोऽन्तरिक्ष 13 41<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येव विपमार्जितम् 66 18<sup>2</sup>  
 वेष्ट्येवामित न शुक्लम् 3 23<sup>2</sup>

वैरण्यामेव पुत्राणा 3 18°  
 वैरण्या चाक्षुषो मनुम् 2 16°  
 वैरण्या पञ्च वीर्यवान् 3 6°  
 वैरनिर्यातन प्रति 109 45°  
 वैरस्य च समुत्थान 89 52°  
 वैरस्यान्त महाराज 23 65°  
 वैरस्यान्त विधित्सस्तु 85 36°  
 वैर तदपहाय स 89 12°  
 वैराजस्य प्रजापते 2 16° 4 11°  
 वैराज ब्रह्मसदन 31 47°  
 वैराजा इति विभुता 13 8°  
 वैराजास्तुरपाद्वीर 2 5°  
 वैरिकेलिकिलो विप्र 44 11°  
 वैरूप्यमङ्गल किञ्चित् 112 127°  
 वैरोचनिश्च वैरयेन्द्र 38 67°  
 वैरण्याद्वयाभिस्सपीडा 117 4°  
 वैवस्वतपथे स्थिते 64 10°  
 वैवस्वतपुर सरम् 34 48°  
 वैवस्वतश्च कौरव्य 7 4°  
 वैवस्वत पितृणा च 4 5°  
 वैवस्वताय मनवे 4 17°  
 वैवस्वते तु महति 8 90°  
 वैवस्वतेऽन्तरे ते वै 3 52°  
 वैशापायन कीर्तय 8 1° 4 19°, 21° 7 1°  
 वैशापायनभाषितम् 113 83°  
 वैशापायनमम्रबीत् 1 7°  
 वैशाखे मासि भामिनीम् 107 19°  
 वैशाखे मासि यो तिथि 107 41°  
 वैशाखे मासि हर्षस्या 107 16°  
 वैश्यवृत्तिमनुष्ठिते 0 47°  
 वैश्याधाराश्च राज्ञ्या 116 27°  
 वैश्वैरपि च विचार्य 6 47°  
 वैश्यो ब्राह्मणता गतौ 9 36°  
 वैश्वारसुते उभे 3 72°  
 वैश्वानर पुलोमा च 2 69°  
 वैष्णव कर्म बुर्वाण 40 25°  
 वैष्णव पदमन्त्रिच्छन् 38 3°  
 वैष्णव शत्रुमर्दनम् 113 24°  
 वैष्णवाश्च रामने 113 26°  
 वैष्णवाद्ये विमुक्ते तु 112 37°  
 वैष्णवी विश्वर्मणा 86 44°  
 वैष्णवे तु महावीर्ये 113 37°  
 वोढस्या सुगवेनेय 62 85°

व्यक्तकिङ्कुसतोत्सेध 94 6°  
 व्यक्तमेव वय गोपा 56 46°  
 व्यक्तमेवानुगृह्यते 58 35°  
 व्यक्तसज्जनोद्देश 93 41°  
 व्यक्त किङ्कुसतोत्सेध 93 67°  
 व्यक्त वृष्टिकुमारोज 89 38°  
 व्यक्तान्वक्ता च भारत 104 10°  
 व्यक्तीकृतश्च शब्द स 28 26°  
 व्यक्तीणाद्गोशतेन वै 9 97°  
 व्यगाहन्त युधा वरा 81 78°  
 व्यम्राण्या दण्डरज्जुभि 55 5°  
 व्यम्राया तु वसोदाया 51 14°  
 व्यङ्गभूत झलस्यास 78 34°  
 व्यङ्ग शस्त्रय बलिना 3 77°  
 व्यजायत महाबाहु 10 35°  
 व्यतिक्रमातिपटुणा च 13 38°  
 व्यतिपातौ स चार्पिकौ 59 1°  
 व्यतिपत्तरयद्विपम् 81 52°  
 व्यतिष्ठत च कौटवी 112 49°  
 व्यथित स नराधिप 88 12°  
 व्यद्वयस्त नराधिपा 88 26°  
 व्यपपातो नृनादेन 85 6°  
 व्यभक्तपञ्चपा राजा 22 15°  
 व्यभिचारप्रघर्षितात् 17 5°  
 व्यभिचारव्यतिक्रमे 73 27°  
 व्यभिचाराद्य दुष्यन्ति 73 26°  
 व्यभिचारेण ते देवि 107 33°  
 व्यभिचारो हि य हृत 12 24°  
 व्यराजत यदुभय 100 12°  
 व्यराजस्तत्र सुप्रभ 93 62°  
 व्यवर्धत गवां मध्ये 50 3°  
 व्यवर्धत च वेगेन 38 35°  
 व्यवर्धता महातेजा 37 1°  
 व्यवर्धत समुद्रौघे 37 37°  
 व्यवस्थान ध धमपु 11 22°  
 व्यवहारापराङ्मया 117 40°  
 व्यवहारोपवृत्ताश्च 117 17°  
 व्यसर्पित समन्तत 61 39°  
 व्यसनेषु जघन्यस्य 14 31°  
 व्यासेषेण विलम्बितम् 70 35°  
 व्याख्यात उरुराज्य 27 30°  
 व्याख्यातु रवमिहाहंति 2 52°  
 व्याप्रगम्भीरनिर्घोषा 50 21°

व्याघ्रयोगमहाधोप 53 14<sup>a</sup>  
 व्याघ्रतुल्यपराक्रमे 52 36<sup>a</sup>  
 व्याघ्रश्च भस्मिनां वरा 59 25<sup>b</sup>  
 व्याघ्रद्वार यथान्यायम् 107 47<sup>a</sup>  
 व्याघ्रद्वार स्वरेण तम् 62 10<sup>a</sup>  
 व्याघ्रानन इवान्तक 57 16<sup>b</sup>  
 व्यादितास्त्वमिवान्तकम् 108 44<sup>a</sup>  
 व्यादितास्त्वस्य यो भूतस्यो 109 6<sup>a</sup>  
 व्यादितास्यान्तकोपमम् 112 26<sup>a</sup>  
 व्यादिदेशे रणे धूरान् 108 34<sup>a</sup>  
 व्यादिश्वस्ता चरा नृप 109 33<sup>a</sup>  
 व्यादिष्ट तस्य निग्रहे 108 35<sup>b</sup>  
 व्यादिष्ट भीमकर्मणा 108 14<sup>b</sup>  
 व्यादिष्ट शूलपाणिना 106 22<sup>a</sup>  
 व्यादिष्ट स कथं ज्ञेय 107 46<sup>a</sup>  
 व्यादेष्टुमुपचक्रमे 4 1<sup>a</sup>  
 व्याधा परमधार्मिका 16 19<sup>a</sup>  
 व्याधिस्तुमुपचक्रमे 47 55<sup>a</sup>  
 व्याधि न चाप्नोति चिर च वन्दन 118 46<sup>a</sup>  
 व्याधो व्याकच्छते येन 30 46<sup>a</sup>  
 व्यास सदीप्तलोचनै 108 36<sup>a</sup>  
 व्यासुन्तो दिशो दृष्टा 38 35<sup>a</sup>  
 व्यासुन्तं च यमार्गं 67 38<sup>a</sup>  
 व्यास्यत बहुसाक्ष 33 16<sup>a</sup>  
 व्यासोद्गमपुरी 81 15<sup>a</sup>  
 व्यापास सस्कृपा बलम् 75 20<sup>a</sup>  
 व्यावत नदी भीता 83 33<sup>a</sup>  
 व्यावर्तमान सुमहत् 65 16<sup>a</sup>  
 व्याविष्यमाने शके तु 112 49<sup>a</sup>  
 व्याविष्यमाने तु तदा 111 6<sup>a</sup>  
 व्यावृत्तदृष्टि गिरि 61 43<sup>a</sup>  
 व्यासद्विष्येण धीमता 115 1<sup>a</sup>  
 व्यासाद्रम्यां सभूत 13 45<sup>a</sup>  
 व्याहरन्ति स्वर द्विजा 66 25<sup>a</sup>  
 व्याहरन्ति भयाद्द्विजा 61 20<sup>a</sup>  
 व्याहरन्ती पुन पुन 50 21<sup>a</sup>  
 व्याहरन्तो मृगद्विजा 66 28<sup>a</sup>  
 व्याहर्तुमुपचक्रमे 70 28<sup>a</sup>  
 व्याहृत भवता स्वयम् 11 29<sup>a</sup>  
 व्याहृत सद्गिरिस्थम् 35 45<sup>a</sup>  
 व्युरितस्य तु सेदिन्या 44 79<sup>a</sup>  
 व्युरिधत् पवनरित 100 46<sup>a</sup>  
 व्युरिधत् वनितामिव 83 32<sup>a</sup>

व्युपारम्भान् युद्धानि 82 11<sup>a</sup>  
 व्युद्धानीका प्रहारिण 81 51<sup>a</sup>  
 व्युद्धारस्कां मदावाह 96 49<sup>a</sup>  
 व्युद्ध्यस्य पक्ष ते सव्य 81 103<sup>a</sup>  
 व्युद्ध्यस्यार्थं समासेदु 81 104<sup>a</sup>  
 व्युद्ध्य च परिघागताम् 37 4<sup>a</sup>  
 व्युद्धानामुत्तमा मार्गा 93 29<sup>a</sup>  
 व्युद्ध्यितो दानवैर्व्यूहै 33 18<sup>a</sup>  
 वज्रनिर्याणभूमिषु 70 4<sup>a</sup>  
 वज्रमात्रमनुलौ तु 59 2<sup>a</sup>  
 वज्रमेव जगाम ह 54 41<sup>a</sup>  
 वज्रमेव यज्ञोदया 49 3<sup>a</sup>  
 वज्रमेव विवेका ह 67 68<sup>a</sup>  
 वज्ररथ्यासु वीर्यवान् 63 16<sup>a</sup>  
 वज्रगासो वनेचरो 65 88<sup>a</sup>  
 वास्य च निवेवाय 53 7<sup>a</sup>  
 वज्रस्योत्तरतल्ल 55 46<sup>a</sup>  
 वज्रस्योत्तरापापन चकु 53 6<sup>a</sup>  
 वा गता सुप चेर 63 29<sup>a</sup>  
 वज्राय मेरुतिस्तर 41 32<sup>a</sup>  
 वज्राय सद् गोधनै 53 3<sup>a</sup>  
 वज्रासोऽप्यन्महद्भयम् 33 2<sup>a</sup>  
 वज्रे गोपालकायुधौ 72 18<sup>a</sup>  
 वज्रे च परिवधिता 84 2<sup>a</sup>  
 वज्रे रासोऽप्यन्महद्भयम् 52 31<sup>a</sup>  
 वज्रे शुभ्राय रोहिणीम् 49 1<sup>a</sup>  
 वज्रे शुभ्रचतुस्रदा 59 2<sup>a</sup>  
 वज्रेषु च विदोषेण 59 55<sup>a</sup>  
 वज्रे सरयोपपाचितौ 51 22<sup>a</sup>  
 वज्रेऽस्मिन्गोपयम् च 55 56<sup>a</sup>  
 वज्रो निष्पन्द्येष्ट 52 36<sup>a</sup>  
 वज्रापभोग्या च शुभ्या 55 55<sup>a</sup>  
 वज्रचर्या समाहिता 23 104<sup>a</sup>  
 वज्रमुक्त तपस्विनाम् 35 44<sup>a</sup>  
 वज्रलोपो न विद्यते 107 35<sup>a</sup>  
 वज्रचन्तस्तदाभवन् 16 8<sup>a</sup>  
 वज्रिनी च वज्रता 28 34<sup>a</sup>  
 वज्रेन वतिना वर 40 9<sup>a</sup>  
 वज्रेरिषु सुदुर्गै 35 36<sup>a</sup>  
 वज्रोपासतन्वद्वय 92 27<sup>a</sup>  
 व्रीहित प्रत्यभापत 48 37<sup>a</sup>  
 व्रीहित शोकमत्त 102 19<sup>a</sup>  
 व्रीहिता दीनचेतना 19 5<sup>a</sup>

मीडिताधोमुखं व तु 78 39<sup>a</sup>  
मीडिता विमिताश्च 56 20<sup>a</sup>  
मीडितेव मनसिनी 8 13<sup>a</sup>  
मीडितोऽस्मि नराधिप 101 15<sup>a</sup>

श

शकटस्य त्वथ सुस 50 4<sup>a</sup>  
शकटं चक्रमालि वै 50 13<sup>a</sup>  
शकट परिवर्तिवत् 50 9<sup>a</sup>  
शकट पर्यवर्तयत् 50 6<sup>a</sup>  
शकट पातित भुवि 50 16<sup>a</sup>  
शकटं वायुना विना 50 8<sup>a</sup>  
शकटान्तरचारिणा 96 30<sup>a</sup>  
शकटारोपित बहु 70 8<sup>a</sup>  
शकटावतेपर्यग्न 53 21<sup>a</sup>  
शकटान्तर्विपुल 49 22<sup>a</sup>  
शकटीसकटस्तु स 53 14<sup>a</sup>  
शकटे च विलोडिते 15 10<sup>a</sup>  
शकटे परिवर्तिते 53 24<sup>a</sup>  
शकटौघेन भास्वता 53 18<sup>a</sup>  
शकाना पञ्चवाना च 10 21<sup>a</sup>  
शका यवनकास्त्रिजा 10 4<sup>a</sup>  
शकास्तुपारा द्रवा 85 19<sup>a</sup>  
शकुना नामत स्मृता 16 29<sup>a</sup>  
शकुनिप्रमुखास्तस्य 9 40<sup>a</sup>  
शकुनिभ्यस्तथैव च 49 11<sup>a</sup>  
शकुनिस्तस्य चात्मज 26 23<sup>a</sup>  
शकुनि निहता भूमौ 50 24<sup>a</sup>  
शकुनि प्रत्यद्वयत 50 20<sup>a</sup>  
शकुनीयेपचारिणि 86 30<sup>a</sup>  
शकुन्तलाया भरत 23 49<sup>a</sup>  
शकुनिगान्धर्मुर्धनौ 51 9<sup>a</sup>  
शङ्खमूर्ध्न समुत्पन्न 67 37<sup>a</sup>  
शङ्खमूर्ध्न तुल्येव 52 19<sup>a</sup>  
शङ्खमूर्ध्नोपलिसृज 64 4<sup>a</sup>  
शकै साधे निशा पते 10 30<sup>a</sup>  
शक्तस्त्वमसि साचिरम् 67 59<sup>a</sup>  
शक्त प्रसहित देग 40 28<sup>a</sup>  
शक्तिचर्मासिपाणय 87 75<sup>a</sup>  
शक्तिविध हलोदम 32 25<sup>a</sup>  
शक्ति जगद् काञ्चनीम् 112 43<sup>a</sup>  
शक्ति प्रखलिता दृष्टा 112 45<sup>a</sup>  
शक्ति वागस्तत मृद 108 71<sup>a</sup>  
शका दानुं समागम्य 106 61<sup>a</sup>

शक्तेऽपि न जहार स 28 14<sup>a</sup>  
शक्तेऽपि शास्त्रादार्थिक्य 29 13<sup>a</sup>  
शक्तो वै प्रमुखे स्थातु 113 4<sup>a</sup>  
शक्तो ह्यसि महामते 86 29<sup>a</sup>  
शक्तपृष्टिप्रासबाणौघान् 81 101<sup>a</sup>  
शक्तोति प्रसमीक्षितुम् 41 4<sup>a</sup>  
शक्तयेति यदि रक्षितुम् 101 16<sup>a</sup>  
शक्तयोऽयं मनुषुदन 97 38<sup>a</sup>  
शक्तगोपकुलानि च 54 8<sup>a</sup>  
शक्तगोपविभूषिता 73 17<sup>a</sup>  
शक्तगोपाङ्गवामोदे 68 4<sup>a</sup>  
शक्तगोपविभूषिता 61 9<sup>a</sup>  
शक्तचापाङ्कितोद्गा 54 3<sup>a</sup>  
शक्तचापावते पङ्क्ति 53 16<sup>a</sup>  
शक्तचापावते 54 35<sup>a</sup>  
शक्ततुल्यपराक्रम 23 34<sup>a</sup> 24 23<sup>a</sup> 108 90<sup>a</sup>  
शक्तवज्रशरीरेव 108 53<sup>a</sup>  
शक्तलोके च स्रजिभ्या 45 10<sup>a</sup>  
शक्तलोके महीक्षिताम् 67 63<sup>a</sup>  
शक्तमग्न समासाद्य 92 49<sup>a</sup>  
शक्तवृक्षवर्धन 36 1<sup>a</sup>  
शक्तस्य दयित द्विजम् 100 41<sup>a</sup>  
शक्तस्य वनस्य च 44 2<sup>a</sup>  
शक्तस्य वचनं श्रुत्वा 62 89<sup>a</sup>  
शक्तस्तेवामरावली 86 6<sup>a</sup>  
शक्त च यो दैत्यगणावरद् 30 19<sup>a</sup>  
शक्त दवागण इव 79 37<sup>a</sup>  
शक्त स मीडितोऽभवत् 62 6<sup>a</sup>  
शक्तगणा सररा हरि 110 3<sup>a</sup>  
शक्तादपि महत्तरा 38 66<sup>a</sup>  
शक्ताधैरमरैर्द्वै 113 44<sup>a</sup>  
शक्ताय सुमदारयने 38 63<sup>a</sup>  
शक्तासमिसमादृत 106 39<sup>a</sup>  
शक्तासमिसमादृत 106 41<sup>a</sup>  
शक्ते अयति देवेदे 41 3<sup>a</sup>  
शक्तो गोवि दमस्यचम् 62 67<sup>a</sup>  
शक्तो दिव्या एवसला 59 12<sup>a</sup>  
शक्तो दैत्यवर्धं पोर 35 12<sup>a</sup>  
शक्तोऽर्धनं ययामा 100 5<sup>a</sup>  
शक्तो शूरैरिषयश्च 59 18<sup>a</sup>  
शक्तो वा मर्यां वरः 65 43<sup>a</sup>  
शक्तमीलेवमुपस्थ 101 13<sup>a</sup>  
शङ्कनीया महीक्षिताम् 44 63<sup>a</sup>

शङ्कमानस्ततो भयम् 65 1<sup>d</sup>  
 शङ्किता चाभवत्पथात् 73 19<sup>d</sup>  
 शङ्किगानि मनासि न 63 6<sup>d</sup>  
 शङ्किता रिपव कृता 78 19<sup>d</sup>  
 शङ्किता सर्वपाथिंया 83 13<sup>d</sup>  
 शङ्कण्यो महास्वन 31 73<sup>d</sup>  
 शङ्खचक्रगदाधरम् 32 25<sup>d</sup> 38 3<sup>d</sup>  
 शङ्खचक्रगदाधर 110 53<sup>d</sup> 112 60<sup>d</sup>  
 शङ्खचक्रगदापाणि 94 11<sup>d</sup>  
 शङ्खचक्रगदासिन्धु 91 21<sup>d</sup>, 89<sup>d</sup> 92 33<sup>d</sup>  
 97 4<sup>d</sup>, 19<sup>d</sup>  
 शङ्खमाङ्गयतोपेङ्ग 86 55<sup>d</sup>  
 शङ्खमुक्तदधर 34 12<sup>d</sup>  
 शङ्खमुक्तमलतनु 43 10<sup>d</sup>  
 शङ्खश्च शङ्खपालश्च 3 89<sup>d</sup>  
 शङ्खस्वगपुरोजवम् 106 29<sup>d</sup>  
 शङ्ख गुणकमुत्तमम् 86 59<sup>d</sup>  
 शङ्ख चिवास्व वामत 110 5<sup>d</sup>  
 शङ्ख छेमे जनादन 79 16<sup>d</sup>  
 शङ्खाना च महास्वने 109 63<sup>d</sup> 110 1<sup>d</sup>  
 शङ्खाना च सहस्रश 81 91<sup>d</sup>  
 शङ्खादभ्युच्च नैका 37 24<sup>d</sup>  
 शङ्ख क्षीरमिवाहितम् 115 12<sup>d</sup>  
 शङ्खीमर्ता सुरेश्वर 107 26<sup>d</sup>  
 शङ्खनो क मपविप्रमोक्षण 118 44<sup>d</sup>  
 शङ्खीचक्रहस्ताश्च 31 78<sup>d</sup>  
 शङ्खीभिर्हयैश्च 37 11<sup>d</sup>  
 शङ्खुश्च च धेदाव 87 46<sup>d</sup>  
 शङ्खुश्च विदूरय 81 99<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रा च दुर्जय 97 5<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रा ततोऽदूरम् 29 12<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रा ॥ मध्यम 28 5<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रानमच्युत 29 19<sup>d</sup>  
 शङ्खय वानमादेयत् 29 16<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रा महाबल 29 3<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रा विदूरय 81 42<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रा सुत 26 9<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रासिन्धु 26 3<sup>d</sup>, 9<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्राणोदय 36 49<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रायापरे 52 32<sup>d</sup>  
 शङ्खयानु शतानन 36 49<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रायापरे 23 61<sup>d</sup> 114 3<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रायापरे 29 16<sup>d</sup>

शङ्खरूपामयोदिज्ञम् 2 1<sup>d</sup>  
 शङ्खरूपा ध्वजयत् 2 2<sup>d</sup>, 5<sup>d</sup>  
 शङ्खश्च कृतलक्षणम् 39 22<sup>d</sup>  
 शङ्खश्च प्रतिनादितम् 65 56<sup>d</sup>  
 शङ्खशास्त्राश्च रोहिण्या 93 60<sup>d</sup>  
 शङ्खशास्त्रं पादपै 34 33<sup>d</sup>  
 शङ्खशोर्ध्व स्थित श्रीमान् 36 49<sup>d</sup>  
 शङ्खशूत्र इवाचल 36 49<sup>d</sup>  
 शङ्खशोण्य सहस्रत 3 79<sup>d</sup>, 94<sup>d</sup> 43 72<sup>d</sup>  
 60 30<sup>d</sup> 69 29<sup>d</sup>  
 शङ्खशो दृष्टविज्रमम् 34 41<sup>d</sup>  
 शङ्खशो यान्ति निजगा 100 43<sup>d</sup>  
 शङ्खशो विमिषाति 81 13<sup>d</sup>  
 शङ्खशो ध्वजरागणा 34 8<sup>d</sup>  
 शङ्ख कवचिना रणे 26 10<sup>d</sup>  
 शङ्ख चैव समाश्रयत 3 44<sup>d</sup>  
 शङ्ख जवान सङ्घ 87 71<sup>d</sup>  
 शङ्ख तीव्रपराक्रमा 3 65<sup>d</sup>  
 शङ्ख स सुमहायज्ञा 10 63<sup>d</sup>  
 शङ्खानि दशक 27 5<sup>d</sup>  
 शङ्खानि तन्नाम्नरा 107 2<sup>d</sup>  
 शङ्खानि दश पञ्च च 31 33<sup>d</sup>  
 शङ्खानि दश बाहुना 31 98<sup>d</sup>  
 शङ्खानि सुबहूनि च 104 1<sup>d</sup>  
 शङ्खानुशोर्ध्वशीमुता 21 10<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रं चैव 93 19<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रं चैव 9 64<sup>d</sup>  
 शङ्खयन्त्रं पराजिता 84 3<sup>d</sup>  
 शङ्खयो विद्वन्व्याप्तौ 15 44<sup>d</sup>  
 शङ्खकालप्रदा गदाम् 34 37<sup>d</sup>  
 शङ्खश्च शङ्खपापन 44 45<sup>d</sup>, 60<sup>d</sup>  
 शङ्खज्ञेन पुत्रा सृष्टा 44 53<sup>d</sup>  
 शङ्खज्ञोऽप्यारिमर्दन 24 9<sup>d</sup>  
 शङ्खपक्षभयावह 31 61<sup>d</sup>  
 शङ्खभिर्दुर्ध्व दुर्जय 21 2<sup>d</sup>  
 शङ्खमिश्रापराज्यम् ॥ 76<sup>d</sup>  
 शङ्खभूतास्वनाम्पदम् 47 20<sup>d</sup>  
 शङ्खसेनाचिखलुभा 28 11<sup>d</sup>  
 शङ्खसैन्यस आरत 81 97<sup>d</sup>  
 शङ्खहा चारिभेज्य 28 39<sup>d</sup>  
 शङ्खैरुत्तराद्गुप्ता 65 99<sup>d</sup>  
 शङ्खैर्गद्गदया वाचा 109 58<sup>d</sup>  
 शङ्खैः सतोलयामास 71 31<sup>d</sup>

शपेयुरपि धोषित 118 36<sup>5</sup>  
 शपेयुस्तपसा युक्ता 31 42<sup>6</sup>  
 शप्तवानर्जुन विश्व 29 151<sup>6</sup>  
 शप्ता हि सा मतिमता 23 59<sup>6</sup>  
 शप्ता खगाभ्ययस्ते 17 6<sup>6</sup>  
 शप्तोऽहमस्मि लोकेश 8 24<sup>6</sup>  
 शप्ता वानभिन्नाधाय 17 5<sup>6</sup>  
 शपरादयश्च सप्तम्ये 23 93<sup>6</sup>  
 शबलायाः प्रजासदा 3 19<sup>6</sup>  
 शब्द पित्राभिवर्धित 47 21<sup>6</sup>  
 शब्दाजुसारी सङ्गुह 57 15<sup>6</sup>  
 शमयस्वाधुरीं माया 36 10<sup>6</sup>  
 शमयामास वारिणा 9 74<sup>6</sup>  
 शम चाग्निर्गत पुन 110 69<sup>6</sup>  
 शर्मि कम्बलवर्हिपन् 27 16<sup>6</sup>  
 शमीको राज्यमाचिहत् 24 33<sup>6</sup>  
 शमी च वृण्वशर्मो च 28 3<sup>6</sup>  
 शमीपुत्र प्रतिक्षश्च 28 4<sup>6</sup>  
 शम्बरजेऽयुदाहृत 99 1<sup>6</sup>  
 शम्बरस्य गृहोपिता 99 48<sup>6</sup>  
 शम्बरस्य वध प्रति 99 41<sup>6</sup>  
 शम्बर चारिमर्दन 97 26<sup>6</sup>  
 शम्बर लङ्घयिहि मे 99 1<sup>6</sup>  
 शम्बर मघवानिह 15 52<sup>6</sup>  
 शम्बर स समाङ्गयत् 99 28<sup>6</sup>  
 शम्बरान्तकर सुत 98 5<sup>6</sup>  
 शम्बरान्तकरो जज्ञे 98 3<sup>6</sup>  
 शम्बरेण हृत्ते ह्यभूत् 109 29<sup>6</sup>  
 शम्बरेणात्मधातिना 100 1<sup>6</sup>  
 शम्बरो विक्षरो महात् 31 74<sup>6</sup>  
 शयनानि महाहोणि 92 6<sup>6</sup>  
 शयनान्वासनानि च 92 14<sup>6</sup>  
 शयनायोपचक्रमे 40 7<sup>6</sup>  
 शयनीयानि नेष्वसि 77 6<sup>6</sup>  
 शयनीये महामति 49 14<sup>6</sup>  
 शयानस्तेन चोदित 15 42<sup>6</sup>  
 शयानस्य महामन 40 35<sup>6</sup>  
 शयानस्य हि ते मूर्धो 77 35<sup>6</sup>  
 शयान दीप्ततेजसम् 12 6<sup>6</sup>  
 शयान धरणीतले 15 38<sup>6</sup>  
 शयानं वीरसयने 77 48<sup>6</sup>  
 शयानी न चक्रम्यतु 42 22<sup>6</sup>  
 शरकरश्च धीर्यमात्र 3 78<sup>6</sup>

शरखजनिपातिला 91 48<sup>6</sup>  
 शरण त्व भवस्व न 31 61<sup>6</sup>  
 शरण प्रत्यपवत् 22 11<sup>6</sup>  
 शरण्य शरण गता 42 36<sup>6</sup>  
 शरण्य शरण गता 31 59<sup>6</sup> 92 29<sup>6</sup>  
 शरण्य शरण विष्णु 31 58<sup>6</sup>  
 शरण्यं सर्वमूर्तेर्ष 19 10<sup>6</sup>  
 शरत्तल्पगत दुरा 11 6<sup>6</sup>  
 शरत्तल्पे शयानेन 101 4<sup>6</sup>  
 शरत्काष्ठं तु पश्चिमम् 62 45<sup>6</sup>  
 शरत्प्रकाशयोषेव 59 55<sup>6</sup>  
 शरत्प्रखलित तेज 59 50<sup>6</sup>  
 शरत्प्रमुखा रम्या 59 31<sup>6</sup>  
 शरत्प्रवृत्तयो हि 40 24<sup>6</sup>  
 शरत्सुमोदिते त्वयि 62 55<sup>6</sup>  
 शरदीव नभ शशी 100 12<sup>6</sup>  
 शरद्वृण्विदीपित 59 47<sup>6</sup>  
 शरचेन सुसखाया 59 57<sup>6</sup>  
 शरद्वाधाम गौतम 7 44<sup>6</sup>  
 शरभ शरभश्चैव 31 72<sup>6</sup>  
 शरभूला सुरेन्द्राणा 34 32<sup>6</sup>  
 शररूप महासर्पा 113 1<sup>6</sup>  
 शरवर्षैरवाकिरत् 112 63<sup>6</sup>  
 शरवर्षै समन्तत 102 11<sup>6</sup>  
 शरमग्रे धिया वृत्तः 3 36<sup>6</sup>  
 शराणा मत्तपर्वणाम् 112 18<sup>6</sup>  
 शराणा वनतं शब्द 87 76<sup>6</sup>  
 शराशीविषधारिणम् 32 24<sup>6</sup>  
 शराश्च दिव्यान्तरिक्षे 22<sup>6</sup>  
 शरीरकर्ता लोकाना 43 2<sup>6</sup>  
 शरीरप्रमाणनर्ष महास्थे 110 73<sup>6</sup>  
 शरीरमपतनुयि 91 57<sup>6</sup>  
 शरीरस्याविद्वृत 28 31<sup>6</sup>  
 शरीराण्युपगोषयन् 18 1<sup>6</sup>  
 शरीरान्तकरं महत् 77 46<sup>6</sup>  
 शरीरिण प्रभवता 112 103<sup>6</sup>  
 शरीरे पर्वतोपमे 110 61<sup>6</sup>  
 शरीरेर्दिवि देवते 13 33<sup>6</sup>  
 शरत्स्थाम प्रजेष्वर 23 128<sup>6</sup>  
 शरत्स्थामाद्वाक्पीड 23 128<sup>6</sup>  
 शरीरे मत्तपर्वणा 83 19<sup>6</sup>  
 शरीराविधारामै 82 6<sup>6</sup>  
 शरीर्विषयाश्च चाष्टमि 81 79<sup>6</sup>

शापेस्मिन्सरिता नाथ 43 37°  
 शापो निवर्तदिति च 8 21°  
 शापोऽयं विनिवर्त्यताम् 43 33°  
 शापो ह्यस्या पुरा दत्त 35 73°  
 शाप्येतामग्निमारुतो 2 39°  
 शारदीना निशाना च 63 15°  
 शारदीसु सचन्द्रासु 63 35°  
 शारदेरिच तोयदै 74 3°  
 शार्ङ्गधन्वा विलस्य तु 28 25°  
 शार्ङ्गविस्फूर्जितेन च 112 32°  
 शार्ङ्गादीनि महापशा 34 38°  
 शार्ङ्गशब्दाभिरुत 49 20°  
 शार्ङ्गसमबिक्रमम् 31 124°  
 शार्ङ्गलेन हता धेनु 16 13°  
 शार्ङ्गलौ गोधन पथा 96 61°  
 शार्याता इति विश्रुता 9 34°  
 शार्याते सतति कथम् 9 30°  
 शाखापातर्हिरण्याक्ष 23 87°  
 शाख कपालमादाय 9 30°  
 शाश्वतस्यान्यस्य च 31 109°  
 शाश्वती च नृणा कृता 42 33°  
 शाश्वती जगती स्थिता 58 44°  
 शाश्वतश्च महर्षिभि 40 4°  
 शासनं बुद्धयेतस 58 33°  
 शासनार्थं दुरारमनाम् 55 56°  
 शासने पाकशासन 61 7°  
 शासने मम विद्वस्य 15 41°  
 शासिते साधयाम्यहम् 67 67°  
 शान्ता सर्वदुरारमनाम् 97 28°  
 शास्त्रज्ञानविमूर्छिता 117 9°  
 शास्त्रद्वेन कर्मणा 81 10° 101 7°  
 शास्त्राक्तस्याप्रवक्तार 116 30°  
 शिक्षया च व्यपोह्यत् 82 19°  
 शिक्षामुत्पाद्य केचलाम् 19 29°  
 शिक्षामुत्पाद्य तपसा 15 12°  
 शिराण्डिनी इक्षिर्धान 2 27°  
 शिरस्य चेतदाहृतम् 96 2°  
 शिरस्य मणिपर्वतम् 94 22°  
 शिखराणि घनैर्धने 54 36°  
 शिखरैर्धुणमानैश्च 61 32°  
 शिराभिस्तस्य मुक्ताभि 55 7°  
 शिखाविठतमूर्धनो 71 48°  
 शिरानि काश्यप रणम् 38 4°

शिखिन चूडिन चैव 34 42°  
 शिखितामरणाद्गद 36 48°  
 शितधारेश्च मुद्गै 33 29°  
 शितिकण्ठप्रसादेन 106 22°  
 शितिकण्ठविसृष्टस्तु 106 19°  
 शितिकण्ठ प्रतापवान् 106 33°  
 शिनेयुरभवत्पुत्र 26 7°  
 शिनेस्तु सत्यवाग्ब्रह्मे 98 26°  
 शिविकार्या समारोप्य 78 43°  
 शिविज्ञाया समाहित 49 14°  
 शिविका बहुता तत्र 92 37°  
 शिविरीक्षीनरो नृप 23 24°  
 शिवेस्तु शिवयन्तात् 23 24°  
 शिरश्चिच्छेद खड्गेन 44 50°  
 शिरश्चिच्छेद चारिहा 87 57°  
 शिरसस्तस्य कृष्णेन 76 30°  
 शिरसा चारुकेनेन 83 23°  
 शिरसा छत्रवर्धना 68 22°  
 शिरसा ध्रुवकुम्भाभि 49 28°  
 शिरसा शासन गृह्य 86 61°  
 शिरस्यवद्बद्धीर 76 6°  
 शिरस्य ते जल मूर्ति 58 38°  
 शिरस्येन तु राज्ञे 85 47°  
 शिरोधराया सलीनी 77 8°  
 शिरोभिश्चावचर्हिदै 75 32°  
 शिरोभि परिवारिन 56 6°  
 शिरोऽस्य कृष्णो जग्राह 56 30°  
 शिराभिश्चाप्यताहित 36 28°  
 शिराया कस पातिता 65 49°  
 शिरायां निरसिष्यति 47 38°  
 शिरायां विनिपातिता 48 34°  
 शिरार्थां समपोषयत् 48 28°  
 शिरास्यगानतिव्रम्य 91 45°  
 शिरा प्रतिधिताब्ज 91 31°  
 शिरा शयसहस्रम् 6 9°  
 शिरास्यगानोऽनुत्परा 116 8°  
 शिरायाचार्यो महामति 86 22°  
 शिराभिः सापुनिहितैः 96 55°  
 शिराभिः सुबभूवुः दग्धैः 86 20°  
 शिरमाप च पावक 32 31°  
 शिरायाश्चानुत्परा 116 12°  
 शिराया वा भविष्यामि 60 26°  
 शिरायाश्चानुत्परा 56 35°



शिव वर्षेति वासव 41 13<sup>१</sup>  
 शिव कालराधैव च ४ 60<sup>२</sup>  
 शिवाय गाव पूज्यन्ता 59 59<sup>३</sup>  
 शिवाय भवतामये 40 47<sup>४</sup>  
 शिवाश्च वाता प्रवयु 79 34<sup>५</sup>  
 शिवा इमक्षानाश्चिच्छम्प 66 26<sup>६</sup>  
 शिवा मप्रयवुर्वाता 48 15<sup>७</sup>  
 शिवेन मनसा १८ 53 32<sup>८</sup>  
 शिवै सौम्यैश्च कर्मभि 38 74<sup>९</sup>  
 शिविराशु द्विजेश्वरम् 34 21<sup>१०</sup>  
 शिविरीकृतमारता 86 48<sup>११</sup>  
 शिशुना वासुदेवेन 98 37<sup>१२</sup>  
 शिशुना स्तनपायिता 25 26<sup>१३</sup>  
 शिशुपालश्च निर्जित 97 8<sup>१४</sup>  
 शिशुपालश्च वीर्यवान् 87 49<sup>१५</sup>  
 शिशुपालश्च सपूर्ण 105 11<sup>१६</sup>  
 शिशुपालस्य नृपते 87 2<sup>१७</sup>  
 शिशुपाल प्रतापवान् 87 54<sup>१८</sup>  
 शिशुपालाय वीर्यवान् 87 25<sup>१९</sup>  
 शिशुपालो दशग्रीव 87 21<sup>२०</sup>  
 शिशुपालो महायुध 24 20<sup>२१</sup>  
 शिशुरुत्तानवाधित 99 18<sup>२२</sup>  
 शिशुर्मध्यव्याप्तया 97 40<sup>२३</sup>  
 शिशुचीला सप्त हर्षम् 50 5<sup>२४</sup> 51 15<sup>२५</sup>  
 शिशुराधे न विनाशित 66 19<sup>२६</sup>  
 शिशु वै कालशम्भर 99 3<sup>२७</sup>  
 शिश्रिये स पञ्च क्लान्त 88 14<sup>२८</sup>  
 शिष्टा सर्वे तपोधना 118 6<sup>२९</sup>  
 शिष्टा सोमाय राज्ञे तु 2 47<sup>३०</sup>  
 शिष्या गार्ग्यस्य सारत 16 5<sup>३१</sup>  
 शिष्यो धास्यस्य धीमत 1 8<sup>३२</sup>  
 श्रीश्री शब्दयोगिनम् 34 29<sup>३३</sup>  
 श्रीश्रममादा हाफोधा 13 70<sup>३४</sup>  
 श्रीश्रमागच्छ नगर 65 84<sup>३५</sup>  
 श्रीश्रमाज्ञाप्यता घोष 53 9<sup>३६</sup>  
 श्रीश्रमाकृष्टता पुरी 81 37<sup>३७</sup>  
 श्रीश्रमिच्छामि वेदितुम् 40 46<sup>३८</sup>  
 श्रीश्रमुत्तिष्ठप्य दानव 58 23<sup>३९</sup>  
 श्रीश्रमेदि महायुध 112 66<sup>४०</sup>  
 श्रीश्रयाना घनाशुग 49 12<sup>४१</sup>  
 श्रीश्रयातसमुद्रा 54 29<sup>४२</sup>  
 श्रीम गमनलान्स 53 12<sup>४३</sup>  
 श्रीम गाव प्रकाल्यन्ता 53 10<sup>४४</sup>

श्रीम समभिवर्तन्ताम् 81 33<sup>४५</sup>  
 श्रीतमाकृतसेवितम् 49 16<sup>४६</sup>  
 श्रीतरदिमप्रमाणि च 92 4<sup>४७</sup>  
 श्रीतरदिमसमप्रमम् 92 5<sup>४८</sup>  
 श्रीतवातार्दिता गात्र 96 37<sup>४९</sup>  
 श्रीतानिलविसर्पिणा 49 15<sup>५०</sup>  
 श्रीताशुजलनिर्दग्धा 36 18<sup>५१</sup>  
 श्रीताशुनिहतास्ते तु 36 19<sup>५२</sup>  
 श्रीताशुरसृताधार 36 8<sup>५३</sup>  
 श्रीताशुसमतेजसा 34 43<sup>५४</sup>  
 श्रीताशुपल्लिहदम् 35 20<sup>५५</sup>  
 श्रीताशु शान्तकिरण 70 3<sup>५६</sup>  
 श्रीताशु सर्वभाग 20 7<sup>५७</sup>  
 श्रीता सपृथलौहारा 54 38<sup>५८</sup>  
 श्रीपाण्य वै सहस्र तु 110 6<sup>५९</sup>  
 श्रीलवत्यो नमस्कार्या 118 38<sup>६०</sup>  
 श्रीलम्बसनमाताप 117 3<sup>६१</sup>  
 शुक्रस्य कन्या कृत्वी स 15 4<sup>६२</sup>  
 शुक्रस्य मक्षिणी द्विज 13 61<sup>६३</sup>  
 शुक्रो नाम महातपा 13 45<sup>६४</sup>  
 शुक्तिमत्यामुवास त 26 14<sup>६५</sup>  
 शुक्र सोमात्मक विद्यात् 30 42<sup>६६</sup>  
 शुक्रादलाङ्गुमप्यादे 10 62<sup>६७</sup>  
 शुक्राङ्गं समभवत् 30 40<sup>६८</sup>  
 शुक्रकृष्णाविगम्बुदो 58 5<sup>६९</sup>  
 शुक्रदम्बाजितक्षेत्र 116 15<sup>७०</sup>  
 शुक्रपर्यन्तपूर्णस्य 81 26<sup>७१</sup>  
 शुचिरौदकान्पक्षिणात् 3 83<sup>७२</sup>  
 शुचिश्चित्ररथस्था 99 16<sup>७३</sup>  
 शुचि शुक्र सहस्रैव 7 17<sup>७४</sup>  
 शुचि सा वसुधाधिप 3 102<sup>७५</sup>  
 शुचीत्याधाबरोत्तम 6 33<sup>७६</sup>  
 शुद्धभारा मनन्वनी 107 36<sup>७७</sup>  
 शुद्धा रक्षाम्बिवुन्वन्ती 73 28<sup>७८</sup>  
 शुद्धाते एजगैर्हृत्सम् 108 98<sup>७९</sup>  
 शुन दोषोऽयं स्मृत 23 92<sup>८०</sup>  
 शुनगन्धो दुवासन 41 15<sup>८१</sup>  
 शुभ गर्भमेषचैत 38 20<sup>८२</sup>  
 शुभ तत्पुत्रमाविशत् 100 3<sup>८३</sup>  
 शुभ मार्गमवातरत् 110 10<sup>८४</sup>  
 शुभ वा यदि वाशुसम् 107 32<sup>८५</sup>  
 शुभाद्दी नाम वैदर्भी 89 4<sup>८६</sup>  
 शुभाष्टमतरां योगि 16 27<sup>८७</sup>

शुभान्यङ्गगतानि वै 67 2<sup>१</sup>  
 शुभान्येव चचार ह 20 1<sup>१</sup>  
 शुभान्येवाचरिष्यन्ति 117 10<sup>१</sup>  
 शुभा नयति सद्गतिम् 44 35<sup>१</sup>  
 शुभे कुन्ती च माद्री च 43 51<sup>१</sup>  
 शुभे तिथौ महाराज 89 15<sup>१</sup>  
 शुभे देशे सरिद्धीपे 16 28<sup>१</sup>  
 शुभेन कर्मणा तेन 16 22<sup>१</sup>  
 शुभेन परमद्युति 8 42<sup>१</sup>  
 शुभेनाशुभवर्जिता 16 27<sup>१</sup>  
 शुभैरास्त्राणाम्भरे 74 9<sup>१</sup>  
 शुभमेघमलीकाशौ 86 51<sup>१</sup>  
 शुभल्लगजुलेपना 89 23<sup>१</sup>  
 शुशुभाते वनगता 52 3<sup>१</sup>  
 शुशुभाते धिया जुष्टौ 51 10<sup>१</sup>  
 शुशुभे दानवोत्तम 108 54<sup>१</sup>  
 शुशुभेऽप्यधिक राजन् 82 14<sup>१</sup>  
 शुशुभेऽप्यधिक शुभा 95 16<sup>१</sup>  
 शुशुभे श्वेतमुड्ड 74 18<sup>१</sup>  
 शुशुभे सर्वदुष्पवा 55 9<sup>१</sup>  
 शुश्राव निहत कस 80 1<sup>१</sup>  
 शुश्राव पुरुषवाधौ 96 59<sup>१</sup>  
 शुश्राव प्रमदेरिताम् 28 22<sup>१</sup>  
 शुश्रुये पृथिवीक्षिताम् 81 29<sup>१</sup>  
 शुश्रुयेऽशनिनिखन 82 17<sup>१</sup>  
 शुश्रूषन्त्यनहृता 31 132<sup>१</sup>  
 शुश्रूषवो भविष्यन्ति 117 40<sup>१</sup>  
 शुश्रूषामप्रयुक्त्वा च 18 28<sup>१</sup>  
 शुश्रूषुर्नमोजय 4 23<sup>१</sup>  
 शुश्रू निरङ्कशौ 79 4<sup>१</sup>  
 शुष्क वृक्षमिवादानि 85 53<sup>१</sup>  
 शुष्कानिसमाहता 66 29<sup>१</sup>  
 शुष्कधनसमीरित 112 4<sup>१</sup>  
 शुद्धा धर्मे चरिष्यन्ति 116 15<sup>१</sup>  
 शुद्धा भोवादिनश्चैव 116 13<sup>१</sup>  
 शुद्धाश्च ब्राह्मणाचारा 116 6<sup>१</sup>  
 शुद्धाश्च भरतर्षभ 23 72<sup>१</sup>  
 शुद्धाश्च हि वर्णाचीन् 31 132<sup>१</sup>  
 शुद्धास्त्वाम्भावयन्त्युत 13 62<sup>१</sup>  
 शुन्यं तोयचरै रजौ 55 41<sup>१</sup>  
 शुन्या वर्षसहस्र वै 23 59<sup>१</sup>  
 शुन्या निषेदायामास 23 58<sup>१</sup>  
 शुनयो रणमूर्धनि 44 41<sup>१</sup>

शूरसेनश्च शूरश्च 23 157<sup>१</sup>  
 शूरसेनस्ततोऽभवत् 44 59<sup>१</sup>  
 शूरसेनाञ्चशास ॥ 96 52<sup>१</sup>  
 शूरसेनश्चरो राजा 80 4<sup>१</sup>  
 शूरस्य भवने महत् 24 16<sup>१</sup>  
 शूरं वै देवमीदुपम् 24 14<sup>१</sup>  
 शूर पञ्चजनश्चैव 10 50<sup>१</sup>  
 शूर क्षत्रुनिबर्हण 107 42<sup>१</sup>  
 शूराणां बाहुशालिनाम् 15 19<sup>१</sup>  
 शूराश्च जावत्स्थिरे 81 93<sup>१</sup>  
 शूरैरधिष्ठित कस 96 58<sup>१</sup>  
 शूरैस्त्वैयंदुपुगवै 96 23<sup>१</sup>  
 शूरी रणविशारदौ 26 19<sup>१</sup>  
 शूलपट्टिषसकस्पृष्टि 110 44<sup>१</sup>  
 शूलमुद्गरकसरे 112 74<sup>१</sup>  
 शूलहस्ताश्च दानवा 31 80<sup>१</sup>  
 शूलैश्च शितनिर्मलै 37 13<sup>१</sup>  
 शूलोल्लासकहस्ताश्च 31 79<sup>१</sup>  
 शूङ्गप्रहरणो रौद्र 64 9<sup>१</sup>  
 शूङ्ग चास्य पुन सस्य 64 20<sup>१</sup>  
 शूङ्ग पृथिव्या स्वाढ्यं 85 3<sup>१</sup>  
 शूङ्ग यस्परमार्चितम् 92 38<sup>१</sup>  
 शृणु कृष्ण बभौ मम 109 39<sup>१</sup>  
 शृणु गीता ययातिना 22 36<sup>१</sup>  
 शृणु चापि यदुच्यते 73 33<sup>१</sup>  
 शृणु चाप्यत्र कारणम् 44 19<sup>१</sup>  
 शृणु चेद् बभौ मम 5 49<sup>१</sup>  
 शृणु तद्भूवतो वीर 78 25<sup>१</sup>  
 शृणु तावच्चरुष्यते 66 4<sup>१</sup>  
 शृणु त्व वदतां वर 35 54<sup>१</sup>  
 शृणु त्व वै मयेरितम् 107 56<sup>१</sup>  
 शृणु दिव्या प्रयुक्तव 31 2<sup>१</sup>  
 शृणुष्व यादवा सर्वे 109 26<sup>१</sup>  
 शृणुष्व राज्ञादूर्वा 96 25<sup>१</sup>  
 शृणु नारायणस्यादौ 39 7<sup>१</sup>  
 शृणु प्रीतमहाराज 23 2<sup>१</sup>  
 शृणु मे मधुसूदन 91 33<sup>१</sup>  
 शृणुपादारवेत या ॥ 48<sup>१</sup>  
 शृणुपादारवेद्रापि 21 37<sup>१</sup>  
 शृणुपाद्वाप्यभीष्टगता 1 16<sup>१</sup>  
 शृणु रामस्त्वपि दिव्या 1 15<sup>१</sup>  
 शृणु रामवपातधम् 4 23<sup>१</sup> 32 2<sup>१</sup>  
 शृणु वंशमनुमोक्तं 23 42<sup>१</sup>

शृणु वाक्यमिदं शेष 102 14<sup>a</sup>  
 शृणु विष्णोः शुभा वाच 40 39<sup>a</sup>  
 शृणु वै यत्तदा वृत्त 39 17<sup>a</sup>  
 शृणुष्व प्रयतोऽनय 12 2<sup>a</sup>  
 शृणुष्वान्वहितो राजन् 106 4<sup>a</sup>  
 शृणुर्वक्रमना नृप 105 6<sup>a</sup>  
 शृणु सर्वमरोपत 31 12<sup>a</sup>  
 शृणु सर्वं यथातथम् 12 20<sup>a</sup>  
 शृणु सर्वं समाहित 11 35<sup>a</sup>  
 शृणोमि व्यायतोद्यमौ 65 86<sup>a</sup>  
 शृण्वतस्तस्य धीमत 101 2<sup>a</sup>  
 शृण्वतस्तमचिन्त्य वै 112 10<sup>a</sup>  
 शृण्वन्वी कामचननी 73 12<sup>a</sup>  
 शृण्वन्वाचोऽन्तरिक्षस्थ 109 91<sup>a</sup>  
 शृण्वन्वेदामिद्वज्जेरितान् 39 23<sup>a</sup>  
 शङ्क प्रातःसमीक्षितुम् 96 48<sup>a</sup>  
 शते छोकविनाशाय 9 54<sup>a</sup>  
 शते स्म हि तदा विष्णु 40 34<sup>a</sup>  
 शरते हृत्पक्षणा 77 43<sup>a</sup>  
 शेषरासुकितक्षका 3 87<sup>a</sup>  
 शेषस्ते नोमिषि श्रीमान् 90 4<sup>a</sup>  
 शेषस्य धरणीभूत 90 1<sup>a</sup>  
 शेषस्य भरणार्थाय 9 97<sup>a</sup>  
 शेषस्य सुमहारमन 90 18<sup>a</sup>  
 शेष च धरणीधरन् 43 67<sup>a</sup>  
 शेष शास्त्रामहे धयम् 47 4<sup>a</sup>  
 शेष धर्मपरा काल 16 18<sup>a</sup>  
 शेषाश्च मे परिग्रहका 73 8<sup>a</sup>  
 शेषास्ततोऽप्य सर्वे 110 33<sup>a</sup>  
 शेषारतु चक्रवाका वै 18 24<sup>a</sup>  
 शेषैर्भुजैः प्रदीप्तानि 34 35<sup>a</sup>  
 शेषो हेतु प्रवर्तते 48 49<sup>a</sup>  
 शेषययोगाच्च हृदयते 112 103<sup>a</sup>  
 शेषयाहस्ये निपतिते 110 61<sup>a</sup>  
 शैलेय सत्यकृष्णात् 24 24<sup>a</sup>  
 शैल्यायामद्भुत सुतम् 98 15<sup>a</sup>  
 शैल्या सुदृचा रूपेण 88 42<sup>a</sup>  
 शैल्यृष्टार्धसलीन 74 36<sup>a</sup>  
 शैल्येषप्रतीकादौ 110 45<sup>a</sup>  
 शैल्यृष्टाप्रपादपै 37 43<sup>a</sup>  
 शैल्यृष्टादिवोदक्रम 58 54<sup>a</sup>  
 शैल्युत्पानतिक्रम्य 96 66<sup>a</sup>  
 शैल्युत्पन्न इतोऽपि 61 58<sup>a</sup>

शैल प्रियमिवातिथिम् 61 58<sup>a</sup>  
 शैलानां च वनानां च 54 36<sup>a</sup>  
 शैलानां भूषण घोष 50 16<sup>a</sup>  
 शैलानां हिमयत्त च 4 6<sup>a</sup>  
 शैलैश्च धूयते दुग्धा 6 35<sup>a</sup>  
 शैलोद्यतितवन्धनम् 41 19<sup>a</sup>  
 शैलोत्करिमसकाश 33 9<sup>a</sup>  
 शैलोत्पादनभूरेपा 61 55<sup>a</sup>  
 शैवालमलिनैश्चापि 55 53<sup>a</sup>  
 शैशिरीष्विव रात्रीषु 83 27<sup>a</sup>  
 शोकसत्तमानसा 77 15<sup>a</sup>  
 शोक्रसागमक्षोग्य 109 22<sup>a</sup>  
 शोक खलु विधीयते 78 6<sup>a</sup>  
 शोकात् प्रमदाजन 78 16<sup>a</sup>  
 शोकात्ता पुनर्गुदिनी 99 34<sup>a</sup>  
 शोकात्ताश्च पुन पुन 56 20<sup>a</sup>  
 शोचनीय त्वया हृत्तम् 65 70<sup>a</sup>  
 शोणश्च श्वतवाहन 28 2<sup>a</sup>  
 शोणितस्यालवन्धोरा 106 44<sup>a</sup>  
 शोणित शोणितपुरे 106 42<sup>a</sup>  
 शोणितका प्रवृत्ती 107 21<sup>a</sup>  
 शोणितान्मासमुच्यते 30 39<sup>a</sup>  
 शोणितकाविलेक्षण 67 36<sup>a</sup>  
 शोणितौयद्रुतेर्वा 108 95<sup>a</sup> 112 34<sup>a</sup>, 115<sup>a</sup>  
 शोचिता च वसुधरा 6 41<sup>a</sup>  
 शोच्यमानैर्गैरा स्थानै 53 26<sup>a</sup>  
 शोभतेऽप्य सुवि श्रद्ध 68 27<sup>a</sup>  
 शोभमानो हि ताविन्द 63 21<sup>a</sup>  
 शोभयत्त प्रकर्षिण 84 19<sup>a</sup>  
 शोभयन्ति महाकुमा 93 60<sup>a</sup>  
 शोभयन्ती महावनम् 52 7<sup>a</sup>  
 शोभयामास त व्रजम् 63 21<sup>a</sup>  
 शोभित ब्राह्मणीयैश्च 33 12<sup>a</sup>  
 शोभित पुरलक्षणे 84 26<sup>a</sup>  
 शोभित बारमुष्ण्यानि 74 9<sup>a</sup>  
 शोभितो मन्वन्तमैश्च 74 15<sup>a</sup>  
 शोभेतां गोमते तस्मिन् 49 9<sup>a</sup>  
 शोषवान्येष मार्गे ते 103 9<sup>a</sup>  
 शौण्डीर्ध मेज्जया भग्न 118 21<sup>a</sup>  
 शौनको जनयेज्य 22 12<sup>a</sup>  
 शौरिणा पृथिवीपात्र 96 2<sup>a</sup>  
 शौरि कौशिकगौरसम् 24 28<sup>a</sup>  
 शौरस्राज्ञा परिग्रह 98 21<sup>a</sup>

इमशानस्थ इवानल 65 35<sup>d</sup>  
 इयामपुन सुमिश्रस्तु 24 33<sup>d</sup>  
 इयामवर्णे तु तद्वत् 8 8<sup>d</sup>  
 इयाम पाणयने क्वचिन् 59 32<sup>d</sup>  
 इयाम पत्रदलेक्षण 55 2<sup>d</sup>  
 इयाम पीताम्बररत्न 71 50<sup>d</sup>  
 इयाम शमीको गण्डूष 24 19<sup>d</sup>  
 इयाम शान्तिकरोऽतिहा 34 35<sup>d</sup>  
 इयामानि रसवन्ति 57 8<sup>d</sup>  
 इयामादिदाता सा शान्ति 87 36<sup>d</sup>  
 इयानो युवा लोहिताक्ष 31 137<sup>d</sup>  
 इयेनो इयेनालया भासी 3 82<sup>d</sup>  
 इयेनैश्चामिश्रगुञ्जिनि 49 19<sup>d</sup>  
 शमजा वा कथयन् 40 29<sup>d</sup>  
 शममभिविनिवर्त्ये मानस 118 40<sup>d</sup>  
 शम वायुपञ्चम 44 48<sup>d</sup>  
 शम शान्तो मुनिस्तथा 3 33<sup>d</sup>  
 शमाश्चैव क्षुधाश्चित 10 14<sup>d</sup>  
 शमास्तैश्चैव भारत 29 17<sup>d</sup>  
 श्वणमुपेत्य शुभा मुनेस्तु वाच 118 47<sup>d</sup>  
 श्वण्या च श्वनिश्च 28 3<sup>d</sup>  
 श्वण्यादेव लप्ससे 113 79<sup>d</sup>  
 श्वण्याभ्या विभूषित 68 22<sup>d</sup>  
 श्वण्याभ्या विभूषिता 47 42<sup>d</sup>  
 श्वण्यारहितैर्देवै 38 65<sup>d</sup>  
 श्वणैकाक्षिमासिके 67 42<sup>d</sup>  
 श्वणैकाक्षिमासिके 83 23<sup>d</sup>  
 श्वणादेव जगदीन 87 18<sup>d</sup>  
 श्वणादेव महाशुति 87 14<sup>d</sup>  
 श्विष्टायाश्च उपर्यै द्वौ 114 11<sup>d</sup>  
 श्विष्टाश्वणे श्विष्टौ 24 13<sup>d</sup> 28 44<sup>d</sup>  
 श्वान्तागतो यदरोचत 67 39<sup>d</sup>  
 श्वान्कर्मणि चोदिह 42<sup>d</sup>  
 श्वान्काले मम पितु 11 17<sup>d</sup>  
 श्वान्दानेन पुत्रिता 12 39<sup>d</sup>  
 श्वान्देवस्य देवस्य 10 80<sup>d</sup>  
 श्वान्देव वदन्ति वै 13 65<sup>d</sup>  
 श्वान्देव प्रजापति 8 7<sup>d</sup>  
 श्वानस्य च परं विधिम् 12 1<sup>d</sup>  
 श्वानस्य फलमुत्तमम् 16 1<sup>d</sup>  
 श्वानस्य फलमुद्दिश्य 15 67<sup>d</sup> 110 34<sup>d</sup>  
 श्वान् प्रीणाति वै पितृन् 11 3<sup>d</sup>, 33<sup>d</sup>  
 श्वानानि चैव कुर्वन्ति 11 12<sup>d</sup>

श्वानानि पुष्टिकामाश्च 12 38<sup>d</sup>  
 श्वानो श्वानैस्तन्निवृत्त 11 38<sup>d</sup>  
 श्वाने च ये प्रदास्यन्ति 12 39<sup>d</sup>  
 श्वानेन पितरश्चैव 38 71<sup>d</sup>  
 श्वान् प्रीणाति वै पितृन् 13 66<sup>d</sup>  
 श्वानैराप्यायित सोम 12 37<sup>d</sup>  
 श्वानैराप्यायिताश्चैव 12 36<sup>d</sup>  
 श्वानैश्च मेधै श्वतरा 41 10<sup>d</sup>  
 श्वानै प्रीणाति हि पितृन् 11 9<sup>d</sup>  
 श्वान्तमूर्धा मुजगम 56 32<sup>d</sup>  
 श्वान्तस्य तस्य वागेव 85 41<sup>d</sup>  
 श्वान्ता इव पतन्ति 54 16<sup>d</sup>  
 श्वान्तो मेरुमिवाश्रित 67 39<sup>d</sup>  
 श्वान्यतीव वसुधया 41 30<sup>d</sup>  
 श्वान्यते व्यक्तमेव 41 36<sup>d</sup>  
 श्वान्यमाणा पुन पुन 77 39<sup>d</sup>  
 श्वान्यमाणेषु बभूवु 77 20<sup>d</sup>  
 श्वान्यमास चिरं विवृणु 15 37<sup>d</sup>  
 श्वान्यमास मा तदा 102 12<sup>d</sup>  
 श्वान्यमास राजानं 19 17<sup>d</sup>  
 श्वान्यमासमवोभिनम् 100 80<sup>d</sup>  
 श्वान्येया समागम 18 30<sup>d</sup>  
 श्वान्येयाश्च चारमज 9 43<sup>d</sup>  
 श्वान्येयस्य दृ दद्यात् 9 46<sup>d</sup>  
 श्वान्येयो येन निमित्ता 46<sup>d</sup>  
 श्वान्येयो वृथिवीक्षित 100 29<sup>d</sup>  
 श्वान्येयस्यमिवापया 87 35<sup>d</sup>  
 श्वान्येयाश्च विपुले 39 4<sup>d</sup>  
 श्वान्येयस्य राजान 67 65<sup>d</sup>  
 श्वान्येय इष्टु इष्टोरेक्षम् 100 7<sup>d</sup>  
 श्वान्येय पञ्चाशत्पितृ 96 18<sup>d</sup>  
 श्वान्येय शङ्करपवित्र 62 40<sup>d</sup>  
 श्वान्येय जगत् सर्वता 20 46<sup>d</sup>  
 श्वान्येय जाज्वल्यमानेन 34 20<sup>d</sup>  
 श्वान्येय परमया ज्वलन् 40 42<sup>d</sup>  
 श्वान्येय परमया युगम् 108 3<sup>d</sup> 113 49<sup>d</sup>  
 श्वान्येय श्वान्तरोपमा 88 42<sup>d</sup>  
 श्वान्येय स कथं गर्भे 30 8<sup>d</sup>  
 श्वान्येयमज्वलन् 58 21<sup>d</sup>  
 श्वान्येयः कालनेमिना 38 43<sup>d</sup>  
 श्वान्येयश्चोपमा 65 36<sup>d</sup>  
 श्वान्येय पट्टिमार्ग 62 51<sup>d</sup>  
 श्वान्येयस्यमूर्धन 70 11<sup>d</sup>

श्रीमद्भिरदिवोदिते 65 17<sup>1</sup>  
 श्रीमन्तो मे हुता सप्त 48 15<sup>2</sup>  
 श्रीमान्नायकस्यो मुनि 100 19<sup>3</sup>  
 श्रीमानन्व पुरवृत्त 16 35<sup>4</sup>  
 श्रीमान्कृष्णस्य पूज 54 41<sup>5</sup>  
 श्रीमान्गण्डवाहन 92 70<sup>6</sup>  
 श्रीमान्गिरिमहस्त्वयम् 60 10<sup>7</sup>  
 श्रीवत्सतृत्तलक्षणा 52 33<sup>8</sup>  
 श्रीवत्साङ्गस्य धीमत 31 10<sup>9</sup>  
 श्रीवत्साङ्गोऽरविन्दाक्ष 109 83<sup>10</sup>  
 श्रीवत्साङ्गादितोदरम् 70 26<sup>11</sup>  
 श्रीवत्सेनोदया पुक्त 55 2<sup>12</sup>  
 श्रीवत्सो राजने श्रीमान् 42 3<sup>13</sup>  
 श्रीवृक्ष शार्ङ्गशृङ्गिणम् 32 25<sup>14</sup>  
 श्रीवत्स तत्र यतो एति 21 16<sup>15</sup>  
 श्रीवत्स नारायणाश्रया 38 1<sup>16</sup>  
 श्रीवत्स मत्स्यश्रया सौम्य 71 19<sup>17</sup>  
 श्रुत इत्यभिविधुत 10 67<sup>18</sup>  
 श्रुतदेवाप्रजातस्तु 24 27<sup>19</sup>  
 श्रुतदेवा व्यजायत 24 26<sup>20</sup>  
 श्रुतदेवा श्रुतश्रया 24 19<sup>21</sup>  
 श्रुतवर्णो नवानाश्वान् 88 13<sup>22</sup>  
 श्रुतवर्ण च भारत 87 6<sup>23</sup>  
 श्रुतवर्ष पञ्चभि हृद् 88 11<sup>24</sup>  
 श्रुतवर्षाग्रेय्य सद्युगे 88 30<sup>25</sup>  
 श्रुतगानतिपिप्रिय 24 8<sup>26</sup>  
 श्रुतगानमलो भूत्वा 113 83<sup>27</sup>  
 श्रुतगानिति भारत 28 38<sup>28</sup>  
 श्रुतश्रवसि नहिरे 87 20<sup>29</sup>  
 श्रुतश्रवाया चैद्यरु 24 20<sup>30</sup>  
 श्रुतसेनोप्रसेनी च 23 110<sup>31</sup>  
 श्रुतसेनैवैतस्यस्य 34 1<sup>32</sup>  
 श्रुत गुणरत्नेषु वै 16 32<sup>33</sup>  
 श्रुत न परमाहवे 83 12<sup>34</sup>  
 श्रुतानि द्विजमत्तम 106 1<sup>35</sup>  
 श्रुतार्थो द्रवगुह्य 86 27<sup>36</sup>  
 श्रुतार्थो नारादात्म वै 47 8<sup>37</sup>  
 श्रुतानि ख्यातिमोक्षसि 67 66<sup>38</sup>  
 श्रुतेन च समन्विता 7 52<sup>39</sup>  
 श्रुतो मे स्वल् यनस्य 30 55<sup>40</sup>  
 श्रुता यदेषु वै पुरा 12 12<sup>41</sup>  
 श्रुता वा तपसापि वा 100 70<sup>42</sup>  
 श्रुताद्यानमनुत्तमम् 115 3<sup>43</sup>, 4<sup>44</sup>

श्रुत्वा चेदमुपाध्याय 19 32<sup>45</sup>  
 श्रुत्वा तद्वेवराजस्तु 92 17<sup>46</sup>  
 श्रुत्वा तु वाच्यमाना वा 19 4<sup>47</sup>  
 श्रुत्वा तु रामदृष्ट्या च 96 61<sup>48</sup>  
 श्रुत्वा स्वरितविभ्रम 46 3<sup>49</sup>  
 श्रुत्वा दृष्ट्युत्तयापरे 118 4<sup>50</sup>  
 श्रुत्वा देव प्रजापति 31 51<sup>51</sup>  
 श्रुत्वा देवैयदानवा 33 1<sup>52</sup>  
 श्रुत्वा द्वारवती सर्वा 113 48<sup>53</sup>  
 श्रुत्वा नदनदीपति 86 38<sup>54</sup>  
 श्रुत्वा नरो मुच्यति सर्वपापै 31 153<sup>55</sup>  
 श्रुत्वा पञ्चविसर्गे तु 23 165<sup>56</sup>  
 श्रुत्वा परिहरिष्यामि 115 33<sup>57</sup>  
 श्रुत्वा पितामहवच 43 66<sup>58</sup>  
 श्रुत्वापि न करिष्यसि 115 26<sup>59</sup>  
 श्रुत्वा मीये महामुने 105 3<sup>60</sup>  
 श्रुत्वा रात्र महामना 5 53<sup>61</sup>  
 श्रुत्वातिनिधने गिरम् 32 39<sup>62</sup>  
 श्रुत्वाणवमुपस्थित 100 44<sup>63</sup>  
 श्रुत्वा विनीतवचन 86 26<sup>64</sup>  
 श्रुत्वा वृत्त्यन्वकाप्रणी 85 24<sup>65</sup>  
 श्रुत्वा शकप्रमिदे 59 19<sup>66</sup>  
 श्रुत्वा मुकुलान्बहून् 78 3<sup>67</sup>  
 श्रुत्वाहमेव कृष्णस्य 101 14<sup>68</sup>  
 श्रुत्वेतिहास कार्त्तव्येन 1 7<sup>69</sup>  
 श्रुत्वेमा भारती कथाम् 115 13<sup>70</sup>  
 श्रुत्वेनो व्यथित कस 96 49<sup>71</sup>  
 श्रुत्वेतस्त्रिस्तिल सर्व 99 26<sup>72</sup>  
 श्रुत्वेतस्त्रिस्तिल महत् 43 11<sup>73</sup>  
 श्रुत्वेव धनुषो भद्र 71 54<sup>74</sup>  
 श्रुत्वेव प्रतिवेदि 84 13<sup>75</sup>  
 श्रुत्वातमपर चापि 62 68<sup>76</sup>  
 श्रुत्वातमावयोर्वै 71 39<sup>77</sup>  
 श्रुत्वातमिदमुत्तमम् 101 3<sup>78</sup>  
 श्रुत्वातमुत्तर वच 45 2<sup>79</sup>  
 श्रुत्वात गृह्यता च वै 46 7<sup>80</sup>  
 श्रुत्वा तात शक्तस्य 59 4<sup>81</sup>  
 श्रुत्वा जिज्ञासा सर्वे 38 65<sup>82</sup>  
 श्रुत्वा नो वरो वर 47 15<sup>83</sup>  
 श्रुत्वा भगवन्दिदम् 109 68<sup>84</sup>  
 श्रुत्वा भरतप्रेम 23 94<sup>85</sup>  
 श्रुत्वा भो नृपश्रद्धा 100 31<sup>86</sup>  
 श्रुत्वा मनुसूदन 109 70<sup>87</sup>

श्रूयता मम भाषितम् 61 2<sup>०</sup>  
 श्रूयता मम विज्ञाप्य 71 47<sup>०</sup>  
 श्रूयता यन्मया कृतम् 43 14<sup>०</sup>  
 श्रूयता येन देव हि 47 6<sup>०</sup>  
 श्रूयता वैष्णवं यदा 31 1<sup>०</sup>  
 श्रूयते च यत्पुत्रा 6 37<sup>०</sup>  
 श्रूयते चास्य चरित 40 20<sup>०</sup>  
 श्रूयते पूर्वमाहृत 115 16<sup>०</sup>  
 श्रूयते भरतवैभ 7 51<sup>०</sup>  
 श्रूयते महदद्भुतम् 96 30<sup>०</sup>  
 श्रूयते सुमहत्स्विन 109 14<sup>०</sup>  
 श्रूयते हि पुरा विष्णु 65 36<sup>०</sup>  
 श्रूयते हि चन रम्य 52 21<sup>०</sup>  
 श्रूयन्ते गिरयश्चापि 59 24<sup>०</sup>  
 श्रूयन्ते जनमेजय 23 145<sup>०</sup>  
 श्रूयन्ते पितरो देवा 11 32<sup>०</sup>  
 श्रूयन्ते विविधानि स 105 2<sup>०</sup>  
 श्रूयन्ते हि क्षिप्रो बहून् 73 27<sup>०</sup>  
 श्रेणीनां च गणानां च 74 5<sup>०</sup>  
 श्रेणीना इहस्तपुर्क 72 2<sup>०</sup>  
 श्रेणी प्रकृतयस्तथा 86 75<sup>०</sup>  
 श्रेण्यश्च सपुरोगमा 72 10<sup>०</sup>  
 श्रेण्य प्रकृतयश्चैव 79 27<sup>०</sup>  
 श्रेयश्चैव चिकीर्षसि 5 49<sup>०</sup>  
 श्रेयसा योऽप्यस्ते तत 19 30<sup>०</sup>  
 श्रेयसा योजयन्ति हि 11 4<sup>०</sup>  
 श्रेयस्त्वय भविष्यति 112 114<sup>०</sup>  
 श्रेयस्तेऽद्य विद्यास्वामि 13 71<sup>०</sup>  
 श्रेय परमभीप्सुभि 6 48<sup>०</sup>  
 श्रेयो गम भविष्यति 72 21<sup>०</sup>  
 श्रेयो हि मरण मन्दे 107 28<sup>०</sup>  
 श्रेष्ठश्चापविकर्मणे 62 75<sup>०</sup>  
 श्रेष्ठो योगवता योगी 44 16<sup>०</sup>  
 श्रोतव्यमिति तच्छ्रुत्वा 15 53<sup>०</sup>  
 श्रोतव्यं कस्य वा मया 5 12<sup>०</sup>  
 श्रोतव्यं तारदस्त्रेण 100 28<sup>०</sup>  
 श्रोतुमर्हसि कल्याणि 107 79<sup>०</sup>  
 श्रोतुमिच्छाम तत्पुत्र 100 27<sup>०</sup>  
 श्रोतुमिच्छामहे पच 21 14<sup>०</sup>  
 श्रोतुमिच्छामि तत्पुत्र 3 14<sup>०</sup> 7 2<sup>०</sup> 30<sup>०</sup>, 48<sup>०</sup>  
 23 1<sup>०</sup> 90 3<sup>०</sup> 105 1<sup>०</sup>  
 श्रोतुमिच्छामि विप्रास्य 11 1<sup>०</sup>  
 श्रोतुमिच्छामि विष्णोस्तु 30 55<sup>०</sup>

श्रोतुमिच्छाम्यशेषेण 30 1<sup>०</sup>  
 श्रावमानश्च चित्ते 89 30<sup>०</sup>  
 श्राव्यश्च स हि ते श्रुत्य 46 18<sup>०</sup>  
 श्राव्यस्तव श्रुत्युराहवे 42 28<sup>०</sup>  
 श्राव्य प्रभवता प्रभु 44 16<sup>०</sup>  
 श्राव्या योगबलोपेता 32<sup>०</sup>  
 श्राव्योऽस्मि यदि कर्मणा 35 66<sup>०</sup>  
 श्रुतेराद्यत सुखाया 2 14<sup>०</sup>  
 श्लोकमप्युदाना जगौ 12<sup>०</sup>  
 श्लोकमेकमुदाहृतम् 17 11<sup>०</sup>  
 श्लोक तत्सचिगौ च तौ 19 17<sup>०</sup>  
 श्लोक आचयितु तदा 19 14<sup>०</sup>  
 श्लोक सोऽधीत्य पुत्रेभ्य 19 13<sup>०</sup>  
 श्लोकोऽपि चान गीतोऽय 114 17<sup>०</sup>  
 श्लोकोऽय साधुसमत 77 44<sup>०</sup>  
 श्रपाकावसथान्तिके 9 94<sup>०</sup>  
 श्रपाकं सह वर्तय 9 92<sup>०</sup>  
 श्रफल्करिवर्तय च 24 6<sup>०</sup>  
 श्रफल्कश्च महाबल 81 102<sup>०</sup>  
 श्रफल्कश्चित्रकल्पा 24 3<sup>०</sup> 28 36<sup>०</sup>  
 श्रफल्कस्तु महाराज 24 4<sup>०</sup>  
 श्रफल्क परमार्थितम् 24 6<sup>०</sup>  
 श्रफल्क क्षत्रिशराग्रस 24 7<sup>०</sup> 28 37<sup>०</sup>  
 श्रफल्काद्भूरिदक्षिण 24 8<sup>०</sup>  
 श्रफल्के चित्रके श्रुयो 87 47<sup>०</sup>  
 शशुर कृष्णपासन 96 37<sup>०</sup>  
 शसप्तो हपिरोक्षिता 108 29<sup>०</sup>  
 श श्रुतिं मयुरा ताल 69 3<sup>०</sup>  
 श सचिग्रा समाख्याश्च 72 6<sup>०</sup>  
 श्रापदप्रभुताश्च 116 16<sup>०</sup>  
 श्रापदैवपरोमिता 100 40<sup>०</sup>  
 श्रापदै सर्ववीटके 117 32<sup>०</sup>  
 श्रापदोच्छिद्यसर्पिर्णा 55 38<sup>०</sup>  
 श्वेतकर्ण श्रेणेश्वर 114 7<sup>०</sup>  
 श्वेतकर्ण श्रतपयान् 114 8<sup>०</sup>  
 श्वेतकुण्डलसूषण 33 19<sup>०</sup>  
 श्वेतग्रहमिगन्तक 115 41<sup>०</sup>  
 श्वेतपुण्याश्च पादपा 93 63<sup>०</sup>  
 श्वेतप्रहरणोऽष्टम्य 110 7<sup>०</sup>  
 श्वेतप्रानुद्भिमतनु 36 7<sup>०</sup>  
 श्वेतशैलदिव्यमन्त्र 106 47<sup>०</sup>  
 श्वेतश्वचनशामा 74 18<sup>०</sup>  
 श्वेतशैलप्रतीकाश 33 10<sup>०</sup>

श्वेतशैलस्य मूर्धनि 65 38<sup>1</sup>  
 श्वेत श्वेता तथाङ्गनाम् 98 16<sup>2</sup>  
 श्वेताग्र इव चन्द्रमा 74 18<sup>2</sup>  
 श्वेतेन परिवारेण 27 20<sup>2</sup>  
 श्वेतेन शिरसा बृद्ध 65 71<sup>2</sup>  
 श्वोभाविनि विवाहे तु 87 31<sup>2</sup>  
 प  
 पद्मदाहारादायिनाम् 54 7<sup>3</sup>  
 पद्मदहताण्डदर्श इ 91 44<sup>3</sup>  
 पद्मसु गर्भेषु देवस्या 47 27<sup>3</sup>  
 पद्मसुता सुमहासत्त्वा 3 81<sup>3</sup>  
 पद्मासयी महाप्रभात् 2 18<sup>3</sup>  
 पद्मिन्द्रोपमतेनस 21 10<sup>3</sup> 22 1<sup>3</sup>  
 पद्मेव देवकीगर्भा 47 29<sup>3</sup>  
 पद्मसा हति योऽय व 47 21<sup>3</sup>  
 पद्मनागा वर दत्त्वा 47 19<sup>3</sup>  
 पद्मनागा वर ददौ 47 14<sup>3</sup>  
 पद्मनां नाम दानवा 47 11<sup>3</sup>  
 पद्मनां गर्भसंस्थितान् 47 24<sup>3</sup>  
 पद्मनां काम देहिन् 47 27<sup>3</sup>  
 पद्मनां हि सुताम्बुस 48 2<sup>3</sup>  
 पद्मना वै महासुरा 47 22<sup>3</sup>  
 पद्मनां सपत्ना सन्ति 47 23<sup>3</sup>  
 पद्मगानुपयुज्यते 41 8<sup>3</sup>  
 पद्मगानुपयुज्याना 41 5<sup>3</sup>  
 पद्मिनिद्रस्य कारुष्यान् 87 71<sup>3</sup>  
 पद्मिर्विष्याथ माराचै 87 52<sup>3</sup>  
 पद्मिर्विष्याथ मारगै 87 55<sup>3</sup>  
 पद्मनाग महायक्षा 19 11<sup>3</sup>  
 पद्मनागनाय महीम् 22 6<sup>3</sup>  
 पद्मिवालसमुत्सेधन् 93 54<sup>3</sup>  
 पद्मिर्वर्गते काठे 29 37<sup>3</sup>  
 पद्मिश्च पद् च पुरा 27 14<sup>3</sup>  
 पद्मिन्स्येति ७ ध्रुवम् 10 53<sup>3</sup>  
 पद्मि दक्षोष्पत्तकन्या 3 23<sup>3</sup>  
 पद्मि दानवसत्तमान् 3 73<sup>3</sup>  
 पद्मि पुरसदृशाणि 10 56<sup>3</sup>  
 पद्मि रथानि 113 15<sup>3</sup>  
 पद्मि रथमदृशाणि 113 15<sup>3</sup>  
 पद्मि वर्षानामि च 23 66<sup>3</sup>  
 पद्मि वर्षसदृशाणि 23 66<sup>3</sup>  
 पद्मि वर्षाणि धर्मात्मा 29 26<sup>3</sup>  
 पद्मि ध्रुवमदृशाणि 10 62<sup>3</sup>

पद्मसु कण्ठरीकोष्मत् 16 30<sup>3</sup>  
 पद्म ते सप्रवक्ष्यामि 7 26<sup>3</sup>  
 पद्म मन्त्रतर स्मृतम् 7 29<sup>3</sup>  
 पौडशातुलविक्रम 88 43<sup>3</sup>  
 स  
 स हमा दग्धभूयिष्ठा 2 43<sup>3</sup>  
 स उवाच ततो गोपान् 60 24<sup>3</sup>  
 स एक परिलम्बने 43 48<sup>3</sup>  
 स एव घन्त्यो घनिना 113 76<sup>3</sup>  
 स एवमुक्तो मुनिभि 35 31<sup>3</sup>  
 स एवमुक्तो यदुना 22 26<sup>3</sup>  
 स एवमुक्तो राक्षसै 9 61<sup>3</sup>  
 स एवमुक्त्या बहुधा 38 22<sup>3</sup>  
 स एव रामस्यो वै 65 43<sup>3</sup>  
 स एव राक्षसो घन्त्य 44 36<sup>3</sup>  
 स एव वासुदेवो वै 65 60<sup>3</sup>  
 स एव यो गर्भगतान् 47 21<sup>3</sup>  
 स एव तमस पारे 91 16<sup>3</sup>  
 स एव पौरवो वरा 114 16<sup>3</sup>  
 स एव सुमदातेजा 113 31<sup>3</sup>  
 स कथ गा गतो विष्णु 30 7<sup>3</sup>  
 स कथ मन्पसे मयि 113 33<sup>3</sup>  
 स कदाचिदिनागमे 67 13<sup>3</sup>  
 स कदाचिद्वने तस्मिन् 55 17<sup>3</sup>  
 स कन्यासहितं भुत्वा 9 25<sup>3</sup>  
 स करिपादरागासु 63 16<sup>3</sup>  
 स कश्यपस्यात्मभुव 34 39<sup>3</sup>  
 स कसत्स्र समूह 44 66<sup>3</sup>  
 स कस एव निवेशनम् 48 51<sup>3</sup>  
 स काञ्चनपटोत्तरा 72 9<sup>3</sup>  
 स काननवव गिरिम् 61 27<sup>3</sup>  
 सकारणा मति कृत्वा 43 23<sup>3</sup>  
 स कालवचनश्चापि 85 4<sup>3</sup>  
 स कालवचनो नाम 25 11<sup>3</sup> 85 15<sup>3</sup>  
 स कालवचनो नृप 85 16<sup>3</sup>  
 स कालवचनोऽभवत् 25 12<sup>3</sup>  
 स कालवचनो महात् 84 12<sup>3</sup>  
 स कालवचनो रथा 85 38<sup>3</sup>  
 स किनरमहानाग 93 65<sup>3</sup>  
 स किनरमहोरगा 11 36<sup>3</sup>  
 स कुजस्तरमापन्न 44 70<sup>3</sup>  
 स कुर्यो रक्षसागर 75 6<sup>3</sup>  
 स कृष्णतलविन्यस 61 37<sup>3</sup>

स कृष्णपार्श्वमात्म्य 109 81<sup>०</sup>  
 स कृष्णस्तत्र वज्रवान् 79 1<sup>०</sup>  
 स कृष्णहस्तात्समाप्य 29 40<sup>०</sup>  
 स कृष्ण गोवृषो घृष्टा 64 13<sup>०</sup>  
 स कृष्ण तत्र सहसा 70 28<sup>०</sup>  
 स कृष्ण पुण्डरीकाक्षम् 78 17<sup>०</sup>  
 स कृष्णेनायत कृत्वा 76 29<sup>०</sup>  
 स कृष्णेनावपतता 56 3<sup>०</sup>  
 स कृष्णो भोग्य-धनम् 56 13<sup>०</sup>  
 स केशी बह्वेष्ट 67 36<sup>०</sup>  
 सक्त कामेषु वै मथा 19 25<sup>०</sup>  
 सक्रोधस्त्रिदोश्वर 61 1<sup>०</sup>  
 सक्रोधो दानवेश्वर 38 2<sup>०</sup>  
 सखामात्यक्ष वीर्यवान् 112 12<sup>०</sup>  
 सखायौ ब्रह्मदत्तत्वं 18 17<sup>०</sup>  
 सखा हि गालवो यस्य 15 12<sup>०</sup>  
 सखिश्चोपगृह्येनम् 95 1<sup>०</sup>  
 सखीगणपृता सदा 107 19<sup>०</sup>  
 सखीजनवृता सदा 107 30<sup>०</sup>  
 सखीद वै कथं गुह्य 108 10<sup>०</sup>  
 सखीना च विशेषत 107 67<sup>०</sup>  
 सखी भयसमन्वितान् 107 23<sup>०</sup>  
 सखी सर्वैश्चरैषा 40 31<sup>०</sup>  
 सख्य प्रेम्णा च भारितम् 107 83<sup>०</sup>  
 सख्य सर्वा विचेतस 107 31<sup>०</sup>  
 सख्ये च विनियुज्यताम् 62 70<sup>०</sup>  
 सगण स महाबल 97 23<sup>०</sup>  
 सगण विचचार इ 48 36<sup>०</sup>  
 स गत्वा जयता श्रेष्ठ 9 68<sup>०</sup>  
 स गत्वा ब्रह्मणो लोक 39 18<sup>०</sup>  
 स गत्वा मधुरा राम 83 52<sup>०</sup>  
 सगरदीतिवर्धना 10 61<sup>०</sup>  
 सगरस्तु सुगो बाहो 10 25<sup>०</sup>  
 सगरस्यात्मजा वीरा 10 54<sup>०</sup>  
 सगर नाम पार्थिवम् 10 35<sup>०</sup>  
 सगर दारयामास 10 40<sup>०</sup>  
 सगर स्वां प्रतिज्ञा च 10 41<sup>०</sup>  
 सगरेण सहात्मना 10 39<sup>०</sup>, 45<sup>०</sup>  
 सगरमां वृष्टतोऽन्वगात् 10 33<sup>०</sup>  
 सगवाक्षार्थेचन्द्राक्ष 74 2<sup>०</sup>  
 सगवाक्षेण दक्षितम् 33 11<sup>०</sup>  
 स गाधिरभवद्राजा 23 84<sup>०</sup>  
 सगालवस्य चरितं 15 68<sup>०</sup>

स गुप्तो पुत्रमादाय 79 20<sup>०</sup>  
 स गृह्य वचन तस्य 86 70<sup>०</sup>  
 सगोक्षरपरिग्रहा 69 3<sup>०</sup>  
 सगोपीभोपवृद्धश्च 51 27<sup>०</sup>  
 स गोपै सदा धर्मात्मा 96 29<sup>०</sup>  
 स घोररूपान्समायान् 11 46<sup>०</sup>  
 स च गोपजन सर्व 51 35<sup>०</sup>  
 स च सर्वैश्च मादाय 3 99<sup>०</sup>  
 स च ता गुमलोचनाम् 89 3<sup>०</sup>  
 स च तेनैव आत्मा तु 51 36<sup>०</sup>  
 स च विजयो रथो रात्रि 22 13<sup>०</sup>  
 सचन्द्र इव तोयद 58 23<sup>०</sup>  
 सचन्द्राभोदवर्चसम् 42 2<sup>०</sup>  
 स च पुत्रो मनः श्यावान् 49 8<sup>०</sup>  
 स च प्रासादमुज्ज्वलो य 93 41<sup>०</sup>  
 स च माङ्गलसत्तम 103 25<sup>०</sup>  
 स च संकर्षणो युवा 58 35<sup>०</sup> 50 16<sup>०</sup> 60 21<sup>०</sup> 71 44<sup>०</sup>  
 स चापि विमिना हत 79 11<sup>०</sup>  
 स चापि विजय युवा 23 53<sup>०</sup>  
 स चाप्युग्रानुपजात 15 36<sup>०</sup>  
 स चाभिलषितसखा 87 15<sup>०</sup>  
 स चाक्षर्यं सुरेष्वपि 100 57<sup>०</sup>  
 स चास्योरसि विस्तीर्ण 42 3<sup>०</sup>  
 सचित्राष्टात्रिचरणा 74 2<sup>०</sup>  
 स चिन्तयित्वा वज्र 72 1<sup>०</sup>  
 स चिन्तयित्वा सर्व 61 26<sup>०</sup>  
 सचिदानात्मनो हितान् 47 1<sup>०</sup>  
 सचिदैर्मंसकोविदै 15 46<sup>०</sup>  
 सचिदैर्वनशसिभि 55 52<sup>०</sup>  
 सचिदै साऽपु एजिता 41 8<sup>०</sup>  
 सचिदै चास्य पात्राश्च 19 19<sup>०</sup>  
 स चेष्टसमारोऽभय 15 20<sup>०</sup>  
 स चेवासितदक्षिण 70 7<sup>०</sup>  
 स चोरेन्द्रो वृष हरा 64 13<sup>०</sup>  
 स चोरगपति इव 56 6<sup>०</sup>  
 सपास्य भर्तृवामा 104 22<sup>०</sup>  
 सचन्द्रोत्सेधिनः सर्व 81 77<sup>०</sup>  
 स छिन्नधन्वा विरय 81 86<sup>०</sup> 88 23<sup>०</sup>  
 स छिन्नधनुर्विजिता 38 47<sup>०</sup>  
 स जगाम विभिन्न 49 15<sup>०</sup>  
 स जगामश्च कृष्ण 42 2<sup>०</sup>  
 स र्भां प्रतिज्वा 22 33<sup>०</sup>  
 सत्रा इव तोयदा 11 42<sup>०</sup>



सञ्जयभोदसदा 38 4<sup>a</sup>  
 स षड्विंश वेगेन 58 29<sup>a</sup>  
 सञ्जमान पदे पदे 99 33<sup>b</sup>  
 सज घोषायन कृत्वा 89 28<sup>a</sup>  
 सञ्जीवयत माघिरम् 53 9<sup>a</sup>  
 सञ्जीवयतोत्सवौ 65 87<sup>a</sup>  
 सञ्जराणीव शैलस्य 61 48<sup>a</sup>  
 सन्त कुण्डलप्रिय 77 8<sup>a</sup>  
 सन्त चामये रत 15 26<sup>a</sup>  
 सन्त दुःखमाजनम् 69 8<sup>b</sup>  
 सन्त पीड्यमान च 69 6<sup>a</sup>  
 सन्त प्रक्रिया स्मृता 75 11<sup>a</sup>  
 सन्त विरते कृत् 54 32<sup>a</sup>  
 स तकारणमाचख्यौ 19 7<sup>a</sup>  
 स तत्ताडन घोर 57 13<sup>a</sup>  
 स तत्प्राप्य महद्वाप्य 20 29<sup>a</sup>  
 स तत्र गावा रम्भाणि 83 2<sup>a</sup>  
 स तत्र गमयसति 48 9<sup>a</sup>  
 स तत्र स्वरितो द्वारे 48 23<sup>a</sup>  
 स तत्र दानत्र श्रीदम् 44 24<sup>a</sup>  
 स तत्र प्रविशन्नेय 40 7<sup>a</sup>  
 स तत्र प्रविशन्नुष्ट 49 29<sup>a</sup>  
 स तत्र वयसा हृत्पै 55 23<sup>a</sup>  
 स तत्र वासयामास 24 6<sup>a</sup>  
 स तत्र विविरो हृष्ट 40 2<sup>a</sup>  
 स तत्र समुद्राचार 100 13<sup>a</sup>  
 स तत्राशुपतिप्रणय 40 4<sup>a</sup>  
 स तत्रैक पादेन 50 6<sup>a</sup>  
 स तत्सर्वै हरीदेवा 92 17<sup>a</sup>  
 सवसुता सनिश्चिन्ता 81 76<sup>a</sup>  
 स तथा निद्रया छद्य 40 34<sup>a</sup>  
 स तथा भालया वीर 55 9<sup>a</sup>  
 स तयोर्दशयामास 71 40<sup>a</sup>  
 स तलाज्ञेपमन्ययौ 71 34<sup>a</sup>  
 स तरोत्तमभूतिता 74 2<sup>a</sup>  
 स तस्य देहो विमुक्त 38 49<sup>a</sup>  
 स तस्य प्रमुखे पाद 74 33<sup>a</sup>  
 स तस्या नयामास 89 9<sup>a</sup>  
 स तस्या नारदो जज्ञे 3 13<sup>a</sup>  
 स तस्या पितृकन्याया 13 45<sup>a</sup>  
 स तस्यैव चतुर्थ्यन 44 6<sup>a</sup>  
 स त देव तदा पुत्रे 10 47<sup>a</sup>  
 स त नारायणाश्रमम् 40 3<sup>a</sup>

स त निदित्य समरे 109 29<sup>a</sup>  
 स त बाहुमशको पै 67 34<sup>a</sup>  
 स त मूर्धन्यताडयत् 71 13<sup>a</sup>  
 स त व्यादिश्य तनय 0 63<sup>a</sup>  
 स त धीरसलक्षणम् 62 6<sup>a</sup>  
 स त द्वर्षपरीतेन 68 17<sup>a</sup>  
 स ताड्यमानोऽतिवै 38 31<sup>a</sup>  
 स तानुप्यल्लचरान् 18 3<sup>a</sup>  
 स तान्सर्वानाम्भापे 83 4<sup>a</sup>  
 स ताम्य सहस्रवाय 20 7<sup>a</sup>  
 स ताम्या मुमुदे राज्ञा 80 4<sup>a</sup>  
 स ताममक्रोधजो धर्म 44 35<sup>a</sup>  
 स तामाह प्रसज्यतां 73 24<sup>a</sup>  
 स तामुद्वेजनीयस्य 78 7<sup>a</sup>  
 स तारका घोरिण सा 86 49<sup>a</sup>  
 स तामु जगामास 23 13<sup>a</sup>  
 स ता गतिरिय नाया 41 31<sup>a</sup>  
 स ता माता ह्यद्वयी 9 81<sup>a</sup>  
 स ता मार्गमनुमता 91 13<sup>a</sup>  
 स ता वृत्तमपूजितम् 116 10<sup>a</sup>  
 स त्ति कालविपर्यये 48 40<sup>a</sup>  
 स ती येय भुमा साध्वी 99 45<sup>a</sup>  
 स ती त्वमसि भासिनि 107 37<sup>a</sup>  
 स तु केलिक्रिन्ने विम 46 29<sup>a</sup>  
 स तु छिद्रावतरप्रेषु 58 16<sup>a</sup>  
 स तु तत्तापस्त वै 71 63<sup>a</sup>  
 स तु दूतवच श्रुत्वा 67 4<sup>a</sup>  
 स तु देवेशो मम 12 19<sup>a</sup>  
 स तु देव मम शिख 57 8<sup>a</sup>  
 स तु द्वादश वर्षाणि 10 13<sup>a</sup>  
 स तु द्वापरपर्यन्ते 40 36<sup>a</sup>  
 स तु पक्षत्रय हरत्वा 79 18<sup>a</sup>  
 स तु प्रप्रापयशसा 113 20<sup>a</sup>  
 स तु गत्ये द्वादस वै 51 18<sup>a</sup>  
 स तु मा प्रीतिव हृष्टा 102 20<sup>a</sup>  
 स तु ययु च हुमु च 22 29<sup>a</sup>  
 स तु लोकशरण्या कृष्ण 62 33<sup>a</sup>  
 स तु वेमकशालायाम् 114 14<sup>a</sup>  
 स तु वेष्टितसर्वाङ्ग 108 84<sup>a</sup>  
 स तु सन्नयन श्रुत्वा 21 26<sup>a</sup>  
 स तु सत्यवतन्मात 9 94<sup>a</sup>  
 स तु सकर्षणी पुत्रा 47 31<sup>a</sup> 58 30<sup>a</sup>  
 सत्पत्नीरा सतोमरा 81 76<sup>a</sup>



सत्सु यास्यन्ति पुरुषा 65 80<sup>a</sup>  
 सत्सु वक्तव्यतां गता 65 79<sup>b</sup>  
 सक्षिणस्य यज्ञस्य 39 28<sup>a</sup>  
 सक्षिणेऽस्मिन्पुरुषे 100 84<sup>a</sup>  
 स ददर्श गृहे कृष्ण 78 2<sup>a</sup>  
 स ददर्श जल सुतान् 47 24<sup>a</sup>  
 स ददर्श मलेध्वाज्ये 39 20<sup>a</sup>  
 स ददर्श महाबाहु 92 63<sup>a</sup>  
 स ददर्श महामना 28 20<sup>a</sup>  
 स ददर्श विपर्यस्त 50 13<sup>a</sup>  
 स ददर्श शिचे देवो 49 16<sup>a</sup>  
 स ददर्श सुपर्णस्य 38 3<sup>a</sup>  
 स ददर्श सुरात्मवान् 40 43<sup>a</sup>  
 स ददर्शतिथिं श्लाघ्यं 46 4<sup>a</sup>  
 स ददर्शोऽपिष्टताम्यूपाम् 39 22<sup>a</sup>  
 स ददर्शोऽपिष्ट वै 62 3<sup>a</sup>  
 सदन मे सुरोत्तम 86 27<sup>a</sup>  
 सदनं ब्रह्मणो यथा 100 15<sup>a</sup>  
 सदनं बाहुदेवस्य 93 53<sup>a</sup>  
 स वर्षपूर्णां हस्वानौ 15 37<sup>a</sup>  
 सद्यश्च इति ते त्रय 15 21<sup>a</sup>  
 सद्यसंबन्धं यत्परम् 104 22<sup>a</sup>  
 सद्यस्त्रय भगवान् 20 24<sup>a</sup>  
 सद्यस्य सदनं सवम् 31 6<sup>a</sup>  
 सद्यस्यानां च विप्राणां 43 10<sup>a</sup>  
 सद्यस्यान्यजमानाश्च 30 24<sup>a</sup>  
 सद्यस्यासौऽभ्यनुज्ञाय 118 5<sup>a</sup>  
 सद्यस्यास्तस्य शौनक 115 9<sup>a</sup>  
 सद्यस्या सद्यसि स्थिता 39 24<sup>a</sup>  
 सद्यस्यैव्यश्च भारत 20 26<sup>a</sup>  
 सद्यस्यैरभिपूजिता 38 70<sup>a</sup>  
 सदा गाय त्रिददी हि सा 28 37<sup>a</sup>  
 स दानवसद्वराणि 112 5<sup>a</sup>  
 स दानवो बलश्लाघी 44 26<sup>a</sup>  
 सदा पापमति शोऽ 65 69<sup>a</sup>  
 सदार प्राविशद्भनम् 22 41<sup>a</sup>  
 सदार स्वर्गमासयान् 22 42<sup>a</sup>  
 सदारापत्यवाघव 56 34<sup>a</sup>  
 सदारो वनमेव 19 23<sup>a</sup>  
 सदा सतिस्वतरेषु च 44 41<sup>a</sup>  
 सदा हि प्रार्थयामास 29 2<sup>a</sup>  
 स दितः प्रदिशश्चैव 38 36<sup>a</sup>  
 स दुरासमा विवर्धते 65 23<sup>a</sup>

सदुद्दिन इवाचल 42 1<sup>a</sup>  
 स दुष्टो हेपितपद 44 68<sup>a</sup>  
 स दूत काट्यजन 85 31<sup>a</sup>  
 सदा पुण्डरीकस्य 55 6<sup>a</sup>  
 सदा प्राप्यसे वीर 106 17<sup>a</sup>  
 सदा राजशार्दूल 78 31<sup>a</sup>  
 सदा सज्जन पति 107 77<sup>a</sup>  
 सदाशो ब्रह्मणो गुणै 35 23<sup>a</sup>  
 सदाशोऽयमिति प्रभु 17<sup>a</sup>  
 सदाशोऽपि पराक्रमे 107 76<sup>a</sup>  
 स दृष्टमात्र हुक्कन 85 51<sup>a</sup>  
 स दृष्ट सततं मत 39 26<sup>a</sup>  
 स दृष्टा तूर्णमायात् 83 54<sup>a</sup>  
 स दृष्टा भूषितं रत्नम् 72 6<sup>a</sup>  
 सद्यदानवा भार्या 100 62<sup>a</sup>  
 सद्यवनरदानया 11 36<sup>a</sup>  
 स देवानभ्यनुज्ञाय 45 47<sup>a</sup>  
 सदेवास्तुरमानुषै 112 108<sup>a</sup>  
 सदेवास्तुरक्षसाम् 35 61<sup>a</sup>  
 सदेवो विमिश्रिष्यति 38 21<sup>a</sup>  
 स दशस्तेजसा वृत् 40 6<sup>a</sup>  
 स दैत्यसंधात्मसरो 108 41<sup>a</sup>  
 स दैत्य क्रोधयुक्तिं 44 46<sup>a</sup>  
 स दैत्याऽप्रमुखे हस्वा 35 13<sup>a</sup>  
 सद्यैवतगणार्हलोकान् 44 24<sup>a</sup>  
 सद्योपस्थितस्य 27 7<sup>a</sup>  
 सज्जक्ष न सशय 13 71<sup>a</sup>  
 सज्जावस्त्वयि यो मम 99 26<sup>a</sup>  
 सज्जिष्णुवर्णाधिभि 55 44<sup>a</sup>  
 सज्जि स्यान्मे निवर्हणम् 23 141<sup>a</sup>  
 सद्यं वृत्तस्थुराहवे 35 19<sup>a</sup>  
 सद्यस्तान् निवर्तितम् 15 56<sup>a</sup>  
 सद्यं कलत्रं कर्माणि 13 33<sup>a</sup>  
 सद्यं कल्पवृक्षमुहि 23 78<sup>a</sup>  
 सद्यं किरीटेन स्थितम् 38 38<sup>a</sup>  
 सद्यं दिव्यं मुखं चैव 37 24<sup>a</sup>  
 सद्योजातश्च बालक 103 27<sup>a</sup>  
 सद्योदुतावमुक्तं च 83 22<sup>a</sup>  
 सद्यज्जाविषाचवा 84 17<sup>a</sup>  
 सद्यं वी कवची जात 2 22<sup>a</sup>  
 सधर्मविजयी राजा 10 46<sup>a</sup>  
 सधर्माणो वनेचरा 16 25<sup>a</sup>  
 सधूममतिदारुणम् 9 57<sup>a</sup>

सधूमा पद्मगेन्द्रस्य 56 9<sup>०</sup>  
 सधूमा पद्मगेन्द्रास्ते 56 11<sup>०</sup>  
 स धृत सगतो मेघे 61 30<sup>०</sup>  
 सध्वजाकारमध्ययम् 57 17<sup>०</sup>  
 सध्वजेन च फेज्ञाव 103 9<sup>०</sup>  
 स न किंचिदुवाच ह 89 38<sup>०</sup>  
 स सध्वत्रपथ गत्वा 37 52<sup>०</sup>  
 सनत्कुमार इति य 12 12<sup>०</sup>  
 सनत्कुमारनिर्दिष्टान् 16 3<sup>०</sup>  
 सनत्कुमारप्रमुखे 20 24<sup>०</sup>  
 सनत्कुमारश्च महाबुभाव 31 16<sup>०</sup>  
 सनत्कुमारस्य वपु 110 8<sup>०</sup>  
 सनत्कुमार च क्षपि 1 31<sup>०</sup>  
 सनत्कुमार साध्याश्च 43 68<sup>०</sup>  
 सनत्कुमारिण तदा 18 6<sup>०</sup>  
 सनत्कुमारिण पुन 13 1<sup>०</sup>  
 स नन्दगोपस्य गृहं 68 16<sup>०</sup> 69 1<sup>०</sup>  
 स नन्दगोप ह्वरित 49 2<sup>०</sup>  
 स नन्दगोपो गोपाश्च 50 23<sup>०</sup>  
 सनन्दनवन चैव 46 9<sup>०</sup>  
 स नरस्यस्य ह गच्छति 77 18<sup>०</sup>  
 स नारदस्यागमन 40 3<sup>०</sup>  
 स नारदोऽथ ब्रह्मर्षि 44 12<sup>०</sup>  
 सनिनादिषु गोपेषु 68 7<sup>०</sup>  
 स निर्जलाऽबुदाकार 62 2<sup>०</sup>  
 स निष्पतितमस्तिका 76 7<sup>०</sup>  
 स विहस्य प्रसन्नस्य तु 58 55<sup>०</sup>  
 स नि खास विमुञ्चति 9 55<sup>०</sup>  
 स नीतो यमुनातीरम् 78 44<sup>०</sup>  
 सनीहार इवाशुमान् 33 22<sup>०</sup>  
 स नूनं पूर्वदैहिक 65 33<sup>०</sup>  
 सन्ति चैव पतिमता 73 31<sup>०</sup>  
 सन्ति ते बहव पुत्रा 22 25<sup>०</sup>  
 सन्ति स्त्रियो नीचयुता 73 31<sup>०</sup>  
 स पक्षयवविसेषे 92 44<sup>०</sup> 110 9<sup>०</sup>  
 स पक्षयावसमुच्च 95 3<sup>०</sup>  
 सपक्षा ह्य खे नगा 74 7<sup>०</sup>  
 सपक्षिगणमावह 92 39<sup>०</sup>  
 स पञ्चजनमासाध 79 15<sup>०</sup>  
 स पञ्चधा शरीरस्य 30 47<sup>०</sup>  
 सपताकपञ्चोदय 33 6<sup>०</sup>  
 सपताकायुष्मज्जा 81 76<sup>०</sup>  
 सपताकासंशय च 72 6<sup>०</sup>

सपतानीकमर्दनम् 33 16<sup>०</sup>  
 सपत्नीशतसकीर्ण 99 34<sup>०</sup>  
 सपत्न्या च गरमस्या 10 33<sup>०</sup>  
 सपत्न्यो वेगगविता 83 44<sup>०</sup>  
 स पथे पञ्चनाभस्य 42 21<sup>०</sup>  
 स पथात च रत्नस्य 75 44<sup>०</sup>  
 स पथात नरेन्द्राणा 100 19<sup>०</sup>  
 स पथात महाबाहु 88 25<sup>०</sup>  
 सपरीवेषमुच्यते 34 36<sup>०</sup>  
 स पर्वतगुहा काचित् 85 44<sup>०</sup>  
 स पाठ्यमानो गर्भोऽय 3 107<sup>०</sup>  
 स पीठे काञ्चने शुभ्रे 100 30<sup>०</sup>  
 सपुत्र च जनार्दनम् 100 6<sup>०</sup>  
 सपुत्र भोगयिता स 103 31<sup>०</sup>  
 सपुत्र सद्बान्धव 65 62<sup>०</sup>  
 सपुत्रा त्वक्कले पुत्रे 69 14<sup>०</sup>  
 सपुष्पस्तवकद्रुमा 74 10<sup>०</sup>  
 स पूज्यमानश्चिद्वै 92 68<sup>०</sup>  
 सप्त धने महर्षेण 7 37<sup>०</sup>  
 सप्त चाप्सरसा गणा 91 12<sup>०</sup>  
 सप्त चैव भद्रापथा 93 25<sup>०</sup>  
 सप्तजातिकृतेन वै 16 31<sup>०</sup>  
 सप्तशालिषु भारत 15 67<sup>०</sup> 16 1<sup>०</sup>  
 सप्तशालिषु सत्तैव 15 13<sup>०</sup>  
 सप्तशालिष्वजायव 16 30<sup>०</sup>  
 सप्त रवेते प्रजापते 1 33<sup>०</sup>  
 सप्तदीपान्विभावसो 23 151<sup>०</sup>  
 सप्तदीपा सप्ततना 4 15<sup>०</sup> 22. 18<sup>०</sup> 23 144<sup>०</sup>  
 सप्तदीपा यथाविस्तु 22 18<sup>०</sup>  
 सप्तदीपेष्वरोऽभयत् 23 139<sup>०</sup>  
 सप्त धर्मविक्षण 10 17<sup>०</sup>  
 सप्तधा स न्यवृत्तत 3 106<sup>०</sup>  
 सप्तषाट्ठारं विना पते 23 115<sup>०</sup>  
 सप्त महागण इत्येते 1 30<sup>०</sup>  
 सप्त मानसचरिण 18 1<sup>०</sup>  
 सप्तमे मासि रोहिणीम् 47 30<sup>०</sup>  
 सप्तमो जन्मदग्निश्च 7 31<sup>०</sup>  
 सप्तमो देवकीगर्भे 47 30<sup>०</sup>  
 सप्तयोऽय भयादित् 47 32<sup>०</sup>  
 सप्त यज्ञतानि वै 23 145<sup>०</sup>  
 सप्तरात्र महात्मना 96 3<sup>०</sup>  
 सप्तरात्र स मीर 107 65<sup>०</sup>  
 सप्तरात्र तु निवृत्त 81 61<sup>०</sup>

सप्तर्षीणां प्रजापति 2 11<sup>d</sup>  
 सप्तर्षीं बभूवतु 52 1<sup>d</sup>  
 सप्तर्षिराविमिन्द्रोस्तु 20 21<sup>a</sup>.  
 सप्तर्षिराति सोमाय 3 24<sup>a</sup>  
 सप्तर्षिरातु या भोक्ता 3 53<sup>a</sup>  
 सप्त स्थाया दुराणेषु 10 18<sup>a</sup>  
 सप्तस्कन्धगतो लोकात् 34 27<sup>a</sup>  
 सप्तस्वरगता यस्य 34 28<sup>a</sup>  
 सप्तान्नप्लव सोदरा 16 15<sup>a</sup>  
 सप्तातीतानि भारत 7 38<sup>b</sup>  
 सप्तानां ब्रह्मजन्मनाम् 1 30<sup>b</sup>  
 सप्ताङ्ग भूमिकम्पनम् 9 56<sup>b</sup>  
 सप्तैमाग्देवकीर्णान् 47 10<sup>b</sup>  
 सप्तमे वसव प्राप्ता 43 48<sup>b</sup>  
 सप्तैते जपतां श्रेष्ठ 13 4<sup>b</sup>  
 सप्तैते ब्रह्मण सुता 7 7<sup>b</sup>  
 सप्तैषासञ्जलीकृत 16 28<sup>b</sup>  
 सप्तविंशतिद वच 32 31<sup>b</sup>  
 सप्तपातमहासातु 92 40<sup>b</sup>  
 सप्तमोदा करेण 63 30<sup>b</sup>  
 सप्तप्रविष्ट प्रवेगेन 82 3<sup>b</sup>  
 सप्तशिक्षकालरम् 75 10<sup>b</sup>  
 सप्तैक्षत दिशो द्या 108 81<sup>b</sup>  
 सप्तैत रथिर वसन् 67 34<sup>b</sup>  
 सप्तैत वक्त्रज चैव 67 25<sup>b</sup>  
 सप्तैतैर्गात्रनिर्गमै 67 26<sup>b</sup>  
 सप्तदशकुट्ट श्रीमान् 78 40<sup>b</sup>  
 सप्तदशकुट्टिर्गृह 83 21<sup>b</sup>  
 सप्तर्षी मूर्तिलिङ्गस्य 91 6<sup>b</sup>  
 सप्तदशारत मदीपाला 81 25<sup>b</sup>  
 सप्तदश सातुगाश्चैव 34 2<sup>b</sup>  
 सप्तैते तदा पूर्ण 58 50<sup>b</sup>  
 सप्तैते नरेन्द्रेषु 43 55<sup>b</sup>  
 सप्तैते रावणो हत 44 33<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरपरिखल 76 40<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरुपवतीष्ट 56 18<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरुदा सा चैव 79 27<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरुदमनस 79 26<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरुदा वारयमप्रवीत् 99 34<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरुद हिमवत 36 13<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरुदमुद्यम्य 38 29<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरुदमिमीव 57 20<sup>b</sup>  
 सप्तैतैरुदमिमीव 106 59<sup>b</sup>

सप्तैतैरुदमिमीव 11 15<sup>a</sup>  
 सप्ता काञ्चनवोरणा 91 24<sup>a</sup>  
 सप्ताक्षो भद्रकारातु 28 36<sup>a</sup>  
 सप्ताम्या स यथा पुरा 83 14<sup>a</sup>  
 सप्ताण्डीरवटप्रथम्य 58 25<sup>a</sup>  
 सप्ताद्भारमुपागता 109 58<sup>a</sup>  
 सप्ताभारश्चाक्षुषश्च 23 15<sup>a</sup>  
 सप्ताभारस्य पुत्रस्तु 23 16<sup>a</sup>  
 सप्ताभारभ्यगत प्राह 29 35<sup>a</sup>  
 सप्ताभारभ्यम्य विहित 109 16<sup>a</sup>  
 सप्ताभारविमिश्रुष्टा 89 22<sup>a</sup>  
 सप्ताभारमाहता तदा 109 16<sup>a</sup>  
 सप्ताभार यदुत्सर्गि 84 1<sup>b</sup>  
 सप्ताभारसहस्रस्य 58 24<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यस्त्वमिहागत 99 36<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य च जनादनम् 92 43<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य तस्य धीमत 90 12<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य सद्बान्धव 56 36<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो विनशिष्यति 73 5<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो विबुधश्रेष्ठ 92 51<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य स सुरेश्वर 91 31<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य सप्तार्यामातु 95 13<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य सुधर्मादाय 86 67<sup>b</sup>, 71<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य निक्षामदाहीर 23 151<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य ग्राहिलिङ्गस्य 5 17<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य सपुरोहित 65 85<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य भवसक्ति 71 21<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य नरक हत्वा 92 33<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य भीष्मकस्य 88 1<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य वैष्णव तेज 62 16<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य शुचि 1 22<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य विसर्गि 86 31<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्य खण्डते स्म 28 13<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो वान्यनेका 31 10<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो द्विजर्षय 9 29<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो महाबल 21 29<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो जलाशयम् 49 18<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो दुष्टसमा 74 23<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो यलिवा श्रेष्ठ 83 27<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो यजुनामाह 83 26<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो दासार्हा 87 43<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो सर्वेश 110 36<sup>b</sup>  
 सप्ताभार्यो ततश्चाप्सरस 82 13<sup>b</sup>

समन्ततः संवृताङ्गी 86. 46<sup>०</sup>.  
 समन्तात्पर्यवारयन् 77. 1<sup>०</sup>.  
 समन्तात्प्रतिगादिताम् 93. 1<sup>०</sup>.  
 समन्तात्प्रत्यवारयन् 110. 53<sup>०</sup>.  
 समन्तात्समवाकिरन् 9. 61<sup>०</sup>.  
 समन्तादुपैषोऽज्ञानम् 94. 7<sup>०</sup>.  
 समन्ताद्योजनं सारम् 55. 45<sup>०</sup>.  
 समन्ताद्विजिज्ञेयम् 102. 2<sup>०</sup>.  
 समन्ताद्देहिता यज्ञैः 81. 48<sup>०</sup>.  
 समन्ताभ्यमवृष्टिनाः 54. 26<sup>०</sup>.  
 समपृच्छन्त वाहवाः 109. 17<sup>०</sup>.  
 समप्रचारं च परां 49. 18<sup>०</sup>.  
 समभित्यक्तजीवितम् 81. 101<sup>०</sup>.  
 समभित्यक्तजीविताः 81. 98<sup>०</sup>.  
 समभिरुपजनमेजयो यक्षः स्वम् 118. 40<sup>०</sup>.  
 समभ्युत्तिष्ठते बुधः 20. 43<sup>०</sup>.  
 सममभ्युत्थयन्तीव 59. 38<sup>०</sup>.  
 न ममारं नृपं हतः 64. 20<sup>०</sup>.  
 समयं कारपावने 29. 4<sup>०</sup>.  
 स मयारुपतापैव 15. 40<sup>०</sup>.  
 समयाः शरधास्तथा 116. 28<sup>०</sup>.  
 समयेन महापुत्रिः 10. 40<sup>०</sup>.  
 स समेनासुरेन्द्रं 36. 69<sup>०</sup>.  
 समयो द्वेष्ट कविरताः 75. 39<sup>०</sup>.  
 समरस्य परः पारः 13. 21<sup>०</sup>.  
 समराताः प्रज्जग्मरे 81. 70<sup>०</sup>.  
 समरे काररात्मनाम् 81. 71<sup>०</sup>.  
 समरे कारुतेमिना 37. 46<sup>०</sup>.  
 समरे क्षत्रियवैभवाः 81. 70<sup>०</sup>.  
 समरे बुद्धबोधेन 31. 131<sup>०</sup>.  
 समरे राज्ञश्चैव 62. 75<sup>०</sup>.  
 समरे रामगोविन्दौ 8. 68<sup>०</sup>.  
 समरे स्वेन तेजसा 38. 45<sup>०</sup>.  
 समर्थमभितोऽज्ञसम् 3. 99<sup>०</sup>.  
 समर्थं युधि निग्रहे 85. 11<sup>०</sup>.  
 समर्थः प्रियवीर्यते 9. 58<sup>०</sup>.  
 समर्था हसि धारणे 6. 8<sup>०</sup>.  
 समलान्तरसंवृतिः 117. 36<sup>०</sup>.  
 समवच्छाद्य पार्थिवः 85. 22<sup>०</sup>.  
 समवाचीकृताः सर्वे 81. 28<sup>०</sup>.  
 समवाये लदाङ्गते 60. 32<sup>०</sup>.  
 समलमाधामापातः 99. 37<sup>०</sup>.  
 समलोऽमघ्रपदा 53. 1<sup>०</sup>.

स महात्मा महातपाः 1. 14<sup>०</sup>.  
 समाकीर्णान्यद्वयम् 96. 66<sup>०</sup>.  
 समाकुलजलोपेताः 93. 63<sup>०</sup>.  
 समाक्रमन्त बहुधा 21. 28<sup>०</sup>.  
 सभागवा महानीर्वाः 3. 15<sup>०</sup>.  
 समागम्य तदा वैज्यम् 5. 27<sup>०</sup>.  
 समागम्य परस्परम् 3. 47<sup>०</sup>.  
 समाहुलिः समनवः 109. 83<sup>०</sup>.  
 समाज्यसुर्महावीर्याः 89. 2<sup>०</sup>.  
 समाज्यसुः सद्दशः 82. 13<sup>०</sup>.  
 समाज्यसुखो मेरीः 37. 24<sup>०</sup>.  
 समाज्यद्वारि सिद्धु 73. 1<sup>०</sup>.  
 समाज्यद्वारि माधिरम् 73. 38<sup>०</sup>.  
 समाज्यवाटः शुशुभे 74. 4<sup>०</sup>.  
 समाज्यवाटमिच्छन् 72. 12<sup>०</sup>.  
 समाज्यवारे परिप्रां 76. 36<sup>०</sup>.  
 समाज्यवारे विकीर्य 76. 37<sup>०</sup>.  
 समाज्यवारे संवत्सरे 74. 16<sup>०</sup>.  
 समाज्यवाटो निर्मलः 76. 6<sup>०</sup>.  
 समाज्यविश्वसुखम् 72. 13<sup>०</sup>.  
 समाज्यस्य सप्राणां 70. 13<sup>०</sup>.  
 समाज्ये रात्र्युत्थं 20. 22<sup>०</sup>.  
 समाज्ये मेरुध्वजं 46. 13<sup>०</sup>.  
 समाज्ये सहस्रैश्च 74. 39<sup>०</sup>.  
 समाज्यः शुशुभे तदा 100. 16<sup>०</sup>.  
 समाज्ये शिद्विर्वरसा 42. 13<sup>०</sup>.  
 समाज्ये मलयोपाथ 72. 11<sup>०</sup>.  
 समाज्ये समवर्तेत 75. 16<sup>०</sup>.  
 समाज्योत्सवमविधौ 75. 33<sup>०</sup>.  
 स मातमहदोषेण 5. 3<sup>०</sup>.  
 समा द्वादश रात्र्युत्थं 9. 95<sup>०</sup>.  
 समाधाव सवर्णा 8. 13<sup>०</sup>.  
 समाधावेतिस्मरणं 91. 43<sup>०</sup>.  
 समाज्यसुपुराणि च 86. 7<sup>०</sup>.  
 समाज्यवस्तौ कपिला 16. 6<sup>०</sup>.  
 समाज्यवस्तौ यथा 42. 0<sup>०</sup>.  
 समाज्यं धुर्वैरपेता 38. 44<sup>०</sup>.  
 समाज्यः संनिपतेते 30. 49<sup>०</sup>.  
 समाज्यीय स्वर्गम् 82. 25<sup>०</sup>.  
 समाज्येकुर्महाराज 5. 23<sup>०</sup>.  
 समाज्यस्य च विद्याय लभ्यते 118. 44<sup>०</sup>.  
 समाज्यमिदमाचार्य 43. 65<sup>०</sup>.  
 समाज्यस्यदक्षिणः 31. 141<sup>०</sup>.

समाभाष्य च केरावः 92. 36<sup>५</sup>.  
 समाभाष्य यदुधेष्टान् 95 18<sup>५</sup>.  
 स मासुवाच धर्मात्मा 11 30<sup>५</sup>. 12 2<sup>५</sup>, 8<sup>५</sup>.  
 स मासुवाच प्रीतारमा 12 20<sup>५</sup>.  
 स मासुवाचास्तुचर. 100. 37<sup>५</sup>.  
 समास्तेन योगेन 86 38<sup>५</sup>.  
 स मार्गमागः कामानाम् 22. 34<sup>५</sup>.  
 समाविष्यावपुष्य च 48 28<sup>५</sup>.  
 समावृत्त्यवस्थिता 13. 53<sup>५</sup>.  
 समाश्रित्य ज्ञासचम् 80. 4<sup>५</sup>, 85. 38<sup>५</sup>, 96. 37<sup>५</sup>.  
 समाधस्य च माधस्यः 102 20<sup>५</sup>.  
 समासाकंसमोज्ञता 66. 2<sup>५</sup>.  
 समासाद्य जनाईनम् 91. 48<sup>५</sup>.  
 समासीनेषु सर्वेषु 96 22<sup>५</sup>.  
 समाक्षिप्य निराहारः 19. 11<sup>५</sup>.  
 समाह्वयौ महर्षिभिः ८ 35<sup>५</sup>.  
 समा च कुरु सर्वत्र 6 8<sup>५</sup>.  
 स मां परिभवेव 43 20<sup>५</sup>.  
 स मां प्रहर्षित्वाह 42. 42<sup>५</sup>.  
 समिद्धोऽग्निरिवाध्वरे 108. 51<sup>५</sup>.  
 समीक्षन्काष्ठमादये 36 31<sup>५</sup>.  
 समीपमात्रगामाशु 43 17<sup>५</sup>.  
 समीपं तं महीधरम् 61 29<sup>५</sup>.  
 समीपं दुःखितो ययौ 78. 1<sup>५</sup>.  
 समीपं वृषतेर्गया 71. 46<sup>५</sup>.  
 समीपं मानवेन्द्राणां 100. 11<sup>५</sup>.  
 समीपे वीरजा हुमा 56 10<sup>५</sup>.  
 समीपे देवदेवस्य 107 40<sup>५</sup>.  
 समीपे यज्ञनासिनाम् 65 89<sup>५</sup>.  
 समीपुर्मुदलाखला 81. 27<sup>५</sup>.  
 समीपुर्व्युप्यमाना वै 35. 2<sup>५</sup>.  
 समीपुस्ते सुसरथाः 37. 29<sup>५</sup>.  
 समुत्सर्गजिह्वोऽं 42 2<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवसाकानि 93 26<sup>५</sup>, 31<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवसाध्वजैः 87. 43<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवनि सारसैः 59 36<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवमैदीक्षितः 81. 27<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवैर्पात्रमम् 10 61<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवस्य पुलहात् 13 58<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवा सुमहता 3 80<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवाः स्वधायौ तु 13. 50<sup>५</sup>.  
 समुत्प्लवेन कारव्य 5. 24<sup>५</sup>.  
 समुदमायुष्यवत्तम् 88 3<sup>५</sup>.

समुदर महाभुज 109. 23<sup>५</sup>.  
 समुद्यतमहायज्ञा 81. 93<sup>५</sup>.  
 समुद्रक्षोभणायुभौ 81 54<sup>५</sup>.  
 समुद्रतनयायां तु 2 31<sup>५</sup>.  
 समुद्र दत्ता च द्वे च 86 36<sup>५</sup>.  
 समुद्रपर्वतवनं 12 37<sup>५</sup>.  
 समुद्रमप्ये दुष्टात्मा 105 9<sup>५</sup>.  
 समुद्रमभियासतः 5 30<sup>५</sup>.  
 समुद्रमानवर्चनौ 10 66<sup>५</sup>.  
 समुद्रयोनिर्मधुदा 34 35<sup>५</sup>.  
 समुद्रश्चाध्वमादाय 10 53<sup>५</sup>.  
 समुद्रसलिलेरायाः 2 33<sup>५</sup>.  
 समुद्रस्त्वमुवाचेद 79 14<sup>५</sup>.  
 समुद्रस्त्वेवमुत्सृज्य 100 46<sup>५</sup>.  
 समुद्रं यज्ञयामास 9 68<sup>५</sup>.  
 समुद्रं समविष्यति 97 32<sup>५</sup>.  
 समुद्रं मकराख्यम् 95 3<sup>५</sup>.  
 समुद्रं मेर्विरं तं हि 61 13<sup>५</sup>.  
 समुद्रं प्राज्ञलिङ्गं वा 79 13<sup>५</sup>.  
 समुद्र. तद् गङ्गाया 43. 17<sup>५</sup>, 23<sup>५</sup>.  
 समुद्र. स्वाध्वतोयऽदम् 104 12<sup>५</sup>.  
 समुद्राणां समागमे 58 36<sup>५</sup>.  
 समुद्रादिव सिन्धवः 112 57<sup>५</sup>.  
 समुद्रादुपलब्धवान् 10 63<sup>५</sup> 28 12<sup>५</sup>.  
 समुद्राम्बोद्गीतले 40 9<sup>५</sup>.  
 समुद्रे च धृतोऽस्माभि 83 13<sup>५</sup>.  
 समुद्रे पृथेदक्षिणे 10 47<sup>५</sup>.  
 समुद्रेभ्य इवापगाः 3 17<sup>५</sup>, 21<sup>५</sup>.  
 समुद्रे वै भविष्यति 35 58<sup>५</sup>.  
 समुद्रेऽई सुरा पूर्वे 43 15<sup>५</sup>.  
 समुद्रोत्पन्ननिता 54 35<sup>५</sup>.  
 समुद्रोऽग्निर्मद्विदुम् 43 21<sup>५</sup>.  
 समुद्रो बालुकापूर्ण 9 53<sup>५</sup>.  
 समुद्रोत्पन्नैर्धनै 54 32<sup>५</sup>.  
 समुद्रोदे सुदारणे 21 13<sup>५</sup>.  
 स समुद्रांततः कृष्णः 103 35<sup>५</sup>.  
 समुद्रान्तिगौ भद्रौ 51 18<sup>५</sup>.  
 स मृत्युना परीतम् 99 5<sup>५</sup>.  
 समुद्रचत्वरवती 86 47<sup>५</sup>.  
 समुद्रचक्रनाडुरा 44 54<sup>५</sup>.  
 समुद्रनल्य कंसल 69 4<sup>५</sup>.  
 समुद्रायासवोपम 118 26<sup>५</sup>.  
 स मेघनिचयस्यौ 61. 51<sup>५</sup>.

स मेघोदधिरिवाणव 74 4<sup>d</sup>  
 समेतमभवत्पुन 108 38<sup>d</sup>  
 समेतान्सपितामहान् 40 43<sup>d</sup>  
 समेता मध्यामासु 25 15<sup>d</sup>  
 समेता प्रत्यपूजयन् 38 50<sup>d</sup>  
 समेत्य धारयामासु 20 6<sup>d</sup>  
 समेत्य मुमुदे राजन् 79 24<sup>d</sup>  
 समेत्य यदुसिहस्य 92 27<sup>d</sup>  
 स मेने माल्यजीरन 71 21<sup>d</sup>  
 स मे भर्ता भवेदिति 87 15<sup>d</sup>  
 समेपाठा रामकृष्णौ 76 2<sup>d</sup>  
 समेषु सर्वपाथिका 100 5<sup>d</sup>  
 स मेहरिगिरिमासाध 92 47<sup>d</sup>  
 समेषु मरुधम्यसु 9 53<sup>d</sup>  
 स मैथुनेन धर्मेण 3 5<sup>d</sup>  
 समैश्चाश्वत्थवृक्षैर्गै 61 43<sup>d</sup>  
 सम्यगाराधितस्तथा 3 98<sup>d</sup>  
 सम्यगाह महावृषि 3 20<sup>d</sup>  
 सम्यग्यतिर्तुकात्म्य 44 30<sup>d</sup>  
 सन्नाह कुक्षिर्विराट् प्रभु 2 6<sup>d</sup>  
 सयक्षरक्षोगन्धर्वा 11 36<sup>d</sup>  
 सयक्षोरगचारणात् 32 11<sup>d</sup>  
 सयज्ञा सक्रिया चेदा 31 96<sup>d</sup>  
 स यदा वृद्धो कामान् 22 35<sup>d</sup>  
 स यदा यौवनस्थस्तु 99 9<sup>d</sup>  
 स यदुग्रवरो बिभु 84 32<sup>d</sup>  
 सयज्ञै सुसमाहितै 81 15<sup>d</sup>  
 स यन्मास्या प्रवृद्धाम्या 51 16<sup>d</sup>  
 स पाच्यमानो देवैश्च 20 30<sup>d</sup>  
 स वादधनरेन्द्राणा 100 15<sup>d</sup>  
 स बुद्धकामो वृषति 25 13<sup>d</sup>  
 सयुधा च धनरुद्धा 51 27<sup>d</sup>  
 स रत्नाकरभूषणाम् 79 2<sup>d</sup>  
 स रथ पौरवाणां तु 22 7<sup>d</sup>  
 स स्यैर्मैयसिर्धौ 81 20<sup>d</sup>  
 सरमाणास्तथा चैव 78<sup>d</sup>  
 सरसस्तस्य पार्श्वत 18 9<sup>d</sup>  
 सरस्वत् कुण्ड 18 12<sup>d</sup>  
 स राजयश्मणा सुत 20 46<sup>d</sup>  
 स राजराज द्रुमुने 34 17<sup>d</sup>  
 स राजा काञ्चनपुषि 23 27<sup>d</sup>  
 स राजा चामेजय 22 9<sup>d</sup> 118 11<sup>d</sup>, 18<sup>d</sup>  
 स राजानमपान्विषष्ट 19 14<sup>d</sup>

स राजा परमप्रीत 19 27<sup>d</sup>  
 स राजा परमापन्न 19 10<sup>d</sup>  
 स राजा सागराकार 81 21<sup>d</sup>  
 स रामकरमुकेन 89 49<sup>d</sup>  
 सराहो विनिपातितौ 97 10<sup>d</sup>  
 सरासि च त्रिवाञ्छलन् 59 40<sup>d</sup>  
 सरासि सुरभीणि च 83 2<sup>d</sup>  
 सरितश्च सरासि च 93 68<sup>d</sup> 103 1<sup>d</sup>  
 सरित नर्मदासु 88 6<sup>d</sup>  
 सरितो लोकभावना 100 45<sup>d</sup>  
 सरित्सु सह देवदे 46 9<sup>d</sup>  
 सरिद्धिर्वा सुरेश्वर 43 7<sup>d</sup>  
 सरीसृपेभ्य कोटिभ्य 49 11<sup>d</sup>  
 स स्वमत्सलमुद्यम्य 44 50<sup>d</sup>  
 स चन्द्रमभिमन्याय 106 7<sup>d</sup>  
 सरो यत्ना समुत्थितम् 13 25<sup>d</sup>  
 सरोष समुद्देशत 75 4<sup>d</sup>  
 स रोषेण तु चाणूर 75 8<sup>d</sup>  
 सरोपो वाक्यममवीट् 47 19<sup>d</sup>  
 सर्गकारश्च सर्गाणा 30 37<sup>d</sup>  
 सर्ग स्वारोचिषे स्मृत 3 94<sup>d</sup>  
 सर्पभूते समन्तत् 108 83<sup>d</sup>  
 सर्पभोगमुशबुधौ 51 7<sup>d</sup>  
 सर्पभोगमये शरी 108 86<sup>d</sup>  
 सर्पभोगैर्विवेक्षित 108 85<sup>d</sup>  
 सर्पमज्ञातरूपिणम् 45 7<sup>d</sup>  
 सर्पमणौ विरेजतु 51 9<sup>d</sup>  
 सर्पराजवश गतम् 56 31<sup>d</sup>  
 सर्पराजो विपायुष 56 27<sup>d</sup>  
 सर्वलोकसिमे यथा 70 16<sup>d</sup>  
 सर्वसद्गद्वत्तरम् 115 3<sup>d</sup>, 4<sup>d</sup>  
 सर्वे सर्परिहृतव 56 33<sup>d</sup>  
 सर्पाणामथ शक्षकम् 4 7<sup>d</sup>  
 सर्पाणाममिसौत्रसाध 3 85<sup>d</sup>  
 सर्पाणां च महीपते 6 23<sup>d</sup>  
 सर्पाणा दर्शनं तीव्र 66 24<sup>d</sup>  
 सर्पावाससिमे ददन् 50 24<sup>d</sup>  
 सर्पिषा वष्यमानेन 49 26<sup>d</sup>  
 सर्वेणेति महादद 50 16<sup>d</sup>  
 सर्वद्रुमिष कापिताः 81 67<sup>d</sup>  
 सर्वैर्लिट्टिह्यमानैश्च 37 12<sup>d</sup>  
 सर्वैः दुष्प्रभैश्चैव 2. 23<sup>d</sup>  
 सर्वे एते दनो पुत्रा 3 70<sup>d</sup>



सर्व एव दिवौकसः 43. 1<sup>१</sup>.  
 सर्व एव महारथाः 83. 8<sup>१</sup>.  
 सर्व एव शत्रुहारे 28. 17<sup>१</sup>.  
 सर्व एव समाहिताः 16. 10<sup>१</sup>.  
 सर्व एव सुरभ्रेष्टाः 43. 13<sup>१</sup>.  
 सर्व एवामराः सुखम् 113. 69<sup>१</sup>.  
 सर्व एवामितौजसः 13. 24<sup>१</sup>. 71. 1<sup>१</sup>.  
 सर्व एवायुषः क्षये 18. 14<sup>१</sup>.  
 सर्व एवावतारयन् 43. 69<sup>१</sup>.  
 सर्व एवासुरोत्तमाः 112. 21<sup>१</sup>, 27<sup>१</sup>.  
 सर्व एवोपहस्तिरे 5. 25<sup>१</sup>.  
 सर्वकर्मैरि विभुतः 10. 71<sup>१</sup>.  
 सर्वकामकराः दायाः 60. 25<sup>१</sup>.  
 सर्वकामगुणैर्भुतः 93. 46<sup>१</sup>.  
 सर्वकामदुष्टा गावः 5. 31<sup>१</sup>.  
 सर्वकामदुष्टा दोग्ध्री 6. 38<sup>१</sup>.  
 सर्वकामदुष्टा दोग्ध्री 10. 13<sup>१</sup>.  
 सर्वकामप्रदायिनः 29. 27<sup>१</sup>.  
 सर्वकामफलप्रदाः 11. 38<sup>१</sup>.  
 सर्वकामफलैरतु यः 11. 9<sup>१</sup>.  
 सर्वकामसहृदेषु 13. 51<sup>१</sup>.  
 सर्वकामैरुपचितैः 29. 23<sup>१</sup>.  
 सर्वकार्यपुरोगमः 62. 18<sup>१</sup>.  
 सर्वकार्येष्वनन्तरान् 83. 77<sup>१</sup>.  
 सर्वकार्येषु वनम् 53. 31<sup>१</sup>.  
 सर्वगेनाशुपामिना 86. 65<sup>१</sup>.  
 सर्वगोपसुसंकुलः 60. 13<sup>१</sup>.  
 सर्वगोपस्य गृह्यताम् 60. 12<sup>१</sup>.  
 सर्वगोपस्य संदोहः 59. 29<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञो ह्यस्ति मे मत्तः 11. 34<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञोः विपीलिकैः 85. 33<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञोः मदीक्षालैः 110. 40<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञः कृतमिस्त्रनम् 49. 21<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञः परिरक्षितम् 55. 52<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञः प्रतिवेष्टितः 108. 86<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञः पर्येतोपमः 61. 8<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञः पुरमन्तिकार 106. 42<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञः शतशो युक्ताः 52. 30<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञः सारनिर्मुक्तं 72. 4<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञोऽप्यमुष्याध्रया 55. 55<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञोऽप्यमुष्याध्रया 85. 11<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञो नगरी च्येयं 81. 33<sup>१</sup>.  
 सर्वज्ञोऽभिभिराजते 84. 27<sup>१</sup>.

सर्वतो वेष्टिततनुः 108. 94<sup>१</sup>.  
 सर्वत्र कुशलं कृष्ण 83. 56<sup>१</sup>.  
 सर्वत्र वतमानांस्तान् 12. 39<sup>१</sup>.  
 सर्वथा दुरतिक्रमः 118. 33<sup>१</sup>.  
 सर्वथा मानमर्हति 108. 93<sup>१</sup>.  
 सर्वदेवमयं कृत्वा 30. 17<sup>१</sup>.  
 सर्वदेवार्पिपूजितः 20. 27<sup>१</sup>.  
 सर्वदेवतयाधिता 91. 6<sup>१</sup>.  
 सर्वपापप्रणाशनम् 115. 2<sup>१</sup>.  
 सर्वपापविनाशाय 31. 105<sup>१</sup>.  
 सर्वपापैः प्रमुच्यते 20. 48<sup>१</sup>, 23. 168<sup>१</sup>.  
 सर्वप्रत्यक्षवर्तिवान् 97. 41<sup>१</sup>.  
 सर्वप्रभवमव्ययम् 100. 58<sup>१</sup>.  
 सर्वप्रभवमीधरम् 34. 28<sup>१</sup>.  
 सर्वप्राणभृतां भुवि 40. 27<sup>१</sup>.  
 सर्वप्राणेन महतीं 38. 33<sup>१</sup>.  
 सर्वभक्षा घृणामताः 117. 16<sup>१</sup>.  
 सर्वभक्षो ह्यसंगुतः 117. 11<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतक्षयावहम् 115. 17<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतगुणसष्टा 30. 29<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतगुणात्मकः 30. 29<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतपतेस्तनुम् 31. 112<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतपिचासानां 4. 6<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतमनोहरम् 93. 39<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतरुचिश्च 92. 32<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतहिते रतः 15. 11<sup>१</sup>, 31. 116<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतादिमव्ययम् 113. 45<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतानि स्रग्भुः 112. 32<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतानुकरणकः 19. 12<sup>१</sup>.  
 सर्वभूतेषु पापकम् 22. 39<sup>१</sup>.  
 सर्वमासीजगद्गन्धं 31. 130<sup>१</sup>, 133<sup>१</sup>.  
 सर्वमाहारयामास 92. 17<sup>१</sup>.  
 सर्वमिच्छामि वेदितुम् 39. 6<sup>१</sup>.  
 सर्वमुत्पातदर्शनम् 106. 55<sup>१</sup>.  
 सर्वमेकार्णवं लोकं 42. 19<sup>१</sup>.  
 सर्वमेतत्करिष्यामि 86. 32<sup>१</sup>.  
 सर्वमेतत्कारणम् 44. 13<sup>१</sup>.  
 सर्वमेतद्दं वीर 6. 7<sup>१</sup>.  
 सर्वमेतद्दुःखः 42. 38<sup>१</sup>.  
 सर्वमेतद्दक्षिण्यति 47. 18<sup>१</sup>.  
 सर्वमेतद् महासखम् 23. 75<sup>१</sup>.  
 सर्वमेवानुपूर्वम् 4. 21<sup>१</sup>.  
 सर्वयादनन्दनः 86. 52<sup>१</sup>, 91. 2<sup>१</sup>, 50<sup>१</sup>.

सर्वरक्ष प्रणामान 23 57<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नमय शुभ 93 61<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नमयानि च 95 12<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नविभूषित 77 9<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नसमाकुल 84 28<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नानि तेजसा 31 147<sup>d</sup>  
 सर्वैतुकथन चैव 93 17<sup>d</sup>  
 सर्वैतुकवने रम्ये 107 2<sup>d</sup>  
 सर्वैतुसुमोत्कटाम् 42 9<sup>d</sup>  
 सर्वैतुनित्य शुभम् 52 23<sup>d</sup>  
 सर्वैतुफलसयसा 93 62<sup>d</sup>  
 सर्वैतुसुखसन्ध्या 55 55<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकगुरो प्रभो 31 151<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकप्रभुं यत 70 10<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकभयावह 37 57<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकनयो दैत्य 37 57<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकहिताय वै 31 143<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकं समाधिम् 103 24<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकप्रियम् 113 8<sup>d</sup>  
 सर्वैलोक भुवर्द्धाम् 79 22<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकधरो विभु 97 30<sup>d</sup>  
 सर्वैवजविचारिणी 51 12<sup>d</sup>  
 सर्वैवाधुनिर्बहणम् 112 67<sup>d</sup>  
 सर्वैवाधुनिकर्हण 108 27<sup>d</sup>  
 सर्वैव सर्वैवाङ्गनं 9 35<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गविशारद 108 92<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गविशारदा 85 12<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गानि दूर्ध्वम् 22 36<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गगुणोपेत 26 37<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गमरोहता 28 41<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गवद्वत् 17 9<sup>d</sup> 18 19<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गप्ररोहिणी 38<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गसहि 28 30<sup>d</sup> 29 38<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गपुरस्कर्तम् 96 40<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य सन्ध 8 11<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 70 12<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 39 10<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 33 31<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 104 11<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 56 8<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 41 29<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 116 31<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 59 36<sup>d</sup>

सर्वैवाङ्गस्य कर्माणि 109 41<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य विना 56 24<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 3 30<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 47 24<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य पुन 108 34<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 109 27<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 31 46<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 67 10<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 85 14<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 36 53<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 31 51<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 91 45<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 96 26<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 100 28<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 88 43<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 113 70<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 112 45<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 30 17<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 101 15<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 98 2<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 77 17<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 92 27<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 92 26<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 13 20<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 37 50<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 13 20<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 77 23<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 92 30<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 34 37<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 87 21<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 88 44<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 39 29<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 43 73<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 99 9<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 79 22<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 83 10<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 92 35<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 92 26<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 31 54<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 110 15<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 23 146<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 23 146<sup>d</sup>  
 सर्वैवाङ्गस्य 117 27<sup>d</sup>

सर्वे कृष्णपरायणा 73 6 <sup>१</sup>	सर्वेषामभवत्तदा 22 7 <sup>१</sup>
सर्वे केशवदासनात् 84 15 <sup>१</sup>	सर्वेषामसूत्रीयाणां 112 40 <sup>१</sup>
सर्वे गोष्ठाक्षिपु गता 52 11 <sup>१</sup>	सर्वेषामेव गजंताम् 108 19 <sup>१</sup>
सर्वे च कुटुराण्यका 94 13 <sup>१</sup>	सर्वेषामेव मृगानां 79 19 <sup>१</sup>
सर्वे तत्रावतस्थिरे 76 10 <sup>१</sup>	सर्वेषामेव वचनात् 17 7 <sup>१</sup>
सर्वे तपसि सस्थिता 37 8 <sup>१</sup>	सर्वेषां कालपर्ययम् 40 12 <sup>१</sup>
सर्वे ते क्षत्रियास्त्रात 10 45 <sup>१</sup>	सर्वेषां देवतद्विषयम् 38 12 <sup>१</sup>
सर्वे ते ज्ञातयो गता 109 23 <sup>१</sup>	सर्वेषां द्विजसत्तम 13 65 <sup>१</sup>
सर्वे ते पृथिवीक्षित 100 86 <sup>१</sup>	सर्वेषां नात्र सञ्चय 21 25 <sup>१</sup> 59 61 <sup>१</sup>
सर्वे ते प्रभवन्निव 7 49 <sup>१</sup>	सर्वेषां नाम जगद् 95 11 <sup>१</sup>
सर्वे ते वदुर्गवा 66 1 <sup>१</sup>	सर्वेषां पुण्यकर्मणाम् 1 21 <sup>१</sup>
सर्वे ते प्रज्जवासिन 83 50 <sup>१</sup>	सर्वेषां पुरवासिनाम् 94 12 <sup>१</sup>
सर्वे दक्षादयो नृप 2 64 <sup>१</sup>	सर्वेषां योगसाधन 17 10 <sup>१</sup>
सर्वे देवगणास्त्रात 3 56 <sup>१</sup>	सर्वेषां राज्ञः पात्रम् 13 86 <sup>१</sup>
सर्वे देवाः सवासवा 112 47 <sup>१</sup>	सर्वेषां वै वशस्करम् 115 12 <sup>१</sup>
सर्वे देवैर्महाराज 23 147 <sup>१</sup>	सर्वेषां सहदक्षिण 100 83 <sup>१</sup>
सर्वे धनुषि पारगा 65 14 <sup>१</sup>	सर्वेषु सततोत्थित 93 6 <sup>१</sup>
सर्वे नीपा विनाशिता 15 28 <sup>१</sup>	सर्वेष्वर्थाध्वर्यकल्पेषु 113 78 <sup>१</sup>
सर्वे न्यायागता तदा 18 6 <sup>१</sup>	सर्वे समधिरोद्धत 86 40 <sup>१</sup>
सर्वे परिधयोधिन 43 71 <sup>१</sup>	सर्वे सप्रामदार्पिता 32 11 <sup>१</sup>
सर्वे प्रचेतसो नाम 2 32 <sup>१</sup>	सर्वे सप्रामदालम्बा 43 64 <sup>१</sup>
सर्वे प्राचीनवर्हिष 2 39 <sup>१</sup>	सर्वे सित्यन्तपुष्पकमा 5 50 <sup>१</sup>
सर्वे बाष्पाकुलेक्षणा 109 61 <sup>१</sup>	सर्वेनरैरुत्सव 62 5 <sup>१</sup>
सर्वे प्रज्ञा चक्षिन्मि 116 13 <sup>१</sup>	सर्वेभ्रष्टादिभिः सार्धे 38 56 <sup>१</sup>
सर्वे भीमपराक्रमा 28 5 <sup>१</sup>	सर्वेवैभगुणैर्गुणैः 52 23 <sup>१</sup>
सर्वे मानुषपुद्गल 56 28 <sup>१</sup>	सर्वेभ्योऽपि सहस्रश 110 1 <sup>१</sup>
सर्वे मायाविनोःसुरा 6 27 <sup>१</sup>	सर्वेस्त्रीषु सुख गाव 56 44 <sup>१</sup>
सर्वे यज्ञा महाबाहो 23 146 <sup>१</sup>	सर्वापधिबिभृषितम् 93 57 <sup>१</sup>
सर्वे बुद्धरया सन्ना 102 6 <sup>१</sup>	स लब्धतेजा भगवान् 20 17 <sup>१</sup>
सर्वे यूपध्वजा स्थिता 100 77 <sup>१</sup>	स लब्धता वरमव्यग्र 71 20 <sup>१</sup>
सर्वे वातसनेधिन 116 13 <sup>१</sup>	स ह्यव्यवैसरसद 67 31 <sup>१</sup>
सर्वे वाणिजकाश्च 116 19 <sup>१</sup>	स ह्यव्यवमान कृष्णस्य 61 50 <sup>१</sup>
सर्वे विगतकल्मषा 18 14 <sup>१</sup>	सलिलस्त्राविना श्रेष्ठ 113 18 <sup>१</sup>
सर्वे विप्रपरा नरा 41 29 <sup>१</sup>	सलिलं चातुरिष्य च 31 44 <sup>१</sup>
सर्वे मिनसोऽभवन् 89 51 <sup>१</sup>	सलिलं व्योतिरेव च 113 77 <sup>१</sup>
सर्वे विश्रुमभिद्रवन् 38 30 <sup>१</sup>	सलिलानी मया कृत 35 61 <sup>१</sup>
सर्वे वीरा महारया 21 11 <sup>१</sup>	सलिलेनामुतानीव 109 10 <sup>१</sup>
सर्वे वेदपरा विप्रा 41 29 <sup>१</sup>	सलिलोपीडसङ्ग 54 17 <sup>१</sup>
सर्वे वेदवतस्त्राता 23 44 <sup>१</sup>	सलिलोद्गारिनिर्घने 54 37 <sup>१</sup>
सर्वे वेदेषु निष्ठिता 41 9 <sup>१</sup>	सलिलोवाद्भिन् सत्य 106 26 <sup>१</sup>
सर्वे वै वृक्षपास 73 32 <sup>१</sup>	स लेभे कर्मणा तन 8 42 <sup>१</sup>
सर्वे दायपुत्रोगमा 36 60 <sup>१</sup>	स श्लोकपादनुत्साव 37 51 <sup>१</sup>
सर्वे शत्रु मुदा युता 59 18 <sup>१</sup>	स श्लोकपादैक्येषु 37 58 <sup>१</sup>

स लोहगन्धी राजर्षि 22 10<sup>०</sup>  
 स लोहगन्धो न्यनशत् 22 12<sup>०</sup>  
 सवत्सर्चमास्तरणे 53 27<sup>०</sup>  
 सवत्समिव गोवृषम् 68 16<sup>०</sup>  
 सवत्सा गा परतपो 58 3<sup>०</sup>  
 सवन इवन चैव 31 5<sup>०</sup>  
 सवन पुत्र एव च 7 9<sup>०</sup>  
 स चरिष्ठो धनुर्धर 62 72<sup>०</sup>  
 सवर्णा जननी तदा 8 20<sup>०</sup>  
 सवर्णाधत्त सामुद्री ३ 32<sup>०</sup>  
 सवर्णाया महीपति 2 31<sup>०</sup>  
 सवर्णा निर्दमे तत 8 8<sup>०</sup>  
 स बापु सर्वभूतायु 34 30<sup>०</sup>  
 स वा श्लाघ्यतर सुत 65 66<sup>०</sup>  
 स बापुदेव समरे 109 6<sup>०</sup>  
 स विशेय नमैश्वर ३ 47<sup>०</sup>  
 सवितुर्मण्डल महत् 112 41<sup>०</sup>  
 सवितुर्मण्डल यथा 34 36<sup>०</sup>  
 सवितुस्तेजसा तुल्य 38 13<sup>०</sup>  
 सवितु प्रथम सुतम् 62 94<sup>०</sup>  
 सवितुस्त्वमवितुमत् 100 17<sup>०</sup>  
 स विभूयास्तुरगणान् 110 43<sup>०</sup>  
 स विमनद्या देवाना 21 23<sup>०</sup>  
 स विभुर्भूतभावन 39 3<sup>०</sup>  
 स विभु सलिलोज्ज्व 42 18<sup>०</sup>  
 स विवृद्धो यदा राजा 85 18<sup>०</sup>  
 स विव्याध चतु पट्या 88 8<sup>०</sup>  
 स विष्टरे स्थित शुभ्रे 109 66<sup>०</sup>  
 सविष्णुदिव मन्दर 36 59<sup>०</sup>  
 सविस्फुलिङ्ग साङ्गार ३ 57<sup>०</sup>  
 स वीचिचिपना कुर्वन् 43 18<sup>०</sup>  
 स धीतरागो विचरेद्भुसुराम् 118 49<sup>०</sup>  
 स वृष कक्षयोर्दंष्टि 64 15<sup>०</sup>  
 सवृषाणि सइस्त्रश 60 29<sup>०</sup>  
 स वेदमेक ब्रह्मर्षि 13 36<sup>०</sup>  
 स वे तत्र विराहार 18 9<sup>०</sup>  
 स वे बाहुर्वन ययौ 10 33<sup>०</sup>  
 स वै भवेज्जर विगतज्वरो नर 111 11<sup>०</sup>  
 स वैभ्रातस्त्वजायत 19 1<sup>०</sup>  
 सवैर कर्तुमुद्यत 75 21<sup>०</sup>  
 स वैराज प्रजासर्ग 1 39<sup>०</sup>  
 स वै राजा हरिश्चन्द्र 10 22<sup>०</sup>  
 स प वृद्धमो नृणाम् 65 71<sup>०</sup>

स वै शक्रसखो मुनि 46 6<sup>०</sup>  
 स वैश्रवणवस्तव्य 86 55<sup>०</sup>  
 स वै स्वायमुवस्तव्य ३ 4<sup>०</sup>  
 सव्य मण्डलमावृत्य 82 15<sup>०</sup>  
 सव्यापवृत्त विपुल 44 7<sup>०</sup>  
 सव्यालभृगपन्नगम् 92 39<sup>०</sup>  
 सव्ये चाल्य रथ पार्श्वे 34 4<sup>०</sup>  
 सव्येतराभ्या बाहुभ्याम् 110 68<sup>०</sup>  
 सव्येन सारवता श्रेष्ठ 81 62<sup>०</sup>  
 सव्येनालम्ब्य महती 34 37<sup>०</sup>  
 सव्ये पार्श्वे च प्रद्युम्न 110 48<sup>०</sup>  
 सव्यो यदि मस्यते 68 38<sup>०</sup>  
 स वज्रो वज्रना भाति 53 18<sup>०</sup>  
 स शङ्खयमानो धर्मात्मा 28 18<sup>०</sup>  
 स शङ्ख केसवाहान् 86 56<sup>०</sup>  
 स शङ्ख प्राङ्गलिर्भूत्वा 86 57<sup>०</sup>  
 स शन् शन्वाहिनाम् 37 31<sup>०</sup>  
 स शौरैर्दितस्तेन 112 17<sup>०</sup>  
 सशिक्यतुम्बकरौ 52 5<sup>०</sup>  
 स शिलाजालवितता 36 22<sup>०</sup>  
 स शिष्ये शयने दिव्ये 40 5<sup>०</sup>  
 स शीघ्रपान समाप्त 44 45<sup>०</sup>  
 स शुभाय नराधिप 19 3<sup>०</sup>  
 सरोपास्त्रय तिष्ठन्ति 7 52<sup>०</sup>  
 सशैलवनकाननाम् 31 26<sup>०</sup>  
 स शैलेनेव लक्ष्मणे 75 45<sup>०</sup>  
 स श्रीमन्निबिडो नाम 93 62<sup>०</sup>  
 सश्रीवत्सेन वक्षसा 68 20<sup>०</sup>  
 स श्रुत्वा भगवान्वाच्य 42 46<sup>०</sup>  
 स समीपगतस्त्य 62 9<sup>०</sup>  
 स समुद्रास्समानीय 37 55<sup>०</sup>  
 ससमुद्रा सनगरा 23 144<sup>०</sup>  
 ससमुद्रा सपचना 7 47<sup>०</sup>  
 स सन्नाहित विभुत 10 22<sup>०</sup>  
 ससर्गे पुरुष प्रभु 1 39<sup>०</sup>  
 ससर्गे सृष्टि सङ्घा 1 28<sup>०</sup>  
 ससङ्करागौ निर्दिष्टात् 37 27<sup>०</sup>  
 ससर्गविपुलैर्विद्धैः 55 42<sup>०</sup>  
 स सर्पा वृद्धभिलीक्ष्णै 85 33<sup>०</sup>  
 स सर्वदमनो नाम 23 48<sup>०</sup>  
 स सर्वाभ्युदा प्रभु 61 7<sup>०</sup>  
 स सर्वानम्रवीटापन् 10 9<sup>०</sup>  
 सप्तस्थाना च सीमाना 54 28<sup>०</sup>

समस्याया च सीमायां ६३ ५३<sup>०</sup>  
 स सङ्क्षिरा भूत्वा ४० ७<sup>०</sup>  
 स सप्तमयितभ्यस्ते ४७ ३०<sup>०</sup>  
 स सक्षिप्य जगत्सर्वे ४० ४२<sup>०</sup>  
 स सचोदयितभ्यस्ते ७३ ३<sup>०</sup>  
 स सद्विभवात्मान ५८ ३१<sup>०</sup>  
 स सधान करिष्यति ६६ ३६<sup>०</sup>  
 ससप्य इव तोयद् ५५ ४<sup>०</sup>  
 ससभ्याश्च इवाचल ४२ ४<sup>०</sup>  
 स सप्रहारस्तुमुल ८१ ९५<sup>०</sup> ११० ७१<sup>०</sup>  
 स सरुदोऽसङ्गमास २९ ३७<sup>०</sup>  
 स ससक्तस्तु कृष्णेन ६४ १७<sup>०</sup> ६७ ३९<sup>०</sup>  
 ससागरमिवाभ्यर्च्य ५४ ३४<sup>०</sup>  
 ससादिनमरिदमौ ९६ ६२<sup>०</sup>  
 ससाध्या समरद्रुगा १०६ ८<sup>०</sup>  
 ससाध्या समित्तिजय ११३ ४६<sup>०</sup>  
 ससानुप्रमहाणि च ७४ ७<sup>०</sup>  
 स सामादिभिरप्यादौ १५ ६५<sup>०</sup>  
 स सिद्ध इव केनेन ७६ २५<sup>०</sup>  
 स सुतो गोवितो गृहे ६५ २३<sup>०</sup>  
 स सुरैरग्न्यनुशात ८५ ४३<sup>०</sup>  
 स सूर्यकरतुल्याभ ९८ ३९<sup>०</sup>  
 सस्ये विविधा प्रजा १ ३७<sup>०</sup>  
 सस्ये स समस्तत ३६ २४<sup>०</sup>  
 स सृष्टानु प्रतापेयम् २ १<sup>०</sup>  
 स सृष्टा मनसा वक्ष २ ४७<sup>०</sup>  
 ससैर्ष हावर्ण युधि ३१ १२५<sup>०</sup>  
 ससैर्ष प्रत्यर्दयत ८१ २१<sup>०</sup>  
 ससैर्येन तवाश्रयात् १०६ ८<sup>०</sup>  
 स सौम्यो शशिरुप्यते ३० ४१<sup>०</sup>  
 ससीपुलोऽप्य बोयो वै ५३ १<sup>०</sup>  
 ससुपोऽहं सभायैश्च ७८ २६<sup>०</sup>  
 सस्मित चन्द्र प्रोवाच ४६ २१<sup>०</sup>  
 सस्मित मधुसूदन ४५ १<sup>०</sup>  
 सस्मित राघवोऽयवीत् ४४ ३८<sup>०</sup>  
 सस्मित वाक्यममवीत् ३८ २३<sup>०</sup>  
 सस्मित विमसजं ह ७१ ३५<sup>०</sup>  
 सस्यघोरा भविष्यति ११७ २१<sup>०</sup>  
 सस्यजातानि सर्वाणि १५ १५<sup>०</sup>  
 सत्यनिष्पत्तिरफला ११६ २६<sup>०</sup>  
 स स्यन्दनवरा भाति ३४ १०<sup>०</sup>  
 ससाकरवती स्फीता ४१ ४१<sup>०</sup>  
 ससादा गङ्गादाश्च ५९ ४५<sup>०</sup>

सरयेगुण्यती मही ५९ ४८<sup>०</sup>  
 ससमापीड्युद्गात्रा ६० ३०<sup>०</sup>  
 सस्वमे बलदेव च ९१ ३०<sup>०</sup>  
 स स्वयमूरिवामाति ३७ ६७<sup>०</sup>  
 सह कृष्णेन जाम्रत ६९ ३१<sup>०</sup>  
 सह कृष्णेन यादवा ७८ ४५<sup>०</sup>  
 सहज ते शिरसात् ६६ ६<sup>०</sup>  
 सहजा या क्षमा त्यक्त्वा ४१ २६<sup>०</sup>  
 सहजैर्बभूवते सर्व ४४ ३३<sup>०</sup>  
 स इव प्राकृतो बया ६५ २९<sup>०</sup>  
 सह तामिर्मुमोद ह ६३ १८<sup>०</sup>  
 सह ताम्या स्ये स्थित १९ २१<sup>०</sup>  
 सह तेनामराणि ५८ १६<sup>०</sup>  
 सह तेनैव थास्त ४५ ३३<sup>०</sup>  
 सह ते प्रणतो गोपै ६० २२<sup>०</sup>  
 सह त्वया गत काल ७७ १६<sup>०</sup>  
 स इत्वा दानव सत्ये ४४ ५१<sup>०</sup>  
 स इत्वा यद्वर्यम् ८९ ४६<sup>०</sup>  
 सह दानवकम्पया ११३ ५<sup>०</sup>  
 सह दीभ्याम पश्वताम् ८९ २४<sup>०</sup>  
 सहदेवसुतश्चापि २३ १०१<sup>०</sup>  
 सहदेवो महायज्ञा २३ १०१<sup>०</sup>  
 सहनीय त्वया वृत्तम् ४८ ४६<sup>०</sup>  
 सह नौ स भविष्यति २९ ११<sup>०</sup>  
 स इन्धमानो नाराच १०८ २३<sup>०</sup>  
 सहस्रपु महाजली २९ ३०<sup>०</sup>  
 सह भर्ता रक्षामहे ७७ ३७<sup>०</sup>  
 सहस्रिणिमप्युत्तम् १९ १४<sup>०</sup>  
 सह बादवपुगवे १०० ११<sup>०</sup>  
 सह सनैर्द्वारधी ७९ २३<sup>०</sup>  
 स हरि पुरयो वीर ३ १११<sup>०</sup>  
 स हुतेनानताम्रेण ८३ ३२<sup>०</sup>  
 सह दूष्यगच्छमुदै १०२ १८<sup>०</sup>  
 सह वै मन्त्रकारणम् ४१ ३२<sup>०</sup>  
 सह सर्वैर्नराधिपै ८१ ५१<sup>०</sup>  
 सह सर्वे सहोदरे १०४ २६<sup>०</sup>  
 सहसा केनवासिता ७६ ४१<sup>०</sup>  
 सहसा खादिवामर्त ७१ ४९<sup>०</sup>  
 सहसा चळितसन ७६ ३४<sup>०</sup>  
 सहसा च समुत्क्षिप्य ४८ ३४<sup>०</sup>  
 सहसा ते इयापम ६७ १९<sup>०</sup>  
 सहसा प्रविवेश ह ९९ ४१<sup>०</sup>  
 सहसा मुक्तमूर्धजा ४८ २९<sup>०</sup>

सहस्रा शोणितपुर 108 7<sup>६</sup>  
 सहस्रा साधुलोचन 50 14<sup>६</sup>  
 सहस्रवोरियत शूर 108 19<sup>०</sup>  
 सहस्रवोरियता निशि 107 21<sup>६</sup>  
 सहस्रोत्थाय गोविन्द 83 54<sup>०</sup>  
 सहस्रोत्पल गोविन्द 74 26<sup>०</sup>  
 स हस्तमस्तनेशश्च 76 31<sup>०</sup>  
 स हस्ताच्च विलिप्कान्त 74 29<sup>०</sup>  
 सहस्रकरमन्वयश्च 31 3<sup>६</sup>  
 सहस्रचरण च यम् 31 3<sup>६</sup>  
 सहस्रचरण महान् 30 15<sup>०</sup>  
 सहस्रचरणेक्षण 58 39<sup>६</sup>  
 सहस्रलिङ्ग भास्वन्त 31 4<sup>०</sup>  
 सहस्रदस्य दाययात्रा 28 135<sup>०</sup>  
 सहस्रद सहस्रादि 31 4<sup>०</sup>  
 सहस्रद पयोदश्च 28 134<sup>०</sup>  
 सहस्रपन्नगभस्त्र 58 39<sup>६</sup>  
 सहस्रबाहू रामेण 112 91<sup>०</sup>  
 सहस्रबाहोर्बाहूना 113 66<sup>०</sup>  
 सहस्रबाहो समरे 108 97<sup>०</sup>  
 सहस्रभुजमन्वयश्च 31 4<sup>०</sup>  
 सहस्रममिलौजस 3 88<sup>६</sup>  
 सहस्रमसृजप्रभु 3 18<sup>६</sup>  
 सहस्रमिव सूर्याणा 109 84<sup>०</sup>  
 सहस्रमुकुट प्रभुश्च 31 4<sup>०</sup>  
 सहस्ररदिमयुगेन 34 22<sup>०</sup>  
 सहस्ररदिमरादिष्व 62 48<sup>०</sup>  
 सहस्रवदनोऽम्बय 65 40<sup>६</sup>  
 सहस्रशतवक्षिणम् 20 22<sup>६</sup>  
 सहस्रशीरो देवादि 31 29<sup>०</sup>  
 सहस्रसंख्यासयुजै 81 18<sup>०</sup>  
 सहस्र चैव ज्ञायाना 110 6<sup>०</sup>  
 सहस्राक्षसम युदे 87 3<sup>०</sup>  
 सहस्राणि च सप्त च 27 14<sup>०</sup>  
 सहस्राणि दशानि च 27 22<sup>६</sup>  
 सहस्रागुदनादितम् 33 7<sup>६</sup>  
 सहस्रारमरिक्षयम् 38 39<sup>६</sup>  
 सहस्रास्यधरस्य वै 70 32<sup>६</sup>  
 सहस्रास्य सहस्राक्ष 31 3<sup>०</sup>  
 सहस्रास्य सहस्राक्ष 58 39<sup>०</sup>  
 सहस्राशुधरोऽरिहा 58 39<sup>६</sup>  
 सहस्राशुसमप्रभ 112 38<sup>६</sup>

सहस्राशु सहस्रश 30 16<sup>६</sup>  
 सहस्रैरयुजैरपि 85 31<sup>६</sup>  
 सहस्राग्राम पार्थिव 10 77<sup>६</sup>  
 सहस्रित्यग्नैर्विभो 7 63<sup>६</sup>  
 सहस्रमेव गमिष्यामि 68 38<sup>०</sup>  
 सहस्राय वज्रपाणिन 3 109<sup>६</sup>  
 सहस्राय सर्वे पृथक् 15 13<sup>६</sup>  
 सहस्रान्वि महावने 65 67<sup>६</sup>  
 सहस्राभिराज बाह्व 83 16<sup>०</sup>  
 सहस्राभो रव वने 83 16<sup>०</sup>  
 सहस्र परिषवाहव 43 71<sup>६</sup>  
 स हि गृध्र मृधे दैत्यौ 42 30<sup>०</sup>  
 सहित सत्यभामया 92 62<sup>०</sup>  
 सहित सर्वबाहोभिः 97 13<sup>०</sup>  
 सदिना मुनिमण्डले 40 40<sup>०</sup>  
 सहिता सर्वगंता 91 10<sup>०</sup>  
 स हि ते सहजो ह्यसु 65 59<sup>०</sup>  
 सहितै कर्म तस्युरा 91 17<sup>६</sup>  
 सहिता अमृतसुत 92 63<sup>०</sup>  
 सहितो रामनेत्रौ 57 1<sup>६</sup> 79 3<sup>६</sup>  
 सहितौ विचरिष्याव 35 60<sup>०</sup>  
 स हि श्वनपतिर्धन्य 06 35<sup>०</sup>  
 स हि धर्मयुगोऽभवत् 10 24<sup>६</sup>  
 स हि युद्धगत श्रीमान् 36 30<sup>०</sup>  
 स हि वपेशत तस्या 23 139<sup>०</sup>  
 स हि पैदमयस्यात 20 10<sup>०</sup>  
 स हि राजादपि महान् 99 21<sup>०</sup>  
 स हि शिष्यो महातेज 20 31<sup>०</sup>  
 सहिष्णुर्याज्ञगत्वाभी 36 30<sup>०</sup>  
 स हि सप्तसु द्वीपेषु 23 150<sup>०</sup>  
 स हि सर्वगत हृष्य 62 28<sup>०</sup>  
 स हि सर्वोत्तम 89 6<sup>०</sup>  
 स हि सर्वांगुदादि 21 18<sup>०</sup>  
 सदैव मियया स्थिम् 88 6<sup>०</sup>  
 सहोप्रसेनेन तदा 96 51<sup>०</sup>  
 स ह्यस्यक वरा गति 100 78<sup>६</sup>  
 स ह्याविष्टसदा तेन 111 5<sup>०</sup>  
 स हृदे वसुधायास्तु 70 16<sup>०</sup>  
 सकर्पणमययन्ता 83 34<sup>०</sup>  
 सकर्पणमिश्राणीन 70 2<sup>०</sup>  
 सकर्पणमुखाच ह 52 6<sup>०</sup>  
 सकर्पणश्च हृष्य 72 18<sup>०</sup>  
 सकर्पणमालना 47 39<sup>०</sup>

सकपेगसहायवान् 97 40<sup>a</sup>  
सकपेगसहायवान् 89 40<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु सुत्रवान् 58 19<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु सकुद 56 26<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु सुचिर 76 5<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु मत्तोक्ता 83 29<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु कृष्ण च 65 92<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु स्कन्धेन 58 23<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु पुरस्कृत्य 87 51<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु गभैर्य 47 31<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु त्रयानोमै 87 70<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु नाम शुभे 48 6<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु वस्तु तु 14<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु पूर्वचिन्तित 18 15<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु च मुहूर्ता च 3 26<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु वस्तुपक्षात् 2 45<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु सर्वात्मा 29<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु कानिचित् 61 38<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु महाज्ञ 74 1<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु सुदसायनी 37 35<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु धर्मेण प्राप्य 89 34<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु तत्त्व पुन 104 6<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु नरकण या 94 24<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु पद्मयोगिना 42 14<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु पियागवहम् 23 78<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु मे द्युय 7 3<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु ते वदये 11 35<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु विप्रते 82 7<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु लोकानाम् 70 38<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु परमात्मना 30 46<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु कृष्ण त कृष्ण 84 16<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु योगा सत्त्वाम् 46 12<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु हर्मिय 100 52<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु विदुष्यते 98 10<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु कामय 32 10<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु साङ्गमकाङ्कत 33 17<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु वारुपाथ 93 6<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु वृद्धिर्ग 23 14<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु वदश्च 105 20<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु वारकामये 30 17<sup>a</sup> 38 55<sup>a</sup>, 80<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु वतमानस्य 23 14<sup>a</sup>  
सकपेगस्तु विदोष 38 77<sup>a</sup>

संदेहमरश्रेष्ठं 13 2<sup>०</sup>.

सधिविप्रदमुष्णस्त्वा 78 21<sup>०</sup>

सध्यातपप्रसाक्षिः 37. 42<sup>०</sup>.

सध्यामयोमिव गुहां 68 4<sup>०</sup>.

संध्यारक्तले श्योत्रि 68 1<sup>०</sup>.

संध्यारागमयावृणोद् 106 47<sup>०</sup>.

संध्यारागेण रञ्जितः 77 50<sup>०</sup>.

संध्यारोगोऽथ दिग्दाहः 116 36<sup>०</sup>.

संध्यारागो जपावर्ण 102 4<sup>०</sup>.

संध्यारात्रि प्रभा निद्रा 47. 54<sup>०</sup>.

सन्धेव सपयोधरा 48. 31<sup>०</sup>.

सनतिर्नाम भारत 18 22<sup>०</sup>.

सनतिर्नाम वीर्यवान् 15 34<sup>०</sup>.

सनतिर्हीलथा धीश्च 96 72<sup>०</sup>.

सनति सनतिमती 18 23<sup>०</sup>.

सनतेपुल्लयैव च 28 6<sup>०</sup>.

सनडा निर्ययु कृद्धाः 87. 49<sup>०</sup>.

सनहस्त यथाक्रमम् 34 2<sup>०</sup>.

सनादभेदी कृष्णस्य 108 16<sup>०</sup>.

सनिकर्षगता केचित् 91 49<sup>०</sup>.

सनिष्ठमयो ह्यसि 66 32<sup>०</sup>.

सनिष्ठं भयं चैव 65 32<sup>०</sup>.

सनिष्ठानि चान्यासन् 52 12<sup>०</sup>.

सनिष्ठे तयो नागो 74 26<sup>०</sup>.

सनिष्ठं महाजये 65 4<sup>०</sup>.

सनिष्ठे प्रज्ञालप्र 65 90<sup>०</sup>.

सनिधौ मम शोभना 18 6<sup>०</sup>.

सनिपालावधूनेश्च 75 30<sup>०</sup>.

सनिपाले तु लो मलौ 76 2<sup>०</sup>.

सनिपेनुरभीतवत् 81 94<sup>०</sup>.

सनिपेयुः सङ्कलः 87 74<sup>०</sup>.

सनिष्ठो महामार्ग 75 45<sup>०</sup>.

सनिविष्टं विमानस्थं 12 7<sup>०</sup>.

सन्धस्थ सागरानूपे 9 96<sup>०</sup>.

सपूर्णजलसेवादाः 68 19<sup>०</sup>.

सप्रज्ज्वाल सर्वतः 85 51<sup>०</sup>.

सप्रतरये स पक्षिराट् 110 19<sup>०</sup>.

सप्रत्यतीतां भाग्यां च 32 2<sup>०</sup>.

सप्रदीप्तमिवाभाति 54 11<sup>०</sup>.

सप्रदीप्तमुलो तत 112 44<sup>०</sup>.

सप्रदीप्तहुताशनम् 34 49<sup>०</sup>.

सप्रदीप्ताग्निपयना 37 18<sup>०</sup>.

सप्रविष्टे दिवाकरे 68. 4<sup>०</sup>.

संप्रवृत्तमहावर्षे 54 34<sup>०</sup>.

संप्रवेष्ट्याम्यहं योगे 45. 11<sup>०</sup>.

संप्रदस्येदमन्नवीत् 107. 14<sup>०</sup>.

संप्रदष्ट ऋ भगवान् 59 7<sup>०</sup>.

संप्रदष्टानि सर्वशः 5 23<sup>०</sup>.

संप्रदष्टा मर्दानाहुम् 92 31<sup>०</sup>.

संप्रदष्टेषु देवेषु 36 38<sup>०</sup>.

सप्राप्तं स्वगृहं ततः 108. 8<sup>०</sup>.

सप्राप्ता शरणपिणी 42 53<sup>०</sup>.

सप्राप्ते तारकामये 38 21<sup>०</sup>.

सप्राप्ते दुर्दिने काले 54. 24<sup>०</sup>.

संप्राप्य पार्थिवं लोकं 45 11<sup>०</sup>.

संप्राप्यतं यज्ञः सः 60 16<sup>०</sup>.

संप्राप्तिस्यत वेगेन 56 3<sup>०</sup>.

संप्रेष्यन्निश्च सायकै 35. 5<sup>०</sup>.

सम्पत्नीनचलोककः 101. 6<sup>०</sup>.

सम्पन्नो ह्यस्य वंद्योऽस्मिन् 23. 91<sup>०</sup>.

सम्पूज नराधिपः 15. 6<sup>०</sup>.

सम्पूज महाभूयः 2 20<sup>०</sup>.

सम्पूज्ययाकालं 10. 59<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तमेकं संप्राप्य 37. 32<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तमेसीडया 117. 5<sup>०</sup>.

सम्प्राप्ति युगे युगे 3 51<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तः कथित इव 2 60<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तमिति मृतले 44 81<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तपुत्रकमे 115 5<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तारते न चारवेयं 11<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तस्य चारमज 9 86<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तस्य तु दाराद 9 87<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तं पुरुषेश्वरा 43 70<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तो द्विजपत्नम् 87 6<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तोऽग्निरिव धनुः 115 19<sup>०</sup>.

सम्प्राप्ते किं विलम्बसे 51 21<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तोऽर्चिताम्यसु 7 45<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तं विदिताम्यना 68 38<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तं पुत्रकमे 84 6<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तितरता भूमिः 54 4<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तं दानं तेज 38 45<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तं न विदुर्नृणां 12<sup>०</sup>.

सम्प्राप्तं स्थिता शौर्ये 75 20<sup>०</sup>.

सम्प्राप्ता ज्ञातयश्च 89. 14<sup>०</sup>.

सम्प्राप्ता काळपमेणा 14. 5<sup>०</sup>.

सम्प्राप्ता सुदृढस्था 80 8<sup>०</sup>.





सारसैश्व विनादिताम् 55 30<sup>१</sup>  
 सार्कचन्द्रग्रहणं 32 13<sup>१</sup>.  
 सार्गलद्वाररोवाटं 49 26<sup>१</sup>.  
 सार्गलद्वारवेदिका. 74. 2<sup>१</sup>.  
 सार्चिष्मत्यः सुदाहणाः 112 70<sup>१</sup>.  
 सार्चिष्मद्भिरिवानलैः 110 40<sup>१</sup>.  
 सार्धमुत्तमविक्रमः 106. 52<sup>१</sup>.  
 सार्धरात्रे विमूयिते 48 13<sup>१</sup>.  
 सार्धरात्रे स्थितं गर्भं 48 3<sup>१</sup>.  
 सार्धं यौण्डेय वीर्यवान् 87. 50<sup>१</sup>.  
 सार्धं सलिलयोनिना 39 1<sup>१</sup>.  
 सार्धैर्भौम इति खरातः 15. 33<sup>१</sup>.  
 सार्धैर्भौमः प्रजेश्वरः 15 33<sup>१</sup>.  
 सालङ्कायनसौश्रवाः 23 89<sup>१</sup>.  
 सालङ्कन्याविबोद्धता 96 49<sup>१</sup>.  
 सालास्त्राः कश्यपाश्च 93 60<sup>१</sup>.  
 सा लोकान्द्रक्षलोकदीप्ता 5 44<sup>१</sup>.  
 सालरराजश्च विक्रान्तः 80. 14<sup>१</sup>.  
 साल्वश्च विजितः संख्ये 105 13<sup>१</sup>.  
 सा बचलस्यमशिशं 107. 85<sup>१</sup>.  
 सावत्सर्विधाणैश्च 59 58<sup>१</sup>.  
 सावभूता शिलापृष्ठे 48 28<sup>१</sup>.  
 सावरोह इवाचलः 33 16<sup>१</sup>.  
 सावरोहद्रुमं घोरं 55 51<sup>१</sup>.  
 सावरोहा इव द्रुमाः 53 17<sup>१</sup>.  
 सावर्ण्यं इति चोषयते 8 17<sup>१</sup>, 47<sup>१</sup>.  
 सावर्ण्यस्य सनोः पुत्राः 7. 45<sup>१</sup>.  
 सावर्ण्यस्येह ताप्त्राण्यु 7 42<sup>१</sup>.  
 सावर्ण्यः स उपोषनः 8 43<sup>१</sup>.  
 सावर्णा मनवन्तात 7 39<sup>१</sup>.  
 सावर्णिश्च मनुस्वात 7 5<sup>१</sup>.  
 सा विह्वलजलस्रोता 83 33<sup>१</sup>.  
 सा वै निशि समोभस्ते 48 32<sup>१</sup>.  
 सा वै भार्या भगवतः 8 2<sup>१</sup>.  
 साशनिस्तनयिरनवः 66 30<sup>१</sup>.  
 साशनिस्तनयिरनुना 76 6<sup>१</sup>.  
 सादमशब्दः शिरावर्षेः 36 25<sup>१</sup>.  
 सादमसंघातविपत्ता 36 27<sup>१</sup>.  
 साधुपूर्णमुखी दीना 48 44<sup>१</sup>.  
 साधुविन्दुः प्रवर्तते 108 30<sup>१</sup>.  
 साधं इति प्रसेनं पु 28 20<sup>१</sup>.  
 साधः सध्वजसाधः 108. 80<sup>१</sup>.  
 साधार् सधश्च अताम् 97. 20<sup>१</sup>.

साधोऽध्वपतिरेव च 31. 71<sup>१</sup>.  
 सा समुद्रौषसद्वी 37. 19<sup>१</sup>.  
 सा सरोपा पुनर्भूत्वा 73. 30<sup>१</sup>.  
 सा सांख्यानां गतिः शार्थं 104 11<sup>१</sup>.  
 सासिद्धत्वचोत्पीठः 76 43<sup>१</sup>.  
 सासिद्धतैः समन्ततः 35 4<sup>१</sup>.  
 सा स्थितावेक्षिणी भूत्वा 71. 24<sup>१</sup>.  
 सास्त्रि वेद्यां समारोप्य 42 40<sup>१</sup>.  
 सा स्वप्नमिव तं दृष्ट्वा 48 4<sup>१</sup>.  
 सा स्वप्ने धर्षिता तेन 107. 21<sup>१</sup>.  
 साहं यथैव जानीयां 19. 9<sup>१</sup>.  
 साहं विज्ञापितयती 42 43<sup>१</sup>.  
 साहं विहीना विक्रान्तैः 42. 44<sup>१</sup>.  
 सा हि सत्याश्रयश्चेष्टा 88 36<sup>१</sup>.  
 सा हि तं चक्रमे कन्या 89. 3<sup>१</sup>.  
 सा हि प्रणामिका यात्रा 75. 26<sup>१</sup>.  
 सा क्षयमा समा वारो 86 60<sup>१</sup>.  
 सा बुद्धिश्च पुरा भीत्य 18. 6<sup>१</sup>.  
 सांघट्यो गालवो राजन् 23. 88<sup>१</sup>.  
 सांख्ययोगमनुत्तमम् 18 10<sup>१</sup>, 19. 28<sup>१</sup>.  
 सांघोषनेस्त्वया पुत्रः 105. 21<sup>१</sup>.  
 सांनिष्यं केशवस्य सः 68 14<sup>१</sup>.  
 सांप्रतस्य महायुते 7. 58<sup>१</sup>.  
 सांप्रतं खिद्यमानाहं 42. 36<sup>१</sup>.  
 सांप्रतो मनुकस्यते 7. 4<sup>१</sup>.  
 सिक्ताताम्रमृत्तिकम् 84. 25<sup>१</sup>.  
 सिक्कं दानवसम्भवं 38 40<sup>१</sup>.  
 सिक्तां चण्डनवारिणा 89. 23<sup>१</sup>.  
 सिक्तावर्णां गुरुदोष्णीपं 59 35<sup>१</sup>.  
 सिताभ्यावयवा इव 67. 40<sup>१</sup>.  
 सितेवेति हि नः धृतम् 20. 10<sup>१</sup>.  
 सिद्धचारणमानवेः 47. 17<sup>१</sup>.  
 सिद्धचारणसंघातो 109. 91<sup>१</sup>, 110. 10<sup>१</sup>.  
 सिद्धचारणसेवितम् 108. 7<sup>१</sup>.  
 सिद्धं प्रमायलक्षणैः 99 42<sup>१</sup>.  
 सिद्धानां युक्ति दुर्लभाय 19 33<sup>१</sup>.  
 सिद्धाश्च परमर्षयः 82. 13<sup>१</sup>.  
 सिद्धिमस्तेन कालेन 117. 13<sup>१</sup>.  
 सिद्धिं याच्यन्ति मानवाः 115 45<sup>१</sup>.  
 सिद्धैः सप्तपिंशिनया 31. 38<sup>१</sup>.  
 सित्यन्ति दिननन्दन 112. 60<sup>१</sup>.  
 सिध्यगवद्भानि चिन्तया 5. 31<sup>१</sup>.  
 सिनीवाली बृहस्पे 20. 36<sup>१</sup>.

सिन्धुद्वीपपितामवत् 10 68<sup>१</sup>.  
 सिन्धुद्वीपस्य वीर्यवान् 10. 68<sup>२</sup>.  
 सिन्धोन्ध्रामरणं क्वचित् 54. 11<sup>१</sup>.  
 सिन्धोन्ध्रामरणासु 55 14<sup>१</sup>.  
 सिन्धुचुर्यानि जलदाः 59. 46<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्रोतयपाराभिः 62. 60<sup>२</sup>.  
 सिन्धुः कृष्णमव्ययम् 62 69<sup>२</sup>.  
 सिन्धुक्षतस्तु नारायान् 81. 87<sup>२</sup>.  
 सिन्धुसुर्विभिन्नाः प्रजाः 1. 23<sup>१</sup>.  
 3. 6<sup>१</sup>.

सिन्धुनादश्च संज्ञते 94. 12<sup>२</sup>.  
 सिन्धुनादं सतश्चक्रः 112. 21<sup>२</sup>, 47<sup>२</sup>.  
 सिन्धुनादं नद्यस्तु 108 55<sup>२</sup>.  
 सिन्धुनादं व्यरोचत 108. 26<sup>२</sup>.  
 सिन्धुनादश्च देवतानां 112. 50<sup>२</sup>.  
 सिन्धुनादश्च मोहयन् 64. 12<sup>२</sup>.  
 सिन्धुयुक्ता महास्त्रनः 112. 16<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्यमसृगीर्नाभिः 113 57<sup>२</sup>.  
 सिन्धुसिन्धुसिन्धुः 44 62<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्यप्रगताकीर्णा 38 23<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्यप्रगताश्चर्ये 38 24<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्यप्रवराहाणां 65. 55<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्यार्द्रविष्णुः 68 16<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्यविरोधीर्नाभिः 96 46<sup>२</sup>.  
 सिन्धुसंज्ञनो युवा 89. 6<sup>२</sup>.  
 109. 84<sup>२</sup>.

सिन्धुस्यप्रवराहाणां 31. 137<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्यार्द्रतनुं तया 31. 65<sup>२</sup>.  
 सिन्धुः शुद्धशृणानि 89 46<sup>२</sup>.  
 सिन्धुः प्रसुरतो हृत्वा 108. 63<sup>२</sup>.  
 सिन्धुः प्रसेनसवधीत् 28 24<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्य भरमस्थितम् 38 19<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्य बज्रोत्कटी 71 37<sup>२</sup>.  
 सिन्धुस्येयु चित्रेषु 100. 14<sup>२</sup>.  
 सिन्धुका चाभवत्स्वन्वा 3. 68<sup>२</sup>.  
 सिन्धुकायामघोरपत्ता 3 76<sup>२</sup>.  
 सिन्धुसिन्धुसिन्धु 95 16<sup>२</sup>.  
 सिन्धो जाग्रयता इतः 28. 24<sup>२</sup>.  
 सीतयेयं पुरा रामः 89 35<sup>२</sup>.  
 सीतापत्ताश्च कर्पकाः 59 27<sup>२</sup>.  
 सीतायाः पदमन्त्रिच्छन् 31. 119<sup>२</sup>.  
 सीतेति प्रथिता जनेः 31. 117<sup>२</sup>.  
 सीदन्ती विदत्प्रभाम् 69. 6<sup>२</sup>.

सीदन्ती वै तपस्विनीम् 69 11<sup>२</sup>.  
 सीदमानः कृतात्मना 62. 33<sup>२</sup>.  
 सीदमानश्च सर्वतः 61. 37<sup>२</sup>.  
 सीदामि हृदि दुर्बला 99. 23<sup>२</sup>.  
 सीमन्तमिव कुर्वती 52 26<sup>२</sup>.  
 सीमन्तोदरणं कृतम् 38 6<sup>२</sup>.  
 सीमान्तं श्रूयते वनम् 59. 23<sup>२</sup>.  
 सुकल्पितमहाशुभम् 33 2<sup>२</sup>.  
 सुकला नाम पितरः 13 51<sup>२</sup>.  
 सुहृत्मा क जा रोहीः 28. 24<sup>२</sup>.  
 सुहृत्मास्त्वतोऽभवत् 23. 70<sup>२</sup>.  
 सुहृत्मास्त्व पुत्रस्तु 23 71<sup>२</sup>.  
 सुहृत्माः कुमारोऽसौ 114 10<sup>२</sup>.  
 सुकुमारान्भित्तरेण 55. 3<sup>२</sup>.  
 सुकृती मद्दिधो जनः 115. 37<sup>२</sup>.  
 सुकृतेनेह कर्मणा 15 23<sup>२</sup>, 25<sup>२</sup>.  
 सुकर्मत्वेन कर्मणा 116. 2<sup>२</sup>.  
 सुकर्मचरितं बहवः 6 2<sup>२</sup>.  
 सुखप्रवृत्तया गतम् 115 11<sup>२</sup>.  
 सुखं भवन्तो विषन्तु लोकम् 118. 80<sup>२</sup>.  
 सुखं चक्ष्यामहे प्रजाः 3 20<sup>२</sup>.  
 सुखं स्वपिति निश्चितम् 109. 21<sup>२</sup>.  
 सुखं स्वपिति वा रहः 118 22<sup>२</sup>.  
 सुखाय त्रिदिवौष्टयम् 62 96<sup>२</sup>.  
 सुखाय त्रिदिवौष्टयम् 74 19<sup>२</sup>.  
 सुखिनो ब्रह्मसम्पन्नम् 84. 34<sup>२</sup>.  
 सुखिन्यः कामयन्तिनाः 92 25<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 77. 13<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 96 24<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 118 46<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 24. 11<sup>२</sup>.  
 28. 42<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 37. 56<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 31. 121<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 31 131<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 102 21<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 3 83<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 3 81<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 34. 4<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 98 23<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 114 6<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 43 26<sup>२</sup>.  
 सुखीन्वेन तु योजिताः 98 21<sup>२</sup>.

सुतन् राट्टपाली च 27 29<sup>१</sup>  
 सुतलेनोच्छ्रयवता 36 54<sup>१</sup>  
 सुतस्य प्रभववारणिम् 35 48<sup>१</sup>  
 सुतद्वयम् सुतद्वयम् 23 54<sup>१</sup>  
 सुत कम्बलवर्हिपम् 26 8<sup>१</sup>  
 सुत कम्बलवर्हिप 26 9<sup>१</sup>  
 सुत जाम्बवतो नृप 28 23<sup>१</sup>  
 सुत परमकोपनम् 46 6<sup>१</sup>  
 सुत पञ्चजनस्यासीत् 10 64<sup>१</sup>  
 सुत पञ्चवनस्यापि 23 100<sup>१</sup>  
 सुता चारुमर्ती तथा 88 39<sup>१</sup>  
 सुता जाम्बवतश्चापि 88 41<sup>१</sup>  
 सुता भार्यामवाप ह 22 3<sup>१</sup>  
 सुता भार्यामविन्दत् 24 7<sup>१</sup>  
 28 37<sup>१</sup>  
 सुता सुतपत्नी युक्ता 3 5<sup>१</sup>  
 सुतीर्थी स्वादुसकिला 55 29<sup>१</sup>  
 सुतोऽभवन्महातेजा 23 71<sup>१</sup>  
 सुतो भीमरथस्य वै 23 65<sup>१</sup>  
 सुतो रणविशारद 9 80<sup>१</sup>  
 सुती कनककल्प तु 24 32<sup>१</sup>  
 सुतो वृष्णयन्त्रकायुधौ 24 3<sup>१</sup>  
 सुदत्ता च तथा शैल्या 98 3<sup>१</sup>  
 सुदत्ताया निवास तं 93 50<sup>१</sup>  
 सुदत्तायास्तु शैल्याया 98 10<sup>१</sup>  
 सुदरीत्रे सहोदरा 18 24<sup>१</sup>  
 सुवह च सुचारु च 28 8<sup>१</sup>  
 सुदहो हुम पव च 98 6<sup>१</sup>  
 सुदान्तश्चाधिदान्तश्च 28 6<sup>१</sup>  
 सुदाशाहोति विख्याता 91 24<sup>१</sup>  
 सुदाशाहो सुदाशाहो 95 15<sup>१</sup>  
 सुदेवश्रोतदेवश्च 28 42<sup>१</sup>  
 सुदेव वीर्यसपत्नं 87 4<sup>१</sup>  
 सुदेवा देवरक्षिता 27 27<sup>१</sup>  
 सुदेवो देवरक्षित 27 26<sup>१</sup>  
 सुपुत्र इति विख्यात ॥ 12<sup>१</sup>  
 सुपुत्रश्चरति ते नव २ 17<sup>१</sup>  
 सुपुत्रस्य कुरुद्रह ॥ 19<sup>१</sup>  
 सुपुत्रस्य तु दापादा १ 15<sup>१</sup>  
 सुदारा प्राण्यतोरेणा 86 42<sup>१</sup>  
 सुधन्वन सुतश्चापि १ 87<sup>१</sup>  
 सुधन्वन सुयदुस्तु 23 5<sup>१</sup>  
 सुधन्वा च महीपति 23 5<sup>१</sup>

सुधन्वा रिपुमर्दन ॥ 87<sup>१</sup>  
 सुधन्वा सुधनुस्तथा 23 109<sup>१</sup>  
 सुधर्मा धर्मश्रुत्या 24 13<sup>१</sup>  
 सुधर्मा नाम पार्थिव 15 3<sup>१</sup>  
 सुधर्मा यदुसुत्पाना 86 73<sup>१</sup>  
 सुधर्मा वा सुधर्मय 86 72<sup>१</sup>  
 सुधापाण्डुरलेपनाम् 93 24<sup>१</sup>  
 सुधापा विरजास्तथा 7 26<sup>१</sup>  
 सुनामानमपोधयत् 76 45<sup>१</sup>  
 सुनामानममित्रम् 96 40<sup>१</sup>  
 सुनामान महाभुजम् 78 45<sup>१</sup>  
 सुनाम्नी चैव सप्तमी 27 27<sup>१</sup>  
 सुनिविष्टद्वैवतम् 86 14<sup>१</sup>  
 सुनीथ प्रददा सुतम् 87 23<sup>१</sup>  
 सुनीथ समवाकिन् 87 60<sup>१</sup>  
 सुनीयाया प्रजापति ॥ 2<sup>१</sup>  
 सुनीयार्थेऽथ रुक्मिणीम् 87 25<sup>१</sup>  
 सुनेत्रश्च स्वतन्त्रश्च 16 29<sup>१</sup>  
 सुन्दरा च वराहना 24 10<sup>१</sup>  
 28 40<sup>१</sup>  
 सुपर्णध्वजमास्थाय 81 79<sup>१</sup>  
 सुपर्णध्वजशोभिते 32 26<sup>१</sup>  
 सुपर्णवशागा नागा 3 86<sup>१</sup>  
 सुपर्णस्योरगाणि 55 49<sup>१</sup>  
 सुपर्ण खेचरोत्तमम् 34 46<sup>१</sup>  
 सुपर्ण स्थिति रघु 38 34<sup>१</sup>  
 सुपर्ण पतता श्रद्ध 3 84<sup>१</sup>  
 सुपर्ण हवेन वपुषा 34 46<sup>१</sup>  
 सुपर्णेन सम विमु 38 35<sup>१</sup>  
 सुपर्णो वै ममाग्र 110 48<sup>१</sup>  
 सुपार्श्वकगवेपथो 24 12<sup>१</sup>  
 28 43<sup>१</sup>  
 सुसन्निधतिमासु च 70 3<sup>१</sup>  
 सुसमस्तुर्दक्षिणम् 70 18<sup>१</sup>  
 सुसम्प्रेतुसदो 61 15<sup>१</sup>  
 सुसक्त सुकुटं विना 76 39<sup>१</sup>  
 सुसाक्षिणि विचेतस 43 57<sup>१</sup>  
 सुसा दन्तेन बोधिता 50 28<sup>१</sup>  
 सुस विष्णो प्रदर 40 25<sup>१</sup>  
 सुखा युगलहृद्य स 31 14<sup>१</sup>  
 सुप्रचाराश्च यै प्रदा 41 14<sup>१</sup>  
 सुप्रमाणि च उपोतीपि 32 35<sup>१</sup>  
 सुप्रभा रोहिणी यथा 48 7<sup>१</sup>

सुप्रसन्नशिलातलम् 92 39<sup>d</sup>  
 सुप्रियं यत् पदपाम् 92 34<sup>d</sup>  
 सुप्रितेनान्तरात्मना 47 18<sup>b</sup>  
 सुप्रदेन महाभुज 58 51<sup>b</sup>  
 सुप्रको बलवान्धडी 90 5<sup>b</sup>  
 सुप्रहृति समन्तत 82 7<sup>b</sup>  
 सुप्रहृष्टं दुःखदुःख 24 13<sup>b</sup>  
 28 44<sup>b</sup>  
 सुप्रहृष्टं धार्मिक 23 44<sup>b</sup>  
 सुप्रगा स्थिरयौवना 92 60<sup>b</sup>  
 सुप्रदाया रथी पार्थात् 25 5<sup>b</sup>  
 सुप्रमीमा च तथा माद्री 98 4<sup>b</sup>  
 सुप्रमीमाया महाकृतं 93 45<sup>b</sup>  
 सुप्रमीमाया सुगो माया 98 11<sup>b</sup>  
 सुप्रमुन देवकीसुतम् 75 2<sup>b</sup>  
 सुप्रमना मुनि सुपात्रमुक्त्वा 16 29<sup>b</sup>  
 सुप्रमदश्च रिपोर्वैलम् 84 10<sup>b</sup>  
 सुप्रमदकर्म कारणम् 65 58<sup>b</sup>  
 सुप्रमदान्तरयत्ने 50 1<sup>b</sup>  
 सुप्रमदान्तकोपम् 58 27<sup>b</sup>  
 सुप्रमदानमविरिधि 24 16<sup>b</sup>  
 सुप्रमदान्मृग्यस्तिक 57 5<sup>b</sup>  
 सुप्रमित्र मित्रप्रदम् 28 9<sup>b</sup>  
 सुप्रहृष्टं तु यत् 102 1<sup>b</sup>  
 सुप्रमदनयोः भवत् 26 6<sup>b</sup>  
 सुप्रामुन नाम गिरि 73 10<sup>b</sup>  
 सुप्राम्य तु धिक्कास्तः 23 111<sup>b</sup>  
 सुप्रामो महिमालया 23 111<sup>b</sup>  
 सुप्रदेवयिगन्धर्व 45 14<sup>b</sup>  
 सुप्रभिर्विनवा चैव 3 45<sup>b</sup>  
 सुप्रमीष्टममादृतम् 40 26<sup>b</sup>  
 सुप्रमी महिर्षी तथा 3 91<sup>b</sup>  
 सुप्रपाया मदर्थं तु 3 85<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणमपेक्षितये 65 44<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणमसुराणां च 35 1<sup>b</sup> 65 41<sup>b</sup>  
 100 15<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणमसुरास्तक 41 3<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणमेकदशार्पणां 43 11<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणां कारणान्तरे 65 36<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणां च महापरा 97 30<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणां प्रीतिवर्धनात् 43 44<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणां भावने कुले 4-1 1<sup>b</sup>  
 सुप्रपाणां विपारक्षणा 86 58<sup>b</sup>

सुराणां शल्यमुद्धवम् 38 57<sup>b</sup>  
 सुराणां सर्वसैन्यस्य 34 1<sup>b</sup>  
 सुराणां सुरसत्तम 30 12<sup>b</sup>  
 सुराणां ब्रह्मवादिन 116 33<sup>b</sup>  
 सुरापिशितपूर्णाभ्या 65 53<sup>b</sup>  
 सुरारणिर्मममाधत्त दिव्यं 30 19<sup>b</sup>  
 सुरारिवलदर्पित 31 32<sup>b</sup>  
 सुरार्थे रथकजीवित 38 13<sup>b</sup>  
 सुरासुरनराचिंताम् 39 4<sup>b</sup>  
 सुरासुरमनुष्येषु 97 35<sup>b</sup>  
 सुरा कुरव मा चितम् 43 63<sup>b</sup>  
 सुरेश्वरिणि विख्याता 8 1<sup>b</sup>  
 सुरेन्द्रवज्राशनिगुल्यसारे 31 120<sup>b</sup>  
 सुरेन्द्रोऽग्निनिपुद्ग 30 3<sup>b</sup>  
 सुरेन्द्रपि सदैर्येषु 38 61<sup>b</sup>  
 सुरैराचरितेषु च 21 8<sup>b</sup>  
 सुरैर्यस्य प्रयत्नितम् 23 12<sup>b</sup>  
 सुवचनमभिर्वाचनम् 87. 3<sup>b</sup>  
 सुवचनकोटि तन्माह 89 29<sup>b</sup>  
 सुरणरेणुपर्वत 38 40<sup>b</sup>  
 सुवचनयणान्दृष्टाभ्याम् 112 53<sup>b</sup>  
 सुवचनस्य दत्तादित 89 27<sup>b</sup>  
 सुरणाञ्जलवर्णाभौ 58 5<sup>b</sup>  
 सुवाक्य प्रत्यमायत 17 2<sup>b</sup>  
 सुवागिना वपुष्मन्त 72 7<sup>b</sup>  
 सुविनीर्णो वक्षसा 68 23<sup>b</sup>  
 सुवतस्य तथावस्था 23 25<sup>b</sup>  
 सुवतां नाम रेवतीम् 9 27<sup>b</sup>  
 सुवागितरपयत 23 95<sup>b</sup>  
 सुनीर्णां पुष्पगेचनाम् 88 42<sup>b</sup>  
 सुपुत्र वायसी विभ्रन् 74 18<sup>b</sup>  
 सुस्मिन्वदरि श्लेषु 46 29<sup>b</sup>  
 सुपुत्राने मम तदा 48 11<sup>b</sup>  
 सुपुत्रे मरितां यदा 27 11<sup>b</sup>  
 सुप्रेमकारगुह्य 98 6<sup>b</sup>  
 सुप्रेम चारुगुह्य 89 38<sup>b</sup>  
 सुप्रेम काव्येनैव 85 44<sup>b</sup>  
 सुप्रेम जनयेत् 23 10<sup>b</sup>  
 सुप्रेमदैर्घ्यवैमते 84 16<sup>b</sup>  
 सुप्रेमद्वारमुष्मी 44 56<sup>b</sup>  
 सुप्रेमीमा सुमन्दिता 44 53<sup>b</sup>  
 सुप्रेममानदिर्यथा 13 29<sup>b</sup>  
 सुपावेन्दुनिभं पद्य 62 61<sup>b</sup>

सुखु कोधज जलम् 67 24<sup>d</sup>  
 सुखधा नाम पितर 13 58<sup>d</sup>  
 सुखरा लोकसाक्षिणी 82 20<sup>b</sup>  
 सुहृदो दृश्यसे न च 112 52<sup>d</sup>  
 सुहृद्भिर्नैरुगव 15 46<sup>d</sup>  
 सुहोत्रस्य वृद्धयुग् 23 73<sup>d</sup>  
 सुहोत्र सुतहोतार 23 53<sup>d</sup>  
 सुहृत्पथश्च विकान्त 80 13<sup>d</sup>  
 सुहृत्पथालोकित 74 13<sup>d</sup>  
 सुहृत्पथे धत्तानो धत्तने 55 4<sup>d</sup>  
 सुहृत्पथे दुरासद् 58 43<sup>d</sup>  
 सुतमागधकल्पैश्चापि 107 5<sup>d</sup>  
 सुतमागधयत्किनाम् 109 57<sup>b</sup>  
 सुतमागधयत्किनि 5 38<sup>d</sup>  
 109 86<sup>d</sup>  
 सुत सुत्या समुत्पन्न 5 32<sup>d</sup>  
 सुतिकागारमभ्यास 99 18<sup>d</sup>  
 सुतइच्छास्त्रतो मान 86 12<sup>d</sup>  
 सुतयामास धीर्पदान् 31 145<sup>d</sup>  
 सुतया नाम विधुता 2 8<sup>d</sup>  
 सुतयाया प्रजापति 2 9<sup>d</sup>  
 सुतया सुपुत्र सुतार 2 7<sup>d</sup>  
 सुपविष्ट ददर्श ह 70 26<sup>d</sup>  
 सुपविष्ट शिलाहृते 82 6<sup>d</sup>  
 सुपविष्ट स्वरकृत 100 30<sup>d</sup>  
 सुपस्थमगमोपमम् 33 5<sup>d</sup>  
 सुपस्थमस्तु भ्राता 93 46<sup>d</sup>  
 सुपस्थं भविता स्वयम् 97 35<sup>d</sup>  
 सुपस्थेयं रामभक्ति 22 43<sup>d</sup>  
 सुपे भिषा महीका च 106 43<sup>d</sup>  
 सुपे ससाधयुक्त 34 20<sup>d</sup>  
 सुपर्वाकात इवाश्वद 58 26<sup>d</sup>  
 सुपर्वाश्वैश्च मालव 81 40<sup>d</sup>  
 सुपर्वाच द्रमलाविच 91 41<sup>d</sup>  
 96 58<sup>d</sup>  
 सुपर्वाच द्रमसौ तथा 43 68<sup>d</sup>  
 सुपर्वाचश्च मोक्षविन् 114 2<sup>d</sup>  
 सुपर्वा द्विवि चरन्मये 108 24<sup>d</sup>  
 सुगालस्यगमिद्वय 49 19<sup>d</sup>  
 सुगता तेन रोपासि 56 10<sup>d</sup>  
 सुजतो सुमुल मद्द 81 101<sup>d</sup>  
 सुजतो शरवपाणि 87 73<sup>d</sup>  
 सुजत पाद्यव विपन् 71 12<sup>d</sup>

सुजतो हि प्रजापते 1 36<sup>d</sup>  
 सुजय्य मानसाम्युवान् 35 43<sup>d</sup>  
 सुजय्य स्वशरीराशान् 43 12<sup>d</sup>  
 सुजय्य शरजालाणि 81 74<sup>d</sup>  
 सुजन्त शरवपाणि 81 98<sup>d</sup>  
 सुजन्त सर्पपतय 34 32<sup>d</sup>  
 सुजल्लोकान्सनातनान् 30 53<sup>b</sup>  
 सुजाम जगतीतले 43 10<sup>d</sup>  
 सुजयस्य मद्रामन 23 100<sup>d</sup>  
 सुजयस्याभवपुत्र 23 17<sup>d</sup>  
 सुभयो नाम वै सुत 23 16<sup>d</sup>  
 सुवसुतैश्च दुरागे 84 18<sup>d</sup>  
 सुमरा विचुकाश्च 59 54<sup>d</sup>  
 सुद पुनद्वय शुभम् 82 93<sup>d</sup>  
 सुधामौर्वेण वह्निना 35 18<sup>d</sup>  
 सुध येन स शरद् 100 73<sup>d</sup>  
 सुध येनैव तेजसा 35 73<sup>d</sup>  
 सुध लोकाश्चपोऽनन्ता 30 28<sup>d</sup>  
 सुधोऽय नैष्ठिको राज्ञां 43 68<sup>d</sup>  
 सुतयो लोकास्तेषां 30 34<sup>d</sup>  
 सेरल्यते च ॥ कार्याय 44 82<sup>d</sup>  
 सेरल्यते धीर कार्याय 62 18<sup>d</sup>  
 सेनन्तिपुत्रिवीर्य 15 16<sup>d</sup>  
 सेनयोरुभयोस्तयो 81 30<sup>d</sup>  
 सेनाभ्यक्षाश्च सर्वता 15 43<sup>d</sup>  
 सेनानोस्तात मा मेव 109 47<sup>d</sup>  
 सेनानी काश्यपो द्वय 115 40<sup>d</sup>  
 सेनानी कैशिकश्च 81 81<sup>d</sup>  
 सेनापतिमनाश्रुति 86 76<sup>d</sup>  
 सेनापतिरनाश्रुति 109 38<sup>d</sup>  
 सेनापत्याश्च सचकु 84 31<sup>d</sup>  
 सेनां बाण सप्ताशय 112 6<sup>d</sup>  
 सेनापयनोपमम् 55 19<sup>d</sup>  
 सेन्द्राज्ञानिनितामभोद 84 11<sup>d</sup>  
 सेव्यमानपादाय 8 22<sup>d</sup>  
 सेय धात्री त्रिधात्री च 6 38<sup>d</sup>  
 सेय निरामिष ज्ञया 41 23<sup>d</sup>  
 सेय भागपरिधाता 41 18<sup>d</sup>  
 सेविष षडुमिद्वि 55 19<sup>d</sup>  
 सेवितां मित्रनेत्रे 55 30<sup>d</sup>  
 सेव्यते चनृचिभि 67 11<sup>d</sup>  
 सेव्यमानसितकृत 108 3<sup>d</sup>  
 सेव्यमानो नवव्रातः 55 16<sup>d</sup>

सैन्य सर्ववृत्तक्षिणाम् 67 48<sup>३</sup>  
 सेदे धैर्येण मइता 82 19<sup>०</sup>  
 सैक्यणां समाचरत् 13 17<sup>३</sup>  
 सैनिकैर्मरतयैभ 82 3<sup>४</sup>  
 सैन्यसार्धेन दक्षिता 81 96<sup>४</sup>, 99<sup>४</sup>  
 सैन्येन तद्विधेनेन 84 12<sup>०</sup>  
 सैन्येन महता वदा 85 21<sup>६</sup>  
 सैन्येन सन्वजे नदीम् 85 22<sup>४</sup>  
 सैन्ये समुद्रितैर्गुणा 80 9<sup>३</sup>  
 सैन्यमुखाया मनु देव 9 8<sup>६</sup>  
 सैपा दुर्विषदा माया 35 72<sup>०</sup>  
 सैपा नारायणमुते 40 32<sup>०</sup>  
 सैपा योयिद्वरा शान् 118 25<sup>०</sup>  
 सैदिदेया इति खयाला 3 76<sup>०</sup>  
 सौमिनि देवमुत्प्रे रट्वा 37 54<sup>४</sup>  
 सौमिनि प्रावसत्ये रट्वा 39 19<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मो महासुर 31 70<sup>४</sup>  
 सौमिन्पद्मश्चोपाणमहत्वा 91 44<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सृत् कृष्ण 51 15<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च पार्द 38 58<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सद्रुद 78 18<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सरथ 47 1<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च समूह 74 30<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सरीषेण 108 67<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च महाबाहु 108 65<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 69 1<sup>४</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सरीषेण 75 34<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 72 3<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 96 23<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 57 17<sup>४</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 5 4<sup>४</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 33 13<sup>४</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 47 2<sup>४</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 36 34<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 113 3<sup>४</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 36 31<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 37 42<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 49 13<sup>४</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 95 2<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 70 29<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 86 71<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 99 29<sup>०</sup>  
 सौमिन्पद्मश्च सारमना 99 30<sup>०</sup>

सोमवद्वाराक्षिणा दिशम् 88 33<sup>४</sup>  
 सोमया प्रियमाहता 117 18<sup>४</sup>  
 सोमयासमिद्ध वच 72 15<sup>४</sup>  
 सोमपद्वय सुत ज्येष्ठ 99 42<sup>०</sup>  
 सोमपद्वय सत्यमामा च 92 66<sup>०</sup>  
 सोमपद्वयद्वयपद्माश्च 93 10<sup>०</sup>  
 सोमपद्वय नदीवीर 56 1<sup>०</sup>  
 सोमपद्वयो जनाद्वयम् 83 53<sup>३</sup>  
 सोमपि कस्तुथायाम् 76 26<sup>०</sup>  
 सोमपिपत्वाण्डुताम्रम् 83 20<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 106 42<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 99 43<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 3 108<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 100<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 76 9<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 43 28<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 5 42<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 92 65<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 108 73<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 108 63<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 46 5<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 85 9<sup>०</sup>  
 सोमप्ययं वसत्र 5 28<sup>०</sup>  
 20 20<sup>०</sup>  
 सोमकस्य मुनी जनु 23 102<sup>०</sup>  
 सोमको नाम पार्थिव 23 101<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 20 4<sup>०</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 20 6<sup>०</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 23 101<sup>०</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 23 116<sup>०</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 23 100<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 3 53<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 13 12<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 13 61<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 9 14<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 30 35<sup>०</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 21 18<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 2 46<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 41<sup>४</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 85 57<sup>०</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 20 48<sup>०</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 3 31<sup>०</sup>  
 सोमक्ये सवुरवेद् 9 71<sup>०</sup>





सौवीरराजः शैव्यश्च 80. 15<sup>०</sup>.  
 सौहीरिप्रववीह्वरां 23. 71<sup>०</sup>.  
 स्कन्दगोपायनेन ॥ 106. 22<sup>०</sup>.  
 स्कन्दः सनत्कुमारश्च 1. 32<sup>०</sup>.  
 स्कन्धदेशे घनावृते 67. 24<sup>०</sup>.  
 स्कन्धाभ्यां शुभलक्षणौ 58 4<sup>०</sup>.  
 स्कन्धावारनिवेशनम् 84. 31<sup>०</sup>.  
 सनद्वयमुक्ताञ्जितः 42 3<sup>०</sup>.  
 सनवानेप्सुना पीता 65. 26<sup>०</sup>.  
 सनैः प्रभवसंयुक्तैः 62. 59<sup>०</sup>.  
 सन्धिरूपे विद्योचनः 16 23<sup>०</sup>.  
 सन्ध्याक्षो द्वेपितपटुः 57. 15<sup>०</sup>.  
 सन्ध्याः काश्यप एव च 7. 11<sup>०</sup>.  
 सन्ध्याः सन्ध्यायनश्च 98. 37<sup>०</sup>.  
 सन्ध्यानीमिष्टैस्तैश्चापि 53. 24<sup>०</sup>.  
 सन्ध्या सभायाः सावर्ण्यं 89 46<sup>०</sup>.  
 सन्धिमहत्स्येव दग्धेन 61. 44<sup>०</sup>.  
 सन्धिमतेन यथा भूमौ 103. 12<sup>०</sup>.  
 सन्ध्याशीत्ययमा गायः 79 30<sup>०</sup>.  
 सन्धेयु जनमेजय 5. 38<sup>०</sup>.  
 सन्धोऽपमेवं शतशः 97. 39<sup>०</sup>.  
 सन्धुवन्तः दृष्ट्यामप्ययम् 56. 46<sup>०</sup>.  
 सन्धुवन्ति देय दिग्धाभिः 40. 40<sup>०</sup>.  
 सन्धुवन्ति सुनयः सर्वे 62. 62<sup>०</sup>.  
 सन्धुवन्तो मधुसूदनम् 48 17<sup>०</sup>.  
 सन्धुवन्तश्चिरामयीत् 34. 51<sup>०</sup>.  
 सन्धुवन्तस्य पार्थिवः ॥ 34<sup>०</sup>.  
 सन्धुमानः सन्धेः सर्वे 109 86<sup>०</sup>.  
 सन्धुमाने गदाधरे 38. 31<sup>०</sup>.  
 सन्धुमानो महर्षिभिः 40 36<sup>०</sup>.  
 सन्धुमानो यथा शक्रः 91. 42<sup>०</sup>.  
 सन्धुमानो हि मानयैः 110 2<sup>०</sup>.  
 सन्धुकात्परिताः शगाः 61. 18<sup>०</sup>.  
 सन्धोर्मे येनास्य युवाय 5. 36<sup>०</sup>.  
 सन्धोऽप्यन्ति स्तौ द्विजातयः 78 21<sup>०</sup>.  
 सन्धोऽप्यन्ति मुनि शाश्वतम् 62. 43<sup>०</sup>.  
 सन्धोऽप्यन्ति मुनिरनेश्वरम् 70. 10<sup>०</sup>.  
 सन्धोऽप्यन्ति ताम्रिभिः सद् 67. 14<sup>०</sup>.  
 सन्धोऽप्यन्ति यतोद्गं च 56 21<sup>०</sup>.  
 सन्धोः क्षीमानगार्जिते 73 26<sup>०</sup>.  
 सन्धोः मूषाया एतः 30. 8<sup>०</sup>.  
 सन्धोः उमुयपागलम् 96 19<sup>०</sup>.  
 सन्धोऽपि यस्तौ मुपेरत् 93. 28<sup>०</sup>.

सन्धोः हिरण्यं वासांसि 78. 23<sup>०</sup>.  
 सन्धोः वाद्यस्यसंभवः 78 6<sup>०</sup>.  
 सन्धोः चारित्र्यलुब्धानां 77. 14<sup>०</sup>.  
 सन्धोः प्रेक्षागृहा भान्ति 74. 13<sup>०</sup>.  
 सन्धोः चलयमानसा 99. 12<sup>०</sup>.  
 सन्धोः धर्ममिरोचयत् 73. 13<sup>०</sup>.  
 सन्धोः मिमितं हतो युद्धे 44. 36<sup>०</sup>.  
 सन्धोः सोऽप्यन्ति ॥ 20<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनिरपत्रपः 38. 6<sup>०</sup>.  
 सन्धोः भावमुपनेष्यति 107. 41<sup>०</sup>.  
 सन्धोः भावं चापि लभिमता 107. 21<sup>०</sup>.  
 सन्धोः मिर्मिरं वरं 45 5<sup>०</sup>.  
 सन्धोः मिर्मिरं भिरेव च 49. 29<sup>०</sup>.  
 सन्धोः परमदुश्चरम् 23. 104<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनमुपमुद्द्वेषमां 118. 35<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनं मम आर्षार्थं 15. 39<sup>०</sup>.  
 सन्धोः परिपश्यति 5. 47<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनायास्तु भूमिषु 47. 5<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनायां चान्यानि 88 43<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनोपचर्येण 68. 24<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनावेन मोहिवा 83. 29<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनायि 31. 8<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 86 13<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 3 91<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनायास्तु रम्पासु 52. 20<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनायाः 23. 7<sup>०</sup>.  
 सन्धोः वा यदि वा अले 50 37<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनायास्तु तत्र च 80 77<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनायास्तु 81. 30<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 48 47<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः वा 75 13<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 62 23<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 2 11<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 31 33<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 7. 37<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 85 56<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 30 41<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 47. 48<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 14 8<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 47. 33<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 86 16<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 100 43<sup>०</sup>.  
 सन्धोः लनीयः 58 38<sup>०</sup>.

स्थानेनेह न न कार्ये 53 2<sup>०</sup>  
 स्थाने भारपरिधान्ता 81 12<sup>०</sup>  
 स्थाने यदुकुल मूढ 65 70<sup>०</sup>  
 स्थापयामास जगतीं 37 56<sup>०</sup>  
 स्थापयामास भारत 4 10<sup>०</sup>  
 स्थापयामास मतिमान् 86 77<sup>०</sup>  
 स्थापयामास दीयैवान् 96 58<sup>०</sup>  
 स्थापयित्वा जगद्भूतो 68 31<sup>०</sup>  
 स्थापयित्वा द्विबाहुष्ये 113 66<sup>०</sup>  
 स्थापयित्वा नरेश्वर 18 8<sup>०</sup>  
 स्थापयिष्यति राजान 68 33<sup>०</sup>  
 स्थापयिष्यसि मर्यादा 45 19<sup>०</sup>  
 स्थापयिष्यामि देवता 38 27<sup>०</sup>  
 स्थापित ससु माहात्म्य 78 19<sup>०</sup>  
 स्थापित ह्येन तेजसा 73 36<sup>०</sup>  
 स्थापिता जगतो मार्गा 30 9<sup>०</sup>  
 स्थापितो गोमिरीश्वर 62 44<sup>०</sup>  
 स्थापितो यादवो वंश 78 19<sup>०</sup>  
 स्थाप्यन्ता बुनिखाताश्च 72 9<sup>०</sup>  
 स्थाप्यमानैरुद्धलै 53 28<sup>०</sup>  
 स्थाप्यराणि च भूतानि 5 26<sup>०</sup>  
 स्थावरानि चराणि च 31 8<sup>०</sup>  
 स्थाप्येते गोपकिञ्चिपौ 72 23<sup>०</sup>  
 स्थितमकूरमागतम् 70 34<sup>०</sup>  
 स्थितमद्विरस दृष्ट्वा 110 27<sup>०</sup>  
 स्थितमेकार्णवेश्वरम् 70 22<sup>०</sup>  
 स्थितवाञ्जनमेजय 5 17<sup>०</sup>  
 स्थितविप्रस्थितद्विजम् 52 13<sup>०</sup>  
 स्थितस्य परमाद्वये 106 24<sup>०</sup>  
 स्थितव्यानिमिश्रस्य 20 4<sup>०</sup>  
 स्थित हव्यि विधीश्वर 44 14<sup>०</sup>  
 स्थित धरण्या मेघाभ 55 18<sup>०</sup>  
 स्थित पुरुषविग्रहम् 103 24<sup>०</sup>  
 स्थित किं करवाणि य 40 47<sup>०</sup>  
 स्थित प्रीतमना भूत्वा 113 3<sup>०</sup>  
 स्थित शक्रमहस्मात् 60 10<sup>०</sup>  
 स्थित सूर्य इवोदये 108 62<sup>०</sup>  
 स्थिता धर्मव्यवस्थार्य 7 35<sup>०</sup>  
 स्थितान्देव प्रदयन्ते 113 56<sup>०</sup>  
 स्थिता वृष्यामघापि 30<sup>०</sup>  
 स्थिता ये भीतभीतवन् 108 11<sup>०</sup>  
 स्थितास्मि तप निर्देतो 8 9<sup>०</sup>  
 स्थितास्त्रयागच्छ भद्र ते 71 25<sup>०</sup>

स्थितो देवसमामप्ये 44 13<sup>०</sup>  
 स्थितो भूमिगतश्चैव 75 12<sup>०</sup>  
 स्थितो भूमिं मदीक्षिताम् 45 8<sup>०</sup>  
 स्थितो राजभिया उवलन् 43 23<sup>०</sup>  
 स्थितौ धनुर्गृहे सौम्यौ 71 49<sup>०</sup>  
 स्थितौ यौवनर्गो मुखे 96 46<sup>०</sup>  
 स्थिरप्रसादाश्च सदा 13 70<sup>०</sup>  
 स्थिर मरकोधन यत्नम् 38 24<sup>०</sup>  
 स्थितो भव महामात्र 73 38<sup>०</sup>  
 स्थूणाकर्णेभ वाङ्मेण 110 31<sup>०</sup>  
 स्थैर्येण जातेन पुन स्मरन्त 118 50<sup>०</sup>  
 क्षालमेकार्णवाम्बुभि 70 25<sup>०</sup>  
 क्षाला प्रजवदिग्धाङ्गी 50 7<sup>०</sup>  
 क्षानुमिच्छे महानदि 83 28<sup>०</sup>  
 क्षिग्धगम्भीरनिर्घोष 106 29<sup>०</sup>  
 क्षिग्धगम्भीरनिर्घोष 109 84<sup>०</sup>  
 क्षिग्धगम्भीरवाचा 109 64<sup>०</sup>  
 क्षिग्धवतीतानिलचन 52 23<sup>०</sup>  
 क्षिग्धाञ्जनचयप्रणय 110 63<sup>०</sup>  
 क्षिग्धैश्च शास्त्रविद्विज 15 41<sup>०</sup>  
 क्षुपाणामातेनादेन 77 40<sup>०</sup>  
 क्षुपा तव वराङ्गना 99 48<sup>०</sup>  
 क्षुपाया क्रयकेशिकौ 26 19<sup>०</sup>  
 क्षुपा ये वृद्धशर्मण 13 56<sup>०</sup>  
 क्षुपा माशावतीं चैव 99 42<sup>०</sup>  
 क्षुपेति न नरेश्वर 26 16<sup>०</sup>  
 स्नहविह्वलग्रहा 109 15<sup>०</sup>  
 स्नेहेन सहणायते 76 12<sup>०</sup>  
 स्नेहोऽत्र मम पुण्यताम् 78 29<sup>०</sup>  
 स्पर्धते न सदा यत्ने 80 11<sup>०</sup>  
 स्पर्धन्तिरजसवृते 109 66<sup>०</sup>  
 स्पर्शाद्विशयतेग्रय 103 20<sup>०</sup>  
 स्पृष्टो यद्यसि पर्वणि 43 31<sup>०</sup>  
 स्पृहणीयेन कर्मणा 65 3<sup>०</sup>  
 स्पृहणीयो हि लोकस्य 68 35<sup>०</sup>  
 स्पृहयामास सं वृषम् 16 36<sup>०</sup>  
 स्पाटिकस्तम्भविष्ट 94 3<sup>०</sup>  
 स्फीतकोदावहस्येन 34 43<sup>०</sup>  
 स्फीतसम्पप्रसूतानि 58 2<sup>०</sup>  
 स्फीत वृत्तयुगे यथा 68 30<sup>०</sup>  
 स्फीतं निहतकण्टकम् 39 63<sup>०</sup>  
 स्फीत विषयमिष्टता 44 26<sup>०</sup>  
 स्फीता जनपदायुता 44 21<sup>०</sup>



स्वधित्व मूलगण 40 4<sup>०</sup>  
 स्वधक्षयपीडिता 117 41<sup>०</sup>  
 स्वधक्षयविशेष 110 19<sup>०</sup>  
 स्वधक्षे चोदित सूर्य 106 43<sup>०</sup>  
 स्वधक्षमलिनैस्त्वरे 59 44<sup>०</sup>  
 स्वधक्ष सागरात्मसि 31 19<sup>०</sup>  
 स्वधक्ष पुरुष तदा 10 48<sup>०</sup>  
 स्वधक्ष मद्रासुनि 40 13<sup>०</sup>  
 स्वधितुभेदेन वीर्य 76 46<sup>०</sup>  
 स्वधुक् पराक्षत 96 28<sup>०</sup>  
 स्वधुक् पराक्षत 46 3<sup>०</sup>  
 स्वधयोगेन कल्याणि 107 33<sup>०</sup>  
 स्वधरूपेण तेपा वै 47 25<sup>०</sup>  
 स्वधाना च निराक्षये 66 24<sup>०</sup>  
 स्वधाने क्षीयते क्षेपा 40 30<sup>०</sup>  
 स्वधाममानो जलद्वै 61 46<sup>०</sup>  
 स्वधे य इक्ष्वत्सि 107 70<sup>०</sup>  
 स्वधे हर्म्यगता सती 107 73<sup>०</sup>  
 स्वधहृत्कामाश्रित 108 95<sup>०</sup>  
 स्वधाय खलु घोषिताम् 99 14<sup>०</sup>  
 स्वधाना भास्वता वर 20 20<sup>०</sup>  
 स्वधिवृष्ट्याप्तोपमम् 53 30<sup>०</sup>  
 स्वधार्म्यविचारिणी 83 43<sup>०</sup>  
 स्वधैव भवन विदु 8 10<sup>०</sup>  
 स्वधैव भवन प्रायाद् 91 48<sup>०</sup>  
 स्वधैव भवन वीर 100 67<sup>०</sup>  
 स्वधैव स्वाधनायुत 69 47<sup>०</sup>  
 स्वधनस्ये दिवाकरे 38 40<sup>०</sup>  
 स्वधमागम्य भूयते 31 35<sup>०</sup>  
 स्वधमुरिक्षिप्य माधव 92 18<sup>०</sup>  
 स्वधमेव विनामद् 3 96<sup>०</sup>  
 20 36<sup>०</sup>  
 स्वधमेव प्रवाद्यन्त 75 37<sup>०</sup>  
 स्वधमेव वृत्त पुरा 23 155<sup>०</sup>  
 स्वधमेवदलयायु वै 65 95<sup>०</sup>  
 स्वधमेवाम्बुदायम् 61 5<sup>०</sup>  
 स्वध कृता निवासिनि 117 33<sup>०</sup>  
 स्वधप्रादमर्षयम् 108 16<sup>०</sup>  
 स्वध धार्ढ्यभवनम् 102 6<sup>०</sup>  
 स्वध नारायणेन या 43 3<sup>०</sup>  
 स्वधदालाः स्वधचोरा 117 26<sup>०</sup>  
 स्वधमुद्योगीद पर 100 70<sup>०</sup>  
 स्वधमुद्योगीद परा 100 72<sup>०</sup>

स्वधमुरादिद्विद्वि 31 50<sup>०</sup>  
 स्वधमुरिति च युवम् 1 25<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 113 34<sup>०</sup>  
 स्वधमुर स्वधमुव 38 9<sup>०</sup>  
 स्वधमुर स्वधमुवाम् 46 17<sup>०</sup>  
 स्वधमुरिद्वि गत 47 19<sup>०</sup>  
 स्वधमुर स्वधमुरात् 28 4<sup>०</sup>  
 स्वध युद्धविभात् 109 43<sup>०</sup>  
 स्वधवरयतिद्वय 89 1<sup>०</sup>  
 स्वध स्वधमुवाम् 38 49<sup>०</sup>  
 स्वध स्वधमुरित्भावन 62 23<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 116 5<sup>०</sup>  
 स्वधमुर शान्तस्य 78 37<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 81 11<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन भास्वता 37 63<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 13 68<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 21 28<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 1 16<sup>०</sup>  
 2 58<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 77 24<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 11 35<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 11 3<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 62 31<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 62 37<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 36 41<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 78 10<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 84 34<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 13 4<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 10 51<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 31 56<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 11 77<sup>०</sup>  
 10 61<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 6+ 24<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 34 8<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 1 21<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 4 25<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 23 6<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 23 10<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 33 23<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 3 69<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 69 10<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 38 6<sup>०</sup>  
 स्वधमुरित्भावन 37 7<sup>०</sup>

सर्मानोस्तु प्रभा कन्या 3 71<sup>a</sup>  
 स्वल्पधर्मपरिमहम् 43 60<sup>b</sup>  
 स्वप्नेन खलु कारेन 81 13<sup>a</sup>  
 स्ववशाधारण कृत्वा 1 16<sup>a</sup>  
 स्वृद्धार्थमह चैव 47 56<sup>a</sup>  
 स्वराक्षयेर मदावल 108 74<sup>b</sup>  
 स्वसार ददुरन्यका 27 24<sup>b</sup>  
 स्वसार बोलसमताम् 29 34<sup>b</sup>  
 स्वसारो गरुडध्वनात् 98 7<sup>f</sup>  
 स्वमारो सयभूवत् 28 3<sup>d</sup>  
 स्वस्तिकायवन दृष्ट्वा 70 13<sup>a</sup>  
 स्वस्तिकार्धनिभूयिता 61 40<sup>b</sup>  
 स्वस्ति तेऽस्तु प्रनाम्नहम् 29 22<sup>b</sup> 46 19<sup>a</sup>  
 85 54<sup>a</sup>  
 स्वस्ति तेऽस्तिरति शोको वै 23 11<sup>a</sup>  
 स्वस्तिप्रणिहिता बुद्धि 108 62<sup>a</sup>  
 स्वस्ति मे द्वारकायेति 50 9<sup>a</sup>  
 स्वस्ति वाच्य द्विजोरमान् 86 3<sup>b</sup>  
 स्वस्ति वाच्य यथाभुजम् 60 19<sup>a</sup>  
 स्वस्ति घोऽस्तु गनिष्यामि 38 76<sup>a</sup>  
 स्वस्त्वस्तु देवैभ्य इति 34 51<sup>a</sup>  
 स्वस्त्वस्तु देवैभ्य इति 34 51<sup>a</sup>  
 स्वस्त्वस्तु भयतो होत्रे 67 59<sup>a</sup>  
 स्वस्त्यात्रेया इति क्याता 23 14<sup>a</sup>  
 स्वस्थ प्राराणायुमान् 22 45<sup>a</sup>  
 स्वय्य समामहात्स 81 8<sup>b</sup>  
 स्वस्थान प्रातपस्वते 97 31<sup>a</sup>  
 स्वस्थानेऽथ गृहेऽपि वा 62 85<sup>a</sup>  
 स्वस्थाने शकटं चैव 50 19<sup>a</sup>  
 स्वस्थाने स्थापितस्वाभ 108 13<sup>a</sup>  
 स्वस्थान स्वाररात्मवान् 61 64<sup>a</sup>  
 स्वस्थानस्थ भविष्यति 112 123<sup>a</sup>  
 स्वस्य पुत्रस्य वै तदा 8 18<sup>b</sup>  
 स्वप्नचरणौ क्षिपन् 50 5<sup>b</sup>  
 स्वदलमुक्तं परिधे 35 7<sup>a</sup>  
 स्वदस्तानागम्य च 56 30<sup>a</sup>  
 स्वं च कर्म सुगुप्ता 18 46<sup>a</sup>  
 स्वं च ररागुपगमम् 23 31<sup>a</sup>  
 स्वं च स्थान ततो धाव 61 63<sup>a</sup>  
 स्व जगाम महासुर 99 5<sup>a</sup>  
 स्वं जट्रोघाते मिरा 100 46<sup>a</sup>  
 स्व दूषारातवं यत् 73 17<sup>a</sup>  
 स्व निनाय रपोत्तमम् 87 41<sup>a</sup>

स्व निवेशनमभ्ययात् 94 16<sup>a</sup>  
 स्व रजोरजित जलम् 33 31<sup>a</sup>  
 स्व वपुर्दशैयमास 58 25<sup>a</sup>  
 स्व वरा पूर्वमेव हि 23 2<sup>b</sup>  
 स्वं स्व योग प्रचक्षिरे 30 50<sup>a</sup>  
 स्वागत ते महाबाहो 83 7<sup>a</sup>  
 स्वागत ते सुरश्रेष्ठ 39 25<sup>a</sup>  
 स्वादु किं न्विति विज्ञाय 117 43<sup>a</sup>  
 स्वादुगुणपट रम्य 49 20<sup>a</sup>  
 स्वादुवीर्यतृणा गुणै 59 31<sup>b</sup>  
 स्वादुवृक्षपलोदकम् 52 31<sup>a</sup>  
 स्वादूना विनियुक्तिश्च 116 16<sup>a</sup>  
 स्वाद्वयार्थं सुगन्धीनि 57 8<sup>a</sup>  
 स्वाध्यायेन महर्षय 38 71<sup>b</sup>  
 स्वानि स्थानानि दिव्यानि 31 53<sup>a</sup>  
 स्वानि स्थानि बलामाणि 84 19<sup>a</sup>  
 स्वानिगुम्दीनया मिरा 13 30<sup>a</sup>  
 स्वाम्बायुधानि सगुह्य 31 87<sup>a</sup>  
 स्वाभि प्रभाभिर्ज्ञाना स्त 110 11<sup>a</sup>  
 स्वामगच्छापुरी पितु 99 28<sup>a</sup>  
 स्वायत्त सुप्रतिष्ठितम् 72 4<sup>a</sup>  
 स्वायत्ताद्भि सुचिन्मिता 71 33<sup>a</sup>  
 स्वायत्ताष्टपदोपमा 8 29<sup>a</sup>  
 स्वायभुयेन योगेन 62 13<sup>a</sup>  
 स्वायभुगो मनुमात् 7 4<sup>a</sup>  
 स्वास्तु स्वणपत्राद्य 38 4<sup>a</sup>  
 स्वास्तु तादिभिर्गुणै 81 17<sup>a</sup>  
 स्वाराधितस्व पुत्रास्ते 7 13<sup>a</sup>  
 स्वाराधितधनुष्मात् 81 76<sup>a</sup>  
 स्वासीन स्वामिद्वयम् च 70 19<sup>a</sup>  
 स्वासु स्वास्वर्गोऽय 100 10<sup>a</sup>  
 स्वादानाराधया पद्म 110 25<sup>a</sup>  
 स्वादिपुत्राभ्यध्वा 26 2<sup>a</sup>  
 स्वादि स्वाद्वर्गो वरम् 26 1<sup>a</sup>  
 स्वां जरा प्रत्यपद्यते 22 35<sup>a</sup>  
 स्वा पुरी वाद्वैद्यगम् 9 26<sup>a</sup>  
 स्वा भायी वदता तन 8 36<sup>a</sup>  
 स्वां भायी गुभचारिणीम् 8 32<sup>a</sup>  
 स्वा यानि लोकचारिणी 43 65<sup>a</sup>  
 स्वां वर्गं समनिष्ठम् 43 20<sup>a</sup>  
 स्वां श्रिय द्रष्टु चायव 100 4<sup>a</sup>  
 स्वां मया कामरूपिणीम् 42 6<sup>a</sup>  
 स्वां मया गतिमुपाधिता 35 63<sup>a</sup>



कल्पशर्म सरिप्रदम् 43 60<sup>b</sup>

स्वशाधारग कृत्वा 1 16°

सप्तम्यैव महात्रय 108 74<sup>8</sup>

सप्तमः श्रीलसमताम् 29 34<sup>4</sup>

क्यातौ मदमूवतु 28 3<sup>४</sup>

लक्षितार्थविभूयिता 61 40<sup>3</sup>85 54<sup>d</sup>

शान्तिप्रज्ञाहृत् बुद्धि 106 62°

अति शयनः कथम्— ४३

मन्मथ रोज की ३१ ५३६

अस्यसु भयतो रोके 67 59<sup>th</sup>

समय प्रसारणाच्या मात 22 45

सम्मान प्रनपत्स्यते ७७ ३१<sup>४</sup>

सम्यक् शक्ति 50 19°

स्थाने स्थावरात्मवान् 61 64°

महामुखायै विष्णवे ५० ५०

सहस्रनाम्नाय च 56 30

सि च स्थानमुपागमत् 23 31<sup>१</sup>

सं. गौरी-वि.

स निनाय ग्योत्तमस्य ४७ ४१<sup>४</sup>

स्व निवेशनमस्ययात् 94 16<sup>1</sup>

स्व रजाराज्य ५८ २५°

स्व घन पूषण ३० ५०

ने सगश्रेष्ठ 39 25

स्वाधु कि म  
साध्यापल रम्य 49 20°

आद्यवधफलोदकम् 52 21

स्वातन्त्र्याय सुगन्धीनि 57 8

स्वानि स्थानानि दिव्यानि ३

स्वान्निपतुन्दीनया गिरा 13

स्वाभि प्रभाभिदना ल  
१९ ०९

स्वायत्त सुप्रानिष्ठितम् 71  
 ७१-स्वायत्त सुप्रानिष्ठितम् 71

स्वायत्ताष्टादशिका 62 18

स्वायम्भुवा गतु  
स्वायम्भुवा गतु 38

स्वाराचिपस्य पुत्रास्ते ७

स्वासीन स्वस्तिभग्या ध  
दिना 10

स्वाहाकाराश्रया ५३ ११  
२६

स्वादि स्वादिहृत 22

स्वा भार्या वड्यां तत

स्वा यानि लोकधारणा

स्वा श्रिय द्वाष्ट यामि

स्वा सभा के निम्नलिखित

स्वा स्वा गण्ड

स्वा स्वा दिशं राक्षुस्ते 34 19<sup>o</sup>  
स्विच्छाद्रलोमा श्रान्तस्तु 67 37<sup>o</sup>  
स्वेन दन्तेन कुञ्जर 74 34<sup>o</sup>  
स्वेन दूतेन द्वारयन् 85 31<sup>o</sup>  
स्वेन देहेन कल्पिते 70 19<sup>o</sup>  
स्वेन नागा परिज्ञात 40 3<sup>o</sup>  
स्वेन सीम्येन तेजसा 62 37<sup>o</sup>  
स्वे पाणौ पुरुषस्याग्र 6 14<sup>o</sup>  
स्वे पुरे निर्भया सर्वे 79 31<sup>o</sup>  
स्वेपु वेदमपु देवकी 94 15<sup>o</sup>  
स्वेपु स्वेपु च स्थानेषु 38 27<sup>o</sup>  
स्वैरनीकैर्व्यस्थिता 110 25<sup>o</sup>  
स्वैर चरतु विप्रव्या 47 3<sup>o</sup>

ह

हृत्तयानैकपाणिना 31 67<sup>o</sup>  
हृत्तयिमा हृत्तयिमा 67 45<sup>o</sup>  
हृत्तवीर्यपराक्रमा 21 35<sup>o</sup>  
हृत्तस्त्रिष्टो बलवान् 65 31<sup>o</sup>  
हृत्तस्त्र जगतीपते 77 26<sup>o</sup>  
हृत्तस्त्र त्र्यंशैर्द्वि 38 24<sup>o</sup>  
हृत्तस्यापि प्रतोऽपि वा 75 26<sup>o</sup>  
हृत्तस्यापि रणे शब्दे 75 26<sup>o</sup>  
हृत्त कृष्णः स्यवेद्यन् 28 27<sup>o</sup>  
हृत्त स्वकर्मणा तनु 15 61<sup>o</sup>  
हृत्त प्रसेन सिंहेन 29 10<sup>o</sup>  
हृत्त सोऽय मया कृत 78 14<sup>o</sup>  
हृत्त सौमपति सात्व 97 6<sup>o</sup>  
हृत्तनेन दुरारमना 67 49<sup>o</sup>  
हृत्ता नौ बहया गोपा 67 49<sup>o</sup>  
हृत्ता पुण्यजैस्त्रात 9 32<sup>o</sup>  
हृत्ता ब्रह्माद्विप सर्व 95 7<sup>o</sup>  
हृत्ता मायाश्र त्वा सर्ग 99 44<sup>o</sup>  
हृत्तावित्यवगन्तव्या 72 23<sup>o</sup>  
हृत्ताशा हृत्ताधवा 77 3<sup>o</sup>  
हृत्ताध स रथ स्वत्वा 87 58<sup>o</sup>  
हृत्ताधौ हृत्तामरयो 82 9<sup>o</sup>  
हृत्तात्मा समजा गान 61 6<sup>o</sup>  
हृत्त कंसे दुरारमनि 80 6<sup>o</sup>  
हृत्ते कसे मम सुत 65 73<sup>o</sup>  
हृत्ते घोषायुधे 75 15 61<sup>o</sup>  
हृत्ते नोपेश्वर धव 15 61<sup>o</sup>  
हृत्ते पितरि दु पार्ता 29 6<sup>o</sup>

हृते गौमे निमुन्दे च 92 8<sup>o</sup>  
हृते रुमिणि वीर्यान् 91 1<sup>o</sup>  
हृते शब्दे महाराज 112 74<sup>o</sup>  
हृतेषु पुरुषोत्तम 38 54<sup>o</sup>  
हृतेवैषा यदा कन्या 48 26<sup>o</sup>  
हृतो मधुवने भीम 31 127<sup>o</sup>  
हृतोऽयमिति विज्ञाय 108 70<sup>o</sup>

112 21<sup>o</sup>

हृतोऽय लोककण्ठक 67 47<sup>o</sup>  
हृतो हिरण्यकशिपु 65 37<sup>o</sup>  
हृतो तत्र पुत्रव 42 29<sup>o</sup>  
हृवीज दुर्बलो मूढ 21 31<sup>o</sup>  
हृवी प्रभवता तेन 31 18<sup>o</sup>  
हृत्वा कुचलयापीठ 96 63<sup>o</sup>  
हृत्वा क्षेमरूपसम् 23 68<sup>o</sup>  
हृत्वा गोपालकातुमी 73 37<sup>o</sup>  
हृत्वा चारिन्तद्वारा 23 142<sup>o</sup>  
हृत्वा चासुरपुंगवान् 31 91<sup>o</sup>  
हृत्वा जरासधवल 77 26<sup>o</sup>  
हृत्वा च क्षात्र रणे 44 53<sup>o</sup>  
हृत्वा निवेशायामास 23 61<sup>o</sup>  
हृत्वापि मा न शक्तस्त्व 5 51<sup>o</sup>  
हृत्वा शेर महाबलम् 29 20<sup>o</sup>  
हृत्वा मा नय गावस्त्व 113 43<sup>o</sup>  
हृत्वा मृगास्त्राहाह 10 2<sup>o</sup>  
हृत्वा रक्षितुतास्तवा 21 36<sup>o</sup>  
हृत्वा क्षुभनिक्षुभौ द्वौ 65 51<sup>o</sup>  
हृत्वा सगजितं युद्धे 29 30<sup>o</sup>  
हृत्वापति स भार्गव 23 163<sup>o</sup>  
हृत्वापि वसुधरे 0 3<sup>o</sup>  
हृत्वे ते कथयिष्यामि 4 23<sup>o</sup>

11 5<sup>o</sup>

हृत्ते ते वतंमिष्यामि 16 1<sup>o</sup>

23 5<sup>o</sup>

हृत्त विष्णो समलपसव 31 2<sup>o</sup>  
हृत्तव्या रिपवो युधि 45 13<sup>o</sup>  
हृत्तव्यौ नात्र सताप 72 19<sup>o</sup>  
हृत्ता हृत्तमेविष्यति 117 22<sup>o</sup>  
हृत्त हृत्तमदाह्वन् 74 30<sup>o</sup>  
हृत्त वर्धनतैरवि 84 11<sup>o</sup>  
हृत्त रोऽर्जुनहारया 82 27<sup>o</sup>  
हृत्त हृत्ता महापुत्रा 109 48<sup>o</sup>  
हृत्तवामेन उर्मति 108 15<sup>o</sup>



हयमानः शकुन्मूत्रं 74 31<sup>६</sup>.  
 हयमाना महात्मना 108 28<sup>१</sup>.  
 हयुर्मो देवमत्तम 31 41<sup>६</sup>.  
 हम्मारवैश्च यत्सानां 49 21<sup>६</sup>.  
 60 15<sup>६</sup>.  
 हम्मारवै श्रन्दमानाः 61 21<sup>६</sup>.  
 हय उरस्यज्यतामिति 115 6<sup>६</sup>.  
 हयमीव इति स्मृतः 44 67<sup>१</sup>.  
 हयमीवश्च निहतः 105 14<sup>६</sup>.  
 हयमीरश्च वीर्यवान् 31 70<sup>६</sup>.  
 37. 6<sup>१</sup>.  
 हयमीरश्च सुमहान् 109 40<sup>६</sup>.  
 हयमीवस्तु दानवः 33 18<sup>१</sup>.  
 हयमीवं नितुन्दं च 92 28<sup>६</sup>.  
 हयमीवं महासुरम् 91 50<sup>१</sup>.  
 हयमीने च दानवे 92 8<sup>१</sup>.  
 हयमीयो निसुन्दश्च 91. 19<sup>६</sup>.  
 हयभाण्डे रये तथा 70 9<sup>१</sup>.  
 हयया प्रत्यपगत 29 14<sup>६</sup>.  
 हयरूपं समास्थितः 67 47<sup>६</sup>.  
 हयस्यास्य महेश्वोऽपि 67. 56<sup>६</sup>.  
 हयानां च सहस्राणि 109 37<sup>६</sup>.  
 हयैर्म्यो यवम दूरा 70 9<sup>६</sup>.  
 हयै शशिकरोपमेः 34 13<sup>१</sup>.  
 हरणाय प्रपत्यस्ते 116 20<sup>६</sup>.  
 हरण्यलीरजावृष्टान् 54 14<sup>६</sup>.  
 हरमाणो न्यगृह्यत 90 8<sup>१</sup>.  
 हरमाणो महाबलौ 96 47<sup>१</sup>.  
 हरश्च घटुरूपश्च 3 43<sup>६</sup>.  
 हारसतर्गमेव च 112 9<sup>१</sup>.  
 हारसुम्भयामास 112 31<sup>६</sup>.  
 हरिणाक्रीडनं नाम 58 18<sup>६</sup>.  
 हरितानि शूद्रानि च 54 27<sup>१</sup>.  
 हरितालार्द्रपीतेन 63 20<sup>६</sup>.  
 हरिर्यं च हृते युगे 32 1<sup>६</sup>.  
 हरिपुत्रेन गोविन्दः 79 36<sup>६</sup>.  
 हरिरासीत्यनात्मनः 32 4<sup>१</sup>.  
 हरिरिकाशं गोकेन 40 9<sup>६</sup>.  
 हरिजैमाद् कुपित 112 17<sup>६</sup>.  
 हरिर्नारायण प्रभु 20 34<sup>१</sup>.  
 हरिर्नारायणो वरम् 10 51<sup>६</sup>.  
 हरिर्गुण्डागुलप्रभु 23 168<sup>६</sup>.  
 हरिर्गुण्डागुले प्रभु 7. 56<sup>६</sup>.

हरिर्गुण्डागुलोद्भवः 22 44<sup>६</sup>.  
 हरिचंशं द्विजर्पभाः 113 83<sup>१</sup>.  
 हरिश्चन्द्रमकलमपम् 10 21<sup>६</sup>.  
 हरिश्चन्द्रस्तु राजर्षिः 115 18<sup>६</sup>.  
 हरिश्चन्द्रस्य तु सुत 10 23<sup>६</sup>.  
 हरिष्ये जीवितं रणे 109 31<sup>६</sup>.  
 हरिं कृष्णं प्रजापतिम् 10 48<sup>६</sup>.  
 हरिं नारायण प्रभुम् 7 54<sup>१</sup>.  
 हरिं विन्याध कुपितः 112. 16<sup>६</sup>.  
 हरिं हर इव क्रोधान् 113 20<sup>६</sup>.  
 हरिः हृत्वोदकं तदा 29 8<sup>१</sup>.  
 हरिः प्रादात्प्रजापतीन् 3 110<sup>६</sup>.  
 हरिः सोऽभवद्दालक्ष्यः 42 4<sup>१</sup>.  
 हरेणामित्रघातिना 106 35<sup>१</sup>.  
 112 17<sup>१</sup>.  
 हरे हयैश्चपायेन 54 30<sup>६</sup>.  
 हरे कृष्णस्य धीमतः 30 1<sup>६</sup>.  
 हर्तार पररत्नानां 117 18<sup>१</sup>.  
 हर्म्यस्था सखिमानिधौ 108 8<sup>१</sup>.  
 हर्म्ये दायानां दूर्तौ 107. 41<sup>६</sup>.  
 हर्म्ये स्त्रीगणमस्वस्थं 108 6<sup>१</sup>.  
 हर्म्यस्तु सुत कर्ण 23 40<sup>६</sup>.  
 हर्म्योऽस्य सुतोऽभवत् 23 39<sup>१</sup>.  
 हर्म्यशरणमपुके 32 26<sup>१</sup>.  
 हर्म्यश्वस्तस्य चारमज 9 79<sup>१</sup>.  
 हर्म्यश्वस्य निरुग्मोऽमृत 9 79<sup>६</sup>.  
 हर्म्यथा इति विधुता 3 10<sup>१</sup>.  
 हर्म्यश्चरय नष्टेयु 3 18<sup>१</sup>.  
 हर्म्यं वारि नेत्राभ्यां 76 11<sup>१</sup>.  
 हर्म्येणामुखित रीर्षी 106 18<sup>१</sup>.  
 हर्म्येणायस्त्रिनोऽभवत् 109 81<sup>६</sup>.  
 हर्म्यमार्तानुसारिनी 83 33<sup>१</sup>.  
 हर्म्यमुद्यम्य रावन् 81 67<sup>१</sup>.  
 हर्म्यविष्टा यमुना यमस्तया 90 17<sup>६</sup>.  
 हर्म्यं सयनं नाम 81. 59<sup>१</sup>.  
 हर्म्ययुधमभिजुहः 110 58<sup>१</sup>.  
 हर्म्ययुधमभिदूषत् 110 59<sup>६</sup>.  
 हर्म्येन शत्रुरस्य मे 99 39<sup>१</sup>.  
 हर्म्येनानात्मज्ञेयी 2 28<sup>१</sup>.  
 हर्म्येनानात्महाराय 2 29<sup>१</sup>.  
 हर्म्येनानु माययित 34 7<sup>१</sup>.  
 हर्म्ये सुहृदिभ्योऽपि 7. 12<sup>१</sup>.  
 हर्म्या कृष्णवर्मन 22 37<sup>१</sup>.

हविषेवानलस्याधि 87 39<sup>a</sup>  
 हवींषि भरतर्षभ 116 7<sup>b</sup>  
 हव्यकल्पप्रदानमखे 30 22<sup>d</sup>  
 हव्यकल्पातिविषयान् 31 26<sup>e</sup>  
 हव्यभुषकनुसङ्कृत 34 35<sup>f</sup>  
 हव्य इतोत्तरमेव च 31 5<sup>g</sup>  
 हव्यादांश्च सुराश्रये 30 23<sup>h</sup>  
 हव्यैश्च निविधेस्तु 41 15<sup>i</sup>  
 हसन्तौ च कचित्कचित् 51 10<sup>j</sup>  
 हसन्त्येव लस्यिवान् 67 44<sup>k</sup>  
 हसन्तिहति दैत्यानां 33 23<sup>l</sup>  
 हस्तप्राप्तानि युद्धानि 67 61<sup>m</sup>  
 हस्ताभरणपूर्णेन 11 18<sup>n</sup>  
 हस्ताश्रयं च सायुधान् 38 28<sup>o</sup>  
 हस्तिर्न चोपहापीड 45 5<sup>p</sup>  
 हस्तिना कलहे घोरे 65 67<sup>q</sup>  
 हस्ती कुवलयपीड 73 1<sup>r</sup>  
 हस्तोद्भिष्टवमुखा गम्या 54 20<sup>s</sup>  
 हस्तमश्वरथसकुला 44 51<sup>t</sup>  
 हस्त्यश्वरथसपूर्ण 78 12<sup>u</sup>  
 हस्तशरद्वचोदुष्टा 55 30<sup>v</sup>  
 हस्तशूलस्य वरदृक् 93 54<sup>w</sup>  
 हस्तचामरवीजितम् 59 35<sup>x</sup>  
 हस्तयुक्तेन भास्वता 31 35<sup>y</sup>  
 हस्तलक्षणहासि-य 59 37<sup>z</sup>  
 हस्तसारसविन्यासै 59 44<sup>a</sup>  
 हस्तसेवितवारिभि 93 11<sup>b</sup>  
 हस्तेषु विचरन्तु च 62 51<sup>c</sup>  
 हस्तैर्विहसितवानीव 59 38<sup>d</sup>  
 हा धिगिल्लपरे तुल 56 20<sup>e</sup>  
 हातभारार्पितोदर 34 14<sup>f</sup>  
 हाताङ्गणं च पीनेन 68 23<sup>g</sup>  
 हातेणोरसि रापता 47 41<sup>h</sup>  
 हातैश्चन्द्राशुसकासै 94 25<sup>i</sup>  
 हासित कुटजे फुलै 54 8<sup>j</sup>  
 हास्यं खलु स सत्पते 46 21<sup>k</sup>  
 हास्ये क्रीडनकैलया 58 13<sup>l</sup>  
 हा हातासीति शुभुशु 58 21<sup>m</sup>  
 हा हातासीति यादासी 77 40<sup>n</sup>  
 हा हाता स महाबाहो 77 3<sup>o</sup>  
 हादाकारं प्रकुप्यती 51 25<sup>p</sup>  
 हादाकारं प्रकुर्वन्त 56 19<sup>q</sup>  
 हादेति कुपयत्तस्य 63 33<sup>r</sup>

हाहेति कृत्वा स्वरिता 50 8<sup>a</sup>  
 हाहेति हियमाणस्य 102 10<sup>b</sup>  
 हित सर्वैर्दिवोक्तसाम् 41 1<sup>c</sup>  
 हितार्थं च सुरोत्तमा 43 46<sup>d</sup>  
 हितार्थं सर्वलोकाणां 3 47<sup>e</sup>  
 हितार्थं सुरमत्यानां 31 13<sup>f</sup>  
 हित्वा गर्भतनु चापि 48 29<sup>g</sup>  
 हित्वा मानं यशस्विनी 21 4<sup>h</sup>  
 हित्वायोध्यां दिव सात 31 141<sup>i</sup>  
 हिमकाले मया न्योम्नि 67 25<sup>j</sup>  
 हिमतोयप्रपूर्णाभि 34 23<sup>k</sup>  
 हिमप्रहरणे स्थितम् 34 26<sup>l</sup>  
 हिमप्लावितसर्वाङ्गा 38 19<sup>m</sup>  
 हिमवद्भनसभूतो 71 37<sup>n</sup>  
 हिमवन्तमगाद्वाजा 85 63<sup>o</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्दृष्ट्वा 35 64<sup>p</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्दत्त 31 54<sup>q</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्योऽसी 24 21<sup>r</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्दत्त 30 13<sup>s</sup> 31 31<sup>t</sup>  
 38 10<sup>u</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्धैव 3 58<sup>v</sup> 35 25<sup>w</sup>  
 हिरण्यकशिपुं पुरा 38 19<sup>x</sup>  
 हिरण्यकशिपो रात्रन् 31 64<sup>y</sup>  
 हिरण्यकशिपोर्वैषात् 31 60<sup>z</sup>  
 हिरण्यकशिपो पुत्रा 3 59<sup>a</sup>  
 हिरण्यगर्भेभ्योद्गाता 20 23<sup>b</sup>  
 हिरण्यगर्भस्य सुता 7 15<sup>c</sup>  
 13 62<sup>d</sup>  
 हिरण्यगर्भो भगवान् 1 26<sup>e</sup>  
 हिरण्यपुरवासिन 3 74<sup>f</sup>  
 हिरण्यप्रतिपूर्णैश्च 86 50<sup>g</sup>  
 हिरण्यमस्रय धन 31 107<sup>h</sup>  
 हिरण्यममितं मया 89 31<sup>i</sup>  
 हिरण्यमोदा यनैश्च 7 22<sup>j</sup>  
 हिरण्यलोभेत्वादुपै 87 12<sup>k</sup>  
 हिरण्यवणमभयत् 1 23<sup>l</sup>  
 हिरण्यवर्णं रुचिर् 92 5<sup>m</sup>  
 हिरण्यवर्णां वा दम्प 20 18<sup>n</sup>  
 हिरण्यवर्णं गर्प्यस्तम् 92 18<sup>o</sup>  
 हिरण्यं पश्यन् विप्र 22 35<sup>p</sup>  
 हिरण्याशश्च भारत 3 58<sup>q</sup>  
 हिरण्यास्तुता एव 3 61<sup>r</sup>  
 द्विसया विचरिष्यन्त 14 5<sup>s</sup>

हिंसा चोपरमिष्यति 117 39<sup>a</sup>  
 हिंसाधर्मपरवने 16 20<sup>b</sup>  
 हीनप्रमिज्ञो नैच्छत्स 88 31<sup>c</sup>  
 हीनभायोऽपि वा नर 86 62<sup>d</sup>  
 हीनवर्णो यथा दासी 117 45<sup>e</sup>  
 हीनवीर्यपराक्रमम् 73 25<sup>f</sup>  
 हीनादीन तदा धर्म 117 37<sup>g</sup>  
 हुतमग्निषु पावनम् 100 79<sup>h</sup>  
 हुतद्वयवद्वेष्टया 3 34<sup>i</sup>  
 हुत यज्ञेषु देवता 5 5<sup>j</sup>  
 हुताचिरमुदायुधम् 31 9<sup>k</sup>  
 हुताधानाकांशुतद्विष्कासौ 31 120<sup>l</sup>  
 हुताग्निं विधिवत्सा तु 23 105<sup>m</sup>  
 हुताग्निान्वाप्य च द्विजान् 15 50<sup>n</sup>  
 हुंकारेणैव निर्भरस्य 112 46<sup>o</sup>  
 हुपन्तामप्रयो विप्रै 38 70<sup>p</sup>  
 हुपमानं महर्षिभि 39 19<sup>q</sup>  
 हुपमाने हुताधाने 38 41<sup>r</sup> 68 5<sup>s</sup>  
 हुत पय स बालक 102 11<sup>t</sup>  
 हुतभागो बृहस्पतिम् 21 29<sup>u</sup>  
 हुतराग्यस्तदा राजा 10 32<sup>v</sup>  
 हुतराग्योऽप्रीच्छक 21 29<sup>w</sup>  
 हुतराग्यो हुताशन 21 31<sup>x</sup>  
 हुतवान्यै महीपति 23 63<sup>y</sup>  
 हुतस्य शम्भरेण ह 99 19<sup>z</sup>  
 हुतस्य नृशरीरिण 44 79<sup>aa</sup>  
 हुतं राज्यमभूत्किञ्च 10 30<sup>ab</sup>  
 हुत साक्ष्येन वै पुरा 109 28<sup>ac</sup>  
 हुतानि च महीपाना 31 147<sup>ad</sup>  
 हुताकैलोकानिमाग्नयो 106 28<sup>ae</sup>  
 हुतास्तेन महारमना 104 8<sup>af</sup>  
 हुताह क्रमता मूय 42 35<sup>ag</sup>  
 हुने तस्मिन्नुमारके 102 12<sup>ah</sup>  
 हुतो यदैव प्रधुम 100 1<sup>ai</sup>  
 हुत्वा तेषां च कर्म तत् 37 51<sup>aj</sup>  
 हुत्वा स मेदिनीं कृत्वा 31 91<sup>ak</sup>  
 हुत्वास्माति मे प्रिय 71 25<sup>al</sup>  
 हुत्वा रोऽभिहृष्यते 56 22<sup>am</sup>  
 हुत्वं ते यथावत् 70 35<sup>an</sup>  
 हुत्वा मानवाग्निना 76 15<sup>ao</sup>  
 हुत्वा विदिनि 77 39<sup>ap</sup>  
 हुत्वेनालको रिपु 65 60<sup>aq</sup>  
 हुदिक संशभूष 28 4<sup>ar</sup>

हुयानि आसमास्तम् 77 7<sup>as</sup>  
 हुय ] वसुमगन्धास्य 73 14<sup>at</sup>  
 हुयिताश्च सबाधवा 83 14<sup>au</sup>  
 हुयीकेरा पुरस्त्व 81 99<sup>av</sup>  
 हुष्टचेता जनार्दन 99 42<sup>aw</sup>  
 हुष्टपुष्टजनायुतम् 49 24<sup>ax</sup>  
 हुष्टलाङ्गलोचन 64 13<sup>ay</sup>  
 हुष्टलोमाद्भूतव 61 31<sup>az</sup>  
 हुष्ट सर्वाधैतपन्न 93 9<sup>ba</sup>  
 हुष्टा किञ्चिद्वाह्युली 48 7<sup>bb</sup>  
 हुष्टान्पायतनेष्वपि 79 34<sup>bc</sup>  
 हुष्टा योद्धुमुपस्थिता 37 5<sup>bd</sup>  
 हुष्टा योद्धु व्यपस्थिता 81 74<sup>be</sup>  
 हुष्टास्ते गोपु जीविन 60 1<sup>bf</sup>  
 हुष्टेन मनसा तदा 84 9<sup>bg</sup>  
 हुष्टो वसति चन्द्रमा 59 47<sup>bh</sup>  
 हुष्टो विविशतुलदा 72 14<sup>bi</sup>  
 हेतुभूतश्च सदिधः 48 41<sup>bj</sup>  
 हेतुभूतस्त्वह तेपा 48 40<sup>bk</sup>  
 हेतुमद्वाच्यमुच्यते 84 1<sup>bl</sup>  
 हेतुवायुःकुहारा 117 6<sup>bm</sup>  
 हेतु वरुणां नासास्य 115 14<sup>bn</sup>  
 हेमकश्येर्महापटौ 81 16<sup>bo</sup>  
 हेमनेयूरबल्ये 33 6<sup>bp</sup>  
 हेमचित्रविमानैश्च 92 22<sup>bq</sup>  
 हेमजाडैश्च सोमिवम् 33 5<sup>br</sup>  
 हेमतालोरिष्टतप्यत्रम् 70 17<sup>bs</sup>  
 हेमयज्ञोपवीतवान् 44 9<sup>bt</sup>  
 हेमवज्रपरिष्कृत 34 4<sup>bu</sup>  
 हेमशर्करवालुका 93 64<sup>bv</sup>  
 हेमसूत्रमहाकृपा 92 11<sup>bw</sup>  
 हेममाणैश्च तुरगै 81 20<sup>bx</sup>  
 हेममाणो जगोद्ग 67 16<sup>by</sup>  
 हेमिने स्वर्धते वारु 67 6<sup>bz</sup>  
 हेमितोऽज्ञायाकैः 67 26<sup>ca</sup>  
 हेदयश्च हृष्यन् 23 135<sup>cb</sup>  
 हेदयस्य तु दायाप 23 63<sup>cc</sup>  
 हेदयस्याभवायुत्र 23 136<sup>cd</sup>  
 हेदयानां महारमनाम् 23 159<sup>ce</sup>  
 हेदयाच्चित्रपाना 10 37<sup>cf</sup>  
 हेदयानां पराक्रमम् 10 31<sup>cg</sup>  
 हेदयानाङ्गद्वया 10 24<sup>ch</sup>  
 हेदयेनालङ्घ्ये 10 15<sup>ci</sup>

होतामिदीप्तशिरसं 118 9<sup>a</sup>  
 होतारं चयनं च यत् 31 7<sup>d</sup>.  
 होतास्य भगवानग्नि 20 23<sup>a</sup>.  
 हृद्दीर्घललाटान्तां 55 35<sup>a</sup>.  
 हृद्प्रस्थितसचया 83 33<sup>b</sup>  
 हृदमध्यैऽकरोऽष्टदं 56. 2<sup>o</sup>.  
 हृदगातोदराक्रान्तां 55 33<sup>a</sup>.  
 हृदस्य पुत्रोऽप्यायुर्वै 3 60<sup>a</sup>  
 हृदस्यास्य तटावुभौ 55 53<sup>d</sup>.  
 हृदानां वरुणालयः 62 23<sup>b</sup>.  
 हृदिनी सागरं यासि 100. 40<sup>a</sup>.  
 हृदिनीं वेगगामिनीम् 55 29<sup>b</sup>.

हृत्स्वान्यतिप्रमाणानि 31. 8<sup>a</sup>.  
 हृत्स्वोऽतिमात्रं पुरुषः 5. 16<sup>a</sup>.  
 हृत्पुत्रो हृदस्तया 3. 60<sup>b</sup>.  
 हृद्यते हि वरुणप्रज्ञा 49. 6<sup>a</sup>.  
 हृद्यते हृद्यते हृति 102. 9<sup>d</sup>.  
 हृद्यमाणः प्रहम्बेन 58 30<sup>a</sup>.  
 हृद्येऽहं कृष्ण दैत्येन 58 32<sup>a</sup>.  
 ह्रीर्विद्या सनत्तिमैतिः 47. 54<sup>a</sup>.  
 ह्यनुवं जगतो गतिम् 100 48<sup>a</sup>.  
 ह्यभवंश्चामलाः प्रभाः 92. 20<sup>b</sup>.  
 ह्यस्त्रमस्त्रविदां चरः 112 22<sup>b</sup>.  
 हासं पार्तिन्यमुत्तमम् 112. 17<sup>d</sup>.